Gourav Sharma

29 Jan 1995

10:00 PM

Jaipur

Model: Brihat-Parashar-Patrika

Order No: 121748901

सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती हैं। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/01/1995**
दिन	रविवार
जन्म समय	**22:00:00 घंटे**
इष्ट	36:54:24 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:54:44 उत्तर
रेखांश	75:47:14 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:51 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:33:09 घंटे
वेलान्तर	-00:13:04 घंटे
साम्पातिक काल	06:06:57 घंटे
सूर्योदय	07:14:14 घंटे
सूर्यास्त	18:05:50 घंटे
दिनमान	10:51:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:30:32 मकर
लग्न के अंश	07:45:51 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वज्र
करण	शकुनि
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरव
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

पंचांग

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1916	माघ	9
पंजाबी	संवत : 2051	माघ	16
बंगाली	सन् : 1401	माघ	15
तमिल	संवत : 2051	थई	16
केरल	कोल्लम : 1170	मकरम	15
नेपाली	संवत : 2051	माघ	16
चैत्रादि	संवत : 2051	माघ	कृष्ण 13
कार्तिकादि	संवत : 2051	पौष	कृष्ण 13

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि ____: 13
तिथि समाप्ति काल _____: 09:16:58
जन्म तिथि _____: 14
सूर्योदय कालीन नक्षत्र ____: पूर्वाषाढ़ा
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 18:41:59 घंटे
जन्म योग _____: उत्तराषाढ़ा
सूर्योदय कालीन योग ____: हर्षण
योग समाप्ति काल _____: 10:24:12 घंटे
जन्म योग _____: वज्र
सूर्योदय कालीन करण ____: वणिज
करण समाप्ति काल _____: 09:16:58 घंटे
जन्म करण _____: शकुनि
भयात _____: 08:15:04
भभोग _____: 55:27:18
भोग्य दशा काल _____: सूर्य 5 वर्ष 1 मा 7 दि

घात चक्र

मास _____: श्रावण
तिथि _____: 3-8-13
दिन _____: शुक्रवार
नक्षत्र _____: भरणी
योग _____: वज्र
करण _____: तैतिल
प्रहर _____: 1
वर्ग _____: मार्जार
लग्न _____: धनु
सूर्य _____: तुला
चन्द्र _____: मीन
मंगल _____: वृश्चिक
बुध _____: सिंह
गुरु _____: धनु
शुक्र _____: कुम्भ
शनि _____: कन्या
राहु _____: कुम्भ

जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली

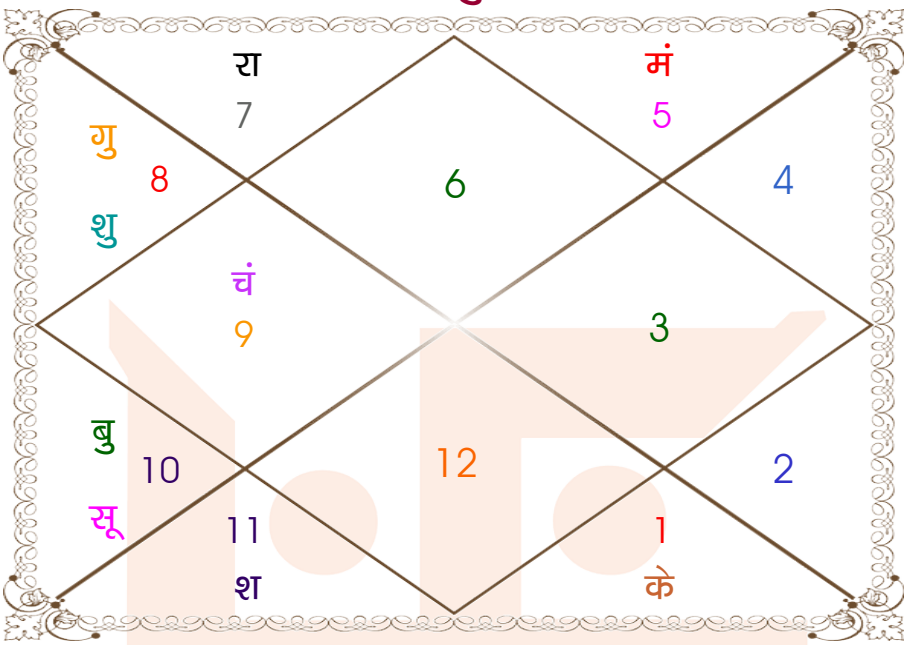

चन्द्र कुंडली

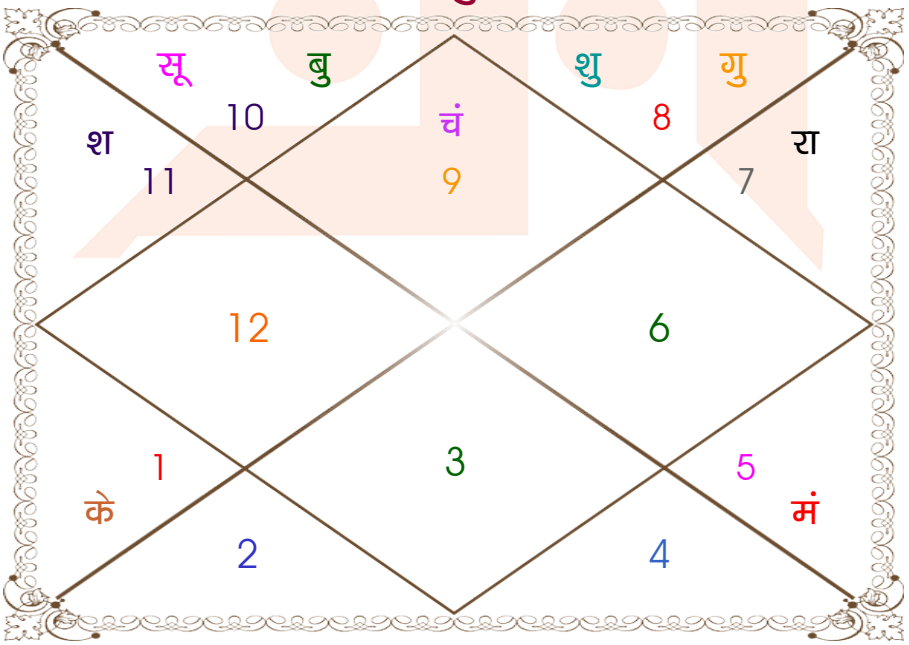

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

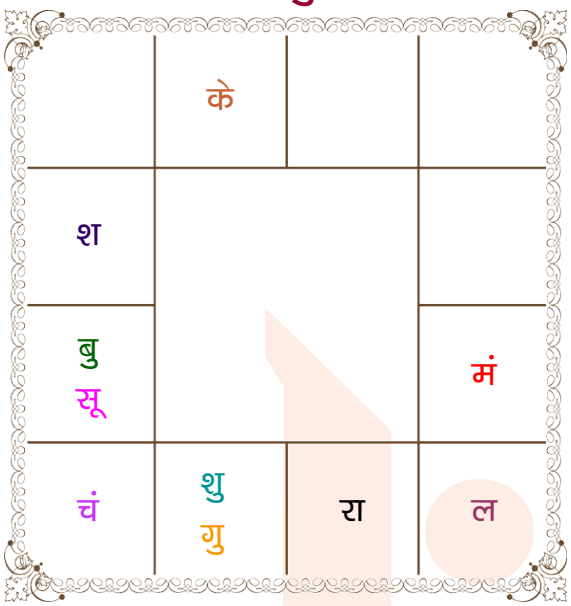

लग्न कुंडली

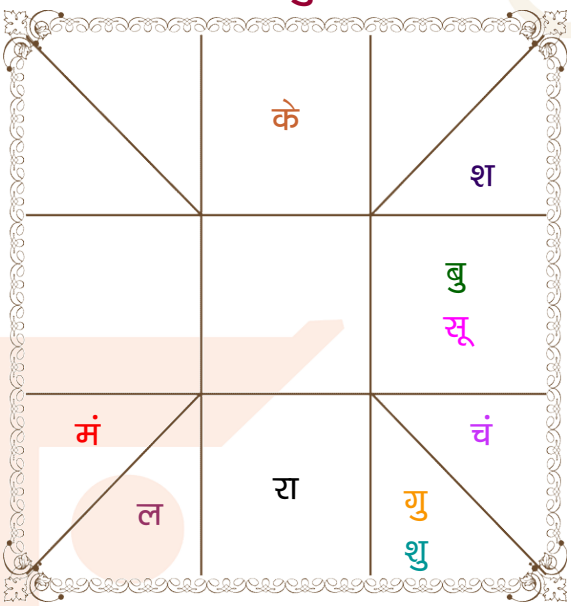

विंशोत्तरी
सूर्य 5वर्ष 1मा 7दि

सूर्य

29/01/1995

09/03/2114

सूर्य	07/03/2000
चन्द्र	08/03/2010
मंगल	08/03/2017
राहु	08/03/2035
गुरु	08/03/2051
शनि	08/03/2070
बुध	08/03/2087
केतु	08/03/2094
शुक्र	09/03/2114

योगिनी
संकटा 6वर्ष 9मा 19दि

सिद्धा

19/11/2022

19/11/2029

सिद्धा	30/03/2024
संकटा	19/10/2025
मंगला	29/12/2025
पिंगला	20/05/2026
धान्या	19/12/2026
भ्रामरी	30/09/2027
भद्रिका	19/09/2028
उल्का	19/11/2029

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	07:45:51	322:27:32	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	---
सूर्य			मक	15:30:32	01:00:58	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	28:39:33	14:28:49	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	सम राशि
मंगल	व		सिंह	04:11:26	00:20:10	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	मक	26:13:25	00:40:37	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	16:10:26	00:09:38	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	29:22:38	01:05:58	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि			कुंभ	17:00:58	00:06:39	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	16:36:06	00:11:18	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	16:36:06	00:11:18	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष			मक	03:21:48	00:03:29	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			धनु	29:51:23	00:02:13	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:29:06	00:01:10	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मिथु	07:48:23	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:31

लग्न-चलित

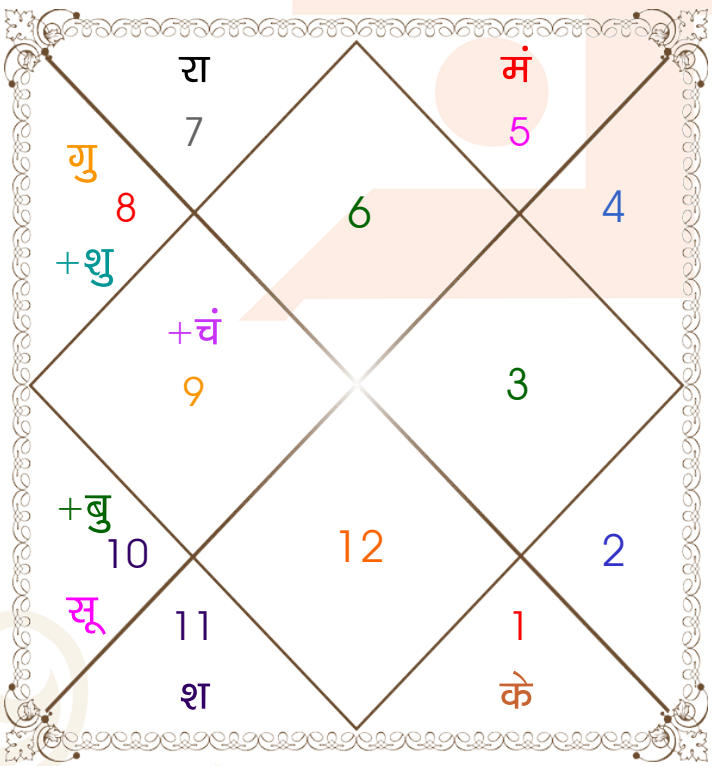

चन्द्र कुंडली

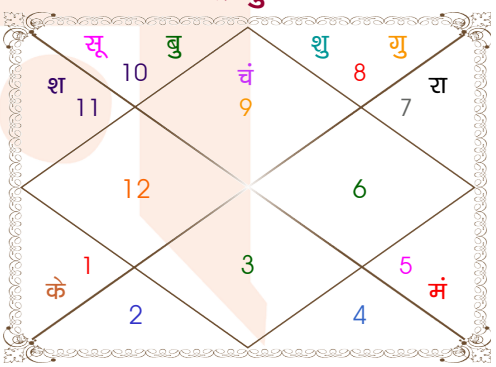

नवमांश कुंडली

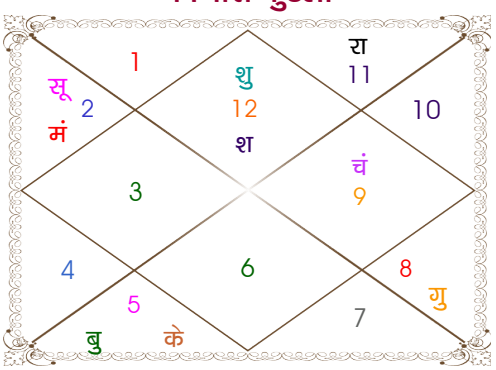

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	सिंह	22:46:17	कन्या	07:45:51
2	कन्या	22:46:17	तुला	07:46:42
3	तुला	22:47:07	वृश्चिक	07:47:33
4	वृश्चिक	22:47:58	धनु	07:48:23
5	धनु	22:47:58	मकर	07:47:33
6	मकर	22:47:07	कुम्भ	07:46:42
7	कुम्भ	22:46:17	मीन	07:45:51
8	मीन	22:46:17	मेष	07:46:42
9	मेष	22:47:07	वृष	07:47:33
10	वृष	22:47:58	मिथुन	07:48:23
11	मिथुन	22:47:58	कर्क	07:47:33
12	कर्क	22:47:07	सिंह	07:46:42

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	कन्या	07:45:51
2	तुला	06:06:21
3	वृश्चिक	06:31:37
4	धनु	07:48:23
5	मकर	09:06:55
6	कुम्भ	09:32:42
7	मीन	07:45:51
8	मेष	06:06:21
9	वृष	06:31:37
10	मिथुन	07:48:23
11	कर्क	09:06:55
12	सिंह	09:32:42

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी
कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी
उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा

चलित कुंडली

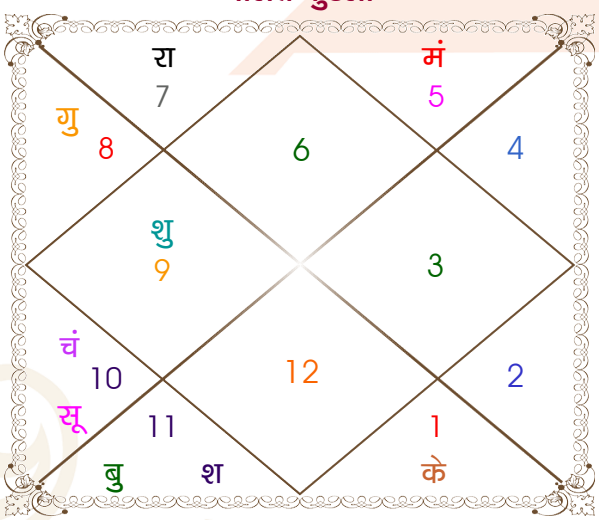

भाव कुंडली

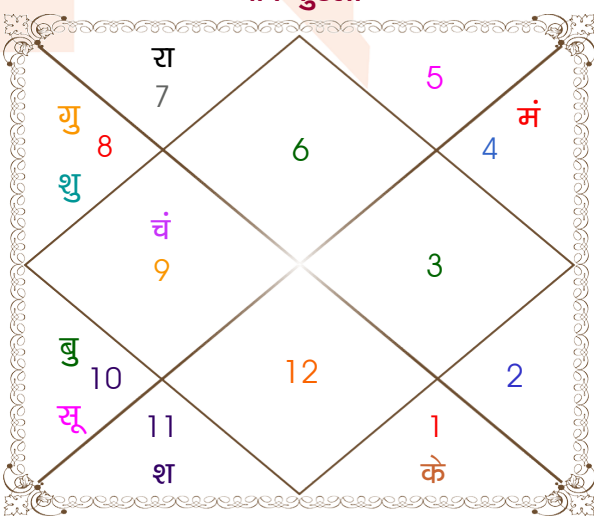

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	------ कारक ------			------- अवस्था -------			
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	ग्रह बल
सूर्य	ज्ञाति	पितृ	युवा	खल	गमन	5.31	49 %
चंद्र	अमात्य	मातृ	मृत	शक्त	भोजन	3.34	79 %
मंगल	कलत्र	भ्रातृ	बाल	मुदित	नेत्रपाणि	0.17	30 %
बुध	भ्रातृ	ज्ञाति	बाल	विकल	सभा	0.00	60 %
गुरु	पुत्र	धन	युवा	मुदित	आगम	2.53	35 %
शुक्र	आत्मा	कलत्र	बाल	शक्त	नेत्रपाणि	3.33	36 %
शनि	मातृ	आयु	युवा	स्वस्थ	नेत्रपाणि	3.50	47 %
राहु	---	ज्ञान	युवा	मुदित	नेत्रपाणि	0.00	41 %
केतु	---	मोक्ष	युवा	मुदित	भोजन	0.00	41 %
कुल						18.18	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी
कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी
उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा

चलित कुंडली

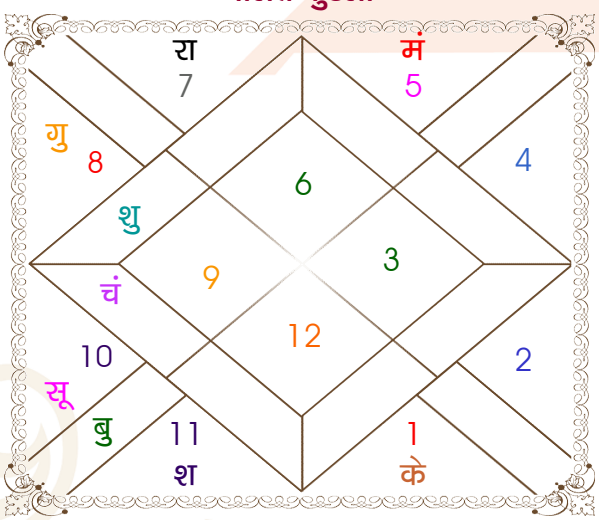

लग्न-चलित

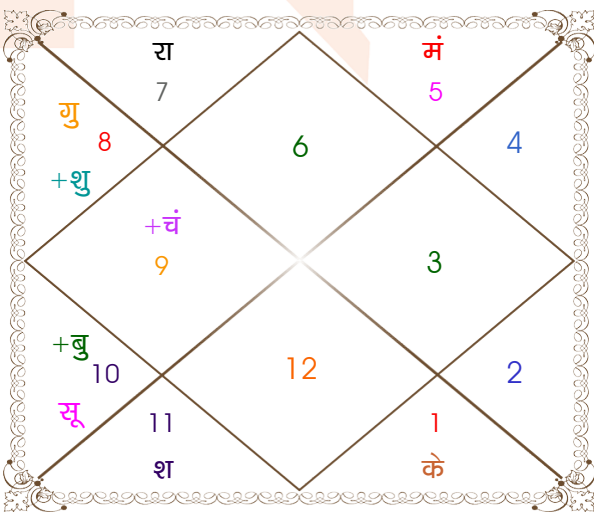

सुदर्शन चक्र

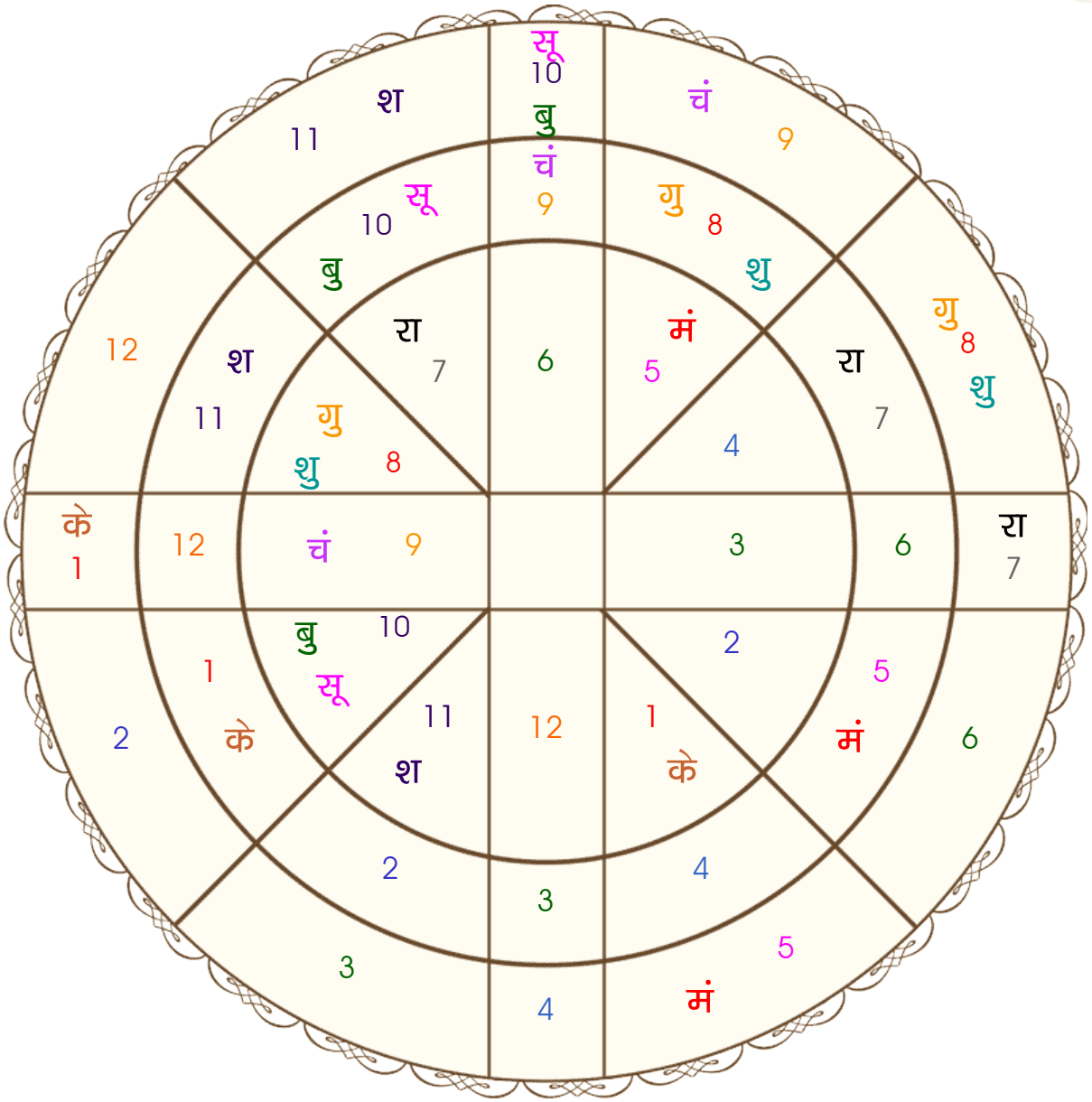

नोटः सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत से अन्तः वृत तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 0 मास 20 दिन

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		मक	15:36:58	शनि	चंद्र	गुरु	राहु
चंद्र		धनु	28:46:00	गुरु	सूर्य	मंगल	शनि
मंगल	व	सिंह	04:17:53	सूर्य	केतु	चंद्र	शनि
बुध	व	मक	26:19:52	शनि	मंगल	गुरु	गुरु
गुरु		वृश्चि	16:16:53	मंगल	शनि	गुरु	चंद्र
शुक्र		वृश्चि	29:29:05	मंगल	बुध	शनि	राहु
शनि		कुंभ	17:07:25	शनि	राहु	शुक्र	बुध
राहु	व	तुला	16:42:32	शुक्र	राहु	शुक्र	शनि
केतु	व	मेष	16:42:32	मंगल	शुक्र	चंद्र	शनि
हर्ष		मक	03:28:15	शनि	सूर्य	शनि	बुध
नेप		धनु	29:57:49	गुरु	सूर्य	राहु	शनि
प्लूटो		वृश्चि	06:35:33	मंगल	शनि	बुध	राहु

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	कन्या	07:52:18	बुध	सूर्य	शुक्र	शुक्र
2	तुला	06:12:47	शुक्र	मंगल	चंद्र	बुध
3	वृश्चि	06:38:03	मंगल	शनि	बुध	राहु
4	धनु	07:54:50	गुरु	केतु	गुरु	शनि
5	मक	09:13:21	शनि	सूर्य	शुक्र	शनि
6	कुंभ	09:39:09	शनि	राहु	गुरु	शुक्र
7	मीन	07:52:18	गुरु	शनि	केतु	गुरु
8	मेष	06:12:47	मंगल	केतु	राहु	शनि
9	वृष	06:38:03	शुक्र	सूर्य	बुध	गुरु
10	मिथु	07:54:50	बुध	राहु	राहु	केतु
11	कर्क	09:13:21	चंद्र	शनि	शुक्र	राहु
12	सिंह	09:39:09	सूर्य	केतु	शनि	शनि

के.पी. अयनांश : 23:41:04

फॉरच्युना : सिंह 21:01:19

लग्न कुंडली

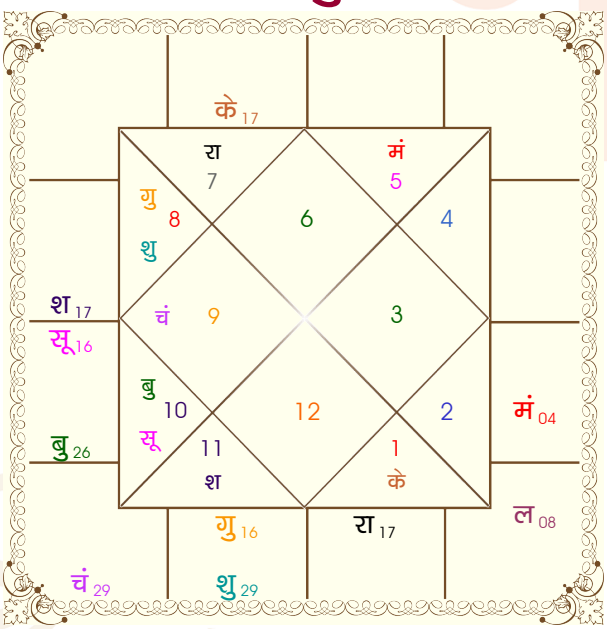

भाव कुंडली

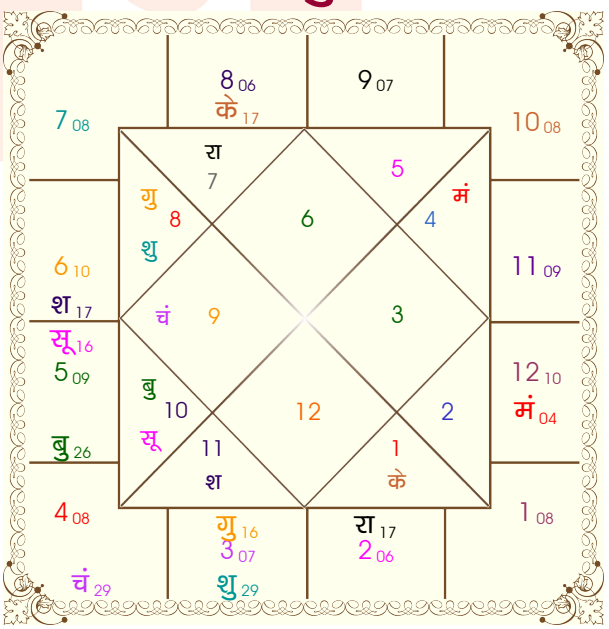

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	बुध- शुक्र-
2	शुक्र- शनि, राहु+ केतु-
3	मंगल- बुध- गुरु, शुक्र, केतु,
4	सूर्य, चंद्र, गुरु-
5	सूर्य, चंद्र, बुध, गुरु- शुक्र, शनि-
6	गुरु+ शनि,
7	गुरु-
8	मंगल+ बुध- केतु,
9	शुक्र- केतु-
10	बुध- शुक्र-
11	सूर्य- चंद्र- मंगल, बुध,
12	सूर्य- चंद्र-

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	4, 5, 11- 12-
चंद्र	4, 5, 11- 12-
मंगल	3- 8+ 11,
बुध	1- 3- 5, 8- 10- 11,
गुरु	3, 4- 5- 6+ 7-
शुक्र	1- 2- 3, 5, 9- 10-
शनि	2, 5- 6,
राहु	2+
केतु	2- 3, 8, 9-

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	सूर्य
लग्न राशि स्वामी	बुध
राशि नक्षत्र स्वामी	सूर्य
राशि स्वामी	गुरु
वार स्वामी	सूर्य
लग्न अन्तर स्वामी	शुक्र
राशि अन्तर स्वामी	मंगल

कारकत्व-सारिणी

भाव	स्थित ग्रह के नक्षत्र में	स्थित ग्रह	स्वामी के नक्षत्र में	स्वामी
1	--	--	शु	बु
2	श रा	रा	के	शु
3	के	गु शु	बु	मं
4	सू	चं	--	गु
5	चं शु	सू बु	गु	श
6	गु	श	गु	श
7	--	--	--	गु
8	मं	के	बु	मं
9	--	--	के	शु
10	--	--	शु	बु
11	बु	मं	सू	चं
12	--	--	चं	सू

ग्रह कारक सारिणी-1

ग्रह	भावाधिपति	नक्षत्राधिपति	स्थित	भाव
सूर्य	12	1,5,9	मकर	5
चंद्र	11	---	धनु	4
मंगल	3,8	2	सिंह	11
बुध	1,10	---	मकर	5
गुरु	4,7	---	वृश्चिक	3
शुक्र	2,9	---	वृश्चिक	3
शनि	5,6	3,7,11	कुम्भ	6
राहु	---	6,10	तुला	2
केतु	---	4,8,12	मेष	8

ग्रह कारक सारिणी-2

ग्रह	भावाधि भाव	नक्षत्राधि भाव	स्थित भाव	स्वामित्व	अन्तर स्वामी	स्थित भाव
सूर्य	11	---	4	4,7	---	3
चंद्र	12	1,5,9	5	3,8	2	11
मंगल	---	4,8,12	8	11	---	4
बुध	3,8	2	11	4,7	---	3
गुरु	5,6	3,7,11	6	4,7	---	3
शुक्र	1,10	---	5	5,6	3,7,11	6
शनि	---	6,10	2	2,9	---	3
राहु	---	6,10	2	2,9	---	3
केतु	2,9	---	3	11	---	4

ग्रह दृष्टि विचार

दृष्य ग्रह

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	हर्ष	नेप	प्लूटो
	285.51	268.66	124.19	296.22	226.17	239.38	317.02	196.60	16.60	273.36	269.86	216.49
सूर्य	--	--	--	युति	--	--	--	--	चतु	युति	--	--
285.51	0.00	0.00	0.00	4.34	0.00	0.00	0.00	0.00	2.88	2.95	0.00	0.00
चंद्र	--	--	--	--	--	--	--	--	--	युति	युति	--
268.66	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.81	9.92	0.00
मंगल	--	--	--	सप्त	4था	पंच	सप्त	पंचा	--	षष्ठ	--	4था
124.19	0.00	0.00	0.00	6.72	3.11	0.92	2.26	0.80	0.00	0.27	0.00	9.71
बुध	युति	--	सप्त	--	--	--	--	--	--	--	--	--
296.22	4.34	0.00	6.72	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
गुरु	तृती	--	--	--	--	युति	चतु	--	षष्ठ	--	--	युति
226.17	2.95	0.00	0.00	0.00	0.00	1.87	2.93	0.00	0.78	0.00	0.00	5.28
शुक्र	--	--	--	तृती	युति	--	--	--	--	--	--	--
239.38	0.00	0.00	0.00	2.03	1.87	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
शनि	--	--	सप्त	--	10वा	10वा	--	--	3रा	--	--	10वा
317.02	0.00	0.00	2.26	0.00	9.96	2.73	0.00	0.00	9.99	0.00	0.00	4.51
राहु	चतु	पंचा	--	--	--	--	पंच	--	सप्त	--	--	--
196.60	2.88	1.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.98	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00
केतु	--	--	--	--	--	--	--	सप्त	--	--	--	--
16.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	युति	युति	--	--	--	--	--	--	--	--	युति	--
273.36	2.95	8.81	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.33	0.00
नेप	--	युति	--	--	--	--	--	--	--	युति	--	--
269.86	0.00	9.92	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.33	0.00	0.00
प्लूटो	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	तृती	--	--
216.49	0.00	0.00	0.00	0.00	5.28	0.00	0.00	0.00	0.00	2.05	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव मध्य दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	157.76	187.78	217.79	247.81	277.79	307.78	337.76	7.78	37.79	67.81	97.79	127.78
सूर्य	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--
285.51	0.00	0.00	0.00	0.00	6.91	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.91	0.00
चंद्र	--	--	--	--	युति	नवां	--	--	--	--	सप्त	--
268.66	0.00	0.00	0.00	0.00	5.76	0.19	0.00	0.00	0.00	0.00	5.76	0.00
मंगल	--	तृती	--	पंच	--	सप्त	8वां	--	--	--	--	युति
124.19	0.00	1.77	0.00	1.75	0.00	9.30	9.31	0.00	0.00	0.00	0.00	9.30
बुध	--	--	--	--	--	युति	--	पंचा	--	--	--	सप्त
296.22	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.53	0.00	0.77	0.00	0.00	0.00	3.53
गुरु	--	--	युति	--	--	--	5वां	--	सप्त	--	9वां	--
226.17	0.00	0.00	6.39	0.00	0.00	0.00	6.37	0.00	6.39	0.00	6.39	0.00
शुक्र	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--	--
239.38	0.00	0.00	0.00	6.35	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.35	0.00	0.00
शनि	--	--	10वा	--	--	युति	--	3रा	--	--	--	सप्त
317.02	0.00	0.00	5.69	0.00	0.00	5.67	0.00	5.67	0.00	0.00	0.00	5.67
राहु	--	युति	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
196.60	0.00	6.03	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
केतु	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--
16.60	0.00	6.03	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.03	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	--	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	पंच	--	सप्त	--
273.36	0.00	0.00	0.00	0.00	8.94	0.00	1.22	1.21	1.20	0.00	8.94	0.00
नेप	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	--	--
269.86	0.00	0.00	0.00	0.00	6.74	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
प्लूटो	--	--	युति	--	तृती	चतु	पंच	--	सप्त	--	--	--
216.49	0.00	0.00	9.91	0.00	2.83	2.83	2.83	0.00	9.91	0.00	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	157.76	186.11	216.53	247.81	279.12	309.55	337.76	6.11	36.53	67.81	99.12	129.55
सूर्य	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--
285.51	0.00	0.00	0.00	0.00	7.84	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.84	0.00
चंद्र	--	--	--	--	युति	नवां	--	--	--	--	सप्त	--
268.66	0.00	0.00	0.00	0.00	4.58	0.18	0.00	0.00	0.00	0.00	4.58	0.00
मंगल	--	तृती	--	पंच	--	सप्त	8वां	--	--	--	--	युति
124.19	0.00	2.63	0.00	1.75	0.00	8.47	9.31	0.00	0.00	0.00	0.00	8.47
बुध	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	सप्त
296.22	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.75	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.75
गुरु	--	--	युति	--	--	--	5वां	--	सप्त	--	9वां	--
226.17	0.00	0.00	5.32	0.00	0.00	0.00	6.37	0.00	5.32	0.00	7.39	0.00
शुक्र	--	--	--	युति	नवां	--	--	--	--	सप्त	--	--
239.38	0.00	0.00	0.00	6.35	0.92	0.00	0.00	0.00	0.00	6.35	0.00	0.00
शनि	--	--	10वा	--	--	युति	--	3रा	--	--	--	सप्त
317.02	0.00	0.00	4.55	0.00	0.00	7.09	0.00	4.15	0.00	0.00	0.00	7.09
राहु	--	युति	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
196.60	0.00	4.54	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
केतु	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--
16.60	0.00	4.54	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.54	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	--	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	पंच	--	सप्त	--
273.36	0.00	0.00	0.00	0.00	8.24	0.00	1.22	2.26	2.03	0.00	8.24	0.00
नेप	--	--	--	--	युति	नवां	--	--	--	--	--	--
269.86	0.00	0.00	0.00	0.00	5.66	0.88	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
प्लूटो	--	--	युति	--	तृती	चतु	पंच	षष्ठ	सप्त	--	--	--
216.49	0.00	0.00	10.00	0.00	2.32	2.09	2.83	0.83	10.00	0.00	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली

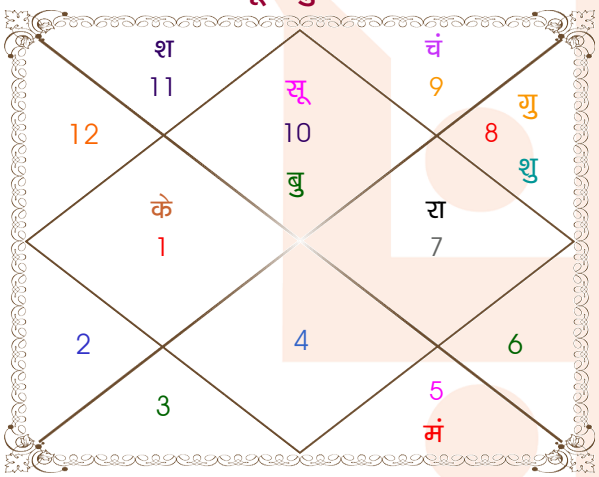

आत्मविचारः

चन्द्र कुंडली

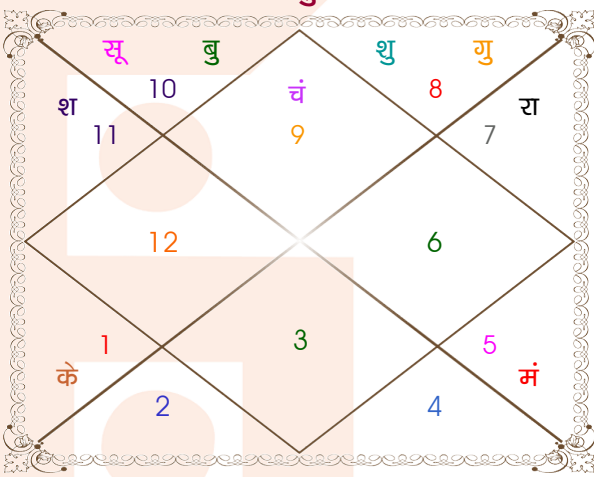

मनोबलविचारः

लग्न कुंडली

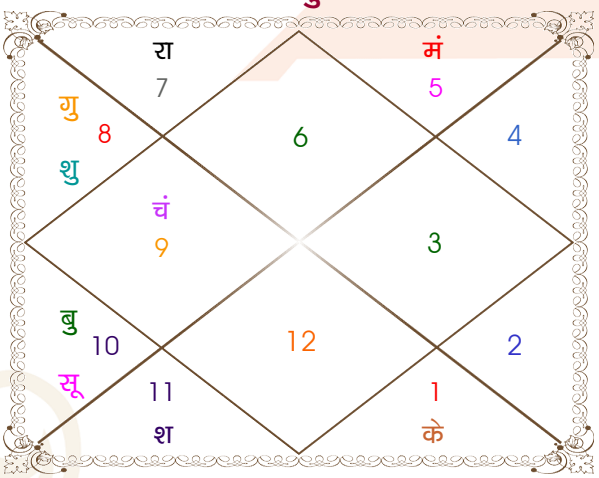

देह विचारः

होरा कुंडली

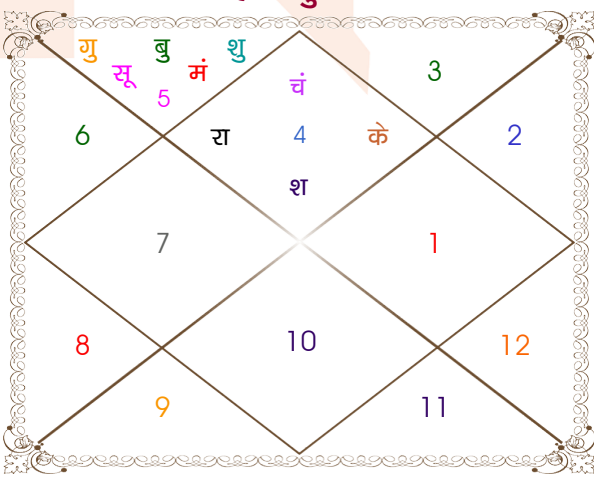

सम्पदाविचारः

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

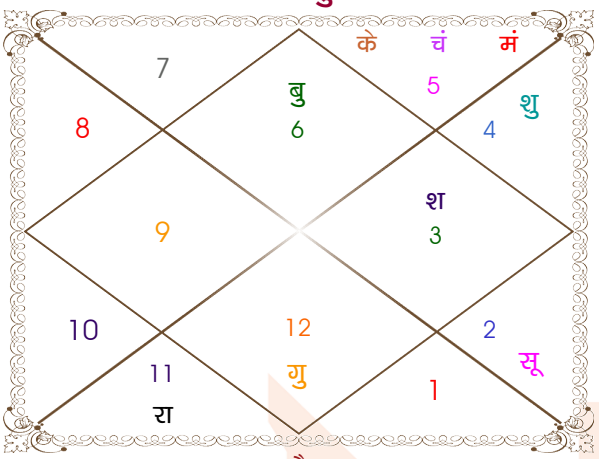

भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

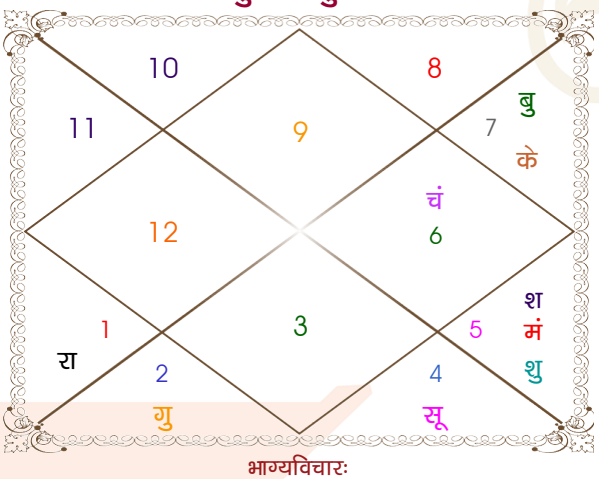

भाग्यविचारः

पंचमांश कुंडली

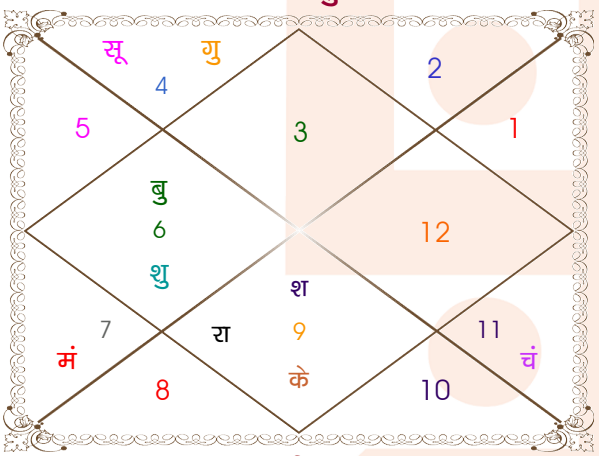

ज्ञानविचारः

षष्ठांश कुंडली

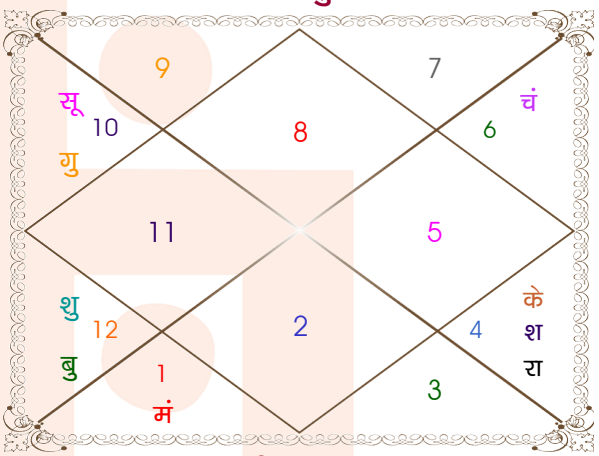

रिपुज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

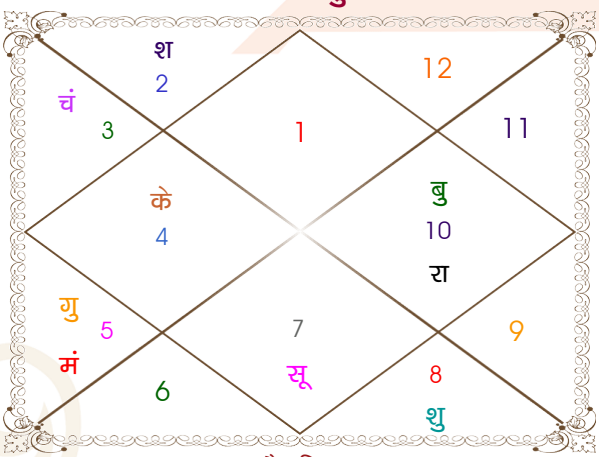

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

अष्टमांश कुंडली

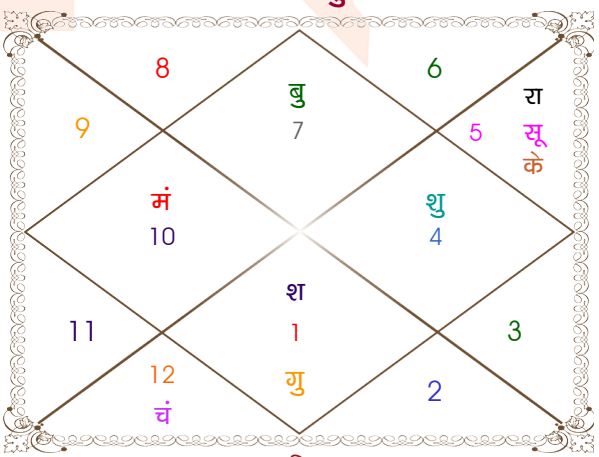

आयुविचारः

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

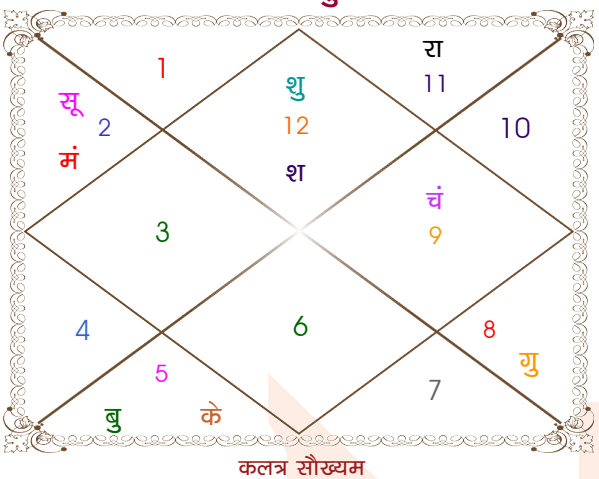

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

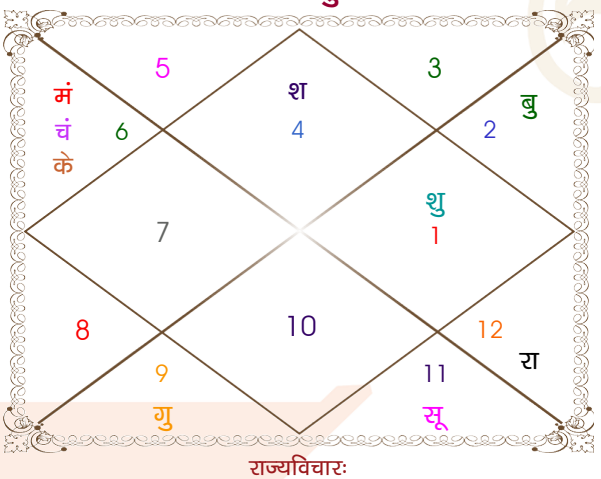

राज्यविचारः

एकादशांश कुंडली

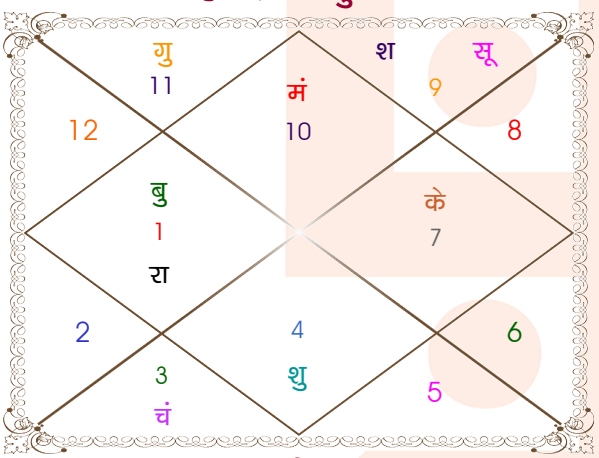

लाभविचारः

द्वादशांश कुंडली

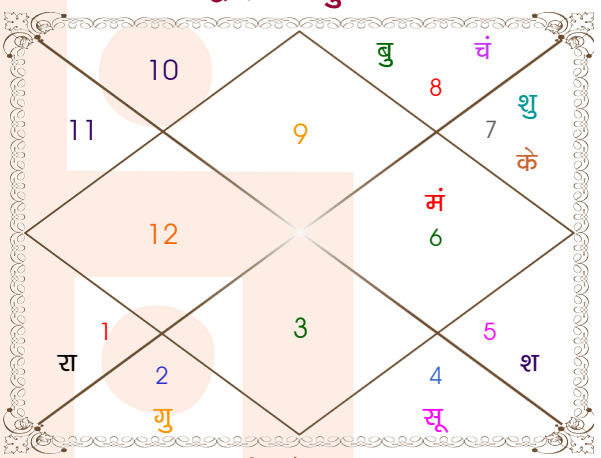

पितृसौख्यम

षोडशांश कुंडली

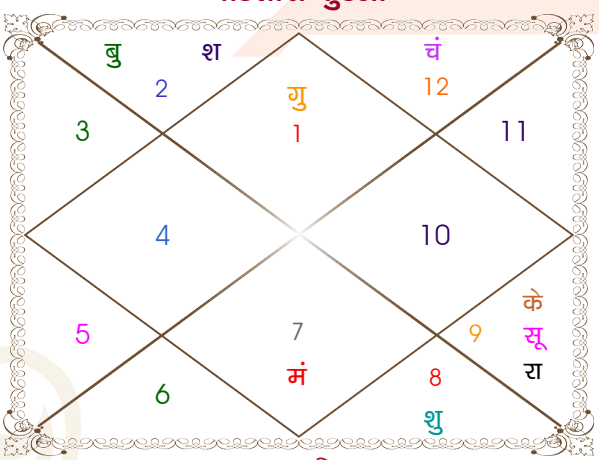

वाहनसुखविचारः

विंशांश कुंडली

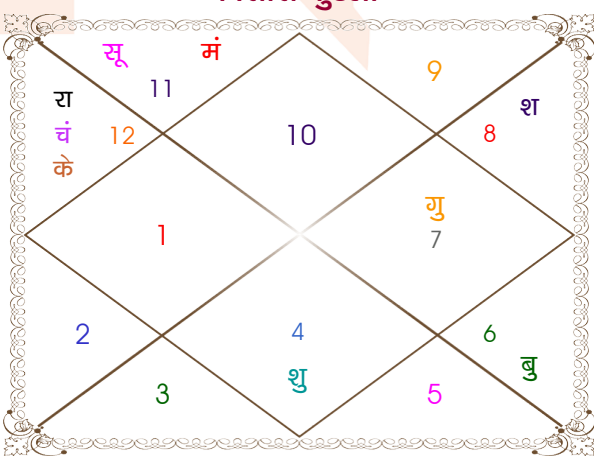

उपासनाज्ञानम्

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश कुंडली

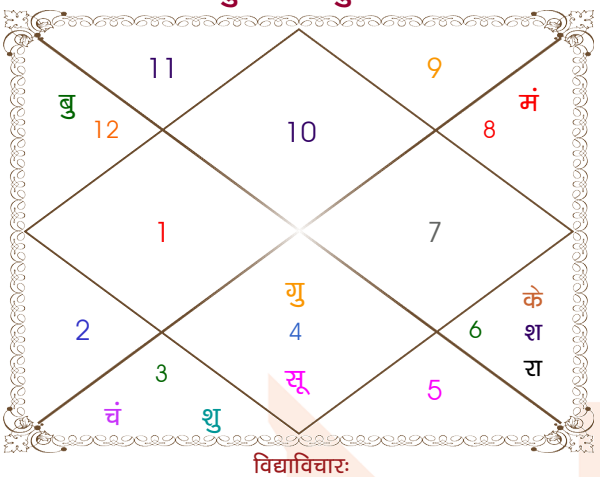

विद्याविचारः

सप्तविंशांश कुंडली

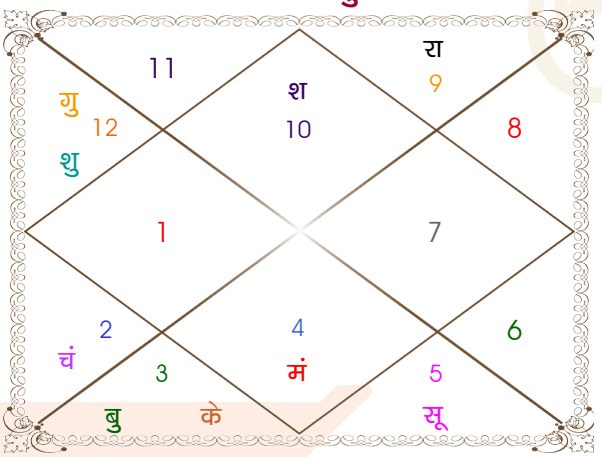

बलाबलज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

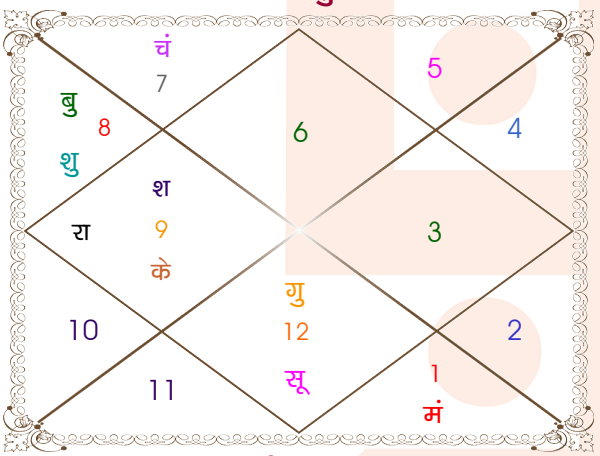

अरिष्टज्ञानम्

खवेदांश कुंडली

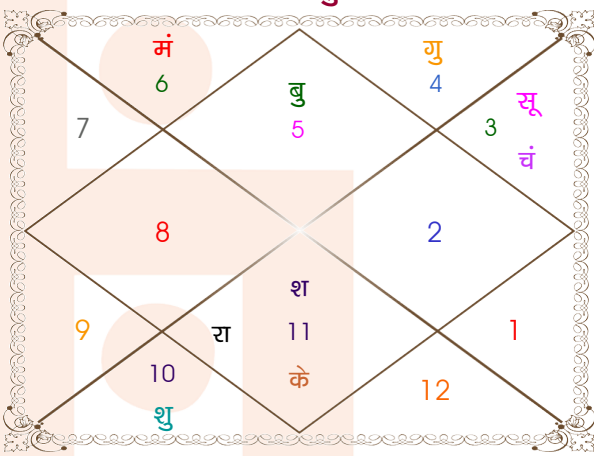

शुभाशुभज्ञानम्

अक्षवेदांश कुंडली

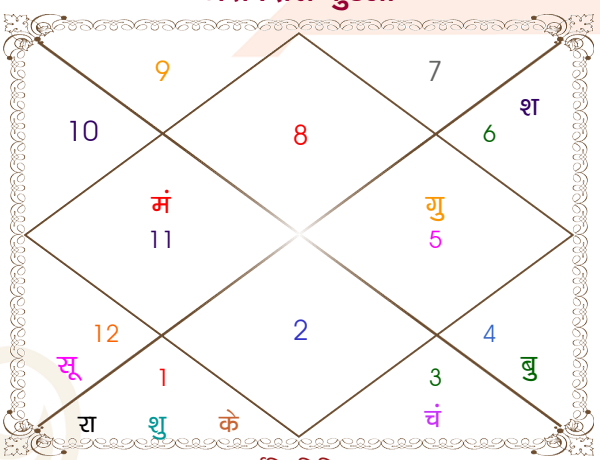

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

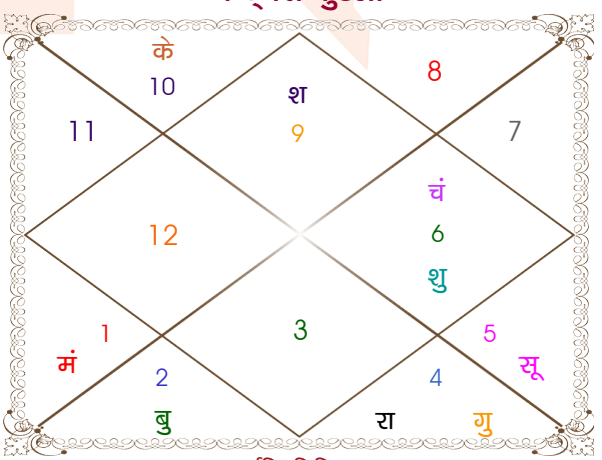

सर्वास्थितिविचारः

षोडशवर्ग सारणियाँ

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	कन्या	मक	धनु	सिंह	मक	वृश्चि	वृश्चि	कुंभ	तुला	मेष
होरा	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	कन्या	वृष	सिंह	सिंह	कन्या	मीन	कर्क	मिथु	कुंभ	सिंह
चतुर्थांश	धनु	कर्क	कन्या	सिंह	तुला	वृष	सिंह	सिंह	मेष	तुला
सप्तमांश	मेष	तुला	मिथु	सिंह	मक	सिंह	वृश्चि	वृष	मक	कर्क
नवमांश	मीन	वृष	धनु	वृष	सिंह	वृश्चि	मीन	मीन	कुंभ	सिंह
दशमांश	कर्क	कुंभ	कन्या	कन्या	वृष	धनु	मेष	कर्क	मीन	कन्या
द्वादशांश	धनु	कर्क	वृश्चि	कन्या	वृश्चि	वृष	तुला	सिंह	मेष	तुला
षोडशांश	मेष	धनु	मीन	तुला	वृष	मेष	वृश्चि	वृष	धनु	धनु
विंशांश	मक	कुंभ	मीन	कुंभ	कन्या	तुला	कर्क	वृश्चि	मीन	मीन
चतुर्विंशांश	मक	कर्क	मिथु	वृश्चि	मीन	कर्क	मिथु	कन्या	कन्या	कन्या
सप्तविंशांश	मक	सिंह	वृष	कर्क	मिथु	मीन	मीन	मक	धनु	मिथु
त्रिंशांश	कन्या	मीन	तुला	मेष	वृश्चि	मीन	वृश्चि	धनु	धनु	धनु
खवेदांश	सिंह	मिथु	मिथु	कन्या	सिंह	कर्क	मक	कुंभ	कुंभ	कुंभ
अक्षवेदांश	वृश्चि	मीन	मिथु	कुंभ	कर्क	सिंह	मेष	कन्या	मेष	मेष
षष्ट्यंश	धनु	सिंह	कन्या	मेष	वृष	कर्क	कन्या	धनु	कर्क	मक

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	1 ---	1 ---	2 पारिजात	3 कुसुम
चन्द्र	1 ---	1 ---	1 ---	2 भेदक
मंगल	1 ---	1 ---	2 पारिजात	3 कुसुम
बुध	1 ---	1 ---	1 ---	3 कुसुम
गुरु	2 किंसुक	2 किंसुक	4 गोपुर	7 कल्पवृक्ष
शुक्र	2 किंसुक	2 किंसुक	2 पारिजात	3 कुसुम
शनि	1 ---	1 ---	1 ---	3 कुसुम
राहु	0 ---	0 ---	0 ---	1 ---
केतु	1 ---	1 ---	2 पारिजात	3 कुसुम

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	12.20	15.30	11.25	13.05	17.20	12.00	16.10	12.65	9.35
सप्तवर्ग	12.20	15.53	11.13	12.93	17.10	12.45	16.08	12.25	8.73
दशवर्ग	15.05	16.20	13.25	14.63	17.48	14.78	15.30	12.33	9.18
षोडशवर्ग	14.68	16.25	13.48	14.70	17.33	13.73	15.93	12.65	9.48

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
मंगल	शत्रु	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
बुध	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
शुक्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	मित्र	मित्र	शत्रु
शनि	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र
राहु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु
केतु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	---

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	अतिमित्र	सम	शत्रु	अतिमित्र	सम	सम	सम	सम
चंद्र	अतिमित्र	---	शत्रु	अतिमित्र	मित्र	मित्र	मित्र	सम	अधिशत्रु
मंगल	सम	सम	---	अधिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	सम	सम
बुध	सम	सम	शत्रु	---	मित्र	अतिमित्र	मित्र	मित्र	मित्र
गुरु	अतिमित्र	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	---	अधिशत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
शुक्र	सम	सम	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	---	अतिमित्र	अतिमित्र	सम
शनि	सम	सम	अधिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	---	सम	सम
राहु	सम	सम	सम	मित्र	मित्र	अतिमित्र	सम	---	अधिशत्रु
केतु	सम	अधिशत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	सम	अधिशत्रु	---

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	32	19	2	16	16	21	21
सप्तवर्गज बल	105	124	77	83	152	94	135
ओजयुग्मक बल	0	0	15	15	0	30	15
केन्द्र बल	30	60	15	30	15	15	15
द्रेष्काण बल	0	15	15	0	0	15	15
कुल स्थान बल	167	217	124	144	183	175	201
कुल दिग्बल	13	53	41	14	37	57	53
नतोन्नत बल	13	47	47	60	13	13	47
पक्ष बल	54	109	54	54	6	6	54
त्रिभाग बल	0	60	0	0	60	0	0
अब्द बल	0	0	15	0	0	0	0
मास बल	0	0	0	0	0	0	30
वार बल	45	0	0	0	0	0	0
होरा बल	60	0	0	0	0	0	0
अयन बल	14	58	46	49	2	0	40
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	186	273	162	164	81	19	171
कुल चेष्टाबल	0	0	56	52	20	34	12
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	0	0	-26	-1	-19	-25	3
कुल षट्बल	426	595	374	397	337	302	449
रूप षट्बल	7.1	9.9	6.2	6.6	5.6	5.0	7.5
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.4	1.7	1.2	0.9	0.9	0.9	1.5
संबंधित पद	3	1	4	5	7	6	2

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	20.42	10.21	10.78	28.96	18.13	26.59	15.71
कष्ट फल	36.34	47.48	14.57	19.18	41.72	31.93	43.38

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	397	302	374	337	449	449	337	374	302	397	595	426
भावदिग्बल	60	50	20	30	10	10	30	40	50	30	10	40
भावदृष्टि बल	18	4	-11	-19	10	27	27	41	49	66	40	77
कुल भाव बल	476	356	383	348	469	486	394	456	402	494	645	543
रूप भाव बल	7.9	5.9	6.4	5.8	7.8	8.1	6.6	7.6	6.7	8.2	10.8	9.0
संबंधित पद	5	11	10	12	6	4	9	7	8	3	1	2

षट्बल ग्राफ

स्थान बल

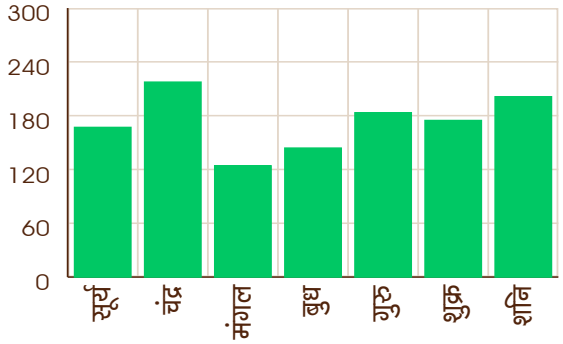

दिग्बल

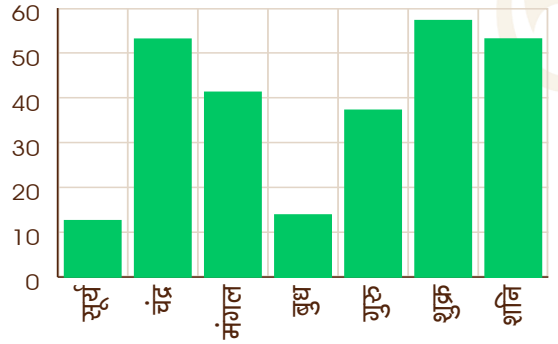

कालबल

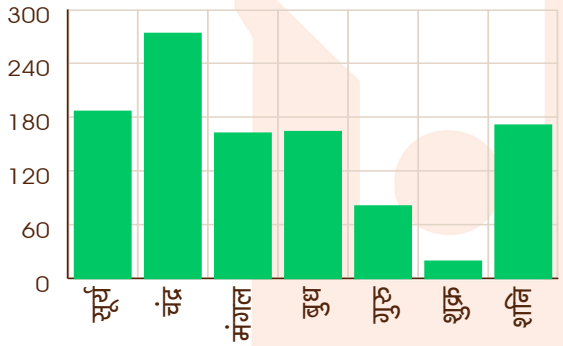

चेष्टाबल

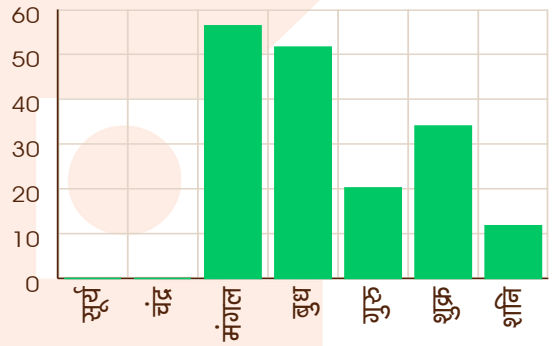

नैसर्गिक बल

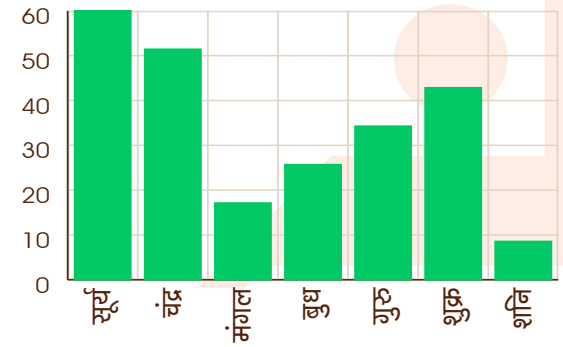

दृग्बल

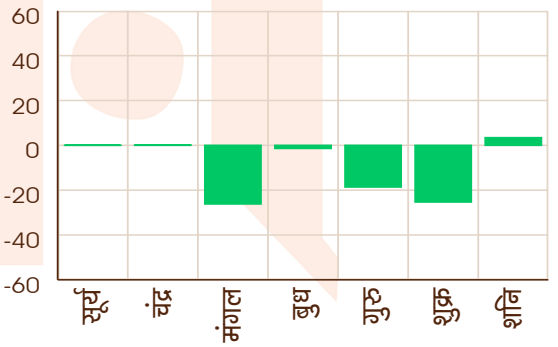

रूप षट्बल

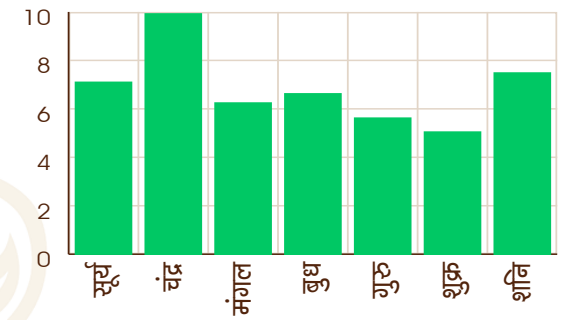

न्यूनतम षट्बल

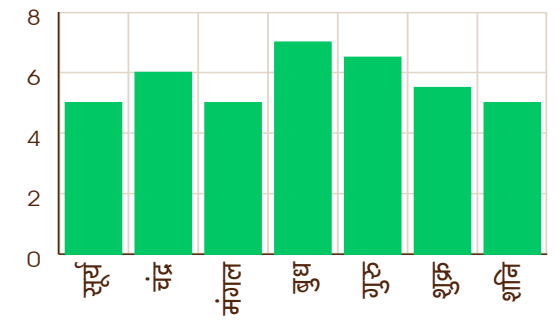

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

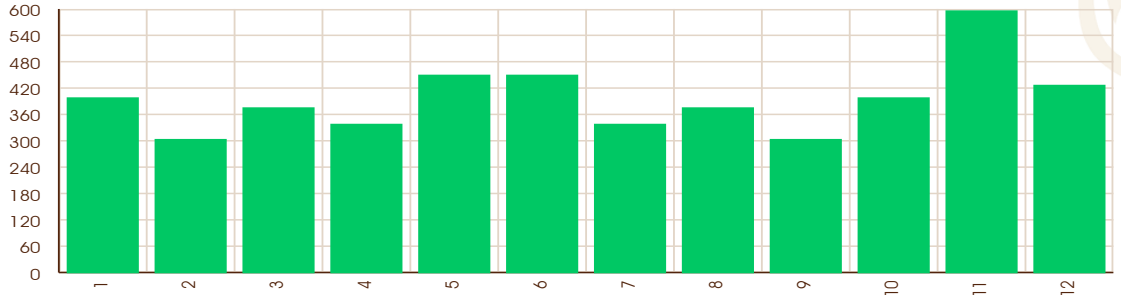

भावदिग्बल

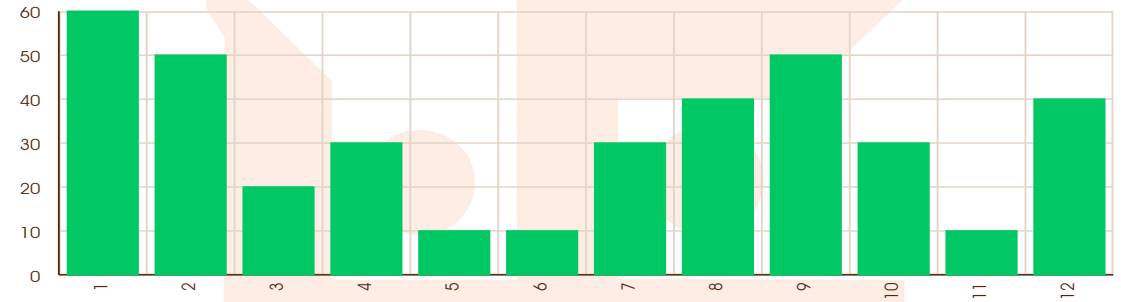

भावदृष्टि बल

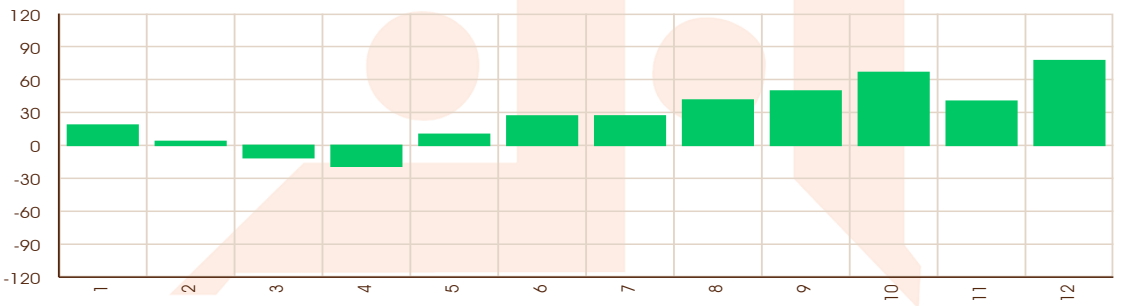

भाव बल

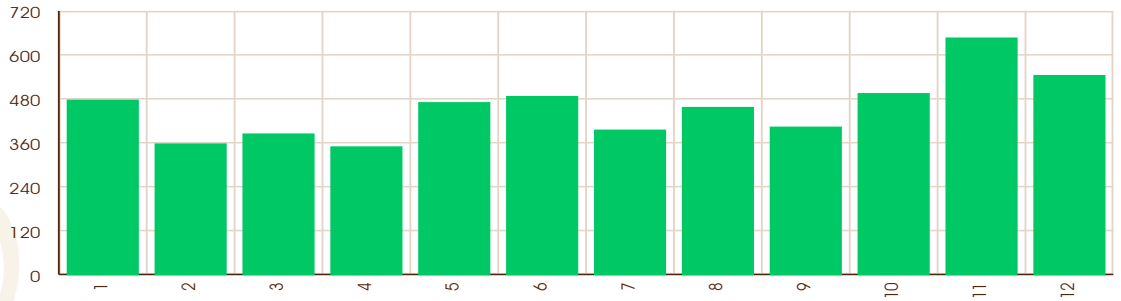

षट्बल तथा भावबल ग्राफ

रूप षट्बल

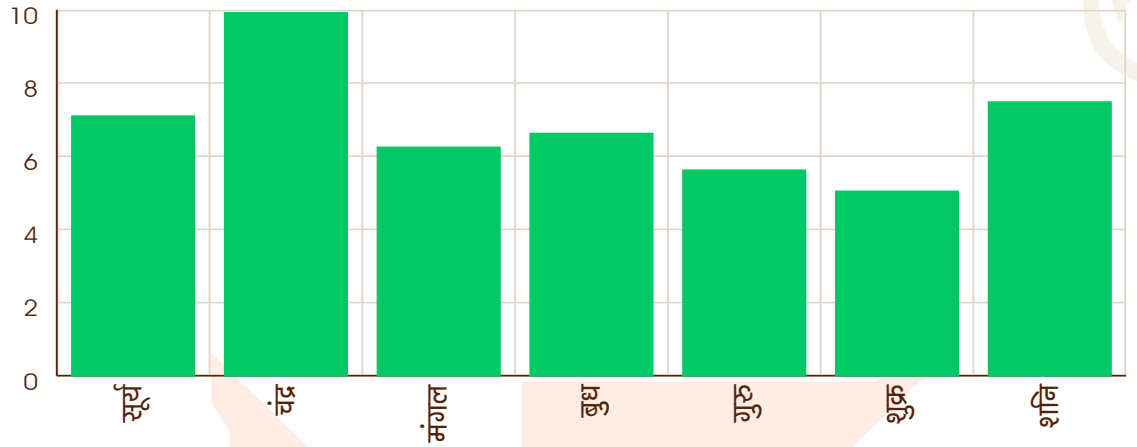

इष्ट - कष्ट फल

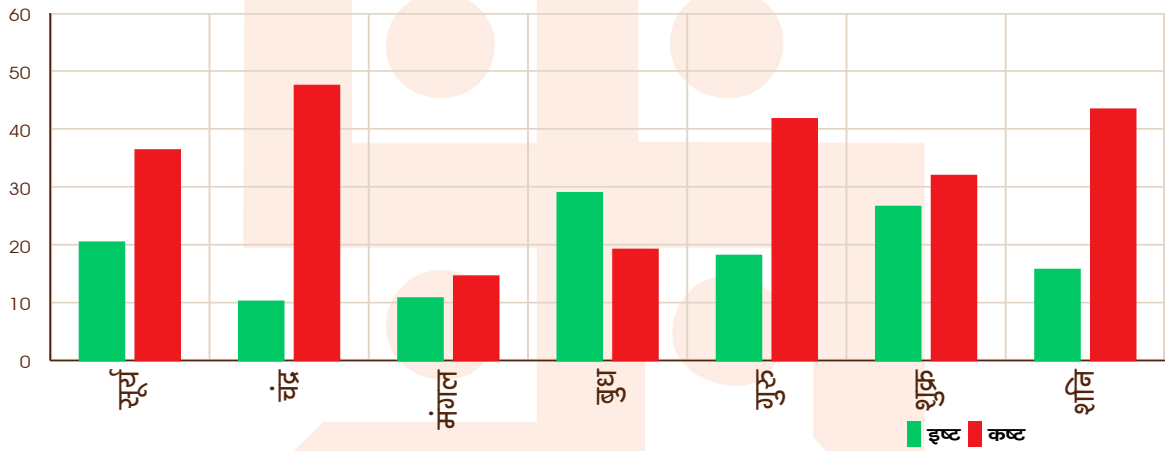

रूप भाव बल

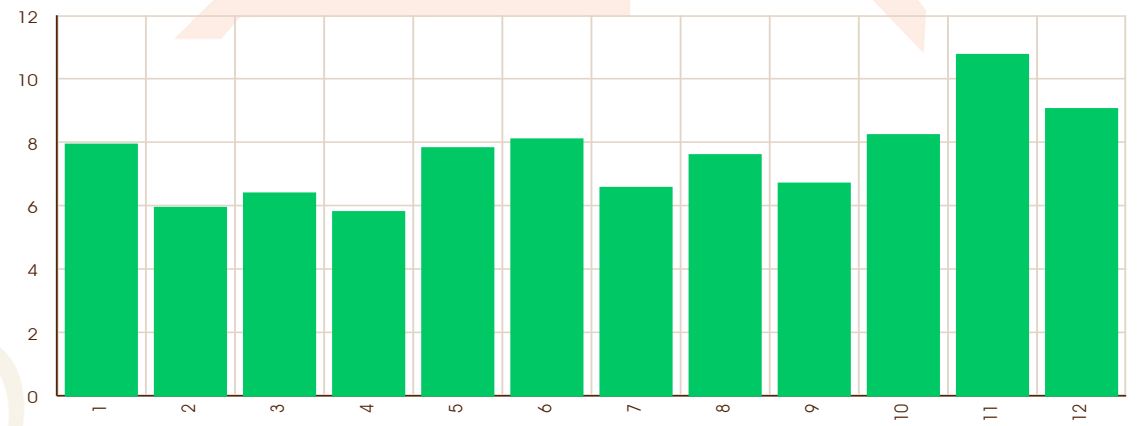

उपग्रह एवं आरूढ़

उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	कन्या	07:45:51	--	--	उ०फाल्गुनी	4	12
गुलिक	गु	कन्या	21:30:10	--	--	हस्त	4	13
काल	का	तुला	13:13:05	--	--	स्वाति	2	15
मृत्यु	मृ	वृश्चि	25:54:53	--	मूल	ज्येष्ठा	3	18
यमघंटक	यम	सिंह	07:34:56	--	--	मघा	3	10
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	धनु	18:59:31	--	--	पूर्वाषाढ़ा	2	20
धूम	धू	वृष	28:50:32	--	--	मृगशिरा	2	5
व्यतिपात	व्य	कुंभ	01:09:28	--	--	धनिष्ठा	3	23
परिवेश	परि	सिंह	01:09:28	--	--	मघा	1	10
इन्द्रचाप	इ	वृश्चि	28:50:32	--	--	ज्येष्ठा	4	18
उपकेतु	उप	धनु	15:30:32	--	--	पूर्वाषाढ़ा	1	20

प्राणपद	:	वृष	04:17:56	कारकाँश लग्न	:	मीन	24:23:43
भाव लग्न	:	मेष	19:12:14	होरा लग्न	:	धनु	00:38:36
घटी लग्न	:	कुंभ	12:42:23	वर्णद लग्न	:	कुंभ	21:35:33

उपग्रह कुंडली

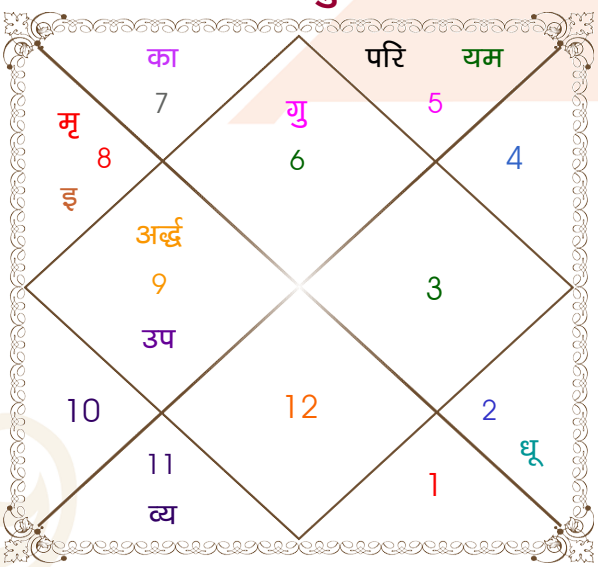

आरूढ़ कुंडली

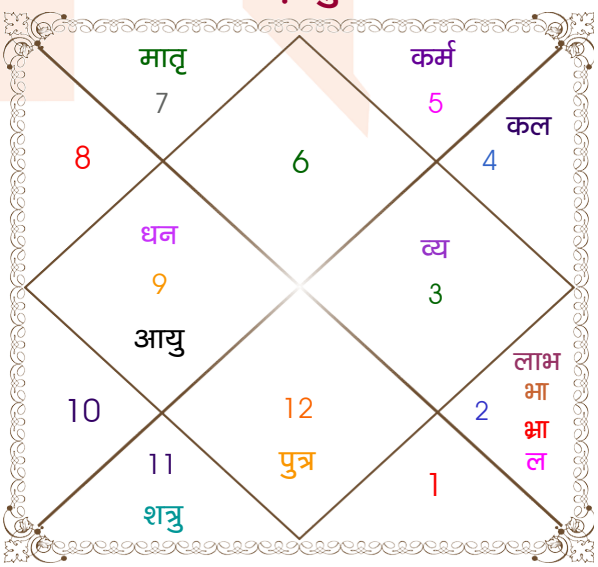

षन्नाडी चक्र

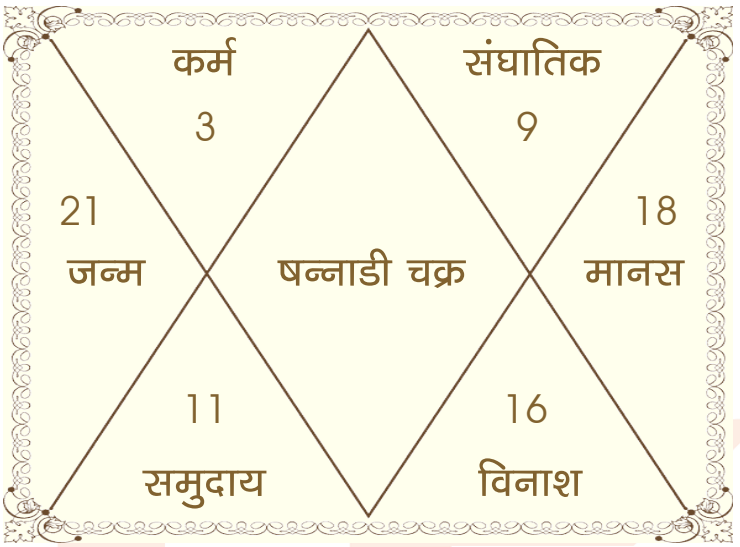

त्रिपाप चक्र

प्रथम चक्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
द्वितीय चक्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
तृतीय चक्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
केतु पताकी	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल
केतु कुंडली	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र
गुरु कुंडली	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र

प्रथम चक्र	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
द्वितीय चक्र	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
तृतीय चक्र	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96
केतु पताकी	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु
केतु कुंडली	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र
गुरु कुंडली	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य

प्रथम चक्र	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
द्वितीय चक्र	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
तृतीय चक्र	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
केतु पताकी	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र
केतु कुंडली	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र
गुरु कुंडली	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्ि	ध	कुल
शनि	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
गुरु	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	4
मंगल	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	3
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
चंद्र	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
लग्न	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	6
कुल	1	5	4	4	5	3	3	4	6	5	5	3	48

चंद्र का अष्टकवर्ग

	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्ि	कुल
शनि	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
गुरु	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	7
मंगल	1	1	0	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
सूर्य	0	0	0	1	0	0	1	1	1	0	1	1	6
शुक्र	0	1	1	1	0	1	0	1	1	1	0	0	7
बुध	0	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	4
कुल	4	3	4	3	2	5	6	5	5	4	4	4	49

मंगल का अष्टकवर्ग

	सि	कं	तु	वृश्ि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	कुल
शनि	1	1	1	1	1	0	1	0	0	1	0	0	7
गुरु	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	0	1	1	0	0	0	1	0	1	1	0	5
शुक्र	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
बुध	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	4
चंद्र	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	3
लग्न	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
कुल	3	5	5	5	1	0	4	3	2	5	5	1	39

बुध का अष्टकवर्ग

	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्ि	ध	कुल
शनि	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
गुरु	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	4
मंगल	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	8
सूर्य	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	0	6
लग्न	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
कुल	3	4	5	3	5	6	3	2	8	5	5	5	54

गुरु का अष्टकवर्ग

	वृश्ि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	कुल
शनि	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	9
शुक्र	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	6
बुध	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	1	1	8
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	5
लग्न	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	1	9
कुल	4	3	6	5	4	5	4	6	4	5	6	4	56

शुक्र का अष्टकवर्ग

	वृश्ि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	कुल
शनि	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	7
गुरु	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	0	5
मंगल	1	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	6
सूर्य	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	5
चंद्र	1	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	9
लग्न	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	8
कुल	7	5	4	2	4	4	3	5	5	4	5	4	52

शनि का अष्टकवर्ग

	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्ि	ध	म	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
मंगल	0	0	0	1	1	1	0	0	1	0	1	1	6
सूर्य	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	7
शुक्र	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3
बुध	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	1	0	6
चंद्र	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	3
लग्न	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	6
कुल	3	1	4	2	4	4	2	4	6	3	4	2	39

लग्न का अष्टकवर्ग

	कं	तु	वृश्ि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कुल
शनि	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	6
गुरु	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	9
मंगल	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	5
सूर्य	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	6
शुक्र	0	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	7
बुध	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	7
चंद्र	1	1	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	2	4	7	4	3	6	3	4	4	5	4	3	49

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	4	2	4	4	2	4	6	3	4	2	3	1	39
गुरु	5	4	6	4	5	6	4	4	3	6	5	4	56
मंगल	2	5	5	1	3	5	5	5	1	0	4	3	39
सूर्य	4	5	3	3	4	6	5	5	3	1	5	4	48
शुक्र	4	3	5	5	4	5	4	7	5	4	2	4	52
बुध	3	5	6	3	2	8	5	5	5	3	4	5	54
चंद्र	2	5	6	5	5	4	4	4	4	3	4	3	49
बिन्दु	24	29	35	25	25	38	33	33	25	19	27	24	337
रेखा	32	27	21	31	31	18	23	23	31	37	29	32	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	2	0	1	3	0	2	3	2	2	0	0	0	15
गुरु	2	0	2	0	2	2	0	0	0	2	1	0	11
मंगल	1	5	1	0	2	5	1	4	0	0	0	2	21
सूर्य	1	4	0	0	1	5	2	2	0	0	2	1	18
शुक्र	0	0	3	1	0	2	2	3	1	1	0	0	13
बुध	1	2	2	0	0	5	1	2	3	0	0	2	18
चंद्र	0	2	2	2	3	1	0	1	2	0	0	0	13
रेखा	7	13	11	6	8	22	9	14	8	3	3	5	109

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	0	1	3	0	1	3	2	2	0	0	0	12
गुरु	2	0	0	0	2	0	0	0	0	2	1	0	7
मंगल	0	4	1	0	2	4	1	4	0	0	0	2	18
सूर्य	0	2	0	0	1	5	2	2	0	0	2	1	15
शुक्र	0	0	1	1	0	2	2	3	1	1	0	0	11
बुध	0	1	2	0	0	3	1	2	3	0	0	0	12
चंद्र	0	2	1	2	3	1	0	1	2	0	0	0	12
रेखा	2	9	6	6	8	16	9	14	8	3	3	3	87

शोध्य पिंड

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	119	97	151	91	55	74	80
ग्रह पिंड	52	51	84	49	41	66	44
शोध्य पिंड	171	148	235	140	96	140	124

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

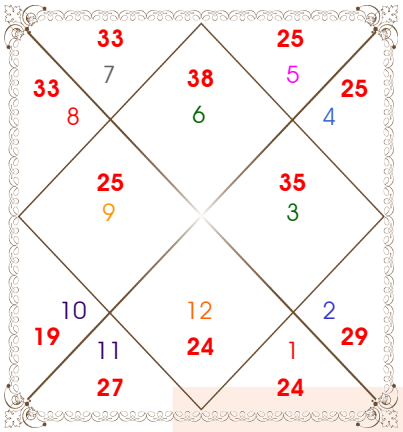

सूर्य का अष्टकवर्ग

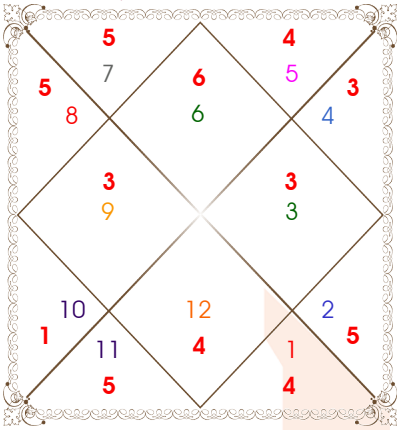

चंद्र का अष्टकवर्ग

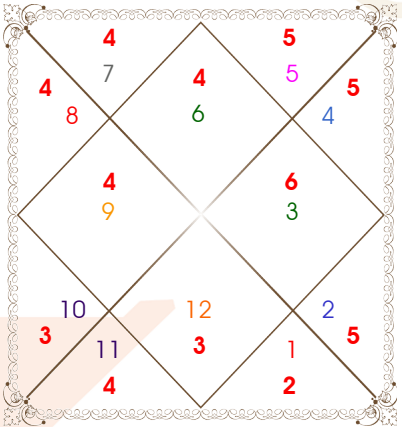

मंगल का अष्टकवर्ग

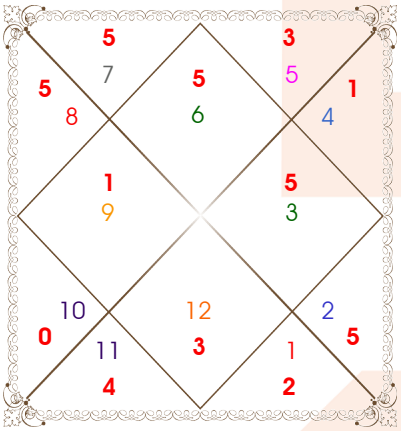

बुध का अष्टकवर्ग

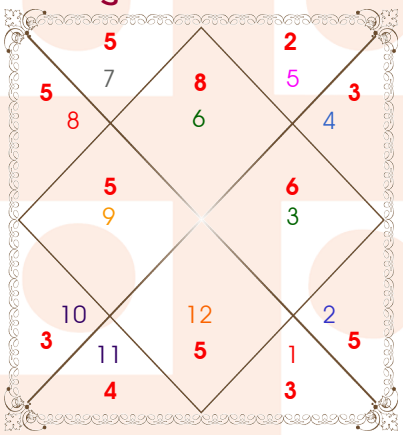

गुरू का अष्टकवर्ग

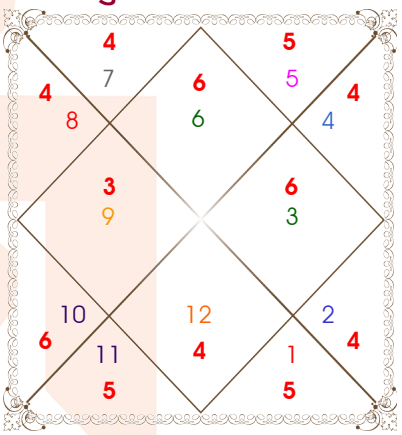

शुक्र का अष्टकवर्ग

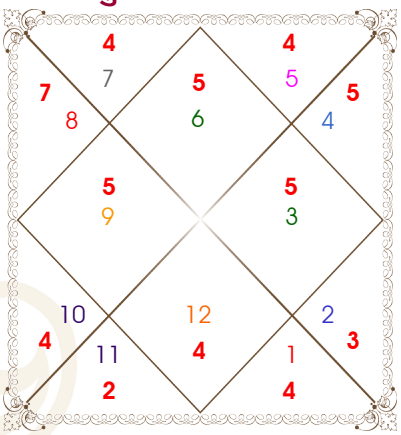

शनि का अष्टकवर्ग

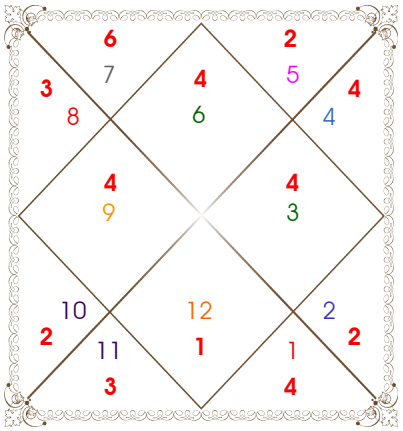

लग्न का अष्टकवर्ग

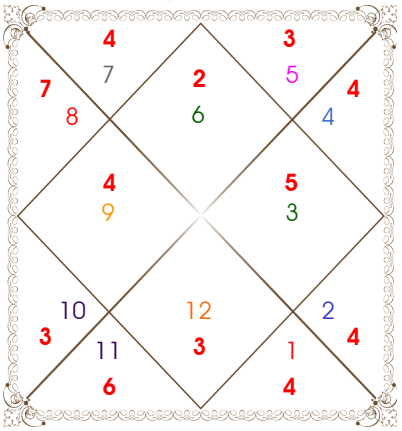

भिन्नाष्टक ग्राफ

सूर्य

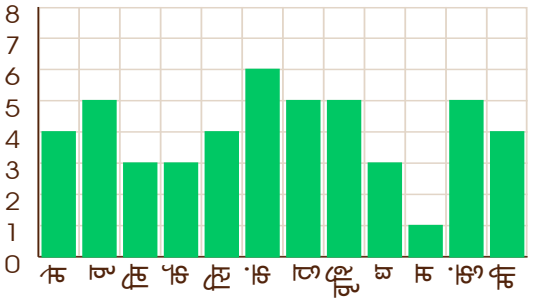

चन्द्र

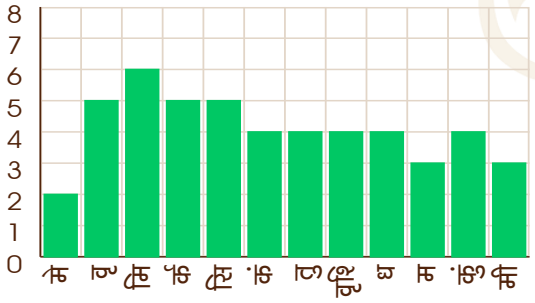

मंगल

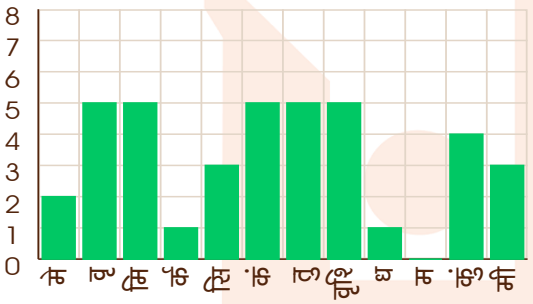

बुध

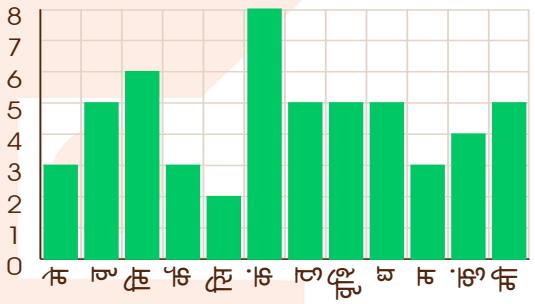

गुरु

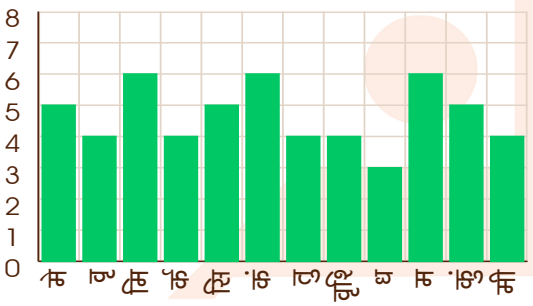

शुक्र

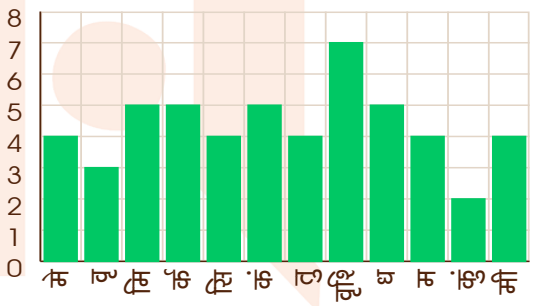

शनि

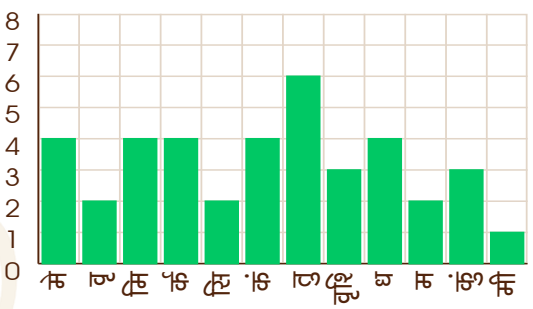

लग्न

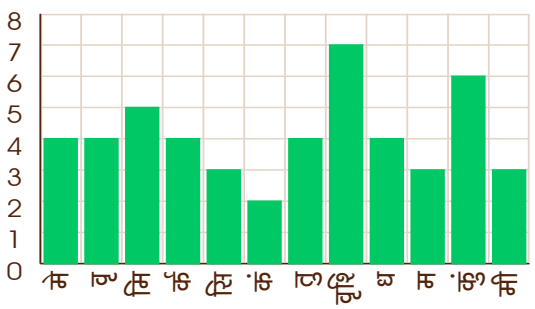

अष्टकवर्ग ग्राफ

सर्वाष्टकवर्ग

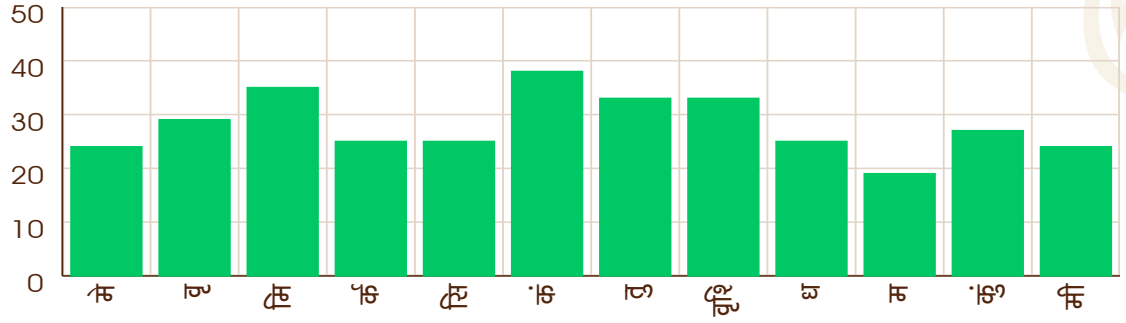

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

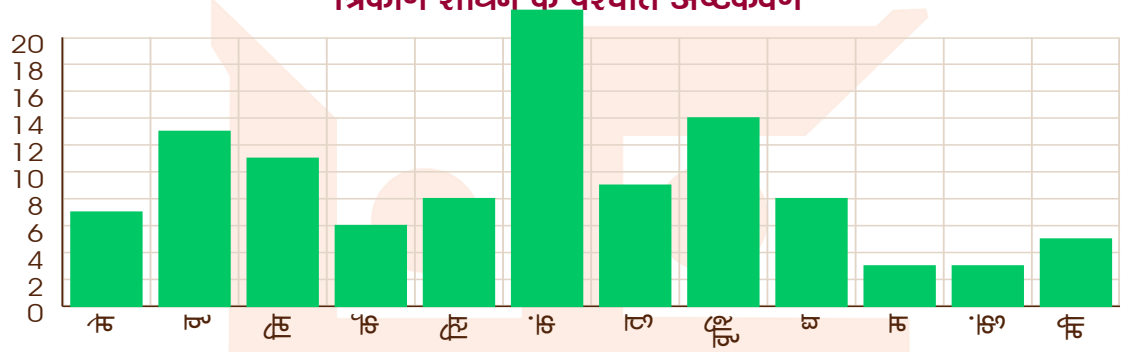

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

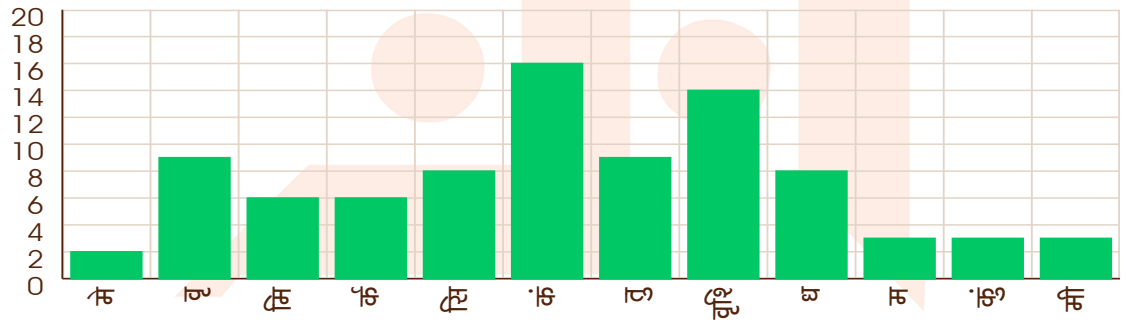

शोध्य पिंड

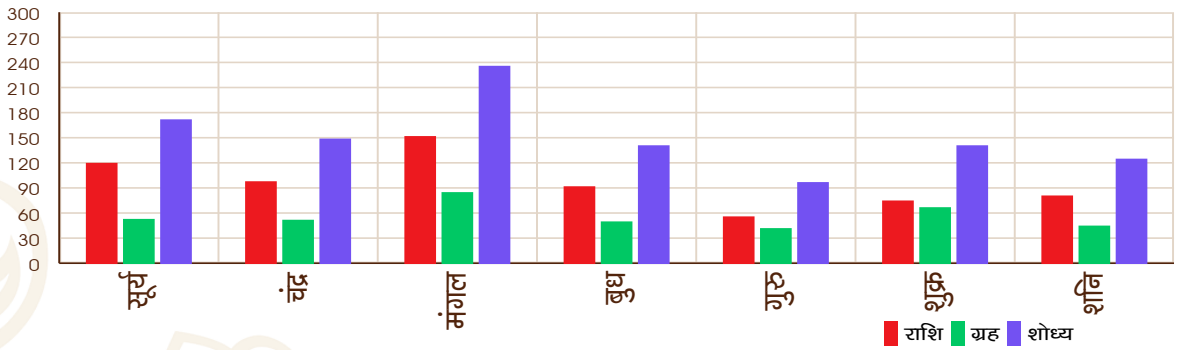

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 1 मास 7 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
29/01/1995		07/03/2000		08/03/2010		08/03/2017		08/03/2035	
07/03/2000		08/03/2010		08/03/2017		08/03/2035		08/03/2051	
	00/00/0000	चंद्र	06/01/2001	मंगल	04/08/2010	राहु	19/11/2019	गुरु	25/04/2037
	29/01/1995	मंगल	07/08/2001	राहु	23/08/2011	गुरु	13/04/2022	शनि	07/11/2039
मंगल	02/05/1995	राहु	06/02/2003	गुरु	28/07/2012	शनि	17/02/2025	बुध	12/02/2042
राहु	26/03/1996	गुरु	07/06/2004	शनि	06/09/2013	बुध	07/09/2027	केतु	18/01/2043
गुरु	12/01/1997	शनि	06/01/2006	बुध	04/09/2014	केतु	24/09/2028	शुक्र	18/09/2045
शनि	25/12/1997	बुध	07/06/2007	केतु	31/01/2015	शुक्र	25/09/2031	सूर्य	08/07/2046
बुध	31/10/1998	केतु	07/01/2008	शुक्र	01/04/2016	सूर्य	19/08/2032	चंद्र	07/11/2047
केतु	08/03/1999	शुक्र	06/09/2009	सूर्य	07/08/2016	चंद्र	18/02/2034	मंगल	13/10/2048
शुक्र	07/03/2000	सूर्य	08/03/2010	चंद्र	08/03/2017	मंगल	08/03/2035	राहु	08/03/2051

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
08/03/2051		08/03/2070		08/03/2087		08/03/2094		09/03/2114	
08/03/2070		08/03/2087		08/03/2094		09/03/2114		00/00/0000	
शनि	11/03/2054	बुध	04/08/2072	केतु	04/08/2087	शुक्र	07/07/2097	सूर्य	27/06/2114
बुध	18/11/2056	केतु	01/08/2073	शुक्र	03/10/2088	सूर्य	08/07/2098	चंद्र	26/12/2114
केतु	28/12/2057	शुक्र	01/06/2076	सूर्य	08/02/2089	चंद्र	08/03/2100	मंगल	30/01/2115
शुक्र	27/02/2061	सूर्य	07/04/2077	चंद्र	09/09/2089	मंगल	09/05/2101		00/00/0000
सूर्य	09/02/2062	चंद्र	07/09/2078	मंगल	05/02/2090	राहु	08/05/2104		00/00/0000
चंद्र	10/09/2063	मंगल	04/09/2079	राहु	24/02/2091	गुरु	07/01/2107		00/00/0000
मंगल	19/10/2064	राहु	23/03/2082	गुरु	31/01/2092	शनि	09/03/2110		00/00/0000
राहु	26/08/2067	गुरु	28/06/2084	शनि	11/03/2093	बुध	07/01/2113		00/00/0000
गुरु	08/03/2070	शनि	08/03/2087	बुध	08/03/2094	केतु	09/03/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 1 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि		सूर्य - बुध	
29/01/1995		02/05/1995		26/03/1996		12/01/1997		25/12/1997	
02/05/1995		26/03/1996		12/01/1997		25/12/1997		31/10/1998	
	00/00/0000	राहु	20/06/1995	गुरु	04/05/1996	शनि	08/03/1997	बुध	07/02/1998
	29/01/1995	गुरु	03/08/1995	शनि	19/06/1996	बुध	26/04/1997	केतु	25/02/1998
गुरु	07/02/1995	शनि	24/09/1995	बुध	30/07/1996	केतु	16/05/1997	शुक्र	18/04/1998
शनि	27/02/1995	बुध	10/11/1995	केतु	16/08/1996	शुक्र	13/07/1997	सूर्य	03/05/1998
बुध	17/03/1995	केतु	29/11/1995	शुक्र	04/10/1996	सूर्य	30/07/1997	चंद्र	29/05/1998
केतु	25/03/1995	शुक्र	23/01/1996	सूर्य	19/10/1996	चंद्र	28/08/1997	मंगल	16/06/1998
शुक्र	15/04/1995	सूर्य	08/02/1996	चंद्र	12/11/1996	मंगल	18/09/1997	राहु	02/08/1998
सूर्य	21/04/1995	चंद्र	07/03/1996	मंगल	29/11/1996	राहु	09/11/1997	गुरु	12/09/1998
चंद्र	02/05/1995	मंगल	26/03/1996	राहु	12/01/1997	गुरु	25/12/1997	शनि	31/10/1998

सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल		चंद्र - राहु	
31/10/1998		08/03/1999		07/03/2000		06/01/2001		07/08/2001	
08/03/1999		07/03/2000		06/01/2001		07/08/2001		06/02/2003	
केतु	08/11/1998	शुक्र	08/05/1999	चंद्र	02/04/2000	मंगल	18/01/2001	राहु	28/10/2001
शुक्र	29/11/1998	सूर्य	26/05/1999	मंगल	20/04/2000	राहु	19/02/2001	गुरु	09/01/2002
सूर्य	05/12/1998	चंद्र	26/06/1999	राहु	04/06/2000	गुरु	20/03/2001	शनि	06/04/2002
चंद्र	16/12/1998	मंगल	17/07/1999	गुरु	15/07/2000	शनि	22/04/2001	बुध	22/06/2002
मंगल	24/12/1998	राहु	10/09/1999	शनि	01/09/2000	बुध	23/05/2001	केतु	24/07/2002
राहु	12/01/1999	गुरु	29/10/1999	बुध	14/10/2000	केतु	04/06/2001	शुक्र	24/10/2002
गुरु	29/01/1999	शनि	25/12/1999	केतु	01/11/2000	शुक्र	09/07/2001	सूर्य	20/11/2002
शनि	18/02/1999	बुध	15/02/2000	शुक्र	22/12/2000	सूर्य	20/07/2001	चंद्र	05/01/2003
बुध	08/03/1999	केतु	07/03/2000	सूर्य	06/01/2001	चंद्र	07/08/2001	मंगल	06/02/2003

चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध		चंद्र - केतु		चंद्र - शुक्र	
06/02/2003		07/06/2004		06/01/2006		07/06/2007		07/01/2008	
07/06/2004		06/01/2006		07/06/2007		07/01/2008		06/09/2009	
गुरु	12/04/2003	शनि	06/09/2004	बुध	20/03/2006	केतु	20/06/2007	शुक्र	17/04/2008
शनि	28/06/2003	बुध	27/11/2004	केतु	20/04/2006	शुक्र	25/07/2007	सूर्य	17/05/2008
बुध	05/09/2003	केतु	31/12/2004	शुक्र	15/07/2006	सूर्य	05/08/2007	चंद्र	07/07/2008
केतु	03/10/2003	शुक्र	06/04/2005	सूर्य	10/08/2006	चंद्र	23/08/2007	मंगल	12/08/2008
शुक्र	23/12/2003	सूर्य	05/05/2005	चंद्र	22/09/2006	मंगल	04/09/2007	राहु	11/11/2008
सूर्य	17/01/2004	चंद्र	22/06/2005	मंगल	22/10/2006	राहु	06/10/2007	गुरु	31/01/2009
चंद्र	26/02/2004	मंगल	26/07/2005	राहु	08/01/2007	गुरु	04/11/2007	शनि	08/05/2009
मंगल	26/03/2004	राहु	21/10/2005	गुरु	18/03/2007	शनि	07/12/2007	बुध	02/08/2009
राहु	07/06/2004	गुरु	06/01/2006	शनि	07/06/2007	बुध	07/01/2008	केतु	06/09/2009

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु		मंगल - गुरु		मंगल - शनि	
06/09/2009		08/03/2010		04/08/2010		23/08/2011		28/07/2012	
08/03/2010		04/08/2010		23/08/2011		28/07/2012		06/09/2013	
सूर्य	15/09/2009	मंगल	17/03/2010	राहु	01/10/2010	गुरु	07/10/2011	शनि	01/10/2012
चंद्र	01/10/2009	राहु	08/04/2010	गुरु	21/11/2010	शनि	30/11/2011	बुध	27/11/2012
मंगल	11/10/2009	गुरु	28/04/2010	शनि	20/01/2011	बुध	17/01/2012	केतु	21/12/2012
राहु	08/11/2009	शनि	21/05/2010	बुध	16/03/2011	केतु	06/02/2012	शुक्र	26/02/2013
गुरु	02/12/2009	बुध	12/06/2010	केतु	07/04/2011	शुक्र	03/04/2012	सूर्य	18/03/2013
शनि	31/12/2009	केतु	20/06/2010	शुक्र	10/06/2011	सूर्य	20/04/2012	चंद्र	21/04/2013
बुध	26/01/2010	शुक्र	15/07/2010	सूर्य	29/06/2011	चंद्र	18/05/2012	मंगल	15/05/2013
केतु	05/02/2010	सूर्य	23/07/2010	चंद्र	31/07/2011	मंगल	07/06/2012	राहु	14/07/2013
शुक्र	08/03/2010	चंद्र	04/08/2010	मंगल	23/08/2011	राहु	28/07/2012	गुरु	06/09/2013

मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र	
06/09/2013		04/09/2014		31/01/2015		01/04/2016		07/08/2016	
04/09/2014		31/01/2015		01/04/2016		07/08/2016		08/03/2017	
बुध	28/10/2013	केतु	12/09/2014	शुक्र	12/04/2015	सूर्य	07/04/2016	चंद्र	24/08/2016
केतु	18/11/2013	शुक्र	07/10/2014	सूर्य	03/05/2015	चंद्र	18/04/2016	मंगल	06/09/2016
शुक्र	17/01/2014	सूर्य	15/10/2014	चंद्र	07/06/2015	मंगल	25/04/2016	राहु	08/10/2016
सूर्य	04/02/2014	चंद्र	27/10/2014	मंगल	02/07/2015	राहु	14/05/2016	गुरु	05/11/2016
चंद्र	06/03/2014	मंगल	05/11/2014	राहु	04/09/2015	गुरु	31/05/2016	शनि	09/12/2016
मंगल	28/03/2014	राहु	27/11/2014	गुरु	31/10/2015	शनि	21/06/2016	बुध	08/01/2017
राहु	21/05/2014	गुरु	17/12/2014	शनि	07/01/2016	बुध	09/07/2016	केतु	21/01/2017
गुरु	08/07/2014	शनि	10/01/2015	बुध	07/03/2016	केतु	16/07/2016	शुक्र	25/02/2017
शनि	04/09/2014	बुध	31/01/2015	केतु	01/04/2016	शुक्र	07/08/2016	सूर्य	08/03/2017

राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि		राहु - बुध		राहु - केतु	
08/03/2017		19/11/2019		13/04/2022		17/02/2025		07/09/2027	
19/11/2019		13/04/2022		17/02/2025		07/09/2027		24/09/2028	
राहु	03/08/2017	गुरु	15/03/2020	शनि	25/09/2022	बुध	29/06/2025	केतु	29/09/2027
गुरु	12/12/2017	शनि	01/08/2020	बुध	20/02/2023	केतु	23/08/2025	शुक्र	02/12/2027
शनि	17/05/2018	बुध	03/12/2020	केतु	21/04/2023	शुक्र	25/01/2026	सूर्य	21/12/2027
बुध	04/10/2018	केतु	23/01/2021	शुक्र	12/10/2023	सूर्य	12/03/2026	चंद्र	22/01/2028
केतु	30/11/2018	शुक्र	18/06/2021	सूर्य	03/12/2023	चंद्र	29/05/2026	मंगल	14/02/2028
शुक्र	14/05/2019	सूर्य	01/08/2021	चंद्र	28/02/2024	मंगल	22/07/2026	राहु	11/04/2028
सूर्य	02/07/2019	चंद्र	13/10/2021	मंगल	28/04/2024	राहु	09/12/2026	गुरु	01/06/2028
चंद्र	22/09/2019	मंगल	03/12/2021	राहु	02/10/2024	गुरु	12/04/2027	शनि	01/08/2028
मंगल	19/11/2019	राहु	13/04/2022	गुरु	17/02/2025	शनि	07/09/2027	बुध	24/09/2028

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल		गुरु - गुरु	
24/09/2028		25/09/2031		19/08/2032		18/02/2034		08/03/2035	
25/09/2031		19/08/2032		18/02/2034		08/03/2035		25/04/2037	
शुक्र	26/03/2029	सूर्य	11/10/2031	चंद्र	03/10/2032	मंगल	12/03/2034	गुरु	20/06/2035
सूर्य	20/05/2029	चंद्र	08/11/2031	मंगल	04/11/2032	राहु	09/05/2034	शनि	21/10/2035
चंद्र	19/08/2029	मंगल	27/11/2031	राहु	26/01/2033	गुरु	29/06/2034	बुध	09/02/2036
मंगल	22/10/2029	राहु	15/01/2032	गुरु	09/04/2033	शनि	28/08/2034	केतु	25/03/2036
राहु	04/04/2030	गुरु	28/02/2032	शनि	04/07/2033	बुध	22/10/2034	शुक्र	02/08/2036
गुरु	28/08/2030	शनि	20/04/2032	बुध	20/09/2033	केतु	13/11/2034	सूर्य	10/09/2036
शनि	18/02/2031	बुध	06/06/2032	केतु	22/10/2033	शुक्र	16/01/2035	चंद्र	14/11/2036
बुध	23/07/2031	केतु	25/06/2032	शुक्र	21/01/2034	सूर्य	04/02/2035	मंगल	29/12/2036
केतु	25/09/2031	शुक्र	19/08/2032	सूर्य	18/02/2034	चंद्र	08/03/2035	राहु	25/04/2037

गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य	
25/04/2037		07/11/2039		12/02/2042		18/01/2043		18/09/2045	
07/11/2039		12/02/2042		18/01/2043		18/09/2045		08/07/2046	
शनि	19/09/2037	बुध	03/03/2040	केतु	03/03/2042	शुक्र	30/06/2043	सूर्य	03/10/2045
बुध	28/01/2038	केतु	20/04/2040	शुक्र	29/04/2042	सूर्य	18/08/2043	चंद्र	27/10/2045
केतु	23/03/2038	शुक्र	05/09/2040	सूर्य	16/05/2042	चंद्र	07/11/2043	मंगल	13/11/2045
शुक्र	24/08/2038	सूर्य	17/10/2040	चंद्र	14/06/2042	मंगल	02/01/2044	राहु	27/12/2045
सूर्य	09/10/2038	चंद्र	25/12/2040	मंगल	04/07/2042	राहु	28/05/2044	गुरु	04/02/2046
चंद्र	26/12/2038	मंगल	11/02/2041	राहु	24/08/2042	गुरु	04/10/2044	शनि	23/03/2046
मंगल	18/02/2039	राहु	15/06/2041	गुरु	08/10/2042	शनि	08/03/2045	बुध	03/05/2046
राहु	06/07/2039	गुरु	03/10/2041	शनि	01/12/2042	बुध	24/07/2045	केतु	20/05/2046
गुरु	07/11/2039	शनि	12/02/2042	बुध	18/01/2043	केतु	18/09/2045	शुक्र	08/07/2046

गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि		शनि - बुध	
08/07/2046		07/11/2047		13/10/2048		08/03/2051		11/03/2054	
07/11/2047		13/10/2048		08/03/2051		11/03/2054		18/11/2056	
चंद्र	17/08/2046	मंगल	27/11/2047	राहु	21/02/2049	शनि	29/08/2051	बुध	28/07/2054
मंगल	15/09/2046	राहु	17/01/2048	गुरु	18/06/2049	बुध	01/02/2052	केतु	24/09/2054
राहु	27/11/2046	गुरु	02/03/2048	शनि	04/11/2049	केतु	05/04/2052	शुक्र	06/03/2055
गुरु	31/01/2047	शनि	25/04/2048	बुध	08/03/2050	शुक्र	05/10/2052	सूर्य	25/04/2055
शनि	18/04/2047	बुध	12/06/2048	केतु	28/04/2050	सूर्य	29/11/2052	चंद्र	16/07/2055
बुध	26/06/2047	केतु	02/07/2048	शुक्र	21/09/2050	चंद्र	01/03/2053	मंगल	11/09/2055
केतु	24/07/2047	शुक्र	28/08/2048	सूर्य	04/11/2050	मंगल	04/05/2053	राहु	05/02/2056
शुक्र	13/10/2047	सूर्य	14/09/2048	चंद्र	16/01/2051	राहु	15/10/2053	गुरु	15/06/2056
सूर्य	07/11/2047	चंद्र	13/10/2048	मंगल	08/03/2051	गुरु	11/03/2054	शनि	18/11/2056

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र		शनि - मंगल	
18/11/2056		28/12/2057		27/02/2061		09/02/2062		10/09/2063	
28/12/2057		27/02/2061		09/02/2062		10/09/2063		19/10/2064	
केतु	12/12/2056	शुक्र	09/07/2058	सूर्य	16/03/2061	चंद्र	29/03/2062	मंगल	03/10/2063
शुक्र	17/02/2057	सूर्य	05/09/2058	चंद्र	14/04/2061	मंगल	01/05/2062	राहु	03/12/2063
सूर्य	09/03/2057	चंद्र	10/12/2058	मंगल	04/05/2061	राहु	27/07/2062	गुरु	26/01/2064
चंद्र	12/04/2057	मंगल	15/02/2059	राहु	25/06/2061	गुरु	12/10/2062	शनि	30/03/2064
मंगल	06/05/2057	राहु	08/08/2059	गुरु	10/08/2061	शनि	12/01/2063	बुध	27/05/2064
राहु	05/07/2057	गुरु	09/01/2060	शनि	04/10/2061	बुध	04/04/2063	केतु	19/06/2064
गुरु	28/08/2057	शनि	10/07/2060	बुध	22/11/2061	केतु	08/05/2063	शुक्र	26/08/2064
शनि	01/11/2057	बुध	21/12/2060	केतु	13/12/2061	शुक्र	12/08/2063	सूर्य	15/09/2064
बुध	28/12/2057	केतु	27/02/2061	शुक्र	09/02/2062	सूर्य	10/09/2063	चंद्र	19/10/2064

शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु		बुध - शुक्र	
19/10/2064		26/08/2067		08/03/2070		04/08/2072		01/08/2073	
26/08/2067		08/03/2070		04/08/2072		01/08/2073		01/06/2076	
राहु	24/03/2065	गुरु	27/12/2067	बुध	11/07/2070	केतु	25/08/2072	शुक्र	20/01/2074
गुरु	10/08/2065	शनि	22/05/2068	केतु	31/08/2070	शुक्र	24/10/2072	सूर्य	13/03/2074
शनि	21/01/2066	बुध	30/09/2068	शुक्र	24/01/2071	सूर्य	11/11/2072	चंद्र	07/06/2074
बुध	18/06/2066	केतु	23/11/2068	सूर्य	09/03/2071	चंद्र	11/12/2072	मंगल	07/08/2074
केतु	18/08/2066	शुक्र	26/04/2069	चंद्र	22/05/2071	मंगल	01/01/2073	राहु	09/01/2075
शुक्र	07/02/2067	सूर्य	11/06/2069	मंगल	12/07/2071	राहु	25/02/2073	गुरु	27/05/2075
सूर्य	31/03/2067	चंद्र	27/08/2069	राहु	21/11/2071	गुरु	14/04/2073	शनि	07/11/2075
चंद्र	26/06/2067	मंगल	20/10/2069	गुरु	17/03/2072	शनि	10/06/2073	बुध	01/04/2076
मंगल	26/08/2067	राहु	08/03/2070	शनि	04/08/2072	बुध	01/08/2073	केतु	01/06/2076

बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु		बुध - गुरु	
01/06/2076		07/04/2077		07/09/2078		04/09/2079		23/03/2082	
07/04/2077		07/09/2078		04/09/2079		23/03/2082		28/06/2084	
सूर्य	16/06/2076	चंद्र	20/05/2077	मंगल	28/09/2078	राहु	21/01/2080	गुरु	12/07/2082
चंद्र	12/07/2076	मंगल	19/06/2077	राहु	21/11/2078	गुरु	25/05/2080	शनि	20/11/2082
मंगल	30/07/2076	राहु	05/09/2077	गुरु	08/01/2079	शनि	19/10/2080	बुध	17/03/2083
राहु	15/09/2076	गुरु	13/11/2077	शनि	07/03/2079	बुध	28/02/2081	केतु	04/05/2083
गुरु	26/10/2076	शनि	03/02/2078	बुध	27/04/2079	केतु	23/04/2081	शुक्र	19/09/2083
शनि	14/12/2076	बुध	17/04/2078	केतु	18/05/2079	शुक्र	26/09/2081	सूर्य	31/10/2083
बुध	27/01/2077	केतु	17/05/2078	शुक्र	17/07/2079	सूर्य	11/11/2081	चंद्र	08/01/2084
केतु	14/02/2077	शुक्र	12/08/2078	सूर्य	05/08/2079	चंद्र	28/01/2082	मंगल	25/02/2084
शुक्र	07/04/2077	सूर्य	07/09/2078	चंद्र	04/09/2079	मंगल	23/03/2082	राहु	28/06/2084

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य		केतु - चंद्र	
28/06/2084		08/03/2087		04/08/2087		03/10/2088		08/02/2089	
08/03/2087		04/08/2087		03/10/2088		08/02/2089		09/09/2089	
शनि	01/12/2084	केतु	17/03/2087	शुक्र	14/10/2087	सूर्य	10/10/2088	चंद्र	26/02/2089
बुध	19/04/2085	शुक्र	11/04/2087	सूर्य	05/11/2087	चंद्र	20/10/2088	मंगल	10/03/2089
केतु	15/06/2085	सूर्य	18/04/2087	चंद्र	10/12/2087	मंगल	28/10/2088	राहु	11/04/2089
शुक्र	26/11/2085	चंद्र	01/05/2087	मंगल	04/01/2088	राहु	16/11/2088	गुरु	10/05/2089
सूर्य	14/01/2086	मंगल	09/05/2087	राहु	08/03/2088	गुरु	03/12/2088	शनि	13/06/2089
चंद्र	06/04/2086	राहु	01/06/2087	गुरु	04/05/2088	शनि	23/12/2088	बुध	13/07/2089
मंगल	03/06/2086	गुरु	21/06/2087	शनि	10/07/2088	बुध	11/01/2089	केतु	25/07/2089
राहु	28/10/2086	शनि	14/07/2087	बुध	09/09/2088	केतु	18/01/2089	शुक्र	30/08/2089
गुरु	08/03/2087	बुध	04/08/2087	केतु	03/10/2088	शुक्र	08/02/2089	सूर्य	09/09/2089

केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु		केतु - शनि		केतु - बुध	
09/09/2089		05/02/2090		24/02/2091		31/01/2092		11/03/2093	
05/02/2090		24/02/2091		31/01/2092		11/03/2093		08/03/2094	
मंगल	18/09/2089	राहु	04/04/2090	गुरु	10/04/2091	शनि	04/04/2092	बुध	01/05/2093
राहु	10/10/2089	गुरु	25/05/2090	शनि	03/06/2091	बुध	31/05/2092	केतु	22/05/2093
गुरु	30/10/2089	शनि	25/07/2090	बुध	22/07/2091	केतु	24/06/2092	शुक्र	22/07/2093
शनि	23/11/2089	बुध	17/09/2090	केतु	11/08/2091	शुक्र	30/08/2092	सूर्य	09/08/2093
बुध	14/12/2089	केतु	10/10/2090	शुक्र	06/10/2091	सूर्य	20/09/2092	चंद्र	08/09/2093
केतु	23/12/2089	शुक्र	12/12/2090	सूर्य	23/10/2091	चंद्र	23/10/2092	मंगल	29/09/2093
शुक्र	17/01/2090	सूर्य	01/01/2091	चंद्र	21/11/2091	मंगल	16/11/2092	राहु	22/11/2093
सूर्य	24/01/2090	चंद्र	02/02/2091	मंगल	11/12/2091	राहु	16/01/2093	गुरु	10/01/2094
चंद्र	05/02/2090	मंगल	24/02/2091	राहु	31/01/2092	गुरु	11/03/2093	शनि	08/03/2094

शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - राहु	
08/03/2094		07/07/2097		08/07/2098		08/03/2100		09/05/2101	
07/07/2097		08/07/2098		08/03/2100		09/05/2101		08/05/2104	
शुक्र	27/09/2094	सूर्य	26/07/2097	चंद्र	27/08/2098	मंगल	02/04/2100	राहु	20/10/2101
सूर्य	27/11/2094	चंद्र	25/08/2097	मंगल	02/10/2098	राहु	05/06/2100	गुरु	15/03/2102
चंद्र	08/03/2095	मंगल	15/09/2097	राहु	01/01/2099	गुरु	01/08/2100	शनि	05/09/2102
मंगल	18/05/2095	राहु	09/11/2097	गुरु	23/03/2099	शनि	07/10/2100	बुध	07/02/2103
राहु	17/11/2095	गुरु	28/12/2097	शनि	28/06/2099	बुध	07/12/2100	केतु	12/04/2103
गुरु	27/04/2096	शनि	24/02/2098	बुध	22/09/2099	केतु	01/01/2101	शुक्र	11/10/2103
शनि	06/11/2096	बुध	16/04/2098	केतु	28/10/2099	शुक्र	13/03/2101	सूर्य	05/12/2103
बुध	27/04/2097	केतु	08/05/2098	शुक्र	06/02/2100	सूर्य	03/04/2101	चंद्र	05/03/2104
केतु	07/07/2097	शुक्र	08/07/2098	सूर्य	08/03/2100	चंद्र	09/05/2101	मंगल	08/05/2104

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - बुध - चंद्र	
12/03/2026 23:47	
29/05/2026 14:34	
चंद्र	19/03/2026 11:01
मंगल	23/03/2026 23:41
राहु	04/04/2026 15:06
गुरु	14/04/2026 23:28
शनि	27/04/2026 06:24
बुध	08/05/2026 06:18
केतु	12/05/2026 18:58
शुक्र	25/05/2026 17:25
सूर्य	29/05/2026 14:34

राहु - बुध - मंगल	
29/05/2026 14:34	
22/07/2026 22:30	
मंगल	01/06/2026 18:37
राहु	09/06/2026 22:13
गुरु	17/06/2026 04:04
शनि	25/06/2026 18:32
बुध	03/07/2026 11:15
केतु	06/07/2026 15:19
शुक्र	15/07/2026 16:39
सूर्य	18/07/2026 09:51
चंद्र	22/07/2026 22:30

राहु - बुध - राहु	
22/07/2026 22:30	
09/12/2026 15:30	
राहु	12/08/2026 21:27
गुरु	31/08/2026 12:31
शनि	22/09/2026 15:25
बुध	12/10/2026 10:25
केतु	20/10/2026 14:01
शुक्र	12/11/2026 20:50
सूर्य	19/11/2026 20:29
चंद्र	01/12/2026 11:54
मंगल	09/12/2026 15:30

राहु - बुध - गुरु	
09/12/2026 15:30	
12/04/2027 19:56	
गुरु	26/12/2026 04:53
शनि	14/01/2027 20:48
बुध	01/02/2027 11:01
केतु	08/02/2027 16:53
शुक्र	01/03/2027 09:37
सूर्य	07/03/2027 14:39
चंद्र	17/03/2027 23:01
मंगल	25/03/2027 04:52
राहु	12/04/2027 19:56

राहु - बुध - शनि	
12/04/2027 19:56	
07/09/2027 07:13	
शनि	06/05/2027 04:19
बुध	27/05/2027 01:43
केतु	04/06/2027 16:11
शुक्र	29/06/2027 06:03
सूर्य	06/07/2027 15:01
चंद्र	18/07/2027 21:58
मंगल	27/07/2027 12:25
राहु	18/08/2027 15:18
गुरु	07/09/2027 07:13

राहु - केतु - केतु	
07/09/2027 07:13	
29/09/2027 16:08	
केतु	08/09/2027 14:32
शुक्र	12/09/2027 08:01
सूर्य	13/09/2027 10:52
चंद्र	15/09/2027 07:36
मंगल	16/09/2027 14:56
राहु	19/09/2027 23:28
गुरु	22/09/2027 23:03
शनि	26/09/2027 12:04
बुध	29/09/2027 16:08

राहु - केतु - शुक्र	
29/09/2027 16:08	
02/12/2027 14:11	
शुक्र	10/10/2027 07:48
सूर्य	13/10/2027 12:30
चंद्र	18/10/2027 20:21
मंगल	22/10/2027 13:50
राहु	01/11/2027 03:56
गुरु	09/11/2027 16:29
शनि	19/11/2027 19:22
बुध	28/11/2027 20:42
केतु	02/12/2027 14:11

राहु - केतु - सूर्य	
02/12/2027 14:11	
21/12/2027 18:24	
सूर्य	03/12/2027 13:11
चंद्र	05/12/2027 03:32
मंगल	06/12/2027 06:23
राहु	09/12/2027 03:25
गुरु	11/12/2027 16:47
शनि	14/12/2027 17:39
बुध	17/12/2027 10:51
केतु	18/12/2027 13:41
शुक्र	21/12/2027 18:24

राहु - केतु - चंद्र	
21/12/2027 18:24	
22/01/2028 17:25	
चंद्र	24/12/2027 10:19
मंगल	26/12/2027 07:03
राहु	31/12/2027 02:07
गुरु	04/01/2028 08:23
शनि	09/01/2028 09:49
बुध	13/01/2028 22:29
केतु	15/01/2028 19:14
शुक्र	21/01/2028 03:04
सूर्य	22/01/2028 17:25

राहु - केतु - मंगल	
22/01/2028 17:25	
14/02/2028 02:20	
मंगल	24/01/2028 00:44
राहु	27/01/2028 09:17
गुरु	30/01/2028 08:52
शनि	02/02/2028 21:53
बुध	06/02/2028 01:56
केतु	07/02/2028 09:16
शुक्र	11/02/2028 02:45
सूर्य	12/02/2028 05:36
चंद्र	14/02/2028 02:20

राहु - केतु - राहु	
14/02/2028 02:20	
11/04/2028 14:59	
राहु	22/02/2028 17:26
गुरु	01/03/2028 09:31
शनि	10/03/2028 12:07
बुध	18/03/2028 15:43
केतु	22/03/2028 00:15
शुक्र	31/03/2028 14:21
सूर्य	03/04/2028 11:23
चंद्र	08/04/2028 06:27
मंगल	11/04/2028 14:59

राहु - केतु - गुरु	
11/04/2028 14:59	
01/06/2028 18:13	
गुरु	18/04/2028 10:37
शनि	26/04/2028 12:56
बुध	03/05/2028 18:47
केतु	06/05/2028 18:22
शुक्र	15/05/2028 06:55
सूर्य	17/05/2028 20:17
चंद्र	22/05/2028 02:33
मंगल	25/05/2028 02:08
राहु	01/06/2028 18:13

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - केतु - शनि	
01/06/2028 18:13	
01/08/2028 11:34	
शनि	11/06/2028 08:58
बुध	19/06/2028 23:26
केतु	23/06/2028 12:26
शुक्र	03/07/2028 15:20
सूर्य	06/07/2028 16:12
चंद्र	11/07/2028 17:38
मंगल	15/07/2028 06:39
राहु	24/07/2028 09:15
गुरु	01/08/2028 11:34

राहु - केतु - बुध	
01/08/2028 11:34	
24/09/2028 19:31	
बुध	09/08/2028 04:18
केतु	12/08/2028 08:21
शुक्र	21/08/2028 09:41
सूर्य	24/08/2028 02:53
चंद्र	28/08/2028 15:32
मंगल	31/08/2028 19:36
राहु	08/09/2028 23:12
गुरु	16/09/2028 05:03
शनि	24/09/2028 19:31

राहु - शुक्र - शुक्र	
24/09/2028 19:31	
26/03/2029 10:31	
शुक्र	25/10/2028 06:01
सूर्य	03/11/2028 09:10
चंद्र	18/11/2028 14:25
मंगल	29/11/2028 06:05
राहु	26/12/2028 15:32
गुरु	19/01/2029 23:56
शनि	17/02/2029 21:55
बुध	15/03/2029 18:50
केतु	26/03/2029 10:31

राहु - शुक्र - सूर्य	
26/03/2029 10:31	
20/05/2029 05:25	
सूर्य	29/03/2029 04:15
चंद्र	02/04/2029 17:50
मंगल	05/04/2029 22:32
राहु	14/04/2029 03:46
गुरु	21/04/2029 11:05
शनि	30/04/2029 03:17
बुध	07/05/2029 21:34
केतु	11/05/2029 02:16
शुक्र	20/05/2029 05:25

राहु - शुक्र - चंद्र	
20/05/2029 05:25	
19/08/2029 12:55	
चंद्र	27/05/2029 20:02
मंगल	02/06/2029 03:52
राहु	15/06/2029 20:36
गुरु	28/06/2029 00:48
शनि	12/07/2029 11:47
बुध	25/07/2029 10:15
केतु	30/07/2029 18:05
शुक्र	14/08/2029 23:20
सूर्य	19/08/2029 12:55

राहु - शुक्र - मंगल	
19/08/2029 12:55	
22/10/2029 10:58	
मंगल	23/08/2029 06:24
राहु	01/09/2029 20:30
गुरु	10/09/2029 09:03
शनि	20/09/2029 11:56
बुध	29/09/2029 13:16
केतु	03/10/2029 06:45
शुक्र	13/10/2029 22:25
सूर्य	17/10/2029 03:07
चंद्र	22/10/2029 10:58

राहु - शुक्र - राहु	
22/10/2029 10:58	
04/04/2030 19:40	
राहु	16/11/2029 02:40
गुरु	08/12/2029 00:38
शनि	03/01/2030 01:12
बुध	26/01/2030 08:02
केतु	04/02/2030 22:09
शुक्र	04/03/2030 07:36
सूर्य	12/03/2030 12:50
चंद्र	26/03/2030 05:33
मंगल	04/04/2030 19:40

राहु - शुक्र - गुरु	
04/04/2030 19:40	
28/08/2030 22:04	
गुरु	24/04/2030 07:11
शनि	17/05/2030 10:22
बुध	07/06/2030 03:06
केतु	15/06/2030 15:38
शुक्र	10/07/2030 00:02
सूर्य	17/07/2030 07:22
चंद्र	29/07/2030 11:34
मंगल	07/08/2030 00:06
राहु	28/08/2030 22:04

राहु - शुक्र - शनि	
28/08/2030 22:04	
18/02/2031 09:55	
शनि	25/09/2030 09:20
बुध	19/10/2030 23:13
केतु	30/10/2030 02:06
शुक्र	28/11/2030 00:05
सूर्य	06/12/2030 16:16
चंद्र	21/12/2030 03:16
मंगल	31/12/2030 06:09
राहु	26/01/2031 06:44
गुरु	18/02/2031 09:55

राहु - शुक्र - बुध	
18/02/2031 09:55	
23/07/2031 15:28	
बुध	12/03/2031 09:42
केतु	21/03/2031 11:01
शुक्र	16/04/2031 07:57
सूर्य	24/04/2031 02:13
चंद्र	07/05/2031 00:41
मंगल	16/05/2031 02:01
राहु	08/06/2031 08:51
गुरु	29/06/2031 01:35
शनि	23/07/2031 15:28

राहु - शुक्र - केतु	
23/07/2031 15:28	
25/09/2031 13:31	
केतु	27/07/2031 08:57
शुक्र	07/08/2031 00:37
सूर्य	10/08/2031 05:19
चंद्र	15/08/2031 13:10
मंगल	19/08/2031 06:39
राहु	28/08/2031 20:45
गुरु	06/09/2031 09:18
शनि	16/09/2031 12:11
बुध	25/09/2031 13:31

राहु - सूर्य - सूर्य	
25/09/2031 13:31	
11/10/2031 23:59	
सूर्य	26/09/2031 09:14
चंद्र	27/09/2031 18:06
मंगल	28/09/2031 17:07
राहु	01/10/2031 04:17
गुरु	03/10/2031 08:53
शनि	05/10/2031 23:21
बुध	08/10/2031 07:14
केतु	09/10/2031 06:14
शुक्र	11/10/2031 23:59

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - सूर्य - चंद्र	
11/10/2031 23:59	
08/11/2031 09:26	
चंद्र	14/10/2031 06:46
मंगल	15/10/2031 21:07
राहु	19/10/2031 23:44
गुरु	23/10/2031 15:24
शनि	27/10/2031 23:30
बुध	31/10/2031 20:38
केतु	02/11/2031 10:59
शुक्र	07/11/2031 00:34
सूर्य	08/11/2031 09:26

राहु - सूर्य - मंगल	
08/11/2031 09:26	
27/11/2031 13:39	
मंगल	09/11/2031 12:17
राहु	12/11/2031 09:19
गुरु	14/11/2031 22:40
शनि	17/11/2031 23:32
बुध	20/11/2031 16:44
केतु	21/11/2031 19:35
शुक्र	25/11/2031 00:17
सूर्य	25/11/2031 23:18
चंद्र	27/11/2031 13:39

राहु - सूर्य - राहु	
27/11/2031 13:39	
15/01/2032 21:03	
राहु	04/12/2031 23:09
गुरु	11/12/2031 12:57
शनि	19/12/2031 08:19
बुध	26/12/2031 07:58
केतु	29/12/2031 05:00
शुक्र	06/01/2032 10:14
सूर्य	08/01/2032 21:24
चंद्र	13/01/2032 00:01
मंगल	15/01/2032 21:03

राहु - सूर्य - गुरु	
15/01/2032 21:03	
28/02/2032 16:59	
गुरु	21/01/2032 17:19
शनि	28/01/2032 15:52
बुध	03/02/2032 20:53
केतु	06/02/2032 10:15
शुक्र	13/02/2032 17:34
सूर्य	15/02/2032 22:10
चंद्र	19/02/2032 13:50
मंगल	22/02/2032 03:11
राहु	28/02/2032 16:59

राहु - सूर्य - शनि	
28/02/2032 16:59	
20/04/2032 18:08	
शनि	07/03/2032 22:46
बुध	15/03/2032 07:43
केतु	18/03/2032 08:35
शुक्र	27/03/2032 00:47
सूर्य	29/03/2032 15:14
चंद्र	02/04/2032 23:20
मंगल	06/04/2032 00:12
राहु	13/04/2032 19:35
गुरु	20/04/2032 18:08

राहु - सूर्य - बुध	
20/04/2032 18:08	
06/06/2032 07:48	
बुध	27/04/2032 08:28
केतु	30/04/2032 01:40
शुक्र	07/05/2032 19:56
सूर्य	10/05/2032 03:49
चंद्र	14/05/2032 00:58
मंगल	16/05/2032 18:10
राहु	23/05/2032 17:49
गुरु	29/05/2032 22:50
शनि	06/06/2032 07:48

राहु - सूर्य - केतु	
06/06/2032 07:48	
25/06/2032 12:01	
केतु	07/06/2032 10:39
शुक्र	10/06/2032 15:21
सूर्य	11/06/2032 14:21
चंद्र	13/06/2032 04:42
मंगल	14/06/2032 07:33
राहु	17/06/2032 04:35
गुरु	19/06/2032 17:57
शनि	22/06/2032 18:49
बुध	25/06/2032 12:01

राहु - सूर्य - शुक्र	
25/06/2032 12:01	
19/08/2032 06:55	
शुक्र	04/07/2032 15:10
सूर्य	07/07/2032 08:54
चंद्र	11/07/2032 22:29
मंगल	15/07/2032 03:11
राहु	23/07/2032 08:25
गुरु	30/07/2032 15:44
शनि	08/08/2032 07:56
बुध	16/08/2032 02:13
केतु	19/08/2032 06:55

राहु - चंद्र - चंद्र	
19/08/2032 06:55	
03/10/2032 22:40	
चंद्र	23/08/2032 02:13
मंगल	25/08/2032 18:09
राहु	01/09/2032 14:30
गुरु	07/09/2032 16:36
शनि	14/09/2032 22:06
बुध	21/09/2032 09:20
केतु	24/09/2032 01:15
शुक्र	01/10/2032 15:52
सूर्य	03/10/2032 22:40

राहु - चंद्र - मंगल	
03/10/2032 22:40	
04/11/2032 21:41	
मंगल	05/10/2032 19:24
राहु	10/10/2032 14:27
गुरु	14/10/2032 20:44
शनि	19/10/2032 22:10
बुध	24/10/2032 10:50
केतु	26/10/2032 07:35
शुक्र	31/10/2032 15:25
सूर्य	02/11/2032 05:46
चंद्र	04/11/2032 21:41

राहु - चंद्र - राहु	
04/11/2032 21:41	
26/01/2033 02:02	
राहु	17/11/2032 05:32
गुरु	28/11/2032 04:31
शनि	11/12/2032 04:48
बुध	22/12/2032 20:13
केतु	27/12/2032 15:17
शुक्र	10/01/2033 08:00
सूर्य	14/01/2033 10:37
चंद्र	21/01/2033 06:59
मंगल	26/01/2033 02:02

राहु - चंद्र - गुरु	
26/01/2033 02:02	
09/04/2033 03:14	
गुरु	04/02/2033 19:48
शनि	16/02/2033 09:23
बुध	26/02/2033 17:45
केतु	03/03/2033 00:02
शुक्र	15/03/2033 04:14
सूर्य	18/03/2033 19:53
चंद्र	24/03/2033 21:59
मंगल	29/03/2033 04:15
राहु	09/04/2033 03:14

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - चंद्र - शनि	
09/04/2033 03:14	
04/07/2033 21:10	
शनि	22/04/2033 20:52
बुध	05/05/2033 03:49
केतु	10/05/2033 05:16
शुक्र	24/05/2033 16:15
सूर्य	29/05/2033 00:21
चंद्र	05/06/2033 05:50
मंगल	10/06/2033 07:17
राहु	23/06/2033 07:34
गुरु	04/07/2033 21:10

राहु - चंद्र - बुध	
04/07/2033 21:10	
20/09/2033 11:56	
बुध	15/07/2033 21:03
केतु	20/07/2033 09:43
शुक्र	02/08/2033 08:11
सूर्य	06/08/2033 05:19
चंद्र	12/08/2033 16:33
मंगल	17/08/2033 05:13
राहु	28/08/2033 20:38
गुरु	08/09/2033 05:00
शनि	20/09/2033 11:56

राहु - चंद्र - केतु	
20/09/2033 11:56	
22/10/2033 10:58	
केतु	22/09/2033 08:41
शुक्र	27/09/2033 16:31
सूर्य	29/09/2033 06:52
चंद्र	01/10/2033 22:47
मंगल	03/10/2033 19:32
राहु	08/10/2033 14:35
गुरु	12/10/2033 20:51
शनि	17/10/2033 22:18
बुध	22/10/2033 10:58

राहु - चंद्र - शुक्र	
22/10/2033 10:58	
21/01/2034 18:28	
शुक्र	06/11/2033 16:13
सूर्य	11/11/2033 05:47
चंद्र	18/11/2033 20:25
मंगल	24/11/2033 04:15
राहु	07/12/2033 20:58
गुरु	20/12/2033 01:10
शनि	03/01/2034 12:10
बुध	16/01/2034 10:37
केतु	21/01/2034 18:28

राहु - चंद्र - सूर्य	
21/01/2034 18:28	
18/02/2034 03:55	
सूर्य	23/01/2034 03:20
चंद्र	25/01/2034 10:07
मंगल	27/01/2034 00:28
राहु	31/01/2034 03:05
गुरु	03/02/2034 18:45
शनि	08/02/2034 02:51
बुध	11/02/2034 23:59
केतु	13/02/2034 14:20
शुक्र	18/02/2034 03:55

राहु - मंगल - मंगल	
18/02/2034 03:55	
12/03/2034 12:50	
मंगल	19/02/2034 11:14
राहु	22/02/2034 19:46
गुरु	25/02/2034 19:21
शनि	01/03/2034 08:22
बुध	04/03/2034 12:26
केतु	05/03/2034 19:45
शुक्र	09/03/2034 13:14
सूर्य	10/03/2034 16:05
चंद्र	12/03/2034 12:50

राहु - मंगल - राहु	
12/03/2034 12:50	
09/05/2034 01:28	
राहु	21/03/2034 03:56
गुरु	28/03/2034 20:01
शनि	06/04/2034 22:37
बुध	15/04/2034 02:12
केतु	18/04/2034 10:45
शुक्र	28/04/2034 00:51
सूर्य	30/04/2034 21:53
चंद्र	05/05/2034 16:56
मंगल	09/05/2034 01:28

राहु - मंगल - गुरु	
09/05/2034 01:28	
29/06/2034 04:43	
गुरु	15/05/2034 21:06
शनि	23/05/2034 23:25
बुध	31/05/2034 05:17
केतु	03/06/2034 04:52
शुक्र	11/06/2034 17:24
सूर्य	14/06/2034 06:46
चंद्र	18/06/2034 13:02
मंगल	21/06/2034 12:38
राहु	29/06/2034 04:43

राहु - मंगल - शनि	
29/06/2034 04:43	
28/08/2034 22:04	
शनि	08/07/2034 19:28
बुध	17/07/2034 09:55
केतु	20/07/2034 22:56
शुक्र	31/07/2034 01:49
सूर्य	03/08/2034 02:41
चंद्र	08/08/2034 04:08
मंगल	11/08/2034 17:09
राहु	20/08/2034 19:45
गुरु	28/08/2034 22:04

राहु - मंगल - बुध	
28/08/2034 22:04	
22/10/2034 06:00	
बुध	05/09/2034 14:47
केतु	08/09/2034 18:51
शुक्र	17/09/2034 20:10
सूर्य	20/09/2034 13:22
चंद्र	25/09/2034 02:02
मंगल	28/09/2034 06:06
राहु	06/10/2034 09:41
गुरु	13/10/2034 15:33
शनि	22/10/2034 06:00

राहु - मंगल - केतु	
22/10/2034 06:00	
13/11/2034 14:55	
केतु	23/10/2034 13:19
शुक्र	27/10/2034 06:49
सूर्य	28/10/2034 09:39
चंद्र	30/10/2034 06:24
मंगल	31/10/2034 13:43
राहु	03/11/2034 22:15
गुरु	06/11/2034 21:51
शनि	10/11/2034 10:51
बुध	13/11/2034 14:55

राहु - मंगल - शुक्र	
13/11/2034 14:55	
16/01/2035 12:58	
शुक्र	24/11/2034 06:36
सूर्य	27/11/2034 11:18
चंद्र	02/12/2034 19:08
मंगल	06/12/2034 12:37
राहु	16/12/2034 02:44
गुरु	24/12/2034 15:16
शनि	03/01/2035 18:10
बुध	12/01/2035 19:29
केतु	16/01/2035 12:58

विंशोत्तरी दशा - प्राण

राहु - बुध - चंद्र - राहु	
23/03/2026 23:41	
04/04/2026 15:06	
राहु	25/03/2026 17:36
गुरु	27/03/2026 06:51
शनि	29/03/2026 03:05
बुध	30/03/2026 18:40
केतु	31/03/2026 10:58
शुक्र	02/04/2026 09:32
सूर्य	02/04/2026 23:31
चंद्र	03/04/2026 22:48
मंगल	04/04/2026 15:06

राहु - बुध - चंद्र - गुरु	
04/04/2026 15:06	
14/04/2026 23:28	
गुरु	06/04/2026 00:13
शनि	07/04/2026 15:32
बुध	09/04/2026 02:43
केतु	09/04/2026 17:13
शुक्र	11/04/2026 10:36
सूर्य	11/04/2026 23:01
चंद्र	12/04/2026 19:43
मंगल	13/04/2026 10:13
राहु	14/04/2026 23:28

राहु - बुध - चंद्र - शनि	
14/04/2026 23:28	
27/04/2026 06:24	
शनि	16/04/2026 22:10
बुध	18/04/2026 15:57
केतु	19/04/2026 09:09
शुक्र	21/04/2026 10:19
सूर्य	22/04/2026 01:03
चंद्र	23/04/2026 01:38
मंगल	23/04/2026 18:50
राहु	25/04/2026 15:05
गुरु	27/04/2026 06:24

राहु - बुध - चंद्र - बुध	
27/04/2026 06:24	
08/05/2026 06:18	
बुध	28/04/2026 19:47
केतु	29/04/2026 11:11
शुक्र	01/05/2026 07:10
सूर्य	01/05/2026 20:22
चंद्र	02/05/2026 18:21
मंगल	03/05/2026 09:45
राहु	05/05/2026 01:20
गुरु	06/05/2026 12:31
शनि	08/05/2026 06:18

राहु - बुध - चंद्र - केतु	
08/05/2026 06:18	
12/05/2026 18:58	
केतु	08/05/2026 12:38
शुक्र	09/05/2026 06:45
सूर्य	09/05/2026 12:11
चंद्र	09/05/2026 21:14
मंगल	10/05/2026 03:34
राहु	10/05/2026 19:52
गुरु	11/05/2026 10:22
शनि	12/05/2026 03:34
बुध	12/05/2026 18:58

राहु - बुध - चंद्र - शुक्र	
12/05/2026 18:58	
25/05/2026 17:25	
शुक्र	14/05/2026 22:42
सूर्य	15/05/2026 14:14
चंद्र	16/05/2026 16:06
मंगल	17/05/2026 10:13
राहु	19/05/2026 08:47
गुरु	21/05/2026 02:10
शनि	23/05/2026 03:20
बुध	24/05/2026 23:19
केतु	25/05/2026 17:25

राहु - बुध - चंद्र - सूर्य	
25/05/2026 17:25	
29/05/2026 14:34	
सूर्य	25/05/2026 22:05
चंद्र	26/05/2026 05:50
मंगल	26/05/2026 11:16
राहु	27/05/2026 01:15
गुरु	27/05/2026 13:40
शनि	28/05/2026 04:25
बुध	28/05/2026 17:36
केतु	28/05/2026 23:02
शुक्र	29/05/2026 14:34

राहु - बुध - मंगल - मंगल	
29/05/2026 14:34	
01/06/2026 18:37	
मंगल	29/05/2026 19:00
राहु	30/05/2026 06:24
गुरु	30/05/2026 16:33
शनि	31/05/2026 04:36
बुध	31/05/2026 15:22
केतु	31/05/2026 19:48
शुक्र	01/06/2026 08:29
सूर्य	01/06/2026 12:17
चंद्र	01/06/2026 18:37

राहु - बुध - मंगल - राहु	
01/06/2026 18:37	
09/06/2026 22:13	
राहु	02/06/2026 23:58
गुरु	04/06/2026 02:03
शनि	05/06/2026 09:01
बुध	06/06/2026 12:43
केतु	07/06/2026 00:08
शुक्र	08/06/2026 08:44
सूर्य	08/06/2026 18:30
चंद्र	09/06/2026 10:48
मंगल	09/06/2026 22:13

राहु - बुध - मंगल - गुरु	
09/06/2026 22:13	
17/06/2026 04:04	
गुरु	10/06/2026 21:24
शनि	12/06/2026 00:55
बुध	13/06/2026 01:33
केतु	13/06/2026 11:42
शुक्र	14/06/2026 16:40
सूर्य	15/06/2026 01:22
चंद्र	15/06/2026 15:51
मंगल	16/06/2026 02:00
राहु	17/06/2026 04:04

राहु - बुध - मंगल - शनि	
17/06/2026 04:04	
25/06/2026 18:32	
शनि	18/06/2026 12:46
बुध	19/06/2026 18:01
केतु	20/06/2026 06:03
शुक्र	21/06/2026 16:28
सूर्य	22/06/2026 02:47
चंद्र	22/06/2026 20:00
मंगल	23/06/2026 08:02
राहु	24/06/2026 15:00
गुरु	25/06/2026 18:32

राहु - बुध - मंगल - बुध	
25/06/2026 18:32	
03/07/2026 11:15	
बुध	26/06/2026 20:42
केतु	27/06/2026 07:29
शुक्र	28/06/2026 14:16
सूर्य	28/06/2026 23:30
चंद्र	29/06/2026 14:54
मंगल	30/06/2026 01:40
राहु	01/07/2026 05:23
गुरु	02/07/2026 06:01
शनि	03/07/2026 11:15

विंशोत्तरी दशा - प्राण

राहु - बुध - मंगल - केतु	
03/07/2026 11:15	
06/07/2026 15:19	
केतु	03/07/2026 15:42
शुक्र	04/07/2026 04:22
सूर्य	04/07/2026 08:10
चंद्र	04/07/2026 14:31
मंगल	04/07/2026 18:57
राहु	05/07/2026 06:22
गुरु	05/07/2026 16:30
शनि	06/07/2026 04:33
बुध	06/07/2026 15:19

राहु - बुध - मंगल - शुक्र	
06/07/2026 15:19	
15/07/2026 16:39	
शुक्र	08/07/2026 03:32
सूर्य	08/07/2026 14:24
चंद्र	09/07/2026 08:31
मंगल	09/07/2026 21:12
राहु	11/07/2026 05:48
गुरु	12/07/2026 10:46
शनि	13/07/2026 21:11
बुध	15/07/2026 03:58
केतु	15/07/2026 16:39

राहु - बुध - मंगल - सूर्य	
15/07/2026 16:39	
18/07/2026 09:51	
सूर्य	15/07/2026 19:54
चंद्र	16/07/2026 01:20
मंगल	16/07/2026 05:08
राहु	16/07/2026 14:55
गुरु	16/07/2026 23:37
शनि	17/07/2026 09:56
बुध	17/07/2026 19:10
केतु	17/07/2026 22:59
शुक्र	18/07/2026 09:51

राहु - बुध - मंगल - चंद्र	
18/07/2026 09:51	
22/07/2026 22:30	
चंद्र	18/07/2026 18:54
मंगल	19/07/2026 01:14
राहु	19/07/2026 17:32
गुरु	20/07/2026 08:01
शनि	21/07/2026 01:14
बुध	21/07/2026 16:37
केतु	21/07/2026 22:58
शुक्र	22/07/2026 17:04
सूर्य	22/07/2026 22:30

राहु - बुध - राहु - राहु	
22/07/2026 22:30	
12/08/2026 21:27	
राहु	26/07/2026 01:57
गुरु	28/07/2026 21:00
शनि	01/08/2026 04:38
बुध	04/08/2026 03:53
केतु	05/08/2026 09:14
शुक्र	08/08/2026 21:03
सूर्य	09/08/2026 22:12
चंद्र	11/08/2026 16:07
मंगल	12/08/2026 21:27

राहु - बुध - राहु - गुरु	
12/08/2026 21:27	
31/08/2026 12:31	
गुरु	15/08/2026 09:04
शनि	18/08/2026 07:51
बुध	20/08/2026 23:11
केतु	22/08/2026 01:16
शुक्र	25/08/2026 03:46
सूर्य	26/08/2026 02:07
चंद्र	27/08/2026 15:23
मंगल	28/08/2026 17:28
राहु	31/08/2026 12:31

राहु - बुध - राहु - शनि	
31/08/2026 12:31	
22/09/2026 15:25	
शनि	04/09/2026 00:35
बुध	07/09/2026 03:47
केतु	08/09/2026 10:45
शुक्र	12/09/2026 03:14
सूर्य	13/09/2026 05:47
चंद्र	15/09/2026 02:01
मंगल	16/09/2026 08:59
राहु	19/09/2026 16:37
गुरु	22/09/2026 15:25

राहु - बुध - राहु - बुध	
22/09/2026 15:25	
12/10/2026 10:25	
बुध	25/09/2026 10:42
केतु	26/09/2026 14:25
शुक्र	29/09/2026 21:35
सूर्य	30/09/2026 21:20
चंद्र	02/10/2026 12:55
मंगल	03/10/2026 16:37
राहु	06/10/2026 15:52
गुरु	09/10/2026 07:12
शनि	12/10/2026 10:25

राहु - बुध - राहु - केतु	
12/10/2026 10:25	
20/10/2026 14:01	
केतु	12/10/2026 21:50
शुक्र	14/10/2026 06:26
सूर्य	14/10/2026 16:12
चंद्र	15/10/2026 08:30
मंगल	15/10/2026 19:55
राहु	17/10/2026 01:15
गुरु	18/10/2026 03:20
शनि	19/10/2026 10:18
बुध	20/10/2026 14:01

राहु - बुध - राहु - शुक्र	
20/10/2026 14:01	
12/11/2026 20:50	
शुक्र	24/10/2026 11:09
सूर्य	25/10/2026 15:05
चंद्र	27/10/2026 13:40
मंगल	28/10/2026 22:15
राहु	01/11/2026 10:05
गुरु	04/11/2026 12:36
शनि	08/11/2026 05:04
बुध	11/11/2026 12:15
केतु	12/11/2026 20:50

राहु - बुध - राहु - सूर्य	
12/11/2026 20:50	
19/11/2026 20:29	
सूर्य	13/11/2026 05:13
चंद्र	13/11/2026 19:12
मंगल	14/11/2026 04:58
राहु	15/11/2026 06:07
गुरु	16/11/2026 04:28
शनि	17/11/2026 07:01
बुध	18/11/2026 06:46
केतु	18/11/2026 16:33
शुक्र	19/11/2026 20:29

राहु - बुध - राहु - चंद्र	
19/11/2026 20:29	
01/12/2026 11:54	
चंद्र	20/11/2026 19:47
मंगल	21/11/2026 12:04
राहु	23/11/2026 05:59
गुरु	24/11/2026 19:15
शनि	26/11/2026 15:29
बुध	28/11/2026 07:04
केतु	28/11/2026 23:22
शुक्र	30/11/2026 21:56
सूर्य	01/12/2026 11:54

षोडशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 13 वर्ष 7 मास 9 दिन

चंद्र 16 वर्ष		बुध 17 वर्ष		शुक्र 18 वर्ष		सूर्य 11 वर्ष		मंगल 12 वर्ष	
29/01/1995		08/09/2008		08/09/2025		09/09/2043		09/09/2054	
08/09/2008		08/09/2025		09/09/2043		09/09/2054		09/09/2066	
	29/01/1995	बुध	07/03/2011	शुक्र	25/06/2028	सूर्य	24/09/2044	मंगल	06/12/2055
बुध	29/03/1997	शुक्र	26/10/2013	सूर्य	10/03/2030	मंगल	13/11/2045	गुरु	10/04/2057
शुक्र	21/09/1999	सूर्य	06/06/2015	मंगल	19/01/2032	गुरु	07/02/2047	शनि	21/09/2058
सूर्य	29/03/2001	मंगल	10/03/2017	गुरु	25/01/2034	शनि	06/06/2048	केतु	10/04/2060
मंगल	23/11/2002	गुरु	04/02/2019	शनि	28/03/2036	केतु	07/11/2049	चंद्र	06/12/2061
गुरु	08/09/2004	शनि	22/02/2021	केतु	27/07/2038	चंद्र	15/05/2051	बुध	09/09/2063
शनि	14/08/2006	केतु	06/05/2023	चंद्र	18/01/2041	बुध	24/12/2052	शुक्र	20/07/2065
केतु	08/09/2008	चंद्र	08/09/2025	बुध	09/09/2043	शुक्र	09/09/2054	सूर्य	09/09/2066

गुरु 13 वर्ष		शनि 14 वर्ष		केतु 15 वर्ष		चंद्र 16 वर्ष	
09/09/2066		09/09/2079		08/09/2093		09/09/2108	
09/09/2079		08/09/2093		09/09/2108		00/00/0000	
गुरु	23/02/2068	शनि	18/05/2081	केतु	18/08/2095	चंद्र	24/11/2110
शनि	18/09/2069	केतु	10/03/2083	चंद्र	12/09/2097	बुध	30/01/2111
केतु	25/05/2071	चंद्र	13/02/2085	बुध	23/11/2099		00/00/0000
चंद्र	10/03/2073	बुध	04/03/2087	शुक्र	24/03/2102		00/00/0000
बुध	04/02/2075	शुक्र	05/05/2089	सूर्य	25/08/2103		00/00/0000
शुक्र	09/02/2077	सूर्य	02/09/2090	मंगल	14/03/2105		00/00/0000
सूर्य	06/05/2078	मंगल	13/02/2092	गुरु	18/11/2106		00/00/0000
मंगल	09/09/2079	गुरु	08/09/2093	शनि	09/09/2108		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
षोडशोत्तरी दशा पूरे 116 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - बुध		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		चंद्र - मंगल		चंद्र - गुरु	
29/01/1995		29/03/1997		21/09/1999		29/03/2001		23/11/2002	
29/03/1997		21/09/1999		29/03/2001		23/11/2002		08/09/2004	
बुध	29/03/1995	शुक्र	16/08/1997	सूर्य	13/11/1999	मंगल	30/05/2001	गुरु	05/02/2003
शुक्र	09/08/1995	सूर्य	10/11/1997	मंगल	09/01/2000	गुरु	06/08/2001	शनि	25/04/2003
सूर्य	29/10/1995	मंगल	12/02/1998	गुरु	11/03/2000	शनि	18/10/2001	केतु	18/07/2003
मंगल	25/01/1996	गुरु	25/05/1998	शनि	17/05/2000	केतु	04/01/2002	चंद्र	17/10/2003
गुरु	30/04/1996	शनि	11/09/1998	केतु	28/07/2000	चंद्र	28/03/2002	बुध	21/01/2004
शनि	12/08/1996	केतु	06/01/1999	चंद्र	12/10/2000	बुध	25/06/2002	शुक्र	01/05/2004
केतु	30/11/1996	चंद्र	12/05/1999	बुध	02/01/2001	शुक्र	27/09/2002	सूर्य	02/07/2004
चंद्र	29/03/1997	बुध	21/09/1999	शुक्र	29/03/2001	सूर्य	23/11/2002	मंगल	08/09/2004

चंद्र - शनि		चंद्र - केतु		बुध - बुध		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य	
08/09/2004		14/08/2006		08/09/2008		07/03/2011		26/10/2013	
14/08/2006		08/09/2008		07/03/2011		26/10/2013		06/06/2015	
शनि	02/12/2004	केतु	20/11/2006	बुध	19/01/2009	शुक्र	04/08/2011	सूर्य	20/12/2013
केतु	03/03/2005	चंद्र	04/03/2007	शुक्र	10/06/2009	सूर्य	03/11/2011	मंगल	19/02/2014
चंद्र	09/06/2005	बुध	23/06/2007	सूर्य	04/09/2009	मंगल	11/02/2012	गुरु	26/04/2014
बुध	20/09/2005	शुक्र	18/10/2007	मंगल	07/12/2009	गुरु	29/05/2012	शनि	06/07/2014
शुक्र	08/01/2006	सूर्य	29/12/2007	गुरु	19/03/2010	शनि	22/09/2012	केतु	21/09/2014
सूर्य	15/03/2006	मंगल	16/03/2008	शनि	07/07/2010	केतु	24/01/2013	चंद्र	11/12/2014
मंगल	27/05/2006	गुरु	09/06/2008	केतु	02/11/2010	चंद्र	06/06/2013	बुध	07/03/2015
गुरु	14/08/2006	शनि	08/09/2008	चंद्र	07/03/2011	बुध	26/10/2013	शुक्र	06/06/2015

बुध - मंगल		बुध - गुरु		बुध - शनि		बुध - केतु		बुध - चंद्र	
06/06/2015		10/03/2017		04/02/2019		22/02/2021		06/05/2023	
10/03/2017		04/02/2019		22/02/2021		06/05/2023		08/09/2025	
मंगल	12/08/2015	गुरु	27/05/2017	शनि	05/05/2019	केतु	06/06/2021	चंद्र	01/09/2023
गुरु	23/10/2015	शनि	19/08/2017	केतु	10/08/2019	चंद्र	25/09/2021	बुध	05/01/2024
शनि	08/01/2016	केतु	17/11/2017	चंद्र	21/11/2019	बुध	20/01/2022	शुक्र	16/05/2024
केतु	31/03/2016	चंद्र	21/02/2018	बुध	10/03/2020	शुक्र	25/05/2022	सूर्य	06/08/2024
चंद्र	28/06/2016	बुध	03/06/2018	शुक्र	04/07/2020	सूर्य	09/08/2022	मंगल	02/11/2024
बुध	30/09/2016	शुक्र	19/09/2018	सूर्य	13/09/2020	मंगल	31/10/2022	गुरु	06/02/2025
शुक्र	08/01/2017	सूर्य	24/11/2018	मंगल	30/11/2020	गुरु	29/01/2023	शनि	21/05/2025
सूर्य	10/03/2017	मंगल	04/02/2019	गुरु	22/02/2021	शनि	06/05/2023	केतु	08/09/2025

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - मंगल		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि	
08/09/2025		25/06/2028		10/03/2030		19/01/2032		25/01/2034	
25/06/2028		10/03/2030		19/01/2032		25/01/2034		28/03/2036	
शुक्र	14/02/2026	सूर्य	23/08/2028	मंगल	19/05/2030	गुरु	11/04/2032	शनि	01/05/2034
सूर्य	21/05/2026	मंगल	26/10/2028	गुरु	04/08/2030	शनि	09/07/2032	केतु	11/08/2034
मंगल	04/09/2026	गुरु	04/01/2029	शनि	25/10/2030	केतु	12/10/2032	चंद्र	29/11/2034
गुरु	27/12/2026	शनि	20/03/2029	केतु	21/01/2031	चंद्र	22/01/2033	बुध	25/03/2035
शनि	29/04/2027	केतु	09/06/2029	चंद्र	24/04/2031	बुध	09/05/2033	शुक्र	26/07/2035
केतु	08/09/2027	चंद्र	03/09/2029	बुध	02/08/2031	शुक्र	01/09/2033	सूर्य	09/10/2035
चंद्र	27/01/2028	बुध	03/12/2029	शुक्र	16/11/2031	सूर्य	10/11/2033	मंगल	30/12/2035
बुध	25/06/2028	शुक्र	10/03/2030	सूर्य	19/01/2032	मंगल	25/01/2034	गुरु	28/03/2036

शुक्र - केतु		शुक्र - चंद्र		शुक्र - बुध		सूर्य - सूर्य		सूर्य - मंगल	
28/03/2036		27/07/2038		18/01/2041		09/09/2043		24/09/2044	
27/07/2038		18/01/2041		09/09/2043		24/09/2044		13/11/2045	
केतु	16/07/2036	चंद्र	29/11/2038	बुध	09/06/2041	सूर्य	15/10/2043	मंगल	06/11/2044
चंद्र	11/11/2036	बुध	11/04/2039	शुक्र	05/11/2041	मंगल	23/11/2043	गुरु	22/12/2044
बुध	15/03/2037	शुक्र	29/08/2039	सूर्य	04/02/2042	गुरु	05/01/2044	शनि	11/02/2045
शुक्र	25/07/2037	सूर्य	23/11/2039	मंगल	15/05/2042	शनि	20/02/2044	केतु	05/04/2045
सूर्य	14/10/2037	मंगल	25/02/2040	गुरु	31/08/2042	केतु	09/04/2044	चंद्र	02/06/2045
मंगल	10/01/2038	गुरु	06/06/2040	शनि	25/12/2042	चंद्र	01/06/2044	बुध	02/08/2045
गुरु	15/04/2038	शनि	23/09/2040	केतु	29/04/2043	बुध	27/07/2044	शुक्र	05/10/2045
शनि	27/07/2038	केतु	18/01/2041	चंद्र	09/09/2043	शुक्र	24/09/2044	सूर्य	13/11/2045

सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि		सूर्य - केतु		सूर्य - चंद्र		सूर्य - बुध	
13/11/2045		07/02/2047		06/06/2048		07/11/2049		15/05/2051	
07/02/2047		06/06/2048		07/11/2049		15/05/2051		24/12/2052	
गुरु	03/01/2046	शनि	06/04/2047	केतु	12/08/2048	चंद्र	23/01/2050	बुध	10/08/2051
शनि	26/02/2046	केतु	08/06/2047	चंद्र	22/10/2048	बुध	14/04/2050	शुक्र	09/11/2051
केतु	26/04/2046	चंद्र	14/08/2047	बुध	07/01/2049	शुक्र	09/07/2050	सूर्य	04/01/2052
चंद्र	27/06/2046	बुध	24/10/2047	शुक्र	28/03/2049	सूर्य	30/08/2050	मंगल	05/03/2052
बुध	01/09/2046	शुक्र	07/01/2048	सूर्य	17/05/2049	मंगल	27/10/2050	गुरु	10/05/2052
शुक्र	09/11/2046	सूर्य	22/02/2048	मंगल	09/07/2049	गुरु	28/12/2050	शनि	20/07/2052
सूर्य	22/12/2046	मंगल	12/04/2048	गुरु	05/09/2049	शनि	05/03/2051	केतु	04/10/2052
मंगल	07/02/2047	गुरु	06/06/2048	शनि	07/11/2049	केतु	15/05/2051	चंद्र	24/12/2052

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - शुक्र		मंगल - मंगल		मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - केतु	
24/12/2052		09/09/2054		06/12/2055		10/04/2057		21/09/2058	
09/09/2054		06/12/2055		10/04/2057		21/09/2058		10/04/2060	
शुक्र	31/03/2053	मंगल	26/10/2054	गुरु	30/01/2056	शनि	13/06/2057	केतु	03/12/2058
सूर्य	29/05/2053	गुरु	15/12/2054	शनि	29/03/2056	केतु	20/08/2057	चंद्र	20/02/2059
मंगल	02/08/2053	शनि	08/02/2055	केतु	01/06/2056	चंद्र	01/11/2057	बुध	14/05/2059
गुरु	10/10/2053	केतु	08/04/2055	चंद्र	08/08/2056	बुध	18/01/2058	शुक्र	10/08/2059
शनि	25/12/2053	चंद्र	09/06/2055	बुध	19/10/2056	शुक्र	10/04/2058	सूर्य	02/10/2059
केतु	15/03/2054	बुध	15/08/2055	शुक्र	03/01/2057	सूर्य	30/05/2058	मंगल	30/11/2059
चंद्र	09/06/2054	शुक्र	24/10/2055	सूर्य	18/02/2057	मंगल	24/07/2058	गुरु	02/02/2060
बुध	09/09/2054	सूर्य	06/12/2055	मंगल	10/04/2057	गुरु	21/09/2058	शनि	10/04/2060

मंगल - चंद्र		मंगल - बुध		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य		गुरु - गुरु	
10/04/2060		06/12/2061		09/09/2063		20/07/2065		09/09/2066	
06/12/2061		09/09/2063		20/07/2065		09/09/2066		23/02/2068	
चंद्र	02/07/2060	बुध	10/03/2062	शुक्र	23/12/2063	सूर्य	28/08/2065	गुरु	07/11/2066
बुध	29/09/2060	शुक्र	17/06/2062	सूर्य	26/02/2064	मंगल	10/10/2065	शनि	10/01/2067
शुक्र	01/01/2061	सूर्य	17/08/2062	मंगल	06/05/2064	गुरु	26/11/2065	केतु	20/03/2067
सूर्य	27/02/2061	मंगल	23/10/2062	गुरु	21/07/2064	शनि	15/01/2066	चंद्र	02/06/2067
मंगल	01/05/2061	गुरु	03/01/2063	शनि	12/10/2064	केतु	10/03/2066	बुध	19/08/2067
गुरु	07/07/2061	शनि	21/03/2063	केतु	07/01/2065	चंद्र	06/05/2066	शुक्र	09/11/2067
शनि	18/09/2061	केतु	12/06/2063	चंद्र	11/04/2065	बुध	06/07/2066	सूर्य	30/12/2067
केतु	06/12/2061	चंद्र	09/09/2063	बुध	20/07/2065	शुक्र	09/09/2066	मंगल	23/02/2068

गुरु - शनि		गुरु - केतु		गुरु - चंद्र		गुरु - बुध		गुरु - शुक्र	
23/02/2068		18/09/2069		25/05/2071		10/03/2073		04/02/2075	
18/09/2069		25/05/2071		10/03/2073		04/02/2075		09/02/2077	
शनि	02/05/2068	केतु	06/12/2069	चंद्र	23/08/2071	बुध	20/06/2073	शुक्र	29/05/2075
केतु	15/07/2068	चंद्र	01/03/2070	बुध	27/11/2071	शुक्र	06/10/2073	सूर्य	07/08/2075
चंद्र	02/10/2068	बुध	30/05/2070	शुक्र	08/03/2072	सूर्य	11/12/2073	मंगल	22/10/2075
बुध	25/12/2068	शुक्र	02/09/2070	सूर्य	09/05/2072	मंगल	21/02/2074	गुरु	13/01/2076
शुक्र	24/03/2069	सूर्य	30/10/2070	मंगल	16/07/2072	गुरु	10/05/2074	शनि	11/04/2076
सूर्य	17/05/2069	मंगल	02/01/2071	गुरु	27/09/2072	शनि	02/08/2074	केतु	15/07/2076
मंगल	16/07/2069	गुरु	12/03/2071	शनि	15/12/2072	केतु	31/10/2074	चंद्र	24/10/2076
गुरु	18/09/2069	शनि	25/05/2071	केतु	10/03/2073	चंद्र	04/02/2075	बुध	09/02/2077

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - सूर्य		गुरु - मंगल		शनि - शनि		शनि - केतु		शनि - चंद्र	
09/02/2077		06/05/2078		09/09/2079		18/05/2081		10/03/2083	
06/05/2078		09/09/2079		18/05/2081		10/03/2083		13/02/2085	
सूर्य	24/03/2077	मंगल	25/06/2078	शनि	22/11/2079	केतु	12/08/2081	चंद्र	16/06/2083
मंगल	10/05/2077	गुरु	20/08/2078	केतु	10/02/2080	चंद्र	11/11/2081	बुध	27/09/2083
गुरु	29/06/2077	शनि	18/10/2078	चंद्र	05/05/2080	बुध	16/02/2082	शुक्र	14/01/2084
शनि	22/08/2077	केतु	20/12/2078	बुध	04/08/2080	शुक्र	29/05/2082	सूर्य	21/03/2084
केतु	20/10/2077	चंद्र	26/02/2079	शुक्र	07/11/2080	सूर्य	31/07/2082	मंगल	02/06/2084
चंद्र	21/12/2077	बुध	09/05/2079	सूर्य	05/01/2081	मंगल	07/10/2082	गुरु	20/08/2084
बुध	25/02/2078	शुक्र	24/07/2079	मंगल	10/03/2081	गुरु	20/12/2082	शनि	13/11/2084
शुक्र	06/05/2078	सूर्य	09/09/2079	गुरु	18/05/2081	शनि	10/03/2083	केतु	13/02/2085

शनि - बुध		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - मंगल		शनि - गुरु	
13/02/2085		04/03/2087		05/05/2089		02/09/2090		13/02/2092	
04/03/2087		05/05/2089		02/09/2090		13/02/2092		08/09/2093	
बुध	02/06/2085	शुक्र	05/07/2087	सूर्य	20/06/2089	मंगल	27/10/2090	गुरु	18/04/2092
शुक्र	27/09/2085	सूर्य	18/09/2087	मंगल	10/08/2089	गुरु	25/12/2090	शनि	26/06/2092
सूर्य	07/12/2085	मंगल	09/12/2087	गुरु	03/10/2089	शनि	27/02/2091	केतु	08/09/2092
मंगल	22/02/2086	गुरु	07/03/2088	शनि	30/11/2089	केतु	07/05/2091	चंद्र	26/11/2092
गुरु	17/05/2086	शनि	11/06/2088	केतु	01/02/2090	चंद्र	19/07/2091	बुध	18/02/2093
शनि	16/08/2086	केतु	22/09/2088	चंद्र	09/04/2090	बुध	04/10/2091	शुक्र	18/05/2093
केतु	21/11/2086	चंद्र	09/01/2089	बुध	19/06/2090	शुक्र	25/12/2091	सूर्य	11/07/2093
चंद्र	04/03/2087	बुध	05/05/2089	शुक्र	02/09/2090	सूर्य	13/02/2092	मंगल	08/09/2093

केतु - केतु		केतु - चंद्र		केतु - बुध		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य	
08/09/2093		18/08/2095		12/09/2097		23/11/2099		24/03/2102	
18/08/2095		12/09/2097		23/11/2099		24/03/2102		25/08/2103	
केतु	09/12/2093	चंद्र	30/11/2095	बुध	07/01/2098	शुक्र	04/04/2100	सूर्य	12/05/2102
चंद्र	17/03/2094	बुध	20/03/2096	शुक्र	12/05/2098	सूर्य	24/06/2100	मंगल	05/07/2102
बुध	29/06/2094	शुक्र	15/07/2096	सूर्य	27/07/2098	मंगल	20/09/2100	गुरु	01/09/2102
शुक्र	16/10/2094	सूर्य	25/09/2096	मंगल	18/10/2098	गुरु	24/12/2100	शनि	03/11/2102
सूर्य	23/12/2094	मंगल	12/12/2096	गुरु	16/01/2099	शनि	06/04/2101	केतु	09/01/2103
मंगल	06/03/2095	गुरु	07/03/2097	शनि	23/04/2099	केतु	25/07/2101	चंद्र	21/03/2103
गुरु	24/05/2095	शनि	06/06/2097	केतु	05/08/2099	चंद्र	19/11/2101	बुध	05/06/2103
शनि	18/08/2095	केतु	12/09/2097	चंद्र	23/11/2099	बुध	24/03/2102	शुक्र	25/08/2103

त्रिभगी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 4 मास 25 दिन

सूर्य 4 वर्ष		चंद्र 7 वर्ष		मंगल 5 वर्ष		राहु 12 वर्ष		गुरु 11 वर्ष	
29/01/1995		25/06/1998		23/02/2005		25/10/2009		25/10/2021	
25/06/1998		23/02/2005		25/10/2009		25/10/2021		25/06/2032	
	00/00/0000	चंद्र	14/01/1999	मंगल	03/06/2005	राहु	13/08/2011	गुरु	28/03/2023
	29/01/1995	मंगल	05/06/1999	राहु	13/02/2006	गुरु	19/03/2013	शनि	04/12/2024
मंगल	01/04/1995	राहु	04/06/2000	गुरु	28/09/2006	शनि	11/02/2015	बुध	09/06/2026
राहु	06/11/1995	गुरु	25/04/2001	शनि	25/06/2007	बुध	24/10/2016	केतु	22/01/2027
गुरु	19/05/1996	शनि	16/05/2002	बुध	22/02/2008	केतु	07/07/2017	शुक्र	01/11/2028
शनि	05/01/1997	बुध	25/04/2003	केतु	31/05/2008	शुक्र	08/07/2019	सूर्य	15/05/2029
बुध	31/07/1997	केतु	15/09/2003	शुक्र	11/03/2009	सूर्य	12/02/2020	चंद्र	05/04/2030
केतु	25/10/1997	शुक्र	24/10/2004	सूर्य	05/06/2009	चंद्र	11/02/2021	मंगल	18/11/2030
शुक्र	25/06/1998	सूर्य	23/02/2005	चंद्र	25/10/2009	मंगल	25/10/2021	राहु	25/06/2032

शनि 13 वर्ष		बुध 11 वर्ष		केतु 5 वर्ष		शुक्र 13 वर्ष		सूर्य 4 वर्ष	
25/06/2032		23/02/2045		25/06/2056		23/02/2061		25/06/2074	
23/02/2045		25/06/2056		23/02/2061		25/06/2074		00/00/0000	
शनि	27/06/2034	बुध	03/10/2046	केतु	02/10/2056	शुक्र	16/05/2063	सूर्य	06/09/2074
बुध	13/04/2036	केतु	01/06/2047	शुक्र	13/07/2057	सूर्य	14/01/2064	चंद्र	06/01/2075
केतु	07/01/2037	शुक्र	21/04/2049	सूर्य	06/10/2057	चंद्र	23/02/2065	मंगल	29/01/2075
शुक्र	18/02/2039	सूर्य	14/11/2049	चंद्र	25/02/2058	मंगल	04/12/2065		00/00/0000
सूर्य	07/10/2039	चंद्र	25/10/2050	मंगल	05/06/2058	राहु	05/12/2067		00/00/0000
चंद्र	26/10/2040	मंगल	23/06/2051	राहु	15/02/2059	गुरु	14/09/2069		00/00/0000
मंगल	23/07/2041	राहु	05/03/2053	गुरु	01/10/2059	शनि	25/10/2071		00/00/0000
राहु	17/06/2043	गुरु	08/09/2054	शनि	27/06/2060	बुध	14/09/2073		00/00/0000
गुरु	23/02/2045	शनि	25/06/2056	बुध	23/02/2061	केतु	25/06/2074		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
त्रिभगी दशा पूरे 80 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि		सूर्य - बुध	
29/01/1995		01/04/1995		06/11/1995		19/05/1996		05/01/1997	
01/04/1995		06/11/1995		19/05/1996		05/01/1997		31/07/1997	
	00/00/0000	राहु	04/05/1995	गुरु	02/12/1995	शनि	25/06/1996	बुध	04/02/1997
	29/01/1995	गुरु	02/06/1995	शनि	02/01/1996	बुध	27/07/1996	केतु	16/02/1997
गुरु	04/02/1995	शनि	07/07/1995	बुध	30/01/1996	केतु	10/08/1996	शुक्र	22/03/1997
शनि	18/02/1995	बुध	07/08/1995	केतु	10/02/1996	शुक्र	18/09/1996	सूर्य	02/04/1997
बुध	02/03/1995	केतु	20/08/1995	शुक्र	14/03/1996	सूर्य	29/09/1996	चंद्र	19/04/1997
केतु	07/03/1995	शुक्र	25/09/1995	सूर्य	23/03/1996	चंद्र	18/10/1996	मंगल	01/05/1997
शुक्र	21/03/1995	सूर्य	06/10/1995	चंद्र	08/04/1996	मंगल	01/11/1996	राहु	01/06/1997
सूर्य	25/03/1995	चंद्र	24/10/1995	मंगल	20/04/1996	राहु	06/12/1996	गुरु	29/06/1997
चंद्र	01/04/1995	मंगल	06/11/1995	राहु	19/05/1996	गुरु	05/01/1997	शनि	31/07/1997

सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल		चंद्र - राहु	
31/07/1997		25/10/1997		25/06/1998		14/01/1999		05/06/1999	
25/10/1997		25/06/1998		14/01/1999		05/06/1999		04/06/2000	
केतु	05/08/1997	शुक्र	04/12/1997	चंद्र	12/07/1998	मंगल	22/01/1999	राहु	30/07/1999
शुक्र	20/08/1997	सूर्य	16/12/1997	मंगल	24/07/1998	राहु	13/02/1999	गुरु	17/09/1999
सूर्य	24/08/1997	चंद्र	06/01/1998	राहु	23/08/1998	गुरु	04/03/1999	शनि	13/11/1999
चंद्र	31/08/1997	मंगल	20/01/1998	गुरु	19/09/1998	शनि	26/03/1999	बुध	04/01/2000
मंगल	05/09/1997	राहु	25/02/1998	शनि	21/10/1998	बुध	15/04/1999	केतु	25/01/2000
राहु	18/09/1997	गुरु	30/03/1998	बुध	19/11/1998	केतु	23/04/1999	शुक्र	26/03/2000
गुरु	29/09/1997	शनि	07/05/1998	केतु	01/12/1998	शुक्र	17/05/1999	सूर्य	14/04/2000
शनि	13/10/1997	बुध	11/06/1998	शुक्र	04/01/1999	सूर्य	24/05/1999	चंद्र	14/05/2000
बुध	25/10/1997	केतु	25/06/1998	सूर्य	14/01/1999	चंद्र	05/06/1999	मंगल	04/06/2000

चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध		चंद्र - केतु		चंद्र - शुक्र	
04/06/2000		25/04/2001		16/05/2002		25/04/2003		15/09/2003	
25/04/2001		16/05/2002		25/04/2003		15/09/2003		24/10/2004	
गुरु	18/07/2000	शनि	25/06/2001	बुध	03/07/2002	केतु	04/05/2003	शुक्र	21/11/2003
शनि	07/09/2000	बुध	19/08/2001	केतु	23/07/2002	शुक्र	27/05/2003	सूर्य	11/12/2003
बुध	23/10/2000	केतु	10/09/2001	शुक्र	19/09/2002	सूर्य	04/06/2003	चंद्र	14/01/2004
केतु	11/11/2000	शुक्र	13/11/2001	सूर्य	06/10/2002	चंद्र	15/06/2003	मंगल	07/02/2004
शुक्र	04/01/2001	सूर्य	03/12/2001	चंद्र	04/11/2002	मंगल	24/06/2003	राहु	08/04/2004
सूर्य	20/01/2001	चंद्र	04/01/2002	मंगल	24/11/2002	राहु	15/07/2003	गुरु	01/06/2004
चंद्र	16/02/2001	मंगल	26/01/2002	राहु	15/01/2003	गुरु	03/08/2003	शनि	04/08/2004
मंगल	07/03/2001	राहु	25/03/2002	गुरु	02/03/2003	शनि	25/08/2003	बुध	01/10/2004
राहु	25/04/2001	गुरु	16/05/2002	शनि	25/04/2003	बुध	15/09/2003	केतु	24/10/2004

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु		मंगल - गुरु		मंगल - शनि	
24/10/2004		23/02/2005		03/06/2005		13/02/2006		28/09/2006	
23/02/2005		03/06/2005		13/02/2006		28/09/2006		25/06/2007	
सूर्य	30/10/2004	मंगल	01/03/2005	राहु	11/07/2005	गुरु	15/03/2006	शनि	10/11/2006
चंद्र	10/11/2004	राहु	16/03/2005	गुरु	14/08/2005	शनि	20/04/2006	बुध	18/12/2006
मंगल	17/11/2004	गुरु	29/03/2005	शनि	23/09/2005	बुध	23/05/2006	केतु	03/01/2007
राहु	05/12/2004	शनि	14/04/2005	बुध	30/10/2005	केतु	05/06/2006	शुक्र	17/02/2007
गुरु	21/12/2004	बुध	28/04/2005	केतु	14/11/2005	शुक्र	13/07/2006	सूर्य	03/03/2007
शनि	09/01/2005	केतु	04/05/2005	शुक्र	26/12/2005	सूर्य	24/07/2006	चंद्र	25/03/2007
बुध	27/01/2005	शुक्र	20/05/2005	सूर्य	08/01/2006	चंद्र	12/08/2006	मंगल	10/04/2007
केतु	03/02/2005	सूर्य	25/05/2005	चंद्र	29/01/2006	मंगल	25/08/2006	राहु	20/05/2007
शुक्र	23/02/2005	चंद्र	03/06/2005	मंगल	13/02/2006	राहु	28/09/2006	गुरु	25/06/2007

मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र	
25/06/2007		22/02/2008		31/05/2008		11/03/2009		05/06/2009	
22/02/2008		31/05/2008		11/03/2009		05/06/2009		25/10/2009	
बुध	30/07/2007	केतु	28/02/2008	शुक्र	18/07/2008	सूर्य	16/03/2009	चंद्र	16/06/2009
केतु	13/08/2007	शुक्र	15/03/2008	सूर्य	01/08/2008	चंद्र	23/03/2009	मंगल	25/06/2009
शुक्र	22/09/2007	सूर्य	20/03/2008	चंद्र	24/08/2008	मंगल	28/03/2009	राहु	16/07/2009
सूर्य	04/10/2007	चंद्र	28/03/2008	मंगल	10/09/2008	राहु	09/04/2009	गुरु	04/08/2009
चंद्र	24/10/2007	मंगल	03/04/2008	राहु	23/10/2008	गुरु	21/04/2009	शनि	26/08/2009
मंगल	07/11/2007	राहु	18/04/2008	गुरु	30/11/2008	शनि	04/05/2009	बुध	16/09/2009
राहु	13/12/2007	गुरु	01/05/2008	शनि	14/01/2009	बुध	16/05/2009	केतु	24/09/2009
गुरु	15/01/2008	शनि	17/05/2008	बुध	23/02/2009	केतु	21/05/2009	शुक्र	17/10/2009
शनि	22/02/2008	बुध	31/05/2008	केतु	11/03/2009	शुक्र	05/06/2009	सूर्य	25/10/2009

राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि		राहु - बुध		राहु - केतु	
25/10/2009		13/08/2011		19/03/2013		11/02/2015		24/10/2016	
13/08/2011		19/03/2013		11/02/2015		24/10/2016		07/07/2017	
राहु	31/01/2010	गुरु	30/10/2011	शनि	07/07/2013	बुध	10/05/2015	केतु	08/11/2016
गुरु	29/04/2010	शनि	30/01/2012	बुध	14/10/2013	केतु	16/06/2015	शुक्र	21/12/2016
शनि	11/08/2010	बुध	22/04/2012	केतु	23/11/2013	शुक्र	27/09/2015	सूर्य	03/01/2017
बुध	12/11/2010	केतु	26/05/2012	शुक्र	19/03/2014	सूर्य	28/10/2015	चंद्र	24/01/2017
केतु	20/12/2010	शुक्र	01/09/2012	सूर्य	22/04/2014	चंद्र	19/12/2015	मंगल	08/02/2017
शुक्र	09/04/2011	सूर्य	30/09/2012	चंद्र	19/06/2014	मंगल	24/01/2016	राहु	18/03/2017
सूर्य	12/05/2011	चंद्र	18/11/2012	मंगल	30/07/2014	राहु	26/04/2016	गुरु	21/04/2017
चंद्र	06/07/2011	मंगल	22/12/2012	राहु	11/11/2014	गुरु	18/07/2016	शनि	01/06/2017
मंगल	13/08/2011	राहु	19/03/2013	गुरु	11/02/2015	शनि	24/10/2016	बुध	07/07/2017

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल		गुरु - गुरु	
07/07/2017		08/07/2019		12/02/2020		11/02/2021		25/10/2021	
08/07/2019		12/02/2020		11/02/2021		25/10/2021		28/03/2023	
शुक्र	06/11/2017	सूर्य	18/07/2019	चंद्र	13/03/2020	मंगल	26/02/2021	गुरु	02/01/2022
सूर्य	12/12/2017	चंद्र	06/08/2019	मंगल	03/04/2020	राहु	05/04/2021	शनि	25/03/2022
चंद्र	11/02/2018	मंगल	19/08/2019	राहु	28/05/2020	गुरु	09/05/2021	बुध	07/06/2022
मंगल	26/03/2018	राहु	20/09/2019	गुरु	16/07/2020	शनि	19/06/2021	केतु	07/07/2022
राहु	13/07/2018	गुरु	20/10/2019	शनि	12/09/2020	बुध	25/07/2021	शुक्र	02/10/2022
गुरु	19/10/2018	शनि	23/11/2019	बुध	02/11/2020	केतु	09/08/2021	सूर्य	28/10/2022
शनि	11/02/2019	बुध	24/12/2019	केतु	24/11/2020	शुक्र	20/09/2021	चंद्र	10/12/2022
बुध	26/05/2019	केतु	06/01/2020	शुक्र	24/01/2021	सूर्य	03/10/2021	मंगल	09/01/2023
केतु	08/07/2019	शुक्र	12/02/2020	सूर्य	11/02/2021	चंद्र	25/10/2021	राहु	28/03/2023

गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य	
28/03/2023		04/12/2024		09/06/2026		22/01/2027		01/11/2028	
04/12/2024		09/06/2026		22/01/2027		01/11/2028		15/05/2029	
शनि	04/07/2023	बुध	20/02/2025	केतु	22/06/2026	शुक्र	10/05/2027	सूर्य	11/11/2028
बुध	29/09/2023	केतु	24/03/2025	शुक्र	30/07/2026	सूर्य	12/06/2027	चंद्र	27/11/2028
केतु	04/11/2023	शुक्र	24/06/2025	सूर्य	10/08/2026	चंद्र	05/08/2027	मंगल	09/12/2028
शुक्र	15/02/2024	सूर्य	22/07/2025	चंद्र	29/08/2026	मंगल	12/09/2027	राहु	07/01/2029
सूर्य	17/03/2024	चंद्र	06/09/2025	मंगल	12/09/2026	राहु	18/12/2027	गुरु	02/02/2029
चंद्र	07/05/2024	मंगल	08/10/2025	राहु	16/10/2026	गुरु	14/03/2028	शनि	05/03/2029
मंगल	12/06/2024	राहु	30/12/2025	गुरु	15/11/2026	शनि	25/06/2028	बुध	01/04/2029
राहु	13/09/2024	गुरु	13/03/2026	शनि	21/12/2026	बुध	25/09/2028	केतु	13/04/2029
गुरु	04/12/2024	शनि	09/06/2026	बुध	22/01/2027	केतु	01/11/2028	शुक्र	15/05/2029

गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि		शनि - बुध	
15/05/2029		05/04/2030		18/11/2030		25/06/2032		27/06/2034	
05/04/2030		18/11/2030		25/06/2032		27/06/2034		13/04/2036	
चंद्र	11/06/2029	मंगल	18/04/2030	राहु	14/02/2031	शनि	19/10/2032	बुध	28/09/2034
मंगल	30/06/2029	राहु	22/05/2030	गुरु	03/05/2031	बुध	30/01/2033	केतु	05/11/2034
राहु	18/08/2029	गुरु	22/06/2030	शनि	03/08/2031	केतु	14/03/2033	शुक्र	22/02/2035
गुरु	30/09/2029	शनि	28/07/2030	बुध	25/10/2031	शुक्र	14/07/2033	सूर्य	27/03/2035
शनि	21/11/2029	बुध	29/08/2030	केतु	28/11/2031	सूर्य	20/08/2033	चंद्र	21/05/2035
बुध	06/01/2030	केतु	11/09/2030	शुक्र	05/03/2032	चंद्र	20/10/2033	मंगल	28/06/2035
केतु	25/01/2030	शुक्र	19/10/2030	सूर्य	03/04/2032	मंगल	02/12/2033	राहु	04/10/2035
शुक्र	20/03/2030	सूर्य	30/10/2030	चंद्र	21/05/2032	राहु	21/03/2034	गुरु	31/12/2035
सूर्य	05/04/2030	चंद्र	18/11/2030	मंगल	25/06/2032	गुरु	27/06/2034	शनि	13/04/2036

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र		शनि - मंगल	
13/04/2036		07/01/2037		18/02/2039		07/10/2039		26/10/2040	
07/01/2037		18/02/2039		07/10/2039		26/10/2040		23/07/2041	
केतु	28/04/2036	शुक्र	16/05/2037	सूर्य	01/03/2039	चंद्र	08/11/2039	मंगल	11/11/2040
शुक्र	12/06/2036	सूर्य	23/06/2037	चंद्र	20/03/2039	मंगल	30/11/2039	राहु	22/12/2040
सूर्य	26/06/2036	चंद्र	27/08/2037	मंगल	03/04/2039	राहु	27/01/2040	गुरु	27/01/2041
चंद्र	18/07/2036	मंगल	11/10/2037	राहु	08/05/2039	गुरु	19/03/2040	शनि	10/03/2041
मंगल	03/08/2036	राहु	03/02/2038	गुरु	07/06/2039	शनि	19/05/2040	बुध	18/04/2041
राहु	12/09/2036	गुरु	17/05/2038	शनि	14/07/2039	बुध	12/07/2040	केतु	03/05/2041
गुरु	18/10/2036	शनि	16/09/2038	बुध	16/08/2039	केतु	04/08/2040	शुक्र	17/06/2041
शनि	30/11/2036	बुध	04/01/2039	केतु	29/08/2039	शुक्र	07/10/2040	सूर्य	01/07/2041
बुध	07/01/2037	केतु	18/02/2039	शुक्र	07/10/2039	सूर्य	26/10/2040	चंद्र	23/07/2041

शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु		बुध - शुक्र	
23/07/2041		17/06/2043		23/02/2045		03/10/2046		01/06/2047	
17/06/2043		23/02/2045		03/10/2046		01/06/2047		21/04/2049	
राहु	04/11/2041	गुरु	07/09/2043	बुध	17/05/2045	केतु	17/10/2046	शुक्र	24/09/2047
गुरु	05/02/2042	शनि	14/12/2043	केतु	20/06/2045	शुक्र	26/11/2046	सूर्य	28/10/2047
शनि	26/05/2042	बुध	11/03/2044	शुक्र	26/09/2045	सूर्य	08/12/2046	चंद्र	25/12/2047
बुध	01/09/2042	केतु	16/04/2044	सूर्य	25/10/2045	चंद्र	28/12/2046	मंगल	03/02/2048
केतु	12/10/2042	शुक्र	27/07/2044	चंद्र	13/12/2045	मंगल	11/01/2047	राहु	17/05/2048
शुक्र	04/02/2043	सूर्य	27/08/2044	मंगल	17/01/2046	राहु	16/02/2047	गुरु	17/08/2048
सूर्य	11/03/2043	चंद्र	18/10/2044	राहु	14/04/2046	गुरु	21/03/2047	शनि	04/12/2048
चंद्र	08/05/2043	मंगल	23/11/2044	गुरु	02/07/2046	शनि	28/04/2047	बुध	12/03/2049
मंगल	17/06/2043	राहु	23/02/2045	शनि	03/10/2046	बुध	01/06/2047	केतु	21/04/2049

बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु		बुध - गुरु	
21/04/2049		14/11/2049		25/10/2050		23/06/2051		05/03/2053	
14/11/2049		25/10/2050		23/06/2051		05/03/2053		08/09/2054	
सूर्य	01/05/2049	चंद्र	13/12/2049	मंगल	08/11/2050	राहु	24/09/2051	गुरु	18/05/2053
चंद्र	19/05/2049	मंगल	02/01/2050	राहु	14/12/2050	गुरु	16/12/2051	शनि	13/08/2053
मंगल	31/05/2049	राहु	22/02/2050	गुरु	15/01/2051	शनि	24/03/2052	बुध	30/10/2053
राहु	01/07/2049	गुरु	09/04/2050	शनि	23/02/2051	बुध	20/06/2052	केतु	02/12/2053
गुरु	28/07/2049	शनि	03/06/2050	बुध	29/03/2051	केतु	26/07/2052	शुक्र	04/03/2054
शनि	30/08/2049	बुध	22/07/2050	केतु	12/04/2051	शुक्र	06/11/2052	सूर्य	31/03/2054
बुध	28/09/2049	केतु	11/08/2050	शुक्र	22/05/2051	सूर्य	07/12/2052	चंद्र	16/05/2054
केतु	10/10/2049	शुक्र	08/10/2050	सूर्य	03/06/2051	चंद्र	28/01/2053	मंगल	17/06/2054
शुक्र	14/11/2049	सूर्य	25/10/2050	चंद्र	23/06/2051	मंगल	05/03/2053	राहु	08/09/2054

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य		केतु - चंद्र	
08/09/2054		25/06/2056		02/10/2056		13/07/2057		06/10/2057	
25/06/2056		02/10/2056		13/07/2057		06/10/2057		25/02/2058	
शनि	21/12/2054	केतु	30/06/2056	शुक्र	18/11/2056	सूर्य	17/07/2057	चंद्र	18/10/2057
बुध	24/03/2055	शुक्र	17/07/2056	सूर्य	03/12/2056	चंद्र	24/07/2057	मंगल	26/10/2057
केतु	01/05/2055	सूर्य	22/07/2056	चंद्र	26/12/2056	मंगल	29/07/2057	राहु	17/11/2057
शुक्र	18/08/2055	चंद्र	30/07/2056	मंगल	12/01/2057	राहु	11/08/2057	गुरु	06/12/2057
सूर्य	20/09/2055	मंगल	05/08/2056	राहु	23/02/2057	गुरु	23/08/2057	शनि	28/12/2057
चंद्र	14/11/2055	राहु	20/08/2056	गुरु	02/04/2057	शनि	05/09/2057	बुध	17/01/2058
मंगल	22/12/2055	गुरु	02/09/2056	शनि	17/05/2057	बुध	17/09/2057	केतु	26/01/2058
राहु	29/03/2056	शनि	18/09/2056	बुध	27/06/2057	केतु	22/09/2057	शुक्र	18/02/2058
गुरु	25/06/2056	बुध	02/10/2056	केतु	13/07/2057	शुक्र	06/10/2057	सूर्य	25/02/2058

केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु		केतु - शनि		केतु - बुध	
25/02/2058		05/06/2058		15/02/2059		01/10/2059		27/06/2060	
05/06/2058		15/02/2059		01/10/2059		27/06/2060		23/02/2061	
मंगल	03/03/2058	राहु	13/07/2058	गुरु	18/03/2059	शनि	12/11/2059	बुध	31/07/2060
राहु	18/03/2058	गुरु	16/08/2058	शनि	23/04/2059	बुध	21/12/2059	केतु	14/08/2060
गुरु	31/03/2058	शनि	26/09/2058	बुध	25/05/2059	केतु	05/01/2060	शुक्र	23/09/2060
शनि	16/04/2058	बुध	01/11/2058	केतु	07/06/2059	शुक्र	19/02/2060	सूर्य	05/10/2060
बुध	30/04/2058	केतु	16/11/2058	शुक्र	15/07/2059	सूर्य	04/03/2060	चंद्र	25/10/2060
केतु	06/05/2058	शुक्र	28/12/2058	सूर्य	26/07/2059	चंद्र	26/03/2060	मंगल	08/11/2060
शुक्र	23/05/2058	सूर्य	10/01/2059	चंद्र	14/08/2059	मंगल	11/04/2060	राहु	15/12/2060
सूर्य	28/05/2058	चंद्र	01/02/2059	मंगल	28/08/2059	राहु	22/05/2060	गुरु	16/01/2061
चंद्र	05/06/2058	मंगल	15/02/2059	राहु	01/10/2059	गुरु	27/06/2060	शनि	23/02/2061

शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - राहु	
23/02/2061		16/05/2063		14/01/2064		23/02/2065		04/12/2065	
16/05/2063		14/01/2064		23/02/2065		04/12/2065		05/12/2067	
शुक्र	08/07/2061	सूर्य	28/05/2063	चंद्र	17/02/2064	मंगल	12/03/2065	राहु	24/03/2066
सूर्य	18/08/2061	चंद्र	17/06/2063	मंगल	12/03/2064	राहु	23/04/2065	गुरु	29/06/2066
चंद्र	25/10/2061	मंगल	01/07/2063	राहु	12/05/2064	गुरु	31/05/2065	शनि	23/10/2066
मंगल	11/12/2061	राहु	07/08/2063	गुरु	05/07/2064	शनि	15/07/2065	बुध	03/02/2067
राहु	12/04/2062	गुरु	08/09/2063	शनि	07/09/2064	बुध	24/08/2065	केतु	18/03/2067
गुरु	29/07/2062	शनि	17/10/2063	बुध	03/11/2064	केतु	10/09/2065	शुक्र	18/07/2067
शनि	04/12/2062	बुध	20/11/2063	केतु	27/11/2064	शुक्र	27/10/2065	सूर्य	23/08/2067
बुध	29/03/2063	केतु	05/12/2063	शुक्र	03/02/2065	सूर्य	10/11/2065	चंद्र	23/10/2067
केतु	16/05/2063	शुक्र	14/01/2064	सूर्य	23/02/2065	चंद्र	04/12/2065	मंगल	05/12/2067

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 11 वर्ष 8 मास 19 दिन

गुरु 19 वर्ष		राहु 12 वर्ष		शुक्र 21 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 15 वर्ष	
29/01/1995		19/10/2006		19/10/2018		19/10/2039		19/10/2045	
19/10/2006		19/10/2018		19/10/2039		19/10/2045		19/10/2060	
	00/00/0000	राहु	18/02/2008	शुक्र	19/11/2022	सूर्य	18/02/2040	चंद्र	19/11/2047
	29/01/1995	शुक्र	19/06/2010	सूर्य	19/01/2024	चंद्र	19/12/2040	मंगल	29/12/2048
शुक्र	12/12/1996	सूर्य	18/02/2011	चंद्र	19/12/2026	मंगल	30/05/2041	बुध	10/05/2051
सूर्य	01/01/1998	चंद्र	19/10/2012	मंगल	09/07/2028	बुध	10/05/2042	शनि	28/09/2052
चंद्र	22/08/2000	मंगल	08/09/2013	बुध	30/10/2031	शनि	29/11/2042	गुरु	20/05/2055
मंगल	18/01/2002	बुध	30/07/2015	शनि	09/10/2033	गुरु	19/12/2043	राहु	18/01/2057
बुध	15/01/2005	शनि	08/09/2016	गुरु	19/06/2037	राहु	19/08/2044	शुक्र	19/12/2059
शनि	19/10/2006	गुरु	19/10/2018	राहु	19/10/2039	शुक्र	19/10/2045	सूर्य	19/10/2060

मंगल 8 वर्ष		बुध 17 वर्ष		शनि 10 वर्ष		गुरु 19 वर्ष	
19/10/2060		19/10/2068		19/10/2085		19/10/2095	
19/10/2068		19/10/2085		19/10/2095		00/00/0000	
मंगल	23/05/2061	बुध	23/06/2071	शनि	22/09/2086	गुरु	21/02/2099
बुध	26/08/2062	शनि	18/01/2073	गुरु	26/06/2088	राहु	03/04/2101
शनि	24/05/2063	गुरु	15/01/2076	राहु	06/08/2089	शुक्र	30/01/2103
गुरु	19/10/2064	राहु	05/12/2077	शुक्र	17/07/2091		00/00/0000
राहु	08/09/2065	शुक्र	27/03/2081	सूर्य	05/02/2092		00/00/0000
शुक्र	31/03/2067	सूर्य	07/03/2082	चंद्र	26/06/2093		00/00/0000
सूर्य	09/09/2067	चंद्र	16/07/2084	मंगल	24/03/2094		00/00/0000
चंद्र	19/10/2068	मंगल	19/10/2085	बुध	19/10/2095		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
अष्टोत्तरी दशा पूरे 108 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - बुध	
29/01/1995		12/12/1996		01/01/1998		22/08/2000		18/01/2002	
12/12/1996		01/01/1998		22/08/2000		18/01/2002		15/01/2005	
	00/00/0000	सूर्य	02/01/1997	चंद्र	15/05/1998	मंगल	29/09/2000	बुध	09/07/2002
	00/00/0000	चंद्र	25/02/1997	मंगल	26/07/1998	बुध	19/12/2000	शनि	18/10/2002
	00/00/0000	मंगल	25/03/1997	बुध	24/12/1998	शनि	05/02/2001	गुरु	29/04/2003
	29/01/1995	बुध	25/05/1997	शनि	24/03/1999	गुरु	06/05/2001	राहु	28/08/2003
बुध	19/07/1995	शनि	30/06/1997	गुरु	09/09/1999	राहु	02/07/2001	शुक्र	27/03/2004
शनि	21/11/1995	गुरु	06/09/1997	राहु	25/12/1999	शुक्र	10/10/2001	सूर्य	27/05/2004
गुरु	15/07/1996	राहु	18/10/1997	शुक्र	30/06/2000	सूर्य	08/11/2001	चंद्र	26/10/2004
राहु	12/12/1996	शुक्र	01/01/1998	सूर्य	22/08/2000	चंद्र	18/01/2002	मंगल	15/01/2005

गुरु - शनि		राहु - राहु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र	
15/01/2005		19/10/2006		18/02/2008		19/06/2010		18/02/2011	
19/10/2006		18/02/2008		19/06/2010		18/02/2011		19/10/2012	
शनि	15/03/2005	राहु	12/12/2006	शुक्र	02/08/2008	सूर्य	03/07/2010	चंद्र	14/05/2011
गुरु	06/07/2005	शुक्र	17/03/2007	सूर्य	18/09/2008	चंद्र	06/08/2010	मंगल	28/06/2011
राहु	16/09/2005	सूर्य	13/04/2007	चंद्र	15/01/2009	मंगल	24/08/2010	बुध	01/10/2011
शुक्र	19/01/2006	चंद्र	20/06/2007	मंगल	19/03/2009	बुध	01/10/2010	शनि	27/11/2011
सूर्य	23/02/2006	मंगल	26/07/2007	बुध	31/07/2009	शनि	24/10/2010	गुरु	13/03/2012
चंद्र	23/05/2006	बुध	10/10/2007	शनि	18/10/2009	गुरु	06/12/2010	राहु	20/05/2012
मंगल	10/07/2006	शनि	25/11/2007	गुरु	17/03/2010	राहु	02/01/2011	शुक्र	15/09/2012
बुध	19/10/2006	गुरु	18/02/2008	राहु	19/06/2010	शुक्र	18/02/2011	सूर्य	19/10/2012

राहु - मंगल		राहु - बुध		राहु - शनि		राहु - गुरु		शुक्र - शुक्र	
19/10/2012		08/09/2013		30/07/2015		08/09/2016		19/10/2018	
08/09/2013		30/07/2015		08/09/2016		19/10/2018		19/11/2022	
मंगल	12/11/2012	बुध	26/12/2013	शनि	06/09/2015	गुरु	22/01/2017	शुक्र	05/08/2019
बुध	02/01/2013	शनि	28/02/2014	गुरु	16/11/2015	राहु	17/04/2017	सूर्य	27/10/2019
शनि	01/02/2013	गुरु	29/06/2014	राहु	31/12/2015	शुक्र	14/09/2017	चंद्र	21/05/2020
गुरु	30/03/2013	राहु	14/09/2014	शुक्र	19/03/2016	सूर्य	27/10/2017	मंगल	09/09/2020
राहु	05/05/2013	शुक्र	26/01/2015	सूर्य	11/04/2016	चंद्र	11/02/2018	बुध	01/05/2021
शुक्र	07/07/2013	सूर्य	05/03/2015	चंद्र	06/06/2016	मंगल	09/04/2018	शनि	17/09/2021
सूर्य	25/07/2013	चंद्र	09/06/2015	मंगल	06/07/2016	बुध	09/08/2018	गुरु	06/06/2022
चंद्र	08/09/2013	मंगल	30/07/2015	बुध	08/09/2016	शनि	19/10/2018	राहु	19/11/2022

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - बुध		शुक्र - शनि	
19/11/2022		19/01/2024		19/12/2026		09/07/2028		30/10/2031	
19/01/2024		19/12/2026		09/07/2028		30/10/2031		09/10/2033	
सूर्य	12/12/2022	चंद्र	15/06/2024	मंगल	30/01/2027	बुध	15/01/2029	शनि	03/01/2032
चंद्र	10/02/2023	मंगल	02/09/2024	बुध	30/04/2027	शनि	07/05/2029	गुरु	07/05/2032
मंगल	13/03/2023	बुध	16/02/2025	शनि	21/06/2027	गुरु	06/12/2029	राहु	25/07/2032
बुध	19/05/2023	शनि	26/05/2025	गुरु	29/09/2027	राहु	19/04/2030	शुक्र	10/12/2032
शनि	28/06/2023	गुरु	29/11/2025	राहु	01/12/2027	शुक्र	09/12/2030	सूर्य	19/01/2033
गुरु	11/09/2023	राहु	28/03/2026	शुक्र	21/03/2028	सूर्य	15/02/2031	चंद्र	27/04/2033
राहु	28/10/2023	शुक्र	21/10/2026	सूर्य	21/04/2028	चंद्र	01/08/2031	मंगल	19/06/2033
शुक्र	19/01/2024	सूर्य	19/12/2026	चंद्र	09/07/2028	मंगल	30/10/2031	बुध	09/10/2033

शुक्र - गुरु		शुक्र - राहु		सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल	
09/10/2033		19/06/2037		19/10/2039		18/02/2040		19/12/2040	
19/06/2037		19/10/2039		18/02/2040		19/12/2040		30/05/2041	
गुरु	03/06/2034	राहु	22/09/2037	सूर्य	26/10/2039	चंद्र	01/04/2040	मंगल	31/12/2040
राहु	31/10/2034	शुक्र	07/03/2038	चंद्र	12/11/2039	मंगल	23/04/2040	बुध	25/01/2041
शुक्र	21/07/2035	सूर्य	23/04/2038	मंगल	21/11/2039	बुध	10/06/2040	शनि	09/02/2041
सूर्य	04/10/2035	चंद्र	19/08/2038	बुध	10/12/2039	शनि	08/07/2040	गुरु	10/03/2041
चंद्र	08/04/2036	मंगल	21/10/2038	शनि	22/12/2039	गुरु	31/08/2040	राहु	28/03/2041
मंगल	17/07/2036	बुध	05/03/2039	गुरु	12/01/2040	राहु	04/10/2040	शुक्र	28/04/2041
बुध	14/02/2037	शनि	23/05/2039	राहु	26/01/2040	शुक्र	02/12/2040	सूर्य	07/05/2041
शनि	19/06/2037	गुरु	19/10/2039	शुक्र	18/02/2040	सूर्य	19/12/2040	चंद्र	30/05/2041

सूर्य - बुध		सूर्य - शनि		सूर्य - गुरु		सूर्य - राहु		सूर्य - शुक्र	
30/05/2041		10/05/2042		29/11/2042		19/12/2043		19/08/2044	
10/05/2042		29/11/2042		19/12/2043		19/08/2044		19/10/2045	
बुध	23/07/2041	शनि	29/05/2042	गुरु	05/02/2043	राहु	15/01/2044	शुक्र	10/11/2044
शनि	24/08/2041	गुरु	03/07/2042	राहु	19/03/2043	शुक्र	03/03/2044	सूर्य	03/12/2044
गुरु	24/10/2041	राहु	26/07/2042	शुक्र	02/06/2043	सूर्य	16/03/2044	चंद्र	01/02/2045
राहु	01/12/2041	शुक्र	03/09/2042	सूर्य	24/06/2043	चंद्र	19/04/2044	मंगल	04/03/2045
शुक्र	06/02/2042	सूर्य	15/09/2042	चंद्र	16/08/2043	मंगल	07/05/2044	बुध	10/05/2045
सूर्य	25/02/2042	चंद्र	13/10/2042	मंगल	14/09/2043	बुध	14/06/2044	शनि	19/06/2045
चंद्र	14/04/2042	मंगल	28/10/2042	बुध	14/11/2043	शनि	07/07/2044	गुरु	02/09/2045
मंगल	10/05/2042	बुध	29/11/2042	शनि	19/12/2043	गुरु	19/08/2044	राहु	19/10/2045

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल		चंद्र - बुध		चंद्र - शनि		चंद्र - गुरु	
19/10/2045		19/11/2047		29/12/2048		10/05/2051		28/09/2052	
19/11/2047		29/12/2048		10/05/2051		28/09/2052		20/05/2055	
चंद्र	02/02/2046	मंगल	19/12/2047	बुध	13/05/2049	शनि	26/06/2051	गुरु	17/03/2053
मंगल	30/03/2046	बुध	21/02/2048	शनि	01/08/2049	गुरु	23/09/2051	राहु	02/07/2053
बुध	28/07/2046	शनि	29/03/2048	गुरु	31/12/2049	राहु	19/11/2051	शुक्र	06/01/2054
शनि	06/10/2046	गुरु	09/06/2048	राहु	06/04/2050	शुक्र	25/02/2052	सूर्य	28/02/2054
गुरु	17/02/2047	राहु	24/07/2048	शुक्र	21/09/2050	सूर्य	25/03/2052	चंद्र	12/07/2054
राहु	13/05/2047	शुक्र	11/10/2048	सूर्य	07/11/2050	चंद्र	03/06/2052	मंगल	21/09/2054
शुक्र	08/10/2047	सूर्य	02/11/2048	चंद्र	07/03/2051	मंगल	11/07/2052	बुध	20/02/2055
सूर्य	19/11/2047	चंद्र	29/12/2048	मंगल	10/05/2051	बुध	28/09/2052	शनि	20/05/2055

चंद्र - राहु		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - बुध	
20/05/2055		18/01/2057		19/12/2059		19/10/2060		23/05/2061	
18/01/2057		19/12/2059		19/10/2060		23/05/2061		26/08/2062	
राहु	27/07/2055	शुक्र	13/08/2057	सूर्य	05/01/2060	मंगल	04/11/2060	बुध	04/08/2061
शुक्र	22/11/2055	सूर्य	11/10/2057	चंद्र	17/02/2060	बुध	08/12/2060	शनि	15/09/2061
सूर्य	26/12/2055	चंद्र	08/03/2058	मंगल	10/03/2060	शनि	28/12/2060	गुरु	05/12/2061
चंद्र	20/03/2056	मंगल	26/05/2058	बुध	27/04/2060	गुरु	04/02/2061	राहु	25/01/2062
मंगल	04/05/2056	बुध	10/11/2058	शनि	25/05/2060	राहु	28/02/2061	शुक्र	25/04/2062
बुध	08/08/2056	शनि	17/02/2059	गुरु	18/07/2060	शुक्र	11/04/2061	सूर्य	20/05/2062
शनि	03/10/2056	गुरु	23/08/2059	राहु	21/08/2060	सूर्य	23/04/2061	चंद्र	23/07/2062
गुरु	18/01/2057	राहु	19/12/2059	शुक्र	19/10/2060	चंद्र	23/05/2061	मंगल	26/08/2062

मंगल - शनि		मंगल - गुरु		मंगल - राहु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य	
26/08/2062		24/05/2063		19/10/2064		08/09/2065		31/03/2067	
24/05/2063		19/10/2064		08/09/2065		31/03/2067		09/09/2067	
शनि	20/09/2062	गुरु	22/08/2063	राहु	24/11/2064	शुक्र	28/12/2065	सूर्य	09/04/2067
गुरु	07/11/2062	राहु	18/10/2063	शुक्र	26/01/2065	सूर्य	28/01/2066	चंद्र	01/05/2067
राहु	07/12/2062	शुक्र	26/01/2064	सूर्य	13/02/2065	चंद्र	17/04/2066	मंगल	13/05/2067
शुक्र	28/01/2063	सूर्य	24/02/2064	चंद्र	30/03/2065	मंगल	29/05/2066	बुध	08/06/2067
सूर्य	12/02/2063	चंद्र	05/05/2064	मंगल	23/04/2065	बुध	27/08/2066	शनि	23/06/2067
चंद्र	22/03/2063	मंगल	12/06/2064	बुध	13/06/2065	शनि	18/10/2066	गुरु	21/07/2067
मंगल	11/04/2063	बुध	01/09/2064	शनि	13/07/2065	गुरु	26/01/2067	राहु	08/08/2067
बुध	24/05/2063	शनि	19/10/2064	गुरु	08/09/2065	राहु	31/03/2067	शुक्र	09/09/2067

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - चंद्र		बुध - बुध		बुध - शनि		बुध - गुरु		बुध - राहु	
09/09/2067		19/10/2068		23/06/2071		18/01/2073		15/01/2076	
19/10/2068		23/06/2071		18/01/2073		15/01/2076		05/12/2077	
चंद्र	04/11/2067	बुध	22/03/2069	शनि	15/08/2071	गुरु	29/07/2073	राहु	01/04/2076
मंगल	04/12/2067	शनि	20/06/2069	गुरु	24/11/2071	राहु	28/11/2073	शुक्र	13/08/2076
बुध	06/02/2068	गुरु	09/12/2069	राहु	27/01/2072	शुक्र	28/06/2074	सूर्य	21/09/2076
शनि	15/03/2068	राहु	28/03/2070	शुक्र	18/05/2072	सूर्य	28/08/2074	चंद्र	25/12/2076
गुरु	25/05/2068	शुक्र	04/10/2070	सूर्य	19/06/2072	चंद्र	26/01/2075	मंगल	14/02/2077
राहु	09/07/2068	सूर्य	27/11/2070	चंद्र	07/09/2072	मंगल	17/04/2075	बुध	03/06/2077
शुक्र	26/09/2068	चंद्र	12/04/2071	मंगल	20/10/2072	बुध	06/10/2075	शनि	06/08/2077
सूर्य	19/10/2068	मंगल	23/06/2071	बुध	18/01/2073	शनि	15/01/2076	गुरु	05/12/2077

बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		शनि - शनि	
05/12/2077		27/03/2081		07/03/2082		16/07/2084		19/10/2085	
27/03/2081		07/03/2082		16/07/2084		19/10/2085		22/09/2086	
शुक्र	28/07/2078	सूर्य	15/04/2081	चंद्र	04/07/2082	मंगल	19/08/2084	शनि	19/11/2085
सूर्य	03/10/2078	चंद्र	02/06/2081	मंगल	06/09/2082	बुध	31/10/2084	गुरु	18/01/2086
चंद्र	20/03/2079	मंगल	27/06/2081	बुध	20/01/2083	शनि	12/12/2084	राहु	24/02/2086
मंगल	17/06/2079	बुध	21/08/2081	शनि	10/04/2083	गुरु	03/03/2085	शुक्र	01/05/2086
बुध	24/12/2079	शनि	22/09/2081	गुरु	09/09/2083	राहु	23/04/2085	सूर्य	20/05/2086
शनि	14/04/2080	गुरु	21/11/2081	राहु	13/12/2083	शुक्र	22/07/2085	चंद्र	06/07/2086
गुरु	13/11/2080	राहु	30/12/2081	शुक्र	29/05/2084	सूर्य	16/08/2085	मंगल	31/07/2086
राहु	27/03/2081	शुक्र	07/03/2082	सूर्य	16/07/2084	चंद्र	19/10/2085	बुध	22/09/2086

शनि - गुरु		शनि - राहु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र	
22/09/2086		26/06/2088		06/08/2089		17/07/2091		05/02/2092	
26/06/2088		06/08/2089		17/07/2091		05/02/2092		26/06/2093	
गुरु	13/01/2087	राहु	10/08/2088	शुक्र	22/12/2089	सूर्य	28/07/2091	चंद्र	15/04/2092
राहु	26/03/2087	शुक्र	28/10/2088	सूर्य	30/01/2090	चंद्र	25/08/2091	मंगल	23/05/2092
शुक्र	29/07/2087	सूर्य	19/11/2088	चंद्र	09/05/2090	मंगल	09/09/2091	बुध	11/08/2092
सूर्य	02/09/2087	चंद्र	15/01/2089	मंगल	30/06/2090	बुध	11/10/2091	शनि	27/09/2092
चंद्र	01/12/2087	मंगल	14/02/2089	बुध	20/10/2090	शनि	30/10/2091	गुरु	25/12/2092
मंगल	17/01/2088	बुध	19/04/2089	शनि	25/12/2090	गुरु	05/12/2091	राहु	19/02/2093
बुध	27/04/2088	शनि	26/05/2089	गुरु	29/04/2091	राहु	27/12/2091	शुक्र	29/05/2093
शनि	26/06/2088	गुरु	06/08/2089	राहु	17/07/2091	शुक्र	05/02/2092	सूर्य	26/06/2093

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : संकटा 6 वर्ष 9 मास 19 दिन

संकटा 8 वर्ष	मंगला 1 वर्ष	पिंगला 2 वर्ष	धान्या 3 वर्ष	भ्रामरी 4 वर्ष
29/01/1995	19/11/2001	19/11/2002	19/11/2004	19/11/2007
19/11/2001	19/11/2002	19/11/2004	19/11/2007	19/11/2011
संक 30/08/1995	मंग 29/11/2001	पिंग 30/12/2002	धांय 18/02/2005	भ्राम 30/04/2008
मंग 19/11/1995	पिंग 19/12/2001	धांय 28/02/2003	भ्राम 20/06/2005	भद्रि 19/11/2008
पिंग 30/04/1996	धांय 19/01/2002	भ्राम 21/05/2003	भद्रि 19/11/2005	उल्क 20/07/2009
धांय 29/12/1996	भ्राम 28/02/2002	भद्रि 30/08/2003	उल्क 20/05/2006	सिद्ध 30/04/2010
भ्राम 19/11/1997	भद्रि 20/04/2002	उल्क 30/12/2003	सिद्ध 19/12/2006	संक 21/03/2011
भद्रि 30/12/1998	उल्क 20/06/2002	सिद्ध 20/05/2004	संक 20/08/2007	मंग 30/04/2011
उल्क 30/04/2000	सिद्ध 30/08/2002	संक 29/10/2004	मंग 19/09/2007	पिंग 21/07/2011
सिद्ध 19/11/2001	संक 19/11/2002	मंग 19/11/2004	पिंग 19/11/2007	धांय 19/11/2011

भद्रिका 5 वर्ष	उल्का 6 वर्ष	सिद्धा 7 वर्ष	संकटा 8 वर्ष	मंगला 1 वर्ष
19/11/2011	19/11/2016	19/11/2022	19/11/2029	19/11/2037
19/11/2016	19/11/2022	19/11/2029	19/11/2037	19/11/2038
भद्रि 30/07/2012	उल्क 19/11/2017	सिद्ध 30/03/2024	संक 30/08/2031	मंग 29/11/2037
उल्क 30/05/2013	सिद्ध 19/01/2019	संक 19/10/2025	मंग 19/11/2031	पिंग 19/12/2037
सिद्ध 20/05/2014	संक 20/05/2020	मंग 29/12/2025	पिंग 30/04/2032	धांय 19/01/2038
संक 30/06/2015	मंग 20/07/2020	पिंग 20/05/2026	धांय 29/12/2032	भ्राम 28/02/2038
मंग 20/08/2015	पिंग 19/11/2020	धांय 19/12/2026	भ्राम 19/11/2033	भद्रि 20/04/2038
पिंग 29/11/2015	धांय 20/05/2021	भ्राम 30/09/2027	भद्रि 30/12/2034	उल्क 20/06/2038
धांय 30/04/2016	भ्राम 19/01/2022	भद्रि 19/09/2028	उल्क 30/04/2036	सिद्ध 30/08/2038
भ्राम 19/11/2016	भद्रि 19/11/2022	उल्क 19/11/2029	सिद्ध 19/11/2037	संक 19/11/2038

नोट :- योगनियों के स्वामी नीचे दिए गए हैं :-

मंगला	: चन्द्र	पिंगला	: सूर्य	धान्या	: गुरु	भ्रामरी	: मंगल
भद्रिका	: बुध	उल्का	: शनि	सिद्धा	: शुक्र	संकटा	: राहु/केतु

उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
योगिनी दशा 36 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

योगिनी दशा

पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष	
19/11/2038		19/11/2040		19/11/2043		19/11/2047		19/11/2052	
19/11/2040		19/11/2043		19/11/2047		19/11/2052		19/11/2058	
पिंग	30/12/2038	धांय	18/02/2041	भ्राम	30/04/2044	भद्रि	30/07/2048	उल्क	19/11/2053
धांय	28/02/2039	भ्राम	20/06/2041	भद्रि	19/11/2044	उल्क	30/05/2049	सिद्ध	19/01/2055
भ्राम	21/05/2039	भद्रि	19/11/2041	उल्क	20/07/2045	सिद्ध	20/05/2050	संक	20/05/2056
भद्रि	30/08/2039	उल्क	20/05/2042	सिद्ध	30/04/2046	संक	30/06/2051	मंग	20/07/2056
उल्क	30/12/2039	सिद्ध	19/12/2042	संक	21/03/2047	मंग	20/08/2051	पिंग	19/11/2056
सिद्ध	20/05/2040	संक	20/08/2043	मंग	30/04/2047	पिंग	29/11/2051	धांय	20/05/2057
संक	29/10/2040	मंग	19/09/2043	पिंग	21/07/2047	धांय	30/04/2052	भ्राम	19/01/2058
मंग	19/11/2040	पिंग	19/11/2043	धांय	19/11/2047	भ्राम	19/11/2052	भद्रि	19/11/2058

सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
19/11/2058		19/11/2065		19/11/2073		19/11/2074		19/11/2076	
19/11/2065		19/11/2073		19/11/2074		19/11/2076		19/11/2079	
सिद्ध	30/03/2060	संक	30/08/2067	मंग	29/11/2073	पिंग	30/12/2074	धांय	18/02/2077
संक	19/10/2061	मंग	19/11/2067	पिंग	19/12/2073	धांय	28/02/2075	भ्राम	20/06/2077
मंग	29/12/2061	पिंग	30/04/2068	धांय	19/01/2074	भ्राम	21/05/2075	भद्रि	19/11/2077
पिंग	20/05/2062	धांय	29/12/2068	भ्राम	28/02/2074	भद्रि	30/08/2075	उल्क	20/05/2078
धांय	19/12/2062	भ्राम	19/11/2069	भद्रि	20/04/2074	उल्क	30/12/2075	सिद्ध	19/12/2078
भ्राम	30/09/2063	भद्रि	30/12/2070	उल्क	20/06/2074	सिद्ध	20/05/2076	संक	20/08/2079
भद्रि	19/09/2064	उल्क	30/04/2072	सिद्ध	30/08/2074	संक	29/10/2076	मंग	19/09/2079
उल्क	19/11/2065	सिद्ध	19/11/2073	संक	19/11/2074	मंग	19/11/2076	पिंग	19/11/2079

भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
19/11/2079		19/11/2083		19/11/2088		19/11/2094		20/11/2101	
19/11/2083		19/11/2088		19/11/2094		20/11/2101		00/00/0000	
भ्राम	30/04/2080	भद्रि	30/07/2084	उल्क	19/11/2089	सिद्ध	30/03/2096	संक	30/01/2103
भद्रि	19/11/2080	उल्क	30/05/2085	सिद्ध	19/01/2091	संक	19/10/2097		00/00/0000
उल्क	20/07/2081	सिद्ध	20/05/2086	संक	20/05/2092	मंग	29/12/2097		00/00/0000
सिद्ध	30/04/2082	संक	30/06/2087	मंग	20/07/2092	पिंग	20/05/2098		00/00/0000
संक	21/03/2083	मंग	20/08/2087	पिंग	19/11/2092	धांय	19/12/2098		00/00/0000
मंग	30/04/2083	पिंग	29/11/2087	धांय	20/05/2093	भ्राम	30/09/2099		00/00/0000
पिंग	21/07/2083	धांय	30/04/2088	भ्राम	19/01/2094	भद्रि	20/09/2100		00/00/0000
धांय	19/11/2083	भ्राम	19/11/2088	भद्रि	19/11/2094	उल्क	20/11/2101		00/00/0000

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

सिद्ध - पिंग		सिद्ध - धांय		सिद्ध - भ्राम		सिद्ध - भद्रि		सिद्ध - उल्क	
29/12/2025		20/05/2026		19/12/2026		30/09/2027		19/09/2028	
20/05/2026		19/12/2026		30/09/2027		19/09/2028		19/11/2029	
पिंग	06/01/2026	धांय	07/06/2026	भ्राम	20/01/2027	भद्रि	18/11/2027	उल्क	29/11/2028
धांय	18/01/2026	भ्राम	01/07/2026	भद्रि	28/02/2027	उल्क	16/01/2028	सिद्ध	20/02/2029
भ्राम	03/02/2026	भद्रि	30/07/2026	उल्क	17/04/2027	सिद्ध	25/03/2028	संक	25/05/2029
भद्रि	23/02/2026	उल्क	04/09/2026	सिद्ध	11/06/2027	संक	12/06/2028	मंग	06/06/2029
उल्क	18/03/2026	सिद्ध	15/10/2026	संक	13/08/2027	मंग	22/06/2028	पिंग	30/06/2029
सिद्ध	15/04/2026	संक	02/12/2026	मंग	21/08/2027	पिंग	12/07/2028	धांय	04/08/2029
संक	16/05/2026	मंग	08/12/2026	पिंग	06/09/2027	धांय	10/08/2028	भ्राम	21/09/2029
मंग	20/05/2026	पिंग	19/12/2026	धांय	30/09/2027	भ्राम	19/09/2028	भद्रि	19/11/2029

संक - संक		संक - मंग		संक - पिंग		संक - धांय		संक - भ्राम	
19/11/2029		30/08/2031		19/11/2031		30/04/2032		29/12/2032	
30/08/2031		19/11/2031		30/04/2032		29/12/2032		19/11/2033	
संक	12/04/2030	मंग	01/09/2031	पिंग	28/11/2031	धांय	20/05/2032	भ्राम	03/02/2033
मंग	30/04/2030	पिंग	06/09/2031	धांय	12/12/2031	भ्राम	16/06/2032	भद्रि	20/03/2033
पिंग	05/06/2030	धांय	13/09/2031	भ्राम	30/12/2031	भद्रि	20/07/2032	उल्क	13/05/2033
धांय	29/07/2030	भ्राम	22/09/2031	भद्रि	21/01/2032	उल्क	29/08/2032	सिद्ध	16/07/2033
भ्राम	09/10/2030	भद्रि	03/10/2031	उल्क	17/02/2032	सिद्ध	16/10/2032	संक	26/09/2033
भद्रि	08/01/2031	उल्क	16/10/2031	सिद्ध	20/03/2032	संक	09/12/2032	मंग	05/10/2033
उल्क	26/04/2031	सिद्ध	01/11/2031	संक	25/04/2032	मंग	16/12/2032	पिंग	23/10/2033
सिद्ध	30/08/2031	संक	19/11/2031	मंग	30/04/2032	पिंग	29/12/2032	धांय	19/11/2033

संक - भद्रि		संक - उल्क		संक - सिद्ध		मंग - मंग		मंग - पिंग	
19/11/2033		30/12/2034		30/04/2036		19/11/2037		29/11/2037	
30/12/2034		30/04/2036		19/11/2037		29/11/2037		19/12/2037	
भद्रि	14/01/2034	उल्क	21/03/2035	सिद्ध	18/08/2036	मंग	19/11/2037	पिंग	30/11/2037
उल्क	23/03/2034	सिद्ध	23/06/2035	संक	22/12/2036	पिंग	20/11/2037	धांय	02/12/2037
सिद्ध	10/06/2034	संक	10/10/2035	मंग	07/01/2037	धांय	20/11/2037	भ्राम	04/12/2037
संक	08/09/2034	मंग	23/10/2035	पिंग	08/02/2037	भ्राम	22/11/2037	भद्रि	07/12/2037
मंग	19/09/2034	पिंग	19/11/2035	धांय	27/03/2037	भद्रि	23/11/2037	उल्क	10/12/2037
पिंग	12/10/2034	धांय	30/12/2035	भ्राम	29/05/2037	उल्क	25/11/2037	सिद्ध	14/12/2037
धांय	15/11/2034	भ्राम	22/02/2036	भद्रि	16/08/2037	सिद्ध	27/11/2037	संक	19/12/2037
भ्राम	30/12/2034	भद्रि	30/04/2036	उल्क	19/11/2037	संक	29/11/2037	मंग	19/12/2037

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

मंग - धांय		मंग - भ्राम		मंग - भद्रि		मंग - उल्क		मंग - सिद्ध	
19/12/2037		19/01/2038		28/02/2038		20/04/2038		20/06/2038	
19/01/2038		28/02/2038		20/04/2038		20/06/2038		30/08/2038	
धांय	22/12/2037	भ्राम	23/01/2038	भद्रि	07/03/2038	उल्क	30/04/2038	सिद्ध	04/07/2038
भ्राम	25/12/2037	भद्रि	29/01/2038	उल्क	16/03/2038	सिद्ध	12/05/2038	संक	19/07/2038
भद्रि	29/12/2037	उल्क	05/02/2038	सिद्ध	26/03/2038	संक	25/05/2038	मंग	21/07/2038
उल्क	03/01/2038	सिद्ध	12/02/2038	संक	06/04/2038	मंग	27/05/2038	पिंग	25/07/2038
सिद्ध	09/01/2038	संक	21/02/2038	मंग	07/04/2038	पिंग	31/05/2038	धांय	31/07/2038
संक	16/01/2038	मंग	23/02/2038	पिंग	10/04/2038	धांय	05/06/2038	भ्राम	08/08/2038
मंग	17/01/2038	पिंग	25/02/2038	धांय	14/04/2038	भ्राम	11/06/2038	भद्रि	18/08/2038
पिंग	19/01/2038	धांय	28/02/2038	भ्राम	20/04/2038	भद्रि	20/06/2038	उल्क	30/08/2038

मंग - संक		पिंग - पिंग		पिंग - धांय		पिंग - भ्राम		पिंग - भद्रि	
30/08/2038		19/11/2038		30/12/2038		28/02/2039		21/05/2039	
19/11/2038		30/12/2038		28/02/2039		21/05/2039		30/08/2039	
संक	17/09/2038	पिंग	21/11/2038	धांय	04/01/2039	भ्राम	09/03/2039	भद्रि	04/06/2039
मंग	19/09/2038	धांय	25/11/2038	भ्राम	10/01/2039	भद्रि	21/03/2039	उल्क	21/06/2039
पिंग	24/09/2038	भ्राम	29/11/2038	भद्रि	19/01/2039	उल्क	03/04/2039	सिद्ध	10/07/2039
धांय	30/09/2038	भद्रि	05/12/2038	उल्क	29/01/2039	सिद्ध	19/04/2039	संक	02/08/2039
भ्राम	09/10/2038	उल्क	12/12/2038	सिद्ध	10/02/2039	संक	07/05/2039	मंग	05/08/2039
भद्रि	21/10/2038	सिद्ध	19/12/2038	संक	23/02/2039	मंग	09/05/2039	पिंग	10/08/2039
उल्क	03/11/2038	संक	28/12/2038	मंग	25/02/2039	पिंग	14/05/2039	धांय	19/08/2039
सिद्ध	19/11/2038	मंग	30/12/2038	पिंग	28/02/2039	धांय	21/05/2039	भ्राम	30/08/2039

पिंग - उल्क		पिंग - सिद्ध		पिंग - संक		पिंग - मंग		धांय - धांय	
30/08/2039		30/12/2039		20/05/2040		29/10/2040		19/11/2040	
30/12/2039		20/05/2040		29/10/2040		19/11/2040		18/02/2041	
उल्क	19/09/2039	सिद्ध	26/01/2040	संक	25/06/2040	मंग	30/10/2040	धांय	26/11/2040
सिद्ध	13/10/2039	संक	27/02/2040	मंग	29/06/2040	पिंग	31/10/2040	भ्राम	06/12/2040
संक	09/11/2039	मंग	02/03/2040	पिंग	08/07/2040	धांय	02/11/2040	भद्रि	19/12/2040
मंग	12/11/2039	पिंग	10/03/2040	धांय	22/07/2040	भ्राम	04/11/2040	उल्क	03/01/2041
पिंग	19/11/2039	धांय	22/03/2040	भ्राम	09/08/2040	भद्रि	07/11/2040	सिद्ध	21/01/2041
धांय	29/11/2039	भ्राम	06/04/2040	भद्रि	01/09/2040	उल्क	10/11/2040	संक	10/02/2041
भ्राम	13/12/2039	भद्रि	26/04/2040	उल्क	28/09/2040	सिद्ध	14/11/2040	मंग	13/02/2041
भद्रि	30/12/2039	उल्क	20/05/2040	सिद्ध	29/10/2040	संक	19/11/2040	पिंग	18/02/2041

कालचक्र दशा

भोग्य दशा काल : कन्या 7 वर्ष 2 मास 21 दिन
कुल दशाकाल : 100 वर्ष
तिथि : उत्तराषाढ़ा - 1 सव्य
देह : मेष जीव : धनु

कन्या 9 वर्ष		तुला 16 वर्ष		वृश्चिक 7 वर्ष		धनु 10 वर्ष		मेष 7 वर्ष	
29/01/1995		21/04/2002		21/04/2018		21/04/2025		22/04/2035	
21/04/2002		21/04/2018		21/04/2025		22/04/2035		21/04/2042	
	29/01/1995	तुला	11/11/2004	वृश्चि	17/10/2018	धनु	21/04/2026	मेष	18/10/2035
तुला	22/07/1995	वृश्चि	26/12/2005	धनु	30/06/2019	मेष	02/01/2027	वृष	30/11/2036
वृश्चि	08/03/1996	धनु	02/08/2007	मेष	26/12/2019	वृष	08/08/2028	मिथु	18/07/2037
धनु	31/01/1997	मेष	14/09/2008	वृष	07/02/2021	मिथु	03/07/2029	कर्क	06/01/2039
मेष	18/09/1997	वृष	07/04/2011	मिथु	25/09/2021	कर्क	09/08/2031	सिंह	14/05/2039
वृष	26/02/1999	मिथु	14/09/2012	कर्क	16/03/2023	सिंह	08/02/2032	कन्या	30/12/2039
मिथु	19/12/1999	कर्क	24/01/2016	सिंह	22/07/2023	कन्या	02/01/2033	तुला	11/02/2041
कर्क	08/11/2001	सिंह	11/11/2016	कन्या	08/03/2024	तुला	09/08/2034	वृश्चि	09/08/2041
सिंह	21/04/2002	कन्या	21/04/2018	तुला	21/04/2025	वृश्चि	22/04/2035	धनु	21/04/2042

वृष 16 वर्ष		मिथुन 9 वर्ष		कर्क 21 वर्ष		सिंह 5 वर्ष		कन्या 9 वर्ष	
21/04/2042		21/04/2058		22/04/2067		21/04/2088		21/04/2093	
21/04/2058		22/04/2067		21/04/2088		21/04/2093		00/00/0000	
वृष	11/11/2044	मिथु	11/02/2059	कर्क	18/09/2071	सिंह	21/07/2088	कन्या	11/02/2094
मिथु	21/04/2046	कर्क	02/01/2061	सिंह	06/10/2072	कन्या	02/01/2089	तुला	29/01/2095
कर्क	31/08/2049	सिंह	15/06/2061	कन्या	27/08/2074	तुला	21/10/2089		00/00/0000
सिंह	19/06/2050	कन्या	07/04/2062	तुला	05/01/2078	वृश्चि	26/02/2090		00/00/0000
कन्या	27/11/2051	तुला	15/09/2063	वृश्चि	26/06/2079	धनु	27/08/2090		00/00/0000
तुला	19/06/2054	वृश्चि	02/05/2064	धनु	01/08/2081	मेष	02/01/2091		00/00/0000
वृश्चि	02/08/2055	धनु	27/03/2065	मेष	20/01/2083	वृष	21/10/2091		00/00/0000
धनु	08/03/2057	मेष	12/11/2065	वृष	01/06/2086	मिथु	03/04/2092		00/00/0000
मेष	21/04/2058	वृष	22/04/2067	मिथु	21/04/2088	कर्क	21/04/2093		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

धनु - धनु		धनु - मेष		धनु - वृष		धनु - मिथु		धनु - कर्क	
21/04/2025		21/04/2026		02/01/2027		08/08/2028		03/07/2029	
21/04/2026		02/01/2027		08/08/2028		03/07/2029		09/08/2031	
धनु	28/05/2025	मेष	09/05/2026	वृष	06/04/2027	मिथु	07/09/2028	कर्क	11/12/2029
मेष	22/06/2025	वृष	19/06/2026	मिथु	28/05/2027	कर्क	15/11/2028	सिंह	19/01/2030
वृष	20/08/2025	मिथु	12/07/2026	कर्क	28/09/2027	सिंह	02/12/2028	कन्या	29/03/2030
मिथु	22/09/2025	कर्क	04/09/2026	सिंह	27/10/2027	कन्या	31/12/2028	तुला	29/07/2030
कर्क	07/12/2025	सिंह	17/09/2026	कन्या	19/12/2027	तुला	22/02/2029	वृश्चि	21/09/2030
सिंह	26/12/2025	कन्या	10/10/2026	तुला	21/03/2028	वृश्चि	17/03/2029	धनु	07/12/2030
कन्या	27/01/2026	तुला	20/11/2026	वृश्चि	01/05/2028	धनु	19/04/2029	मेष	29/01/2031
तुला	27/03/2026	वृश्चि	08/12/2026	धनु	29/06/2028	मेष	12/05/2029	वृष	01/06/2031
वृश्चि	21/04/2026	धनु	02/01/2027	मेष	08/08/2028	वृष	03/07/2029	मिथु	09/08/2031

धनु - सिंह		धनु - कन्या		धनु - तुला		धनु - वृश्चि		मेष - मेष	
09/08/2031		08/02/2032		02/01/2033		09/08/2034		22/04/2035	
08/02/2032		02/01/2033		09/08/2034		22/04/2035		18/10/2035	
सिंह	18/08/2031	कन्या	08/03/2032	तुला	05/04/2033	वृश्चि	27/08/2034	मेष	04/05/2035
कन्या	04/09/2031	तुला	30/04/2032	वृश्चि	16/05/2033	धनु	21/09/2034	वृष	02/06/2035
तुला	03/10/2031	वृश्चि	23/05/2032	धनु	13/07/2033	मेष	09/10/2034	मिथु	18/06/2035
वृश्चि	16/10/2031	धनु	25/06/2032	मेष	23/08/2033	वृष	19/11/2034	कर्क	26/07/2035
धनु	03/11/2031	मेष	18/07/2032	वृष	25/11/2033	मिथु	12/12/2034	सिंह	03/08/2035
मेष	16/11/2031	वृष	09/09/2032	मिथु	16/01/2034	कर्क	04/02/2035	कन्या	20/08/2035
वृष	15/12/2031	मिथु	08/10/2032	कर्क	19/05/2034	सिंह	17/02/2035	तुला	17/09/2035
मिथु	01/01/2032	कर्क	16/12/2032	सिंह	17/06/2034	कन्या	12/03/2035	वृश्चि	30/09/2035
कर्क	08/02/2032	सिंह	02/01/2033	कन्या	09/08/2034	तुला	22/04/2035	धनु	18/10/2035

मेष - वृष		मेष - मिथु		मेष - कर्क		मेष - सिंह		मेष - कन्या	
18/10/2035		30/11/2036		18/07/2037		06/01/2039		14/05/2039	
30/11/2036		18/07/2037		06/01/2039		14/05/2039		30/12/2039	
वृष	22/12/2035	मिथु	20/12/2036	कर्क	08/11/2037	सिंह	12/01/2039	कन्या	03/06/2039
मिथु	28/01/2036	कर्क	07/02/2037	सिंह	04/12/2037	कन्या	24/01/2039	तुला	10/07/2039
कर्क	23/04/2036	सिंह	18/02/2037	कन्या	22/01/2038	तुला	13/02/2039	वृश्चि	26/07/2039
सिंह	13/05/2036	कन्या	11/03/2037	तुला	18/04/2038	वृश्चि	22/02/2039	धनु	18/08/2039
कन्या	19/06/2036	तुला	17/04/2037	वृश्चि	25/05/2038	धनु	07/03/2039	मेष	03/09/2039
तुला	24/08/2036	वृश्चि	03/05/2037	धनु	18/07/2038	मेष	16/03/2039	वृष	10/10/2039
वृश्चि	21/09/2036	धनु	26/05/2037	मेष	25/08/2038	वृष	05/04/2039	मिथु	31/10/2039
धनु	01/11/2036	मेष	11/06/2037	वृष	18/11/2038	मिथु	17/04/2039	कर्क	18/12/2039
मेष	30/11/2036	वृष	18/07/2037	मिथु	06/01/2039	कर्क	14/05/2039	सिंह	30/12/2039

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

मेष - तुला		मेष - वृश्चि		मेष - धनु		वृष - वृष		वृष - मिथु	
30/12/2039		11/02/2041		09/08/2041		21/04/2042		11/11/2044	
11/02/2041		09/08/2041		21/04/2042		11/11/2044		21/04/2046	
तुला	04/03/2040	वृश्चि	23/02/2041	धनु	03/09/2041	वृष	18/09/2042	मिथु	29/12/2044
वृश्चि	02/04/2040	धनु	13/03/2041	मेष	21/09/2041	मिथु	11/12/2042	कर्क	18/04/2045
धनु	13/05/2040	मेष	26/03/2041	वृष	01/11/2041	कर्क	26/06/2043	सिंह	15/05/2045
मेष	10/06/2040	वृष	23/04/2041	मिथु	24/11/2041	सिंह	11/08/2043	कन्या	01/07/2045
वृष	15/08/2040	मिथु	09/05/2041	कर्क	17/01/2042	कन्या	03/11/2043	तुला	23/09/2045
मिथु	21/09/2040	कर्क	16/06/2041	सिंह	30/01/2042	तुला	01/04/2044	वृश्चि	30/10/2045
कर्क	16/12/2040	सिंह	25/06/2041	कन्या	22/02/2042	वृश्चि	06/06/2044	धनु	21/12/2045
सिंह	05/01/2041	कन्या	11/07/2041	तुला	04/04/2042	धनु	07/09/2044	मेष	27/01/2046
कन्या	11/02/2041	तुला	09/08/2041	वृश्चि	21/04/2042	मेष	11/11/2044	वृष	21/04/2046

वृष - कर्क		वृष - सिंह		वृष - कन्या		वृष - तुला		वृष - वृश्चि	
21/04/2046		31/08/2049		19/06/2050		27/11/2051		19/06/2054	
31/08/2049		19/06/2050		27/11/2051		19/06/2054		02/08/2055	
कर्क	04/01/2047	सिंह	14/09/2049	कन्या	05/08/2050	तुला	24/04/2052	वृश्चि	17/07/2054
सिंह	07/03/2047	कन्या	11/10/2049	तुला	28/10/2050	वृश्चि	29/06/2052	धनु	27/08/2054
कन्या	25/06/2047	तुला	26/11/2049	वृश्चि	04/12/2050	धनु	30/09/2052	मेष	25/09/2054
तुला	07/01/2048	वृश्चि	17/12/2049	धनु	26/01/2051	मेष	05/12/2052	वृष	29/11/2054
वृश्चि	02/04/2048	धनु	15/01/2050	मेष	04/03/2051	वृष	03/05/2053	मिथु	05/01/2055
धनु	03/08/2048	मेष	04/02/2050	वृष	27/05/2051	मिथु	27/07/2053	कर्क	01/04/2055
मेष	28/10/2048	वृष	23/03/2050	मिथु	13/07/2051	कर्क	08/02/2054	सिंह	22/04/2055
वृष	12/05/2049	मिथु	18/04/2050	कर्क	01/11/2051	सिंह	27/03/2054	कन्या	28/05/2055
मिथु	31/08/2049	कर्क	19/06/2050	सिंह	27/11/2051	कन्या	19/06/2054	तुला	02/08/2055

वृष - धनु		वृष - मेष		मिथु - मिथु		मिथु - कर्क		मिथु - सिंह	
02/08/2055		08/03/2057		21/04/2058		11/02/2059		02/01/2061	
08/03/2057		21/04/2058		11/02/2059		02/01/2061		15/06/2061	
धनु	29/09/2055	मेष	06/04/2057	मिथु	18/05/2058	कर्क	06/07/2059	सिंह	10/01/2061
मेष	09/11/2055	वृष	10/06/2057	कर्क	19/07/2058	सिंह	10/08/2059	कन्या	25/01/2061
वृष	11/02/2056	मिथु	17/07/2057	सिंह	03/08/2058	कन्या	11/10/2059	तुला	20/02/2061
मिथु	03/04/2056	कर्क	11/10/2057	कन्या	30/08/2058	तुला	29/01/2060	वृश्चि	03/03/2061
कर्क	04/08/2056	सिंह	01/11/2057	तुला	16/10/2058	वृश्चि	18/03/2060	धनु	20/03/2061
सिंह	02/09/2056	कन्या	07/12/2057	वृश्चि	06/11/2058	धनु	26/05/2060	मेष	31/03/2061
कन्या	25/10/2056	तुला	11/02/2058	धनु	05/12/2058	मेष	13/07/2060	वृष	27/04/2061
तुला	26/01/2057	वृश्चि	12/03/2058	मेष	26/12/2058	वृष	31/10/2060	मिथु	11/05/2061
वृश्चि	08/03/2057	धनु	21/04/2058	वृष	11/02/2059	मिथु	02/01/2061	कर्क	15/06/2061

चर दशा

भोग्य दशा काल : कन्या 8 वर्ष 0 मास 0 दिन

कन्या 8 वर्ष	
29/01/1995	
29/01/2003	
तुला	30/09/1995
वृश्चि	30/05/1996
धनु	29/01/1997
मक	29/09/1997
कुंभ	31/05/1998
मीन	29/01/1999
मेष	30/09/1999
वृष	30/05/2000
मिथु	29/01/2001
कर्क	29/09/2001
सिंह	31/05/2002
कन्या	29/01/2003

तुला 1 वर्ष	
29/01/2003	
30/01/2004	
वृश्चि	01/03/2003
धनु	31/03/2003
मक	01/05/2003
कुंभ	31/05/2003
मीन	01/07/2003
मेष	31/07/2003
वृष	30/08/2003
मिथु	30/09/2003
कर्क	30/10/2003
सिंह	30/11/2003
कन्या	30/12/2003
तुला	30/01/2004

वृश्चिक 5 वर्ष	
30/01/2004	
29/01/2009	
तुला	30/06/2004
कन्या	29/11/2004
सिंह	30/04/2005
कर्क	29/09/2005
मिथु	01/03/2006
वृष	31/07/2006
मेष	30/12/2006
मीन	31/05/2007
कुंभ	30/10/2007
मक	31/03/2008
धनु	30/08/2008
वृश्चि	29/01/2009

धनु 11 वर्ष	
29/01/2009	
30/01/2020	
वृश्चि	30/12/2009
तुला	30/11/2010
कन्या	30/10/2011
सिंह	29/09/2012
कर्क	30/08/2013
मिथु	31/07/2014
वृष	01/07/2015
मेष	30/05/2016
मीन	30/04/2017
कुंभ	31/03/2018
मक	01/03/2019
धनु	30/01/2020

मकर 11 वर्ष	
30/01/2020	
29/01/2031	
धनु	29/12/2020
वृश्चि	29/11/2021
तुला	30/10/2022
कन्या	30/09/2023
सिंह	30/08/2024
कर्क	31/07/2025
मिथु	30/06/2026
वृष	31/05/2027
मेष	30/04/2028
मीन	31/03/2029
कुंभ	01/03/2030
मक	29/01/2031

कुम्भ 4 वर्ष	
29/01/2031	
29/01/2035	
मीन	31/05/2031
मेष	30/09/2031
वृष	30/01/2032
मिथु	30/05/2032
कर्क	29/09/2032
सिंह	29/01/2033
कन्या	31/05/2033
तुला	29/09/2033
वृश्चि	29/01/2034
धनु	31/05/2034
मक	30/09/2034
कुंभ	29/01/2035

मीन 4 वर्ष	
29/01/2035	
29/01/2039	
मेष	31/05/2035
वृष	30/09/2035
मिथु	30/01/2036
कर्क	30/05/2036
सिंह	29/09/2036
कन्या	29/01/2037
तुला	31/05/2037
वृश्चि	29/09/2037
धनु	29/01/2038
मक	31/05/2038
कुंभ	30/09/2038
मीन	29/01/2039

मेष 4 वर्ष	
29/01/2039	
29/01/2043	
वृष	31/05/2039
मिथु	30/09/2039
कर्क	30/01/2040
सिंह	30/05/2040
कन्या	29/09/2040
तुला	29/01/2041
वृश्चि	31/05/2041
धनु	29/09/2041
मक	29/01/2042
कुंभ	31/05/2042
मीन	30/09/2042
मेष	29/01/2043

वृष 6 वर्ष	
29/01/2043	
29/01/2049	
मेष	31/07/2043
मीन	30/01/2044
कुंभ	30/07/2044
मक	29/01/2045
धनु	31/07/2045
वृश्चि	29/01/2046
तुला	31/07/2046
कन्या	29/01/2047
सिंह	31/07/2047
कर्क	30/01/2048
मिथु	30/07/2048
वृष	29/01/2049

मिथुन 7 वर्ष	
29/01/2049	
30/01/2056	
वृष	30/08/2049
मेष	31/03/2050
मीन	30/10/2050
कुंभ	31/05/2051
मक	30/12/2051
धनु	30/07/2052
वृश्चि	28/02/2053
तुला	29/09/2053
कन्या	30/04/2054
सिंह	30/11/2054
कर्क	01/07/2055
मिथु	30/01/2056

कर्क 7 वर्ष	
30/01/2056	
29/01/2063	
मिथु	30/08/2056
वृष	31/03/2057
मेष	30/10/2057
मीन	31/05/2058
कुंभ	30/12/2058
मक	31/07/2059
धनु	29/02/2060
वृश्चि	29/09/2060
तुला	30/04/2061
कन्या	29/11/2061
सिंह	30/06/2062
कर्क	29/01/2063

सिंह 7 वर्ष	
29/01/2063	
29/01/2070	
कन्या	30/08/2063
तुला	31/03/2064
वृश्चि	30/10/2064
धनु	31/05/2065
मक	30/12/2065
कुंभ	31/07/2066
मीन	01/03/2067
मेष	30/09/2067
वृष	30/04/2068
मिथु	29/11/2068
कर्क	30/06/2069
सिंह	29/01/2070

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

चर दशा - प्रत्यन्तर

मक - मिथु		मक - वृष		मक - मेष		मक - मीन		मक - कुंभ	
31/07/2025		30/06/2026		31/05/2027		30/04/2028		31/03/2029	
30/06/2026		31/05/2027		30/04/2028		31/03/2029		01/03/2030	
वृष	27/08/2025	मेष	28/07/2026	वृष	28/06/2027	मेष	28/05/2028	मीन	28/04/2029
मेष	24/09/2025	मीन	25/08/2026	मिथु	26/07/2027	वृष	25/06/2028	मेष	26/05/2029
मीन	22/10/2025	कुंभ	22/09/2026	कर्क	23/08/2027	मिथु	23/07/2028	वृष	22/06/2029
कुंभ	19/11/2025	मक	20/10/2026	सिंह	20/09/2027	कर्क	20/08/2028	मिथु	20/07/2029
मक	17/12/2025	धनु	17/11/2026	कन्या	18/10/2027	सिंह	16/09/2028	कर्क	17/08/2029
धनु	14/01/2026	वृश्चि	15/12/2026	तुला	15/11/2027	कन्या	14/10/2028	सिंह	14/09/2029
वृश्चि	11/02/2026	तुला	12/01/2027	वृश्चि	12/12/2027	तुला	11/11/2028	कन्या	12/10/2029
तुला	11/03/2026	कन्या	09/02/2027	धनु	09/01/2028	वृश्चि	09/12/2028	तुला	09/11/2029
कन्या	08/04/2026	सिंह	08/03/2027	मक	06/02/2028	धनु	06/01/2029	वृश्चि	07/12/2029
सिंह	06/05/2026	कर्क	05/04/2027	कुंभ	05/03/2028	मक	03/02/2029	धनु	04/01/2030
कर्क	02/06/2026	मिथु	03/05/2027	मीन	02/04/2028	कुंभ	03/03/2029	मक	01/02/2030
मिथु	30/06/2026	वृष	31/05/2027	मेष	30/04/2028	मीन	31/03/2029	कुंभ	01/03/2030

मक - मक		कुंभ - मीन		कुंभ - मेष		कुंभ - वृष		कुंभ - मिथु	
01/03/2030		29/01/2031		31/05/2031		30/09/2031		30/01/2032	
29/01/2031		31/05/2031		30/09/2031		30/01/2032		30/05/2032	
धनु	29/03/2030	मेष	09/02/2031	वृष	10/06/2031	मेष	10/10/2031	वृष	09/02/2032
वृश्चि	25/04/2030	वृष	19/02/2031	मिथु	20/06/2031	मीन	20/10/2031	मेष	19/02/2032
तुला	23/05/2030	मिथु	01/03/2031	कर्क	01/07/2031	कुंभ	30/10/2031	मीन	29/02/2032
कन्या	20/06/2030	कर्क	11/03/2031	सिंह	11/07/2031	मक	10/11/2031	कुंभ	10/03/2032
सिंह	18/07/2030	सिंह	21/03/2031	कन्या	21/07/2031	धनु	20/11/2031	मक	20/03/2032
कर्क	15/08/2030	कन्या	31/03/2031	तुला	31/07/2031	वृश्चि	30/11/2031	धनु	31/03/2032
मिथु	12/09/2030	तुला	10/04/2031	वृश्चि	10/08/2031	तुला	10/12/2031	वृश्चि	10/04/2032
वृष	10/10/2030	वृश्चि	21/04/2031	धनु	20/08/2031	कन्या	20/12/2031	तुला	20/04/2032
मेष	07/11/2030	धनु	01/05/2031	मक	30/08/2031	सिंह	30/12/2031	कन्या	30/04/2032
मीन	05/12/2030	मक	11/05/2031	कुंभ	10/09/2031	कर्क	09/01/2032	सिंह	10/05/2032
कुंभ	02/01/2031	कुंभ	21/05/2031	मीन	20/09/2031	मिथु	20/01/2032	कर्क	20/05/2032
मक	29/01/2031	मीन	31/05/2031	मेष	30/09/2031	वृष	30/01/2032	मिथु	30/05/2032

कुंभ - कर्क		कुंभ - सिंह		कुंभ - कन्या		कुंभ - तुला		कुंभ - वृश्चि	
30/05/2032		29/09/2032		29/01/2033		31/05/2033		29/09/2033	
29/09/2032		29/01/2033		31/05/2033		29/09/2033		29/01/2034	
मिथु	10/06/2032	कन्या	09/10/2032	तुला	08/02/2033	वृश्चि	10/06/2033	तुला	10/10/2033
वृष	20/06/2032	तुला	19/10/2032	वृश्चि	18/02/2033	धनु	20/06/2033	कन्या	20/10/2033
मेष	30/06/2032	वृश्चि	30/10/2032	धनु	28/02/2033	मक	30/06/2033	सिंह	30/10/2033
मीन	10/07/2032	धनु	09/11/2032	मक	11/03/2033	कुंभ	10/07/2033	कर्क	09/11/2033
कुंभ	20/07/2032	मक	19/11/2032	कुंभ	21/03/2033	मीन	20/07/2033	मिथु	19/11/2033
मक	30/07/2032	कुंभ	29/11/2032	मीन	31/03/2033	मेष	31/07/2033	वृष	29/11/2033
धनु	09/08/2032	मीन	09/12/2032	मेष	10/04/2033	वृष	10/08/2033	मेष	09/12/2033
वृश्चि	20/08/2032	मेष	19/12/2032	वृष	20/04/2033	मिथु	20/08/2033	मीन	20/12/2033
तुला	30/08/2032	वृष	29/12/2032	मिथु	30/04/2033	कर्क	30/08/2033	कुंभ	30/12/2033
कन्या	09/09/2032	मिथु	09/01/2033	कर्क	10/05/2033	सिंह	09/09/2033	मक	09/01/2034
सिंह	19/09/2032	कर्क	19/01/2033	सिंह	21/05/2033	कन्या	19/09/2033	धनु	19/01/2034
कर्क	29/09/2032	सिंह	29/01/2033	कन्या	31/05/2033	तुला	29/09/2033	वृश्चि	29/01/2034

चर दशा - प्रत्यन्तर

कुंभ - धनु		कुंभ - मक		कुंभ - कुंभ		मीन - मेष		मीन - वृष	
29/01/2034		31/05/2034		30/09/2034		29/01/2035		31/05/2035	
31/05/2034		30/09/2034		29/01/2035		31/05/2035		30/09/2035	
वृश्चि	08/02/2034	धनु	10/06/2034	मीन	10/10/2034	वृष	09/02/2035	मेष	10/06/2035
तुला	18/02/2034	वृश्चि	20/06/2034	मेष	20/10/2034	मिथु	19/02/2035	मीन	20/06/2035
कन्या	01/03/2034	तुला	30/06/2034	वृष	30/10/2034	कर्क	01/03/2035	कुंभ	01/07/2035
सिंह	11/03/2034	कन्या	11/07/2034	मिथु	09/11/2034	सिंह	11/03/2035	मक	11/07/2035
कर्क	21/03/2034	सिंह	21/07/2034	कर्क	19/11/2034	कन्या	21/03/2035	धनु	21/07/2035
मिथु	31/03/2034	कर्क	31/07/2034	सिंह	30/11/2034	तुला	31/03/2035	वृश्चि	31/07/2035
वृष	10/04/2034	मिथु	10/08/2034	कन्या	10/12/2034	वृश्चि	10/04/2035	तुला	10/08/2035
मेष	20/04/2034	वृष	20/08/2034	तुला	20/12/2034	धनु	21/04/2035	कन्या	20/08/2035
मीन	30/04/2034	मेष	30/08/2034	वृश्चि	30/12/2034	मक	01/05/2035	सिंह	30/08/2035
कुंभ	11/05/2034	मीन	09/09/2034	धनु	09/01/2035	कुंभ	11/05/2035	कर्क	10/09/2035
मक	21/05/2034	कुंभ	20/09/2034	मक	19/01/2035	मीन	21/05/2035	मिथु	20/09/2035
धनु	31/05/2034	मक	30/09/2034	कुंभ	29/01/2035	मेष	31/05/2035	वृष	30/09/2035

मीन - मिथु		मीन - कर्क		मीन - सिंह		मीन - कन्या		मीन - तुला	
30/09/2035		30/01/2036		30/05/2036		29/09/2036		29/01/2037	
30/01/2036		30/05/2036		29/09/2036		29/01/2037		31/05/2037	
वृष	10/10/2035	मिथु	09/02/2036	कन्या	10/06/2036	तुला	09/10/2036	वृश्चि	08/02/2037
मेष	20/10/2035	वृष	19/02/2036	तुला	20/06/2036	वृश्चि	19/10/2036	धनु	18/02/2037
मीन	30/10/2035	मेष	29/02/2036	वृश्चि	30/06/2036	धनु	30/10/2036	मक	28/02/2037
कुंभ	10/11/2035	मीन	10/03/2036	धनु	10/07/2036	मक	09/11/2036	कुंभ	11/03/2037
मक	20/11/2035	कुंभ	20/03/2036	मक	20/07/2036	कुंभ	19/11/2036	मीन	21/03/2037
धनु	30/11/2035	मक	31/03/2036	कुंभ	30/07/2036	मीन	29/11/2036	मेष	31/03/2037
वृश्चि	10/12/2035	धनु	10/04/2036	मीन	09/08/2036	मेष	09/12/2036	वृष	10/04/2037
तुला	20/12/2035	वृश्चि	20/04/2036	मेष	20/08/2036	वृष	19/12/2036	मिथु	20/04/2037
कन्या	30/12/2035	तुला	30/04/2036	वृष	30/08/2036	मिथु	29/12/2036	कर्क	30/04/2037
सिंह	09/01/2036	कन्या	10/05/2036	मिथु	09/09/2036	कर्क	09/01/2037	सिंह	10/05/2037
कर्क	20/01/2036	सिंह	20/05/2036	कर्क	19/09/2036	सिंह	19/01/2037	कन्या	21/05/2037
मिथु	30/01/2036	कर्क	30/05/2036	सिंह	29/09/2036	कन्या	29/01/2037	तुला	31/05/2037

मीन - वृश्चि		मीन - धनु		मीन - मक		मीन - कुंभ		मीन - मीन	
31/05/2037		29/09/2037		29/01/2038		31/05/2038		30/09/2038	
29/09/2037		29/01/2038		31/05/2038		30/09/2038		29/01/2039	
तुला	10/06/2037	वृश्चि	10/10/2037	धनु	08/02/2038	मीन	10/06/2038	मेष	10/10/2038
कन्या	20/06/2037	तुला	20/10/2037	वृश्चि	18/02/2038	मेष	20/06/2038	वृष	20/10/2038
सिंह	30/06/2037	कन्या	30/10/2037	तुला	01/03/2038	वृष	30/06/2038	मिथु	30/10/2038
कर्क	10/07/2037	सिंह	09/11/2037	कन्या	11/03/2038	मिथु	11/07/2038	कर्क	09/11/2038
मिथु	20/07/2037	कर्क	19/11/2037	सिंह	21/03/2038	कर्क	21/07/2038	सिंह	19/11/2038
वृष	31/07/2037	मिथु	29/11/2037	कर्क	31/03/2038	सिंह	31/07/2038	कन्या	30/11/2038
मेष	10/08/2037	वृष	09/12/2037	मिथु	10/04/2038	कन्या	10/08/2038	तुला	10/12/2038
मीन	20/08/2037	मेष	20/12/2037	वृष	20/04/2038	तुला	20/08/2038	वृश्चि	20/12/2038
कुंभ	30/08/2037	मीन	30/12/2037	मेष	30/04/2038	वृश्चि	30/08/2038	धनु	30/12/2038
मक	09/09/2037	कुंभ	09/01/2038	मीन	11/05/2038	धनु	09/09/2038	मक	09/01/2039
धनु	19/09/2037	मक	19/01/2038	कुंभ	21/05/2038	मक	20/09/2038	कुंभ	19/01/2039
वृश्चि	29/09/2037	धनु	29/01/2038	मक	31/05/2038	कुंभ	30/09/2038	मीन	29/01/2039

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	2
भाग्यांक	9
मित्र अंक	2, 7, 8, 9
शत्रु अंक	4, 5, 6
शुभ वर्ष	20,29,38,47,56
शुभ दिन	बुध, शुक्र
शुभ ग्रह	बुध, शुक्र
मित्र राशि	मीन, सिंह
मित्र लग्न	धनु, वृष, कर्क
अनुकूल देवता	हनुमान
शुभ रत्न	पन्ना
शुभ उपरत्न	संगपन्ना, मरगज
भाग्य रत्न	हीरा
शुभ धातु	कांसा
शुभ रंग	हरित
शुभ दिशा	उत्तर
शुभ समय	सूर्योदय के बाद
दान पदार्थ	हाथी दाँत, कपूर, फल
दान अन्न	मूँग
दान द्रव्य	घी

रत्न चयन

रत्न जीवन में शुभत्व की वृद्धि के लिए धारण किए जाते हैं। वैज्ञानिक रूप से, रत्न अपने ग्रह की राशियों को पूर्णमात्रा में मानव शरीर में प्रवाहित कर ग्रह प्रभाव की वृद्धि करते हैं। यही कारण है कि रत्न केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है। ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रों की युति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढ़ाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नों में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत्न चयन हेतु ग्रह की शुभता दर्शाते हैं।

नीचे जन्मकुण्डली में ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है। साथ ही कौन सा ग्रह किस क्षेत्र में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस ग्रह को 75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसके रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिन्हें 50-75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उन्हें कार्य क्षेत्र अनुसार व अनुकूल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल 25-50 प्रतिशत शुभता लिए हैं उनके रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अन्ततः जिन्हें 25 प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समझें और उनके रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	ग्रह	शुभता	क्षेत्र
पन्ना	बुध	100%	सन्तति सुख, व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
हीरा	शुक्र	84%	पराक्रम, भाग्योदय, धन
मोती	चंद्र	72%	सुख, धनार्जन
गोमेद	राहु	58%	धन, पराक्रम
नीलम	शनि	52%	शत्रु व रोग मुक्ति, सन्तति सुख
पुखराज	गुरु	44%	पराक्रम हानि, ग्रह कलेश, दाम्पत्य कष्ट
माणिक्य	सूर्य	28%	सन्तति कष्ट, व्यय
मूंगा	मंगल	0%	व्यय, दुर्घटना, पराक्रम हानि
लहसुनिया	केतु	0%	दुर्घटना, व्यय

रत्न की शुभता

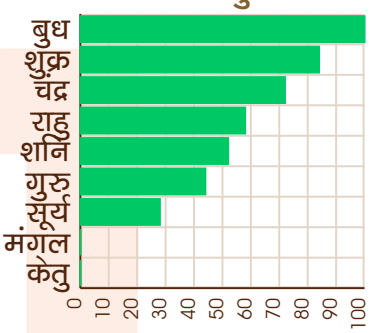

दशानुसार रत्न विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मोती	मूंगा	पन्ना	पुखराज	हीरा	नीलम	गोमेद	लहसुनिया
सूर्य	07/03/2000	52%	78%	0%	100%	53%	72%	29%	41%	0%
चंद्र	08/03/2010	41%	84%	0%	100%	44%	84%	52%	41%	0%
मंगल	08/03/2017	41%	78%	0%	100%	53%	84%	52%	41%	3%
राहु	08/03/2035	3%	59%	0%	100%	44%	91%	58%	70%	0%
गुरु	08/03/2051	41%	78%	0%	100%	59%	72%	52%	58%	0%
शनि	08/03/2070	3%	59%	0%	100%	44%	91%	64%	64%	0%
बुध	08/03/2087	41%	59%	0%	100%	44%	91%	52%	58%	0%
केतु	08/03/2094	3%	59%	0%	100%	44%	91%	29%	41%	16%
शुक्र	09/03/2114	3%	59%	0%	100%	44%	97%	58%	64%	3%

विस्तृत रत्न विचार

औषधि मणि मंत्राणां, ग्रह-नक्षत्र तारिका ।
भाग्यकाले भवेत्सिद्धिः अभाग्यं निष्फलं भवेत ।।

औषधि, मणि एवं मंत्र ग्रह नक्षत्र जनित रोगों को दूर करते हैं। यदि समय सही है तो इनसे उपयुक्त फल प्राप्त होते हैं। विपरीत समय में ये सभी निष्फल हो जाते हैं।

रत्न शरीर की शोभा बढ़ाने के साथ साथ अपनी चमत्कारिक शक्ति द्वारा ग्रहों के विपरीत प्रभावों को कम करके ग्रह बल को बढ़ाते है। रत्न हमारे शरीर में ग्रहों से आ रही किरणों का प्रवाह बढ़ाते हैं। अतः जो ग्रह आपकी कुण्डली में शुभ हो लेकिन निर्बल हो उनका रत्न पहनने से ग्रह की निर्बलता दूर होती है। यही कारण है कि अशुभ ग्रहों के रत्न सर्वदा त्याज्य है।

रत्न जितना साफ व सही कटाव का होगा उतना ही अधिक रश्मियों को एकत्रित करने में सक्षम होता है। अतः अच्छी गुणवत्ता के रत्न ही पूर्णतः फल देने में समर्थ होते है। रत्न का वजन व शरीर का वजन ग्रह की निर्बलता के अनुपात में होना चाहिए। यदि ग्रह बहुत कमजोर है तो अधिक वजन का रत्न पहनना चाहिए। हीरे को छोड़कर रत्न शरीर से छुना अति आवश्यक हैं। अंगूली में व विशेष धातु में पहनने से रत्न का प्रभाव अधिकतम होता है।

यदि किसी कारणवश रत्न उतारना है तो रत्न के वार के दिन ही उतारकर श्रद्धापूर्वक गंगाजल में धोकर सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए। यदि रत्न खो जाए या चोरी हो जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह दोष खत्म हो गया है। यदि रत्न का रंग फिका पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह का अशुभ प्रभाव शांत हुआ समझना चाहिए। यदि रत्न में दरार पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह प्रभावशाली है तब ग्रह की शांति कराए तथा दूसरा रत्न बनवाकर पुनः पहनें।

कुंडली में जो ग्रह अशुभ हो उनके लिए रुद्राक्ष धारण, मंत्र, दान, जल, विसर्जन एवं व्रत आदि उपायों से ग्रहों की अशुभता को दूर किया जा सकता है। यदि आप किसी कारणवश रत्न धारण करने में असमर्थ है तो आप इन रत्नों के रुद्राक्ष या उपरत्न धारण कर ग्रह शुभता प्राप्त कर सकते है अन्यथा मंत्र जाप। दान या व्रत आदि से भी ग्रहों का बलाबल बढ़ा सकते है।

किसी भी कुंडली के लिए लग्नेश जीवन रत्न होता है और इसके धारण करने से स्वास्थ्य लाभ व व्यक्तित्व विकास व मान-सम्मान प्राप्त होता है। नवमेश का रत्न भाग्य रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से भाग्य की बढ़ोतरी होते है। साथ ही यह रत्न मान-प्रतिष्ठा भी बढ़ाता है। योगकारक या पंचमेश ग्रह का रत्न। कारक रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से कार्य में प्रगति। धन लाभ व चौमुखी विकास प्राप्त होता है। आपको कौन सा रत्न पहनना चाहिए व कौन सा नहीं इसके लाभ/हानि की जानकारी विस्तृत रूप में नीचे दी जा रही है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न। द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान सिद्ध हो सकता है।

आपकी कुडंली और रत्न

आपके लिए पन्ना व हीरा रत्न धारण करना अति शुभ फलदायक है। इन्हें आप सर्वदा धारण करेंगे तो आपके जीवन का चहुंमुखी विकास होगा। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

पन्ना आपका जीवन रत्न है इसको धारण करने से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य क्षेत्र में प्रगति होगी।

हीरा आपका भाग्य रत्न है। इस रत्न को धारण करने से आपके भाग्य की वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य सुगमता पूर्वक बनेंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभ यात्राएं होंगी। मानसिक विकार दूर होंगे। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

अतः उपरोक्त रत्न आप अवश्य धारण करें। सभी रत्न जीवन पर्यन्त धारण करने से ग्रहों की विशेष शुभता प्राप्त होगी और जीवन सुखमय होकर गतिमान होगा। उपरोक्त रत्न आप बिना किसी दशा या गोचर विचार के धारण कर सकते हैं क्योंकि सभी रत्न अति शुभफलदायी हैं।

आपके लिए मोती, गोमेद एवं नीलम रत्न शुभ हैं लेकिन ये रत्न दशानुसार शुभाशुभ फल देने में सक्षम है। अतः इन्हें आप स्वदशा या मित्र दशा में धारण करेंगे तो ये शुभ फल देंगे। शत्रु दशा में इनको नहीं पहनना ही बेहतर होगा। उस समय इन ग्रहों के उपाय आप रुद्राक्ष पहन कर या दान, मंत्र जाप आदि से करना श्रेष्ठ होगा।

पुखराज व माणिक्य रत्न आपके लिए नेष्ट हैं। अतः इन्हें न पहनना ही बेहतर है। यदि आप इन रत्नों को धारण करते हैं तो इनकी अनुकूलता का परिक्षण अवश्य कर लें। अनुकूलता होने पर ही इन्हें धारण करें, अन्यथा शीघ्र अति शीघ्र उतार दें। इन रत्नों के धारण करने से आपको मानसिक परेशानी, स्वास्थ्य में कमी या धन हानि हो सकती है।

मूंगा व लहसुनिया रत्न पहनना आपके लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता है। क्योंकि इनके स्वामी ग्रह आपकी कुंडली में बिल्कुल भी शुभ फलदायक नहीं हैं। अतः इन रत्नों का आप सर्वदा त्याग ही करें। इनके पहनने से आपको सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य के पक्ष से विपरीत फल प्राप्त हो सकते हैं। मान-सम्मान में कमी, धन-धान्य का अभाव तथा उन्नति बाधित हो सकती है। इन रत्नों का आप जीवन पर्यन्त ही त्याग करें क्योंकि ये रत्न किसी भी दशा या गोचर में शुभफलदायी नहीं हो सकते।

विभिन्न रत्न आपके लिए किस प्रकार से फलदायी रहेंगे एवं उनकी धारण विधि का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है :-

पन्ना

आपकी कुंडली में बुध पंचम भाव में स्थित है। आपको बुध रत्न पन्ना धारण करना चाहिए। पन्ना रत्न आपको प्रसन्नचित्त, कुशाग्रबुद्धि और बुद्धिमान व्यक्ति बनेंगे। रत्न की शुभता से वाद विवाद में कुशल, तर्ककुशल और मधुरभाषी बनेंगे। यह रत्न आपको सदाचारी, धैर्यशील, चरित्रवान और संतोषी बनाएगा। रत्न धारण करने के बाद आप अपनी बुद्धि से धनार्जन करेंगे। यह रत्न आपको अपनी व्यवसायिक बुद्धि और विद्या के कारण एक सुखद जीवन व्यतीत करने में सहयोग करेगा। रत्न प्रभाव आपको लोभ भावना से बचायेगा।

आपकी कन्या लग्न की कुंडली में बुध लग्नेश एवं दशमेश है। लग्नेश बुध की शुभता प्राप्ति के लिए आप पन्ना रत्न धारण कर सकते है। पन्ना रत्न आपको बौद्धिक क्षेत्रों से संबंधित कार्यक्षेत्र दे सकता है। रत्न शुभता से आपको आजीविका क्षेत्र में सुख-सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। लग्नेश बुध रत्न आपकी विवेक योग्यता को बढ़ाएगा। पन्ने की शुभता से आप में व्यापारिक बुद्धि, लेखन योग्यता का विकास कर सकता है। पन्ना रत्न लग्नेश का रत्न होने के कारण अपनी शुभता से आपको स्वास्थ्य सुख भी प्रदान करेगा। जीवन को आरोग्य रखने में भी पन्ना रत्न आपके लिए शुभ फलदायी रत्न है। पन्ना रत्न आपको गणितीय कौशल भी देगा।

पन्ना रत्न कनिष्ठिका अंगूली में धारण करना चाहिए। इस रत्न को सोना धातु में जड़वाकर आप प्रातःकाल में स्नानादि नित्यक्रियाओं से निवृत होने के बाद रत्न को पंचामृत से शुद्ध कर धूप, दीप और फूल दिखाकर धारण कर सकते है। पन्ना रत्न धारण करते समय बुध मंत्र ऊँ बुं बुधाय नमः का ९ माला या ५ माला जाप करना चाहिए। तदुपरांत बुध ग्रह की वस्तुएं जैसे - मूंग, कस्तूरी, कांसा, हरित वस्त्र आदि का यथाशक्ति दान करना चाहिए। रत्न इस प्रकार धारण करें कि वह शरीर को स्पर्श करें। पन्ना रत्न 3 रत्ती का कम से कम, अन्यथा 6 रत्ती का होना चाहिए।

इस रत्न को आप लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या विपरीत हाथ में भी धारण कर सकते है। पन्ना रत्न धारण करने में आप असमर्थ हो तो आप इसके स्थान पर मरगज, हरा हकीक, पेरिडोट एवं ४ मुखी रुद्राक्ष धारण कर सकते है।

हीरा

आपकी कुंडली में शुक्र तीसरे भाव में स्थित है। आपके लिए शुक्र रत्न हीरा शुभदायक रहेगा। शुक्र रत्न हीरा आपको संगीत एवं कला के क्षेत्र में रुचि बना सकता है। रत्न की शुभता से आपकी श्रवण क्षमता का विकास होगा। यह हीरा रत्न धन व वैभवता देगा। हीरा रत्न आपको पराक्रमी, विद्वान, भाग्यवान एवं पर्यटनशील बना सकता है। रत्न की शक्तियां आपको साहसी व समर्थक बनायेगी। आप भौतिक सुखों की प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहेंगे। दांपत्य जीवन के सुखों में वृद्धि के लिए भी हीरा रत्न उत्तम रहेगा।

आपकी कन्या लग्न की कुंडली में शुक्र द्वितीय और नवम भाव के स्वामी है। लग्नेश बुध के मित्र व त्रिकोण भाव के स्वामी होने के कारण आपके लिए विशेष शुभ हो गए है। शुक्र की शुभता में बढ़ोतरी करने के लिए आप शुक्र रत्न हीरा धारण कर सकते है। हीरा रत्न आपके लिए धन-धान्य, कुटुंब सुख, संचित धन एवं यश प्रदायक सिद्ध हो सकता है। भाग्य, धर्म व दूर स्थानों की यात्रा के लिए भी आप शुक्र रत्न हीरा अवश्य धारण करें। यह रत्न आपका भाग्योदय करेगा। हीरा रत्न धारण से आपकी उन्नति सहज हो सकती है।

हीरा रत्न सोने धातु की अंगूठी में जड़वाकर, शुक्रवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर रत्न को रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से मिलकर बने पंचामृत में डूबोकर शुद्ध कर, अपने देव स्थान पर रखकर शुक्रदेव और रत्न को धूप, दीप एवं फूल दिखाकर अनामिका अंगूली में धारण करें। हीरा रत्न धारण करते समय शुक्र मंत्र ऊँ शं शुक्राय नमः का १०८ बार मंत्र जाप करना चाहिए। मंत्र जाप करने के बाद शुक्र ग्रह की वस्तुएं जैसे- चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र आदि वस्तुओं का दान करें। हीरा 1 रत्ती से अधिक बजन का धारण करना चाहिए। यह छोटे टुकड़ों में भी पहना जा सकता है।

हीरा रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा एवं पुखराज रत्न धारण करना सर्वदा वर्जित है। अंगूठी रूप रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में इसे लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। हीरा रत्न के स्थान पर इस रत्न के उपरत्न ओपल, जर्कन, स्फटिक एवं ६ मुखी रुद्राक्ष धारण किया जा सकता है।

मोती

आपकी कुंडली में चंद्र चतुर्थ भाव में स्थित है। आपको चंद्र रत्न मोती धारण करना चाहिए। चंद्र रत्न मोती आपको अपने कुल में यथायोग्य अधिकार देगा। आपको वाहनों का सुख देगा। रत्न की शक्तियां आपमें परोपकार की भावना का विकास करेंगी। आत्मविश्वास बढ़ेगा। माता की ओर से संपति प्राप्ति के योग बनेंगे। साथ ही यह मोती रत्न आपको माता के द्वारा भाग्योदय देगा। आजीविका क्षेत्र में योग्यता अनुसार सम्मान और पद की प्राप्ति होगी। मोती रत्न से आपको घर का सुख प्राप्त होगा।

आपकी कन्या लग्न की कुंडली में चंद्र एकादशेश भाव के स्वामी है। आप चंद्र ग्रह की शुभता प्राप्ति के लिए मोती रत्न धारण कर सकते है। मोती रत्न धारण से आपको धन अर्जित करने के नवीन साधन प्राप्त हो सकते है। यह रत्न धन संचय में सहयोग सिद्ध हो सकता है। इसके साथ ही मोती रत्न आपके बड़े भाई से संबंधों में सुधार करेगा। आयु पर आने वाले असमय संकटों को भी टालने में मोती रत्न महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह रत्न आपको राजसिक जीवन प्राप्त करने में सहयोग कर सकता है। आय भाव के स्वामी चंद्र का रत्न मोती आपको धन और आय योग्यतानुसार देने में समर्थ है।

मोती रत्न चांदी की अंगूठी में जड़वाकर, कनिष्ठिका अंगूली में, सोमवार को प्रातः काल में धारण करना शुभ है। प्रातः काल की सभी क्रियाओं को करने के बाद इस रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर शुद्ध कर लें। तत्पश्चात इसकी धूप, दीप, फूल से पूजा करने के बाद इसे धारण करना चाहिए। रत्न धारण करने के पश्चात चंद्र मंत्र ऊँ सौं सौमाय नमः

का एक माला जाप रुद्राक्ष माला पर करना चाहिए। तदुपरांत चंद्र वस्तुओं जैसे- चावल, चीनी, चांदी, श्वेत वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मोती रत्न कम से कम ४ रत्ती से १० रत्ती का धारण करना शुभफलकारी होता है।

मोती रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न धारण करने से बचना चाहिए। मोती रत्न अंगूठी रूप के अलावा लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। विशेष आवश्यकता होने पर आप मोती रत्न के उपरत्न जैसे - सफेद मूल स्टोन, सफेद हकीक एवं २ मुखी रुद्राक्ष आदि भी धारण कर सकते है।

गोमेद

आपकी कुंड़ली में राहु दूसरे भाव में स्थित है। राहु रत्न गोमेद धारण करना आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। यह रत्न धारण कर आप धन संचय के प्रति सचेत रहेंगे। धन के प्रति आपका मोह बढ़ेगा। सत्य बोलने की ओर आप अग्रसर होंगे। गोमेद रत्न की शुभता चातुर्य एवं नीति निर्माण से धन संचय करने में आपको सफलता देगी। गोमेद आपके स्वभाव को सौम्य बनाए रखेगा। गोमेद रत्न धारण कर आप पारिवारिक संस्कारों का नियम से पालन करेंगे। यह रत्न आपको विचार अभिव्यक्ति का कौशल देगा।

राहु तुला राशि में स्थित है व इसका स्वामी शुक्र तीसरे भाव में स्थित है। अतः गोमेद धारण करने से आप बुद्धि और पराक्रम दोनों का प्रयोग कर सफलता पाने का प्रयास करेंगे। यह रत्न आपको परम प्रतापी और अत्यन्त प्रभावशाली बनाएगा। आपको सब प्रकार के सुखों से युक्त करेगा। इस रत्न को धारण करने पर आपको भाई बहनों का सुख प्राप्त होगा। यह रत्न आपके भाग्योदय में सहायक बन आपको अत्यधिक धन प्राप्त करने के अवसर दे सकता है। रत्न शुभता आपके अरिष्टों का नाश करेगी। एवं यह रत्न आपको दृढ़-विवेकी, योगाभ्यासी बनाएगा और आप विद्वान और तीव्र स्मरण शक्ति के स्वामी होंगे।

गोमेद रत्न अष्टधातु से निर्मित अंगूठी को शनिवार के दिन सूर्यास्त काल में सभी प्रकार से स्वयं शुद्ध होकर रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से स्नान करायें। इसके बाद रत्न का धूप, दीप और फूल से पूजन कर मध्यमा अंगूली में धारण करें। रत्न धारण के पश्चात राहु मंत्र ऊँ रां राहवे नमः का १०८ बार जाप करें और फिर इस ग्रह की वस्तुएं जैसे- तिल, तेल, कंबल, नीले वस्त्र आदि का दान करें। गोमेद रत्न का वजन कम से कम 4 रत्ती और अधिकतम 8-10 रत्ती होना चाहिए।

गोमेद रत्न धारण करने के बाद इस रत्न के साथ माणिक्य, मोती एवं मूंगा रत्न धारण करने से बचना चाहिए। अंगूठी रूप में इस रत्न को धारण न कर पाने की स्थिति में इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी पहना जा सकता है। विशेष परिस्थितियों में रत्न के स्थान पर इसके उपरत्न गोमेद या ८ मुखी रुद्राक्ष को भी धारण करना श्रेष्ठकर रहता है।

नीलम

आपकी कुंडली में शनि षष्ठ भाव में स्थित है। आपको शनि रत्न नीलम धारण करना चाहिए। नीलम रत्न आपका शरीर सुंदर, पुष्ट और निरोगी रखेगा। यह रत्न आपकी

पाचनशक्ति अच्छी रखेगा। रत्न शुभता से आप एक अच्छे वक्ता और तर्ककुशल व्यक्ति बनेंगे। आपके शत्रु आपसे भयभीत रहेंगे। नीलम रत्न से आपके कई नौकर-चाकर और अनुयायी होंगे। आप राजभय से मुक्त रहेंगे। यश संपति और अधिकार की प्राप्ति में भी नीलम रत्न आपके लिए शुभफलकारी रहेगा। यह रत्न आपको गुणों का परीक्षक और श्रेष्ठ कर्म करने वाला व्यक्ति बनाएगा।

आपकी कन्या लग्न की कुंडली में शनि पंचमेश और षष्ठेश है। शनि त्रिकोण भाव के स्वामी है और लग्नेश बुध के मित्र भी है। अतः नीलम रत्न आपके लिए अनुकूल और शुभ रत्न सिद्ध हो सकता है। नीलम रत्न धारण करने से आपकी संतान का स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा। यह रत्न संतान सुख भी प्रदान कर सकता है। नीलम रत्न धारण से आपको विद्या ग्रहण या शैक्षिक क्षेत्र में शुभता प्राप्त हो सकती है। भूमि व संपति से लाभ पाने के लिए भी आप नीलम रत्न धारण कर सकते है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय पाने में सहयोगी रत्न सिद्ध हो सकता है।

नीलम रत्न शनिवार के दिन पंचधातु से निर्मित अंगूठी में जड़वाकर, संध्या काल में स्नानादि कर शुद्ध होकर अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, धूप, दीप एवं फूल से पूजन करने के बाद इस अंगूठी को मध्यमा अंगूठी में धारण करें। तत्पश्चात शनि मंत्र ऊँ शं शनैश्चराय नमः का जाप एक माला करें। मंत्र जप के बाद इस ग्रह की वस्तुएं जैसे- उड़द, काले तिल, तेल, काले वस्त्र आदि का दान किसी योग्य व्यक्ति को करें। नीलम रत्न कम से कम 3 रत्ती, अन्यथा 5-6 रत्ती का होना चाहिए।

नीलम रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा, पुखराज धारण करने से बचना चाहिए। विशेष स्थितियों में इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है। किसी कारणवश यदि इस रत्न को धारण न कर पाएं तो इसके उपरत्न फिरोजा, नीली, एमेथिस्ट एवं ७ मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते है।

पुखराज

आपकी कुंडली में गुरु तीसरे भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः पुखराज रत्न धारण करने पर आपका साहस भाव और पहल क्षमता कम हो सकती है। आपको अपनी शिक्षा का लाभ कम ही मिल पाएगा। आप अपनी योग्यता का पूरा लाभ नहीं उठा पायेंगे। भाग्य, आय का अनुकूल न होना आपमें विवेक की कमी कर सकता है। यह रत्न आपके सुख-सौभाग्य और सहोदर भ्राताओं से प्राप्त सुख में कमी कर सकता है। गुरु रत्न आपकी संकल्पशक्ति में भी कमी कर सकता है। इस रत्न से आपका धार्मिक और आध्यात्मिक पक्ष कमजोर हो सकता है। पुखराज रत्न के प्रभाव से आपके वैवाहिक जीवन में भी उतार चढ़ाव की स्थिति बन सकती है.

आपकी कन्या लग्न की कुंडली में गुरु चतुर्थेश और सप्तमेश है। गुरु रत्न पुखराज धारण करने पर सुखों का ह्रास हो सकता है। आपको माता की सेवा के अवसर कम ही मिल पाएंगे। पुखराज रत्न आपको सरकारी नौकरी में बाधाएं दे सकता है। धन-धान्य और वाहन सुख में भी यह रत्न कमी कर रहा है। गुरु रत्न पुखराज आपकी तीर्थयात्राओं को सीमित कर सकता

है। आपके द्वारा माता-पिता को कष्ट हो सकता है। यह रत्न आपको इष्टमित्रों से दूर रख सकता है। रत्न प्रभाव से आपके वायु रोग प्रभावी हो सकते है। रत्न आपके धन में कमी कर सकता है। पुखराज रत्न पहनने पर आपको पराश्रय में रहना पड़ सकता है। इस रत्न को पहनने के बाद आपको शुभ कार्यो में सम्मिलित होने के अवसर कम ही मिल पाएंगे। आप पुखराज रत्न धारण कर गुरु ग्रह की शुभता प्राप्त कर सकते है।

माणिक्य

आपकी कुंडली में सूर्य पंचम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः सूर्य रत्न माणिक्य धारण करने से संतान प्राप्ति में आपको विलम्ब का सामना करना पड सकता है। माणिक्य रत्न आपको छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करने की प्रवृति दे सकता है। आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। माणिक्य रत्न आपको संतान संबंधित परेशानियां दे सकता है। व्यापार और स्वास्थ्य दोनों को एक साथ अनुकूल रखना आपके लिए कठिन हो सकता है। माणिक्य रत्न धारण करने से आप अपनी संतान पर अत्यधिक कठोर हो सकते है। अहंम भाव भी आपसी रिश्तों में कड़वाहट का कारण बन सकता है। इसके अतिरिक्त आपकी शैक्षिक योग्यता का मूल्याकन कम हो सकता है। यह रत्न आपमें अतिआत्मविश्वास की भावना ला सकता है।

आपकी कन्या लग्न की कुंडली में सूर्य द्वादश भाव के स्वामी है। सूर्य रत्न माणिक्य धारण करने पर आपको स्वास्थ्य सुख की कमी हो सकती है। यह रत्न आपके धन संचय में कमी करेगा। माणिक्य रत्न धारण से आपके व्ययों में वृद्धि होगी। यह रत्न आपको बन्धु विरोधी बना सकता है। रत्न प्रभाव से आप व्यापार क्षेत्र में विफल हो सकते है। माणिक्य रत्न धारण से आपमें धर्म कार्यो में श्रद्धा से अधिक पाखंड भाव हो सकता है। यह रत्न विदेश में भाग्योदय में विलम्ब देगा। इस रत्न से आपकी दृष्टि मंद हो सकती है। यह रत्न आपके पिता का स्वास्थ्य पीड़ित कर पिता सुख में कमी करेगा। आप पिता के विरोधी हो सकते है। माणिक्य रत्न आपको विदेशगमन में धन का व्यय करा सकता है।

मूंगा

आपकी कुंडली में मंगल बारहवें भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः मंगल रत्न मूंगा धारण करने पर आपमें साहस एवं हिम्मत की कमी हो सकती है। इसके कारण जीवन में आने वाले विपरीत समय का आप साहस के साथ मुकाबला नहीं कर पाएंगे। मूंगा रत्न आपको झूठे दोषारोपण दे सकता है। इसके अलावा रत्न प्रभाव से आपको गुप्त चोटें भी लग सकती है। इस रत्न के प्रभाव से आपकी गुरु भक्ति भावना में कमी भी संभावित है। इस रत्न से आपका स्वयं पर विश्वास कुछ कम हो सकता है। आप स्वयं को असफल मान सकते है। वैवाहिक जीवन में सुख की कमी हो सकती है। मूंगा रत्न धारण पर आपके जीवन की उन्नति प्रतियोगियों के कारण प्रभावित हो सकती है। रत्न प्रभाव से आपके रोग, ऋण और विरोधी अधिक प्रभावी हो सकते है।

आपकी कन्या लग्न की कुंडली में मंगल तृतीयेश एवं अष्टमेश है। मंगल रत्न मूंगा धारण करने पर पराक्रम भाव आपके काम नहीं आ पाएगा। साहस और जोखिम से काम

लेना आपके लिए लाभदायक नहीं रहेगा। मूंगा रत्न आपको शत्रुओं से पराजित करा सकता है। रत्न प्रभाव से आपमें स्वार्थ भावना प्रवेश कर सकती है। मूंगा रत्न आपको पैतृक सम्पति से वंचित कर सकता है। रत्न प्रभाव से आपको घर का सुख प्राप्त नहीं हो पाएगा। इस रत्न को धारण करने पर आपको कठिनता से धन प्राप्त होगा। स्पष्ट वक्ता होने के कारण आपको मित्रों में उचित सम्मान नहीं मिल पाएगा। यह रत्न आपको तार्किक बुद्धि देगा। रत्न प्रभाव से आप आलोचनात्मक लेखन की ओर आप अग्रसित हो सकते है। यह रत्न आपको नौकरी में शीघ्र बदलाव दे सकता है।

लहसुनिया

आपकी कुंडली में केतु अष्टम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः केतु रत्न लहसुनिया धारण करने आप कुछ विषयों में आप लोभी और चालाक हो सकते है। आपके द्वारा दूसरों को शारीरिक और मानसिक कष्ट हो सकते है। अनजाने में आपसे पाप हो सकते है। आपके द्वारा किये गये कार्यों से विवेकहीनता परिलक्षित हो सकती है। रत्न प्रतिकूलता से आपको मुखरोग या दंत रोग हो सकता है। केतु रत्न आपको अकस्मात हानि करा सकता है। यह रत्न आपका ऑपरेशन करा सकता है। आपको विरासत मिलने में तकलीफ हो सकती है। सरकार के द्वारा आपकी धन हानि हो सकती है।

केतु मेष राशि में स्थित है व इसका स्वामी मंगल द्वादश भाव में स्थित है। अतः लहसुनिया रत्न धारण करने से आपको शयन संबंधी सुख की कमी होगी। यह रत्न आपको अनिद्रा रोग भी देगा तथा रत्न पहनने पर आपको परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। जीवनसाथी से सुख में कमी तथा विवाह में भी विलम्ब की स्थिति बन सकती हैं। इस रत्न को पहनने पर आपकी विदेश यात्राएं स्थगित हो सकती है। अथवा यात्राओं में असफलता की स्थिति बन सकती है। इसके अतिरिक्त यह रत्न आपको पैरों की तकलीफ, नाखूनों से संबंधित तकलीफ अथवा दांतों से संबंधित रोग देगा। रत्न धारण से आपकी धार्मिक यात्राओं में सुख की कमी बनी रहेगी।

दशानुसार रत्न विचार

राहु
(08/03/2017 - 08/03/2035)

राहु की दशा में आपका पन्ना व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

गोमेद, मोती व नीलम रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज रत्न नेष्ट हैं और माणिक्य, मूंगा व लहसुनिया रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

गुरु
(08/03/2035 - 08/03/2051)

गुरु की दशा में आपका पन्ना व मोती रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीरा, पुखराज, गोमेद व नीलम रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

माणिक्य रत्न नेष्ट हैं और मूंगा व लहसुनिया रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

शनि
(08/03/2051 - 08/03/2070)

शनि की दशा में आपका पन्ना व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

नीलम, गोमेद व मोती रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज रत्न नेष्ट हैं और माणिक्य, मूंगा व लहसुनिया रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

बुध
(08/03/2070 - 08/03/2087)

बुध की दशा में आपका पन्ना व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

मोती, गोमेद व नीलम रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज व माणिक्य रत्न नेष्ट हैं और मूंगा व लहसुनिया रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

केतु
(08/03/2087 - 08/03/2094)

केतु की दशा में आपका पन्ना व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

मोती रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज, गोमेद व नीलम रत्न नेष्ट हैं और लहसुनिया, माणिक्य व मूंगा रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

शुक्र
(08/03/2094 - 09/03/2114)

शुक्र की दशा में आपका पन्ना व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

गोमेद, मोती व नीलम रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज रत्न नेष्ट हैं और माणिक्य, लहसुनिया व मूंगा रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

दशा ग्राफ

सूर्य - 07/03/2000

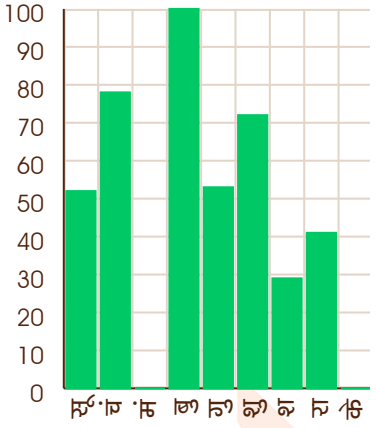

चन्द्र - 08/03/2010

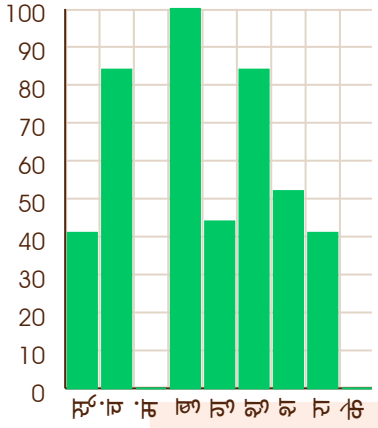

मंगल - 08/03/2017

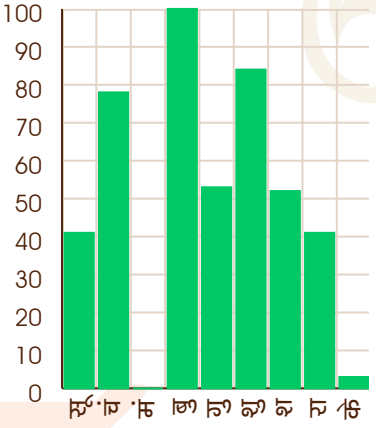

राहु - 08/03/2035

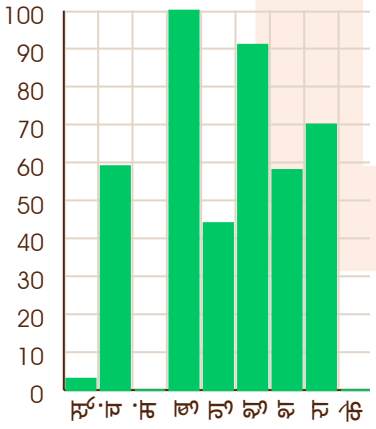

गुरु - 08/03/2051

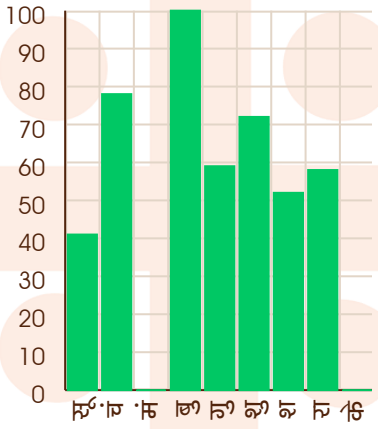

शनि - 08/03/2070

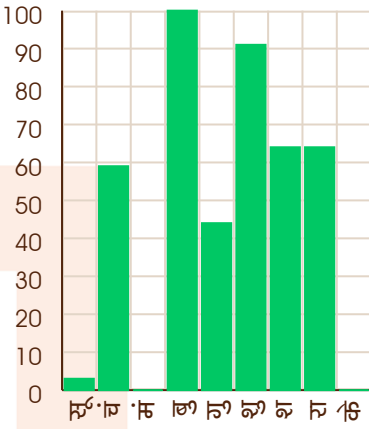

बुध - 08/03/2087

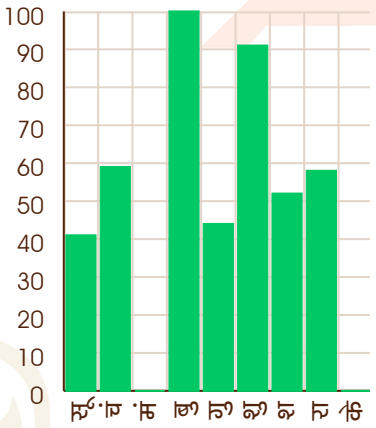

केतु - 08/03/2094

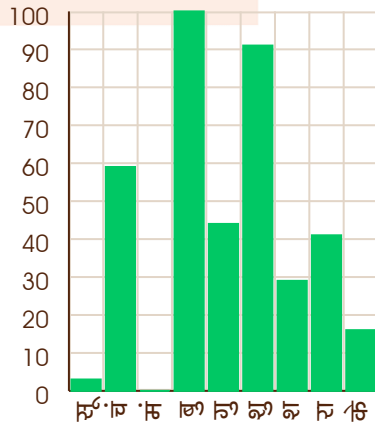

शुक्र - 09/03/2114

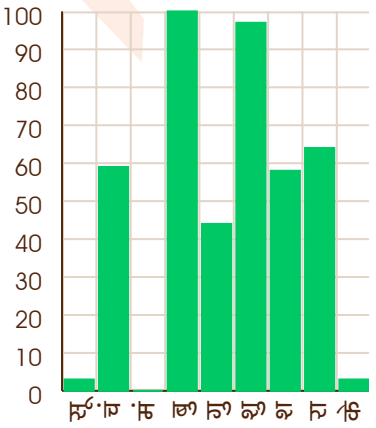

शुभ रत्न

आपका शुभ रत्न - गोमेद

आपका जन्म कन्या राशि के लग्न में हुआ है। जिसका स्वामी ग्रह बुध होता है। गोमेद रत्न राहु ग्रह के लिये धारण किया जाता है जो शनि के समान होता है और शनि कन्या राशि के लग्न के जातकों के लिये कारक रत्न होता है। क्योंकि शनि की मकर राशि कन्या लग्न से पंचम भाव में स्थित होती है। किसी भी जातक के लिये पंचमेश का प्रबल होना बहुत अधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि विद्या प्राप्ति के लिए किये गये प्रयास या कार्य के लिये पंचमेश का रत्न धारण करना श्रेष्ठ होता है साथ ही यह प्रेम संबंधों का भाव भी होता है। बुद्धि, बल का आकलन पंचम भाव से देखते हैं। संतान सुख से वंचित जातकों के लिए या संतान होने में देरी होने वाले जातकों के लिये पंचमेश का रत्न संतान सुख में वृद्धि करता है।

अतः कन्या राशि के लग्न वाले जातकों को गोमेद रत्न धारण करके राहु या शनि को बलवान बनाना, पूजा, अनुष्ठान, मंत्र पूजा आदि करना श्रेष्ठ माना जाता है। इस रत्न को यदि अंगूठी में धारण किया जाये तो जातक को संतान, बुद्धि, प्रेम संबंध व विद्या से संबंधित सभी लाभ मिलेंगे और जातक सुखी, प्रसन्नचित, स्वस्थ जीवन व्यतीत करते हुए आनंदपूर्ण जीवन व्यतीत करता है। वैसे भी राहु या शनि न्याय व आध्यात्म का प्रतिनिधि ग्रह है जिससे जातक को आत्मिक बल की प्राप्ति तथा अपने अधीनस्थ कर्मचारी व सेवकों का सहयोग व उनसे सम्मान प्राप्त होता है।

इस रत्न को धारण करने से जातक को सेवकों की शुभ कामनाऐं भी प्राप्त होती हैं। राहु ग्रह मन की असमंजस स्थिति से दूर करता है। यह दादा-दादी का प्रतिनिधि ग्रह है। उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है। जिसको त्वचा संबंधी रोग या कोढ़ जैसी बीमारी भी हो गयी हो तो उनको भी इस रत्न को धारण करने से लाभ प्राप्त होता है तथा संशय की स्थिति में संशय से मुक्ति दिलाता है।

गोमेद को अंगूठी बनाकर सीधे हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण किया जाता है। क्योंकि मध्यमा अंगुली हस्तरेखा शास्त्र में शनि की अंगुली मानी जाती है तथा राहु ग्रह शनि के समान माना जाता है। गोमेद राहु का रत्न है, अतः इसके वार स्वामी अर्थात शनिवार को ही धारण किया जाता है। इसको धारण करने का उपयुक्त समय सांयकाल शनि की होरा में श्रेष्ठ होता है। गोमेद को यदि शनिवार के साथ-साथ राहु के नक्षत्र अर्थात् आर्द्रा, स्वाती और शतभिषा में धारण किया जाये तो वह और भी उत्तम होता है।

गोमेद को धारण करने से पूर्व इसको गंगाजल एवं पंचामृत से शुद्ध करके, लकड़ी के एक पटरे पर काले रंग के कपड़े पर रखकर इसके सम्मुख, धूप, दीप, अगरबत्ती जलाकर, राहु के 108 मंत्रों का जाप करके इसे ऊर्जावान बनाकर माथे से लगाकर सीधे हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करना चाहिए।

राहु का मंत्र - ऊँ रां राहुवे नमः

इसको धारण करने के पश्चात यदि राहु से संबंधित पदार्थ जैसे काले तिल, सरसों का तेल, सवा मीटर नीले कपड़े का दान करें तो गोमेद की अंगूठी धारण करना और भी अधिक फलदायी होता है। इसके अतिरिक्त अंगूठी धारण करने के पश्चात भी प्रतिदिन राहु का 108 बार स्नानादि के पश्चात मंत्र पाठ करें और सरस्वती जी की आराधना करें तो यह गोमेद की अंगूठी आपको लगातार शुभ फल देती रहेगी। प्रतिदिन प्रातःकाल कबूतरों को दाना, चीरियों को आटा व मछलियों को आटे की गोली खिलायें तो और अधिक शुभकारी होगा।

कन्या लग्न वाले जातक यदि गोमेद की अंगूठी विधि विधान के साथ धारण करते हैं एवं मंत्र जाप द्वारा सिद्ध करते रहते हैं तो वे आजीवन भाग्यशाली व्यक्ति के रूप में सुखी, समृद्धिशाली एवं संतान सुख से परिपूर्ण जीवन प्राप्त करते हैं।

रुद्राक्ष

रुद्राक्ष को शिव का अश्रु कहा जाता है। रुद्राक्ष दो शब्दों के मेल से बना है पहला रुद्र का अर्थ होता है भगवान शिव और दूसरा अक्ष इसका अर्थ होता है आंसू। माना जाता है की रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। रुद्राक्ष भगवान शिव के नेत्रों से प्रकट हुई वह मोती स्वरूप बूँदें हैं जिसे ग्रहण करके समस्त प्रकृति में आलौकिक शक्ति प्रवाहित हुई तथा मानव के ह्रदय में पहुँचकर उसे जागृत करने में सहायक हो सकी।

रुद्राक्ष की भारतीय ज्योतिष में भी काफी उपयोगिता है। ग्रहों के दुष्प्रभाव को नष्ट करने में रुद्राक्ष का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है, जो अपने आप में एक अचूक उपाय है। गम्भीर रोगों में यदि जन्मपत्री के अनुसार रुद्राक्ष का उपयोग किया जाये तो आश्चर्यचकित परिणाम देखने को मिलते है। रुद्राक्ष की शक्ति व सामर्थ्य उसके धारीदार मुखों पर निर्भर होती है। रुद्राक्ष सिद्धिदायक, पापनाशक, पुण्यवर्धक, रोगनाशक, तथा मोक्ष प्रदान करने वाला है।

एक मुखी से लेकर चौदह मुखी तक रुद्राक्ष विशेष रूप से पाए जाते है, उनकी अलौकिक शक्ति और क्षमता अलग-अलग मुख रूप में दर्शित होती है। रुद्राक्ष धारण करने से जहां आपको ग्रहों से लाभ प्राप्त होगा वहीं आप शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। रुद्राक्ष का स्पर्श, दर्शन, उस पर जप करने से, उस की माला को धारण करने से समस्त पापो का और विघ्नों का नाश होता है ऐसा महादेव का वरदान है, परन्तु धारण की उचित विधि और भावना शुद्ध होनी चाहिए।

रुद्राक्ष दाने पर उभरी हुई धारियों के आधार पर रुद्राक्ष के मुख निर्धारित किये जाते हैं। रुद्राक्ष के बीचों-बीच एक सिरे से दूसरे सिरे तक एक रेखा होती है जिसे मुख कहा जाता है। रुद्राक्ष में यह रेखाएं या मुख एक से 14 मुखी तक होते हैं और कभी-कभी 15 से 21 मुखी तक के रुद्राक्ष भी देखे गए हैं। आधी या टूटी हुई लाईन को मुख नहीं माना जाता है। जितनी लाईनें पूरी तरह स्पष्ट हों उतने ही मुख माने जाते हैं।

पुराणों में प्रत्येक रुद्राक्ष का अलग-अलग महत्व और उपयोगिता का उल्लेख किया गया है -

एक मुखी - सूर्य ग्रह - स्वास्थ्य, सफलता, मान-सम्मान, आत्म - विश्वास, आध्यात्म, प्रसन्नता, अनायास धनप्राप्ति, रोगमुक्ति तथा व्यक्तित्व में निखार और शत्रुओं पर विजय प्राप्त कराता है।

दो मुखी - चंद्र ग्रह- वैवाहिक सुख, मानसिक शान्ति, सौभाग्य वृद्धि, एकाग्रता, आध्यात्मिक उन्नति, पारिवारिक सौहार्द, व्यापार में सफलता और स्त्रियों के लिए इसे सबसे उपयुक्त माना गया है।

तीन मुखी - मंगल ग्रह- शत्रु शमन और रक्त सम्बन्धी विकार को दूर करने में सहायक होता है ।

चार मुखी - बुध ग्रह- शिक्षा, ज्ञान, बुद्धि - विवेक, और कामशक्ति में वृद्धि प्राप्त कराता है।

पांच मुखी - गुरू ग्रह- शारीरिक आरोग्यता, अध्यात्म उन्नति, मानसिक शांति और प्रसन्नता के लिए भी इसका उपयोग किया होता है।

छः मुखी - शुक्र ग्रह - प्रेम सम्बन्ध, आकर्षण, स्मरण शक्ति में वृद्धि, तीव्र बुद्धि, कार्यो में पूर्णता और व्यापार में आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त कराता है।

सात मुखी - शनि ग्रह- शनि दोष निवारण, धन-संपत्ति, कीर्ति, विजय प्राप्ति, और कार्य व्यापार आदि में बढ़ोतरी कराने वाला है।

आठ मुखी - राहू ग्रह- राहु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, ज्ञानप्राप्ति, चित्त में एकाग्रता, मुकदमे में विजय, दुर्घटनाओं तथा प्रबल शत्रुओं से रक्षा, व्यापार में सफलता और उन्नतिकारक है।

नौ मुखी - केतू ग्रह- केतु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, सुख-शांति, व्यापार वृद्धि, धारक की अकालमृत्यु नहीं होती तथा आकस्मिक दुर्घटना का भी भय नहीं रहता।

10 मुखी - भगवान महावीर- कार्य क्षेत्र में प्रगति, स्थिरता व वृद्धि, सम्मान, कीर्ति, विभूति, धन प्राप्ति, लौकिक-पारलौकिक कामनाएँ पूर्ण होती हैं।

11 मुखी - इंद्र ग्रह- आर्थिक लाभ व समृद्धिशाली जीवन, किसी विषय का अभाव नहीं रहता तथा सभी संकट और कष्ट दूर हो जाते हैं।

12 मुखी - भगवान विष्णु ग्रह- विदेश यात्रा, नेतृत्व शक्ति प्राप्ति, शक्तिशाली, तेजस्वी बनाता है। ब्रह्मचर्य रक्षा, चेहरे का तेज और ओज बना रहता है। शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा मिट जाती है।

13 मुखी - इंद्र ग्रह- सर्वजन आकर्षण व मनोकामना प्राप्ति, यश-कीर्ति, मान-प्रतिष्ठा व कामदेव का प्रतीक है। उपरी बाधा और नजर दोष से बचाव के लिए विशेष उपयोगी है।

14 मुखी - शनि ग्रह- आध्यात्मिक उन्नति, शक्ति, धन प्राप्ति व कष्टनिवारक हैं। शनि की साढ़ेसाती या ढैया में विशेष कष्टनिवारक है।

आपकी कुडंली और रूद्राक्ष

आपकी कुंडली कन्या लग्न की है। कन्या लग्न पर बुध का प्रभाव होने से आप अत्यंत बुद्धिमान होते हैं। आपका व्यक्तित्व ऐसा होता है कि कोई भी सहजता से आपकी ओर आकर्षित हो जाता है। आपका मस्तिष्क अत्यंत रचनात्मक होता है। पृथ्वी तत्त्व होने से जिस प्रकार पृथ्वी सभी को धारण करती है उसी प्रकार आपके अन्दर भी सहनशीलता कूट-कूट कर भरी होती है। वायु प्रकृति होने से आप स्वयं को हर परिस्थिति में ढाल लेते हैं। सभी को माफ करने का स्वभाव, विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना एवं समस्याओं का समाधान निकालना की क्षमता आपको विशिष्ठ व्यक्तित्व बनाता है। लग्नेश बुध के कारण भाषा पर अच्छी पकड़ एवं वाणी की कुशलता तथा किसी भी बात का तर्कपूर्ण तथ्य आप चाहते हैं।

कुंडली का 6, 8 व 12 वां भाव त्रिक भाव होने के कारण विशेष अशुभता लिए होते हैं। आपकी कुंडली में पंचमेश व षष्टेश शनि है, अष्टमेश व तृतीयेश मंगल तथा द्वादशेश सूर्य हैं। इन भावों की अशुभता आपके जीवन में रोग, ऋण, शत्रु, आयु, बाधाएं, शोक, स्वास्थ्य हानि, अस्पताल, कोर्ट-कचहरी, जेल, व्यय और हानियों का विश्लेषण किया जाता है। त्रिक भाव के स्वामी जिस भाव में जाते हैं, उसके शुभ फलों का कुछ न कुछ नाश अवश्य करते है। जिसके फलस्वरूप आपको मानसिक, सामाजिक, आर्थिक या पारिवारिक कष्टों का सामना करना पड़ता हैं। 6, 8 व 12 भावों में से 8 वां भाव सबसे अधिक दुष्ट/अशुभ होता हैं।

आपकी कुंडली में पंचमेश व षष्टेश शनि है, पंचमेश- षष्ठेश शनि आपको विद्या, बुद्धि, विवेक, वाणी, संतान, भय, ऋण, रोग, पाप कर्म, संघर्ष, कष्ट, परिश्रम, धैर्य, मामा व ननिहाल पक्ष के लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता हैं।

अष्टमेश व तृतीयेश मंगल आपके पराक्रम, पुरुषार्थ में कमी करता हैं, साथ ही बाहुबल, भाई-बहन के सुखों में कमी, अस्पताल, पुलिस-कोर्ट कचहरी के मामले परेशानियों का कारण बन सकते हैं।

द्वादशेश सूर्य, द्वादश भाव का स्वामी सूर्य नेत्र रोग, व्यय, हानि, सरकारी दंड, कारागार, सम्बन्ध विच्छेद का कारक बन सकता हैं।

आपकी कुंडली में शनि सौतेली माता से कष्ट, संपतिनाश, अल्पभाषी, एकांतप्रिय, शारीरिक कष्ट का कारक बन सकता हैं।

अष्टम भाव में केतु अशुभ फलदायक होते है। आपको अपनी बुद्धि को गलत कार्यो में लगाने से बचना चाहिए। आपका उद्यम बाधित हो सकता है। साथ ही यह योग आपको परिश्रम का उचित प्रतिफल नहीं देता। जीवन साथी से शत्रुता भाव उत्पन्न हो सकता है। स्वजनों से संबंधों को मधुर बनाए रखने के लिए आपको विशेष प्रयास करने पड़ सकते है।

मंगल द्वादश भाव में है। पुरुषार्थ से किये गए सभी कार्य आपके सफल हो सकते है। आपका स्वभाव कठोर, शंकालु, असत्यभाषी, अल्प धर्मपरायण, शत्रुहन्ता, मामा को कष्ट, बाहर के लोगों द्वारा धन-नाश, वात- पित रोगी, और संतान जन्य चिंता दे सकता है ।

इन सभी के फलों में शुभता प्राप्त करने के लिए आपको 1, 3, 7, 9 मुखी रुद्राक्षों का कवच धारण करना चाहिए। यह कवच सफेद धागे में डालकर सोमवार को गंगाजल से शुद्ध कर ॐ नम शिवाय मंत्र के 108 बार जप कर धारण करना चाहिए। तदुपरांत शिवजी को कच्चा दूध चढ़ाए। क्षमतानुसार दान करे। इस प्रकार आपके जीवन में आने वाले कष्टों से छुटकारा मिलेगा एवं विशेष कष्टों में न्यूनता आएगी। कुंडली के सभी ग्रहों को शुभता प्रदान करने के लिए आप शिव कृपा रुद्राक्ष माला जो एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष से निर्मित होती है, भी धारण कर सकते हैं। एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष माला अद्भुत व चमत्कारी फल प्रदान करती हैं।

उपरोक्त कवच बिना दशा, गोचर विचार के आपको जीवन भर धारण करना चाहिए। क्योंकि यह कवच जन्म लग्न एवं उसमें स्थित ग्रहों के अवगुणों को नियंत्रित करने के लिए

आवश्यक हैं।

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पडता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पडता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	02/06/1995-10/08/1995	16/02/1996-17/04/1998	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	06/09/2004-13/01/2005	26/05/2005-01/11/2006	10/01/2007-16/07/2007
साढेसाती प्रथम ढैया	02/11/2014-26/01/2017	21/06/2017-26/10/2017	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	26/01/2017-21/06/2017	26/10/2017-24/01/2020	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	24/01/2020-29/04/2022	12/07/2022-17/01/2023	----------

द्वितीय चक्रः

चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	29/03/2025-03/06/2027	20/10/2027-23/02/2028	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	13/07/2034-27/08/2036	----------	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	11/12/2043-23/06/2044	30/08/2044-08/12/2046	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	08/12/2046-06/03/2049	10/07/2049-04/12/2049	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	06/03/2049-10/07/2049	04/12/2049-25/02/2052	----------

तृतीय चक्रः

चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	14/05/2054-02/09/2054	05/02/2055-07/04/2057	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	24/08/2063-06/02/2064	09/05/2064-13/10/2065	03/02/2066-03/07/2066
साढेसाती प्रथम ढैया	05/02/2073-31/03/2073	23/10/2073-16/01/2076	11/07/2076-11/10/2076
साढेसाती द्वितीय ढैया	16/01/2076-11/07/2076	11/10/2076-15/01/2079	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	15/01/2079-12/04/2081	03/08/2081-07/01/2082	----------

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	दम्पति
अष्टम स्थानस्थ ढैया	सम	अल्प बचत
साढेसाती प्रथम ढैया	सम	पराक्रम हानि
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	सुख
साढेसाती तृतीय ढैया	शुभ	सन्तति सुख

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म-पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर-कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

****

आपकी जन्म कुंडली में मंगल की स्थिति लग्न से द्वादश भाव में है। अतः आप एक मांगलिक पुरुष है। क्योंकि आपकी कुंडली में यह दोष किसी भी प्रकार से भंग नहीं हो रहा है। अतः इसके प्रभाव से आपकी प्रवृत्ति व्ययशील रहेगी तथा शुभाशुभ कार्यों पर आपका व्यय होता रहेगा जिससे यदा कदा अल्प मात्रा में आर्थिक परेशानी हो सकती है लेकिन यह स्थिति अल्पकालिक रहेगी। सामान्यतया आप आर्थिक रूप से सम्पन्न ही रहेंगे। शारीरिक स्वास्थ्य आपका अच्छा रहेगा। यदा कदा मानसिक परेशानी उत्पन्न हो सकती है साथ ही सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधान भी आएंगे परन्तु आप उनका सामना तथा समाधान करने में समर्थ रहेंगे। आपकी पत्नी का स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा तथा स्वभाव में उग्रता भी रहेगी जिससे परस्पर संबंधों में मतभेद हो सकते हैं लेकिन इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इसके अतिरिक्त सांसारिक सुखों का उपभोग करने में भी आपको किंचित व्यवधानों के साथ न्यूनाधिक सफलता प्राप्त होती रहेगी।

मंगल के इस प्रभाव से आपके विवाह में भी किंचित विलम्ब हो सकता है लेकिन इस कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। साथ ही विवाह पूर्व की किसी वार्ता में गतिरोध भी हो सकता है लेकिन विवाह के बाद आपके परस्पर संबंध समान रूप से अनुकूल रहेंगे तथा दाम्पत्य जीवन का उपभोग करने में आप समर्थ होंगे।

जन्म कुंडली में मंगल की द्वादश स्थिति के प्रभाव से आपकी प्रवृत्ति व्ययशील रहेगी परन्तु धनार्जन भी आवश्यक मात्रा में होता रहेगा जिससे इसका दुष्प्रभाव नहीं होगा साथ ही सांसारिक कार्यों में उत्पन्न व्यवधानों का सामना तथा समाधान करने में भी आप समर्थ रहेंगे। तृतीय भाव पर मंगल की दृष्टि के प्रभाव से भाई बहनों का सुख एवं सहयोग मध्यम रहेगा परन्तु पराक्रम में वृद्धि होगी तथा आत्मबल से आप युक्त रहेंगे जिससे कार्य क्षेत्र में आप

उन्नतिशील रहेंगे। षष्ठ भाव पर मंगल की दृष्टि के प्रभाव से शत्रु पक्ष को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे। यदा कदा पित या गर्मी से आपको शारीरिक परेशानी की अल्प मात्रा में अनुभूति हो सकती है सप्तम भाव पर इसकी दृष्टि के प्रभाव से पत्नी का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा साथ ही स्वभाव में उग्रता भी रहेगी लेकिन आपसी सामंजस्य के द्वारा दाम्पत्य जीवन की मधुरता बनाए रखने में आप समर्थ रहेंगे।

इस प्रकार अपने दाम्पत्य जीवन को अधिक सुखी एवं आनन्दमय बनाने के लिए आपको किसी मांगलिक कन्या से विवाह करना चाहिए जिससे आपका मांगलिक दोष खत्म हो जाए। इसके लिए कन्या की कुंडली में मांगलिक स्थानों अर्थात प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम एवं द्वादश भाव में शनि या राहु जैसे पापग्रहों की स्थिति होनी चाहिए। ऐसा होने पर आपके सुख सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा धनऐश्वर्य से युक्त होकर आप प्रसन्नता पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करेंगे तथा एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे ।

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु-केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु-केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब-जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि

आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु-केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मकुण्डली में कुलिक नामक कालसर्प योग केवल अनुदित रूप में विद्य मान है। अनुदित योग पूर्णरूप से कालसर्प योग की परिभाषा में नहीं आता, लेकिन फिर भी इसका कुछ फल अवश्य मिलता है। इस योग के कारण जातक के खर्च सामान्य से कुछ अधिक रहता है। जिससे आर्थिक क्लेश समय-समय पर होता रहता है। सुख का थोड़ा अभाव रहता है।

इस योग के कारण जातक के जीवन में समय-समय पर संघर्ष करना पड़ता हैऔर स्वास्थ्य में उतार चढ़ाव आती रहती है एवं स्वास्थ्य में गिरावट के कारण जातक अपने भविष्य (वृद्धावस्था) को लेकर चिन्तित रहता है। जातक का वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए भी कभी कभी अशान्त हो जाता है। मित्रगण समय पर थोड़ा बहुत धोखा देते हैं और जातक को अपने परिवार के सदस्यों से कभी मनमुटाव हो जाता है।

इस योग के कारण जातक को सन्तान सुख में थोड़ा बहुत बाधा रहती है। पुत्र होकर भी आज्ञा का प्रायः पालन नहीं करता और सन्तान प्रायः क्रूर एवं दुष्ट स्वभाव का हो जाता है। कभी-कभी भूत प्रेतों से जातक परेशान होता है। जीवन का उत्तरार्ध थोड़ा बहुत कष्टमय व्यतीत होता है एवं जातक मानसिक रूप से परेशानी महसूस करता है। लेकिन सब कुछ होने के बाद भी जातक को व्यापार में मनोवांछित सफलता प्राप्त होती है और अपने जीवन में अनेक सम्मान भी प्राप्त करता है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें, अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. बहते पानी में नारियल के फल को तीन बार शुभ मुहूर्त्त में प्रवाहित करें।
3. बहते पानी में कोयला को शुभ मुहूर्त्त में तीन बार प्रवाहित करें।
4. हरिजन को मसूर की दाल तथा द्रव्य शुभ मुहूर्त्त में तीन बार दान करें।
5. हनुमान चलीसा का 108 बार पाठ करें।
6. शयन कक्ष में लाल रंग के पर्दे, चादर तथा तकियों का उपयोग करें।
7. कुल देवता की पूजा करें।
8. धूम्रवस्त्र, तिल, कम्बल एवं सप्तधान्य शुभ मुहूर्त्त में रात्रि को दान करें।
9. केतु की उपासना उसकी महादशा में अवश्य करें।
10. देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबाल कर एक बार स्नान करें।
11. सवा महीने जौ के दाने पक्षियों को खिलाएँ।
12. नीला रूमाल, नीला घड़ी का पट्टा, नीला पैन, लोहे की अंगूठी धारण करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

पितृदोष विचार

पितृदोष क्या है ?

हमारे पूर्वज या परिवार के सदस्य मृत्योपरांत पितृ संज्ञा प्राप्त करते हैं। पितृ हमारे और भगवान के बीच की कड़ी होते हैं। यदि ये प्रसन्न होते हैं तो जातक सुखी जीवन भोगता है, लेकिन यदि किसी कारणवश ये अप्रसन्न हो जाते हैं तो जातक को अनेक प्रकार की व्याधियाँ व कष्ट झेलने पड़ते हैं।

कालांतर में पितृ या तो मोक्ष को प्राप्त करते हैं, या पृथ्वी लोक पर पुनः जन्म ले लेते हैं। यदि परिवार के सभी पितरों का पुनर्जन्म या मोक्ष हो गया हो तो कुछ समय के लिए उस परिवार के कोई पितृ नहीं होते। ऐसे में जातक सुख दुख अपनी कुंडली अनुसार प्राप्त करता है। अतः परिवार के सदस्यों को चाहिए कि जब तक वे पितृ लोक में हैं तब तक तर्पणादि से उनकी सेवा करें। यदि पितृ प्रसन्न रहते हैं तो आशीर्वाद स्वरूप जातक चहुमुखी प्रगति प्राप्त करता है।

पितृ अप्रसन्न, दुःखी एवं अतृप्त होते हैं यदि किसी पूर्वज की अंतिम इच्छा पूर्ण न हुई हो, या किसी के द्वारा श्रापित हों या असामयिक मृत्यु हो गई हो। पितृ योनि में रहते हुए भी उन्हें भोजन की आवश्यकता होती है। यदि परिवार के सदस्य तर्पणादि द्वारा भोजन नहीं देते हैं तो वे भूख से व्याकुल हो जाते हैं। पितृ विभिन्न प्रकार के कष्टों की अनुभूति करते हैं जब तक कि जातक पितरों की शांति हेतु पूजन-पाठ, पिंडदान, तर्पण आदि न करे।

पितृ दोष अपने कर्मों के कारण न हो करके, अपने माता-पिता या पूर्वजों के कर्मों के कारण होते हैं, क्योंकि यह दोष तो जातक के जन्म से जन्मपत्री में विद्यमान होता है जबकि कर्म तो जन्म के बाद ही बनते हैं। अतः पितृदोष ऐसा दोष है जिसका कोई कारण समझ में नहीं आता, केवल लक्षण दर्शित होते हैं। जन्मपत्री में भी शुभ दशा व गोचर के योग होते हुए भी हमें हमारे कर्मों का फल प्राप्त नहीं होता, या घर में सदैव कलह, अशांति, धन की कमी व बीमारी लगी रहती है। संतान नहीं होती या संतान विक्षिप्त होती है, बच्चों के विवाह में अड़चन आती है या उनके विकास में अवरोध आते हैं। अतः जब भी किसी प्रकार की समस्या बार-बार आती है एवं कोई कारण नजर न आता हो तो हमें पितृ दोष की शांति करवानी चाहिए जब तक कि वातावरण और परिस्थितियां अनुकूल न हो जाएं।

पितृदोष लक्षण

1. परिवार में आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना होना।
2. आनुवांशिक बीमारी होना और लंबी अवधि तक बीमारी का चलना।
3. परिवार में शारीरिक रूप से विकलांग या अनचाहे बच्चे का जन्म होना।
4. परिवार में बच्चों द्वारा असम्मान या प्रताड़ना का व्यवहार करना।
5. गर्भ धारण न होना या गर्भपात होना।
6. परिवार के किसी सदस्य का विवाह न होना।

7. परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा-फसाद होना।
8. कभी खत्म न होने वाली गरीबी परिवार में हो जाना।
9. बुरी आदतों की लत लग जाना।
10. परिवार में बार-बार केवल कन्या संतान का जन्म होना।
11. शिक्षा में बाधाएं आना।
12. स्वप्न में सांप दिखाई देना।
13. माथे पर गंदी करतूतों का कलंक लगना।
14. परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद होने के पश्चात पीले होने लगना या काली खांसी होना।
15. परिवार के किसी सदस्य को स्वप्न में पूर्वज द्वारा खाना या कपड़े मांगते हुए दिखना।

पितृ की पहचान :

1. श्रीमद् भगवद् गीता के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करें तो आपको कुछ दिनों में ही स्वप्न में पितृ दर्शन होंगे।
2. रात को सोने से पहले हाथ पैर धोकर अपने मन में अपने पितृ से प्रार्थना करें कि जो भी मेरे पितृ हैं वे मुझे दर्शन दें।
3. यदि आपका कोई कार्य अटक रहा है तो अपने पितृ को याद कीजिए और उन्हें कहें कि यदि आप हैं तो मेरा अमुक कार्य हो जाए। मैं आपके लिए शांति पाठ कराउंगा। आपकी ऐसी प्रार्थना से कार्य सिद्धि हो जाने पर यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपको पितृ शांति करवानी चाहिए।

पितृ दोष उपाय :

1. श्राद्ध पक्ष में मृत्यु तिथि के दिन तर्पण व पिंडदान करें। ब्राह्मण को भोजन कराएं व वस्त्र/दक्षिणा आदि दें।
2. यदि मृत्युतिथि न मालूम हो तो श्राद्ध पक्ष की अमावस्या के दिन तर्पण व पिंडदानादि कर्म करें।
3. प्रत्येक अमावस्या विशेषतः सोमवती अमावस्या को पितृभोग दें। इस दिन गोबर के कंडे जलाकर उसपर खीर की आहुति दें। जल के छींटे देकर हाथ जोड़ें व पितृ को नमस्कार करें।
4. सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें व गायत्री मंत्र का जप करें।
5. पीपल के पेड़ पर जल, पुष्प, दूध, गंगाजल व काले तिल चढ़ाकर पितृ को याद करें, माफी और आशीष मांगें।
6. रविवार के दिन गाय को गुड़ या गेहूं खिलाएं।
7. लाल किताब के अनुसार परिवार में जहां तक खून का रिश्ता है जैसे दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, ताया, बहन, बेटी, बुआ, भाई सबसे बराबर-बराबर धन, 1, 5 या दस रुपए लेकर मंदिर में दान करने से पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।
8. हरिवंश पुराण का श्रवण और गायत्री जप पितृ शांति के लिए लोकप्रसिद्ध है।
9. गया या त्र्यंबकेश्वर में त्रिपिंडी श्राद्ध या नन्दी श्राद्ध करें।
10. नारायणबलि पूजा करवाएं।

11. पितृ गायत्री का अनुष्ठान करवाएं –

ऊँ देवताभ्य पितृभ्यश्च महायोगिभ्येव च।
नमः स्वाहायै स्वधायैः नित्यमेव नमो नमः।।

12. पितृ दोष निवारण उपायों में गया में पिंडदान, गया श्राद्ध तथा पितृ भोग अर्पण आदि क्रियाएं करते हुए उपरोक्त पितृ गायत्री मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
13. श्री कृष्ण मुखामृत गीता का पाठ करें।

पितृ पूजा के लिए आवश्यक निर्देश :

1. पितरों को मांस वाला भोजन न अर्पित करें।
2. पूजा के दिन स्वयं भी मांस भक्षण न करें।
3. पितृ पूजा में स्टील, लोहा, प्लास्टिक, शीशे के बर्तन का प्रयोग न करें। मिट्टी या पत्तों के बर्तनों का ही प्रयोग करें।
4. पितृ पूजा में घंटी न बजाएं।
5. पितृ पूजा करने वाले व्यक्ति की पूजा में व्यवधान न डालें।
6. बुजुर्गों का सम्मान करें।
7. पितरों के निमित्त किये जाने वाले गौ-दान से पितृ तृप्त होते हैं।
8. घर में पीने का पानी रखा जाता है उस स्थान पर विशेष पवित्रता रखें। यह स्थान पितृों का स्थान माना जाता है।
9. पितृ कर्म हेतु साल में 12 मृत्यु तिथि, 12 अमावस्या, 12 पूर्णिमा, 12 संक्रांति, 12 वैधृति योग, 24 एकादशी व श्राद्ध के 15 दिन मिलाकर कुल 99 दिन होते हैं।

आपकी कुण्डली में पितृदोष

- पंचम् भाव का स्वामी शनि है तथा उस पर राहु का प्रभाव है।
- नवम् भाव के स्वामी पर शनि का प्रभाव है।

आपकी कुडली में शुक्र और शनि के कारण पितृदोष है।

आपकी कुंडली में शुक्र पितृदोष कारक ग्रह है अतः परिवार के किसी महिला पूर्वज द्वारा किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ गरीब या जरूरतमंद स्त्रियों, कन्याओं को तथा पत्नी को दान दें। 11 वर्ष से छोटी 9 कन्याओं को मंदिर में खीर खिलायें।

आपकी कुंडली में शनि पितृदोष कारक ग्रह है अतः परिवार के किसी पुरुष सदस्य द्वारा दलित पर किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ भगवान रुद्र की पूजा करें। पीपल को जल चढ़ायें व पूजा करें। शम्मी की समिधा से हवन करें। बकरी व शनि प्रीतकारी वस्तुओं का दान करें। गरीब या जरूरतमंदों की सहायता के रूप में दान दें तथा कौए को खाने का पहला ग्रास खिलायें।

आपकी कुंडली में पितृदोष का योग है परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त वर्णित पितृदोष लक्षण में से किसी प्रकार का कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभकार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह त्र्यंबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांढ़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 29 होने से दो और नौ के योग से ग्यारह तथा एक धन एक के योग से दो आपका मूलांक होता है। मूलांक दो का स्वामी चन्द्रग्रह है। अंक नौ का स्वामी मंगल तथा योग ग्यारह के अंक एक का स्वामी सूर्य ग्रह हैं। अतः आपके जीवन में चन्द्र, मंगल तथा सूर्य ग्रह का मिलाजुला फल दृष्टिगोचर होगा।

मूलांक दो के स्वामी चन्द्र के प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति बहुत अच्छी रहेगी। आप स्नेहशील, भावुक तथा कला के क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यक्ति होंगे। जिस तरह चन्द्रमा घटता-बढ़ता रहता है उसी तरह आपके जीवन में काफी उतार-चढ़ाव आयेंगे। कभी आप पूर्णिमा की तरह प्रफुल्लित होंगे तो कभी अमावस्या के अंधकार में डूब जायेंगे। अतः आपको अपने जीवन में धैर्य, धीरज रखने की अति आवश्यकता है।

आपमें बदलाव की प्रकृति होने से एक कार्य को बीच में ही अधूरा छोड़ दूसरे कार्य में रुचि लेने की प्रवृत्ति पाई जायेगी। इससे कई बार आपके कार्य देर से बनेंगे और एकाधबार तो कार्य बिगड़ ही जाया करेंगे। अतः आपको अपने ऊपर भरोसा रखना होगा और कठिन समय में आत्म विश्वास बनाये रखना होगा तभी आप सांसारिक सफलताएं पूर्ण रूपेण प्राप्त करेंगे।

अंक नौ के स्वामी मंगल के प्रभाव से आपके अन्दर नेतृत्व करने की क्षमता का विकास होगा। आप समाज के विभिन्न क्षेत्रों में मुखिया के रूप में कार्य करेंगे। साहस एवं पराक्रम के कार्यों में सहयोग देंगे। अंक एक के स्वामी सूर्य के प्रभाव से आप महत्वाकांक्षी एवं उदीयमान व्यक्ति के रूप में पहचान स्थापित करेंगे

भाग्यांक नो का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगे। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगे, जहाँ आपकी हूकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगे। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो । विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगे। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगे।

आपका मूलांक 2 है तथा आपका भाग्यांक 9 है। मूलांक 2 का स्वामी चंद्र तथा भाग्यांक 9 का स्वामी मंगल है तथा मूलांक 2 और भाग्यांक 9 के बीच सम संबंध है। चंद्र-मंगल के योग से आपको साहसिक कार्यों के द्वारा धन की प्राप्ति होगी। आप अपनी अच्छी कल्पना शक्ति एवं साहस के द्वारा अपना रोजगार-व्यापार चलाएंगे। आपको रोजगार के क्षेत्र में

काफी अच्छी सफलताएं प्राप्त होंगी। रोजगार में आप शीघ्र गति से उन्नति को प्राप्त करेंगे। जल एवं अग्नि क्षेत्र के रोजगार-व्यापार आपके अनुकूल रहेंगे। संघर्ष एवं प्रतिस्पर्धा आपके रोजगार-व्यापार में कम रहेगी, लेकिन खुशामदी एवं चापलूस व्यक्ति आपको कभी भी हानि पहुंचा सकते हैं। इनसे सावधान रहना आवश्यक है। आप ऐसा रोजगार पसंद करेंगे, जिसमें आपका एकाधिकार रहे। प्रतिस्पर्धा को आप सहन नहीं कर पाएंगे एवं आपकी निरंतर कोशिश रहेगी की आपके कार्यक्षेत्र में आपका प्रभुत्व बना रहे। जिन क्षेत्रों में अधिक साहस की आवश्यकता होगी, वे आपके अनुकूल रहेंगे।

आपका भाग्योदय 27 वर्ष की अवस्था से प्रारंम्भ हो कर 36 वर्ष की अवस्था पर विशेष उन्नति प्राप्त करेगा तथा 45 वर्ष कि अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 2 की मित्रता 7 एवं 9 से है तथा भाग्यांक 9 की मित्रता 3 एवं 6 से है। अतः आपके जीवन में 2, 3, 6, 7, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक की आपके भाग्यांक से मित्रता होने से मूलांक-भाग्यांक के फल आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षो में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, या उपर्युक्त वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्ही अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्ही अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए फरवरी, मार्च, जून, जुलाई, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से भी मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 2, 3, 6, 7, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

2 . 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74
3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75
6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
7 . 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70
9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं

घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

सूर्य 16 जुलाई से 16 अगस्त तक कर्क राशि में रहता है। कर्क राशि चंद्रमा की स्वयं की राशि है। 13 मई से 14 जून तक सूर्य वृष राशि में होता है, जो कि चंद्रमा की उच्च राशि है। अतः यह समय मूलांक दो के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

आपके लिए कोई भी नया या शुभ कार्य करने हेतु सोमवार, शुक्रवार तथा रविवार के दिन अच्छे सिद्ध हो सकते हैं। यदि इन्ही वारों में आपके मूलांक की तारीख भी हो तो ऐसा दिन सभी कार्यों के लिये अच्छा रहेगा।

शुभ तारीखें

जब कभी आपको कोई महत्वपूर्ण कार्य करना हो, नया कार्य या व्यापार प्रारंभ करना हो, अथवा किसी को विशेष पत्र लिखना हो या किसी से विशेष कार्यवश मिलने जाना हो तो आप किसी भी माह की 2, 7, 9, 11, 16, 18, 20, 25, 27, एवं 29 तारीख को ये सारे कार्य करें। यदि इन तारीखों में आपका अनुकूल वार भी रहता है तो ऐसा दिन आपके कार्यों में प्रगति देने वाला रहेगा।

अशुभ तारीखें

आपके लिए अंग्रेजी मास की 5, 8, 14, 17, 23 एवं 26 तारीखें कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए ठीक नहीं रहेंगी। अतः इन तारीखों में सोच-समझ कर ही कोई शुभ कार्य करें।

मित्रता या साझेदारी

किसी से भी मित्रता करते समय यह देखना आपके हित में रहेगा कि यदि उसका जन्म अंग्रेजी माह की 2, 7, 9, 11, 16, 18, 20, 25, 27, एवं 29 तारीख को हुआ हो अथवा 13 मई से 14 जून एवं 16 जुलाई से 16 अगस्त के मध्य हुआ हो तो ऐसे व्यक्ति आपके लिऐ हितकारी सिद्ध हो सकते हैं।

प्रेम संबंध एवं विवाह

आपके लिऐ मूलांक 2, 7 एवं 9 प्रभावित महिलाएं अच्छी साथी सिद्ध हो सकती हैं। आपको चाहिए कि आप इन्हीं मूलांक वाली महिलाओं से मित्रता इत्यादि रखें, या ऐसी महिलाएं जिनका जन्म किसी भी मास की 2, 7, 9, 11, 16, 18, 20, 25, 27, एवं 29 तारीख को हुआ हो अथवा 13 मई से 14 जून एवं 16 जुलाई से 16 अगस्त के मध्य हुआ हो तो ऐसी महिलाएं हमेशा आपके अनुकूल रहेंगी।

अनुकूल रंग

आपको अपने वस्त्रों का चुनाव करते समय सफेद, काफूरी, हरा एवं अंगूरी रंगों का उपयोग अधिक मात्रा में करने पर वांछित लाभ प्राप्त होंगे। हो सके तो आप अपने कमरे के पर्दे, चादर, तकिया इत्यादि में इन रंगो का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन रंगों का रुमाल तो हमेशा अपने पास रखना आपके लिए विशेष लाभप्रद रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए उत्तर-पश्चिम में वायव्य कोण स्थान में रहना शुभ रहेगा। जिस क्षेत्र में आप रहते हों, यदि वह वायव्य कोण में स्थित होगा तो अधिक अनुकूल रहेगा। मकान के नंबर का योग यदि 2, 7, या 9 आता हो तो ऐसा भवन आपके लिए अधिक सुविधाजनक रहेगा।

शुभ वाहन नं

आपके वाहन के पंजीकरण हेतु अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल रखने वाले अंकों को लेना अच्छा रहेगा। आपका मूलांक 2 होने से आपके शुभ अंक 2,7,9 रहेंगे। यहां आपके वाहन इत्यादि के पंजीकरण क्रमांक के शुभ अंक भी रहेंगे, जैसे पंजीकरण क्रमांक 5231=2 इत्यादि। यात्रा के वाहनों में भी इन अंकों का उपयोग करें, जिसके फलस्वरूप आपकी यात्रा सुखमय रहेगी। अगर आप होटल आदि में कमरा इत्यादि लेते हैं तो उसके लिए भी यही नंबर 2,7,9 इत्यादि लें, जैसे कमरा 101 = 2। तभी आपके लिए वह कमरा अच्छा साबित होगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको कमजोरी, क्षीणता, उद्वेग, मस्तक पीड़ा, छोटी-छोटी दुर्घटना, हृदय रोग, संवेदनशीलता, भावुकता, स्नायु दुर्बलता, कब्ज, आंत रोग, मूत्र रोग, गैस रोग इत्यादि होंगे। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको शिव उपासना पर बल देना चाहिए।

व्यवसाय

आपके लिए रोजगार-व्यापार हेतु ये क्षेत्र अनुकूल रहेंगे, जैसे द्रव्य पदार्थ, तैलीय कार्य, समुद्र यात्रा, मुख्यावास या उच्च स्थान प्राप्ति, पशु व्यवसाय, चीनी मिल, अन्न का व्यवसाय, तैराकी, रसपूर्ण पदार्थ, दूध, दही, घृत, कागज, जल, कृषि एवं चीनी के व्यवसाय एवं औषधि विक्रेता, भ्रमण कार्य, एजेंन्ट, प्रतिनिधित्व, संपादन, लेखन, संगीत, अभिनय, नृत्य, भूप्रबंध, मकानों की ठेकेदारी, चिकित्सा, मोती, हार, मणि, माणिक्य, रत्न इत्यादि का क्रय विक्रय, पत्थर व भूगर्भ इत्यादि के कार्य।

व्रतोपवास

जिस दिन सोमवार को चित्रा नक्षत्र हो उस दिन से चंद्रमा का व्रत प्रारम्भ करें। विधान के अनुसार 54 सोमवार तक अथवा न्यूनतम सात सोमवार व्रत आवश्यक है। व्रत के

दिन श्वेत वस्त्र धारण करें एवं श्वेत वस्तुओं का दान करें तथा चंद्रमा के मंत्र का यथा शक्ति, मोती की माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

पांच रत्ती मोती आपके लिए प्रमुख रत्न है। यदि आप मोती धारण ना कर सकें तो मूनस्टोन, चंद्रमणि, दूधिया हकीक, सोमवार की सुबह दायें हाथ की कनिष्ठा अंगुलि में, चांदी की अंगूठी में जड़वा कर लाभ के चौघड़िया मुहूर्त्त में धारण करें।

अनुकूल देवता

आप चंद्रोपासना करें अथवा भगवान शिव की आराधना करें। भगवान शिव के पंचाक्षरी मंत्र ओम् नमः शिवाय का नित्य जप करें। प्रति सोमवार को कम से कम इक्कीस या एक सौ आठ बेल पत्र भगवान शिव को अर्पित करेंगे तो इस क्रिया को करने पर आप विभिन्न रोगों से समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान शिव के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपको चंद्र के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु चंद्र के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

चंद्र गायत्री मंत्र - अमृतांगाय विद्महे कलारूपाय धीमहि तन्नः सोमः प्रचोदयात्।।

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप चंद्र का ध्यान करें, मन में चंद्र की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

दधि शंख तुषाराभं क्षीरोदार्णव संभवम्।
नमामि शशिनं भक्त्या शम्भोमुकुटभूषणम्।।

ग्रह जप मंत्र

अशुभ चंद्र को अनुकूल बनाने हेतु चंद्र के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सो तीस माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ऊँ श्राँ श्रीं श्रौं सः चंद्रमसे नमः।। जप संख्या 13000।।

वनस्पति धारण

आप सोमवार के दिन एक इंच लंबी खिरनी की जड़ ला कर, सफेद ऊन के धागे में लपेट कर, गले या दाहिने हाथ में बांधे, स्वर्ण या तांबे ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे चंद्र ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके प्रत्येक सोमवार को एक बाल्टी या बर्तन में पंच गव्य-चांदी, मोती, शंख, सीप और कुमुद आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ चंद्र का प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारू, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध, इन सबको मिला कर चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

चंद्र की शांति हेतु योग्य व्यक्ति के लिए चंद्र के पदार्थ, चावल, कपूर, सफेद वस्त्र, चांदी, शंख, वंशपात्र, सफेद चंदन, श्वेत पुष्प, चीनी, वृषभ, दधि, मोती आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

चंद्र को अनुकूल बनाए रखने हेतु चंद्र यंत्र को भोजपत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, चांदी की जंजीर या लाल धागे में, सोमवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में कन्या राशि के लग्नोदय काल हुआ था। ज्योतिषीय स्वरूप से आपके जन्मलग्न के समय मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आप मात्र धन सम्पति प्राप्त करने के लिए अभिलाषी नहीं है। बल्कि आपकी अभिरूचि धार्मिक भी है। इस अध्यात्मिक झुकाव के परिणाम स्वरूप आप अनेक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे।

आप निश्चित रूप से कठिन श्रम के प्रति समर्पित प्राणी हैं। फलस्वरूप आप धनी सुखी और सम्पत्तिवान प्राणी होंगे। इस समर्पण की भावना से आप बहुत कुछ कर गुजारने हेतु प्रस्तुत है। जैसे जो आपको आवश्यकता पड़ने पर आपकी मदद किया है आप उनको भी अपने मिथ्याचारी भावना से धोखा दे सकते हैं।

आप प्रेरित होकर सही दिशा में चलते रहेंगे। ग्रह के योग यह प्रदर्शित करते हैं कि आप को अपने जीवन के उत्थान पतन का अच्छा अनुभव प्राप्त होगा। लेकिन आप पूर्व समय की अकर्मण्यता को त्याग कर अपने समय का सदुपयोग सामान्य ज्ञान के आधार पर आपने स्पन्दित आदतों को त्याग सकते हैं। आप अपनी योजना एवं कार्यकलाप के सम्बन्ध में सावधानी पूर्वक कार्यारम्भ के पूर्व निर्णय लेकर पुनः कार्यारम्भ करे तो श्रेयष्कर होगा। दूसरी बात यह है कि आप कन्या राशीय स्वभाव के अनुसार कार्य प्रारम्भ करते समय ही निर्णय लेते है और कार्य के पीछे पड़ जाते है। आपके उद्देश्य के अनुसार प्रथम रीति के अनुसार ही कार्य करना उत्तम विद्य ा है।

आप बुद्धिमान स्तर के प्राणी है। अतएव आप दूसरों की गलती को उजागर करते हैं। यह बिन्दु दूसरों के लिए क्रोध उत्पन्न कराने वाला कष्टप्रद होता है। आप अपने मित्रों के साथ भी सौदेबाजी करते हैं। इस परिस्थिति में कुछ लोग आपके शत्रु होकर आपकी व्यवस्था को अस्त व्यस्त कर आपके विरुद्ध न्यायालय में भी कोई बयान दे सकते हैं। आप इस प्रकार की आकस्मिक आपदा में धैर्य धारण करने की शिक्षा ग्रहण करें।

इस प्रकार अपनी प्रवृति में बदलाव लाना आपके लिए कठिन साध्य है। आपके लिए अच्छा कार्य व्यवसायों में औडिट, परीक्षक, अथवा आय से सम्बन्धित ऑफिस कार्य करना उपयुक्त है। आप उत्तम व्यवसाय हेतु लेखा निरीक्षक का कार्य कर सकते हैं क्योंकि आप में वाणिज्य-व्यवसाय करने की प्रतिभा है।

यदा-कदा आप अपने धन का निवेश व्यावसायिकी सट्टेबाजी या शेयर प्राप्ति में व्यय कर सकते हैं। आपके लिए धीरे-धीरे चलना उत्तम है बल्कि आपके के द्वारा किया गया धन निवेश की वापसी यदा कदा बहुतायत अंश में होगा।

आप अपने घर परिवार के लिए बहुत भाग्यशाली हैं। आप की प्यारी पत्नी भगवान की देन प्रमाणित होगी। उनके द्वारा आपको अच्छी सन्तान की प्राप्ति होगी जों अपने जीवन में

अच्छी तरह सुव्यवस्थित हो जाएंगे। इसलिए आप अपनी वासनात्मक प्रवृति के प्रति बदलाव लाना अच्छा होगा। ताकि आप अन्य के साथ शारीरिक सम्बंध स्थापित न करे। अन्यथा आप इस प्रकार कामुक प्राणियों में विख्यात हो जाएंगे।

आप निःसंदेह दीर्धायु होकर बहुत दिनों तक उत्तम स्वास्थ्य का आनन्द प्राप्त करेंगे। परन्तु आप अधिक कामुक हो जाने पर रोग के प्रभाव से आपका शारीरिक ह्रास हो जाएगा तथा आप पीठ की हड्डियों के कष्ट तथा रक्तचाप के रोग से अक्रान्त हो सकते हैं। यदि आप प्रारम्भिक अवस्था से उत्तम अंगीकृत करें। अपने आहार व्यवहार को नियंत्रित रखें तो शाकाहार ग्रहण करें एवं मद्यपाण का त्याग कर दें तो आपका स्वास्थ्य उत्तम तथा बहुत अच्छा रहेंगा।

आपका भाग्यशाली अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है तथा आपके लिए उत्तम है।

आपके जीवन में रंग प्रदर्शन का बड़ा भाड़ी महत्त्व है। आपके लिए उत्तम रंग सफेद, सुआपंखी, पीला एवं हरा रंग अनुकूल एवं फलदायी है। आपको रंग लाल, नीला एवं काले रंग का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि ये रंग आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

ग्रह फल

सूर्य

पंचमभाव में सूर्य हो तो जातक अल्पसन्तितिवान्, बुद्धिमान्, सदाचारी, रोगी, दुखी, शीघ्र क्रोधी एवं वंचक होता है।

मकर राशि में रवि हो तो जातक बहुभाषी, चंचल, झगड़ालू, दुराचारी, लोभी एवं परिश्रमी होता है।

आपके जन्म समय में सूर्य की स्थिति पंचम भाव में है। अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे एवं उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। साथ ही उनकी आयु भी दीर्घ होगी। धन सम्पत्ति से वे सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगे एवं जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपकी यथाशक्ति सहायता करते रहेंगे। आपकी सन्तति के प्रति भी वे स्नेहशील रहेंगे तथा उनके पालन में अपनी पूर्ण रूचि प्रदर्शित करेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं आदर का भाव रहेगा एवं उनकी आज्ञा का पालन भी आप करते रहेंगे। आपके परस्पर संबंध भी मधुर रहेंगे लेकिन यदा कदा आपसी मतभेदों में विभिन्नता होने से संबंधों में कटुता भी आएगी परन्तु कुछ समय बाद सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा। साथ ही जीवन में आप उनका पूरा ध्यान रखेंगे एवं उनकी आर्थिक तथा अन्य सहायता करने के लिए भी उद्यत रहेंगे एवं उन्हें किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे।

चन्द्र

चतुर्थभाव में चन्द्रमा हो तो जातक सुखी, मानी, दानी, उदार, रोगरहित, राजद्वेषवर्जित, कृषक, विवाह के पश्चात् भाग्योदयी, जलजीवी एवं बुद्धिमान होता है।

धनु राशि में चन्द्रमा हो तो जातक वक्त, सुन्दर, शिल्पज्ञ, शत्रुविनाशक उच्च बौद्धिक स्तर वाला, सुखी विवाहित जीवन, विरासत में धन सम्पत्ति पाने वाला, साहित्य के प्रति रुचि का दिखावा करने वाला एवं लेखक होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति चतुर्थ भाव में होने से माता का शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके प्रति उनका प्रगाढ़ स्नेह रहेगा एवं जीवन में सर्वप्रकार की सुख सुविधाएं तथा अन्य सुखों को वे आपको प्रदान करेंगी। आपके मध्य मतभेद अल्प ही रहेंगे अतः परस्पर संबंध मधुर रहेंगे। साथ ही वाहनादि की प्राप्ति में भी वे आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी तथा कभी भी कोई कठिनाई का सामना नहीं करने देंगी।

आप भी उनका हमेशा हार्दि सम्मान करेंगे तथा उनकी आज्ञा एवं निर्देशों को मानने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। साथ ही अपने जीवन काल में उनकी श्रद्धापूर्वक सेवा करेंगे तथा आवश्यक सुखसुविधाओं को भी प्रदान करेंगे। इस प्रकार आपके परस्पर संबंध मधुर एवं सुदृढ रहेंगे तथा जीवन को प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

मंगल

बारहवें भाव में मंगल हो तो जातक नेत्ररोगी, स्त्रीनाशक, ऋणी, झगड़ालू, मूर्ख, व्ययशील एवं नीच प्रकृति का पापी होता है।

सिंह राशि में मंगल हो तो जातक शूरवीर, सदाचारी, कार्यनिपुण, स्नेहशील, परोपकारी, ज्योतिषी, गणितज्ञ, माता-पिता का आज्ञाकारी, गुरुजनों का आदर करने वाला, उदार एवं सफल होता है।

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति द्वादश भाव में विद्यमान है अतः भाई बहिनों से आप सामान्य स्नेह तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। उनका स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थता भी उनमें विद्यमान रहेगी। धन सम्पत्ति से वे प्रायः युक्त रहेंगे तथा जीवन में आपको वांछित आर्थिक तथा अन्य रूप से अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त सुख दुःख में भी आपको उन्से पूर्ण सहानुभूति तथा सहायता प्राप्त होगी।

आपके मन में भी उनके प्रति सम्मान एवं स्नेह की भावना रहेगी एवं यथाशक्ति जीवन में उनको अपनी ओर से आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे परन्तु यदा कदा मतभेदों के कारण तनाव की स्थिति भी उत्पन्न होगी परन्तु कुछ समय के बाद सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा।

बुध

पंचमभाव में बुध हो तो जातक उद्यमी, विद्वान्, कवि, प्रसन्न कुशाग्रबुद्धि, गण्य-मान्य, सुखी, वाद्यप्रिय एवं सदाचारी होता है।

मकर राशि में बुध हो तो जातक कुलहीन, दुश्शील, मिथ्याभाषी, ऋणी, मूर्ख, डरपोक, व्यापार में रुचि लेने वाला, किफायतसार, चतुर एवं परिश्रमी होता है।

गुरु

तृतीयभाव में गुरु हो तो जातक शास्त्रज्ञ, जितेन्द्रिय, लेखक, कामी, प्रवासी, स्त्रीप्रिय, व्यवसायी, मन्दाग्नि, वाहनयुक्त, पर्यटनशील, विदेशप्रिय, ऐश्वर्यवान बहुत भाई बहन, आस्तिक एवं योगी होता है।

वृश्चिक राशि में गुरु हो तो जातक शास्त्रज्ञ, राजमन्त्री, कार्यकुशल, सुगठित शरीर, अपनी उच्चता का दिखावा करने वाला, स्वार्थी, निर्बलस्वास्थ्य, दुःखी एवं कामुक होता है।

शुक्र

तृतीय भाव में शुक्र हो तो जातक विद्वान्, कलाकार, आलसी, कृपण, धनी, सुखी,

पराक्रमी, भाग्यवान्, बहने भाईयों से अधिक एवं पर्यटनशील होता है।

वृश्चिक राशि में शुक्र हो तो जातक-नास्तिक, कुकर्मी, स्त्रीद्वेषी दरिद्री, गुह्य रोगी, ऋणी, क्रोधी, स्वतन्त्र एवं अन्यायी होता है।

शनि

षष्ठभाव में शनि हो तो जातक बलवान्, आचारहीन, व्रणी, जातिविरोधी, श्वासरोगी, कण्ठरोगी, योगी, शत्रुहन्ता भोगी एवं कवि होता है।

कुम्भ राशि में शनि हो तो जातक नीतिदक्ष, कुशा बुद्धि, शक्तिशाली शत्रु, योग्य, सुखी, व्यसनी, नास्तिक एवं परिश्रमी होता है।

राहु

द्वितीय भाव में राहु हो तो जातक संहशील, अल्पधनवान्, कठोरभाषी, कुटुम्बहीन, अल्पसन्तति, मात्सर्ययुक्त एवं परदेशगामी होता है।

तुला राशि में राहु हो तो जातक अल्पायु, दाँतों के रोग, विरासत में धन पाने वाला एवं कार्य कुशल होता है।

केतु

अष्टम भाव में केतु हो तो जातक दुर्बुद्धि, स्त्रीद्वेषी, चालाक, दुष्टजनसेवी, तेजहीन, नीच, स्त्री की कुण्डली में पति के लिए अशुभ एवं अल्पायु होता है।

मेष राशि में केतु हो तो जातक चंचल, बहुभाषी एवं सुखी होता है।

स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

आपके जन्म समय में लग्न में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। सामान्यतया कन्या लग्न में उत्पन्न जातक अध्ययनशील होते हैं तथा विभिन्न विषयों के ज्ञानार्जन में उनकी रूचि रहती है। सदगुणों से वे युक्त रहते हैं परन्तु स्त्रियों के प्रति उनके मन में आकर्षण की प्रबलता रहती है। वे भाग्यशाली भी होते हैं तथा उनके सांसारिक महत्व के कार्य अल्प परिश्रम के द्वारा ही भाग्यबल से सम्पन्न हो जाते हैं फलतः कार्यक्षेत्र में वे उन्नतिशील रहते हैं। उनकी बुद्धि भी तीक्ष्ण होती है तथा कठिन से कठिन विषय को समझने तथा समाधान करने में वे समर्थ रहते हैं। राजनीति में यद्यपि उनकी रूचि अल्प होती है तथापि राजकार्यों में सलाहकार या सचिव अथवा प्रशासनिक क्षेत्र में वे अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त बुद्धि द्वारा संचालित होते हैं तथा भावुकता की इनमें न्यूनता रहती है।

अतः इसके प्रभाव से आप आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी होंगे तथा अन्य जनों को प्रभावित करने में समर्थ होंगे। अध्ययन के प्रति आपकी रूचि रहेगी तथा कला लेखन मनोविज्ञान या आलोचना आदि के क्षेत्र में आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। अपनी योग्यता एवं स्वभाव से जीवन में आपको सुखैश्वर्य एवं भौतिक संसाधनों की प्राप्ति होगी। आपकी बुद्धि भी तीव्र होगी एवं गूढ़ से गूढ़ समस्याओं का समाधान करने में समर्थ होंगे।

लग्न में बुध की राशि के प्रभाव से आपका स्वरूप सुन्दर एवं आकर्षक होगा तथा शारीरिक एवं मानसिक रूप से भी प्रसन्न तथा स्वस्थ रहेंगे। आपकी वाणी मधुर एवं ओजस्वी होगी तथा आदर्श वक्ता के रूप में आप जाने जाएंगे। व्यावहारिक रूप से आप अत्यंत ही कुशलता का प्रदर्शन करेंगे जिससे लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। कला एवं साहित्य के प्रति आपकी विशेष रूचि होगी तथा लेखन सम्पादन आदि में भी सफलता अर्जित करेंगे। शारीरिक बल की आप में प्रचुरता रहेगी तथा परिश्रम एवं पराक्रम से जीवन में इच्छित धनवैभव एवं भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में सफल होंगे। साथ ही समाज एवं कार्य क्षेत्र में आप प्रतिष्ठित तथा यशस्वी व्यक्ति होंगे।

स्वभाव से आप शांत एवं उदार रहेंगे तथा समय पर अन्य जनों के उपकार करने में भी तत्पर होंगे श्रेष्ठ कार्यों को करने में आपकी हमेशा रूचि रहेगी। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा अपनी तीव्र बुद्धि के द्वारा कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान करेंगे एवं गूढ़ से गूढ़ विषय को भी आत्मसात करने में सफल होंगे।

धर्म के प्रति आपकी प्रबल आस्था रहेगी तथा समय समय पर श्रद्धापूर्वक धार्मिक कार्यकलापों तथा अनुष्ठानों को सम्पन्न करेंगे। अपने इन कार्यों से आपको आत्मिक शांति की अनुभूति होगी। मित्र वर्ग के मध्य आप प्रिय एवं आदरणीय होंगे तथा उनसे आपको इच्छित सुख एवं सहयोग समय समय पर मिलता रहेगा। इस प्रकार आप अपनी बुद्धिमता योग्यता एवं पराक्रम से अपने महत्वपूर्ण कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगे तथा उनमें इच्छित सफलता अर्जित करके शांतिपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

आपके जन्म काल में द्वितीय भाव में तुलाराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है । अतः इसके प्रभाव से आपका पारिवारिक जीवन सुख शान्ति एवं समृद्धि से युक्त रहेगा तथा समस्त पारिवारिक जन परस्पर प्रेम पूर्वक रहेंगे तथा एक दूसरे को अपना पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे। आपकी वाणी अत्यंत ही मृदु एवं प्रभावशाली रहेगी तथा अन्य जनों को अपनी वाणी से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही वाक्चातुर्य से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में भी सफल होंगे। रहेंगे। प्रौढ़वास्था में आपको अल्प मात्रा में नेत्र संबंधी कष्ट प्राप्त हो सकते है।

धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था रहेगी तथा समय समय पर धार्मिक एवं अन्य शुभ मांगलिक कार्यो को सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही अन्य उत्सवों का आयोजन करने में भी आपकी रूचि रहेगी। जीवन में आपको पैतृक सम्पति की प्राप्ति होगी तथा अपने प्रयत्न एवं परिश्रम से भी आप वांछित धनऐश्वर्य तथा वैभव अर्जित करेंगे। पारिवारिक जनों को प्रसन्नता तथा सुविधा प्रदान करने के लिए आप हमेशा यत्नशील रहेंगे। इसके अतिरिक्त समाज में आप एक आदरणीय पुरूष होंगे तथा सौभाग्य बल से आपका जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही व्यापार संबंधी लाभ भी समय समय पर होता रहेगा।

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन एवं लघुयात्राएं

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आपकी स्मरण शाक्ति प्रबल रहेगी तथा किसी भी वस्तु या विषय को याद करने में दीर्घकाल तक समर्थ रहेंगे। आप एक आत्म विश्वासी, साहसी तथा पराक्रमी पुरूष होंगे तथा अपने इन्हीं गुणों से युक्त होकर समस्त सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी। मंगल के प्रभाव से आपकी निर्णय लेने की शक्ति दृढ़ रहेगी तथा मस्तिष्क भी हमेशा सक्रिय एवं सजग रहेगा।

चूंकि मंगल भाई बहिनों तथा भूमि संबंधी जायदाद का कारक है। अतः भाई बहिनों से युक्त रहकर उनका पूर्ण सुख, सहयोग प्राप्त करेंगे तथा वे भी आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्रदान करेंगे एवं आपके प्रति हमेशा कर्तव्य परायण तथा विश्वसनीय रहेंगे। अतः उनकी गलतियों को आप समय समय पर क्षमा करते रहेंगे। साथ ही भूमि एवं जायदाद आदि से युक्त रहेंगे तथा इससे आपको प्रचुर लाभ तथा सुख प्राप्त होगा। आप एक साहसी तथा पराक्रमी व्यक्ति होंगे अतः परेशानियों, कोधावस्था तथा अनावश्यक वाद विवाद आदि के समय स्वयं को नियंत्रित करने में समर्थ रहेंगे। आपकी नेतृत्व.प्रतिभा तथा अन्य सामाजिक गुणों से लोगों के मध्य अपना वर्चस्व बनाएं रखने में सफल रहेंगे। साथ ही संचार संबंधी उपकरणों की भी आपको प्राप्ति होगी एवं सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। संगीत के प्रति भी समय समय पर आप अपनी रूचि का प्रदर्शन करेंगे। दूर समीप की यात्राओं से भी आप लाभ तथा मित्रों को प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। परन्तु मित्रों से आपको सतर्क भी रहना चाहिए ।इसके अतिरिक्त आप पराक्रमी कार्यो को सम्पन्न करेंगे तथा अन्य जनों से भी यदाकदा विवाद भी हो सकता है अतः सतर्क रहें।

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में धनुराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति हो तथा चन्द्रमा भी चतुर्थ भाव में ही स्थित है। अतः इसके शुभ प्रभाव से जीवन में आपको समस्त सुखों की यथोचित समय पर प्राप्ति होगी तथा भौतिक सुख-संसाधनों एवं उपकरणों से भी युक्त होंगे तथा जीवन में सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। समाज में आपका उच्चस्तर बना रहेगा तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे।

आप एक सौभाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा जीवन में चल एवं अचल सम्पत्ति से युक्त रहेंगे। माता के प्रभाव एवं सहयोग से भी आपको विशिष्ट सम्पत्ति के योग बनते हैं। इसके अतिरिक्त स्वपरिश्रम पराक्रम एवं योग्यता से भी आप प्रचुर मात्रा में धन अर्जित करेंगे।

आप प्रारंभ से ही उत्तम घर में निवास करेंगे। आपका घर विस्तृत होगा तथा आधुनिक सुख-सुविधाओं एवं उपकरणों से सुसज्जित रहेगा। घर की सुन्दरता एवं आकर्षण का आप विशेष ध्यान रखेंगे। आपका घर किसी अच्छी कालोनी में होगा तथा पड़ोसियों से भी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। इसके अतिरिक्त वाहन से भी आप युक्त होंगे तथा इसका पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे। आपको युवावस्था में ही अपने वाहन की प्राप्ति होगी।

आपकी माता जी सुन्दर सुशील एवं शान्त स्वभाव की महिला होंगी तथा ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगी। परिवार पर उनका पूर्ण नियंत्रण होगा तथा परिवार के सदस्य भी उन्हें वांछित सम्मान एवं आदर प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनके मन में विशिष्ट वात्सल्य का भाव होगा तथा समय समय पर उनसे आपको आर्थिक तथा नैतिक सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी तथा आपकी उन्नति में उनका प्रमुख योगदान रहेगा। आप भी उनका पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। इनसे आपके परस्पर संबंधों में भी मधुरता बनी रहेगी।

विद्याध्ययन में प्रारंभ से ही आपकी पूर्ण रूचि होगी तथा स्वपरिश्रम एवं बुद्धिमता से छोटी कक्षाओं से ही अच्छे अंक प्राप्त करके परीक्षाएं उतीर्ण करेंगे। स्नातक परीक्षा भी आप ससम्मान उतीर्ण करेंगे तथा इससे आपके मन में आत्मविश्वास के भाव में वृद्धि होगी एवं भविष्य भी उज्ज्वल होगा। इसके अतिरिक्त आप अपनी बुद्धिमता, योग्यता एवं परिश्रम से कोई व्यावसायिक डिग्री भी अर्जित कर सकते है।

चतुर्थ भाव में चन्द्रमा की स्थिति के प्रभाव से सामान्यतया आपका रक्तचाप अनुकूल होगा परंतु वृद्धावस्था में आप किंचित परेशानी की अनुभूति कर सकते है। लेकिन इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा अतः ऐसी अनावश्यक परेशानियों से बचने के लिए पथ्यापथ्य का अवश्य पालन करना चाहिए।

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

आपके जन्म समय में पंचमभाव में मकरराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। तथा सूर्य भी पंचमभाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा अपने समस्त सांसारिक एवं अन्य कार्य कलापों को बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करेंगे लेकिन शीघ्र निर्णय लेने की शक्ति की आप में न्यूनता होगी तथा कई बार गम्भीर एवं कठिन समस्याओं का समाधान करने में आपको असुविधा एवं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। सूर्य की शनि की राशि में स्थिति के प्रभाव से वैदिक साहित्य धर्म एवं दर्शन में आपकी रूचि कम ही होगी तथापि आधुनिक वैज्ञानिक विषयों में अधिक रूचि होगी तथा परिश्रम पूर्वक इसका ज्ञान अर्जित करने में समर्थ होंगे जिससे एक विद्वान के रूप में समाज में आपकी छवि व्याप्त होगी। आप इतिहास या पुरातत्व के क्षेत्र में भी कोई शोध या विशिष्ट कार्य सम्पन्न कर सकते है।

पंचमभाव में सूर्य की स्थिति के प्रभाव से प्रेम प्रसंगों में आपकी रूचि होगी तथा इसमें आप मर्यादा नैतिकता एवं आदर्शवादिता के भाव का अनुकरण कम ही करेंगे। इसमें भावनात्मक आकर्षण भी रहेगा लेकिन आपको प्रेम के क्षेत्र में नैतिकता का अवश्य पालन करना चाहिए अन्यथा इसमें अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों का सामना करना पड़ सकता है जो आपके मान-सम्मान को प्रभावित कर सकता है। अतः ऐसी स्थितियों की यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

शत्रुराशिस्थ सूर्य की पंचमभाव में स्थिति के प्रभाव से आपको सन्तति प्राप्ति में विलम्ब एवं व्यवधानों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन वांछित उपाय आदि करने से आपको सन्तति की प्राप्ति हो सकती है। आपकी सन्तति तेजस्वी पराक्रमी एवं चतुर होगी तथा अपने इन्हीं गुणों से जीवन में उन्नति एवं सफलताऐं अर्जित करेंगे। माता-पिता के प्रति आंतरिक रूप से उनका आदर एवं सम्मान का भाव रहेगा परन्तु प्रत्यक्ष रूप से यदा-कदा वे उपेक्षा भी कर सकते है। वे स्वतन्त्र रूप से कार्य करने के इच्छुक होंगे तथा उसमें माता-पिता या अन्य की सलाह या सहयोग कम ही लेंगे। आपको भी उनके ऊपर किसी भी प्रकार का दवाब नहीं डालना चाहिए। इससे आपसी सम्बन्धों में किंचित तनाव हो सकता है। इसके अतिरिक्त बच्चों से आपको विशेष अपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा वृद्धावस्था के लिए अपने लिए वांछित धन संचित करके रखना चाहिए।

अध्ययन के क्षेत्र में बच्चों की उन्नति सामान्य एवं सन्तोष प्रद होगी तथा परिश्रम से वे वांछित सफलताएं अर्जित करेंगे। आप भी अपनी ओर से किसी भी प्रकार की कमी नहीं रखेंगे तथा उन्हें आधुनिक रूप से शिक्षा की सुविधाएं प्रदान करेंगे। वे तेजस्वी प्रकृति के भी होंगे जिससे यदा-कदा अन्य सामाजिक जनों से आपके विवाद आदि भी होंगे जिससे आपको अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा लेकिन अपने सद्व्यवहार से आप स्थिति को सम्भालने में समर्थ होंगे।

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में कुम्भराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से आपका स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा आयु भी दीर्घ होगी। आप एक दयालु तथा सद्प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे परन्तु कभी कभी अपने वार्तालाप में कठोर शब्दों का भी प्रयोग कर सकते हैं। इससे कई लोग आपसे विरोध की भावना रखेंगे। साथ ही लोग आपकी खुशहाली तथा वैभव से ईर्ष्या के कारण भी आपसे शत्रुता का भाव रखेंगे। यद्यपि आप उच्च मान सम्मान प्राप्त करेंगे परन्तु आपका विरोध भी प्रबल रहेगा। आप अपने पारिवारिक सदस्यों पर अत्यधिक व्यय करेंगे तथा इसी परिपेक्ष्य में आपको ऋण आदि भी लेना पड़ सकता है। इससे यदा कदा ऋण मुक्ति में विलम्ब के कारण सम्बन्धित व्यक्ति से आपकी शत्रुता होने की संभावना रहेगी लेकिन अपनी प्रतिभा तथा अधिकार के बल पर आप इन समस्याओं पर विजय प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे।

आपके नौकर आज्ञाकारी होंगे तथा ईमानदारी से आपकी सेवा करते रहेंगे तथा अपने कार्य से आपको वे सन्तुष्ट रखेंगे लेकिन यदा कदा इनसे सामान्य हानि की संभावना रहेगी अतः सतर्क रहना चाहिए। मुकद्दमे आदि के कार्यो में आप लापरवाह रहेंगे। अतः आपको ऐसे मामलों का सावधानी पूर्वक अवलोकन करना चाहिए तथा अपने हिसाब को सही रखना चाहिए। इस प्रकार यदि आप सावधानी पूर्वक अपने इन कार्यो को सम्पन्न करेंगे तो आपको किंचित इसमें विजय प्राप्त होगी। साथ ही फौजदारी मामलों में आप सफलता अर्जित करेंगे।

आपके मामा मामियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे प्रत्यक्ष रूप से वे आपके प्रति अपनत्व की भावना का प्रदर्शन करेंगे परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से उनकी आपके लाभ या सहयोग में कोई रूचि नहीं रहेगी अतः संबंधों में मधुरता रखने के लिए बुद्धिमता का प्रयोग करें इसके अतिरिक्त आप वृद्धावस्था में उदर या गुर्दे संबन्धी परेशानी से भी पीड़ित हो सकते हैं। अतः खान पान संबंधी परहेज भी रखना चाहिये।

परिवार, विवाह एवं साझेदार

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है सामान्यतया सप्तम भाव में मीन राशि की स्थिति से जातक का सहयोगी सुशील वात कफ प्रकृति वाला आस्तिक एवं धनवान होता है। वह स्वभाव से सौम्य , कर्तव्य परायण एवं सांसारिक कार्यो में दक्ष होता है।

अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी सुशील होंगी तथा स्वभाव से सौम्य रहेगी। सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में वह बुद्धिमता का प्रर्दशन करेंगी जिससे यथा समय कार्य पूर्ण होंगे।साथ ही कर्तव्य परायणता के भाव से भी युक्त होंगी।

आपकी पत्नी का वर्ण गौरवर्ण होगा तथा कद भी सामान्य रहेगा साथ ही शारीरिक संरचना उनकी आकर्षक होगी तथा अंग प्रत्यंग भी सुडौलएवं पुष्ट होंगे जिससे उनके व्यक्तित्व एवं सौन्दर्य के आकर्षण में वृद्धि होगी। सौन्दर्य की वृद्धि के लिए समयानुसार आधुनिक सौन्दर्य प्रसाधनों का प्रयोग करेंगी। कला एवं संगीत में उनकी रूचि होगी तथा इस पर अपना समय भी व्यतीत करेंगी इसके अतिरिक्त भौतिक एवं संदर वस्तुओं के प्रति भी उनके मन में प्रबल आकर्षण रहेगा।

आपका विवाह विज्ञापन के द्वारा सम्पन्न होगा या आप स्वेच्छा से प्रेम विवाह भी सम्पन्न कर सकते है विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सामान्यतया सुखी होगा एवं एक दूसरे के प्रति प्रेम एवं सम्मान की भावना रहेगी साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यो को एक दूसरे की सलाह तथा सहमति से सम्पन्न करेंगे।

आपका विवाह किसी समृद्ध परिवार में सम्पन्न होगा तथा विवाह में आपको प्रचुर मात्रा में दहेज के रूप में धन सम्पति की प्राप्ति होगी एवं अन्यत्र से भी बहुमूल्य उपकरण तथा वस्तुएं उपहार में मिलेंगी। सास ससुर के साथ में आपके औपचारिक संबंध बने रहेंगे तथा विवाह के बाद भी उनसे नैतिक तथा अन्य प्रकार का सहयोग मिलता रहेगा।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी का सेवा भाव अनुकूल रहेगा तथा वह सुख दुख में उनका यथोचित ध्यान रखेंगी। देवर एवं ननदों को प्रभावित तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ रहेंगी।

व्यापार या अन्य महत्वपूर्ण कार्यो में साझेदारी के लिए स्थिति अनुकूल रहेगी तथा लाभ एवं उन्नति मार्ग प्रश्स्त रहेंगे।

आयु, दुर्घटना एवं बीमा

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आपका ज्यौतिष या तंत्र मंत्र अथवा आध्यात्मिकता के प्रति विशेष रूचि या श्रद्धा नहीं रहेगी। इसका मुख्य कारण यह होगा कि आप अपने कार्य क्षेत्र में व्यस्त रहेंगे तथा परिश्रम एवं पराक्रम से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगे। साथ ही अन्यत्र भी अपने कार्य कलापों में संलग्न रहेंगे जिससे आपके पास समयाभाव रहेगा। यदि आपके पास समय बचा तो आप इसको खेल आदि में व्यतीत करना अधिक उचित समझेंगे। लेकिन यदा कदा आध्यत्म संबन्धी प्रवचनों का श्रवण कर सकते हैं। आप पैतृक सम्पत्ति से जीवन में लाभ अवश्य अर्जित करेंगे। आप एक भाग्यवान पुरूष होंगे तथा विस्तृत जमीन जायदाद के स्वामी बनेंगे। यदि आप इसे बेचना भी चाहेंगे तो इसमें आपको मनोवांछित लाभ की प्राप्ति होगी। साथ ही दिन पर दिन इसकी कीमत में वृद्धि होगी। अतः आप इच्छित कीमत पर इसे बेचकर प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे ।

आप शादी के समय दहेज या अन्य प्रकार के उपहारों को इच्छित मात्रा में प्राप्त करेंगे। यद्यपि आपके स्तर के अनुसार इसमें प्रचुरता नहीं होगी फिर भी इसके द्वारा आप अपने रहन सहन आदि के स्तर में वृद्धि करने में समर्थ सिद्ध होंगे। बीमा आदि से भी आपको लाभ होगा तथा समय समय पर स्वयं का तथा अन्य वस्तुओं यथा वाहन मकान आदि का भी बीमा करवाएंगे। आपकी कुडंली में घर में चोरी या डकैती के कोई योग नहीं बनते है। यदि ऐसी घटनाएं हो जाएं तो वह सामान्य होगी तथा तथा इसमें चिन्ता करने की कोई बात नहीं होगी क्योंकि आप बहुमूल्य वस्तुओं को पहले ही सुरक्षित स्थान पर रख देंगे। आपकी आयु लम्बी रहेगी तथा सामान्यतया आनन्द पूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

आपके जन्म समय में नवम भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा यह धार्मिकता आपको पैतृक एवं पारिवारिक संस्कारों के रूप में प्राप्त होगी। धार्मिक कार्य कलापों को आप श्रद्धा पूर्वक सम्पन्न करेंगे तथा दैनिक पूजा के प्रति भी रूचिशील रहेंगे। यद्यपि युवावस्था में आप दैनिक पूजा अल्प मात्रा में ही सम्पन्न कर पाएंगे। लेकिन ईश्वर के प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था विद्यमान रहेगी। आप आध्यात्म तथा ध्यान योग के प्रति पूर्ण इच्छुक रहेंगे तथा उपरोक्त विषयों के ग्रंथों का रूचिपूर्वक अध्ययन करके ज्ञानार्जित करेंगे। आपकी अर्न्तप्रज्ञा शक्ति भी उत्तम रहेगी तथा ज्यौतिष तंत्र मंत्र या हस्तविज्ञान का आपको उत्तम ज्ञान रहेगा या इनके प्रति श्रद्धा रहेगी तथा आपकी अधिकाशं भविष्यवाणियां सही होंगी। अन्तर्प्रज्ञा की वृद्धि के लिए आप समय समय पर ध्यान या पूजा का विशिष्ट आयोजन करेंगे।

आप उच्च शिक्षा अर्जित करेंगे तथा इसके द्वारा आपको समाज में मान सम्मान तथा कीर्ति प्राप्त होगी। साथ ही तीर्थ स्थानों की शुभ यात्राएं करने में भी इच्छुक रहेंगे तथा इन यात्राओं से लाभ ज्ञान तथा सम्मान अर्जित होगा। वैदिक साहित्य में भी आपकी रूचि रहेगी तथा वृद्धावस्था में अपना अधिकांश समय भजन कीर्तन में व्यतीत करेंगे। आपको वैभव शाली तथा विश्राम पूर्ण जीवन व्यतीत करना अच्छा लगेगा। साथ ही अपने परिश्रम एवं सौभाग्य से ऐश्वर्य पूर्ण जीवन व्यतीत करने में समर्थ रहेंगे। आपको अपने पौत्रों के द्वारा सुख सहयोग एवं आनंद की प्राप्ति होगी। वास्तव में आप ने पूर्व जन्म में कई पुण्य के कार्य किए जिससे आपका यह जीवन सर्व सम्पति से युक्त होकर व्यतीत होगा। इसके अतिरिक्त आप दीनों की सहायता करने वाले दानी, सर्व अलंकारों से युक्त तथा अतिथि सेवा में तत्पर रहकर धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होंगे।

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

आपके जन्म समय में दशम भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। मिथुन राशि वायु तत्व प्रधान है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया प्रधान होगा तथा श्रमसाध्य के भाव की इसमें न्यूनता होगी। साथ ही आप किसी स्वतंत्र कार्य करने के इच्छुक होंगे तथा इसमें सामयिक परिवर्तन भी करेंगे जिससे वांछित लाभ के प्रबल योग बनेंगे।

आपके लिए आजीविका संबंधी क्षेत्र शिक्षक या व्यख्याता, अनुष्ठान कार्य, धर्मोपदेशक प्रोफेसर, वकील, न्यायधीश, बैंक अधिकारी, शेयर ब्रोकर, सरकारी विभाग में सचिव, सलाहकार तथा प्रशासानिक क्षेत्र उत्तम एवं अनुकूल रहेंगे। इन क्षेत्रों में कार्य करने से आपको वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी तथा अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों से सुरक्षित रहेंगे। अतः यदि आप आजीविका क्षेत्र में वांछित सफलता तथा प्रसिद्धि प्राप्त करना चाहते है तो उपरोक्त क्षेत्रों में ही अपनी आजीविका का चयन करना चाहिए।

व्यापारिक क्षेत्र में आपके लिए सुवर्ण आदि धातु व्यापार, शेयर क्रय विक्रय का कार्य, वित्तीय संस्था द्वारा, ब्याज द्वारा आप वांछित लाभ एवं धन अर्जित करने में समर्थ होंगे। इसके साथ ही कम्पनी के स्वामित्व, वकील का स्वतंत्र व्यवसाय तथा किसी संस्था के स्वामित्व से भी आपको इच्छित लाभ एवं धन की प्राप्ति होगी। अतः यदि आप व्यापारिक क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता बिना किसी समस्याओं एवं व्यवधानों के प्राप्त करना चाहते है तो उपरोक्त क्षेत्रों में ही व्यापार का प्रारंभ करना चाहिए।

जीवन में आपको इच्छित मान प्रतिष्ठा एवं सम्मान की प्राप्ति होगी तथा किसी उच्चाधिकार प्राप्त पद को अर्जित करने में भी सफल होंगे। समाज में आप एक प्रभावशाली व्यक्ति होंगे तथा सभी लोग आपको वांछित आदर प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रसिद्धि भी दूर दूर तक व्याप्त होगी। इसके अतिरिक्त आप किसी सामाजिक या शैक्षणिक संस्था में किसी सम्मानित पदाधिकारी के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। इससे आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा मानसिक सन्तुष्टि मिलेगी।

आपके पिता जी शिक्षित विद्वान एवं प्रभावशाली व्यक्ति होंगे तथा सामाजिक जनों के मध्य उनका पूर्ण आदर रहेगा एवं लोगों को वे अपना सहयोग प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके प्रति उनका पूर्ण वात्सल्य का भाव होगा तथा शिक्षा का उच्चस्तर पर समुचित प्रबंध करेंगे। साथ ही कार्यक्षेत्र में उन्नति तथा सफलता में उनका प्रमुख योगदान होगा तथा इससे आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। आप भी अपने बुद्धिमतापूर्ण उत्तम कार्य कलापों से पिता के मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि करेंगे। आपके आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य एक दूसरे की सलाह एवं सहयोग से सम्पन्न करेंगे साथ ही सैद्धान्तिक तथा वैचारिक समानता भी विद्यमान होगी जिससे आप सुख पूर्वक अपना जीवन यापन करेंगे।

लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

आपके जन्म समय में एकादश भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आप अपने परिश्रम एवं पराक्रम के द्वारा उचित मात्रा में धनार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा आर्थिक क्षेत्र में भी सौभाग्यशाली रहेंगे। माता के द्वारा या सहयोग से आपके आय स्रोतों में वृद्धि होगी जिससे आप प्रचुर मात्रा में लाभ प्राप्त करेंगे। साथ ही समुद्र से उत्पन्न पदार्थो या रत्न आदि के अतिरिक्त कार्य से भी आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे तथा मन में कई प्रकार की इच्छाएं विद्यमान रहेंगी जिसको जीवन में पूर्ण करने में भी समर्थ रहेंगे।

आपकी कुंडली के अनुसार ज्येष्ठ भाइयों की अपेक्षा बहिनों से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। माता की ओर से भी आपको उचित स्नेह मिलेगा तथा उनकी कृपा दृष्टि हमेशा आपके ऊपर बनी रहेगी। आपकी मित्रता का क्षेत्र भी अच्छा रहेगा तथा मित्रों के मध्य आप सम्मानीय प्रतिष्ठित तथा ख्याति प्राप्त रहेंगे। साथ ही आपके सभी मित्र गुणवान शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगे अवस्था के साथ साथ समाज, मित्र मंडल एवं अन्य जनों के लिए आपके मन में अपनत्व की भावना उत्पन्न होगी तथा अपनी ओर से उन्हें आप पूर्ण स्नेह देंगे। साथ ही अवसरानुकूल उनकी सहायता के लिए भी तत्पर रहेंगे। आप पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा घर में परिवार के साथ अतिरिक्त समय व्यतीत करना आपको अच्छा लगेगा। साथ ही सामाजिक सम्मान एवं ख्याति के भी योग बनते है जीवन में यदा कदा कार्य क्षेत्र में आपको परेशानी हो सकती है परन्तु सामान्य जीवन सुख एवं आनन्द पूर्वक व्यतीत होगा।

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आपका व्यापार सुदृढ़ रहेगा तथा भूमि से संबंधित उत्पादों से आपको आर्थिक लाभ होता रहेगा। आप शीघ्रातशीघ्र धनवान होने की मन में इच्छा करेंगे अतः उद्देश्य की पूर्ति के लिए अत्यंत ही परिश्रम करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आप अत्यधिक सतर्क रहेंगे तथा पैसा कहां से आकर कहां जा रहा है इसका पूर्ण ध्यान रखेंगे। अतः प्रायः शुभ व्यय ही करेंगे एवं वह भी अत्यधिक सोच विचार के बाद। इस प्रवृति से आप पूंजीनिवेश में अधिक धन लगाएंगे तथा बचत भी बनी रहेगी। इस प्रकार आप मध्यमवस्था तक एक धनवान पुरूष के रूप में समाज के मध्य अपने आपको स्थापित करने में समर्थ हो सकेंगे।

आपके पास धन हमेशा रहेगा तथा बैंक में आपकी स्थिति सम्माननीय रहेगी। आपके पास व्यसन अल्प मात्रा में ही होंगे जिससे अनावश्यक व्यय से हमेशा सुरक्षित रहेंगे परिवार के प्रति आप अपनी पूर्ण जिम्मेदारी समझेंगे तथा उनकी सुख सुविधाओं के लिए समय समय पर आवश्यक व्यय करेंगे। साथ ही बच्चों का रहन सहन, खान पान एवं पठन पाठन पर भी विशेष व्यय करेंगे।

आपको यात्रा करना रूचिकर लगेगा वैसे भी आपकी भ्रमण प्रिय प्रवृति रहेगी। आपकी यात्राएं व्यवसाय से ही सम्बन्धित होंगी। साथ ही यदाकदा धूमने के लिए या दर्शनीय स्थानों की सैर के लिए भी आप सपरिवार यात्राएं सम्पन्न कर सकते है। इसके अतिरिक्त जीवन में एक बार आप विदेश भ्रमण पर जाएंगे यात्राओं से आपको लाभ एवं सफलता प्राप्त होगी। इस प्रकार प्रसन्नता पूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगे।

नक्षत्रफल

आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है अतः आपकी जन्मराशि धनु तथा राशिस्वामी वृहस्पति होगा। नक्षत्र के अनुसार आपका वर्ण क्षत्रिय,योनि नकुल, नाड़ी अन्त्य गण मनुष्य तथा वर्ग मूषक होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "भे" या "भै" अक्षर से प्रारम्भ होगा।

समाज में आप एक गणमान्य व्यक्ति रहेंगे तथा सभी लोग आपको यथोचित सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। आप मुख्य रूप से सात्विक गुणों से सम्पन्न रहेंगे। आप अपने कठिन से कठिन कार्य या समस्या को शांताचित्त से समाधान करने के लिए हमेशा यत्नशील रहेंगे। जीवन में नाना प्रकार के भौतिक एवं सांसारिक सुखों का आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। धन से आप हमेशा परिपूर्ण रहेंगे तथा जीवन में इसका आपके पास कम ही अभाव रहेगा। साथ ही विविध प्रकार के शास्त्रों तथा कार्यो में पारंगत होने के कारण आप समाज में एक विद्वान के रूप में ख्याति तथा सम्मान भी अर्जित कर सकेंगे।

मान्यः शान्तगुणः सुखी च धनवान् विश्वर्क्षजः पंडितः।।
जातकपरिजातः

अर्थात् उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में उत्पन्न जातक सम्माननीय सात्विक गुणों से युक्त, सुखी, धनवान तथा पंडित होता है।

आप स्वभाव से ही विनम्र होंगे तथा सभी लोग आपकी विनयशीलता से प्रभावित रहेंगे। आपकी प्रवृति धार्मिकता की भावना से भी युक्त रहेगी तथा समस्त धार्मिक क्रियाओं का आप नियमपूर्वक अनुपालन करने मे प्रयत्नशील रहेंगे। आपके मित्रों की संख्या भी अधिक रहेगी तथा इनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होता रहेगा। आपमें कृतज्ञता का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा अन्य जनों के द्वारा उपकृत होने पर आप उनका उपकार स्वीकार करेंगे तथा उनके प्रति हार्दिक आभार भी प्रकट करेंगे। इसके अतिरिक्त समाज के सभी वर्गो में आप समान रूप से लोक प्रिय रहेंगे तथा उनको अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करने में सदैव प्रयत्नशील रहेंगे।

वैश्वे विनीत धार्मिक बहुमित्रकृतज्ञसुभगश्च।।
वृहज्जातकम्

अर्थात् उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में उत्पन्न मनुष्य विनयशील, धार्मिक, बहुत मित्रों वाला कृतज्ञ तथा सर्वजनों में लोकप्रिय होता है।

आपकी शारीरिक आकृति स्थूल तथा कद सामान्य रहेगा। साथ ही आप एक शूरवीर एवं साहसी व्यक्ति होंगे। तथा अपने अधिकाँश कार्यो को साहस पूर्वक सम्पन्न करके उनमें सफलता प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त विवाद आदि में आप शत्रु पक्ष पर विजय

प्राप्त करने में सर्वदा सफल रहेंगे।

बहुमित्रो महाकायो जायते विनीतः सुखी।
उत्तराषाढ़सम्भूतः शूरश्च विजयी भवेत।।
मानसागरी

अर्थात् उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में पैदा हुआ जातक अधिक मित्रों वाला, विशाल शरीराकृति से युक्त, विनयी, सुखी, शूरवीर और सर्वत्र विजय प्राप्त करता है।

आपके मन में दान शीलता की भावना भी विद्यमान रहेगी। तथा हृदय में दया एवं करूणा का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। आप अच्छे कार्यों को ही सम्पन्न करेंगे। जिससे समाज में अन्य लोग भी लाभान्वित होंगे। साथ ही आप एक प्रभुता सम्पन्न व्यक्ति होंगे तथा अन्य जनों पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने में सफलता प्राप्त करेंगे। आप स्त्री तथा पुत्र आदि के सुख से सर्वदा युक्त रहेंगे। आपका शारीरिक स्वरूप सुन्दर होगा। परन्तु कभी कभी आप अभिमान का प्रदर्शन भी लोगों के समक्ष करेंगे। जिससे लोग आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट भी रहेंगे।

दाता दयावान विजयी विनीतः सत्कर्मकर्ता विभुता समेतः।
कान्तासुतावाप्त सुखो नितान्तं वैश्वे सुवेषः पुरूषोऽभिमानी।।
जातकाभरणम्

अर्थात् उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में उत्पन्न जातक दानी, दयालु, विजयी, विनयशील, सत्कार्यकर्ता, प्रभुत्व सम्पन्न, स्त्री और सन्तान से सुखी, अच्छे स्वरूप वाला तथा अभिमानी होता है।

आपका जन्म लौहपाद में हुआ है। यद्यपि लौह पाद में उत्पन्न जातक प्रायः धन के अभाव से दुःखी सुखसंसाधनों से हीन तथा अन्य प्रकार से जीवन में कष्ट प्राप्त करता है। परन्तु आपकी कुण्डली में चन्द्रमा शुभराशि में स्थित है। अतः आप अपने जीवन काल में जल से उत्पन्न होने वाले पदार्थो से नित्य लाभार्जन करते रहेंगे। आप एक धनवान पुरूष होंगे तथा अन्य चल अचल सम्पतियों के भी स्वामी बनेंगे। आप हमेशा नवीन वस्त्रों से युक्त रहेंगे एवं जीवन में वाहन आदि के सुख को प्राप्त करेंगे। साथ ही सुयोग्य संतति से भी आप युक्त रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा बन्धु एवं मित्रों से आपके संबंध अत्यन्त ही मधुर रहेंगे एवं उनसे आपको यथोचित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। जीवन में आवश्यक भौतिक सुखसंसाधनो से आप प्रायः सुसम्पन्न रहेंगे। साथ ही दानशीलता का भाव भी आपके मन में विद्यमान रहेगा। जल क्रीड़ा के आप शौकीन होंगे तथा इससे हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त करेंगे।

धनु राशि में उत्पन्न होने के कारण आपका मुख तथा गला दीर्घ रहेगा। तथा ओंठ, दान्त एवं कानों में स्थूलता रहेगी। एवं भुजाएं मजबूत तथा मांसल रहेंगी। आप अपने पैतृक धन से सुसम्पन्न रहेंगे। तथा आजीवन सुख पूर्वक उसका उपभोग करेंगे। आपके

मन में दान शीलता का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा जीवन में समयानुसार आप अपनी इस प्रवृति का पालन करते रहेंगे। लेखन कार्य में भी आप रूचिशील रहेंगे। तथा समय समय पर कविता सृजन आदि में सफलता तथा ख्याति प्राप्त करते रहेंगे। आपका शारीरिक बल भी पूर्ण रहेगा तथा अन्य लोग आपके बल से प्रभावित रहेंगे। आप एक उच्च कोटि के कुशल वक्ता होंगे। तथा अपने प्रभावशाली वक्तव्यों तथा कार्यो से अन्य जनों पर अपना प्रभुत्व स्थापित कर सकेंगे। समाज में सभी के प्रति मन में आपके हार्दिक सम्मान रहेगा। चित्रकला के प्रति आपमें विशेष रूचि रहेगी तथा इस क्षेत्र में आप विशेष सफलता एवं ख्याति भी प्राप्त कर सकते हैं। आपका स्वरूप भी गम्भीरता से युक्त रहेगा तथा अधिकांश कार्य भी गम्भीरता से ही सम्पन्न होंगे। धर्म में भी आपकी निष्ठा रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में इसका ज्ञानार्जन भी करेंगे। आपके अपने भाईयों से सामान्य संबंध रहेंगे। आप स्नेह तथा समानता के व्यवहार से ही वश में रहेंगे। किसी अन्य दवाब में आपसे कोई भी कार्य नहीं करवाया जा सकेगा। न हीं आप किसी कार्य को करने के लिए तैयार होंगे।

व्यादीर्घस्यशिरोधरः पितृधनस्त्यागी कविर्वीर्यवान्।
वक्ता स्थूलदरश्चवाधरनसः कर्मोद्यतः शिल्पवित्।।
कुब्जांसः कुनखी समांसलभुजः प्रागल्भ्यवान धर्मविद।
बन्धुद्विट् न बलात्समेति च वशं साम्नैकसाध्योळश्वजः।।
वृहज्जातकम्

आपकी आँखे गोल तथा सुन्दरता से युक्त रहेंगी तथा हाथ एवं कन्धों की लम्बाई भी कुछ अधिक ही रहेगी। आयु के साथ साथ आपकी कमर में झुकाव भी आ सकता है। पानी के नजदीक निवास करना या भ्रमण आदि करने में आप रूचिशील रहेंगे। एवं ऐसे अवसरों को प्राप्त करने के लिए भी आप प्रयत्न शील रहेंगे। आप गूढ़ से गूढ़ विषय का ज्ञान प्राप्त करके उसे हृदयगम करने में भी सफल रहेंगे। आप प्रायः प्रसन्नचिन्त ही रहेंगे एवं अनावश्यक चिन्ता या दुख मन में नहीं रखेंगे। आपकी शरीर की अस्थियां भी मजबूत होंगी। साथ ही कृतज्ञता के भाव से भी आप सुशोभित रहेंगे। अन्य जनों के द्वारा उपकृत होने पर आप उनका उपकार स्वीकार करेंगे। तथा हार्दिक रूप से उनके प्रति आभार प्रकट करेंगे।

कुब्जाङ्गो वृतनेत्रः पृथुहृदयकटिः पीनबाहु प्रवक्ता।
दीर्घासो दीर्घकण्ठो जलतटवसतिः शिल्पविद् गूढगुह्यः।।
शूरोदृष्टोळस्थिसारो विततबहुबलः स्थूलकण्ठोष्ठघोणो।।
बन्धुस्नेही कृतज्ञो धनुषिशशिधरे संहतांघ्रि प्रगल्भः।।
सारावली

आप एक उद्यमी व्यक्ति होंगे तथा नित्य किसी न किसी कार्य को करने में तत्पर रहेंगे। आप सक्रिय रहेंगे तथा आराम से नहीं बैठ सकेंगे। आप बोलने में अत्यन्त ही प्रवीण होंगे। तथा अपनी वाक्पटुता से अपने कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। त्याग की भावना का भी आप में नैसर्गिक समावेश रहेगा। तथा आवश्यकतानुसार इस प्रवृति का

आप अनुपालन करेंगे। साथ ही आप एक साहसी पुरूष भी होंगे। तथा अधिकतर सांसारिक समस्याओं का साहसपूर्वक समाधान करेंगे। आपके शत्रु भी आपसे हमेशा पराजित रहेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकार प्राप्तवर्ग तथा सम्पन्न लोंगों के मध्य आप प्रिय एवं आदरणीय रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।

दीर्घास्यकण्ठः पृथुकर्णनासः कर्मोद्यतः कुब्जतनुनृपेष्टः।
प्रागल्भ्यवाक्त्यागयुतोऽरिहन्ता साम्नैकसाध्योऽश्विभवो बलाढ्यः।।
फलदीपिका

आप विभिन्न प्रकार के कार्यो को सम्पन्न करने में भी सक्षम रहेंगे तथा स्वभाव से ही विनम्र एवं सुशील रहेंगे। आप एक चरित्रवान पुरूष होंगे जो अन्य जनों के लिए अनुकरणनीय रहेगा। आप स्पष्ट बोलने में विश्वास करेंगे। अतः सभी लोग आपकी स्पष्टवादिता से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इसके साथ ही आप अपनी आय को मध्यनजर रखते हुए खूब सोचविचार कर व्यय करेंगे। जिससे अनावश्यक आर्थिक संकट उत्पन्न न हो सके।

बहुकलाकुशलः प्रबलो महाविमलताकलितः सरलोक्तिभाक्।
शशधरे तु धनुर्धरगे नरो धनकरो न करोति बहुव्ययम्।।
जातकाभरणम्

आपके समस्त शारीरिक अंग सुन्दर एवं सुडौल रहेंगे। जिससे आपका व्यक्तित्व आकर्षक रहेगा। आप अपने कुल या परिवार में श्रेष्ठ माने जाएंगे। तथा सभी परिवारिक जन आपको यथोचित स्नेह तथा सम्मान प्रदान करेंगे। चित्रकला एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आप सफलता तथा ख्याति प्राप्त कर सकेंगे।

सौम्याङ्गो रूचिरेक्षणः कुलवरः शिल्पी धनुस्थे विधौ।।
जातक परिजातः

आप एक बहादुर व्यक्ति होंगे तथा सत्य के प्रति आपके मन में पूर्ण निष्ठा रहेगी। इसके अनुपालन के लिए आप हमेशा जीवन में प्रयत्न शील रहेंगे। इसके साथ ही आपका स्वभाव शान्त होगा। तथा अन्य किसी के प्रति आप के मन में द्वेष या वैमनस्य का भाव नहीं रहेगा। आप एक सुशील गुणवती एवं बुद्धिमती स्त्री को पत्नी के रूप में प्राप्त करेंगे तथा समस्त सांसारिक सुखों की प्राप्ति भी करेंगे। आपकी वाणी अत्यन्त ही प्रिय एवं मधुर रहेगी। जिससे अन्य लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे। आपका शरीर स्थूल भी होगा।

शूरः सत्यधियायुक्तः सात्विको जननन्दनः।
शिल्पविज्ञान सम्पन्नो धनाढ्यो दिव्यभार्यकः।।
मानसागरी

इस प्रकार आप सर्व गुणों से सम्पन्न रहकर समाज में आदरणीय रहेंगे। तथा सभी वर्गो के मध्य लोकप्रियता भी प्राप्त करेंगे। आप अपने कार्यो से श्रेष्ठ समझे जाएंगे।

आप धार्मिक प्रवृति से भी युक्त रहेंगे अतः देवता ब्राहमण एवं गुरूजनों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा का भाव रहेगा। आप अत्यन्त ही सुमधुर गति से गमन करेंगे। परन्तु सहनशीलता का अभाव होने के कारण कई बार अनावश्यक समस्याओं को उत्पन्न करेंगे एवं परेशानी की अनुभूति भी करेंगे।

धनुरिवगुणयुक्तः कीर्तिवाक् पूजनीयः।
कुलपतिरूपचेता बन्धुर्वर्गेक पात्रः।।
बहुजन धनयुक्तो देवविप्रर्षि सेवी।
मृदुगतिरसहिष्णुः कार्मुको यस्य राशिः।।
जातक दीपिका

आपका जन्म मनुष्य गण में हुआ है। अतः धार्मिक कार्य कलापों में आप हमेशा रूचिशील रहेंगे। तथा देवताओं एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा एवं सेवा का भाव विद्यमान रहेगा। कभी कभी गर्व की भावना भी आपके मन में उत्पन्न होगी। तथा समाज में अन्य जनों के समक्ष अपनी इस प्रवृति का आप प्रदर्शन करेंगे। दया एवं करूणा की भावना भी आपके मन में विद्यमान रहेगी। शारीरिक रूप से आप बलशाली रहेंगे तथा स्वभुजबल से अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही विविध प्रकार की कलाओं के आप ज्ञाता रहेंगे। ज्ञानार्जन में भी आपकी पूर्ण रूचि रहेगी। आपका शरीर कान्तिमान रहेगा तथा अन्य बहुत से लोग आपके द्वारा सुख को प्राप्त करेंगे।

समाज में आप पूर्ण रूप से आदरणीय तथा सम्मानीय व्यक्ति होंगे तथा सब प्रकार के ऐश्वर्य तथा वैभव से सम्पन्न रहेंगे। आपकी आँखे भी बड़ी बड़ी रहेंगी तथा निशाने बाजी की कला में आप अत्यन्त ही निपुण रहेंगे। आपका वर्ण सुन्दरता लिए गौर वर्ण होगा। नगर वासियों को वश में करने में आप पूर्ण सफल रहेंगे अर्थात् आप किसी नगर या समाज के गणमान्य व्यक्ति हो सकते हैं।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

नकुल योनि में उत्पन्न होने के कारण आप प्रारम्भ से ही परोपकार की भावना से युक्त रहेंगे। तथा अन्य जनों की भलाई के कार्यों को नित्य चतुराई से सम्पन्न करते रहेंगे। इससे आप समाज में ख्याति तथा सम्मान को अर्जित करने में पूर्ण रूप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप एक धनाढ्य पुरूष होंगे तथा अन्य धनी लोग भी आपका हृदय से आदर करेंगे। साथ ही आप विद्वान होंगे एवं कई संस्थाओं के प्रधान या अध्यक्ष भी हो सकते हैं। माता पिता का आपके प्रति अत्यन्त ही स्नेह का भाव रहेगा एवं आपका भी

उनके प्रति हार्दिक सम्मान तथा सेवा का भाव रहेगा।

परोपकरणे दक्षो वित्तेश्वरविचक्षणः।
पितृमातृप्रियो नित्यं नरो नकुलयोनिजः।।
मानसागरी

अर्थात् नकुलयोनि में उत्पन्न जातस दक्षता के साथ दूसरों का उपकारी, धनियों में सबसे उत्तम और प्रधान तथा पिता-माता में सर्वदा प्रेम बनाए रखने वाला होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति चतुर्थ भाव में होने से माता का शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके प्रति उनका प्रगाढ़ स्नेह रहेगा एवं जीवन में सर्वप्रकार की सुख सुविधाएं तथा अन्य सुखों को वे आपको प्रदान करेंगी। आपके मध्य मतभेद अल्प ही रहेंगे अतः परस्पर संबंध मधुर रहेंगे। साथ ही वाहनादि की प्राप्ति में भी वे आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी तथा कभी भी कोई कठिनाई का सामना नहीं करने देंगी।

आप भी उनका हमेशा हार्दि सम्मान करेंगे तथा उनकी आज्ञा एवं निर्देशों को मानने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। साथ ही अपने जीवन काल में उनकी श्रद्धापूर्वक सेवा करेंगे तथा आवश्यक सुखसुविधाओं को भी प्रदान करेंगे। इस प्रकार आपके परस्पर संबंध मधुर एवं सुदृढ रहेंगे तथा जीवन को प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

आपके जन्म समय में सूर्य की स्थिति पंचम भाव में है। अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे एवं उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। साथ ही उनकी आयु भी दीर्घ होगी। धन सम्पत्ति से वे सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगे एवं जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपकी यथाशक्ति सहायता करते रहेंगे। आपकी सन्तति के प्रति भी वे स्नेहशील रहेंगे तथा उनके पालन में अपनी पूर्ण रूचि प्रदर्शित करेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं आदर का भाव रहेगा एवं उनकी आज्ञा का पालन भी आप करते रहेंगे। आपके परस्पर संबंध भी मधुर रहेंगे लेकिन यदा कदा आपसी मतभेदों में विभिन्नता होने से संबंधों में कटुता भी आएगी परन्तु कुछ समय बाद सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा। साथ ही जीवन में आप उनका पूरा ध्यान रखेंगे एवं उनकी आर्थिक तथा अन्य सहायता करने के लिए भी उद्यत रहेंगे एवं उन्हें किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे।

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति द्वादश भाव में विद्यमान है अतः भाई बहिनों से आप सामान्य स्नेह तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। उनका स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थता भी उनमें विद्यमान रहेगी। धन सम्पत्ति से वे प्रायः युक्त रहेंगे तथा जीवन में आपको वांछित आर्थिक तथा अन्य रूप से अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त सुख दुःख में भी आपको उन्से पूर्ण सहानुभूति तथा सहायता प्राप्त होगी।

आपके मन में भी उनके प्रति सम्मान एवं स्नेह की भावना रहेगी एवं यथाशक्ति जीवन में उनको अपनी ओर से आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर

रहेंगे परन्तु यदा कदा मतभेदों के कारण तनाव की स्थिति भी उत्पन्न होगी परन्तु कुछ समय के बाद सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा।

आपके लिए श्रावण मास तृतीया अष्टमी तथा त्रयोदशी, तिथियां भरणी नक्षत्र वज्रयोग तैतिल करण शुक्रवार प्रथम प्रहर तथा मीन राशिस्थ चन्द्रमा हमेशा अशुभ फलदायक रहेंगे। अतः आप 15 जुलाई से 14 अगस्त के मध्य 3, 8, 13 तिथियों भरणी नक्षत्र, वज्रयोग तथा तैतिल करण में कोई में कोई भी शुभ कार्य न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शुक्रवार, प्रथम प्रहर तथा एवं मीन राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में सर्वथा वर्जित ही रखें। इसके अतिरिक्त इन दिनों तथा समय में शारीरिक स्वास्थ्य तथा सुरक्षा के प्रति भी पूर्ण सचेत रहें।

यदि आपके लिए समय अनुकूल न चल रहा हो मानसिक चिन्ताऐं शारीरिक परेशानी व्यापार में हानि नौकरी या पदोन्नति में असफलता तथा शुभ कार्यों के सिद्ध होने में बाधाएं उत्पन्न हो रही हों तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव हनुमान जी की श्रद्धापूर्वक आराधना करनी चाहिए तथा मंगल एवं वृहस्पति के उपवास रखने चाहिए। साथ ही सोना, पुखराज, पीतवस्त्र, पीली चन्दन, चने की दाल तथा हल्दी आदि पदार्थों का श्रद्धापूर्वक किसी को दान करना चाहिए। इसके साथ ही वृहस्पति के तांत्रीय मंत्र को किसी योग्य विद्वान के द्वारा कम से कम 16000 जप सम्पन्न करवाने चाहिए। ऐसा करने से आपके मन को शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ फलों का प्रभाव कम होगा एवं शुभ फलों की प्राप्ति में वृद्धि होगी।

ऊँ ग्रां ग्रीं ग्रों सः वृस्पतये नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं क्लीं वृहस्पतये नमः।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उधृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्री स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते है। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते है।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता हैं। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्री मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री पारिवारिक ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध है (जैसे जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) सबसे बराबर-बराबर धन लेकर आपके शहर/गांव के चौक में बैठे कारीगर, हकीम/डाक्टर को उसका काम बढ़ाने के लिये वह धन दान स्वरूप दे दें।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्मय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का

उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिढ़ियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री निर्दयी ऋण से मुक्त है।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढ़ेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री आजन्मकृत ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे एक-एक नारियल उसी दिन जल में प्रवाह करना चाहिए।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के पांचवे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप पढ़ाई में तेज, उच्चशिक्षित, सत्ता पक्ष से लाभ-प्राप्त करेंगे। सुखी माता-पिता से युक्त, अपने घर का भाग्य जगाने वाले, संतान सुख मिलेगा। आप सेवक पुत्र के पिता होंगे। पुत्र प्राप्ति के बाद परिवार में तरक्की होगी। आप सबको साथ लेकर आगे बढ़ने वाले और शूरवीर होंगे, बुढ़ापा सुख से बीतेगा। सरकारी अधिकारियों से मधुर संबंध रखेंगे। यदि राजा सहायक न हो तो फकीर से आपका भला होगा। पारिवारिक उन्नति होगी। पौत्र के जन्म के बाद माली हालात अच्छी हो जाएगी। औलाद की वृद्धि होगी, बुढ़ापे में हर तरह का आराम मिलेगा। मां-बाप का सुख लंबे समय तक मिलेगा। जिंदगी आराम से गुजरेगी। 42 से 47 साल की आयु तक शुभ फल होगा। ज्यों-ज्यों आयु बढ़ेगी, आप का रुतबा अच्छा होता जायेगा। आपको सरकारी विभाग से मान-सम्मान मिलेगा, गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी, अचानक धन प्राप्ति के भी योग हैं।

यदि आपने चाल-चलन खराब किया या बुरे काम किये, संतान से झगड़ा किया सरकारी विभाग से बेईमानी की या झूठ बोलने की आदत होगी तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य का मंदा असर पेट पर पड़ेगा और आपका स्वभाव क्रोधी होगा। पत्नी छोड़े या मर जाए या दूसरी शादी भी हो सकती है, ऐसा शक है। स्त्री की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। स्त्री द्वारा अपमानित भी होना पड़ सकता है। लड़के पर भी बुरा असर हो सकता है। काफी दुःखों का सामना करना पड़ सकता है। औलाद की आर्थिक हालात पर बुरा असर होगा। ननिहाल के लिए अशुभ फल रहेगा। झूठ और बेईमानी से धन हानि का भय और दीर्घ रोग हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. झूठ से दूर रहें।
2. किसी के प्रति मन में ईर्ष्या न रखें।

उपाय :

1. बुजुर्गी रस्मों-रिवाज बन्द न करें।
2. साला, जीजा, दोहते या भांजे में से तीन की सेवा करें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा चौथे घर में है। आपका भाग्य जागेगा। आपको जमीन, जायदाद, भवन और वाहन का उम्दा सुख मिलेगा। पैतृक कारोबार से लाभ होगा। आपको कपड़े के व्यवसाय से लाभ होगा। आपको माता-पिता का पूर्ण सुख मिलेगा। बुढ़ापा सुखपूर्वक गुजरेगा। पैतृक संपत्ति अवश्य प्राप्त होगी। सरकारी खर्चे से विदेश की यात्रा करेंगे।

आपके पास धन का दरिया होगा जितना खर्च करोगे उतना ही धन बढ़ेगा। माता और लोगों की सेवा करने से माया का दरिया समुद्र बन जाएगा। आपकी उम्र लंबी होगी आपके पास कोई व्यक्ति अमानत रखे तो लेने के लिए वापस नहीं आएगा। पुत्र पैदा होने के बाद आपकी हालत अच्छी हो जाएगी। आप सरकारी नौकरी या सरकारी ठेकेदारी करेंगे तो दौलत अच्छी मिलेगी। समुद्री सफरों में भी लाभ प्राप्त होगा। माता व पत्नी दोनों से सहयोग प्राप्त होगा। आप राजसी ठाठ भोगेंगे। आपको बुजुर्गों का व्यापार बदलना हानिकारक होगा। आप न्यायमूर्ति या जज भी हो सकते हैं। अच्छे सलाहकार साबित होंगे और आप अपना कोई भी कार्य करने से पहले किसी की सलाह जरूर लेवें। यह आपके परिवार के लिए हानिकारक है।

यदि आपने दूध-पानी बेचने का काम किया, माता या बूढ़ी स्त्री से झगड़ा किया, दादा-पिता के समय का कारोबार बदला, घर आये मेहमान की सेवा न की तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से यदि आप माता को कष्ट देंगे और उनका विरोध करेंगे तो धन की खराबी और मन की शान्ति भंग होगी। बुजुर्गों की संपत्ति नष्ट होगी। आप किसी का एहसान नहीं मानोगे, माता को कष्ट देना या उसका विरोध करने से, वाहन दुर्घटना का भय रहेगा। यदि आप बुजुर्गों का व्यापार बदलेंगे तो हानि होगी, दूध का बेचना या डेयरी फार्म के काम में हानि होगी और संतान सुख न होगा। मेहमानों की सेवा करने की बजाए उनसे कुछ धन व समान की आशा रखेंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. माता का विरोध न करें।
2. दूध-पानी मोल न बेचें।

उपाय :

1. शुभ कार्य शुरु करते या जाते समय पानी या दूध का कुंभ रखें।
2. घर में आये मेहमानों को दूध या मीठा पानी जरूर पिलायें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में बारहवे खाने में मंगल पड़ा है। इसकी वजह से मंगल का अच्छा फल मिलेगा। आपकी आवाज बुलंद रहेगी। वैसे आप पत्नी, धन-संपत्ति से सुखी रहेंगे। पुत्र के जन्म के बाद आपका भाग्योदय होगा। शत्रु आप से बहुत भयभीत रहेंगे। 24 वर्ष आयु में पुत्र सुख प्राप्त होगा। आपका स्वभाव गर्म रहेगा। आप अपनी मनमर्जी से चलेंगे। आप गरीब से धनवान हो जाएंगे। मुसीबतें टल जाएगी। बीमारी से आपका बचाव होता रहेगा। आपका जन्म बहुत बड़े परिवार में होगा या आपके जन्म के बाद वह परिवार बड़ा हो जाएगा। स्त्री पक्ष से धन लाभ होगा। गुरु और ब्राह्मण की आप सेवा करेंगे। वृद्धों और निर्धनों की सहायता करना आपका स्वभाव रहेगा।

यदि आपने अपने पास हथियार रखा, सुबह उठते ही नमकीन चीजों या नमक का

प्रयोग किया, परिवार के लोगों पर जुल्म किया, किसी का अहसान न माना तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपके बारे में झूठी अफवाहें फैल सकती हैं। आपकी प्रकृति नीच रहेगी। पत्नी से अच्छा संबंध नहीं रहेगा या पत्नी सुख में न्यूनता आने की आशंका है। आप बुरी संगति से परेशानी में पड़ सकते हैं। अपनी बेवकूफी से अपनी नौकरी-व्यवसाय चौपट कर बैठेंगे। आपको नेत्र रोग हो सकता है। आपकी बांह पर चोट का निशान या विकलांग होने का भय है। नाड़ियों या खून का रोग हो ऐसी आशंका है। आपका धन बेकार के कामों में खर्च नहीं होगा। आपको चोरी और क्षति से सावधान रहना पड़ेगा। आपका बड़ा भाई हो तो वह 28 वर्ष आयु तक जीरो हो जाएगा या आपको उससे भाईपन न रहेगा। बड़ा भाई जीवित है तो कई बार जीवन से तंग होकर आत्महत्या करने का विचार पैदा होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. खुण्डा या जंग लगा हथियार घर पर न रखें।
2. किसी पर भरोसा न रखें।

उपाय :

1. हलुवा या चीनी की रोटी खावें।
2. सुबह उठते ही शहद खावें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध पांचवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपका जीवन खुशहाल रहेगा। आपकी ज्योतिष विद्या तथा आयुर्वेद शास्त्र में रुचि रहेगी। आपका वाक्य ब्रह्मा जी के मुंह से निकली बात के समान होगा। आपको अपने भाई से सुख मिलेगा और लाभ होता रहेगा। आपको जीवन में औलाद सुख मिलेगा। आप बिना सोचे-समझे भी कुछ बात कह दें, तो वह सच हो जाएगा। आपका चरित्र अच्छा होगा। आपकी जद्दी जायदाद, गृहस्थी और औलाद पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। 34 वर्ष की उम्र के बाद आपका भाग्य पूरी बुलंदी पर आ जाएगा। आप पूर्ण ज्ञानी और तेजस्वी प्रभाव के व्यक्ति होंगे। आपके सगे संबंधियों या किसी भी व्यक्ति पर आपका अच्छा असर रहेगा। आप अच्छे प्रबंधकर्त्ता हैं। अकस्मात् धन की प्राप्ति के भी योग है। आपको अपने जीवन में बहुत अच्छे दिन देखने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आपको पराविद्या, तंत्र-मंत्र पर पूर्ण भरोसा रहेगा। धर्म, आध्यात्म और ईश्वर भक्ति के प्रति आपकी रुचि अच्छी रहेगी। आपकी बुद्धि तेज है। आपको बुद्धि के खजाने और विद्या का पूर्ण लाभ मिलेगा।

यदि आपने संतान का विरोध किया सरकारी अधिकारियों से झगड़ा किया, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे, आपके घर में बांस का वृक्ष हुआ तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से आप कभी-कभी बहुत कड़की बातें करने लगेंगे। इस बात का परहेज रखें। संतान पर कष्ट के दिनों में आप अधिक ही चिंतित

हो जाया करेंगे। आप कल्पना लोक में भ्रमण करेंगे या काल्पनिक डर से भयभीत रहेंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. गऊ मुख घर में रिहाइश न करें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :
1. चांदी की बेजोड़ अंगूठी बायें हाथ में पहनें।
2. तांबे का पैसा सफेद धागे में डाल कर गले में धारण करें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में तीसरे खाने में वृहस्पति पड़ा है। जिसकी वजह से आप जिस पर मेहरबान होंगे तो उसे बड़ा लाभ होगा। आप नौकरी-व्यापार से आजीविका चलाएंगे। 40 वर्ष की उम्र तक गृहस्थ जीवन में पूर्ण योगदान करेंगे। आप न्यायप्रिय होंगे। भाई से भी सुख प्राप्त होने की संभावना है। परंतु आप स्वयं बुद्धिमान होंगे। आपको अपने भाई-बहन की सहायता करने से लाभ मिलेगा और उनसे संबंध अच्छे रहेंगे। 26 वर्ष की उम्र में आपकी दौलत बढ़ने लगेगी। आपकी औलाद के जन्म के बाद आपका भाग्योदय होगा। आप अपने जीवन में लगातार उन्नति करते रहेंगे। समाज में अच्छी प्रतिष्ठा मिलेगी। आप अपने भाई के मददगार होंगे। आपका घर-वार नेक होगा। आपका जीवन खुशहाल रहेगा। आपकी पत्नी आपके जीवन में सहायता करेगी। आपके द्वारा बुजुर्गों की सेवा से धन-दौलत में वृद्धि होगी। आप धार्मिक स्वभाव के होंगे। आप अपने भाग्य पर सब्र करने वाले होंगे, अपनी किस्मत पर संतुष्ट रहेंगे। आप बुढ़ापे में आराम पाएंगे। आप बहादुर होंगे। आप आंखों की होशियारी से ही दूसरों को भांप लेंगे।

यदि आपके घर में कटा या सूखा पीपल का पेड़, धर्म मंदिर है उसकी सेवा नहीं करते, बुरे तरीकों से धन कमाया या मित्र मार की तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से 31वें वर्ष में बीमारी की आशंका है। आप अपने मित्रों के साथ धोखाधड़ी करके या लूट कर धनवान बनेंगे। आपकी बेमतलब की बकवास/गप्पबाजी आपके आने वाले समय को खराब कर देगी। जिस पर आप बिगड़ जाएं उसका सब कुछ नष्ट कर देंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. सूखा पीपल घर में नहीं रहे।
2. घर में मंदिर बंद न रखें।

उपाय :
1. दुर्गा पाठ या कन्याओं की सेवा करें।
2. केसर/हल्दी का तिलक करें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में शुक्र पड़ा है। इसकी वजह से आपके घर में कभी चोरी नहीं होगी। आपकी पत्नी सच्चरित्र होंगी और आप स्वयं भाग्यवान रहेंगे। पत्नी जीवन भर आपका साथ निभाएगी। आप अपनी पत्नी से दब कर रहेंगे। आपकी संतान अधिक होंगी। आपको तीर्थ यात्राएं बहुत करनी पड़ेंगी। आप सभी के प्यारे होंगे। धन का व्यय अधिक करेंगे। कभी-कभी अधिक लाभ भी होगा। आपकी पत्नी आपके सभी कार्यों में हाथ बटाएंगी या पत्नी के नाम से किये कार्यों से लाभ प्राप्त होगा। स्त्री, लक्ष्मी, गाय की सेवा से अच्छा फल प्राप्त होगा। आप दूसरी औरत पर आशिक होंगे। शत्रु आपका नुकसान नहीं कर सकेगा। कोई भी औरत आप पर मोहित हो सकती है। आपको कम परिश्रम करके ही रोटी नसीब हो जाएगी। आपकी आमदनी अच्छी होगी। आप सभी सुख-सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु सुख की नींद नहीं सो सकेंगे। माता-पिता का सुख लंबे समय तक मिलेगा। आपकी पत्नी कमाऊ होंगी जो आपके कंधे से कंधा लगाकर मुसीबत में साथ देगी।

यदि आपने एक से अधिक स्त्रियों से संबंध रखे, बुजुर्गी घर के मुख्य दरवाजे की दहलीज को नष्ट किया, राग-रंग में रुचि रखी तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से आपका कई स्त्रियों से संपर्क रहेगा। आप अपनी पत्नी का क्रोध एवं साहस देख कर हैरान होते होंगे। आपके जीवन में भवन सुख दूषित है। यदि मकान बनाएं भी तो वह घर उजड़ सकता है। माता के सुख में बाधा है यदि आपकी आयु के 34वें वर्ष तक मां जीवित रहेंगी तो उनकी दीर्घायु होगी। आप दुःखी लोगों और मुसीबतों से घिरे रहेंगे। धन-दौलत, उम्र बढ़ने के साथ-साथ घटती जाएगी। यदि सौतेली माता हुई तो उससे कोई लाभ नहीं होगा। ससुराल पक्ष से यदि कोई साझेदारी करें या वे लोग आपके काम में सहयोग करें तो हानि होगी। आपके भाई-बंधुओं के हाथों धन की हानि होगी। पैतृक संपत्ति आपके काम नहीं आएगी। आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. बुजुर्गी घर की दहलीज को खराब न होने देवें।
2. राग-रंग में रुचि न रखें।

उपाय :
1. स्त्री की सेवा करें।
2. मंगल की चीजों का प्रयोग करें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली के छठे खाने में शनि पड़ा है। इसकी वजह से आपको 28 वर्ष की उम्र में या 28 वर्ष की आयु के बाद विवाह लाभदायक होगा अन्यथा मां, पत्नी, संतान पर मंदा असर रहेगा। आप खेल में रुचि रखने वाले या प्रसिद्ध खिलाड़ी भी हो सकते हैं। आपकी पत्नी सुखी रहेगी। आपकी उम्र के 34 से 41 वर्ष के बीच कोई संतान पैदा हो तो आपके जीवन और घर का कायाकल्प हो सकता है। आपको यात्रा से लाभ मिलेगा। आपका चरित्र उत्तम होगा। आपका परिवार सुखी रहेगा। धन-लक्ष्मी की प्राप्ति होती रहेगी। आप गुप्त कार्य करने के आदी हो सकते हैं। संतान आपके भाग्य के लिए बड़ी ही शुभ और अनुकूल होगी।

यदि आपका घर बंद गली में हुआ, धर्म मंदिर से जूता बदला, पूर्णिमा को नया काम शुरु किया, चमड़े-लोहे का सामान मुफ्त लिया तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आपका छोटा भाई आप से शत्रुता करे, ऐसी शंका है। परंतु अंत में वह दुश्मनी को भुला कर दोस्त बन जाएगा। शराब-मांस, अंडे का भोजन करने से हानि होने की आशंका है। आप लड़ाई-झगड़े से परेशानी में पड़ सकते हैं। आपके ताऊ, बड़े भाई या मामा को नेत्र रोग या आंखों की हानि हो सकती है। आपकी पत्नी और माता को कोई कष्ट होने की आशंका है। शराब-कबाब और औरतों के चक्कर में मुकद्दमा/पुलिस या साहूकारी अड़चने आ सकती हैं। आपको गुर्दे या पथरी के रोग का भी भय है। आपकी मृत्यु दुर्घटना से हो सकती है। आपकी नौकरी व्यापार में अचानक बाधाएं आ सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. धर्म स्थान से जूता चोरी न हो इसका विघेष ध्यान रखें।
2. लोहे का नया सामान न खरीदें।

उपाय :

1. काले कुत्ते की सेवा करें।
2. सांप को दूध पिलावें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आपको पूरी मान-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। आप राजशाही जीवन बिताएंगे। आप दीर्घजीवी होकर ऐश की जिंदगी बिताएंगे। युवावस्था में किसी चीज की कमी नहीं रहेगी। आपकी स्त्री रूपवान एवं सुशील होगी। आप उस्तादों के भी उस्ताद होंगे। गृहस्थी अच्छी चलेगी। आपको अधिक धन प्राप्त होगा। माता के साथ मधुर संबंध, ससुराल पक्ष का सुख अच्छा हो सकता है। चोरी से सावधान रहें। पैतृक संपत्ति नहीं के बराबर प्राप्त होगी मगर अपनी कमाई द्वारा अधिक संपत्ति बना लेंगे। परिवार के लोग सुखी रहेंगे। आपके धन कोष में बहुत वृद्धि होगी। किस्मत का असर शुभ और

अशुभ दोनों हालातों में ऊपर-नीचे होता रहेगा।

यदि आपने घर में मंदिर रखा, सरसों का कार्य किया, मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया या जुआ आदि खेला, ससुराल या साले का विरोध किया तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आप उदर रोग अर्थात् आंत रोग के मरीज होंगे। धर्मस्थान में चोरी आपके हाथों हो सकती है। आपका जीवन निर्वाह धर्मस्थान से प्राप्त अन्न से होगा। आप दान की हुई वस्तु लेने में तनिक भी नहीं हिचकेंगे या मुफ्त की वस्तुएं प्राप्त होती रहेंगी। आर्थिक एवं पारिवारिक सुख में कमी आ सकती है। आपकी कमाई का कुछ भाग खराब हो सकता है। आपको पुलिस का भय रहेगा। सजा सुन कर या सजा सुनने से पहले फरार हो जायेंगे, कैदी कभी न होंगे, ऐसी आशंका है। फौजदारी मुकद्दमें में हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. सट्टा, जुआ आदि न खेलें।
2. धर्मस्थान में रिहाईश न करें/न जायें।

उपाय :

1. चांदी की ठोस गोली गले में धारण करें।
2. केसर या हल्दी का तिलक करें या शुद्ध सोना पहनें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु आठवें खाने मे पड़ा है। इसकी वजह से पत्नी का स्वास्थ्य अगर खराब रहता हो तो चारित्रिक सुधार के पश्चात् पत्नी का स्वास्थ्य अच्छा हो जाएगा। आपके जीवन के 34 वर्ष आयु से पहले या 34 वर्ष आयु के बाद संतान पैदा होगी। आपकी कई संताने होंगी। पुत्र से सुख मिलेगा और पुत्र को संसार में यश-मान मिलेगा। जीवन में उत्थान होगा।

यदि आपने शराब-कबाब का सेवन किया, घर की छत पर रिहाईश हो, कुत्ता पाला या घर की छत पर कुत्ता बांधा, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से आपको संतान के बारे में चिंता बनी रहेगी। आप स्त्री से द्वेष करेंगे। आपका दगाबाजी का स्वभाव भी रहेगा। आप बवासीर रोग से ग्रसित रहेंगे। आप किसी भी व्यक्ति के सामने अपना दुःखड़ा रोयें तो आपकी और भी हानि होगी। संतानोत्तपत्ति में अवरोध उत्पन्न हो सकता है। आपके मकान की छत गिर जाए तो अशुभ समझें। उस वक्त रोटी के भी लाले पड़ सकते हैं। संतान एवं धन के संबंध में मंदा असर लग रहा है। आपके जन्म के पूर्व बड़े भाई की मृत्यु हो गई हो ऐसा लगता है। गृहस्थ जीवन में भी दरार पड़ सकती है। वैवाहिक जीवन 26वें वर्ष तक सुखी नहीं रहेगा। 48 वर्ष तक संतान से दुःखी या निःसंतान होने की आशंका है। आपके बुरे चरित्र का बुरा प्रभाव

आपकी पत्नी के जीवन पर पड़ेगा। यदि दो विवाह हुए तो संतान 34 वर्ष से पहले और 34 वर्ष के बाद भी पैदा होगी। आपकी औलाद पर बुरा असर नहीं पड़ेगा। आपको मूत्र विकार की आशंका है। आपको अपनी मृत्यु का पूर्वाभास हो जाएगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. घर की छत पर कुत्ता न पालें।
2. जुआ आदि न खेलें।

उपाय :

1. काले-सफेद कंबल धर्मस्थान में देवें (संतान की लंबी आयु के लिये)।
2. काले-सफेद कंबल के टुकड़े में, साथ बैठे ग्रह की चीज बांध कर शमशान में दबायें (संतान सुख के लिये)।

लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।

2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।

3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।

4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।

5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।

6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर देवें।

7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।

8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।

9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें ।

10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये ।

11. बुजुर्गों के रीति -रिवाजों को न तोडें और संस्कार पूरें करें ।

शिक्षा संबंधी - 2026

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष बहुत अच्छा रहेगा। छठे स्थान के राहु आपको प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता दिलाएंगे। जो व्यक्ति नौकरी की तालाश में हैं उनको इस वर्ष नौकरी मिल जाएगी।

02 जून के बाद पंचम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति रूचि बढ़ेगी और वे अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्य र्थियो के लिए समय अच्छा है। तकनीकि शिक्षा के लिए भी वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहेगा।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह अवधि की ग्रह स्थिति आपके लिए लाभप्रद बनी हुई हैं। अतः यह समय शिक्षा प्राप्ति के पक्ष से अनुकूल बना हुआ हैं। माह अवधि में आपको अपने अधिकांश प्रयासों में काफी सफलता प्राप्त हो सकती हैं। मानसिक स्थिति भी अवधि विशेष में प्रबल बनी हुई हैं। मानसिक संकायों का छात्र वर्ग ज्यादा तेज और सरलता से सीखने वाला रहेगा। किसी भी प्रकार के लेखाकर्म और होटल प्रबंधन के छात्रों और विशेष रुप से खानपान का अध्ययन करने वाले लोगों के लिए यह समय लाभदायक बना हैं। कलात्मक विषयों के छात्रों की सफलता का स्कोर उल्लेखनीय हो सकता हैं। किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के शुभ योग बन रहे हैं। इस वर्ग को सफलता के लिए ईमानदारी से प्रयास करना होगा।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी शैक्षिक संभावनाओं के लिए उत्तम बनी हुई हैं। माह अवधि में तकनीकी छात्रों के प्रदर्शन से आप संतुष्ट रहेंगे। वास्तव में इस वर्ग के छात्रों के तकनीकी कौशल के स्कोर की सफलता उल्लेखनीय बनी हुई हैं। भाषा और पत्रकारिता के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्रों का प्रदर्शन संतोषजनक रहेगा। तथा किसी भी प्रकार के लेखाकर्म में अध्ययन करने वाले छात्रों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले लोगों लगन और पूरी मेहनत से प्रयास करने पर सफलता की प्राप्ति हो सकती हैं।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के पक्ष से यह माह आपके लिए सकारात्मक नहीं बना हुआ है। इस माह अवधि में परिस्थितियां शिक्षा प्राप्ति में बाधक बन सकती हैं। प्रतिकूल समय में आपको स्वंप्रेरित होना होगा और अपने व्यवहार से हठ को भी दूर करना होगा। कुछ भी सीखने एक लिए समय आपके लिए मुश्किल बना हुआ हैं। आपको अपने व्यवहार से इसे नियंत्रित करना होगा। अन्यथा आपका व्यवहार ही आपकी प्रगति में बाधक बन सकता हैं। प्रतियोगी परिक्षा में बैठने वाले छात्र वर्ग को सफलता प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग की सहायता लेनी पड़ सकती हैं। इसके अलावा भाषा, पत्रकारिता और कला विषयों में अध्ययनशील

छात्र वर्ग को अपने उद्देश्यों को पाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक पक्ष से इस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बना हुआ हैं। अतः इस अवधि में शिक्षा अध्ययन करना बहुत धीमा और थकाऊ हो सकता हैं। यह संभावित है कि समय की प्रतिकूलता में अधिकांश विषयों में आप अपने उद्देश्यों को पाने में सफल न हो पायें। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य ललित कलाओं के छात्र वर्ग के लिए भी स्थिति सुखद नहीं बनी हुई हैं। भाषा और पत्रकारिता की पढ़ाई कर छात्रों को अनुकूल परिणम प्राप्त करने के लिए स्वप्रेरित होना होगा और अपने को हठी होने से बचाना होगा। वरना आपमें नकारात्मक व्यवहार का विकास हो सकता हैं। अपनी शैक्षिक क्षमता को जानने के लिए आप अपने कौशल को विकसित करें। किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को अतिरिक्त कोचिंग लेनी चाहिए।

मई 2026 के लिए फलादेश

शिक्षा के पक्ष से इस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए अनुकूल नहीं बन रहा हैं। ग्रहों का शुभ सहयोग प्राप्त न होने के कारण आपको इस अवधि में स्वप्रेरित रहना होगा क्योंकि इस अवधि में आपमें प्रेरणा की कमी बनी हुई हैं। माह अवधि के आपके प्रदर्शन में यह प्रतिबिंबित हो सकता हैं। अपने कार्यो से हे आपको प्रेरित होना होगा। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा, भाषाओं, पत्रकारिता और जन संचार के अन्य रूपों के छात्र वर्ग को सर्वप्रथम मानसिक रुप से तैयार होकर सफलता प्राप्ति के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। परिस्थितियों की मांग कुछ इस प्रकार की बन रही हैं।

जून 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक प्रयासों के लिए सितारों का संयोजन विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रहा हैं। समय की प्रतिकूलता आपमें नकारात्मक प्रभाव ला सकती हैं। ऐसे में सफलता प्राप्ति के लिए आपको अपने व्यवहार को आत्म मुखर और जुझारु बनाना होगा। इस समय में कुछ सीखना आपके लिए काफी मुश्किल साबित हो सकता हैं। आपको लगातार प्रयासों करते हुए आगे बढ़ने की कोशिश करना चाहिए। माह अवधि में अपने लक्ष्यों तक पहुंचना आपके लिए संघर्ष भरा हो सकता हैं। लेखा या कानून के क्षेत्र के छात्रों का अध्ययन कार्य भी इस अवधि में प्रभावित हो सकता हैं। आपकी प्रगति विभिन्न समस्याओं से बाधित हो सकती हैं। किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को इस अवधि में अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। इस अवधि में कोचिंग लेना आपकी सफलता को सुनिश्चित कर सकता हैं।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों की स्थिति आपके लिए नकारात्मक बनी हुई हैं। अतः इस अवधि में आपको शिक्षा ग्रहण करते हुए काफी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता हैं। अपने अधिकांश उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आपको काफी संघर्ष करना पड़ सकता हैं। उच्चतर शिक्षा प्राप्ति के मार्ग में भी समस्याओं की स्थिति बनी हुई हैं। इसलिए उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को अध्ययन कार्यो में कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता हैं। एकाउंटेंसी, पत्रकारिता और जन संचार के अन्य रूपों में अध्ययन कर रहे छात्र वर्ग के लिए भी कठिनाईयों की स्थिति बनी हूई हैं। किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। यदि यह वर्ग सफल होना चाहता है तो इसे कड़ी मेहनत करनी होगी। माह अवधि आपके लिए नकारात्मक बनी हुई है इसलिए इस समय में आपको धैर्य के साथ दृढ़ होकर प्रयास करने होंगे।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए विशेष रुप से लाभप्रद नहीं बन रही हैं। अतः यह अवधि आपकी शैक्षिक संभावनाओं के लिए बहुत अच्छी नहीं बन रही हैं। अपने अधिकांश उद्देश्यों को पाने के लिए संघर्ष की स्थिति बन सकती हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए समय बहुत कठिन बना हुआ हैं। सफलता प्राप्ति के मार्ग में कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्र वर्ग को अपने उद्देश प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। कोचिंग का निर्णय आपके लिए निर्णायक रहेगा। लेखा, पत्रकारिता और जन-संचार के अन्य रुपों के छात्र वर्ग के लिए भी ग्रहों की स्थिति सुखद नहीं बन रही हैं।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक प्रयासों के लिए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रही हैं। माह अवधि में अच्छ्ध परिणाम प्राप्त करने के लिए काफी कठिन संघर्ष करना पड़ सकता हैं। लेखा या कानून के छात्रों को सफलता प्राप्ति के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। ग्रहों की स्थिति आपके लिए नकारात्मक बनी हुई हैं। माह अवधि में शिक्षकों के प्रति आपका स्वभाव हठी हो सकता हैं। यह आपके शैक्षिक जीवन को प्रभावित कर सकता हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को शिक्षा प्राप्ति के मार्ग में विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता हैं। इसके अलावा, प्रतियोगी परीक्षाओं में ब बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी चाहिए। कोचिंग का निर्णय आपके लिए निर्णायक रहेगा।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक संभावनाओं के लिए यह माह सुखद नहीं बन रहा हैं क्योंकि इस माह के ग्रहों की स्थिति अनुकूल नहीं बनी हुई हैं। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, भाषाओं, पत्रकारिता और जन-संचार के अन्य रूपों के छात्रों को अपने उद्देश्यों

को प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। माह अवधि में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के लिए प्रेरणा की कमी बनी हुई हैं। प्रतिकूल अवधि में आप स्वयं से ही प्रेरित रहेंगे। इसके अलावा किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले व्यक्तियों को अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए इस माह के सितारों की स्थिति सकारात्मक नहीं बन रही हैं। माह अवधि में शिक्षा प्राप्त करना आपके लिए सहज नहीं होगा। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला, और अन्य ललित कलाओं का अध्ययन कर रहे छात्रों को उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अपने प्रयासों को दोगुणा करना पड़ सकता है। फिर भी प्रगति के लिए ग्रह स्थिति संतोषजनक नहीं बनी हुई है। भाषा, पत्रकारिता और जन-संचार के अन्य रूपों में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र वर्ग को लगन और मेहनत अधिक करनी होगी। प्रतिकूल परिस्थिति में आपको स्वयं को स्वप्रेरित रहना होगा। शिक्षकों के प्रति आपका स्वभाव हठी हो सकता हैं। इस अवधि में आपको क्षमता और कौशल को विकसित करना होगा।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियं के पक्ष से यह माह प्रतिकूल बना हुआ है, क्योंकि माह अवधि के सितारें आपके लिए सुखद नहीं बने हुए हैं। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला, और अन्य ललित कला के छात्रों को उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आपको अपने प्रयासों को दोगुना करना होगा। इस पर भी परिणाम संतोषजनक न रहने की संभावना बन रही हैं। भाषा, पत्रकारिता और जन संचार क्षेत्रों में अध्ययन कर रहे छात्र वर्ग के लिए भी परिस्थितियां कुछ इसी प्रकार की बनी हुई हैं। मनोकूल परिणाम प्राप्त करने के लिए आपको अपने कार्यो से स्वप्रेरित रहना होगा। इसके अतिरिक्त शिक्षकों के प्रति हठी रवैया भी आपको बदलना होगा। इस प्रतिकूल परिस्थिति में आप अपनी क्षमता और कौशल को विकसित करें।

शिक्षा संबंधी - 2027

वर्ष का पूर्वार्द्ध विद्यार्थियों के लिए अनुकूल नहीं रहेगा। पंचमस्थ राहु के प्रभाव से आपकी शिक्षा में रूकावट आ सकती है। आलस्य की भावना आपकी शिक्षा में व्यवधान डाल सकती है। प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को सफलता प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है।

26 जून के बाद समय प्रतिकूल हो रहा है। उस समय प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए लगातार अथक प्रयास करना पड़ेगा। बेरोजगार जातकों को अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। 26 नवम्बर के बाद विद्यार्थियों के लिए समय काफी अच्छा हो जाएगा।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति के अनुसार यह समय आपकी शैक्षिक संभावनाओं के लिए काफी उपयोगी रहेगी। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य कला विषयों में पढ़ाई कर रहे छात्रों को अच्छ्ध स्कोर के साथ उल्लेखनीय सफलता की प्राप्ति हो सकती हैं। अपने अध्ययन कार्यो के जादू से आप अपनी योग्यता सिद्ध करने में सफल रहेंगे। ब्यूटीशियन और होटल प्रबंधन के छात्रों को समय की शुभता का लाभ प्राप्त होगा। विषयों को जल्द और आसानी से सीखने का मानसिक दृष्टिकोण इस अवधि में इस वर्ग का बना हुआ हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को ईमानदारी के साथ प्रयास करने होंगे। इसके बाद ही यह वर्ग अपने उद्देश्यों में सफल हो सकता है।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए सितारों की भविष्यवाणी इस माह अवधि में बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। तकनीकी छात्रों के लिए समय उतार-चढ़ाव युक्त बना हुआ है। इस वर्ग का प्रदर्शन प्रयोगात्मक विषयों में बहुत अच्छा नहीं रहेगा। अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए आपको पुस्तकों का अतिरिक्त अध्ययन करते समय अतिरिक्त ध्यान के साथ समर्पित होकर अध्ययन कार्य करने होंगे। ललित कला के छात्रों को अपने स्कोर को बनए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता हैं। माह अवधि में अधिकांश उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए संघर्ष के योग बन रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्र वर्ग को अपनी सफलता तय करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की भविष्यवाणी विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रही हैं। इस अवधि में आप अपने शैक्षिक प्रयासों को लेकर चिंतित रहेंगे। आप में से कई को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए काफी संघर्ष करना होगा। समय स्थिति नकारात्मक बनी हुई हैं।

शिक्षकों के प्रति आपका रवैया आत्म मुखर और हठी हो सकता हैं। इस समय में आपके लिए विषयों की विषयवस्तु को सीखना काफी मुश्किल रहेगा। अपनी इस प्रवृत्ति पर आपको अंकुश लगाना चाहिए। सफल होने के लिए लगन और मेहनत में किसी प्रकार की कमी न करें। संघर्ष का तत्व बने रहने से घबरायें नहीं। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को इस अवधि में अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। इसके बाद ही आपकी सफलता और विफलता के बीच का अंतर दूर होगा।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

अपनी शैक्षिक कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए इस माह के सितारों का संयोजन सकारात्मक नहीं बन रहा है। अधिकतर कार्यों में नकारात्मक स्थिति बनी हुई हैं। माह अवधि में आपका व्यवहार आत्म मुखर और हठी हो सकता हैं। सीखने के लिए यह समय आपके लिए मुश्किल साबित हो सकता हैं। माह अवधि में आपको संयम बरतना होगा और अपनी इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखना होगा। कला विषयों में अध्ययन कर रहे छात्रों के लिए समय कठिन बना हुआ हैं। अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। प्रतियोगी परीक्षाएं में बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। इस समय की परिस्थितियों में यह आपके लिए आवश्यक रहेगा।

मई 2027 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों की भविष्यवाणी आपके शैक्षिक कार्यों के लिए विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रही हैं। अतः इस अवधि में आप अपनी शैक्षिक संभावनाओं को लेकर चिंतित रहेंगे। शिक्षा क्षेत्र में शीर्ष पर बने रहने के लिए आपको प्रेरणा की कमी महसूस होगी। शैक्षिक प्रतिस्पर्धा में बढ़त लेने के लिए आपको प्रयासों को बढ़ाना होगा। वरना आपके परिणाम इसके प्रभाव क्षेत्र में आ सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेना लाभकारी रहेगा। इस अवधि में कोचिंग का निर्णय आपकी सफलता और विफलता के बीच के अंतर को दूर करेगा। तकनीकी छात्रों और चिकित्सा के छात्रों को अपनी रैंकिंग बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। कला विषयों के छात्र वर्ग को भी अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए बहुत अधिक मेहनत करनी होगी।

जून 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक संभावनाओं के पक्ष से इस माह के सितारों की भविष्यवाणी विशेष रुप से शुभ नहीं बन रही हैं। मानसिक स्पष्टता की कमी के कारण इस अवधि में अधिकांश विषयों को सीखना आपके लिए सहज नहीं होगा। स्वभाव में नकारात्मक भाव आपको कुछ आत्म मुखर और हठी बना सकता हैं। समय की प्रतिकूलता में सीखना बहुत मुश्किल हो सकता हैं। आपको अपने इस स्वभाव पर अंकुश लगाना होगा और अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत रहना होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों को अपनी सफलता सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग का सहारा लेना पड़ सकता हैं। फिर भी मनोबल को उच्च बनाए रख

और लगन से मेहनत करने पर आप स्थिति को अपने अनुसार बदल सकते हैं।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपको चिंतित करने वाली बनी हुई हैं। माह अवधि में मानसिक कुशाग्रता की कमी के कारण जल्द सीखना आपके लिए संभव नहीं हो पाएगा। इस समय में आप कुछ नकारात्मक भी हो सकते हैं। शिक्षको के प्रति आपका व्यवहार आत्म मुखर और हठी हो सकता हैं। आपको दृढ़ता के साथ इसे रोकने का प्रयास करना चाहिए। ललित कला के छात्रों के लिए यह समय कठिन बना हुआ हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

इस माह अवधि में शिक्षा क्षेत्र में आपकी गतिविधियों के पक्ष से सितारों की स्थिति सुखद नहीं बनी हुई हैं। अधिकांश विषयों को सीखते समय आपके मन में आवश्यक स्पष्टता की कमी का अनुभव हो सकता हैं। इसके अतिरिक्त आपमें कुछ नकारात्मक प्रभाव भी अधिक रहेगा। जिसके कारण इस समय में आपका व्यवहार कुछ आत्म मुखर और हठी हो सकता हैं। मजबूती के साथ आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना चाहिए। कला के छात्रों के लिए भी परिस्थितियां कुछ इसी प्रकार की बनी हुई हैं। इस वर्ग के छात्रों के लिए यह समय विशेष रुप से कठिन हो सकता हैं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों को सफलता सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। इससे आप सफलता और विफलता के बीच का अंतर दूर कर सकते हैं।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रही हैं। अधिकांश विषयों को जल्द सीखने के लिए आपके मन में आवश्यक स्पष्टता की कमी रहेगी। प्रयासों के अनुरुप सफलता प्राप्त न हो पाने पर आप कुछ नकारात्मक और उदासीन हो सकते हैं। आपका व्यवहार भी कुछ हठी और आत्म मुखर हो सकता है। समय की शुभता का सहयोग प्राप्त न हो पाने के कारण इस अवधि में सीखना आपके लिए मुश्किल होगा। जहां तक संभव हो आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की कोशिश करनी चाहिए। आपके शैक्षिक विकास के लिए यह आवश्यक है कि आप शांत मन से अध्ययन कार्य करें। उच्च शिक्षा प्राप्ति में लगे छात्रों के लिए इस अवधि में अनेक समस्याएं बनी हुई हैं। विशेष रुप से प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने आले छात्रों को अपनी सफलता निश्चित करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती है।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

यह माह आपकी शैक्षिक संभावनाएं के लिए बहुत उत्तम बना हुआ हैं। सितारों की स्थिति के अनुसार यह माह उपयोगी माह साबित होते हुए आपकी चिंताओं को कम कर सकती हैं। माह अवधि में प्रेरणा और ऊर्जा के साथ आप अच्छे स्कोर के साथ सफल हो सकते हैं। यह आपकी सफलता को सुनिश्चित करेगा। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य कलाओं में शिक्षा प्राप्त कर रहें छात्रवर्ग के लिए यह समय विशेष रुप से लाभप्रद बना हुआ हैं। ब्यूटीशियन और सौंदर्य विषयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र वर्ग के लिए समय की शुभता बनी हुई हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण और अनुकूल ग्रह स्थिति के कारण इस अवधि में आप शीघ्र और आसानी से विषयों को सीखेंगे। इसके अलावा किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले व्यक्ति सामान्य प्रयास से भी अच्छी सफलता हासिल कर सकते हैं।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक प्रगति के पक्ष से इस माह के सितारों की स्थिति चिंतित करने वाली बनी हुई हैं। माह अवधि में ग्रहों का योग आपके शिक्षा कार्यो के इए नकारात्मक बनी हुई हैं। शिक्षकों के प्रति आपका स्वभाव कुछ हठी और आत्ममुखर हो सकता हैं। इस अवधि में सीखना आपके लिए बहुत मुश्किल कार्य होगा। अपनी इस प्रवृत्ति को नियंत्रित करने का प्रयास करना चाहिए और इस समय आपको संयम बरतने की कोशिश करनी चाहिए। अधिकांश उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आपको बहुत अधिक संघर्ष करना होगा। सामान्य परिणाम प्राप्त करने के लिए भी आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। प्रतिकूल परिस्थितियों को अनुकूल करने में यह आपको सहयोग करेगा।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

आपकी शैक्षिक संभावनाओं के लिए यह माह एक लाभदायक माह साबित हो सकता हैं। यह माह आपको विशेष रुप से नई ऊंचाईयों पर लेकर जा सकता हैं। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, और अन्य कला विषयों में अध्ययन कर रहा छात्र वर्ग इस अवधि में उल्लीखनीय सफलता अर्जित कर सकता हैं। माह की शुभता में आपकी गतिविधियां सफलता का कारण बन सकती हैं। भाषा, पत्रकारिता और लेखा विषयों में अध्ययन कर रहे छात्र वर्ग के लिए इस माह सफल होना काफी आसान हो सकता हैं। इसके अतिरिक्त इस अवधि में मानसिक संकायों में अध्ययन कर रहे छात्रों के लिए भी समय शुभता बनी हुई हैं। सीखने और समझने के लिए परिस्थितियां आसान बनी हूई हैं। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए काफी फायदेमंद बना हुआ हैं।

शिक्षा संबंधी - 2028

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। तकनीकी शिक्षा या व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। फरवरी के बाद प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को सफलता प्राप्ति के लिए अथक प्रयास करना पड़ेगा।

24 जुलाई के बाद विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा हो रहा है। आप पढाई लिखाई में आगे रहेंगे। यदि आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो अच्छे शैक्षणिक संस्थान में आपका प्रवेश हो सकता है।

जनवरी 2028 के लिए फलादेश

यह माह आपकी शैक्षिक गतिविधियों के लिए बहुत अच्छा बना हुआ है। इंजीनियरिंग विषय में अध्ययन कर रहे छात्र और कलात्मक विषयों में पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए यह समय विशेष रुप से लाभप्रद बना हुआ है। इसके अतिरिक्त शिल्प और तकनीकी विषयों के छात्रों के लिए भी समय अत्यंत उत्तम बना हुआ है। इस माह के दौरान मानसिक संकायों के छात्र तेज और आसानी से सीखेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों को सफलता प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। इसके बाद ही इस वर्ग को सफलता का सुख प्राप्त होगा।

फरवरी 2028 के लिए फलादेश

इस माह आपकी शैक्षिक गतिविधियों के लिए सितारों की स्थिति उत्कृष्ट बनी हुई है। अतः इस अवधि में आप अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। सितारों की स्थिति आपको शैक्षिक कार्यो में सहयोग कर रही है। इंजीनियरिंग छात्रों विशेष रुप से इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए पढ़ाई करना सहज होगा। इसके अतिरिक्त चिकित्सा छात्र और विशेष रुप से सजरी के छात्रों के लिए भी यही नियम लागू हो रहा है। कलात्मक विषयों के छात्र भी अपने प्रदर्शन से संतुष्ट रहेंगे। शिल्प या तकनीकी विषयों के छात्रों को अपने विषयों में प्रवीणता प्राप्त होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले उम्मीदवारों को भी कड़ी मेहनत करने से सफलता प्राप्त हो सकती है। इस अवधि में सभी विषयों में सफल होने के लिए यह आवश्यक है कि कड़ी मेहनत की जाए।

मार्च 2028 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रही है, अतः इस माह आप अपनी शैक्षिक प्रगति को लेकर चिंतित रहेंगे। माह अवधि के सभी परीक्षा परिणाम आपकी उम्मीद से नीचे आ सकते है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले व्यक्तियों को सफलता प्राप्ति के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी चाहिए। इससे आपकी सफलता के अवसरों

में सुधार होगा। लेकिन फिर भी यह माह आपके लिए कठिन सिद्ध हो सकता है। तकनीकी छात्रों को सामान्य सफलता प्राप्त करने के लिए बहुत कठिन काम करना पड़ सकता है। पत्रकारिता और लेखा विषयों के छात्रों को अपनी रैंकिंग बनाए रखने के लिए पहले से अधिक मेहनत करनी होगी। इसके अतिरिक्त शिल्प और तकनीकी विषयों में अध्ययन कर रहे छात्रों के लिए इस समय की परिस्थितियां प्रतिकूल बनी हुई है।

अप्रैल 2028 के लिए फलादेश

आपकी शैक्षिक गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी विशेष रुप से अनुकूल न होने के कारण चिंतित करने वाली बनी हुई है। इस माह में आने वाली अधिकांश परीक्षाओं के परिणाम आपकी उम्मीद से कम हो सकते है। इसके अलावा, माह अवधि में आपको अधिकांश उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। तकनीकी छात्रों को अपने वर्ग में रैंकिंग बनाए रखने के लिए सामान्य से अधिक कठिन कार्य करना होगा। शिल्प और तकनीकी विषयों के लिए यह समय लगन, एकाग्रता और मेहनत से अध्ययन कार्य करने का है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को समय की प्रतिकूलता में सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। परिणामों को अपने पक्ष में करने के लिए कोचिंग का निर्णय आपके लिए निर्णायक साबित हो सकता है।

मई 2028 के लिए फलादेश

यह माह आपके शिक्षा क्षेत्र के लिए अनुकूल नहीं बना हुआ है, क्योंकि इस माह के सितारों का संयोजन आपको शुभ फल प्रदान नहीं कर रहा है। माह अवधि में आपको प्रेरणा की कमी महसूस होगी। सफलता प्राप्ति के लिए यह आवश्यक है कि आप प्रेरित रहें। वरना आप प्रयास करने पर भी शैक्षिक प्रतिस्पर्धा में बढ़त लेने में असफल रहेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले वर्ग को सफलता प्राप्ति के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। तकनीकी छात्रों और चिकित्सा क्षेत्र के छात्रों को अपनी रैंकिंग बनाए रखने के लिए बहुत अधिक प्रयास करने होंगे। शिल्प और तकनीकी विषयों के छात्रों के लिए परिस्थितियां प्रतिकूल बनी हुई है। माह अवधि के ज्यादातर परीक्षाओं के परिणाम आपकी उम्मीद से कम हो सकते हैं।

जून 2028 के लिए फलादेश

शिक्षा कार्यो के लिए इस माह के सितारों का संयोजन काफी फायदेमंद बना हुआ है। उच्च शिक्षा में अध्ययन कर रहे छात्रों का स्वयं के द्वारा चुने हुए विषयों में प्रदर्शन अच्छा रहेगा। कानून और तकनीकी छात्रों की सफलता का परिणाम सुखद रहने की संभावना बन रही है। यह वर्ग शैक्षिक क्षेत्र में अपना रैंकिंग स्तर सुधारने में सफल रहेंगा। शिल्प और तकनीकी विषयों को अपने विषयों में प्रवीणता हासिल होगी। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को कड़ी मेहनत करने पर सफलता का सुख प्राप्त हो सकता हैं। अन्य विषयों के छात्रों को भी कड़ी मेहनत करनी होगी।

जुलाई 2028 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियं के लिए इस माह के सितारों की स्थिति बहुत शुभ फलदायक बन रही है। किसी भी प्रकार की तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने रहे छात्रों का शैक्षिक प्रदर्शन सामान्य से अधिक रहने की संभावना बन रही है। यह भी संभावना बन रही है कि यह वर्ग कौशल और निपुणता के साथ शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उल्लेखनीय सफलता हासिल कर सकते हैं। आप अपनी पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन गहनता के साथ करेंगे और आपको इसका लाभ भी प्राप्त होगा। हालांकि इस माह में सफलता प्राप्ति के लिए यह आवश्यक है कि आप कड़ी मेहनत और लगन में किसी प्रकार की कमी न करें। किसी भी तरह की प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले उम्मीदवारों को सामान्य प्रयास करने से भी उद्देश्यों की प्राप्ति हो सकती है। १

अगस्त 2028 के लिए फलादेश

यह माह आपके शिक्षा कार्यो के लिए लाभप्रद सिद्ध नहीं होगा, क्योंकि इस माह के सितारें आपके लिए शुभ योग नहीं बना रहे हैं। माह अवधि में आपकी शैक्षिक प्रगति बाधित हो सकती है। व्यावहारिक रुप से इस माह के परीक्षा परिणाम आपकी उम्मीद से कम रह सकते हैं। समय की प्रतिकूलता में आपको अपने अधिकांश लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। मेहनत करते रहने से आप अपनी सफलत । का मार्ग खोल सकते हैं। इसके अतिरिक्त प्रतिकूल परिस्थितियों मे आप आशावादी बने रहें और दृढ़ता के साथ अध्ययन कार्य करते रहें। तकनीकी छात्रों को अपनी रैंकिंग बनाए रखने के लिए सामान्य से अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले व्यक्तियों को सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

सितम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी शैक्षिक गतिविधियं के लिए शुभ योग युक्त नहीं बन रही हैं। अतः इस अवधि में आपको शिक्षा क्षेत्र में सफल होने के लिए बहुत अधिक मेहनत करनी होगी। समय की प्रतिकूलता आपको उद्देश्यों की प्राप्ति में संघर्ष की स्थिति उत्पन्न कर सकती है। संघर्ष के बिना सफलता प्राप्त करना इस समय में संभव नहीं होगा। उच्च अध्ययन कर रहे छात्रों के प्रयास कठिनाई में फंस सकते हैं। तकनीकी छात्रों और चिकित्सा विषयों के छात्रों को अपनी रैंकिंग बनाए रखने के लिए सामान्य की तुलना में अत्यधिक कार्य करने होंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले उम्मीदवारों को सफलता प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करना होगी। इस माह में सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत में किसी प्रकार की कमी नहीं करनी होगी।

अक्तूबर 2028 के लिए फलादेश

यह माह आपकी शैक्षिक गतिविधियों के लिए शुभ फलदायक नहीं बना हुआ है,

क्योंकि इस माह अवधि में सितारों का विन्यास आपके लिए अनुकूल नहीं बना हुआ है। इस अवधि में सफलता प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है कि प्रेरित रहें। माह अवधि में आपको प्रतिस्पर्धा में बढ़त लेने के लिए प्रयासों को बढ़ाना होगा। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों को सफलता प्राप्ति के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। तकनीकी और चिकित्सा के छात्रों को अपनी सामान्य रैंकिंग बनाए रखने के लिए कठिन कार्य करने होंगे। शिल्प और तकनीकी विषयों के लिए परिस्थितियां प्रतिकूल बनी हुई है। इस वर्ग की परीक्षाओं के परिणाम उम्मीद से कम रहने की संभावना बन रही है।

नवम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह में आपकी शैक्षिक प्रगति अनुकूल न रहने की संभावना बन रही है, क्योंकि इस माह के सितारों की स्थिति बहुत शुभ नहीं बन रही है। इस माह में आपकी शिक्षा के ज्यादातर परीक्षा परिणाम उम्मीद से कम हो सकते है। इस अवधि में अधिकांश उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ सकता है। अत्यधिक प्रयास करने पर भी पूर्ण सफलता की प्राप्ति नहीं हो पाएगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले उम्मीदवारों को सफलता प्राप्ति के लिए कोचिंग लेनी होगी। कोचिंग लेने का निर्णय आपकी सफलता प्राप्ति में निर्णायक भूमिका अदा कर सकता है। शिल्प और तकनीकी विषयों के लिए परिस्थितियां सकारात्मक नहीं बन रही है। प्रतिकूल परिस्थिति में आपको मुश्किलों से अप्रभावित रहना होगा।

दिसम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह आपके शिक्षा के क्षेत्र के लिए कठिनाईयां बनी हुई है। इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए प्रतिकूल बनी हुई है। माह अवधि में आपके सभी परीक्षा परिणाम उम्मीद से नीचे रहने की संभावना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। अतिरिक्त कोचिंग लेने के बाद ही सफल होना आपके लिए कठिन कार्य होगा। तकनीकी, पत्रकारिता और लेखा विषयों के छात्रों को अपनी रैंकिंग बनाए रखना बहुत कठिन होगा। इसके अतिरिक्त शिल्प और तकनीकी विषयों के छात्रों को नियमित रुप से अध्ययन करना होगा।

कार्य क्षेत्र - 2026

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा परिणाम देने वाला रहेगा। इस वर्ष आप अपने कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। किसी अनुभवी व्यक्ति से मिलकर व्यापार में उन्नति के लिए कोई नई योजना बनाएंगे। दशमस्थ गुरु के प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नतिहो सकती है या इच्छित स्थान पर स्थानान्तरण भी हो सकता है।

02 जून के बाद सप्तम स्थान पर शनि एवं गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपको कार्य व्यवसाय में बहुत अच्छा लाभ प्राप्त होगा। उच्च अधिकारियों व वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आप अपने व्यापार में अधिक सफलता प्राप्त करेंगे। आपकोजीवनसाथी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। यदि आप साझेदारी में कोई कार्य कर रहे हैं, तो उसमें इच्छित लाभ प्राप्त होगा और अपने साझेदार से संतुष्ट रहेंगे।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह में पेशेवर उन्नति के लिए आपको काफी उपयोगी अवसर प्राप्त होने की संभावनाएं बन रही हैं। ग्रह एवं नक्षत्रों की स्थिति आपके लिए सुखद बनी हुई हैं। इस शुभ समय का आप कुशलता के साथ प्रयोग करें। माह अवधि में कार्यस्थल का माहौल तनाव और आंतरिक राजनीति विषयों से पूरी तरह से मुक्त रहेगा। अपने कार्यक्षेत्र को विदेश से जोड़ने और प्रत्याशित लाभ प्राप्ति करने में यह समय आपको सहयोग कर रहा हैं। इसके अतिरिक्त इस अवधि में सामाजिक या धार्मिक कार्यों, लेखकों और इसी प्रकार का कार्य करने वाले व्यक्तियों के साथ जुड़ना आपके लिए विशेष लाभप्रद साबित हो सकता हैं। आध्यात्मिक स्तर के और सीखने वाले वर्ग का सहयोग आपको लाभ और संतोष दोनों देगा। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए एक उत्कृष्ट माह रहेगा। इस माह में आप अनेक उपलब्धियां हासिल करने में सफल रहेंगे।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह के ग्रह नक्षत्र आपके लिए बहुत शुभ नहीं बने हुए हैं। माह अवधि में कड़ी मेहनत करने के बावजूद आपको उम्मीद से कम लाभ की संभावनाएं बन रही हैं। वास्तव में इस समय में आपके सहयोगी और वरिष्ठ अधिकारी आपको यथासंभव सहयोग नहीं करेंगे। इससे समय की प्रतिकूलता बढ़ सकती हैं। आपके नेतृत्व के गुण भी आपको उद्देश्य प्राप्ति में अधिक सहयोग नहीं कर पायेंगे। आध्यात्मिक क्षेत्र को सीखने वाले वर्ग के सहयोग से आपका जीवन समृद्ध होगा। वास्तव में अवधि विशेष में आपको आराम करने के अवसर कम ही प्राप्त हो पायेंगे। सामाजिक या धार्मिक कार्य में मनोकूल योगदान भी आप नहीं दे पायेंगे। लेखकों और इसी वर्ग के अन्य व्यक्तियों का प्रदर्शन स्तर सामान्य स्तर का रहेगा।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस माह में पेशेवर जीवन में उन्नति करने के पक्ष से सितारों का संयोजन आपके लिए अनुकूल बना हुआ हैं। इस अवधि में आप पर कार्य भार हल्का रहेगा। इस समय में आपके द्वारा यात्रा होने की संभावना बन रही हैं। सफलतापूर्वक अपने व्यवसाय को विदेश से जोड़ना और उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्त करना आपके लिए इस समय में सहज रहेगा। लेखन, चित्रकला और संगीत क्षेत्र और अन्य ललित कला से जुड़े वर्ग को इस समय में सराहना और लाभ दोनों की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र का वातावरण आपके लिए उत्कृष्ट बना हुआ हैं। अतः इस अवधि में आपका कार्यस्थल तनाव या राजनीति से मुक्त होगा। आपको अपना जीवन समृद्ध करने के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। सीखने और आध्यात्मिक स्तर के व्यक्तियों के साथ जुड़ना आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता हैं। सामाजिक या धार्मिक कायी में आपका योगदान आपके लिए विशेष रहेगा।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपके पेशेवर जीवन के लिए काफी अनुकूल बनी हुई हैं। कार्यस्थल का माहौल सौहार्दपूर्ण होने के कारण आप स्वयं को तनाव से पूरी तरह से मुक्त महसूस करेंगे। अपने व्यवसाय का विस्तार करने और उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्त करने के लिए समय की शुभता बनी हुई हैं। माह अवधि में कार्य भार आप पर अधिक नहीं होगा। सीखने वाले वर्ग और आध्यात्मिक स्तर के व्यक्तियों के सहयोग से उन्नति विस्तार की संभावनाएं बन रही हैं। लेखकों, पत्रकारों और इस प्रकार के अन्य व्यक्तियों के लिए यह माह विशेष माह रहेगा। जिस माह में आपके सौदे अच्छे तय हो सकते हैं।

मई 2026 के लिए फलादेश

इस माह में आपको व्यावसायिक उन्नति करने के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे। फिर भी इस अवधि में सतर्क रहना लाभकारी रहेगा। कार्यक्षेत्र का वातावरण आपके लिए सुखद बना हुआ हैं। जिससे आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में पूरी तरह से सफल रहेंगे। सीखने वाले वर्ग और आध्यात्मिक स्तर के कई प्रतिभाशाली व्यक्तियों के द्वारा आपको लाभदायक सफलता और मानसिक संतुष्टि दोनों की प्राप्ति होगी। शीघ्र लाभ प्राप्ति के लिए आप कानून के बाहर जाकर कार्य करने का प्रयास कर सकते हैं। आपको ऐसी अभिलाषाओं पर मजबूती से नियंत्रण लगाना होगा। अन्यथा स्थिति आपके प्रतिकूल हो सकती हैं। योग उत्तम होने के कारण आपको अपनी योग्यता दिखाने के कई अवसर प्राप्त होंगे।

जून 2026 के लिए फलादेश

पेशेवर जीवन के लिए इस माह की ग्रह स्थिति आपके लिए बहुत अनुकूल बनी हुई हैं। यह माह आपके लिए एक उत्कृष्ट माह रहेगा। सीखने वाले वर्ग और आध्यात्मिक स्तर के प्रतिभाशाली व्यक्तियों के सहयोग से आप का जीवन सफलता की नई ऊंचाईयों पर जा सकता

हैं। धार्मिक या सामाजिक कार्यों में योगदान आपको सराहना दिलाएगा। लेखकों, सामाजिक वैज्ञानिकों, अर्थशास्त्रियों को भी समय की शुभता का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र का माहौल आपके लिए तनाव या राजनीति से मुक्त रहेगा। इसलिए यह माह आपके लिए उत्कृष्ट माह साबित हो सकता हैं। समय की शुभता में आपको प्रयासों में कमी नहीं करनी होगी।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

सितारों की स्थिति आपके पेशेवर जीवन की उन्नति के संदर्भ में बहुत सौहार्दपूर्ण नहीं बनी हुई हैं। माह अवधि में रोमांचक या दिलचस्प घटना न घटित होने के कारण आप हताश होकर कुछ समय के लिए अकेले रहना चाहेंगे या कुछ दिनों की छुट्टियों पर जाने का सोच सकते हैं। समय में ग्रहों की शुभता की कमी के कारण कड़ी मेहनत करने के बाद भी उम्मीद के अनुसार लाभ प्राप्ति की संभावना बहुत कम बन रही हैं। इस समय में स्वयं में कुछ बदलाव करना पड़ सकता हैं। शिक्षा क्षेत्र और अन्य कुछ प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सहयोग आपको काफी संतोषजनक परिणाम दे सकता हैं। यह आपकी नेतृत्व शक्ति का विकास भी करेगा। आप कुछ धार्मिक या सामाजिक कार्यों में आपका योगदान औसत स्तर का रहेगा। लेखक वर्ग का प्रदर्शन सामान्य से कुछ अधिक हो सकता हैं।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन आपकी पेशेवर उन्नति की संभावनाओं के लिए काफी अनुकूल बना हुआ हैं। कार्यस्थल का माहौल तनाव या राजनीति से मुक्त होकर आपके लिए उत्कृष्ट बना हुआ हैं। आपको अपने वरिष्ठ अधिकारियों या उच्चस्तरीय अधिकारियों से असाधरण लाभ प्राप्त हो सकते हैं। सीखने वाले वर्ग और आध्यात्मिक स्तर के प्रतिभाशाली व्यक्तियों के साथ जुड़ना आपके लिए वरदान साबित हो सकता हैं। माह अवधि में धार्मिक और सामाजिक मामलों में आपका उल्लेखनीय योगदान होने की संभावना बन रही हैं। यह माह आपको कार्यों में उपलब्धियां तथा संतुष्टि दे सकता हैं। माह अवधि में कड़ी मेहनत करने पर भी आपको कार्यभार बोझ प्रतीत नहीं होगा। इस समय की परिस्थितियां आपके लिए सौहार्दपूर्ण बनी हुई हैं।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह में सितारों की स्थिति आपके पेशेवर जीवन की उन्नति को बहुत प्रोत्साहित नहीं कर रही हैं। आपके अपने वरिष्ठ अधिकरियों के साथ गंभीर मतभेद सामने आ सकते हैं। यह स्थिति आपको तनाव देगी। इस प्रकार की स्थिति से बचने के लिए आपको धैर्य और सहनशीलता से काम लेना होगा। साथ ही इस समय में आपको कड़ी मेहनत करने की कोशिश करनी चाहिए। बहुत अधिक कड़ी करने पर आप कोई अच्छा सौदा तय करने में सफल हो सकते हैं। फिर भी इस अवधि में उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्तियों की संभावना बहुत कमजोर बन रही

हैं। शैक्षिक वर्ग और प्रतिभाशाली व्यक्तियों के साथ मिलकर कार्य करना आपको आंशिक रुप से कुछ लाभ और मानसिक संतुष्टि देगा। कुल मिलाकर इस माह में अनुकूलता के योग बहुत कम बन रहे हैं।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन आपकी व्यावसायिक संभावनाओं को कोई प्रोत्साहन नहीं दे रहा हैं। अतः यह माह आपके लिए शायद ही अनुकूल रहेगा। माह अवधि में आप के द्वारा किए गए प्रयास विफल हो सकते हैं। यह आपके लिए काफी निराशाजनक रहेगा। उम्मीद के अनुरुप प्राप्तियां न होने से आपमें हताशा भाव प्रभावी हो सकता हैं। माह अवधि में कड़ी मेहनत करने के बावजूद परिणाम आपके पक्ष में बहुत अधिक नहीं रहेंगे। माह अवधि में यात्राएं होने की संभावना बन रही हैं। यात्राओं से भी मामूली लाभ प्राप्तियां होने की उम्मीद बन रही हैं। तथा आपके पेशेवर जीवन में उतार चढ़ाव की स्थिति बन सकती हैं। सीखने वाले वर्ग और आध्यात्मिक स्तर के व्यक्तियों के साथ जुड़ना आपको संतुष्टि दे सकता हैं।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

पेशेवर उन्नति के लिए माह अवधि के सितारों की स्थिति बहुत फायदेमंद नहीं बनी हुई हैं। व्यावसायिक पक्ष से यह समय आपके लिए बहुत उत्तम नहीं बना हुआ हैं। अतः इस माह में आपको अपने पेशेवर जीवन को लेकर कुछ चिंताएं रह सकती हैं। इस माह के दौरान कड़ी मेहनत करने के बावजूद उम्मीद के अनुकूल लाभ प्राप्त न होने की संभावनाएं बन रही हैं। यह स्थिति स्वाभाविक रुप से आपको निराश कर सकती हैं। इस माह में आपको आलस्य का त्याग कर परिश्रम से काम लेना होगा। कार्यक्षेत्र का वातावरण आपके लिए बहुत सुखद नहीं बना हुआ हैं। फिर भी आध्यात्मिक स्तर और कुछ सीखने वाले वर्ग का सहयोग आपके लिए अच्छा रहेगा। धैर्य और दृढ़ता से ऐसी परिस्थितियों का सामना करें।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन आपकी पेशेवर उन्नति के लिए बहुत अनुकूल नहीं बना हुआ हैं। माह अवधि में आपको कड़ी मेहनत करने के बाद भी उम्मीद के अनुरुप सामान्य से बहुत कम लाभ प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। इसका अर्थ यह है कि आपके पेशेवर जीवन में अत्यधिक उतार-चढ़ाव बने हुए हैं। बचत की स्थिति इस अवधि में सामान्य बनी हुई हैं। कई विद्वान लोगों के साथ बातचीत आपको संतुष्टि प्रदान करेगी। सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में अपने योगदान में सुधार करें।

कार्य क्षेत्र - 2027

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्यतः उत्तम रहेगा। आप कार्य व्यवसाय में उन्नति करेंगे। एकादशस्थ गुरु आपको सफलता के लक्ष्य तक अवश्य पहुचाएंगे। बड़े अधिकारियों या अनुभवी लोगों का सहयोग मिलेगा, जिसका लाभ उठा कर आप व्यापार में उन्नति करेंगे। यदि आप किसी के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं, तो बहुत ज्यादा सफलता नहीं मिलेगी। चतुर्थ स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वालों का स्थान परिवर्तन हो सकता है।

जून के बाद आपका समय प्रभावित हो रहा है। उस समय आपको धोखा या व्यापार में हानि हो सकती है। गुप्त शत्रु व विरोधी आपके कार्यों में रुकावटें उत्पन्नकरेंगे। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े क्योंकि वर्षान्त में शनि एवं गुरु ग्रह का गोचर एक साथ अनुकूल हो रहा है। उस समय आपको अपने व्यापार व कार्यक्षेत्र में बहुत अच्छा लाभ प्राप्त होगा।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

पेशेवर उपलब्धियों के लिए इस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहा हैं। कड़ी मेहनत करने पर भी आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में बहुत हद तक सफल नहीं हो पायेंगे। आपकी योजनाएं और प्रयास आपके लिए जोखिम से भरे हो सकते हैं। विपरीत परिस्थितियों में आपको जोखिम पूर्ण विषयों से बचना चाहिए। यह आपके लिए अच्छा रहेगा। यात्राओं के कुछ योग बन रहे हैं। परन्तु यात्राओं से मनोकूल लाभ प्राप्ति की संभावनाएं आंशिक बन रही हैं। उत्तर दिशा में यात्रा करना आपके लिए कुछ हद तक लाभप्रद हो सकता हैं। व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए अनुकूल नहीं बन रही हैं।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

सितारों का संयोजन इस अवधि में आपके पेशेवर उन्नति के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहा हैं। इस माह के दौरान आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। कड़ी मेहनत करने पर भी लाभ प्राप्तियां न होने से आप काफी हतोत्साहित हो सकते हैं। व्यापारिक विषयों या नौकरी के लिए यात्रा करने की संभावनाएं बन रही हैं। परन्तु फिर भी यात्राओं से धन अर्जन के योग बहुत कम बन रहे हैं। संपर्क सूत्र आपके लिए बहुत मददगार साबित नहीं हो पायेंगे। कौशल और प्रयासों पर विश्वास करना विपरीत समय में लाभदायक साबित हो सकता हैं। कुल मिलाकर यह माह आपके पेशेवर जीवन के लिए बहुत उत्साहजनक नहीं बना हुआ हैं।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए यह माह आपके लिए बहुत उज्जवल नहीं बना

हुआ हैं। यात्राओं से कुछ लाभ प्राप्तियां हो सकती हैं। परन्तु लाभ की मात्रा बहुत कम रहने की संभावना बन रही हैं। विपरीत समय में दि्क्षण दिशा की यात्रा करना कुछ लाभदायक हो सकता हैं। विपरीत समय में उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्त करना आपके लिए कठिन हो सकता है। आपके संपर्क या मददगार आपको मदद नहीं कर पायेंगे। इस समय में आप अनुरुप लाभ प्राप्त करने में विफल हो सकते हैं। समय में शुभता की कमी के कारण आपको खुद के कौशल और प्रयासों पर अधिक निर्भर रहना होगा। घटनाओं का विश्लेषण कर आप अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में अधिक सफल हो सकते हैं। समय की प्रतिकूलता कार्यक्षेत्र में आपको बाधायुक्त वातावरण दे सकती हैं।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह एवं सितारों की स्थिति आपके पेशेवर जीवन में उन्नति के पक्ष से काफी अच्छी बन रही हैं। ग्रहों की अनुकूलता आपकी व्यावसायिक सफलता के लिए उत्तम बनी हुई हैं। माह अवधि में प्रत्याशित लाभ प्राप्ति आपको सामान्य से अधिक हो सकती हैं। छोटी अवधि की यात्राओं से आपको अपनी व्यावसायिक संभावनाओं को बेहतर करने में मदद मिलेगी। कार्य क्षेत्र का वातावरण इस अवधि में हर प्रकार के संघर्ष से मुक्त होने के कारण आपके लिए काफी सुखद बना हुआ हैं। यह आपको लाभ और संतुष्टि दोनों देगा। कार्य करने में आपको आनंद आएगा। कुछ महिला सहयोगियों के सहयोग से आपके पेशेवर जीवन की संभावनाओं को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए सुखद और उपयोगी माह बना हुआ हैं। इस माह के दौरान आपको व्यवसाय में सफलता प्राप्त हो सकती हैं।

मई 2027 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए माह के सितारों का संयोजन सामान्य रुप से आपके लिए लाभदायक नहीं बना हुआ हैं। माह अवधि में यदि आप सावधान नहीं रहते है तो आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक खराब हो सकती हैं। सावधानियां रखने से स्थिति को नियंत्रित रखा जा सकता हैं। शीघ्र लाभ प्राप्ति के लिए आप कानून के बाहर जाकर कार्य करने का प्रयास करेंगे, परन्तु यह आपके लिए सही नहीं होगा। आपको कानून के दायरे में रहकर अपने पेशे से लाभ अर्जित करने का प्रयास करना होगा। विपरीत परिस्थिति और बाधाओं का समाधान करते हुए उनसे बाहर आने की कोशिश करें। गलत चीजों को अनदेखा करना ही सही रहेगा। इस अवधि में आपका कार्य भार बढ़ सकता हैं। धैर्य रखना इस समय में उत्तम उपाय सिद्ध हो सकता हैं। संपकी का लाभ आपको नहीं मिल पाएगा। व्यावसायिक संभावनाओं को बेहतर करने के पक्ष से इस अवधि में बहुत अच्छ्ध योग नहीं बन रहे हैं।

जून 2027 के लिए फलादेश

आपके पेशेवर उन्नति के लिए यह माह बहुत उत्साहवर्धक नहीं बना हुआ हैं। कड़ी मेहनत करने के बावजूद इस माह के परिणाम आपके लिए बहुत सुखद नहीं बने हुए है। इस माह की उत्कृष्टता केवल कार्यस्थल का माहौल सौहार्दपूर्ण बने रहने में बनी हुई हैं। कार्यो के माध्यम से आपको उम्मीद के अनुरुप लाभ नहीं मिल पायेंगे। साथ ही इस समय में संपर्क भी आपके लिए बहुत मददगार सिद्ध नहीं होंगे। कठिन परिस्थितियों से बाहर आने के लिए आपको अपनी क्षमताओं पर विशेष रुप से निर्भर रहना होगा। उत्तर दिशा में यात्रा करने से आपको कुछ लाभों की प्राप्ति हो सकती है। इस माह के दौरान आपको सावधानी रखनी होगी। तथा धैर्य से काम लेना होगा।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

पेशेवर संभावनाओं के लिए इस माह के सितारें प्रतिकूल बने हुए हैं। इस माह में आपको अत्यधिक कार्य करना पड़ सकता हैं। परन्तु इसका प्रतिफल आपको लाभों के रुप में पूर्ण रुप से प्राप्त नहीं हो पायेगा। कार्यक्षेत्र का वातावरण आपके लिए उत्कृष्ट और तनाव से मुक्त बना हुआ हैं। संपर्क भी इस समय में आपके लिए मददगार साबित नहीं होंगे। मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकलने के लिए आपको स्वयं के कौशल पर निर्भर रहना होगा। इसके अतिरिक्त इस माह की परिस्थितियां आपको अपनी कार्य क्षमता का विश्लेषण करने का पूरा मौका दे सकती हैं।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके पेशेवर जीवन की संभावनाओं के लिए बहुत उत्साहवर्धक नहीं बनी हुई हैं। आपके कार्य भार में अत्यधिक वृद्धि हो सकती हैं। कार्यभार का प्रतिफल आपको निश्चित रुप से लाभ के रुप में प्राप्त नहीं हो पाएगा। सुखद और तनाव मुक्त कार्यक्षेत्र का माहौल आपको कुछ राहत देगा। दक्षिण दिशा की यात्रा करना आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता हैं। इस अवधि में आपको नेतृत्व करने के पर्याप्त अवसर प्राप्त हो पायेंगे। उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्त करने में आप विफल रहेंगे। संपर्क सूत्रों का सहयोग प्राप्त न होने से स्थिति ओर कठिन हो सकती हैं। मददगार भी आपके लिए इस समय में आपको मदद नहीं कर पायेंगे। इसके अलावा माह अवधि में आपको कानूनी नियमों के अंतर्गत रहकर ही कार्य करना चाहिए।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों का संयोजन आपके पेशेवर जीवन के लिए अच्छा संकेत नहीं दे रहे हैं। अतः इस अवधि में आपको कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता हैं। लघु अवधि की यात्राओं से लाभ प्राप्ति के संयोग बहुत कम बन रहे हैं। इस मुश्किल समय में भी आप उत्तर दिशा की यात्रा कर आंशिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उम्मीद के अनुरुप तो नहीं

परन्तु कुछ कम लाभ उत्तर दिशा की यात्रा से आपको अवश्य प्राप्त हो सकते हैं। संपर्कों का सहयोग प्राप्त न हो पाने के कारण आपको कुछ निराशा का सामना करना पड़ सकता हैं। समय की कठिनाईयों को हल करने के लिए आपको अपनी क्षमता पर भरोसा रखना होगा। आपकी प्रतिकूल परिस्थितियों में आपके लिए कुछ सहयोगी हो सकती हैं। कार्य क्षेत्र की स्थिति सुखद रहने से कार्य करने में आपको आनंद आएगा। कार्यो का प्रतिफल उम्मीद के अनुरुप प्राप्त न होने के कारण आपको संतुष्टि प्राप्त नहीं हो पाएगी। कुल मिलाकर आपको इस माह के दौरान संवेदनशील मुद्दों पर सावधानी से चलना होगा।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन आपके पेशेवर जीवन के पक्ष से बहुत अच्छा न रहने की संभावनाएं बन रही हैं। इस समय में बहुत कड़ी मेहनत करने से स्थिति में कुछ सुधार हो सकता हैं। लेकिन कार्यो के बदले पुरस्कार की संभावना बिल्कुल नहीं बन रही हैं। कुछ यात्राओं के भी योग बन रहे हैं। यात्राओं से मनोकूल लाभ प्राप्ति की संभावनाएं नहीं बन रही हैं। कुछ महिला सहयोगियों के सहयोग से आप अपने पेशेवर जीवन की उपलबधियों को बढ़ाने का प्रयास कर सकते हैं। आपके मित्र और संपर्क सूत्र भी इस अवधि में आपके काम नहीं आयेंगे। अपने कौशल और प्रयासों से आप इस स्थिति में सुधार ला सकते हैं। इस माह के कुछ लाभों की स्थिति आपके प्रयासों पर भी निर्भर करेगी। धैर्य के साथ आप अच्छे सौदे तय करने के लिए प्रयासरत रहें।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की स्थिति बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। लाभ प्राप्ति की सभी संभावनाओं से सफलता प्राप्त करना आपके लिए बहुत कठिन कार्य हो सकता हैं। फिर भी आपको इसके लिए प्रयासरत रहना चाहिए। दक्षिण दिशा में यात्रा करने के परिणाम आपके लिए कुछ लाभप्रद हो सकते हैं। समय की प्रतिकूलता आपको उम्मीद के अनुसार लाभ प्राप्त नहीं होने देगी। संपर्क भी आपको किसी प्रकार से सहयोग नहीं कर पायेंगे। अतः इस अवधि में अपने कौशल और संसाधनों पर निर्भरता इस समय में अच्छा विचार हो सकती हैं। कठिन परिस्थितियों से निपटने में आपको काफी सावधान रहना होगा।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करने के लिए इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए काफी फायदेमंद बनी हुई हैं। इस समय में समय की विशेष शुभता बनी हुई हैं। अतः आप इस शुभ समय का लाभ उठाकर मनोकूल लाभ प्राप्त करें। समय की अनुकूलता होने के कारण आपको इस समय में प्रयास और संघर्ष अधिक नहीं करना होगा। शैक्षिक वर्ग के व्यक्तियों के साथ बातचीत और उनके साथ जुड़ना आपके जीवन में संतोष और समृद्धि ला सकता हैं। कुल

मिलाकर इस माह में कार्यों का परिणाम लाभ के रुप में प्राप्त हो सकता हैं। कुछ यात्राएं आपके लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं। विशेष रुप से पश्चिम दिशा में यात्रा करना आपकी व्यावसायिक उन्नति को प्रबल करेगा। कुछ महिला सहयोगियों की मदद आपके लिए अनुकूल सिद्ध हो सकती हैं।

कार्य क्षेत्र - 2028

वर्ष के प्रारम्भ में सप्तम स्थान पर गुरु एवं शनि के संयुक्त गोचरीय प्रभाव से आपको व्यापार में बहुत लाभ मिलेगा। वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। फरवरी के बाद आपके कार्य व्यवसाय में व्यवधान आ सकता है। अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से आपके कार्यों में गुप्त शत्रुओं द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं। कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का समय सामान्य रहेगा।

24 जुलाई के बाद समय कुछ अच्छा हो रहा है। व्यापार व कार्य क्षेत्र में सफलता मिलनी शुरु हो जाएगी। भाग्य अनुकूल होने के कारण आपको कार्यों में सफलता मिल सकती है। चतुर्थस्थ राहु के कारण नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण हो सकता है। यह स्थानान्तरण आपके मनोनुकूल स्थान पर नहीं होगा।

जनवरी 2028 के लिए फलादेश

माह अवधि में व्यावसायिक उन्नति करने के आपको बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सकते हैं। इस समय में आपको अत्यधिक कार्य करना पड़ सकता हैं। अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आपको अपनी दक्षता का प्रयोग करना होगा। यह आपकी सफलता को सुनिश्चित करेगा। सौदे तय करने में यात्रा एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता हैं। निर्धारित उद्देश्यों को आप योजना बनाकर प्राप्त करने में सफल रहेंगे। यह आपको लाभ प्राप्ति के नवीन अवसर प्रदान कर आपके लिए काफी फायदेमंद रहेगा। नौकरी या आपके व्यापार में परिवर्तन के बेहतरीन योग बन रहे हैं। यह आपके संचालन कार्यो को प्रभावित करेगा। किसी भी तरह का परिवर्तन हो आपको इसके लिए सावधानी के साथ विचार करना चाहिए। माह की शुभता के बावजूद आप स्वयं को असुरक्षित महसूस करेंगे.

फरवरी 2028 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की स्थिति बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। समय में शुभता की कमी होने के कारण इस अवधि में आपके अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गंभीर मतभेद उभर कर सामने आ सकते हैं। अपने प्रयासों से आपको ऐसी स्थितियों को टालने का प्रयास करना चाहिए। वरना इसका परिणाम आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए विनाशकारी हो सकता हैं। प्रयास करने पर भी अनुकूल फल प्राप्त न कर पाने के कारण आपमे मन में असुरक्षा की भावना प्रभावी हो सकती हैं। यह आपके पेशेवर जीवन को प्रभावित करेंगी। नौकरी या व्यापार के संचालन में जल्द- जल्द बदलाव आपके लिए सही नहीं रहेंगे। परिवर्तन करने से पूर्व सावधानी का प्रयोग करना चाहिए। इसके अतिरिक्त पश्चिम दिशा में यात्रा करना आपके लिए कुछ लाभदायक सिद्ध हो सकता हैं।

मार्च 2028 के लिए फलादेश

पेशेवर उन्नति के लिए यह माह बहुत शुभ नहीं बना हुआ हैं। इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए सकारात्मक नहीं बनी हुई हैं। माह अवधि में आपमें असुरक्षा की भावना प्रबल हो सकती हैं। इस अवधि में आप अपनी नौकरी या व्यापार के संचालन स्थल में परिवर्तन करने का सोच सकते हैं। यह बदलाव आपके लिए अनुकूल सिद्ध हो सकता हैं। फिर भी किसी भी तरह का परिवर्तन आपको सावधानी के साथ ही करना चाहिए। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गंभीर संघर्ष की स्थिति बन सकती हैं। इस स्थिति को यदि नियंत्रित न किया जाए तो इसके परिणाम आपके लिए विनाशकारी हो सकते हैं। आपको यह कोशिश करनी चाहिए कि आपको शीघ्र सुधारात्मक कार्यवाई करनी चाहिए। यात्राओं से भी उचित लाभ प्राप्ति के योग नहीं बन रहे हैं।

अप्रैल 2028 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों की स्थिति को देखते हुए यह माह आपके पेशेवर जीवन के लिए बहुत सुखद नहीं बन रहा हैं। अतः इस माह में आपकी व्यावसायिक उन्नति बहुत अच्छी न रहने की संभावना बन रही हैं। समय की प्रतिकूलता आपमें असुरक्षा की भावना उत्पन्न कर सकती हैं। नौकरी या व्यापार के संचालन में बदलाव करने से परिस्थितियों को संतुलित किया जा सकता हैं। परिवर्तन के लिए परिस्थितियां पूर्ण रुप से सहयोग कर रही हैं। फिर भी विवेचना और सावधानी के साथ ही कोई परिवर्तन करना चाहिए। व्यावसायिक यात्राएं आपके लिए निरर्थक साबित हो सकती हैं। तथा आपके अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गंभीर मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं। समय की प्रतिकूलता में अधिकांश परिणाम प्रतिकूल हो सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों से अपने संबंध बेहतर करने के प्रयास आपको करने चाहिए।

मई 2028 के लिए फलादेश

माह अवधि में अपने व्यावसायिक क्षेत्र में उन्नति प्राप्ति की कोई संभावना नहीं बन रही हैं। सितारों की स्थिति आपके पेशेवर जीवन के लिए सकारात्मक न होने के कारण ऐसा हो सकता हैं। यदि इस अवधि में आप सावधान नहीं है तो आपकी व्यावसायिक स्थिति पहले से भी कमजोर हो सकती हैं। शीघ्र लाभ प्राप्ति के लिए आप कानून के बाहर जाकर कार्य करने के इच्छुक हो सकते हैं। आपको ऐसी गतिविधियों से बचना चाहिए। यह आपके लिए विनाशकारी हो सकता हैं। अपनी उच्च महत्वाकांक्षाओं पर मजबूती से नियंत्रण लगाये रखने का प्रयास करना चाहिए। इस समय में लालच करना सही नहीं होगा। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गंभीर मतभेद सामने आने की संभावना बन रही हैं। प्रयास कर आपको इससे बचना चाहिए। इसके अतिरिक्त इस अवधि में आपमें असुरक्षा की भावना जन्म ले सकती हैं। आप जल्दी नौकरी या व्यापार में परिवर्तन करने की कोशिश कर सकते हैं। किसी भी तरह का बदलाव आपको सावधानी के साथ करना चाहिए।

जून 2028 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए विशेष रुप से शुभ नहीं बन रही हैं। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपके गंभीर अंतर सामने आ सकते हैं। आपको ऐसी स्थिति को रोकने का प्रयास करना चाहिए। आपमें असुरक्षा की भावना प्रभावी होकर आपके पूरे पेशेवर व्यवहार को प्रभावित कर सकती हैं। नौकरी या व्यापार में परिवर्तन से माह अवधि की परिस्थितियों को नियंत्रित किया जा सकता हैं। परिवर्तन से संतुलन की स्थिति बन सकती हैं। किसी भी क्षेत्र में परिवर्तन करने से पूर्व आपको सावधानी के साथ विवेचना करनी होगी। व्यावसायिक सौदे तय करने के लिए यात्रा करना आपके लिए लाभदायक नहीं रहेगा।

जुलाई 2028 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों का संयोजन आपकी व्यावसायिक उन्नति के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहा हैं। माह अवधि में आपको कठिन कार्य करना पड़ सकता हैं। फिर भी उद्देश्यों की प्राप्ति की संभावनाएं बहुत अधिक नहीं बन रही हैं। इसके अतिरिक्त इस अवधि में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गंभीर मतभेद की संभावनाएं बन रही हैं। आपको समय रहते मतभेदों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। वरना इसके परिणाम आपके लिए विनाशकारी हो सकते हैं। विपरीत परिस्थितियों को बदलने के लिए आपको स्वयं कोशिश करनी होगी। व्यावसायिक यात्राओं से उम्मीद के अनुरुप लाभ के योग नहीं बन रहे हैं। दक्षिण दिशा में यात्रा या प्रवास आपके लिए कुछ प्रतिशत लाभकारी साबित हो सकता हैं।

अगस्त 2028 के लिए फलादेश

यह माह आपके पेशेवर उन्नति के लिए लाभप्रद संभावनाओं से भरा हो सकता हैं। अवधि विशेष में सितारों की स्थिति आपके लिए अनुकूल बनी हुई हैं। लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आप बहुत मेहनत से काम करने की प्रवृति का पालन करेंगे। यह आपके व्यावसायिक कार्यों में दक्षता लाएगा। साथ ही इसके परिणाम स्वरुप आप अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। माह अवधि में आपके संचालन स्थल में बदलाव हो सकता हैं। आप चाहे नौकरी में हो या व्यापार क्षेत्र में दोनों में से किसी में भी आप कार्यरत हों इसमें परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवर्तन के फल आपके लिए सुखद बने हुए हैं। व्यावसायिक यात्राएं आपके लिए सुखद बनी हुई हैं। विशेष रुप से पश्चिम दिशा आपके लिए लाभदायक रहेंगी। शीघ्र लाभ प्राप्त करने के लिए आपके द्वारा कानून के बाहर जाकर कार्य करने की संभावनाएं बन रही हैं। आपको ऐसे कार्यों को करने से बचना चाहिए.

सितम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपके पेशेवर उन्नति के लिए बहुत उत्साहवर्धक नहीं बन रही हैं। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गंभीर मतभेद की स्थिति बनने की एक संभावना बन रही हैं। आपको ऐसी परिस्थितियों से बचना चाहिए। अन्यथा व्यावसायिक स्थल क माहौल कष्टकारी हो सकता हैं। इसके अलावा आप असुरक्षा की भावना को स्वयं में प्रवेश न करने दें। नौकरी या व्यापार के संचालन स्थल में बदलाव आपके लिए कुछ सुखद हो सकता हैं। इस कार्य के लिए आप अपनी नेतृत्व शक्ति का प्रयोग कर सकते है। किसी भी प्रकार का परिवर्तन करने के लिए आप सावधानी के साथ सूक्ष्मता से इनका विचार करने के बाद ही कोई निर्णय लें। व्यावसायिक कार्यो के लिए उत्तर दिशा की यात्रा करना आपके लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता हैं।

अक्तूबर 2028 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बनी हुई हैं। प्रतिकूल परिस्थिति होने से आप इस समय में स्वयं को सुरक्षित महसूस करेंगे। आप चाहे नौकरी में हों या व्यापार क्षेत्र दोनों में से किसी में भी हों, इसमें बदलाव की स्थिति की संभावनाएं बन रही हैं। वरिष्ठ अधिकारियों या वरिष्ठ नागरिकों के साथ आपके मतभेद की स्थिति बन सकती हैं। माह अवधि की प्रतिकूल परिस्थितियों को बदलने का आपको प्रयास करना चाहिए। इस अवधि में आपको बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ सकती हैं। फिर भी इन परिस्थितियों में आपको इच्छित परिणाम की प्राप्ति नहीं हो पाएगी। प्राप्त परिणामों से आप संतुष्ट बने रहेंगे। इस समय में आप बदलाव का न सोचें और अपने व्यवहार की चंचलता पर नियंत्रण बनाए रखें।

नवम्बर 2028 के लिए फलादेश

ग्रहों के योग इस अवधि में आपकी व्यावसायिक उन्नति के लिए बहुत उत्साहवर्धक नहीं बने हुए हैं। मेहनत के अनुपात में लाभों की प्राप्ति न हो पाने के कारण आप में अपने पेशों को लेकर असुरक्षा की भावना प्रभावी हो सकती हैं। व्यापार में हो या नौकरी में दोनों क्षेत्रों के कार्यो पर विपरीत असर हो सकता हैं। इस बात की संभावनाएं भी बन रही है कि अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए आपको बहुत कड़ी मेहनत करनी पड़े। नौकरी में बदलाव की संभावनाएं बन सकती हैं। इसके अतिरिक्त व्यापार के संचालन स्थल में भी परिवर्तन के योग बन सकते हैं। इस समय की परिस्थितियां आपके लिए असंतुष्ट करने वाली बनी हुई हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपके गंभीर मतभेद की स्थितियां बन सकती हैं। अपनी क्षमता का कुशलता से प्रयोग करना आपको विपरीत परिस्थितियों से बचा सकता हैं। कठिन परिस्थितियों में आप समय पर उपचारात्मक कार्यवाही करें.

दिसम्बर 2028 के लिए फलादेश

पेशेवर उन्नति के लिए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए बहुत शुभ नहीं बन रही हैं। माह अवधि में आपकी अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गंभीर मतभेद की स्थिति बन सकती हैं। अचानक से आने वाली विपरीत परिस्थितियों को टालने का प्रयास आपको करना चाहिए। अपने तरीके से कार्य कर आप ऐसी स्थिति को टाल सकते हैं। इस माह में आपमें असुरक्षा की भावना प्रभावी हो सकती हैं। आपके इस आचरण का असर आपके कार्य क्षेत्र पर भी होगा। माह अवधि में निर्धारित योजना के अनुसार उद्देश्यों की प्राप्ति आपके लिए कठिन कार्य हो सकता हैं.

धन संबंधी - 2026

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से भूमि, भवन, वाहन, रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। धनागम तो होता रहेगा। आप अपने भौतिक सुख सुबिधाओं पर अधिक खर्च करेंगे।

02 जून के बाद एकादश स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपकारुका हुआ धन मिल सकता है साथ ही आपके धनागम में वृद्धि होगी जिससे आप इच्छित बचत करने में सफल रहेंगे। आप अपनी संचित पूंजी बढ़ाने के लिए निवेश भी करेंगे। भाई-बहन या पुत्र के विवाह के अवसर पर धन खर्च हो सकता है।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह, सितारों के पास आपकी वित्तीय संभावनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए बहुत शुभ योग नहीं बन रहे हैं। माह अवधि में उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए जो योजनाएं बनाई जायेंगी, इसमें आपको छोटी सफलताएं ही प्राप्त होगी। आपको काफी संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है। सभी प्रकार के व्यापारियों और विदेश क्षेत्रों से व्यापार करने वाले व्यक्तियों को भी भाग्य की शुभता प्राप्त नहीं हो रही हैं। सभी क्षेत्रों के कलाकारों को इस माह में आर्थिक लाभ बहुत अच्छे प्राप्त नहीं होंगे। नये उद्यमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए समय अनुकूल नहीं बना हुआ हैं। वरना ऐसी योजनाओं पर कार्य अटक सकता है। हो सकता है कि आपको इस समय में कम लाभ के साथ ही संतोष करना पड़ सकता है।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से सितारों की स्थिति आपके लिए बहुत उत्साहवर्धक नहीं बनी हुई हैं। यदि आप किसी विवाद या मुकद्दमेबाजी में शामिल है तो इस माह में निश्चित रुप से फैसला आपके विपरीत जा सकता है। अतः इस प्रतिकूल समय में आपको ऐसे फैसलों को स्थगित करने का प्रयास करना चाहिए। चाहे इसके लिए आपको कड़ी मेहनत ही क्यों न करनी पड़े। यह भी संभावना बन रही है कि इस माह में आपके द्वारा ऋण के लिए किसी बैंक में दिया गये आवेदन को नये सिरे से देना पड़े और उसमें देरी हो सकती है या उसे नामंजूर किया जा सकता हैं। नई परियोजनाओं को शुरु करने के लिए या निवेश करने के लिए यह समय सही नहीं रहेगा। इन योजनाओं का कार्य सरलता से बाधित हो सकता हैं। सभी प्रकार के कलाकारों के लिए ग्रह शुभता प्रतिकूल बनी हुई है।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों का योग आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत प्रोत्साहित करने वाला नहीं बना हुआ हैं। ग्रहों की स्थिति बहुत सामान्य बनी हुई है। इसलिए इस समय में विशेष प्रयास करने पड़ सकते है। लेखकों, चित्रकारों, कलाकारों, और कला के अन्य

जानकारों के लिए भी आर्थिक पक्ष से यह समय बहुत शुभ नहीं बना हुआ हैं। इस समय में आपको नये अनुभवों का सामना करना पड़ सकता हैं। व्यापारी वर्ग, किराये से लाभ प्राप्त करने वाला वर्ग और विदेशी व्यापार करने वाले वर्ग को इस माह में प्रत्याशित रुप से अच्छे लाभ प्राप्त नहीं हो पायेंगे। इनके लिए समय काफी संघर्ष पूर्ण हो सकता हैं। सफलता पाने के लिए खास कोशिशें करनी पड़ सकती हैं। इसके अलावा नये उद्यमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए ग्रह स्थिति अनुकूल नहीं बन रही हैं। इनका कार्य सरलता से अटक सकता है।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन अनुकूल नहीं बना हैं इसलिए इस माह में आपकी वित्तीय संभावनाएं आपके लिए बहुत उत्साहजनक न होने के कारण लाभकारी नहीं बनी हुई है। लेखकों, चित्रकारों और ललित कला के जानकारों को इस माह में आर्थिक स्थिति के कमजोर होने का सामाना करना पड़ सकता हैं। इसके अलावा व्यापारी वर्ग को भी उम्मीद के अनुरुप किराया नहीं मिल पायेगा। उम्मीद अनुसार लाभ प्राप्त करने के लिए भी बहुत अधिक संघर्ष करना पड़ सकता है। इसके बाद भी ज्यादा सफलता प्राप्त करने की उम्मीद कम ही बन रही हैं। नये उद्यमों को शुरु करने के लिए और निवेश करने के लिए समय प्रतिकूल बना हुआ हैं। बैंको या वित्तीय संस्थानों में लंबित ऋण आवेदन पत्र के स्वीकार होने की आंशिक संभावनाएं बन रही हैं।

मई 2026 के लिए फलादेश

ग्रह एवं सितारों के अनुसार इस माह की वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत उत्साहजनक नहीं बनी हुई हैं। सभी प्रकार के व्यापारियों के लिए और किराये से आय प्राप्त करने वाले वर्ग के लिए भी यह समय उम्मीद के अनुसार लाभ अर्जित करने का नहीं हैं। लेखकों, चित्रकारों और कला से जुड़े कलाकारों के लिए यह अवधि प्रतिकूल बनी हुई हैं। इस अवधि में आपके द्वारा बनाई गई अधिकांश योजनाओं को अपना उद्देश्य प्राप्त करने में विशेष संघर्ष का सामना करना पड़ सकता हैं। नये उद्यम शुरु करने के लिए और निवेश करने के लिए प्रतिकूलता बनी हुई हैं। ऐसी योजनाओं का कार्य मध्य में अटक सकता हैं। इस अवधि में आपको कम लाभ / आय के साथ संतुष्ट रहना पड़ सकता है।

जून 2026 के लिए फलादेश

अपनी वित्तीय संभावनाओं के लिए यह माह उत्कृष्ट माह बना हुआ है। इस माह के अवसरों का लाभ उठाने के लिए आपको अग्रिम रुप से तैयार रहना होगा। लेखकों, चित्रकारों, मूर्तिकारों और अन्य कला जानकारों के लिए समय बेहद संतोषजनक बना हुआ है। इस प्रकार के क्षेत्रों से जुड़े लोगों को वित्तीय लाभ प्राप्त होंगे और अपने रचनात्मक उत्पादन से आप संतुष्ट रहेंगे। किराया प्राप्त करने वाले व्यापारियों को भी माह अवधि में पूर्ण लाभ प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। इस अवधि में अधिकांश उद्देश्य साकार होंगे। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए समय काफी अनुकूल बना हुआ है। आध्यात्मिक स्तर के व्यक्तियों के साथ जुड़ना

आपके लिए लाभ में परिवर्तित हो सकता है। ग्रहों की स्थिति आपके लिए यह एक बेहद संतोषजनक स्थिति बना रही हैं।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए काफी अनुकूल बने हुए हैं। समय की शुभता का आपको अधिकतम लाभ उठाने का प्रयास करना चाहिए। अपने सहयोगियों और अधिनस्थों की सेवाओं से अधिकतम लाभ उठाने के पक्ष से यह सबसे शुभ समय हो सकता है। प्राप्तियों के पक्ष से यह समय आपके लिए महत्वपूर्ण एवं लाभकारी समय सिद्ध हो सकता है। किसी बुजुर्ग सज्जन की सेवाओं के माध्यम से भाग्य की शुभता का लाभ आपको प्राप्त हो सकता है। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए समय की शुभता बनी हुई है। आपको साहसपूर्वक ऐसे प्रस्तावों की योजनाओं को लागू करना चाहिए।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बेहद उत्साहजनक बनी हुई है। यह माह आर्थिक क्षेत्रों से लाभ देकर आपके लिए काफी फायदेमंद बनी हुई हैं। कुछ बुजुर्ग सज्जनों के कारण भाग्य की शुभता अधिक प्राप्त होने की संभावना बन रही है। इस समय में आप अपने अधीनस्थों और सहकर्मियों की सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाने में सफल रहेंगे। आर्थिक रुप से यह आपके लिए बहुत बड़ा वरदान सिद्ध होगा। नये उद्य मों की शुरुआत करने और निवेश करने के लिए समय शुभता बनी हुई है। साहस के साथ ऐसे प्रस्तावों का आपको लाभ उठाना चाहिए। ऐसी योजनाओं के लिए समय काफी अनुकूल बना हुआ है।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

सितारों का संयोजन आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बना हुआ है। अतः इस माह में वित्तीय संभावनाएं आपके लिए बहुत अच्छी नहीं बनी हुई हैं। इस माह में बहुत प्रयास करने पर भी आपको कम फल प्राप्त हो सकते हैं। निर्धारित उद्देश्यों में बहुत अधिक संघर्ष करने पर भी अधिकांश उद्देश्यों की प्राप्ति आपको नहीं हो पायेगी। इसके अलावा यह भी संभावना बन रही है कि लेखकों, चित्रकारों और अन्य कलाकारों के लिए यह अवधि कमजोर बनी हुई हैं। इसके अलावा नए उद्यमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए ग्रह स्थिति सौहार्दपूर्ण नहीं बनी हुई हैं। इन योजनाओं का कार्य मध्य में अटक सकता हैं। कुल मिलाकर इस माह में स्थिति प्रतिकूल रहेगी। अतः इस समय में आपको कम आय के साथ ही संतोष करना पड़ सकता हैं।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

इस महीने की वित्तीय संभावनाएं आपके लिए काफी फायदेमंद सिद्ध हो रही है। आपको इनका अच्छे से उपयोग करना होगा। लेखकों, चित्रकारों और कला से जुड़ें व्यक्तियों के

लिए वाणिज्यिक दृष्टि से ग्रह योग बहुत अनुकूल बन रहे है। इस समय की अपनी कलात्मक और रचनात्मक उत्पादन से यह वर्ग संतुष्ट रहेगा। माह अवधि में व्यापारी भी बहुत अधिक धन कमाने में सफल रहेंगे। इस समय में ज्यादातर क्षेत्रों से उम्मीद के अनुरूप लाभ प्राप्त होंगे। इसके अतिरिक्त यह माह नए उद्यम में धन निवेश करने के लिए अनुकूल बना हुआ है। नए सिरे से बैंकों, वित्तीय संस्थानों से ऋण आवेदन प्रस्ताव सहजता से स्वीकार किए जा सकते हैं।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का योग आर्थिक रूप से आपके लिए काफी अनुकूल बना हुआ है। वित्तीय पक्ष से यह बहुत शुभ स्थिति है। विदेश स्थानों से व्यापार करने के लिए भी स्थिति उत्तम बनी हुई है। यह शुभता सभी प्रकार के व्यापारियों के लिए लागू हो रही है। सभी व्यापारी इसका लाभ उठा सकते है। विशेष रूप से लेखकों, चित्रकारों, मूर्तिकारों और अन्य कला जानकारों के लिए वित्तीय लाभ प्राप्ति के सुखद अवसर बने हुए है। इस समय में ऐसे व्यक्तियों को रचनात्मक उत्पादन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। यह समय आपके लिए बहुत ही संतोषजनक समय सिद्ध होगा। इसके अलावा नए उद्यम में निवेश करने और शुरू करने के लिए अनुकूल होगा। ऐसी कोई योजना हो तो आपको इन्हें शीघ्र क्रियान्वित करना होगा। कुल मिलाकर यह एक अंत्यंत लाभकारी माह रहेगा।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का योग वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहा हैं। लेखकों, चित्रकारों, कलाकारों और कला के अन्य जानकारों के लिए यह अवधि बेहद कमजोर बनी हुई है। कठिन समय में इस वर्ग के व्यक्तियों को सतर्कता से रहना होगा। इसके अतिरिक्त व्यापारियों विशेष कर विदेश स्थानों से व्यापार करने वाले व्यक्तियों के लिए भी ग्रह प्रतिकूलता बनी हुई है। माह में शुभता की कमी के कारण आपको इस समय में सफलता हासिल करने में बहुत अधिक संघर्ष करना पड़ सकता है। इसके बाद ही आप अपने उद्देश्यों को आंशिक रुप में प्राप्त कर पायेंगे। तथा नये परियोजनाओं को शुरु करने के लिए एवं इनमें निवेश करने के लिए सितारों की अनुकूलता नहीं बनी हुई है। ऐसी योजनाओं का कार्य मध्य में अटक सकता है।

धन संबंधी - 2027

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहेगा। एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से धनागम में निरंतरता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में आपके भाइयों का मुख्य योगदान होगा। कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। फंसा हुआ या रुका हुआ धन मिलने की सम्भावना है, परन्तु गुरु ग्रह के गोचर के बाद समय प्रभावित हो सकता है।

जून के बाद समय काफी प्रतिकूल हो रहा है। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। अतः किसी प्रकार के जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें। लेन देन के मामले में हमेशा सावधान रहें। 26 नवम्बर के बाद समय फिर से अनुकूल हो रहा है।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

इस माह की वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से माह अवधि के ग्रह एवं सितारों की स्थिति आपके लिए विशेष रुप से उपयोगी नहीं बन रही हैं। विदेश स्थानों और अंतराज्यीय संघों के साथ मिलकर कार्य करना आपके लिए हानिकार हो सकता हैं। बहुत प्रयास करने पर भी इससे पूर्व बनाई गई योजनाओं के उद्देश्यों को प्राप्त करने में आपको काफी कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती हैं। नये उदयमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए समय प्रतिकूल बना हुआ हैं। इसलिए ऐसी योजनाओं को स्थगित करना ही बेहतर रहेगा। इसके अलावा नई साझेदारी और व्यावसायिक संगठनों के साथ नये सिरे से कार्य करना अभी लाभकारी नहीं बना हुआ हैं। कम आय पर ही आपको इस माह संतोष करना पड़ सकता हैं।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

इस माह की वित्तीय संभावनाएं सितारों के पक्ष से बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। आपका किसी मुकद्दमेबाजी या विवाद में शामिल होने पर इसका फैसला आपके खिलाफ जा सकता हैं। आप कोशिश करें कि अनुकूल अवधि तक आप ऐसे निर्णयों को शुभ समय आने तक टाल दें। सरकार के साथ कार्य करने में आपको लाभ न होने की संभावना बन रही हैं। विदेश स्थानों या अंतराज्यीय क्षेत्रों से वित्त व्यवहार करते हुए आपको बाधाओं का सामना करना पड़ सकता हैं। बहुत अच्छे प्रयास करने के बावजूद आपका ऐसे क्षेत्रों से सफलता प्राप्त करना काफी कष्टकारी सिद्ध हो सकता हैं। इसके अलावा नियोजित लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी आपके लिए संघर्ष की स्थिति बन सकती हैं। वित्तीय संस्थानों या बैंकों में ऋण प्राप्त करने के लिए आपको एक बार फिर से आवेदन देना पड़ सकता हैं। इससे पूर्व दिए गए आवेदन के बैंक के द्वारा वापस करने की संभावनाएं बन रही हैं।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। लेखकों, कलाकारों, मूर्तिकारों और अन्य कला जानकारों के लिए इस अवधि

में संभावनाएं सुखद नहीं बनी हुई हैं। शैक्षिक क्षेत्र के प्रतिभाशाली लोगों के साथ कार्य करने के लिए बनाई गई अधिकांश योजनाओं के लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए आपके लिए संघर्ष की स्थिति बन सकती हैं। बहुत अधिक प्रयास करने के बाद भी आपको इनमें ज्यादा सफलता प्राप्त नहीं हो पायेगी। बैंकों या वित्तीय संस्थाओं से ऋण के लिए आवेदन के प्रस्ताव इस समय में स्वीकृत न होने की संभावना बन रही हैं। नए उदयमों का विस्तार करने और निवेश करने से संबंधित योजनाओं को समय के शुभ होने तक स्थगित करना ही हितकारी रहेगा।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

इस माह में बन रही ग्रह एवं सितारों की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। इस समय में आपका अंतराज्यीय वाणिज्यिक लेन-देन और विदेशी व्यापार संबंध बनाना आपके लिए हानि का कारण बन सकता हैं। माह अवधि में सामान्य लाभ प्राप्त करने के लिए भी बहुत अधिक संघर्ष करना पड़ सकता हैं। फिर भी आपको इनमें सफलता प्राप्त होने की संभावना कम ही बन रही हैं। नए उद्यमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए ग्रह अनुकूल नहीं बने हुए हैं। यदि इन पर कार्य आरम्भ किया जाता है तो इनका कार्य मध्य में बाधित हो सकता हैं। इसके अलावा बैंकों या वित्तीय संस्थानों से ऋण प्राप्ति की मंजूरी प्राप्त करना आपके लिए इस समय में सहज नहीं होगा। यह आपके लिए अनुकूल अवधि नहीं हैं। इसलिए अवधि की प्रतिकूलता समाप्त होने तक आपको कम लाभ पर ही संतोष करना होगा।

मई 2027 के लिए फलादेश

इस माह में बन रहे सितारों की भविष्यवाणी के अनुसार इस समय की वित्तीय संभावनाएं बहुत उत्साहवर्धक नहीं बन रही हैं। विदेशी व्यापार में लगे व्यक्तियों के लिए यह समय प्रतिकूल सिद्ध हो सकता हैं। ऐसे क्षेत्रों में आपको कुछ न कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता हैं। समय के प्रतिकूल होने के कारण इस समय की अधिकांश योजनाओं में सफलता प्राप्त होने की संभावना कम ही बन रही हैं। नियोजित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपको थोड़ा संघर्ष करना पड़ सकता हैं। नए उद्यमों में निवेश करने से बचें। इसके अतिरिक्त बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्ति आपके लिए सहज नहीं होगी। आपके द्वारा बैंकों को भेजे गए ऐसे प्रस्तावों को वापस किया जा सकता है।

जून 2027 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के लिए यह काफी संतोषजनक बना हुआ है। इस माह में आपको बिना कठिनाई के महत्वपूर्ण बढ़त प्राप्त होगी। सीखने और आध्यात्मिक स्तर के प्रतिभाशाली लोगों के साथ जुड़ना आपको मानसिक संतुष्टि देगा। उद्यमों का सफल समापन किया जा सकता हैं। संस्कृति का शोधन करने के लिए यह संतोषजनक समय है। आप अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उद्देश्यों की प्राप्ति के मार्ग में कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ देरी की संभावनाएं बन रही है। फिर भी इसमें सफलता सुनिश्चित बन

रही हैं। यह बहुत अच्छी अवधि है। इसमें आपको संतोष जनक स्थिति बनी हुई हैं।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से सितारों की स्थिति काफी उत्साहजनक बन रही हैं। किसी बुजुर्ग व्यक्ति के द्वारा की गई सेवाओं से आपको लाभ प्राप्ति का एक विशिष्ट मौका मिल सकता है। कुछ महिला सहयोगियों या सदस्यों के माध्यम से आपका साझेदारी या व्यावसायिक संघ के रुप में कार्य करना भाग्यवर्धक सिद्ध हो सकता हैं। उम्मीद के अनुरुप आपको लाभ प्राप्त होंगे। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए ग्रह स्थिति काफी अनुकूल बनी हुई हैं। इस समय में ऐसी सभी योजनाओं को क्रियांवित किया जा सकता हैं। इसके अतिरिक्त इस अवधि में बैंको या वित्तीय संस्थानों में ऋण आवेदन के लिए आपको नये सिरे से प्रस्ताव देने होंगे जो शीघ्र मंजूर भी हो सकते हैं। इस विषय में यह समय उत्कृष्ट बना हुआ है।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपकी वित्तीय संभावनाओं को बेहतरीन करने के लिए अनुकूल बन रहे हैं। आपके कार्यालयों में किसी बुजुर्ग व्यक्ति का सहयोग या माध्यम काफी हद तक आपको लाभ प्राप्ति का एक विशिष्ट मौका देगा। इसके अतिरिक्त इस अवधि में किसी महिला सहयोगी के साथ साझेदारी या व्यावसायिक संघ आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता हैं। यह आपको अपने लाभ बढ़ाने में सहयोग करेगा। आप अपने अधिनस्थों की सेवाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करने में सक्षम रहेंगे। अपने कार्यकर्ताओं के सहयोग से भी आपको बड़ा लाभ होगा। नये उद्यम शुरु करने और निवेश करने के लिए यह समय अनुकूल बना हुआ हैं। आपको हिम्मत के साथ ऐसे प्रस्तावों को क्रियांवित करना चाहिए।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

आध्यात्मिक स्तर के प्रतिभाशाली लोगों के सहयोग के बावजूद, यह माह आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए अनुकूल नहीं बन रहा हैं। इस समय में अपने अधिकांश लक्ष्यों को प्राप्त करने में आपको संघर्ष करना होगा। अत्यधिक प्रयास करने के बाद भी आपको बहुत अधिक सफलता प्राप्त नहीं होगी। नए उद्यमों को शुरु करने और इनमें निवेश करने के लिए ग्रह योग अनुकूल नहीं बन रहे हैं। बैंकों या वित्तीय संस्थानों से ऋण प्राप्ति के लिए नए सिरे से आवेदन पत्र देने पड़ सकते हैं। विदेशी व्यापार में लगे व्यक्तियों के लिए भी समय की प्रतिकूलता बनी हुई हैं।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

सितारों की स्थिति आपकी आर्थिक स्थिति को प्रबल कर रही हैं। आर्थिक रुप से यह आपके लिए बेहतरीन अवसर सिद्ध हो सकता हैं। इस माह में आपको प्रत्याशित लाभ प्राप्त करने में सफलता मिलेगी। वर्तमान में चल रही योजनाओं का संचालन सुचारु रुप से

करने के लिए समय काफी अनुकूल बन रहा हैं। नये उद्यमों की योजनाओं को शुरु करना और इनमें निवेश करना लाभकारी रहेगा। वित्तीय स्थितियां इस अवधि में सकारात्मक बन रही है। ऋण प्राप्ति के प्रयास भी सफल रहेंगे। यहां तक की विदेशी बैंकों के साथ भी सौदे सफल हो सकते हैं। तथा अपने देश के बैंको के साथ किए गये सौदे आपके लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकते हैं। आपके द्वारा बनाई गई अधिकांश योजनाओ का उद्देश्य लाभदायक रहेगा। विस्तार और विकास के लिए समय अनुकूल बना हुआ हैं।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के लिए इस माह की ग्रह स्थिति बहुत उत्तम नहीं बनी हुई हैं। मौजुदा परियोजनाओं का कुशलता पूर्वक कार्य चलाने के लिए आपको संचालन प्रणाली में सुधार करना होगा। तथा लाभ प्राप्ति के लिए आपको संघर्ष भी करना पड़ सकता हैं। इस माह अवधि में अधिकांश उदेश्यों में शानदार सफलता प्राप्ति के योग नहीं बन रहे हैं। नये उदयमों को शुरु करने और इनका विस्तार करने के लिए समय की अनुकूलता नहीं बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त वित्तीय संस्थानों या बैंकों में आपके लंबित ऋण इस समय में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। प्रतिकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। इसलिए इस समय में आप सावधानी बरतें।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह की वित्तीय संभावनाओं के लिए सितारों की स्थिति बहुत उत्साहजनक नहीं बन रही हैं। माह अवधि में आपको निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने में संघर्ष का सामना करना पड़ सकता हैं। इससे पूर्व लंबित लक्ष्यों को साकार करने के लिए भी आपको कठिन काम करना होगा, क्योंकि प्रतिकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। इसलिए थोड़ी सफलता से भी आपको संतोष करना पड़ सकता हैं। नये उद्यमों को शुरु करने और इनमें विस्तार के लिए ग्रह स्थिति अच्छी नहीं बनीं हुई हैं। चित्रकारों, लेखकों, मूर्तिकारों के लिए समय की शुभता नहीं बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त कला जगत से जुड़े अन्य कलाकारों के लिए भी समय अनुकूल नहीं बना हुआ है। प्रतिकूल समय के समाप्त होने तक कम लाभ प्राप्त होने पर भी धैर्य से काम लें।

धन संबंधी - 2028

फरवरी के बाद आर्थिक उन्नति के लिए समय उत्तम नहीं रहेगा। कुछ ऐसे खर्च आ सकते हैं जिससे आपको आर्थिक हानि हो सकती है। आय के सारे मार्ग प्रभावित हो सकते हैं। इन सब के बावजूद आपका पैसा भी खो सकता है। किसी को उधान पैसा न दें। बच्चों के स्वास्थ्य पर भी व्यय हो सकता है।

24 जुलाई के बाद समय कुछ अच्छा हो रहा है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है जिससे आर्थिक स्थिति में कुछ सुधार होना शुरु होगा। सप्तम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से पत्नी या मित्रों से धन लाभ होगा। अपने व्यापार को और आगे बढ़ाने में भी धन व्यय करेंगे। चतुर्थस्थ राहु के कारण भौतिक सुख-सुविधाओं पर भी आपका खर्च होगा।

जनवरी 2028 के लिए फलादेश

ग्रहों की स्थिति के अनुसार इस अवधि में आपकी वित्तीय संभावनाएं उत्तम नहीं रहेंगी। अटकलों आदि और पूर्वानुमानों से आपको गंभीर नुकसान होने के संकेत बन रहे हैं। इसके अतिरिक्त आपको प्रत्येक प्रकार के जुए आदि से दूर रहना चाहिए। वरिष्ठ अधिकारियों या कर्मचारियों के साथ संबंध भी गंभीर नुकसान का कारण बन सकते है। सावधानी रखने से हानि से बचा जा सकता हैं। परन्तु इसके विरुद्ध कदम उठा कर और इसके लिए अग्रिम योजना बनाकर आप सावधान रह सकते हैं। शीघ्र अत्यधिक धन प्राप्त करने के उद्देश्य से धन निवेश करना आपको बड़ी हानि दे सकता है। यह आपके हित में नहीं है। इससे आपके लिए परेशानी पैदा हो सकती हैं। नये उदयमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए समय प्रतिकूल बना हुआ हैं।

फरवरी 2028 के लिए फलादेश

वित्तीय उन्नति के पक्ष से यह माह अनुकूल नहीं रहेगा। सितारों की स्थिति इस माह में बहुत अच्छी नहीं बन रही हैं। माह अवधि में अटकलों और पूर्वानुमानों से भी आपको गंभीर नुकसान होने के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं। माह अवधि में आपको जुए आदि से दूर रहने की सलाह दी जाती हैं। आपका किसी विवाद या मुकद्दमेबाजी में सम्मिलित होने पर बड़ा नुकसान हो सकता हैं। ऐसे विवादों का फैसला आपके खिलाफ हो सकता हैं। पहले से ही सावधान रहना आपको हानि से बचाएगा। यदि संभव हो तो ऐसे निर्णयों को शुभ समय आने तक स्थगित करना ही हितकारी रहेगा। आपको इसके लिए प्रयास करना चाहिए। वरिष्ठ अधिकारियों या कर्मचारियों के साथ वादि-ववाद की संभावना बन सकती हैं। सावधानी रखने से ऐसे नुकसान से बचा जा सकता हैं।

मार्च 2028 के लिए फलादेश

इस माह में बन रहे ग्रह सितारों के अनुसार यह माह आपके लिए आर्थिक पक्ष से

अनुकूल नहीं बन रहा हैं। वरिष्ठ अधिकारियों से आपके संबंध बिगड़ने की संभावना बन रही हैं। इनके कारण आपको कुछ नुकसान हो सकता हैं। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आपका दूरदर्शिता दिखाते हुए, इसे रोकने के लिए अग्रिम कार्यवाई करना लाभकारी रहेगा। अटकलें और पूर्वानूमान लगाने से भी निश्चित रुप से आपको हानि हो सकती हैं। साथ ही आपको जुए आदि से भी दूर रहना चाहिए। वरना इसके नतीजे आपके लिए गंभीर नुकसान का कारण बन सकते हैं। धन प्राप्ति के लिए उच्चाभिलाषी होने पर आपका धन फंसने की संभावनाएं बन रही हैं। इस प्रकार की गतिविधियों से दूरी बनाकर रहना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

अप्रैल 2028 के लिए फलादेश

सितारों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस माह की वित्तीय संभावनाएं आपके लिए विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रही हैं। यह माह आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं रहेगा। जोखिम पूर्ण क्षेत्रों, पूर्वानुमानों और अटकलों के अनुसार धन निवेश करना आपके लिए गंभीर नुकसान का कारण बन सकता हैं। विपरीत समय में आपको प्रत्येक प्रकार के जुए से दूर रहना चाहिए। वरिष्ठ अधिकारियों के कारण घाटा होने की एक अलग संभावना बन रही हैं। इस समय में आपके इनसे संबंध बिगड़ने की संभावना बन रही हैं। ऐसी स्थिति को रोकने के लिए आप को समय रहते सुधारात्मक कार्यवाई करनी चाहिए। नई परियोजनाओं को शुरु करने और निवेश करने के लिए समय अनुकूल नहीं बन रहा हैं। समय में शुभता की कमी होने के कारण आपको ऐसी योजनाओं को स्थगित कर देना चाहिए।

मई 2028 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह सितारें आपकी आर्थिक स्थिति के पक्ष से उत्तम बने हुए हैं। इस समय में आप स्वयं को प्रसन्नचित्त और ऊर्जा युक्त महसूस करेंगे। अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए समय अनुकूल बना हुआ हैं। माह शुभता का लाभ उठाने के लिए आपको साहसपूर्वक आगे बढ़ना होगा। यह आपको सफलता प्राप्ति में पूर्ण सहयोग देगा। इस समय की परिस्थितियां अनुकूल होकर आपके लाभ स्तर को ऊपर लेकर जायेंगी। पूर्वानुमान और जोखिम पूर्ण क्षेत्रों से भी लाभ प्राप्ति संभव होगी। बड़े सौदे संपन्न होंगे और उम्मीद से अधिक लाभ मिलेंगे। वरिष्ठ अधिकारियों के संबंध इस कार्य में आपको मदद कर सकते हैं। नए उदयमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए ग्रह अनुकूलता बनी हुई हैं।

जून 2028 के लिए फलादेश

लाभकारी माह होने के कारण आपको इस माह में वित्तीय विषयों को लेकर अधिक चिंताएं नहीं रहेंगी। अचानक लाभ प्राप्ति के बड़े योग बन सकते हैं। पूर्वानुमानों से भी आपको काफी कुछ लाभ होने की संभावनाएं बन रही हैं। ग्रह सितारों की शुभता आपकी वित्तीय स्थिति के लिए वरदान साबित हो सकती है। किसी बुजुर्ग व्यक्ति का सहयोग भी आपको लाभ वृद्धि दे सकता हैं। इसके अलावा वरिष्ठ अधिकारियों से संबंध बनाना आपके रिश्तों के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता हैं। सीखने वाले वर्ग और आध्यात्मिक स्तर के कई प्रतिभाशाली

लोगों के सहयोग से आपको लाभ प्राप्तियां हो सकती हैं।

जुलाई 2028 के लिए फलादेश

इस माह की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए शुभ संकेत दे रही हैं। माह अवधि में बन रहे ग्रह सितारों का योग आपकी आर्थिक स्थिति के लिए अनुकूल बना हुआ हैं। माह अवधि में आपको अचानक से लाभ प्राप्ति के योग बन सकते हैं। पूर्वानुमान और अटकलें आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती हैं। लेखकों, कवियों और अन्य कलाकारों के लिये यह समय उपयोगी रहेगा। इस समय में यह वर्ग अपनी कला सिद्ध करने में सफल रहेगा। आर्थिक संपन्नता और रचनात्मक उत्पादन के लिए ग्रह सितारें लाभकारी बने हुए हैं। बुद्धिमान सहभागिता आपके लिए लाभकारी साबित हो सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों को निश्चित रुप से बड़ा लाभ प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। नए उदयमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए समय की शुभता बन रही हैं।

अगस्त 2028 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के लिए यह समय शुभ फलदायक नहीं बन रहा हैं। इस माह में बन रहे सितारों का संयोजन आपको उच्च लाभ दिला सकता हैं। अचानक से बड़े लाभ प्राप्ति के योग बन रहे हैं। दूसरों के सहयोग से भी बड़े मुनाफे मिल सकते हैं। सट्टा गतिविधियों से आपको लाभ प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। शीघ्र धन प्राप्ति के साधनों में धन निवेश करना आपके लिए उपयोगी साबित हो सकता हैं। इस समय में आपके द्वारा किए गए प्रयासों में सफलता प्राप्ति के योग बन रहे हैं। इसके अलावा आप अपने अधीनस्थों की सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाने में सक्षम रहेंगे। इनके द्वारा भी आपको महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होंगे। तथा आपके लिए यह माह काफी लाभकारी माह साबित होगा। पुराने सज्जनों की सेवाओं के फलस्वरुप या इनके माध्यम से लाभ की एक अलग संभावना बन रही है।

सितम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह में ग्रह एवं सितारें आपके लिए अनुकूल नहीं बन रहे हैं। यह आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए सही संकेत नहीं हैं। सितारों का विपरीत होना आपकी आर्थिक स्थिति को कमजोर कर सकता हैं। वरिष्ठ अधिकारियघं के साथ संबंध बिगड़ने से आपको नुकसान हो सकता हैं। यह संभावना आपके लिए शुभफलदायक नहीं हैं इसलिए आपको इससे बचने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। माह अवधि में निर्धारित किए गए उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए बनाई गई योजनाओं में आपके लिए अवसरों की कमी हो सकती हैं। उद्देश्य प्राप्ति के लिए आपको इस समय में संघर्ष करना पड़ सकता हैं। अत्यधिक धन प्राप्ति के लिए आपको जोखिम पूर्ण क्षेत्रों में धन निवेश करने से बचना होगा। यह आपकी आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता हैं। इसके अतिरिक्त इस समय में अटकलों और पूर्वानुमानों के अनुसार धन निवेश करना सही नहीं होगा।

अक्तूबर 2028 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत प्रतिकूल बन रही हैं। इस माह अवधि में आपको अपने वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग न मिल पाने के कारण गंभीर नुकसान उठाना पड़ सकता हैं। आपसी संबंधों में गतिरोध उत्पन्न होने के कारण ऐसा हो सकता हैं। आपको ऐसी परिस्थितियां के प्रति सावधान रहना चाहिए। इसलिए आपको इस माह खास ध्यान रखना होगा। पूर्वानुमान और अटकलों के मध्यम से आपको घाटा या हानि हो सकती हैं। किसी भी प्रकार का जुआ भी आपके लिए धन निवेश का अच्छा विचार नहीं हैं। नए उदयमों में निवेश करने के लिए समय अनुकूल नहीं बना हुआ हैं। आपको ऐसी योजनाओं को क्रियांवित करने से बचना चाहिए। तथा इस समय में आपको धैर्य के साथ शुभ समय की प्रतिक्षा करनी होगी।

नवम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का योग वित्तीय पक्ष से आपके लिए बहुत शुभ फलदायक नहीं बन रहें हैं। आर्थिक पक्ष से स्थिति इस समय में काफी उज्जवल नहीं बन रही हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंध प्रभावित होने से आपके लिए हानि की स्थिति बन सकती हैं। ऐसे संबंधों में आपको बुद्धिमानी और दूरदर्शिता से काम लेना होगा। इस समय यह भी संभावना बन रही हैं कि आपको धैर्य शक्ति से काम लेना पड़ेगा। जोखिम पूर्ण क्षेत्रों, अट्कलों और पूर्वानुमानो के माध्यम से धन निवेश करने पर आपके लिए गंभीर नुकसान की स्थिति बन सकती हैं। इसके अतिरिक्त इस माह में आपको जुआ आदि से भी दूर रहना चाहिए। नए उदयमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए समय की अनुकूलता नहीं बनी हुई हैं। इसलिए ऐसी योजनाओं को शुभ समय आने तक स्थगित करना ही लाभकारी रहेगा।

दिसम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह में सितारों की स्थिति अनुकूल नहीं बनी हुई हैं। जिसके कारण वित्तीय संभावनाएं इस माह में उज्जवल नहीं रहेंगी। लेखकों, कवियों और इसी वर्ग के अन्य व्यक्तियों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती हैं। रचनात्मक और कलात्मक कार्यों का उत्पादन कुछ कम हो सकता हैं। विपरीत परिस्थितियों में सावधानी बनाए रखना हितकारी रहेगा। सट्टा गतिविधियों में आपको काफी नुकसान हो सकता हैं। जुए आदि क्रियाओं से भी आपको दूर रहना होगा। माह अवधि में आपको वरिष्ठ अधिकारियों के संबंधों के कारण गंभीर नुकसान हो सकता हैं। इस प्रकार की परिस्थितियों से आपके लिए बचना ही उचित रहेगा।

परिवार - 2026

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल रहेगा। चतुर्थ स्थान पर गुरु एवं शनिग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको माता पिता सहित पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा।

02 जून के बाद आपको प्रेम प्रसंगो में भी सफलता प्राप्त होगी। यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह हो जाएगा। यदि आप विवाहित हैं तो आपके जीवनसाथी के साथ सम्बन्ध मधुर होंगे। तृतीय स्थान में गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आप सामाजिक कल्याण के लिए कुछ विशेष कार्य संपन्न करेंगे।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

कुछ मामूली परेशानियों के साथ यह माह आपके लिए विशेष फायदेमन्द रहेगा। आपमें से बहुत से लोगों का अपने पिता के प्रति भक्ति भाव बढ़ेगा। परिवार के बड़े भी आपको आशीर्वाद देंगे और ऐसे वातावरण में आपके बच्चे आपसे अच्छा व्यवहार रखेंगे और पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में भी भाग लेंगे।

परिवार के सभी सदस्य संतुष्ट रहेंगे। मामा के पक्ष से लाभ होगा। आर्थिक पक्ष अनुकूल बना रहेगा। परिवार के आय में वृद्धि होगी। कुल मिलाकर हर प्रकार से यह माह आपके लिए लाभदायक रहेगा।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर के अनुसार आपके परिवार के लिए खुशनुमा माहौल की सम्भावनाएं बहुत कम हैं। बन्धु-बान्धवों से सम्बन्धों में कटुता के चलते परिवार का वातावरण बेहद दुःखदायी हो सकता है। किसी भी संवेदनशील स्थिति का सामना होने पर अपना मानसिक संतुलन न खोएं तथा शांति बनाए रखें।

पारिवारिक वातावरण अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरेगा तथा मातुल पक्ष के साथ सम्बन्धों में कड़वाहट आ सकती है। आपके बच्चों पर कड़ी निगरानी की आवश्यकता है। उसके लिए अपना समय और शक्ति का इस्तेमाल करते हुए उनकी गतिविधियों पर ध्यान देना होगा।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस माह आपके पारिवारिक मामलों के लिए समय प्रतिकूल ही बना रहेगा। आपको अपने बच्चों अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता है और ऐसा न करने पर उन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की सम्भावना है जिसके फलस्वरूप वे अनुशासनहीन हो सकते हैं।

उनके प्रदर्शन में गिरावट आ सकती है। और वे अध्ययन कार्य से विमुख हो सकते हैं। उनके क्रिया कलापों पर नजर रखें तथा परिवार के माहौल में कड़वाहट न आने दें। मातुल

पक्ष के साथ सम्बन्ध तेजी खराब हो सकते हैं। जल्दबाजी व लापरवाही संबंधियों से मतभेद की स्थिति उत्पन्न कर सकती है।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर की दृष्टि से इस माह कुछ भी विशेष अनुकूल नहीं जा पड़ता। आर्थिक रूप से आपकी प्रगति में बाधाओं के संकेत हैं। इसलिए अपने खर्च पर नियंत्रण रखने हेतु योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें।

पारिवारिक वातावरण खुशनुमा नहीं रहेगा और आपके बच्चों का व्यवहार भी आपके लिए चिन्ता का सबब बनेगा। उनकी गतिविधियों पर नियंत्रण रखें । मातुल पक्ष के लोगों से मतभेद बढ़ सकते हैं। कोई भी कार्य करते हुए उच्छृखल व्यवहार का प्रदर्शन न करें।

मई 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार यह माह आपके आर्थिक लाभ व बेहतर पारिवारिक उन्नति के साथ साथ उत्तम वातावरण के संकेत लेकर आ रहा है। मातुल पक्ष से लाभ होगा तथा कुल पारिवारिक आय में भी वृद्धि के संकेत हैं।

आपकी अपने पिता के प्रति श्रद्धा भाव में वृद्धि के अतिरिक्त आपके बच्चों व अन्य पारिवारिक सदस्यों में उत्तम तालमेल बना रहेगा। बच्चों की पढ़ाई व अन्य गतिविधियो में बेहतर प्रदर्शन से भी आप संतुष्ट रहेंगे। यह माह आपके लिए कुल मिलाकर प्रसन्नता दायक रहेगा तथा परेशानियां न के बराबर होंगी।

जून 2026 के लिए फलादेश

यह माह आपके लिए लाभदायक रहेगा। मातुल पक्ष से लाभ होगा। परिवार की कुल आय में उत्तम ग्रह गोचर के प्रभावस्वरूप वृद्धि के योग हैं।

घरेलू वातावरण घर के सभी सदस्यों में उत्तम तालमेल के चलते स्नेह व सौहार्दपूर्ण बना रहेगा। आपको बच्चों के बेहतर प्रदर्शन व व्यवहार से अतिरिक्त प्रसन्नता प्राप्त होगी और परिणामस्वरूप पूरे परिवार में सभी लोग संतुष्ट रहेंगे और पिता के प्रति आपके श्रद्धा भाव में वृद्धि होगी तथा आपको बुजुर्गों का स्नेह व आशीर्वाद प्राप्त होगा।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर के अनुसार आपके लिए कुछ ऐसा नहीं जान पड़ता जिससे आपके परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहे। बहुत संभावना है कि आपके अपने मातुल पक्ष के लोगों से संबंध खराब हो जाए।

आप और आपके बंधु बांधवों में गंभीर वैचारिक मतभेद रह सकते हैं हर संभव

प्रयास करें कि ऐसी स्थिति न आने दी जाय। उत्तेजित न हों तथा अतिरिक्त मानसिक ऊर्जा का प्रयोग करते हुए शांति बनाए रखें अन्यथा विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। कुल मिलाकर यह आपके लिए परीक्षा की घड़ी होगी।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार यह समय परिवार की तरक्की के लिए शुभ नहीं है। मातुल पक्ष के लोगों से तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसके अतिरिक्त नौकर चाकर लोगों से भी आपके संबंध बिगड़ सकते हैं।

क्रोध का शिकार न हों तथा उत्तेजित होने की स्थिति में पड़ने से बचें। ऐसा करने से ही आप अनायास उत्पन्न होने वाली संमस्याओं का सामना करने के लिए स्वयं को सक्षम बनाए रख सकते हैं। पारिवारिक वातावरण कलह वाला ही रहेगा। बच्चों पर अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता है। उनकी सुरक्षा व अच्छे स्वास्थ्य के लिए उनपर समुचित ध्यान देना आवश्यक होगा।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

ग्रहचाल परिवार कल्याण की राह के सुगम होने का संकेत नहीं दे रही। बंधु बांधवों से संबंधों में कटुता आ सकती है। जिसके चलते घरेलू वातावरण कलह वाला बना रहेगा। धैर्य बनाए रखें व शांति से काम लें।

मातुल पक्ष के लोगों से संबंध खराब होने की संभावना है। ये पूरे परिवार पर इसका कुछ प्रभाव अवश्य पड़ेगा। अपने बच्चों पर नियंत्रण स्थापित करने हेतु उनकी क्रिया विधि को सावधानी से जांचें।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर अनुकूल प्रतीत नहीं हो रहा। आप आर्थिक रूप से बेहतर नहीं कर पाएंगे। अनावश्यक खर्च में वृद्धि होगी। जमाधन में वृद्धि के संकेत कम हैं। ऋण चढ़ने के योग हैं इसलिए अपने खर्च की योजना समय रहते बना लें ताकि इसप्रकार की संभावना को नकारा जा सके।

परिवार का वातावरण भी तालमेल के अभाव मे ंकटुता वाला हो जाएगा। मातुल पक्ष के लोगों से गम्भीर वैचारिक मतभेद के योग बन रहे हैं। बच्चों का व्यवहार भी विशेष अनुकूल नहीं होगा और वे पढ़ाई में कुछ खास नहीं करेंगे और अन्य गतिविधियों के प्रति भी उत्साहहीन रवैया अपनाए रखेंगे। इसलिए उनके ऊपर कड़ी नजर रखें तथा उन्हें नियंत्रण में लाने के लिए अपने समय व ऊर्जा का व्यय करें।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

ग्रह चाल के अनुसार यह माह आपके लिए लाभदायक रहेगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्य के होने से प्रसन्नता व आनन्द का वातावरण बनेगा। आपसी तालमेल अच्छा होने के कारण आपकी प्रसन्नता दोगुनी हो जाएगी।

इस वातावरण में आपके बच्चे बहुत अच्छे व्यवहार का परिचय देंगे और साथ ही अपने अध्ययन तथा अन्य उपयोगी गतिविधियों में भी बेहतर प्रदर्श करेंगे। इससे आप अन्दर संतोष की भावना बढ़ेगी तथा आपको इस माह में अपने मामा से सम्बन्धों सुधार के चलते आर्थिक लाभ भी होगा और आपमें से कुछ लोगों का अपने पिता के प्रति भक्ति भाव विशेष रूप से बढ़ेगा।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

जहां तक पारिवारिक वातावरण की दृष्टि से ग्रह गोचर के प्रभाव के विश्लेषण का प्रश्न है उस दृष्टि से कुछ भी अनुकूल नहीं जा पड़ता। परिवार का वातावरण खराब होने के प्रबल संकेत हैं और मातुल पक्ष से विवाद आपको अत्यधिक निराशाजनक स्थिति का सामना करा सकता है।

पारिवारिक सदस्यों तथा विशेष रूप से संतान को नियंत्रित करने के लिए ऐसी स्थितियों को नजरअंदाज करें जहां आप की त्वरित प्रतिक्रिया संवेदनशीलता को बढ़ा दे। अपने समय व शक्ति का इस्तेमाल करके धैर्यपूर्वक कार्य करें तथा स्थिति को नियंत्रण में रखें।

परिवार - 2027

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में अधिक व्यस्तता के कारण आप अपने परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे परन्तु परिवार में सुख शान्ति का वातावारण बना रहेगा। भाईयों का सहयोग मिलता रहेगा। सामाजिक पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सप्तमस्थ शनि आपकी पत्नी का स्वास्थ्य प्रभावित कर सकते हैं।

जून के बाद गूरु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है। उस समय परिवार में किसी व्यक्ति के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। एक दूसरे के प्रति वैमनस्य की भावना उत्पन्न होगी। सहन शक्ति को बढ़ाएं और अपने वौद्धिक शक्ति के अनुसार निर्णय लें।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

यह माह आपके लिए हर प्रकार से शुभ, उन्नति कारक व प्रसन्नता दायक रहेगा। वैवाहिक सुख में वृद्धि होगी और जीवनसाथी से अपार स्नेह प्राप्त होगा। कुलमिलाकर आप हर प्रकार से संतुष्ट रहेंगे।

बच्चों का व्यवहार तथा उनके बेहतर परिणाम आपके आनन्द को दोगुना कर देंगे। कुलमिलाकर परिवार में सुख समृद्धि, आनन्द व पारस्परिक समन्वय का वातावरण बना रहेगा।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

इस माह के प्रतिकूल ग्रह गोचरीय प्रभाव के चलते पारिवारिक मामलों में शुभ परिणामों की अपेक्षा करना व्यर्थ होगा। प्रतिकूल ग्रह गोचर से अनावश्यक खर्च बढ़ेगा व आर्थिक तंगी होगी जिससे निपटने के लिए अपने खर्चों को योजनाबद्ध रूप से करें।

परिवार के महिला सदस्यों के साथ तनाव की स्थिति बन रही है इसलिए जीवनसाथी व अन्य सदस्यों के प्रति व्यवहार में अतिरिक्त कुशलता की आवश्यकता है। जिससे कठिन परिस्थिति को टाला जा सके। बच्चों की तरफ से आने वाली समस्याओं का समाधान करने हेतु अपना समय व ऊर्जा लगाकर उन्हें भी अनुशासित करें।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर के अनुसार पारिवारिक स्थिति में मन को आनन्दित करने वाली सम्भावनाएं नहीं बन पाएंगी। परिवार के महिला सदस्यों के साथ विशेष रूप से जीवनसाथी के साथ सम्बन्धों में कड़वाहट की स्थिति से बचने के लिए सावधानी पूर्वक व्यवहार करें।

परिवार का वातावरण विशेष सुखदायी नहीं रहेगा तथा खर्च बढ़ने से वित्तीय समस्याएं उत्पन्न होंगी। बच्चे भी शत्रु की भूमिका में रहेंगे और पढ़ाई पर ध्यान नहीं देंगे। उन्हें अनुशासित करने की आवश्यकता है।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के प्रभाव से इस माह पारिवारिक कल्याण की दृष्टि से आनंदित होने की स्थिति बनने की सम्भावनाएं नहीं हैं। आपमें से बहुत से लोगों को महिला सदस्यों विशेष रूप से पत्नी के साथ सम्बन्धों में कड़वाहट का सामना करना पड़ेगा। इसलिए अनावश्यक तर्क-वितर्क में पड़ने की भूल न करें।

आपको चाहिए कि आप परिस्थितियों का सामना करने के लिए सावधानी तथा चतुराई से हल निकालें। आर्थिक रूप से भी आप कुछ विशेष बेहतर नहीं कर पाएंगे। इसलिए सावधानीपूर्वक व योजनाबद्ध तरीके से समय रहते खर्चों पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास करें। बच्चे भी आपकी परेशानियों को बढ़ाएंगे। इसलिए उनकी गतिविधियों का सावधानीपूर्वक मुआयना करके अपना समय व सामर्थ्य प्रयोग करके उनका सही मार्गदर्शन करें।

मई 2027 के लिए फलादेश

इस माह के गोचरीय प्रभाव से कुछ विशेष शुभ होने के संकेत नहीं हैं तथा परिवार में कुछ समस्याएं बनी रहेंगी। जिसमें महिला सदस्यों के साथ सम्बन्धों को लेकर आई कड़वाहट कम होने की सम्भावना कुछ कमजोर है। पत्नी के साथ व्यवहार में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

बच्चे भी आपकी चिंता का सबब बनेंगे। उनकी गतिविधियों को सावधानीपूर्वक मुआयना करके अपना समय व सामर्थ्य प्रयोग करके उनका सही मार्गदर्शन करें। परिवार का वातावरण विशेष सुखदायी नहीं रहेगा तथा खर्च बढ़ने से वित्तीय समस्याएं उत्पन्न होंगी।

जून 2027 के लिए फलादेश

इस माह के गोचरीय प्रभाव से कुछ विशेष शुभ होने के संकेत नहीं हैं तथा परिवार में कुछ समस्याएं बनी रहेंगी। परिवार का वातावरण विशेष सुखदायी नहीं रहेगा तथा खर्च बढ़ने से वित्तीय समस्याएं उत्पन्न होंगी। समस्याओं का कुछ समाधान प्राप्त करने के लिए अपने खर्चों को योजनाबद्ध तरीके से करने का प्रयास करें।

पारिवारिक सम्बन्धों में भी गम्भीर कटुता आने के संकेत प्राप्त हो रहे हैं और इस परिस्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए तथा तनाव को कम करने के लिए चतुराई से समस्या का परिस्थिति के अनुसार समाधान निकालें। बच्चे अतिरिक्त तनाव उत्पन्न कर सकते हैं इसलिए उनकी गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखें।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के प्रभाव से इस माह पारिवारिक कल्याण की दृष्टि से आनंदित होने की स्थिति बनने की सम्भावनाएं नहीं हैं। आपमें से बहुत से लोगों को महिला सदस्यों विशेष रूप से पत्नी के साथ सम्बन्धों में कड़वाहट का सामना करना पड़ेगा। इसलिए अनावश्यक

तर्क-वितर्क में पड़ने की भूल न करें।

आपको चाहिए कि आप परिस्थितियों का सामना करने के लिए सावधानी तथा चतुराई से हल निकालें। आर्थिक रूप से भी आप कुछ विशेष बेहतर नहीं कर पाएंगे। इसलिए सावधानीपूर्वक व योजनाबद्ध तरीके से समय रहते खर्चों पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास करें। बच्चे भी आपकी परेशानियों को बढ़ाएंगे। इसलिए उनकी गतिविधियों का सावधानीपूर्वक मुआयना करके अपना समय व सामर्थ्य प्रयोग करके उनका सही मार्गदर्शन करें।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

ग्रह चाल परिवार कल्याण के लिए विशेष शुभ नहीं है तथा वित्तीय परेशानियां परिवार की चिन्ताओं को बढ़ा सकती हैं। सावधानी पूर्वक बनायी गई योजनाओं के प्रभाव से इन समस्याओं के कुप्रभाव से कुछ हद तक बचा जा सकता है।

आपको चाहिए कि आप परिस्थितियों का सामना करने के लिए सावधानी तथा चतुराई से हल निकालें। आर्थिक रूप से भी आप कुछ विशेष बेहतर नहीं कर पाएंगे। इसलिए सावधानीपूर्वक व योजनाबद्ध तरीके से समय रहते खर्चों पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास करें। बच्चे भी आपकी परेशानियों को बढ़ाएंगे। इसलिए उनकी गतिविधियों का सावधानीपूर्वक मुआयना करके अपना समय व सामर्थ्य प्रयोग करके उनका सही मार्गदर्शन करें।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

घरेलू मामलों में आपको प्रसन्नता प्राप्त होने के संकेत प्रतिकूल ग्रह गोचर के चलते कम ही दिखायी दे रहे हैं। परिवार की महिला सदस्यों से कटु सम्बन्धों के चलते आपके विशेष तनावग्रस्त होने की प्रबल सम्भावनाएं हैं और अपनी पत्नी के साथ सम्बन्धों को सुधारने में अतिरिक्त प्रयास की आवश्यकता पड़ेगी। चतुराई से तनाव वाली स्थिति से निपटने का प्रयास करें।

आर्थिक रूप से भी आपकी स्थिति विशेष अनुकूल नहीं है तथा खर्चों को नियंत्रित करने के लिए खर्च आने से पहले ही अंकुश लगाने की योजना पद्धति निर्मित करनी होगी। बच्चे भी उपद्रव करके आपको कुछ कठिनाई में डाल सकते हैं। अतः अपना समय और शक्ति लगाकर उन्हें संस्कारी बनाने का प्रयास करें।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के अनुकूल ग्रह गोचर के अनुसार बढ़ते हुए खर्चे आपके परिवार को थोड़ी कठिनाई में डाल सकते हैं और कर्ज भी लेना पड़ सकता है जिससे थोड़ा अतिरिक्त भार बढ़ सकता है। अपने खर्चों को समय रहते सावधानीपूर्वक नियोजित कर लें। ताकि कठिनाई वाली स्थिति को टाला जा सके।

परिवार के महिला सदस्यों के साथ गम्भीर मतभेद होने की भी सम्भावनाएं हैं।

जीवनसाथी के साथ भी टकराव की स्थिति बन सकती है। व्यर्थ के तर्क-वितर्क में पड़ने से बेहतर है कि विपरीत परिस्थिति को कुशलतापूर्वक संभालते हुए कार्य का सम्पादन करें और बच्चों की ओर से आने वाली समस्याओं का समाधान करने के लिए उनकी कार्य प्रणाली को अपना समय देकर संयोजित करें।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के प्रतिकूल ग्रह गोचरीय प्रभाव के चलते पारिवारिक मामलों में शुभ परिणामों की अपेक्षा करना व्यर्थ होगा। परिवार के महिला सदस्यों के साथ तनाव की स्थिति बन रही है इसलिए जीवनसाथी व अन्य सदस्यों के प्रति व्यवहार में अतिरिक्त कुशलता की आवश्यकता है।

आर्थिक रूप से विशेष उन्नति के संयोग कम ही हैं इसलिए अपने खर्चों को समय रहते सावधानी पूर्वक नियोजित करें। जिससे कठिन परिस्थिति को टाला जा सके। बच्चों की तरफ से आने वाली समस्याओं का समाधान करने हेतु अपना समय व ऊर्जा लगाकर उन्हें भी अनुशासित करें।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

परिवार के लिए ग्रह गोचर अनुकूल है। आपके श्रेष्ठ आचरण से परिवारीजन विशेष रूप से बुजुर्ग लोग प्रसन्न होंगे व आपको दिल से आशीर्वाद भी देंगे। एक-दूसरे के लिए उदारता की भावना का प्रभाव देखते ही बनेगा।

आपको अपने वैवाहिक सुख में भी विशेष आनन्द प्राप्ति के योग प्रबल हैं तथा जीवनसाथी से बहुत सारा स्नेह प्राप्त होगा और पारिवारिक स्थिति पूर्णतः संतोषजनक बनी रहेगी तथा आपके बच्चे पढ़ाई व अन्य उपयोगी गतिविधियों में बेहतर परिणाम लाकर आपकी प्रसन्नता को और अधिक बढ़ाएंगे।

परिवार - 2028

वर्षारम्भ में पारिवारिक माहौल उत्तम रहेगा परन्तु फरवरी के बाद गुरु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से पारिवारिक अनुकूलता भंग हो सकती है। ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपके वैचारिक मतभेद होंगे। परिवार में एक-दूसरे के प्रति वैमनस्य की भावना उत्पन्न हो सकती है।

24 जुलाई के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। आपके परिवार में पुत्रादि का विवाह या कोई मांगलिक कार्य संपन्न होगा जिसमें आपकी अहम भूमिका होगी। सप्तम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से पत्नी के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। सामाजिक पद-प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा।

जनवरी 2028 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह चाल के अनुसार पारिवारिक कल्याण की सम्भावनाएं न के बराबर हैं। बहुत संभव है कि आपमें से बहुत से लोगों के अपने भाईयों के साथ सम्बन्ध खराब हो जाएं। इस तरह की सम्भावना को टालने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। शांति भंग न होने दें तथा धैर्य पूर्वक विपरीत परिस्थिति का सामना करें।

पारिवारिक वातावरण में सदस्यों के आपसी तालमेल के अभाव के चलते कड़वाहट बनी रहेगी। आर्थिक रूप से भी आप कुछ विशेष नहीं कर पाएंगे। इसलिए अपने खर्चों को नियंत्रित करें।

फरवरी 2028 के लिए फलादेश

व्यावहारिक रूप से पारिवारिक उन्नति के लिए कुछ विशेष शुभ नहीं प्रतीत हो रहा। ऐसी सम्भावनाएं हैं कि आपके परिवार में महिला सदस्यों के साथ विशेष रूप से आपकी पत्नी के साथ सम्बन्धों में कुछ कटुता आ जाए। यहां पर आवश्यकता है चतुराई से समस्याओं का निराकरण किया जाए।

पारिवारिक वातावरण अन्यथा भी कुछ विशेष शुभ नहीं रहेगा तथा आपसी सहयोग की कमी खलती रहेगी। आर्थिक रूप से कुछ विशेष न कर पाने के कारण कठिनाईयों से पार पाना मुश्किल हो सकता है। अतः व्यय पर नियंत्रण करें।

मार्च 2028 के लिए फलादेश

पारिवारिक मामलों में सुधार व उन्नति के संकेतों का अभाव तो ग्रह गोचर दिखा ही रहा है साथ ही बुजुर्गों के साथ गम्भीर मतभेद हो जाने से बार बार मानसिक शान्ति भंग होती रहेगी। इसलिए स्थिति की आवश्यकतानुसार धैर्य धारण करें।

पारिवारिक वातावरण में सहयोग, परस्पर स्नेह आदि का अभाव होने से जो विकट

स्थिति उत्पन्न होगी उसका बच्चों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। आर्थिक रूप से अपने को मजबूत रखने के लिए खर्च की अपेक्षा बचत पर अधिक ध्यान दें।

अप्रैल 2028 के लिए फलादेश

इस माह में आपको पारिवारिक मामलों में प्रतिकूल ग्रह गोचर के चलते कुछ कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा तथा परिवार की महिला सदस्यो के साथ आपके सम्बन्धों में जबर्दस्त तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। सावधानी पूर्वक चतुराई से समस्या का समाधान निकालें।

पारिवारिक वातावरण को बेहतर करने के लिए बहुत ही कम सफलता मिलने के संकेत हैं तथा साथ ही सदस्यों में आपसी तालमेल की कमी बनी रहेगी। इस प्रकार की स्थितियों के उत्पन्न होने से बच्चों पर भी बुरा प्रभाव पड़ेगा। उन पर ध्यान दें।

मई 2028 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर से पारिवारिक समस्याओं में राहत की अपेक्षा करना व्यर्थ होगा। खर्चों के बढ़ने से वित्तीय समस्याएं विकट होकर मुश्किल में पड़ सकते हैं। आपको बड़ा ऋण लेने की आवश्यकता पड़ सकती है।

समय रहते अपने खर्च को योजनाबद्ध तरीके से नियंत्रित करें, जिससे कि आपको कुछ आर्थिक राहत प्राप्त हो सके। पारिवारिक वातावरण में आपसी तालमेल का अभाव बना रहने से उत्पन्न हुई कटुता से बच्चों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ सकता है। अतः स्थिति को समझते हुए बच्चों पर ध्यान दें।

जून 2028 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह चाल से परिवार कल्याण के मामलों में परिवार के बड़े बुजुर्गों के साथ गम्भीर वैचारिक मतभेद के संकेत हैं जिनके फलस्वरूप आगामी समय कठिनाई वाला होगा। अतः आपको इससे निपटने के लिए प्रयासरत रहना होगा।

पारिवारिक वातावरण अच्छा नहीं रहेगा तथा सदस्यों में आपसी तालमेल नहीं होगा और ऐसा वातावरण आप सभी पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। बच्चों पर अधिक बुरा प्रभाव पड़ेगा।

जुलाई 2028 के लिए फलादेश

आगामी माह में आपके परिवार की स्थिति अनुकूल ग्रह गोचर के प्रभाव से शुभ रहेगी। ऐसी ही सम्भावनाएं हैं कि सामाजिक रूप से आपसे निम्न स्तरीय व्यक्ति से आपको विशेष लाभ हो जो आगे चलकर आपके लिए वरदान साबित हो।

परिवार में किसी बड़े उत्सव के मनाए जाने के भी प्रबल संकेत हैं। पारिवारिक वातावरण श्रेष्ठ होगा तथा सदस्यों में आपसी तालमेल बना रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर ही रहेगी तथा उसमें किसी न किसी प्रकार का इजाफा अवश्य होगा।

अगस्त 2028 के लिए फलादेश

आगामी माह में आपके परिवार की स्थिति अनुकूल ग्रह गोचर के प्रभाव से शुभ रहेगी। ऐसी ही सम्भावनाएं हैं कि सामाजिक रूप से आपसे निम्न स्तरीय व्यक्ति से आपको विशेष लाभ हो जो आगे चलकर आपके लिए वरदान साबित हो।

परिवार में किसी बड़े उत्सव के मनाए जाने के भी प्रबल संकेत हैं। पारिवारिक वातावरण श्रेष्ठ होगा तथा सदस्यों में आपसी तालमेल बना रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर ही रहेगी तथा उसमें किसी न किसी प्रकार का इजाफा अवश्य होगा।

सितम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह चाल से परिवार कल्याण के मामलों में परिवार के बड़े बुजुर्गों के साथ गम्भीर वैचारिक मतभेद के संकेत हैं जिनके फलस्वरूप आगामी समय कठिनाई वाला होगा। अतः आपको इससे निपटने के लिए प्रयासरत रहना होगा।

पारिवारिक वातावरण अच्छा नहीं रहेगा तथा सदस्यों में आपसी तालमेल नहीं होगा और ऐसा वातावरण आप सभी पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। बच्चों पर अधिक बुरा प्रभाव पड़ेगा।

अक्तूबर 2028 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर के अनुसार परिवार में आनन्द प्रदायक स्थितियां बनने की संभावनाएं बहुत कम हैं। बढ़ते हुए खर्च से परिवार की वित्तीय स्थिति पर अतिरिक्त भार पड़ेगा और ऋण लेने की स्थिति भी बन सकती है। इसलिए समय रहते योजनाबद्ध तरीके से अपने खर्च पर नियंत्रण करें। ऐसा करने से स्थिति को काफी हद तक संभाला जा सकता है।

पारिवारिक वातावरण प्रसन्नतादायक नहीं रहेगा और सदस्यों में आपसी तालमेल भी नहीं दिखेगा। ऐसे हालात में जैसे की आमतौर पर होता है बच्चे भी नियंत्रण से बाहर हो जाएंगे। उन पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

नवम्बर 2028 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर अनुकूल है। सितारे आपके पक्ष में उन्नति का संकेत दे रहे हैं। ग्रह चाल के प्रभाव से आपके घर में किसी मांगलिक व आनंददायक उत्सव मनाये जाने की भी संभावनाएं हैं।

पारिवारिक वातावरण आनंददायक बना रहेगा तथा ऐसे अति मधुर वातावरण में बच्चे दिये गये कार्यों का कुशलतापूर्वक सम्पादन तो करेंगे ही साथ ही उनका अच्छा व्यवहार व स्वभाव परिवार के सभी सदस्यों को प्रसन्न रखेगा। आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे तथा साथ ही आपको अनायास ही अतिरिक्त धन लाभ भी हो सकता है।

दिसम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर से परिवार कल्याण के लिए कुछ भी शुभ इंगित नहीं हो रहा। ऐसी सम्भावनाएं हैं कि आपमें से बहुत से लोगों के परिवार के बुजुर्गों के साथ गम्भीर मतभेद उत्पन्न होने से कुछ कड़वाहट की स्थिति उत्पन्न होगी ।

अन्यथा भी पारिवारिक वातावरण विशेष प्रसन्नतादायक नहीं रहेगा तथा सदस्यों में तालमेल की कमी रहेगी। ऐसी स्थिति में बच्चे भी कुप्रभावित होंगे। उनपर ध्यान दें। वित्तीय रूप से आप कुछ विशेष अच्छा नहीं कर सकेंगे। अतः योजनाबद्ध रूप से खर्चों को नियंत्रित करें।

स्वास्थ्य - 2026

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट नहींरहेंगे। वर्ष के पुर्वार्द्ध में लग्न स्थान पर शनि के दृष्टि प्रभाव से मौसमजनित बीमारियों से परेशानी हो सकती है। आलस्य, मानसिक चिंता इत्यादि छोटी-मोटी परेशानियां होती रहेंगीपरन्तु गुरु के गोचरोपरान्त सब कुछ अनुकूल हो जाएगा।

02 जून के बाद गुरु का गोचर शुभ स्थान में होने से आपके स्वास्थ्य में सुधार होना शुरू हो जाएगा। आप अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए शुद्ध एवं शाकाहारी भोजन ही करेंगे। संतुलित आहार के साथ साथ नियमित व्यायाम भी करते रहेंगे। 31 अक्टूबर के बाद आपको अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों की स्थिति आपके स्वास्थ्य मामलों का समाधान कर रही हैं। इसलिए इस माह में आप स्वस्थ और कम से कम बीमार रहेंगे। फिर भी यदि आपके पाचन अंग काफी आसानी से अव्यवस्थित हो जाते है तो इस माह में आपको इन रोगों से राहत का अनुभव होगा। वायु रोगों के प्रति सावधानी बनाए रखना हितकारी रहेगा। तथा रोग अनियमितताओं के प्रति सावधान रहना होगा। अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए आपको उपचार से बचने के लिए सावधानियों का ध्यान रखना होगा। खांसी, जुकाम और छाती से संबंधित किसी भी संक्रमण से बचने के लिए आपको एहतियात से काम लेना होगा। रोग ग्रस्त होने पर शीघ्र दवा लेने से स्थिति गंभीर नहीं होगी।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का सुरक्षा कवच आपके रोगों को दूर रखेगा। इस माह के अधिकतम समय में आप स्वयं को स्वस्थ और चुस्त रखेंगी। शीघ्र प्रभावित होने वाले रोग जैसे बुखार आदि के प्रति आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी। आपको स्वास्थ्य में किसी भी प्रकार की अनियमितता को अनदेखा करने से बचना होगा। ग्रहों की स्थिति आपके स्वास्थ्य को शुभ बनाए रखने के लिए शुभ बनी हुई हैं। अनहोनी होने का कोई संकेत नहीं बन रहा हैं। लेकिन फिर भी आप अप्रिय स्थानों और लोगों से दूर रहें। इस विषय में आपको सावधानी रखनी होगी। अपना ध्यान रखने से आपका स्वास्थ्य उत्तम बना रहेगा।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस माह अवधि के ग्रहों की स्थिति और योग आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छे नहीं बने हुए है। इस माह अपना स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए आपको सावधानी रखनी होगी। कब्ज, पाचन तंत्र, वायु रोग और आंत से जुड़ी पुरानी बीमारियों की गड़बड़ी आपको परेशान कर सकती हैं। उचित दवा और आहार लेते रहन आपको स्वास्थ्य सुख प्रदान करेगा। छोटी छोटी सी

अतिरिक्त देखभाल का ध्यान रखने से आप गंभीर परेशानियों से मुक्त रह सकते है। अप्रिय स्थानों और लोगों से दूरी रखने का आपके स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ेगा। आपके पासपास के लोगों के स्वभाव की आपके स्वास्थ्य सुख में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

आपके स्वास्थ्य सुख को बनाए रखने के लिए आपको ग्रह, सितारों का शुभ आशीर्वाद प्राप्त नहीं हो रहा हैं। यह ग्रह स्थिति आपके स्वास्थ्य में कमी कर रही हैं। इस माह अधिक परिश्रम की वजह से आप सामान्य शारीरिक दुर्बलता से पीड़ित हो सकते हैं। ग्रह योगों से ऐसे संकेत मिल रहे है कि आपको तंत्रिका विकार पीड़ित हो सकते हैं। आपको अपनी सामाथ्र्य शक्ति के अनुसार ही परिश्रम करना होगा। इसका आपके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। स्वस्थता को बनाए रखने के लिए आप अप्रिय स्थानों और लोगों से दूर रहें। आपकी स्वास्थ्य स्थिति का निर्धारण करने में आपका सामान्य परिवेश भी एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता हैं। इन सामान्य सावधानियों को अपनाकर आप गंभीर स्वास्थ्य संकटों से बच सकते हैं।

मई 2026 के लिए फलादेश

जहां तक आपके स्वास्थ्य का सवाल है इस माह की ग्रह स्थिति की शुभता आपके लिए आंशिक रूप से अनुकूल बनी हुई हैं। इसलिए इस माह आपको अतिरिक्त देखभाल की जरुरत पड़ सकती हैं। इस माह में आपकी स्वास्थ्य अनुकूलता बहुत कम रहेगी। इसके अलावा आपको अप्रिय लोगों और स्थानों से दूर रहना होगा। आपके सामान्य परिवेश का आपकी स्वास्थ्य स्थिति पर सीधा असर पड़ेगा। अतः आप नकारात्मक स्वभाव के लोगों से दूरी बनाए रखें। अपनी भलाई को देखते हुए आप एहतियात बरत कर स्वास्थ्य से संबंधित खतरों को रद्द कर सकते हैं। अत्यधिक काम आसक्ति से भी आपको बचना होगा। यह आपके यौन अंगों की बीमारी दे सकता हैं। इस प्रकार के रोगों के प्रति आपको सतर्कता बरतनी होगी। उपचार की सफलता के लिए यह आवश्यक है कि आप शीघ्र उपचार करें।

जून 2026 के लिए फलादेश

स्वास्थ्य विषयों के लिए यह माह शुभ संकेत नहीं दे रहा हैं। माह अवधि में अपनी स्वस्थता बनाए रखने के लिए आपको स्वयं प्रयास करने होंगे। आपका स्वास्थ्य आपके आसपास की वातावरण पर निर्भर करेगा। अप्रिय लोगों और अप्रिय वातावरण का आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। अप्रिय स्थानों और लोगों से दूर रहना आपके स्वास्थ्य सुख में कमी करेगा। सकारात्मक व्यक्तियों के साथ रहना आपके रोग विकारों में कमी करेगा। अचानक से आपको बुखार या सूजन आदि की स्थिति का सामना करना पड़ सकता हैं। इसके अतिरिक्त एहतियात के रूप में अपना ध्यान रखना आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

स्वास्थ्य को स्थिर रूप में उत्तम बनाए रखने के लिए इस माह की ग्रह, घटनाएं आपको सहयोग कर रही हैं। पाचन तंत्र, पुरानी बीमारियों की गड़बड़ी, पेट फूलना एवं वायु रोग के शांत रहने से आपको इन परेशानियों में काफी राहत का अनुभव होगा। अधिक से अधिक सामान्य सावधानियां रखने से आपको कम से कम परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। यह आपको राहत प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त इस माह आपका सौहार्दपूर्ण वातावरण और सकारात्मक स्वभाव के लोगों के साथ रहना आपके स्वास्थ्य के लिए उत्तम रखेगा। साथ ही इस अवधि में अप्रिय परिवेश से दूर रखना आपके स्वास्थ्य सुख को बढ़ाएगा। आपके आस पास का सौहार्दपूर्ण वातावरण आपके स्वास्थ्य की स्थिति का निर्धारण करने में प्रमुख भूमिका अदा करेगा। इसलिए अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखना इस माह आपके हाथ रहेगा।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

यह माह आपके लिए सहायक माह होकर आपके स्वास्थ्य को शुभ आशिर्वाद प्रदान कर रहा हैं। कुछ मामूली समायोजनों को अपना कर आप अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखेंगे। इस माह में सबसे महत्वपूर्ण यह रहेगा कि आपको अत्यधिक मेहनत से बचना होगा। स्वास्थ्य को अनुकूल बनाए रखने के लिए सबसे पहले आपको अपने दैनिक कार्यो का एक कार्यक्रम तैयार करना होगा। कार्यभार की अधिकता से आपके शारीरिक और मानसिक संसाधनों पर अनुचित दबाव आपके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं होगा। आपके आसपास का वातावरण भी आपके स्वास्थ्य को काफी हद तक निर्धारित करेगा। किसी भी तरह के अप्रिय स्थानों और अप्रिय लोगों से बचना आपके स्वास्थ्य सुख को बढ़ाएगा। इस माह को उत्तम बनाए रखना आपके लिए सहज होगा। इसके अलावा यह माह आपके स्वास्थ्य के लिए एक उत्तम माह सिद्ध होगा।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह आपके साथ आपके भाग्य का समर्थन नहीं हैं। इसलिए इस माह आपको अपना ध्यान विशेष रूप से रखना होगा। इस माह आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव शीघ्र पड़ सकता हैं। अप्रिय लोगों से आपको इस माह दूरी बनाकर रहनी होगी। स्वास्थ्य की अनुकूलता बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि आप सकारात्मक प्रभावयुक्त वातावरण में रहें। आपके स्वास्थ्य पर आपके आसपास के लोगों का बहुत अधिक प्रभाव पड़ता हैं। नापसन्द लोगों और स्थानों से दूरी आपके स्वास्थ्य सुख को बढ़ायेगी। यदि आप इस प्रकार से कार्य करते है तो आप अपनी समस्याओं का एक बड़ा हिस्सा हल कर सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह समय काफी हद तक मुश्किल समय हैं। इस समय में आपको अतिरिक्त देखभाल की जरुरत है। सामान्य सावधानियां रखने से आप स्वयं को स्वस्थ बनाए रखने में सफल रहेंगे।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

इस माह के दौरान बनने वाली ग्रह युति आपके स्वास्थ्य को शुभ आशिर्वाद प्रदान कर रही हैं। आप अचानक से किसी रोग के प्रभाव में आ सकते हैं इस प्रकार की बीमारियों के

उपचार के प्रति आपको सावधान रहना होगा। उपचार के बिना यदि स्वास्थ्य शुभता बनी रहे तो आपके स्वास्थ्य के लिए उत्तम रहेगा। उपचार शीघ्रता से कराना उति उत्तम फल प्रदान करेगा। इससे रोगों का शीघ्र समाधान होगा और रोग अपनी आरम्भिक अवस्था में ही शांत हो जायेंगे। इस माह विशेष चिंता का कोई कारण नहीं बन रहा हैं। स्वास्थ्य के पक्ष से भी यह समय शुभफलदायक बना हुआ हैं। ग्रहों की स्थिति आपके पक्ष में बन रही हैं। इसलिए स्वास्थ्य को लेकर आप किसी तरह से चिंतित नहीं रहेंगे।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपको अच्छे स्वास्थ्य के लिए शुभ आशिर्वाद दे रहे हैं। इसलिए इस माह में आपको अपने स्वास्थ्य के लिए किसी प्रकार की चिंता नहीं करनी होगी। यहां तक कि गठिया, वायु रोग, पेट फूलना, पाचन तंत्र और पुराने रोगों के निष्प्रभावी रहने से आपको काफी राहत का अनुभव होगा। इस माह की ग्रह स्थिति आपके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल रहेगी। लेकिन फिर भी ध्यान न रखने पर अनुकूल स्थिति भी प्रतिकूल सिद्ध हो सकती हैं। स्वास्थ्य के लिए विपरीत माहौल में रहने से आप रोगों के प्रभाव में आ सकते हैं। इसलिए संक्रमित स्थानों से दूर रहना आपके लिए हितकारी रहेगा। किसी भी तरह का संक्रमण होने पर तुरंत ईलाज कराना लाभदायक रहेगा।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह की शुभता सुनिश्चित करने के लिए ग्रह स्थिति आपके स्वास्थ्य विकारों के लिए अनुकूल नहीं बनी हुई हैं। किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य कमी होने पर आपको अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी। अत्यधिक कार्यो के कारण आप थकावट से पीड़ित होकर सामान्य दुर्बलता का अनुभव करेंगे। इस माह अवधि में आपको स्नायु संबंधी विकार और मानसिक परेशानियां दिक्कत दे सकती हैं। इन रोगों का आपको अतिशीघ्र समाधान करना चाहिए। स्थिति और कार्यक्रमों में बदलाव कर आप अत्यधिक कार्यभार से बच सकते हैं। इन बदलावों का कठोरता से पालन करना भी आपके स्वास्थ्य सुख को बेहतर करेगा। साथ ही अपने रोगों की समय रहते देखभाल करनी होगी। इसके अतिरिक्त छाती क्षेत्र में संक्रमण का भी तुरंत ईलाज किया जाना चाहिए।

स्वास्थ्य - 2027

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा। लग्न स्थान पर शनि एवं राहु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपको स्वास्थ्य संबंधित परेशानी उत्पन्न हो सकती है। अचानक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, परन्तु एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से आप जल्दी ही स्वस्थ भी हो जाएंगे।

26 जून के बाद समय काफी प्रतिकूल हो रहा है। उस समय मौसम जनित बीमारी, दुर्घटना या किसी प्रकार के शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। द्वादशस्थ गुरु के जल तत्व राशि में होने के कारण कफ रोग या मौसम सम्बन्धित बीमारियां घेर सकती हैं। ऐसे में स्वास्थ्य का ख्याल रखना जरुरी होगा। सुबह-सुबह व्यायाम करना या योगा करना आपके लिए लाभप्रद सिद्ध होगा। 21 नवम्बर के बाद स्वास्थ्य अनुकूल होना शुरु हो जाएगा।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

इस माह सितारें आपको अपना शुभ आशिर्वाद प्रदान कर रहे हैं इसलिए यह माह आपके लिए एक उत्कृष्ट माह रहेगा। इस माह आप न केवल स्वस्थ रहेंगे बल्कि इस माह आपको अपने आहार का पूरा लाभ प्राप्त होगा। पाचन तंत्र भी आपके लिए शुभ बना हुआ हैं। स्वास्थ्य अनुकूलता होने से आप माह भर सक्रिय और ऊर्जावान बने रहेंगे। आपको अपनी उत्पादक शक्तियों पर गर्व होगा। यह माह आपके लिए शारीरिक सुख का आनंद लेने के लिए बना हुआ हैं। भावनात्मक और मानसिक रूप से भी माह की शुभता बनी हुई है। इस माह में ग्रहों की स्थिति आपके लिए प्रसन्नता लिए हुए रहेगी।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

यह माह एक ऐसा माह है जिसमें ग्रह योग, सितारों के आशिर्वाद से आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेने के लिए तत्पर हो सकते हैं। इस माह आपका स्वास्थ्य अच्छा तो रहेगा ही साथ ही इस माह आपका शारीरिक तंत्र अनुकूल होने से आपको आहार का पूरा लाभ प्राप्त होगा। जिससे आपका स्वास्थ्य सुख पहले से बेहतर होगा। इस माह उत्पादक शक्तियों में बढ़ोतरी होगी। यह बढ़ोतरी आपके लिए सुखद होकर आश्चर्य चकित कर सकती हैं। आप इस समय में काफी सक्रिय और ऊर्जावान बने रहेंगे। साथ ही इस समय में आपका भावनात्मक और मानसिक स्थिति प्रबल बनी रहेंगी। संतुलित आहार और सावधानियों का पालन करने से स्वास्थ्य की सुखद स्थिति बनी रहेगी अन्यथा यह बिगड़ सकती हैं। नेत्र संक्रमण के खिलाफ आपको सतर्कता बरतनी होगीं। यदि इनका समय रहते निराकरण हो जाता है तो संक्रमण शीघ्र शांत हो जाएगा।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

इस माह आपके निरंतर अच्छे स्वास्थ्य के लिए ग्रहों का आशिर्वाद प्राप्त हो रहा हैं। गठिया, पाचन तंत्र, वायु रोग की शिकायतें और पुरानी बीमारियों में गड़बड़ी न होने से ऐसे

सभी व्यक्तियों को राहत का अनुभव होगा। जिन्हें इससे पूर्व इस प्रकार के रोग रहें हों। आपका शरीर आहार और पोषण का अच्छ्ध से इस्तेमाल कर आत्मसात करेगा। इससे आपकी उत्पादक शक्तियां औसत से ऊपर रहेगी, यह स्थिति आपको सुखद आश्चर्य देगी। स्वास्थ्य के लिए यह सुखद स्थिति है, इसमें आपको जीवन जीने के पर्याप्त अवसर प्राप्त होंगे। आपकी शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्थिति आपको प्रसन्नता देगी।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

इस माह अवधि में ग्रह, सितारें बड़े पैमाने पर आपके स्वास्थ्य को शुभ आशिर्वाद प्रदान कर रहे हैं। आपका शारीरिक तंत्र आपको पौष्टिक भोजन का पूरा लाभ प्रदान कर आपके मन और शरीर को असाधारण शक्ति और जीवन शक्ति प्रदान कर रहा है। यह आपकी उत्पादक शक्तियों का सबसे उत्तम प्रयोग होगा। अत्यधिक परिश्रम करने से आपके शारीरिक तंत्र पर आंशिक रूप से अनुचित दबाव पड़ सकता हैं। इस दबाव में कमी करने के लिए आप अपने कार्यो की एक अनुसूची तैयार कर उसके अनुसार कार्यो को पूर्ण करें तो आपके लिए हितकारी रहेगा। महीने भर आप सक्रिय और ऊर्जावान बने रहेंगे। तथा मानसिक और भावनात्मक प्रबलता आपको अतिरिक्त बोनस के रूप में प्राप्त होगी।

मई 2027 के लिए फलादेश

माह अवधि के दौरान आपको क्षतिपूर्ति करने के लिए अपने स्वास्थ्य की ज्यादा देखरेख करनी होगी। क्योंकि माह अवधि में आपको ग्रहों एवं सितारों की शुभता का आशीर्वाद प्राप्त नहीं हो रहा हैं। माह अवधि के दौरान आपका शरीर भी पौष्टिक आहार का लाभ ज्यादा उठाने में सक्षम नहीं होगा। पौष्टिक भोजन से भी आपके स्वास्थ्य सुख में अधिक लाभ होने की संभावना नहीं बन रही हैं। माह अवधि में चोट, दुर्घटना और असंभावित घटनाओं के कारण स्वास्थ्य सुख की कमी हो सकती है। इसके अलावा आपकी उत्पादक शक्तियां भी प्रभावित हो सकते हैं। यह प्रतिकूल स्थिति कुछ समय के लिए बनी हुई है। उचित सावधानी बरतें और उपयुक्त कदम उठाने से आप माह अवधि में स्वास्थ्य चिंताओं से मुक्त रह सकते हैं।

जून 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह, सितारें आपके स्वास्थ्य को शुभता प्रदान कर रहे हैं। इस माह के दौरान अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहने के बहुत कम कारण बन रहे है। सेवन किये गये आहार से आपका शरीर पुष्ट होकर अधिकतम लाभ प्राप्त करेगा। शारीरिक तंत्र की अनुकूलता आपके शारीरिक सुख को बेहतर करेगी। आप काफी सक्रिय और ऊर्जावान बने रहेंगे। पोषक तत्वों का शरीर में लगना आपकी उत्पादक शक्तियों को बढ़ाएगा, जिसे देख आप को सुखद आश्चर्य होगा। जीवन के सभी विषयों का आनंद लेने में आप समर्थ रहेंगे। सावधानियां न बरतने पर हिंसक दुर्घटना की संभावना बन सकती हैं। इस माह अवधि में आपको चोट आदि से बचना होगा। दुर्घटनाओं से बचाव करें और अपना ख्याल रखें।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों की स्थिति आपके स्वास्थ्य के लिए उत्कृष्ट बनी हुई है। इसलिए यह माह आपके लिए अतिउत्तम बना हुआ हैं। फिर भी इस माह में आपको स्वास्थ्य को लेकर आंशिक चिंता हो सकती हैं। पुराने गठिया विकार, पाचन तंत्र से संबंधित शिकायतों और पुराने रोगों में गड़बड़ी न होने से आपको राहत का अनुभव होगा। शारीरिक तंत्र की अनुकूलता होने से आपको सेवन किए गये आहार का पूरा लाभ प्राप्त होगा। संतुलित भोजन करने से शरीर पुष्ट और स्वस्थ होगा। आप इस माह में काफी सक्रिय और ऊर्जावान दिखेंगे। परन्तु फिर भी मन आंशकित रहेगा। इस माह में अपनी स्वस्थता बनाए रखने के लिए आपको बहुत कम प्रयास करने की आवश्यकता रहेगी। अतः यह माह एक सुखद माह रहेगा।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

इस माह के दौरान सितारों की स्थिति आपके स्वास्थ्य विषयों के लिए बहुत अनुकूल सिद्ध हो रही हैं। इसलिए इस माह में आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंता की कोई बात नहीं होगी। माह अवधि में आपके द्वारा लिए गए आहार का पूरा लाभ आपके शरीर को प्राप्त होगा। उत्तम भोजन का असर आपकी स्वास्थ्य चमक पर पड़ेगा। माह अवधि में आपकी उत्पादक शक्तियां चरम पर होंगी। इस माह आप काफी सक्रिय रहेंगे। इस माह में आपको अत्यधिक मेहनत करने से बचना होगा। यह आपके लिए खतरनाक हो सकता हैं। इससे बचने के लिए आप कार्यो की एक अनुसूची तैयार करें और उसके अनुसार कार्य निर्धारित करें। कुल मिलाकर इस माह आप जीवन के सुखों का भरपूर आनंद लेंगे।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के दौरान, ग्रह एवं सितारें आपके लिए स्वास्थ्य के मामलों का निराकरण नहीं कर रहे हैं। इसलिए इस माह में आपको अपनी अतिरिक्त देखभाल और ध्यान रखना होगा। यह भी संभावित है कि माह में आपका शरीर संतुलित और पौष्टिक भोजन ग्रहण न कर रहा हों, पोषण की कमी के लक्षण आपके शरीर में दिखाई देंगे। स्वास्थ्य अनियमिताओं का यह प्रथम संकेत हो सकता है। दृढ उपायों पर सावधानियों पर ध्यान केंद्रित कर आप अपने स्वास्थ्य सुख को बढ़ा सकते हैं। इससे आपकी स्थिति में बहुत सुधार होगा। इसके अलावा अपनी उत्पादक शक्तियों को बनाए रखना भी आपके स्वास्थ्य सुख को बनाए रखने का एक अच्छा विचार हो सकता हैं। यह मुश्किल अवधि हैं इस अवधि में अपना ध्यान रखना हितकारी रहेगा।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

स्वास्थ्य के पक्ष से यह माह आपके लिए एक अच्छा माह रहेगा। इस माह में आपको पोषक तत्वों की आवश्यकता अधिक रहेगी। जिसके फलस्वस्वरूप अपने स्वास्थ्य सुख को बढ़ाने के लिए आपको खाने में संतुलित आहार का प्रयोग करना होगा। इसके अतिरिक्त आपको शीघ्र होने वाले रोगों के प्रति सावधान रहना होगा। माह अवधि में अचानक दुःख की

घटना के बारे में सतर्कता रखनी होगी। ऐसे किसी भी रोग लक्षण के संकेत प्रकट होने पर आप इनका तुरंत ईलाज करते हुए सावधान रहें और रोगों को गंभीर समस्याओं में बदलने से रोकें। माह अवधि में आपकी उत्पादक शक्तियों में वृद्धि होगी। अपनी ऊर्जा शक्ति से आप स्वयं आश्चर्य चकित होंगे। यह एक शुभ माह है जिसमें आपको अपना कम ध्यान रखना होगा।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह में आपको ग्रहों की शुभता बहुत अधिक प्राप्त नहीं हो रही है, यही कारण आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए अधिक सतर्कता की आवश्यकता रहेगी। गठिया, पाचन तंत्र, वायु रोगों और पुरानी बीमारियों की वापसी के प्रति आपको अतिरिक्त सावधानी बनाए रखनी होगी, और अत्यधिक कामुकता से परहेज करने की जरुरत हैं। दृढ़ता की भावना के साथ आप यह कर सकते है। अन्यथा आपको समस्याओं का सामना करना पड़ सकता हैं। आपके भोजन में पोषण की कमी के योग बन सकते हैं। पोषण की कमी आपके स्वास्थ्य में दिखाई देगी। यह स्थिति केवल कुछ समय के लिए होगी लम्बे समय के लिए नहीं। इस माह आपने अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना होगा क्योंकि ग्रह स्थिति आपकी स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान नहीं कर रहे हैं।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

ग्रहों की स्थिति इस माह आपकी स्वास्थ्य शुभता निश्चित कर रही है। आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर इस माह अधिक चिंता नहीं करनी होगी। आपका पाचन तंत्र भी अनुकूल बना हुआ है। इससे आपका स्वास्थ्य सुख बना रहेगा। फिर भी इस माह अवधि में आप अपने पोषण को लेकर सतर्क रहें। इसका अभिप्राय यह है कि आपका तन और मन दोनों इस माह स्वस्थ बने रहेंगे। आप काफी हद तक सक्रिय और ऊर्जावान बने रहेंगे। अपनी उत्पादक शक्तियों के बढ़ने से आपको स्वयं सुखद आश्चर्य होगा। इसके अतिरिक्त इस माह सीने या फेफड़ों के संक्रमण का आपको तुरंत ईलाज करना होगा। यदि आप ऐसा करते है तो आपको अन्य किसी प्रकार का खतरा न होने से चिंता करने का कोई कारण नहीं होगा। इस विषय में विफलता होने पर आपको कई कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता हैं। देखभाल में किसी प्रकार की उपेक्षा आपको नहीं करनी हैं।

स्वास्थ्य - 2028

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। लग्नस्थ गुरु पर शनि की दृष्टि प्रभाव से शारीरिक आरोग्यता में वृद्धि होगी जिससे रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ेगी। फरवरी के बाद समय प्रतिकूल हो रहा है। द्वादशस्थ गुरु एवं अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से स्वास्थ्य में अचानक उतार चढ़ाव की स्थिति बन सकती है। कफ, मधुमेह, पेट संबंधित एवं मौसमजनित बीमारियों के कारण ज्यादा परेशान हो सकते हैं। कभी कभी बीमारी नहीं होने के बावजूद बीमार जैसा अनुभव होगा।

24 जुलाई के बाद गुरु ग्रह का गोचरीय प्रभाव लग्न स्थान में होने से स्वास्थ्य में सुधार आना शुरु हो जाएगा। अच्छे स्वास्थ्य के लिए खान-पान एवं दिनचर्या को सुधारें। आपकी धर्मपत्नी आपकी सेहत का पूरा ध्यान रखेगी।

जनवरी 2028 के लिए फलादेश

इस माह में ग्रह, सितारों का संयोजन आपके स्वास्थ्य क निरंतर अच्छा बनाए रखने में सहयोग कर रहे है। आपको आसानी से पेट, पाचन अंगों से संबंधित रोगों के निष्क्रय रहने से आपको राहत का अनुभव होगा। खांसी, जुकाम और अस्थमा जैसे छाती की पुरानी बीमारियां भी प्रभावी नहीं हो पाएंगी। इससे आपकी स्वास्थ्य संबंधी अनेक परेशानियों में कमी होगी। दांतों के रोगों की वापसी होने की संभावन बन रही है अतः सावधान रहना होगा। समय पर उचित दंत चिकित्सा और देखभाल से स्थिति नियंत्रण में रहेगी। अन्यथा कुछ अनहोनी भी हो सकती है। साथ ही माह अवधि में आपके मन में अशांति और स्वभाव चिड़चिड़ा हो सकता है। स्वभाव में शीघ्र परिवर्तन हो सकता है। एक छोटे से प्रयास से आपका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य शांत और संतुलित बना रहेगा।

फरवरी 2028 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन आपके स्वास्थ्य सुख को प्रोत्साहित कर रही हैं इसलिए आपको इस अवधि विशेष में कोई खास रोग नहीं होगा। अचानक से होने वाली बीमारियां जैसे बुखार, सूजन आदि में गड़बड़ी न होने आपको महत्वपूर्ण राहत मिलेगी। अल्पकाल के रोग भी इस अवधि में अपना प्रभाव नहीं दिखा पायेंगे और आपको स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी नहीं होगी। पुरानी बीमारियों की वापसी न होना आपको राहत देगा। हालांकि नेत्र संक्रमण की संभावनाएं आपको आंशकित कर सकती है। तथा इससे आप आंशिक रूप से परेशान हो सकते है। उचित समय पर एहतियात स्वरूप नेत्र शुद्धता और उपयुक्त निवारक दवा का उपयोग करना आपको स्वास्थ्य सुख प्रदान करेगा। यह माह आपके स्वास्थ्य के लिए काफी उत्साहजनक रहेगा।

मार्च 2028 के लिए फलादेश

इस माह में सितारों का संयोजन आपके स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने वाला नहीं है। गठिया, पेट फूलना, पाचन तंत्र और पुरानी बीमारियों में अनियमितताएं आने से गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। इन रोगों को रोकने के लिए आपको उचित चिकित्सा उपचार लेना होगा और अधिक से अधिक ध्यान रखना होगा। दांतों के रोग भी आपके स्वास्थ्य को खराब कर सकते है। आपको अपने स्वभाव को चिड़चिड़ा होने से बचाना होगा। इसके अलावा आप अपनी घबराहट पर भी नियंत्रण बनाए रखें। आपके लिए यह समय अनुकूल है परन्तु फिर भी इसे अनुकूल बनाए रखने के लिए आपको कुछ अतिरिक्त देखभाल रखनी होगी। वरना कुछ अनहोनी भी हो सकती है। कुल मिलाकर इस माह के दौरान आपको सावधान रहना होगा।

अप्रैल 2028 के लिए फलादेश

यह माह सितारों के अनुकूल संयोजन से आपके स्वास्थ्य को उत्साहवर्धक बना रहा है। इसलिए माह अवधि में आपके निरोगी रहने की संभावनाएं बन रही है। फिर भी आप इस समय में अत्यधिक परिश्रम करने से बचें। अपनी शारीरिक क्षमता से अधिक कार्य करना आपके लिए सही नहीं रहेगा। आपको कठोरता से इसके विरोध में नियम बना कर उनका पालन करना चाहिए। अपनी ऊर्जा शक्ति और बुद्धिमानी को आप अन्य नियमित गतिविधियों में लगा सकते है। खेल आदि क्रियाओं में समय देने से आप चुस्त और स्वस्थ रहेंगे। तथा इससे आपके तंत्र पर अनुचित दबाव नहीं पड़ेगा। कार्यो का पूर्व नियोजन कर एक अनुसूची बनाकर भी इस दबाव को कम कर सकते हैं। साथ ही आप दांतों की नियमित देखभाल और एहतियात दांतों को स्वस्थ रखेगी। कुल मिलाकर यह माह काफी फायदेमंद माह सिद्ध होगा।

मई 2028 के लिए फलादेश

इस महीने के सितारों आपके स्वास्थ्य के लिए कोई आशीर्वाद नहीं मिल रहा है। इसलिए अधिक से अधिक सावधानी और देखभाल की जरूरत है। बवासीर रोग होने की सम्भावना बन रही है। अतः भोजन और उपचार में सावधानी रखनी होगी। लापरवाही से स्वास्थ्य मुश्किलें बढ़ जाएंगी। माह अवधि में आपको सदी और कफ अधिक होने से स्वास्थ्य विकार बढ़ सकते है। शीघ्र ध्यान और उपचारात्मक उपायों का सहयोग लेना आपके लिए लाभकारी रहेगा। इसके अतिरिक्त दांत रोग, पथरी और फिस्टुला आदि का बढ़ाना आपकी वेदनाओं में वृद्धि करेगा। अधिक से अधिक ध्यान देने की जरुरत होगी। यह आपको परेशान कर सकता है। इस अवधि में दांतों की उचित देखभाल रखनी होगी।

जून 2028 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपके स्वास्थ्य को शुभ बनाए रखने के लिए आशीर्वाद दे रहे है। यह माह आपके स्वास्थ्य के पक्ष से बहुत अच्छा रहेगा। बुखार, सूजन और अचानक से होने वाले रोगों के प्रभाव में न आने से आपको काफी राहत मिलेगी। इस माह में आपको स्वास्थ्य परेशानियां अधिक नहीं होगी। दांतों के रोगों को निष्क्रय रखने के लिए आपको विशेष प्रयास करने पड़ सकते है। ऐसे रोगों का गंभीरता से ईलाज करना आपको दंत स्वास्थ्य प्रदान

करेगा। यह आपके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल समय है। इसलिए इस माह में आपके स्वस्थ रहने की आशा की जा सकती है।

जुलाई 2028 के लिए फलादेश

इस माह में ग्रह योग आपके स्वास्थ्य को शुभता दे रहे है अतः इस समय में आपकी स्वस्थता सुनिश्चित हो रही है। इस काल में आप स्वास्थ्य सुख बने रहने की आशा कर सकते है। पाचन तंत्र, पेट फूलना, वायु की अधिकता से होने वाले रोगों में अनियमितताओं न आना आपको पुराने रोगों से राहत देगा। इन रोगों के पुराने रोगी होने पर नियमित रूप से इन रोगों के प्रति नियमित देखभाल, उपचार और एहतियात रखना लाभकारी रहेगा। ऐसी परेशानियों से राहत मिलना आपकी चिंताओं में कमी करेगा। इसके अलावा दांत संबंधी परेशानियों से आपको बचाव करना होगा। अपनी घबराहटों पर नियंत्रण भी आपको इस अवधि में रखना होगा। कुछ कमजोरी का अनुभव भी आपको हो सकता है। इसके लिए व्यायाम क्रियाएं और खाद्य पदार्थों पर नियंत्रण आपको रखना होगा। यह एक लाभकारी माह है। इस माह में आपका सामना गंभीर स्वास्थ्य संकटों से न होने की संभावना बन रही है।

अगस्त 2028 के लिए फलादेश

सितारों का संयोजन इस माह अवधि में आपके स्वास्थ्य को बहुत अधिक प्रोत्साहित कर रहे है। दांत के रोग आंशिक समय के लिए आपको परेशान कर सकते है। समय की शुभता इन रोगों को भी कम कष्टप्रद कर रही हैं। इसके अतिरिक्त इस माह में अत्यधिक परिश्रम से बचना आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता देगा। हालांकि यह समय अनुकूल और सकारात्मक है फिर भी इस समय में सावधानियां रखना आपके लिए हितकारी रहेगा। कार्यभार की अधिकता से बचने के लिए आप अपने कार्यो की समय सारणी तैयार कर अपने शारीरिक तंत्र पर अनावश्यक दबाव पड़ने से रोक सकते है। इस संबंध में किसी भी प्रकार की उपेक्षा या लापरवाही रखना आपके स्वास्थ्य के लिए काफी बुरा हो सकता है। इस माह काल में आपको अपनी घबराहट की प्रवृत्ति पर ध्यान देना होगा। इसके अलावा अन्य किसी भी गंभीर स्वास्थ्य संकट का सामना न करने की संभावना बन रही है। ऐसे में यह माह काफी लाभकारी माह सिद्ध होगा।

सितम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह में सितारों का योग आपको अच्छा स्वास्थ्य प्रदान कर रहा है। हाथ और पैर में ठंड की प्रवृत्ति में कमी आपको राहत देगी। हाथों और पैरों के रोगों में सकारात्मक सुधार होने से आपको बेहतर महसूस होगा। किसी भी प्रकार के दंत रोग के प्रभावी होने पर आपको जल्द से जल्द इसका ईलाज कराना होगा। इसके अलावा दांतों की नियमित जांच करते रहने से भी ऐसे रोग शांत रहेंगे। इसके अलावा घबराहट और आत्मविश्वास की कमी न होने से भी आपको राहत मिलेगी। कुल मिलाकर इस माह में आपको किसी भी प्रकार का कोई गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न न होने की संभावना बन रही है।

अक्तूबर 2028 के लिए फलादेश

माह अवधि में ग्रह, नक्षत्र आपके स्वास्थ्य विषयों को शुभता प्रदान कर रहे है। इससे इस माह अवधि में आपको कोई भी गंभीर स्वास्थ्य संकट आने की संभावना नहीं बन रही है। बुखार, सूजन आदि जैसे अचानक से गंभीर बीमारी होने की आशंकाओं से आप मुक्त रहेंगे। पुरानी बीमारियों के शांत रहने से आप बहुत ज्यादा परेशान नहीं होंगे। यह एक अनुकूल माह है इसलिए इससे पूर्व से चले आ रहे रोगों से राहत का अनुभव होगा। आपको दंत रोगों के प्रति थोड़ी सावधानी रखनी होगी। दंत रोगों में किसी प्रकार की कोई लापरवाही आपके लिए समस्या पैदा कर सकती हैं। इसके लिए अलावा बहुत संभावना बन रही है कि इस माह के दौरान आप अपने हड्डी की चोटों का ध्यान रखें। एहतियात के लिए सतर्कता उपयुक्त रहेगी।

नवम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह में आपके लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही है। यह योग आपकी सेहत को प्रोत्साहित कर रहा है। गठिया जैसे जीर्ण विकार, पाचन तंत्र, पेट फूलना और वायु की अधिकता से होने वाली अनियमितताएं न होने से आपको विशेष राहत मिलेगी। परेशानियों को दूर रखने के लिए आपको एहतियात से काम लेना होगा। गले में संक्रमण के प्रति भी आपको सावधान रहना होगा। रोगों की आरम्भिक अवस्था में ही इनकी जांच करने से रोग जटिल होने से बचेंगे। रोग ग्रस्त होने पर आपको बिना किसी भी लापरवाही के ईलाज करना हितकारी रहेगा। इस विषय में किसी भी प्रकार की असफलता आपकी सुखद स्थिति को प्रतिकूल कर आपको परेशान कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त इस माह में किसी अन्य गंभीर चिंता की कोई बात नहीं है।

दिसम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह अवधि में सितारों का अनुकूल संयोजन न होने के कारण यह माह आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत उत्तम नहीं रहेगा। सीने या फेफड़ों के रोग आपको परेशानियां दे सकते है। पुरानी बीमारियों में बार-बार विकार होने की संभावना बन रही है। इन रोगों के ईलाज के लिए आपको सामान्य से अधिक देखभाल करनी होगी। इस समयावधि में आपको अधिक परिश्रम की वजह से थकावट और तंत्रिका संबंधी विकार हो सकते है। दुर्बलता और कमजोरी की स्थिति आपकी स्वास्थ्य हानि का कारण बन सकती है। इस प्रकार की स्थिति से आपको हर प्रकार से बचाव करना होगा। समय की प्रतिकूलता होने के कारण आपको अनावश्यक दबाव लेने से भी बचना होगा। तथा दांतों के स्वास्थ्य की अच्छी देखभाल करनी होगी। ध्यान न रखने से आपकी परेशानियां बढ़ सकती है। विपरीत समय में अपनी सेहत का अधिक ख्याल रखना होगा।

इस वर्ष मीन राशि के शनि सप्तम भाव में रहेंगे। 25 नवम्बर तक कुम्भ राशि के राहु षष्ठ भाव में रहेंगे और उसके बाद मकर राशिमें पंचम भाव में गोचर करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में मिथुन राशि केगुरु दशम भाव में रहेंगे और 2 जून को कर्क राशि मेंएकादश भाव में गोचर करेंगे और फिर से अतिचारी होकर 31 अक्टूबर को सिंह राशिमें द्वादश भाव में प्रवेश कर जाएंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। वर्षारम्भ से 1 फरवरी तक शुक्र अस्त रहेंगे और अक्टूबर में भी 14 दिन के लिए अस्त होंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा परिणाम देने वाला रहेगा। इस वर्ष आप अपने कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। किसी अनुभवी व्यक्ति से मिलकर व्यापार में उन्नति के लिए कोई नई योजना बनाएंगे। दशमस्थ गुरु के प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नतिहो सकती है या इच्छित स्थान पर स्थानान्तरण भी हो सकता है।

02 जून के बाद सप्तम स्थान पर शनि एवं गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपको कार्य व्यवसाय में बहुत अच्छा लाभ प्राप्त होगा। उच्च अधिकारियों व वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आप अपने व्यापार में अधिक सफलता प्राप्त करेंगे। आपकोजीवनसाथी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। यदि आप साझेदारी में कोई कार्य कर रहे हैं, तो उसमें इच्छित लाभ प्राप्त होगा और अपने साझेदार से संतुष्ट रहेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से भूमि, भवन, वाहन, रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। धनागम तो होता रहेगा। आप अपने भौतिक सुख सुबिधाओं पर अधिक खर्च करेंगे।

02 जून के बाद एकादश स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपकारुका हुआ धन मिल सकता है साथ ही आपके धनागम में वृद्धि होगी जिससे आप इच्छित बचत करने में सफल रहेंगे। आप अपनी संचित पूंजी बढ़ाने के लिए निवेश भी करेंगे। भाई-बहन या पुत्र के विवाह के अवसर पर धन खर्च हो सकता है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल रहेगा। चतुर्थ स्थान पर गुरु एवं शनिग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको माता पिता सहित पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा।

02 जून के बाद आपको प्रेम प्रसंगो में भी सफलता प्राप्त होगी। यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह हो जाएगा। यदि आप विवाहित हैं तो आपके जीवनसाथी के साथ सम्बन्ध मधुर होंगे। तृतीय स्थान में गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आप सामाजिक कल्याण के

लिए कुछ विशेष कार्य संपन्न करेंगे।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेगे। वे अपनी बौद्धिक शक्ति एवं कर्म के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।02 जूनके बाद पंचम स्थान पर गुरु के दृष्टि प्रभाव से नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है।

प्रथम संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति होने के शुभ योग बने है। यदि आपका बच्चा विवाह योग्य है तो उसका विवाह भी हो सकता है। यदि आप दूसरे बच्चे की इच्छा रखते हैं तो गर्भधान के लिए उत्तम समय है। 31 अक्टूबर के बाद समय कुछ प्रभावित हो सकता है। उस समय उनके स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत होगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट नहींरहेंगे। वर्ष के पुर्वार्द्ध में लग्न स्थान पर शनि के दृष्टि प्रभाव से मौसमजनित बीमारियों से परेशानी हो सकती है। आलस्य, मानसिक चिंता इत्यादि छोटी-मोटी परेशानियां होती रहेंगीपरन्तु गुरु के गोचरोपरान्त सब कुछ अनुकूल हो जाएगा।

02 जून के बाद गुरु का गोचर शुभ स्थान में होने से आपके स्वास्थ्य में सुधार होना शुरू हो जाएगा। आप अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए शुद्ध एवं शाकाहारी भोजन ही करेंगे। संतुलित आहार के साथ साथ नियमित व्यायाम भी करते रहेंगे। 31 अक्टूबर के बाद आपको अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष बहुत अच्छा रहेगा। छठे स्थान के राहु आपको प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता दिलाएंगे। जो व्यक्ति नौकरी की तालाश में हैं उनको इस वर्ष नौकरी मिल जाएगी।

02 जून के बाद पंचम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति रूचि बढ़ेगी और वे अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्य ार्थियो के लिए समय अच्छा है। तकनीकि शिक्षा के लिए भी वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहेगा।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। नवम स्थान पर शनि ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आप लम्बी यात्राएं करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में आपकी जन्म स्थल की यात्रा होगी। परिजनों साथ दर्शनीय स्थलों की यात्रा का भी आनन्द प्राप्त करेंगे।

मई के बाद छोटी-मोटी यात्राएंहोती रहेंगी। द्वादश स्थान पर राहु एवं केतु ग्रह के प्रभाव से आपकी विदेश यात्रा भी होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यो के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में अधिक व्यस्तता के कारण आप पूजा पाठ के लिए अधिक समय नहीं निकाल पाएंगे। 02 जून के बाद पंचम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपके अंदर ईश्वर के प्रति श्राद्धा एवं विश्वास बढ़ेगा। आप निःस्वार्थभाव से भगवान की पूजा व सत्कर्म करेंगे। 31 अक्टूबर के बाद दान पुण्य अधिक करेंगे।

- श्रीयन्त्र घर में स्थापित करें और नित्य उसके सामने देशी घी का दीपक जलाएं। जिससे आपकी आर्थिक उन्नति व समाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।
- सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य दें।
- प्रत्येक दिन प्राणायाम करें।

मासिक फलादेश

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके शत्रु प्रबल रहेंगे तथा उनसे आप भयभीत तथा चिंतित रहेंगे। जिससे मानसिक रूप से आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी तथा कई अनावश्यक विध्नबाधाएं भी उत्पन्न होंगी। साथ ही आपका कोई कार्य बंद हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन होने की संभावना बनेगी। समाज में अन्य लोगों से इस मास में आपका अनावश्यक विवाद या संघर्ष होगा जिससे सामाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शारीरिक कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्धारा भी किसी प्रकार की क्षति या हानि हो सकती है। अतः सावधानी एवं सतर्कतापूर्वक अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

यह महीना आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आपको द्रव्य लाभ का योग बनेगा। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों को भी आप सुनेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण आस्था रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से आप लाभार्जन करने में भी सफल हो सकते हैं। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में अभिबृद्धि होगी तथा समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होगी। अतः मन से आप पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को प्राप्त करने में भी सफल हो सकते हैं। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिये सामान्यतया अशुभ रहेगा। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य

अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस समय आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे तथा उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति तथा उद्विग्नता विद्यमान रहेगी। साथ ही इस मास में आपके धर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय आपको पूर्ण सहयोग रखना चाहिए तथा उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा आप दण्डित भी किए जा सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे एवं धन का व्यय भी अनावश्यक रूप में होता रहेगा। अतः आर्थिक दृष्टि से भी आप शिथिल हो सकते है। साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आप को बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबधियों से आपके संबधों में भी इस समय तनाव का वातावरण रहेगा तथा समाज से भी आप उपेक्षा प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पितजनित रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा दुर्घटना अदि से भी शरीर में रक्त विकार की संभावना हो सकती है। इसके अतिरिक्त इस समय अग्नि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिये विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में होंगे। इस समय आप स्त्री पक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रुओं की ओर से भी चिन्ता एवं भय का वातावरण बना रहेगा। इस मास में आपके उत्साह में भी कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम के बाद भी पूर्ण रूप से सिद्ध नहीं होंगे। शारीरिक अस्वस्थता भी इस समय बनी रहेगी तथा स्वभाव में लोलुपता के भाव में वृद्धि होगी। अपने बंधु एवं मित्र वर्ग से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव चलता रहेगा।मित्र वर्ग भी इस समय शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिसके कारण मन अशान्त तथा असंतुष्ट रहेगा। इसके अतिरिक्त आपके सामाजिक जनों से भी वादविवाद या संघर्ष होने की संभावना बनी रहेगी जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होते रहेंगे। अतः स्त्री से सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा बुद्धिबल से आपके कार्य सफल भी हो सकते है। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में रूचि उत्पन्न होगी। इस प्रकार आपका यह मास सामान्य रूप से व्यतीत होगा।

मई 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगे। इस समय शत्रुप क्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे एवं घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेंगी। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट

प्राप्त कर सकते हैं। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक रहेगा। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं विविध प्रकार से आप शारीरिक तथा मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता स्पष्ट रूप से परिलक्षित होगी। इस समय आप दूर या समीप की कोई यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं।आपके सांसरिक कार्य इस मास में अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्यय अधिक होगा। अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आपको समय समय पर शुभफल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं महिला सहयोगियों से भी लाभार्जन करेंगे। आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धनार्जन प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। इस मास में धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे तथा समाज में आपको पूर्ण यश प्राप्त होगा।

जून 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ तथा भाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आपके धर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होगा।संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा। इस मास में आपकी लाभ दायक यात्रा का योग भी बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सम्मान तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज में आप एक सम्माननीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा तथा सुख साधनों को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आपकी रूचि रहेगी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा व्याप्त रहेगी।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्ता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में पूर्ण उन्नति होगी तथा समाज में आपको उचित सम्मान तथा आदर प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण सम्मान तथा सहयोग अर्जित होगा तथा वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों को आप पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। सन्तति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में

वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होगी। जिससे मानसिक रूप से शान्ति तथा सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप सरकार या अधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। इस समय आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते है। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों आदि की भी आपको इस समय प्राप्ति हो सकती है।अतः यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख तथा प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होते रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी इस मास में आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मन भी पूर्ण प्रसन्न रहेगा। अध्ययन या ज्ञानार्जन के प्रति भी आप रूचिशील रहेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास में आपको मनोच्छित द्रव्य पदार्थो की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा तथा प्रचुर मात्रा में धन तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा समाज में यश तथा सम्मान प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे।अतः इस मास को आप सुखपूर्वक व्यतीत करेंगे।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रूप से व्यतीत होगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुष्ट मनुष्यों की संगति से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय आप आर्थिक संकट से भी उलझे रहेंगे। अतः मानसिक रूप से भी अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अत्यन्त परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का भी आप यथोचित पूजन तथा सत्कार नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप हानि प्राप्त करेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक रूप से व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे। साथ ही शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी। अतः मानसिक रूप से आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से लाभ अर्जित करेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी। साथ ही धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी। जिसके फलस्वरूप कोई धार्मिक उत्सव सम्पन्न हो सकता है। इस प्रकार यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आपके पराक्रम में नित्य वृद्धि होती रहेगी अतः इस समय आपके शत्रु वर्ग कमजोर रहेंगे एवं आप से प्रभावित तथा भयभीत रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय सम्मान एवं सहयोग अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही मुख्य कार्य के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करेंगे। अतः आपकी अर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी इससे समाज तथा मित्रवर्ग में प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी तथा पूर्व विलंबित हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वतः सिद्ध हो जाएंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफल रहेंगे एवं सर्वत्र आनन्द एवं प्रसन्नता का वातावरण विद्यमान रहेगा।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार भी हो सकता है।अतः शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सचेत रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी क्षति हो सकती है।अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धन लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों से आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपको अपने पारिवारिक जनों तथा बन्धु वर्ग के मध्य यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित होगी तथा परस्पर संबध भी मधुर रहेंगे। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। फलतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध हो जाएंगे। आपकी मिष्ठान्न भक्षण में भी इस मास पूर्ण रूचि रहेगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा रहेगा तथा उसमें बल की वृद्धि होती रहेगी। शत्रुपक्ष को पराजित तथा भयभीत करने में भी आप सफल रहेंगे तथा सभी जनों से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। फलतः आपका पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापार अदि कार्यो में भी आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिये अत्यंत ही शुभफलदायक रहेगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुखी रहेंगे तथा सन्तति पक्ष से भी सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या वस्तुओं की प्राप्ति भी हो सकती है। अतः प्रसन्नता पूर्वक इस मास को व्यतीत करने में आप सफल रहेंगे।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिये सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही समाज में अन्य लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

वर्ष के पूर्वार्द्ध में मीनस्थ शनि सप्तम भाव में रहेंगे और 3 जून को मेष राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 03 अक्टूबर को फिर से मीन राशि एवं सप्तम भाव में आजाएंगे। मकर राशि के राहु इस वर्ष पंचम भाव में रहेंगे। वक्री गुरु 25 जनवरी को कर्क राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे और मार्गी होकर 26 जून को सिंह राशि एवं द्वादश भाव में गोचर करेंगे, और फिर से अतिचारी होकर 26 नवम्बर को कन्या राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश कर जाएंगे। 26 अप्रैल से 5 जुलाई तक मंगल वक्री होकर सिंह राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे। 21 जुलाई से 7 सितम्बर तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्यतः उत्तम रहेगा। आप कार्य व्यवसाय में उन्नति करेंगे। एकादशस्थ गुरु आपको सफलता के लक्ष्य तक अवश्य पहुचाएंगे। बड़े अधिकारियों या अनुभवी लोगों का सहयोग मिलेगा, जिसका लाभ उठा कर आप व्यापार में उन्नति करेंगे। यदि आप किसी के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं, तो बहुत ज्यादा सफलता नहीं मिलेगी। चतुर्थ स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वालों का स्थान परिवर्तन हो सकता है।

जून के बाद आपका समय प्रभावित हो रहा है। उस समय आपको धोखा या व्यापार में हानि हो सकती है। गुप्त शत्रु व विरोधी आपके कार्यों में रुकावटें उत्पन्नकरेंगे। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े क्योंकि वर्षान्त में शनि एवं गुरु ग्रह का गोचर एक साथ अनुकूल हो रहा है। उस समय आपको अपने व्यापार व कार्यक्षेत्र में बहुत अच्छा लाभ प्राप्त होगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहेगा। एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से धनागम में निरंतरता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में आपके भाइयों का मुख्य योगदान होगा। कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। फंसा हुआ या रुका हुआ धन मिलने की सम्भावना है, परन्तु गुरु ग्रह के गोचर के बाद समय प्रभावित हो सकता है।

जून के बाद समय काफी प्रतिकूल हो रहा है। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। अतः किसी प्रकार के जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें। लेन देन के मामले में हमेशा सावधान रहें। 26 नवम्बर के बाद समय फिर से अनुकूल हो रहा है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में अधिक व्यस्तता के कारण आप अपने परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे परन्तु परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। भाईयों का सहयोग मिलता रहेगा। सामाजिक पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि

होगी। सप्तमस्थ शनि आपकी पत्नी का स्वास्थ्य प्रभावित कर सकते हैं।

जून के बाद गूरु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है। उस समय परिवार में किसी व्यक्ति के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। एक दूसरे के प्रति वैमनस्य की भावना उत्पन्न होगी। सहन शक्ति को बढ़ाएं और अपने वौद्धिक शक्ति के अनुसार निर्णय लें।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान परगुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके बच्चों कोस्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है तथा बच्चों की उन्नति में अवरोध पैदा होगा।

जून के बाद पंचमस्थ राहु के प्रभाव से संतान संबंधित चिंताएं बढ़ सकती है। आपके बच्चे को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है, जिससे फलस्वरूप उसकी शिक्षा-दीक्षा भी प्रभावित हो सकती है। इस समयान्तराल में गर्भवती स्त्रियों का गर्भपात हो सकता है। 26 नवम्बर के बाद आपके दूसरी संतान के लिए समय शुभ हो रहा है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा। लग्न स्थान पर शनि एवं राहु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपको स्वास्थ्य संबंधित परेशानी उत्पन्न हो सकती है। अचानक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, परन्तु एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से आप जल्दी ही स्वस्थ भी हो जाएंगे।

26 जून के बाद समय काफी प्रतिकूल हो रहा है। उस समय मौसम जनित बीमारी, दुर्घटना या किसी प्रकार के शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। द्वादशस्थ गुरु के जल तत्व राशि में होने के कारण कफ रोग या मौसम सम्बन्धित बीमारियां घेर सकती हैं। ऐसे में स्वास्थ्य का ख्याल रखना जरुरी होगा। सुबह-सुबह व्यायाम करना या योगा करना आपके लिए लाभप्रद सिद्ध होगा। 21 नवम्बर के बाद स्वास्थ्य अनुकूल होना शुरु हो जाएगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का पूर्वार्द्ध विद्यार्थियों के लिए अनुकूल नहीं रहेगा। पंचमस्थ राहु के प्रभाव से आपकी शिक्षा में रूकावट आ सकती है। आलस्य की भावना आपकी शिक्षा में व्यवधान डाल सकती है। प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को सफलता प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है।

26 जून के बाद समय प्रतिकूल हो रहा है। उस समय प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए लगातार अथक प्रयास करना पड़ेगा। बेरोजगार जातकों को अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। 26 नवम्बर के बाद विद्यार्थियों के लिए समय काफी अच्छा हो जाएगा।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध मे छोटी यात्राएं तो होती रहेंगी, परन्तु 26 जून के बाद द्वादश स्थान के गुरु आप को विदेश यात्रा भी करा सकते है।

चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की अपनी जन्मभूमि की यात्रा होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा रहेगा। एकादशस्थ गुरु ग्रह के प्रभाव से आपका मन पूजा-पाठ के प्रति ज्यादा आकर्षित रहेगा। परमात्मा के भक्ति या मन्त्र पाठ में रूचि लेंगे। सप्तमस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आप धर्मपत्नी के साथ कोई विशेष पूजा-पाठ करेंगे। 26 जून के बाद गुरु ग्रह का गोचर द्वादश स्थान में होने से दान-पुण्य की मनोभावना उत्पन्न होगी।

- द्विज, देव, ब्राह्मण, बुजुर्ग, गुरु व मंदिर के पूजारी की सेवा, सुश्रूषा करें।
- पीली दाल, केला व बेसन की मिठाई मंदिर में दान करें एवं गुरुवार का व्रत करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु या काला कम्बल दान करें।
- गरीबों को भोजन कराएं।

मासिक फलादेश

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक घटित होंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। आपका शत्रुपक्ष इस समय प्रबल रहेगा अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता आएगी या कोई अन्य कार्य छूट सकता या बन्द हो सकता है। साथ ही कार्यक्षेत्र में किसी प्रकार के परिवर्तन होने की भी संभावना रहेगी। समाज में अन्य जनों से आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा परस्पर विवाद एवं वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि के योग भी बनते है तथा शरीर में किसी प्रकार का रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता से समय को व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः आप स्त्री एवं पुत्र से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनसे आपको कोई कष्ट नहीं होगा। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या कीमती द्रव्यों को भी प्राप्त कर सकते है। इससे आप मानसिक प्रसन्नता की प्राप्ति कर सकेंगे।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सफल होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्यार्जन करने में समर्थ होंगे तथा पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस मास में ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा इसमें आप सफल भी होंगे। आपके प्रभुत्व में इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी योग्यता को स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध होंगे तथा कहीं से शुभ समाचार भी मिलेगा जिससे आपको प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करने में भी सफल रहेंगे। इस समय समाज से आपको पूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। अतः मानसिक रूप से आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाली बीमारियों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही इस समय आप रक्त विकार से भी पीड़ित हो सकते है। अतः अपने समस्त सांसारिक कार्यकलापों को करने में सतर्कता का अनुपालन करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा परन्तु अल्पमात्रा में शुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्य मान रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे फलतः आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनकी ओर से चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा किसी प्रकार से दण्ड भी प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में रहेगा। अतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके अतिरिक्त आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा तथा समाज में सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा कुछ न कुछ विवाद चलता रहेगा। आपकी इच्छाएं भी इस मास में अपूर्ण रहेंगी। अतः बुद्धिमता एवं सावधानी से अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ समय समय पर शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे साथ ही अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धनार्जन भी करेंगे। इस प्रकार आप मध्यम रूप से सुख प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे तथा समाज में भी न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धुवर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा इनको किसी प्रकार की कष्टानुभूति हो सकती है। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी इस मास में बलवान रहेगा जिससे आप इनकी ओर से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा इनके द्वारा आपके लिए समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। इस समय आप में उत्साह के भाव की न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक होगा जिससे आप आर्थिक रूप से भी परेशान रहेंगे।साथ ही लोभ के भाव की आप में अधिकता दृष्टिगोचर होगी।बन्धु एवं मित्रों से आपके विशेष अच्छे संबध नहीं रहेंगे एवं परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा इस समय मित्र भी शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त पारिवारिक तथा सामाजिक जनों से भी परस्पर विवाद होता रहेगा। अतः संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं लाभ अर्जित करने में सफल होंगे। साथ ही अधिकाशं कार्यो को अपनी बुद्धि बल से सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त इस मास में आप सामान्य धनार्जन तथा सुख प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे।

मई 2027 के लिए फलादेश

यह महीना आपके लिए अशुभ फल अधिक मात्रा में प्रदान करेगा तथा शुभ फल अल्प मात्रा में ही घटित होंगे। इस समय शत्रु पक्ष से आप चितित एवं भयभीत रहेंगे तथा

आपके लिए वे कई अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे।साथ ही इस मास में आपके घर में चोरी आदि भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में विघ्न बाधाएं आती रहेंगी। इस समय आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी एवं धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का भाव रखेंगे। इसके अतिरिक्त आपका स्वास्थ्य खराब रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्ट प्राप्त कर सकते है। इस समय दूर समीप की कोई यात्रा भी कर सकते है। साथ ही सांसारिक कार्यो से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी व्ययाधिक्य की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा एवं अपनी बुद्धिमता से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म का भी आप अनुपालन करेंगे एवं समाज में यथोचित सम्मान भी प्राप्त होगा।

जून 2027 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा फलतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे साथ ही समाज में आपके यश में भी वृद्धि होगी। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में आपकी प्रतिष्ठा में नित्य वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी आपकी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफफलता तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही आपके उच्चाधिकारी भी आपसे पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे जिससे

आप पदोन्नति या विशेष लाभ भी प्राप्त कर सकते है। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनके परोपकार संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में इस मास सफलता प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। अतः मन से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता एवं श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे तथा आपको हार्दिक आदर प्रदान करेंगे। आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा एवं अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस माह में आप नवीन गृह की प्राप्ति या स्थान परिवर्तन भी कर सकते हैं।साथ ही आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को अपनी बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप समस्त भौतिक सुख अर्जित करके प्रसन्नता पूर्वक समय को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ फल दायक रहेगा। इस समय महिला वर्ग से आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा तथा आपके सौभाग्य में भी आशातीत वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर सम्पन्न होंगे। इससे मानसिक रूप से आप पूर्ण शान्ति तथा प्रसन्नता प्राप्त करेंगे।साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं ज्ञानार्जन के क्षेत्र में आपके मन में उत्सुकता उत्पन्न होगी। आपके मित्र तथा बन्धु जनों से इस समय मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा सहायता प्राप्त होगी। इस समय आपको इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा एवं समाज में भी आप सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके रूके हुए शुभ कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा। एवं प्रचुर मात्रा में धन एवं सुख साधनों को अर्जित करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगे एवं समाज तथा बन्धुवर्ग से पूर्ण सम्मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

यह महीना आपके लिए अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों से आपका मेल मिलाप रहेगा। साथ ही आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस मास में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अत्यंत परिश्रम करने पर भी

सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। धर्म के प्रति भी आपमें श्रद्धा की भावना नहीं रहेगी एवं धन हानि के योग भी बनते रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे एवं उनसे किसी भी प्रकार का सुख या सहयोग नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही शत्रुओं से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके संकल्प भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः इस मास में शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें तथा अपने कार्यो को भी बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्नचित रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही आपके आय स्त्रोतों में भी वृद्धि होगी जिससे वांछित लाभ अर्जित होगा। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप लाभार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके चिर प्रतीक्षित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सिद्ध होंगे। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही आपके सांसारिक कार्य भी इस समय सफल होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करेंगे तथा इनसे पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार यह महीना आपके लिए अत्यंत ही उत्तम फल दायक रहेगा।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय प्राप्त होगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल हो सकेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न के प्रति भी अधिक रूचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक

बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रुवर्ग इस मास में आपका निर्बल रहेगा फलतः वे आपसे पराजित रहेंगे। स्त्री से भी आप सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवहेलना होगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्य शुभ रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में भी सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक इनका पूजन तथा आदर करते रहेंगे।साथ ही दूसरे लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपका उचित सहयोग एवं मित्रता रहेगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सुख एवं सहयोग आपको प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी आप यदाकदा प्राप्त करेंगे।अतः आप ठंड या वातरोग से पीड़ित हो सकते है तथा आपके द्वारा कोई ऐसा कार्य भी सम्पन्न होगा जिसके लिए आपको पछताना पड़ेगा जिससे समाज में सम्मान में भी कमी आएगी। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता से अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

वर्षारम्भ में मीन राशि के शनि सप्तम भाव में रहेंगे और 23 फरवरी को मेष राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे। राहु वर्ष के शुरुआत में मकर राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे और 24 मई को धनु राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में कन्या राशि के गुरु लग्न स्थान में रहेंगे और वक्री होकर 28 फरवरी को सिंह राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे और फिर से मार्गी होकर 24 जुलाई को कन्या राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। 28 मई से 6 जून तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

वर्ष के प्रारम्भ में सप्तम स्थान पर गुरु एवं शनि के संयुक्त गोचरीय प्रभाव से आपको व्यापार में बहुत लाभ मिलेगा। वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। फरवरी के बाद आपके कार्य व्यवसाय में व्यवधान आ सकता है। अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से आपके कार्यों में गुप्त शत्रुओं द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं। कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का समय सामान्य रहेगा।

24 जुलाई के बाद समय कुछ अच्छा हो रहा है। व्यापार व कार्य क्षेत्र में सफलता मिलनी शुरु हो जाएगी। भाग्य अनुकूल होने के कारण आपको कार्यों में सफलता मिल सकती है। चतुर्थस्थ राहु के कारण नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण हो सकता है। यह स्थानान्तरण आपके मनोनुकूल स्थान पर नहीं होगा।

धन संपत्ति

फरवरी के बाद आर्थिक उन्नति के लिए समय उत्तम नहीं रहेगा। कुछ ऐसे खर्च आ सकते हैं जिससे आपको आर्थिक हानि हो सकती है। आय के सारे मार्ग प्रभावित हो सकते हैं। इन सब के बावजूद आपका पैसा भी खो सकता है। किसी को उधान पैसा न दें। बच्चों के स्वास्थ्य पर भी व्यय हो सकता है।

24 जुलाई के बाद समय कुछ अच्छा हो रहा है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है जिससे आर्थिक स्थिति में कुछ सुधार होना शुरु होगा। सप्तम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से पत्नी या मित्रों से धन लाभ होगा। अपने व्यापार को और आगे बढ़ाने में भी धन व्यय करेंगे। चतुर्थस्थ राहु के कारण भौतिक सुख-सुविधाओं पर भी आपका खर्च होगा।

घर-परिवार, समाज

वर्षारम्भ में पारिवारिक माहौल उत्तम रहेगा परन्तु फरवरी के बाद गुरु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से पारिवारिक अनुकूलता भंग हो सकती है। ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपके वैचारिक मतभेद होंगे। परिवार में एक-दूसरे के प्रति वैमनस्य की भावना उत्पन्न हो सकती है।

24 जुलाई के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। आपके परिवार में पुत्रादि का

विवाह या कोई मांगलिक कार्य संपन्न होगा जिसमें आपकी अहम भूमिका होगी। सप्तम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से पत्नी के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। सामाजिक पद-प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा।

संतान

पंचमस्थ राहु के प्रभाव से वर्ष का प्रारम्भ संतान के लिए अच्छा नहीं है। वर्ष के प्रारम्भ से ही संतान संबंधित चिन्ताएं बनी रहेंगी। आपके बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा जिससे उनकी शिक्षा भी प्रभावित हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित कोई लापरवाही न करें। गर्भवती स्त्रियों का गर्भपात हो सकता है।

24 जुलाई के बाद लग्न स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से समय काफी अनुकूल हो रहा है। आपके बच्चे की शिक्षा के क्षेत्र में रूचि बढ़ेगी। अच्छे शैक्षणिक संस्थान में उसका प्रवेश हो जाएगा। आपके दूसरे बच्चे के लिए भी समय बहुत अच्छा है। यदि विवाह योग्य है तो विवाह भी हो सकता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। लग्नस्थ गुरु पर शनि की दृष्टि प्रभाव से शारीरिक आरोग्यता में वृद्धि होगी जिससे रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ेगी। फरवरी के बाद समय प्रतिकूल हो रहा है। द्वादशस्थ गुरु एवं अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से स्वास्थ्य में अचानक उतार चढ़ाव की स्थिति बन सकती है। कफ, मधुमेह, पेट संबंधित एवं मौसमजनित बीमारियों के कारण ज्यादा परेशान हो सकते हैं। कभी कभी बीमारी नहीं होने के बावजूद बीमार जैसा अनुभव होगा।

24 जुलाई के बाद गुरु ग्रह का गोचरीय प्रभाव लग्न स्थान में होने से स्वास्थ्य में सुधार आना शुरु हो जाएगा। अच्छे स्वास्थ्य के लिए खान-पान एवं दिनचर्या को सुधारें। आपकी धर्मपत्नी आपकी सेहत का पूरा ध्यान रखेगी।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। तकनीकी शिक्षा या व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। फरवरी के बाद प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को सफलता प्राप्ति के लिए अथक प्रयास करना पड़ेगा।

24 जुलाई के बाद विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा हो रहा है। आप पढाई लिखाई में आगे रहेंगे। यदि आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो अच्छे शैक्षणिक संस्थान में आपका प्रवेश हो सकता है।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष काफी अच्छा है। फरवरी के बाद द्वादशस्थ गुरु विदेश यात्रा के अच्छे योग बना रहे हैं। जलीय क्षेत्र की यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं।

24 जुलाई के बाद नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी लम्बी यात्राएं होंगी। यात्रा के दौरान या वाहन चलाते समय सावधानी बहुत जरूरी है क्योंकि अष्टम स्थान में शनि का गोचर यात्रा में व्यवधान उत्पन्न करता है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारंभ में लग्न, पंचम व नवम इन तीनों त्रिकोण भावों पर गुरु के गोचरीय प्रभाव के चलते आप ईश्वर भक्ति, योग, तीर्थाटन तथा गुरु भक्ति या गुरु दीक्षा लेने जैसी गतिविधियों में रुचि लेने के अतिरिक्त पूजा-पाठ, मंत्र जाप तथा यज्ञ आदि कर्म अधिक करेंगे। अष्टम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के गोचरीय प्रभाव से तन्त्र के प्रति आपका आकर्षण ज्यादा रहेगा।

- माता-पिता, गुरु, साधू, संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- मंदिर या धार्मिक स्थानों पर केला या बेसन के लड्डू वितरित करें।
- प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें।

वर्ष के पूर्वार्द्ध में मेष राशि के शनि अष्टम भाव में रहेंगे और 08 अगस्त को वृष राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर फिर से 05 अक्टूबर को मेष राशि एवं अष्टम भाव में आ जाएंगे। धनु राशि के राहु चतुर्थ भाव में रहेंगे। वर्षारम्भ में तुला राशि के गुरु द्वितीय भाव में रहेंगे और वक्री होकर 29 मार्च को कन्या राशि एवं लग्न भाव में प्रवेश करेंगे और फिर से मार्गी होकर 25 अगस्त को तुला राशि एवं द्वितीय भाव में आ जाएंगे। वक्री मंगल 27 जुलाई तक कन्या राशि एवं लग्न भाव में रहेंगे। 15 फरवरी से 16 अप्रैल तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

वर्ष की शुरुआत कार्य व्यवसाय के लिए सामान्य रहेगी। अष्टम स्थान के शनि व्यवसाय में उतार-चढ़ाव की स्थिति बना रहे हैं। आप अपने कार्यों को अंजाम तक पहुंचान में कठिनाईयों का अनुभव करेंगे। आपके कार्यों में गुप्त शत्रुओं द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं इसलिए अपनी बौद्धिक क्षमता के अनुसार कार्य करते रहें।

25 अगस्त से समय काफी अनुकूल हो रहा है। कार्य व्यवसाय में आपका भाग्य साथ देगा। लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा।

धन संपत्ति

वर्ष का प्रारम्भ आर्थिक उन्नति के साथ होगा। द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से रत्न आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। संचित धन में भी वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में निरंतरता बनी रहेगी। मांगलिक कार्यों में भी आप व्यय करेंगे । चतुर्थस्थ राहु के कारण माता या आपके स्वास्थ्य पर भी व्यय हो सकता है। अष्टम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त गोचरीय प्रभाव से पैतृक संपत्ति या स्थिर धन का लाभ हो सकता है।

25 अगस्त से 05 अक्टूबर तक समय काफी अच्छा रहेगा। इस समय के अंतराल आपके रुके हुए पैसे या फसे हुए पैसे मिलेंगे। पुराने चले आ रहे कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। सितम्बर के बाद कोई बड़ा निवेश न करें। विशेष कर जमीन जायदाद में। नहीं तो आपका पैसा फंस सकता है।

घर-परिवार, समाज

वर्षारम्भ में परिवार में सदस्य संख्या में वद्धि होगी। आपके परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। परिवार में एक-दूसरे के प्रति परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न होगी जिससे आपस में भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। 29 मार्च से पारिवारिक माहौल बिगड़ सकता है। परिवार में एक-दूसरे के साथ मानसिक मतभेद उत्पन्न होता रहेगा। अष्टमस्थ शनि के प्रभाव से आपके ससुराल पक्ष के लोगों के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते है।

25 अगस्त के बाद पारिवारिक वातावरण फिर से अनुकूल हो जाएगा और आपको परिवार का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। चतुर्थ स्थान का राहु माता के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। अतः उनके खान पान पर ध्यान दें। आप सामाजिक गतिविधियों में कम भाग लेंगे।

संतान

वर्षारम्भ से आप के बच्चों की उन्नति होगी। शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ेगी। 29 मार्च के बाद आपके दूसरे बच्चे के लिए समय बहुत अच्छा हो रहा है। यदि विवाह योग्य है तो उसका विवाह भी हो सकता है। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि भर्गाधान के लिए उत्तम योग बना रही है। नवविवाहित महिलाओं के लिए संतानोत्पति का सुन्दर समय चल रहा है।

25 अगस्त के बाद संतान को उन्नति के अवसर मिलेंगे। मान-सम्मान प्राप्त करेंगे। संतान के साथ प्रेम व समन्वय में वृद्धि होगी। आपके घरेलू वातावरण में भी सुधार होगा।

स्वास्थ्य

वर्षारम्भ में अष्टमस्थ शनि एवं लग्नस्थ मंगल के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहेगा। मौसमजनित बीमारियों से आपका स्वास्थ्य प्रभावित होता रहेगा। 29 मार्च के बाद लग्न स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपके स्वास्थ्य में काफी सुधार आएगा। आप मानसिक रूप से सन्तुष्ट रहेंगे। प्रत्येक कार्य को आप सकारात्मक रूप से करेंगे। रोग प्रतिरोधक शक्ति विकसित होगी। मानसिक शान्ति एवं शारीरिक आरोग्यता प्राप्त होगी और आप पूर्ण रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

05 अक्टूबर से फिर से स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है परन्तु आप शीघ्र ही अच्छे हो जाएंगे और अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए नियमित व्यायाम करेंगे। शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगे। जिससे आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। करियर में सफलता प्राप्ति के लिए लगातार परिश्रम करने की आवश्यकता है। 29 मार्च के बाद व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए समय उत्तम रहेगा।

25 अगस्त से 05 अक्टूबर तक प्रतियोगिता परीक्षार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा। इस समय के अंतराल में आपको सफलता मिल सकता है। आपके लिए रोजगार के नये-नये अवसर भी मिलेंगे। जिसका उचित लाभ उठाकर आप अपने करियर में सफल होंगे।

यात्रा-तबादला

द्वादश स्थान पर राहु की दृष्टि प्रभाव से वर्षारम्भ में विदेश यात्रा हो सकते हैं। 29 मार्च के बाद नवम पर गुरु की दृष्टि के कारण आपके जन्म स्थल से दुर की लम्ब यात्रा हो सकती है। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण हो सकता है।

25 अगस्त से आपकी छोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी। 05 अक्टूबर के बाद आप जलीय क्षेत्रों की यात्रा भी करेंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। 29 मार्च के बाद नवम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी जिसके फलस्वरूप आप पूजा, पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान अधिक करेंगे। आप गुरु मन्त्र लेकर उसकी साधना कर सकते हैं। 05 अक्टूबर के बाद नवमस्थ शनि के प्रभाव से धार्मिक यात्रा भी करेंगे। आपकी रुचि धार्मिक कार्यों के प्रति और बढ़ जाएगी।

- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें। शनि मन्त्र का पाठ करें।
- प्रत्येक मंगलवार को हनुमानजी को चोला चढ़ाएं।
- दुर्गाजी की उपासना करें या दुर्गा बीसा कवच गले में धारण करें।

वार्षिक फलादेश - 2030

वर्षारम्भ में मेष राशि के शनि अष्टम भाव में रहेंगे और 17 अप्रैल को वृष राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे धनु राशि का राहु चतुर्थ भाव में रहेंगे और 04 फरवरी को वृश्चिक राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। 25 जनवरी को गुरु वृश्चिक राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 01 मई को तुला राशि एवं द्वितीय भाव में गोचर करेंगे और फिर से मार्गी होकर 23 सितम्बर को वृश्चिक राशि एवं तृतीय भाव में आ जाएंगे। इस वर्ष मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे 27 सितम्बर से 18 नवम्बर तक शुक्र अस्त रहेंगे

व्यवसाय

व्यावसायिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ बहुत अच्छा नहीं रहेगा। राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण व्यावसायिक जीवन में व्यवधान आ सकता है, परन्तु 17 अप्रैल के बाद समय बहुत अच्छा हो रहा है। यह समय आपके व्यापार में कुछ बड़ी उपलब्धियां लेकर आएगा।

पूर्ण रूप से यह वर्ष आपके लिए हितकर ही रहेगा। कार्यस्थल में भी आपका प्रदर्शन अच्छा रहेगा। जो लोग रोजगार के लिए परेशान है उन्हें जल्द ही सुखद समाचार मिलेगा। 23 सितम्बर से आप अपने काम को लेकर उत्साहित रहेंगे और अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास व मेहनत करेंगे। इस समय के अंतराल में आपको मनचाहा परिणाम मिलेगा। आपको केवल अपनी एकाग्रता बनाए रखनी है और फिर देखिए यह साल आपके लिए कितना लाभदायक होता है।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ बहुत उत्तम नहीं रहेगा। माता-पिता का स्वास्थ्य अनुकूल करने में आपका व्यय होगा परन्तु अप्रैल के बाद व्यापारिक अनुकूलता के चलते आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होना शुरु हो जाएगा। भाग्य अनुकूल होने से आप बचत करने में भी सफल रहेंगे

गुरु एवं राहु की युति प्रभाव के चलते फरवरी से अप्रैल तक आप को बड़े निवेश या खरीदारी से बचना होगा। आने वाले महीनों में आपको निश्चित ही लाभ होगा। व्यवसायियों को व्यवसाय का विस्तार करने के लिए अवसर मिलेंगे। इस साल आप जमीन-जायदाद पर भी खर्च कर सकते हैं। यदि आप पिछले कई महीनों से घर लेने की सोच रहे हैं तो आप अपनी इस योजना को पूरा कर सकते हैं। 23 सितम्बर के बाद रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। पुराने चले आ रहे कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल जाएगी।

घर-परिवार, समाज

चतुर्थस्थ राहु के प्रभाव से आपका पारिवारिक वातावरण अनुकूल नहीं रहेगा। आपके माता-पिता के लिए समय शुभ नहीं है। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा। राहु ग्रह

का गोचर आपके भाईयों के लिए भी अच्छा नहीं है। ससुराल पक्ष के लोगों के साथ भी आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे।

01 मई से सामाजिक एवं पारिवारिक दोनों पक्षों के लिए समय बहुत अच्छा हो रहा है। आपके परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य भी अधिक होंगे। आपकी सामाजिक पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़-चढ़ के भाग लेंगे। समाज उत्थान या सामाजिक कल्याण के लिए आप कोई विशेष कार्य भी संपन्न करेंगे।

संतान

वर्षारम्भ से अप्रैल तक का समय संतान के लिए अच्छा नहीं रहेगा। गुरु एवं राहु ग्रह की युति आपकी संतान के लिए अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहने के कारण उनकी शिक्षा-दीक्षा या उन्नति में रुकावटें आ सकती हैं।

मई से आपके बच्चों की उन्नति होगी और उनके साथ संबंधों में मधुरता आएगी जिससे आपके घरेलू वातावरण में भी सुधार होगा। आपकी दूसरे संतान के लिए यह समय बहुत अच्छा नहीं है।

स्वास्थ्य

वर्ष की प्रारम्भिक तिमाही छोड़ दें तो पूरे वर्ष आप स्वस्थ रहेंगे। आप मानसिक और शारीरिक दोनों रूपों से स्वस्थ रहेंगे अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए आप नियमित रूप से व्यायाम या योगा करते रहेंगे जिससे आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता रहेगा।

कुछ समय ऐसा भी आएगा जब आप खुद को थका हुआ महसूस करेंगे किन्तु कोई बड़ी स्वास्थ्य संबंधित समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। अतः आप तनाव व चिंतामुक्त रहें। 23 सितम्बर के बाद अपने खान-पान पर अधिक ध्यान दें और आलस्य न करें। यह आपके स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्षारम्भ में आपको गुप्त शत्रुओं का सामना करना पड़ सकता है। 17 अप्रैल के बाद भाग्य का सहयोग पूर्ण रूप से मिलने के फलस्वरूप प्रतियोगियों को परास्त कर आप अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

01 मई से विद्यार्थियों का नये तकनीकी विषय की ओर रुझान होगा। मैनेजमेंट, प्रशासनिक, शिक्षण से जुड़े लोगों को रिसर्च व टेनिंग के सिलसिले में विदेश जाने का मौका मिल सकता है।

यात्रा-तबादला

वर्ष का प्रारम्भ यात्रा की दृष्टि से अनुकूल है। गुरु ग्रह के प्रभाव से छोटी यात्राओं

के साथ लम्बी यात्राएं भी होंगी। नवम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आप धार्मिक यात्रा भी करेंगे।

नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा यह परिवर्तन आपके प्रतिकूल स्थान पर भी सकता है। विदेश यात्रा के भी योग हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारम्भ में घरेलू परेशानी के कारण धार्मिक कार्य कम ही करेंगे राहु एवं गुरु ग्रह की युति आपके दैनिक पूजा पाठ को भी प्रभावित कर सकती है। अष्टमस्थ शनि के कारण तन्त्र, मन्त्र, यन्त्र इत्यादि पर ज्यादा विश्वास करेंगे। तान्त्रिक क्रियाओं की सिद्ध के लिए आप साधना भी कर सकते हैं।

- मंगलवार के दिन हनुमान जी को लड्डू का भोग लगाकर गरीब लोगों को बांट दें।
- प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- दुर्गा जी की उपासना करें या राहु मन्त्र का पाठ करें।

इस वर्ष वृष राशि के शनि नवम भाव में रहेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में वृश्चिक राशि के राहु तृतीय भाव में रहेंगे और 9 अगस्त को तुला राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में वृश्चिक राशि के गुरु तृतीय भाव में रहेंगे और 17 फरवरी को धनु राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 14 जून को वृश्चिक राशि एवं तृतीय भाव में गोचर करेंगे और फिर मार्गी होकर 15 अक्टूबर को धनु राशि एवं चतुर्थ भाव में आ जाएंगे। 4 जनवरी से 15 अगस्त तक मंगल वक्री होकर तुला राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे। 2 अगस्त से 15 अगस्त तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

यह वर्ष आपके लिए कई लाभकारी अवसर लेकर आ रहा है। आप अपने व्यावसायिक जीवन में कुछ विशेष करेंगे जिससे आपके सहयोगी और अधिकारी भी प्रभावित होंगे। अपने दायित्वों का पूर्ण रूप से निर्वहन करेंगे। आप अपने लक्ष्यों को योजनानुसार प्राप्त कर सकेंगे। इस दौरान आपको अपने भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपनी योजना निर्धारित करनी होगी।

बेरोजगार युवकों को अड़चनों के बाद सफलता प्राप्त होगी। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का अनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। 15 अक्टूबर के बाद आपको रोजगार सम्बंधित सुखद समाचार मिलने शुरु हो जाएंगे और आप अपने सपनों को साकार करने के लिए अपने लक्ष्य की तरफ पूर्ण विश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक तौर पर यह साल आपके लिए चुनौतियों के साथ अनेक लाभ भी लाएगा। हालाँकि जिस तरह के चपल और बुद्धिजीवी व्यक्ति आप है, इन चनौतियों को लाभकारी अवसरों में बदलना आपके लिए बड़ी बात नहीं होगी। 18 फरवरी के बाद आप भूमि, भवन एवं वाहनादि पर भी अच्छा निवेश करेंगे। इस समय के अंतराल में आप इस बात पर ध्यान दे सकते हैं कि भविष्य में किए जाने वाले निवेशों से लाभ किस प्रकार पाया जाए। एक सही योजना बना कर आप निवेश से लाभान्वित हो सकते हैं।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में कोई खोया हुआ जरूरी दस्तावेज भी मिल सकता है। यदि ऋण के लिए आवेदन किया है तो वह भी बिना देरी के मंजूर हो जाएगा। हर प्रकार की आर्थिक परेशानियां तुरंत ही दूर हो जाएंगी। परिवार में मांगलिक कार्य होंगे जिसमें आप खुले हाथों से व्यय करेंगे। द्वितीयस्थ राहु के प्रभाव से परिजनों के स्वास्थ्य के ऊपर भी आपके पैसे खर्च होंगे।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों के लिए यह वर्ष कम अनुकूल है। द्वितीय स्थान के मंगल पारिवारिक वातावरण में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनाए रखेंगे जिससे परिजनों के बीच सामंजस्य

बिठाने में कठिनाई पैदा होगी। परिवार के कुछ लोगों का बर्ताव ठीक नहीं रहेगा। आपके पिता के लिए समय अनुकूल नहीं है।

गुरु ग्रह का गोचर पारिवारिक वातावरण के लिए बहुत अच्छा रहेगा। परिवार में एक दूसरे के साथ भावनात्मक लगााव में वृद्धि होगी। आपकी माता के लिए समय काफी शुभ है। तृतीयस्थ राहु के प्रभाव से आपका सामाजिक स्तर बढ़ेगा। मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

संतान

वर्ष के शुरु में संतान के लिए समय अच्छा है। आप अपने बच्चों के मनोबल को बढ़ाते रहें तो वे अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेंगे।

9 अगस्त के बाद आपकी दूसरी संतान के लिए समय अच्छा हो रहा है। उस समय बच्चों के साथ प्रेम समन्वय में बृद्धि होगी। यदि आप दूसरी संतान की इच्छा रखते हैं। तो यह समय श्रेष्ठ है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल बना रहेगा। पूरा साल आप तंदरुस्त और सेहतमंद महसूस करेंगे। क्योंकि आपके अन्दर उत्साहवर्धक ऊर्जाओं की वृद्धि होगी। आप अपनी दिनचर्या में नयी गतिविधियों को शामिल करेंगे जैसे कि जिम जाना या सुबह-सुबह टहलना एवं व्यायाम आदि।

यदि आलस्य ने आपके अन्दर घर बना लिया तो आपका स्वास्थ्य एक चिंताजनक विषय बन सकता है। इसलिए आपके लिए खास सलाह है कि आप एकाग्रता से अपने भीतर एक सशक्त भाव उत्पन्न करें और अपने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर एवं प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। 18 फरवरी के बाद माध्यमिक शिक्षा ग्रहण कर रहे शिक्षार्थियों के लिये सयम बहुत शुभ है।

विदेशी भाषा सीखने के लिए यह समय काफी शुभ है यदि आप अपने शत्रुओं को परास्त करना चाहते हैं, तो नीतियों में बदलाव करना पड़ेगा।

यात्रा-तबादला

नवमस्थ शनि के प्रभाव से छोटी-मोटी यात्राओं के साथ आप लम्बी-लम्बी यात्राएं भी करेंगे। धार्मिक स्थलों की यात्रा करने का अवसर प्राप्त होगा। 18 फरवरी के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का अनुकूल स्थार पर स्थानान्तरण होगा।

अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्ति अपनी जन्म भूमि की यात्रा करेंगे या अपने परिवार के साथ दर्शनीय स्थलों की यात्रा करेंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

इस वर्ष आप अपने कार्य व्यवसाय पर अधिक ध्यान देंगे और कर्म ही पूजा है इस वाक्य को भी चरितार्थ करेंगे।

- प्रत्येक दिन सूर्य को जल दे एवं प्रणायाम करें।
- बुधवार के दिन चींटियों को दाना डालें एवं भूखे व्यक्तियों को खाना खिलाएं।
- नित्य हनुमान चालीसा का पाठ करें।

वार्षिक फलादेश - 2032

वर्षारम्भ में शनि वृष राशि एवं नवम भाव में होंगे और 31 मई को मिथुन राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे। तुला राशि के राहु द्वितीय भाव में रहेंगे। वर्षारम्भ में धनु राशि केगुरु चतुर्थ भाव में रहेंगे और 5 मार्च को मकर राशि एवं पंचम भाव में गोचर करेंगे और वक्री होकर 12 अगस्त को धनु राशि एवं चतुर्थ भाव में आजाएंगे और पुनः मार्गी होकर 23 अक्तूबर को मकर राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे।

व्यवसाय

कार्य-व्यवसाय के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा। व्यापार में बदलाव या फिर नौकरी में पदोन्नति की भी संभावना बन रहीहै। 5 मार्च से कार्यस्थल में प्रशंसा और पहचान मिलेगी और यह आपकी आशावादी विचारधारा के कारण ही होगा।राहु ग्रह का गोचर अच्छा नहीं होने कारण आपके कार्यों में कुछ परेशानियां आ सकती हैं लेकिन आप अपने बौद्धिक बल के द्वारा उसका भी निदान निकाल लेंगे।

12 अगस्त से व्यावसायिक स्तर आपके लिए काफी हितकारी होने वाला है। आपको आपकी पिछली व्यावसायिक सफलताओं के लिए भी पुरुस्कृत किया जाएगा। साथ ही आपकी कड़ी मेहनत को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। दशमस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आप के अन्दर गजब का आत्मविश्वास उत्पन्न होगा जिससे आप अपने क्लाइंट्स को प्रभावित करने में सफल होंगे। नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति होगी।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ बहुत बढ़िया नहीं रहेगा। द्वितीय स्थान के राहु आर्थिक उन्नति में रुकावटें डाल सकते हैं। आय की राह में रोड़ा खड़ा करसकते हैं। जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें। शीघ्र पैसा बनाने वाले तरीको पर अंकुश लगाएं। 5 मार्च के बाद आय भाव पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से धनागम के स्रोतों में वृद्धि होगी। साथ ही फंसे हुए या रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है।धार्मिक यात्रा या मांगलिक कार्यों में धन व्यय होगा।

12 अगस्त से आर्थिक स्थिति के लिए समय और बढ़िया हो रहा है। भूमि संबंधित कार्य करने वाले व्यक्तियों को अच्छा लाभ प्राप्त होगा। चतुर्थस्थ गुरु पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपको भूमि, भवन, वाहन इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। आप के सामने कई लाभकारी सौदे आएंगे। इसका भरपूर लाभ उठाने के लिए आप सतर्क रहें।

घर-परिवार, समाज

वर्ष का प्रारम्भ पारिवारिक वातावरण के लिए उत्तम रहेगा। चतुर्थस्थ गुरु के प्रभाव से परिवार में सुख, शान्ति का वातावरण बनेगा। इन सबके पीछे आपका ही महत्वपुर्ण योगदान

होगा क्योंकि आप भी बहुत से ऐसे कामों को अंजाम देने वाले हैं जो पारिवारिक जीवन के लिए हितकर होंगे। आपके माता पिता के लिए समय काफी शुभ है।

द्वितीयस्थ राहु के कारण आपके परिवार में किंचित परेशानी आ सकती है परन्तु आप उन नकारात्मक पस्थितियों को भी सकारात्मक रूप में परिवर्तित कर देंगे। गुरु ग्रह के गोचर के बाद आपके प्रेम संबंधो में मधुरता बढ़ेगी। बच्चों के साथ भावनात्मक लगाव में वृद्धि होगी। 23 अक्तूबर के बाद परिजनों के साथ आप किसी धार्मिक स्थल की यात्रा करेंगे या घर परिवार में शुभ कृत्य का आयोजन होगा।

संतान

वर्षारम्भ संतान के लिए सामान्य रहेगा। 5 मार्च के बाद शिक्षा के क्षेत्र में उनकी रूचि बढ़ेगी। यदि वे उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, तो सबसे अच्छे शैक्षणिक संस्थान में उनका प्रवेश हो जाएगा।

नवविवाहित व्यक्तियों के लिए गर्भाधान का शुभ समय चल रहा है।आपके दूसरे बच्चे के लिए भी समय अच्छा है। यदि वह विवाह के योग्य है तो उसका विवाह हो सकता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में व्यावसायिक व्यस्तता के कारण आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देंगे परन्तु 5 मार्च से लग्न स्थान पर शुभ ग्रह की दृष्टि आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा का विकास करेगी। आप अपने दैनिक कार्यो में स्फुर्तिवान बने रहेंगे।

12 अगस्त से आप प्रियजनों और परिजनों के साथ अधिक से अधिक समय बिताएंगे। शारीरिक आरोग्यता प्राप्ति के लिए घर में कोई विशेष धार्मिक आयोजन करेंगे। 23 अक्तूबर से आप अपनी दिनचर्या बहुत सशक्त रखेंगे और व्यायाम भी करेंगे जिससे अपने आपको आरोग्य व तंदरूस्त महसूस करेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

इस वर्ष विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धी प्राप्त होगी। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए भी ये समय बहुत शुभ है। प्रतियोगिता परीक्षार्थी परीक्षा में सफल होंगे। जो व्यक्ति अपना व्यापार शुरू करना चाहते हैं। उनके लिए यह समय अनुकूल है।

शनि के गोचर के बाद बेरोजगार लोगों को नौकरी मिलेगी। रोजगार के नये अवसर भी पैदा होंगे। व्यापार में सफलता और समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।

यात्रा-तबादला

द्वादश स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से वर्षारम्भ में आपकी विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। तृतीयस्थ राहु के प्रभाव से छोटी-मोटी यात्राएं तो होती रहेंगी। 5 मार्च के

बाद नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि के चलते आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी।

23 अक्तूबर के बाद नौकरी वाले व्यक्तियों का मनोनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की अपनी जन्म भूमि की यात्रा होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

चतुर्थस्थ गुरु के प्रभाव से आपके घर में धार्मिक व मांगलिक कार्य अधिक होते रहेंगे। गुरु ग्रह के गोचर के बाद पूजा-पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान व मन्त्र जाप के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी।

- तांबे के लोटे से प्रत्येक दिन सूर्य को जल दें।
- प्रत्येक दिन दुर्गा कवच का पाठ करें।
- बुधवार के दिन गणेश जी को दुर्वा चढ़ाएं एवं गणेश अथर्वशीर्ष का पाठ करें।

वार्षिक फलादेश - 2033

इस वर्ष शनि मिथुन राशि एवं दशम भाव में रहेंगे। 30 जनवरी तक राहु तुला राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे उसके बाद कन्या राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे। 18 मार्च तक गुरु मकर राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे उसके बाद कुम्भ राशि एवं छठे भाव में प्रवेश करेंगे। 24 मार्च से 8 अक्टूबर तक मंगल वक्री होकर धनु राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय के लिए वर्ष के प्रारम्भ के तीन माह श्रेष्ठ रहेंगे। आप अपने व्यावसायिक जीवन में उन्नति करेंगे। अपने बौद्धिक बल के द्वारा व्यापार को एक अलग ही मुकाम पर ले जाएंगे। बड़ी-बड़ी योजनाएं और अवसर आपके द्वार पर दस्तक देंगे। आपको पूर्ण विश्वास के साथ आगे की ओर कदम बढ़ाना है। 18 मार्च के बाद दशमस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों का पदोन्नति के साथ स्थानान्तरण होगा। परन्तु व्यापारिक व्यक्तियों के लिए यह समय बहुत अच्छा नहीं रहेगा।

व्यावसायिक जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप साझेदारी में कार्य कर रहे हैं तो आपका साझेदार धोखा दे सकता है। उसके साथ संबंध खराब हो सकते हैं। आप अपने अनुभवों से खुद का विकास करेंगे। आपका धैर्य ही आपको प्रगतिशील रहने के लिए प्रेरित करता रहेगा और आप हर समस्या का समाधान सूझ-बूझ से निकाल लेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ आपके लिए उत्तम रहेगा। संचित धन में वृद्धि होगी। धनागम के स्रोत बढ़ेंगे। नवीन संपत्ति खरीदने की दिशा में प्रयासरत रहेंगे। इसमें आपको सफलता भी मिलेगा। 18 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है। अतः इस समय के अंतराल में आपको क्रय-विक्रय के मामले में सावधान रहना चाहिए। किसी को उधार पैसा न दें नहीं तो वापसी की उम्मीद कम है। अपने खर्च पर भी अंकुश लगाएं नहीं तो द्वादश स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि आपका अनावश्यक खर्च बढ़ा सकती है।

8 अक्टूबर से मंगल ग्रह का गोचर आपके आय के स्रोत में बढोत्तरी करेगा। रुके हुए या फंसे हुए पैसे मिलेंगे। कार्य व्यवसाय में भी आपको अच्छा लाभ मिलेगा। जिससे पुराने चले आ रहे कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। चतुर्थ स्थान पर शनि ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपका घरेलू माहौल अनुकूल नहीं रहेगा। परिवार में एक-दूसरे के साथ वैचारिक मतभेद होते रहेंगे। जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रह सकते हैं। आपके माता पिता का स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा। धर्मपत्नी के साथ वैचारिक मतभेद बना रहेगा। 18 मार्च के बाद द्वितीय स्थान पर गुरु ग्रह दृष्टि प्रभाव से परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी।

परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। मातुल व ससुराल पक्ष के लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा।

8 अक्टूबर के बाद आपके छोटे भाई-बहनों के लिए यह समय काफी शुभ हो रहा है। सामाजिक प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़-चढ़ के भाग लेंगे। लोग आपका सम्मान करेंगे।

संतान

संतान के लिए वर्ष का प्रारम्भ काफी शुभ रहेगा। आपके बच्चों की उन्नति होगी। वे कुछ ऐसे काम करेंगे, जिससे आप उन पर अभिमान करेंगे। नव विवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति होगी। यदि आपके बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो अच्छे शैक्षणिक संस्थान मे उनका प्रवेश हो जाएगा।

18 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से संतान संबंधित चिंताएं हो सकती हैं। पंचम स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि आपके बच्चों का स्वास्थ्य प्रतिकूल कर सकती है। जिससे कारण उनकी शिक्षा-दीक्षा में रुकावटें आ सकती हैं। अतः उस समय अपने बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें। शारीरिक आरोग्यता प्राप्ति के लिए आप उनका तुला दान भी करा सकते हैं।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। शारीरिक अनुकूलता बनाए रखने के लिए आप संतुलित आहार एवं नियमित व्यायाम करते रहेंगे। लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आप शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगे। आपके अंदर अच्छे विचार आएंगे और आप मानसिक रूप से संतुष्ट रहेंगे। परन्तु 18 मार्च के बाद आप छोटी-मोटी बीमारियों के कारण परेशान हो सकते हैं। लग्नस्थ राहु के कारण मानसिक अशान्ति व आलस्य की भावना उत्पन्न होती रहेगी। अपने खान-पान एवं दिनचर्या को सुदृढ़ रखें।

सारे ग्रह प्रतिकूल होने से आप अत्यधिक उद्वेग व मानसिक चिंता से ग्रस्त रहेंगे। शत्रुओं से सावधानी भी हितकारी रहेगी। मुख रोग, नेत्र विकार आपका शारीरिक कष्ट बढ़ा सकते हैं। अपने क्रोध, हठ, जिद व अहं भाव का त्याग करें। कार्य को स्वास्थ्य से अधिक अहमियत न दें। सुबह सुबह व्यायाम के साथ योगाभ्यास करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। समय का सदुपयोग कर अपनी जीवनशैली को और उत्तम बनाने की कोशिश करें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का प्रारम्भ बहुत उत्तम रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को अपने लक्ष्य में सफलता मिलने के प्रबल योग बन रहे हैं। व्यापारिक व्यक्ति इस समय के अंतराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगे तो अच्छा लाभ मिलेगा।

यदि आप विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो 18 मार्च से समय आपके लिए काफी शुभ हो रहा है। विदेशी भाषा सीखने के लिए यह समय बहुत ही शुभ है।

यात्रा-तबादला

नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि के कारण आपकी लम्बी यात्रा का भी प्रबल योग बन रहा है। चतुर्थ स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा। यह स्थानान्तरण प्रतिकूल स्थान पर भी हो सकता है।

18 मार्च के बाद आपकी विदेश यात्रा होगी। इन यात्राओं से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। यात्रा के अंतराल में किसी से मित्रता भी हो सकती है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। आप अधिक से अधिक धार्मिक कार्य करेंगे। जैसे मन्दिर निर्माण में दान देना, धार्मिक स्थलों पर भण्डारा करना, गरीबों की सहायता इत्यादि। तीर्थ स्थलों की यात्रा कर पुण्यार्जन करेंगे। गुरु ग्रह के गोचर के बाद आप पूजा-पाठ कम ही कर पाएंगे। परन्तु द्वादश स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह की दृष्टि होने के कारण आप दान पुण्य अधिक करेंगे।

- माता-पिता, गुरु, साधु, संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- मंदिर या धार्मिक स्थानों पर केला या बेसन के लड्डू वितरित करें।
- प्रत्येक दिन सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें।
- दुर्गा कवच का पाठ करें या दुर्गा बीसा यन्त्र अपने घर में स्थापित कर उसका पूजन करें।

वर्ष के पूर्वार्द्ध में शनि मिथुन राशि एवं दशम भाव में रहेंगे और 13 जुलाई को कर्क राशि एवं एकादश स्थान में प्रवेश करेंगे। 12 अगस्त से पहले राहु कन्या राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे और उसके बाद सिंह राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कुम्भ राशि एवं छठे भाव में रहेंगे और 28 मार्च को मीन राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे। मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। परन्तु 28 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने से समय बहुत उत्तम हो रहा है। आप अपने परिश्रम की बदौलत व्यावसायिक जीवन में उन्नति करेंगे। दशमस्थ शनि आपके अंदर काम करने का जुनून उत्पन्न करेगा। यही आपके व्यवसायिक उन्नति का कारण बनेगा। नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति होगी। आपको अधीनस्थ कर्मचारियों का अच्छा सहयोग मिलेगा और बड़े अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे।

जुलाई के बाद समय और भी ज्यादा अनुकूल हो रहा है। व्यापारियों को उम्मीद से ज्यादा मुनाफा होने वाला है। विभिन्न स्रोतों से धन का आगमन होगा। लक्ष्मी आपके द्वार पर दस्तक देगी। यदि आप ब्याज पर भी पैसे देते हैं तो भी अच्छा लाभ होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त जो लोग शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हैं या इससे संबंधित क्षेत्र में उनका पैसा लगा है उनको भी बेहतर मुनाफा होगा।

धन संपत्ति

प्रारम्भ के तीन माह छोड़ दिए जाएं तो आपकी आर्थिक स्थिति बेहद ही शानदार रहने वाली है। इस सफर में आपको बहुत ही कम चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। जिन्दगी के इस सुनहरे पल का भरपूर आनंद लें और अपने कार्यों के प्रति दृढ़ संकल्पित रहें।

जुलाई के बाद एकादश स्थान के शनि धनागम में वृद्धि करते रहेंगे। यह समय आपके लिए उपलब्धियों से भरा रहेगा। नई संपत्ति में निवेश करेंगे। पुराने कर्ज से मुक्त होंगे एवं तरक्की के द्वार खुलेंगे। व्यावसायिक उन्नति के लिए भी आप धन निवेश करेंगे। घरेलू सुख-सुविधा पर भी आप अधिक खर्च करेंगे।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों के लिए वर्ष का पूवार्द्ध मिला-जुला रहेगा। चतुर्थ स्थान पर शनि की दृष्टि पारिवारिक माहौल में विषता की स्थिति उत्पन्न कर सकती है। अतः आपको पारिवारिक मामलों में बड़ी ही समझदारी से काम लेना होगा। हालांकि द्वितीय स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि को दर्शाता है। मार्च के बाद मित्र व पत्नी के साथ संबंध बहुत ही मधुर होंगे। पति-पत्नी के बीच भावनात्मक लगाव में वृद्धि होगी।

वर्ष का उत्तरार्द्ध आपके भाई-बहनों के लिए बहुत ही शुभ है। तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि के कारण सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में मांगलिक कार्य होते रहेंगे, जिससे परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ संतान के लिए उत्तम नहीं रहेगा। छठे स्थान का गुरु आपकी संतान के लिए अच्छा नहीं है। शारीरिक कष्ट एवं मानसिक परेशानी बनी रहेगी। उनकी शिक्षा-दीक्षा में भी रूकावटें आ सकती हैं।

28 मार्च से गुरु ग्रह का गोचर अच्छा हो रहा है। अतः उस के बाद आपके बच्चों की उन्नति होगी। फिर भी अपने बच्चों के स्वास्थ्य संबंधित किसी प्रकार की लापरवाही न करें। आपके दूसरे बच्चे के लिए समय काफी शुभ है। उसका चौमुखी विकास होगा।

स्वास्थ्य

साल का पूर्वार्द्ध स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा नहीं रहेगा। वर्षारम्भ से ही कुछ न कुछ शारीरिक परेशानी बनी रहेगी। लग्न स्थान का राहु अचानक आपको बीमार कर सकता है। यदि पहले से आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं तो यह समय ज्यादा प्रभावित रहने वाला है। शारीरिक कष्ट के साथ मानसित चिंता भी बनी रहेगी।

28 मार्च से लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि शारीरिक व्याधियों को दूर कर आरोग्यता प्रदान करेगी। आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा का विकास होगा जिसके फलस्वरूप आप अपने को पूर्ण रूप से स्वस्थ्य महसूस करेंगे। फिर भी आपको अपने खान-पान पर संयम रखना चहिए। सूर्योदय से पहले उठ कर टहलना और व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। शारीरिक आरोग्यता को अनुकून बनाने के लिए आप तुला दान भी कर सकते हैं।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का प्रारम्भ करियर एवं प्रतियोगिता परीक्षा के लिए उत्तम रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षार्थी अपने लक्ष्य में सफल रहेंगे। मार्च के बाद अध्ययन कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी।

जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उनको जुलाई के बाद मनोनुकूल नौकरी मिल सकती है। व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह समय श्रेष्ठ है।

यात्रा-तबादला

वर्षारम्भ में ही विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। 28 मार्च से आप अपने जीवनसाथी के साथ दर्शनीय स्थलों की यात्रा का आनन्द प्राप्त करेंगे। व्यावसायिक यात्रा भी आपको लाभ देकर जाएगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में पूजा पाठ में आपका मन कम ही लगेगा। अधिक आलस्यता के कारण आपका दैनिक पूजा-पाठ भी प्रभावित हो सकता है। 28 मार्च के बाद धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। मन्दिर जाना, ध्यान करना, पूजा करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। ईश्वर के प्रति आपका लगाव और बढ़ेगा।

- बेसन के लड्डू वीरवार के दिन विष्णुजी के मन्दिर में वितरित करें एवं गुरु ग्रह के मन्त्र का पाठ करें।
- दुर्गा बीसा यन्त्र अपने घर में स्थापित करें एवं उसके सामने प्रत्येक दिन घी का दीपक जलाएं।
- गणेशजी के निम्न मन्त्र का पाठ करें-

  ॐ गं गणपतये नमः ।

वार्षिक फलादेश - 2035

इस वर्ष कर्क राशि का शनि एकादश भाव में और सिंह राशि का राहु द्वादश भाव में रहेंगे। 5 अप्रैल तक गुरु मीन राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे और उसके बाद मेष राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे। 21 जुलाई से 9 सितम्बर तक वक्री मंगल मीन राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

इस वर्ष आप कुछ विशेष करने वाले हैं। पराक्रम के बल पर अपनी व्यापारिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। कार्य व्यवसाय में मित्रों व परिजनों से खूब मदद मिलेगी। आप महत्वपूर्ण व्यक्तियों के संपर्क में आएंगे। यदि साझेदारी में कोई व्यापार कर रहे हैं तो वर्ष का प्रारम्भ आपके लिए श्रेष्ठ है। कानून से जुड़े लोगों अच्छा लाभ मिलेगा। 6 अप्रैल से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है। अतः उस समय के बाद कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें।

अप्रैल के बाद आपके कार्यों में गुप्त एवं प्रत्यक्ष शत्रुओं द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं। आपके विरोधी बढ़ेंगे जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी से मतभेद हो सकता है। ऐसी स्थिति में आपको घबराना नहीं चाहिए और बड़े ही विवेक से काम लेना चाहिए, क्योंकि अन्त में सफलता आपको ही मिलने वाली है। अतः आत्मविश्वसा के साथ कार्य करते रहें।

धन संपत्ति

आर्थिक स्थिति को देखें तो वर्ष के प्रारम्भ में ही आय के स्रोत सृजित होंगे। एकादशस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि आर्थिक उन्नति के लिए बहुत ही श्रेष्ठ है। विभिन्न स्रोतों से धन का आगमन होगा, जिससे आप इच्छित बचत करने में सफल होंगे। पुराने चले आ रहे कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिलेगी। शेयर बाजार से जुड़े व्यक्तियों के लिए समय अच्छा रहेगा।

6 अप्रैल के बाद गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आय कम एवं व्यय ज्यादा होने का योग बन रहा है। ऐसे में आपको अनावश्यक खर्च रोकना चाहिए। निवेश के मामले में सावधान रहें एवं जोखिम भरे कार्य में निवेश करने से बचें अन्यथा धन हानि हो सकती है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक स्थिति में कुछ उतार-चढ़ाव होंगे। जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे। भाईयों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे, लेकिन माता के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। चिंता न करें इससे आपकी माता की भावनाएं आहत नहीं होंगी। रिश्तेदारों और चाहने वालों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे।

गुरु ग्रह का गोचर आपके ससुराल वालों के साथ संबंध खराब कर सकता है जिसके कारण आप मानसिक रूप से अशान्त रह सकते हैं। छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा या

विवाद करना आपके लिए लाभप्रद नहीं रहेगा। एकादशस्थ शनि के प्रभाव से सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य के प्रति आप हमेशा तत्पर रहेंगे।

संतान

वर्षारम्भ संतान के लिए उत्तम रहेगा। उनके विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति होने के शुभ योग बनेंगे। उनके पराक्रम में वृद्धि होगी परंतु उसके बावजूद भी आपकी चिंताएं बनी रहेंगी। आपकी दूसरी संतान विवाह के योग्य है तो उसका विवाह हो जाएगा। यदि दूसरी संतान की इच्छा रखते हैं तो यह समय बहुत ही शुभ है।

6 अप्रैल से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आपके बच्चों के लिए अच्छा नहीं रहेगा। उनको स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां आ सकती हैं। अतः उनके स्वास्थ्य पर ध्यान देना लाभप्रद रहेगा।

स्वास्थ्य

वर्ष का प्रारम्भ स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम रहेगा। आप रोग मुक्त रहने वाले हैं। खान-पान पर विशेष ध्यान देंगे और अपने स्वास्थ्य को अनुकूल बनाए रखेंगे। परन्तु 6 अप्रैल के बाद कुछ न कुछ शारीरिक परेशानी उत्पन्न हो सकती है। मौसमजनित बीमारियों से भी आप परेशान होते रहेंगे। यदि पहले से किसी बीमारी से परेशान हैं तो यह समय आपके लिए ज्यादा प्रभावित रहने वाला है।

द्वादशस्थ राहु के कारण आपके अंदर रोग-प्रतिरोधक शक्ति कम होगी। आप अपने आप को कमजोर व बीमार महसूस कर सकते हैं। मसालेदार और तेल वाले आहार के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी, इसे नियंत्रित करने की कोशिश करें। नहीं तो पेट संबंधित तकलीफे बढ़ सकती हैं। तुला दान व अन्न दान करना आपके स्वास्थ्य के लिए लाभदायक रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष के प्रारम्भ में ही प्रतियोगिता परीक्षार्थी अपने लक्ष्य में सफलता प्राप्त करेंगे। एकादशस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से शत्रुओं पर आपका प्रभाव बढ़ेगा। आपके समस्त विरोधी शान्त होंगे। व्यावसायिक शिक्षा, औषधि क्षेत्र, कम्प्यूटर साईंस, सिविल सर्विसेज से जुड़ लोगों को सफलता मिलेगी।

6 अप्रैल के बाद समय कुछ खास अच्छा नहीं रहेगा। कुछ लोग आपके विरुद्ध षड्यंत्र भी बना सकते हैं। बेवजह आपके ऊपर आरोप भी लगाया जा सकता है, जिससे आप काफी तनाव महसूस करेंगे। यदि आप विदेश में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो यह समय आपके लिए बहुत ही शुभ है।

यात्रा-तबादला

विदेश यात्रा के लिए यह वर्ष बहुत ही शुभ है। द्वादश स्थान के राहु अचानक आपको विदेश यात्रा करा सकते हैं। ऑफिस व व्यवसाय से संबंधित छोटी-मोटी यात्राएं होती

रहेंगी। 6 अप्रैल के बाद जन्मभूमि की यात्रा करेंगे।

किसी भी प्रकार की यात्रा करते समय या वाहनादि चलाते समय सावधान रहें नहीं तसे दुर्घटना हो सकती है। क्योंकि अष्टम स्थान का गुरु एवं द्वादश स्थान का राहु चोट चपेट का प्रबल योग बना रहे हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि धार्मिक कार्यों के लिए बहुत ही शुभ है। ईश्वर की भक्ति में आपका अटूट विश्वास रहेगा। आप अपनी धर्मपत्नी के साथ सभी धार्मिक कार्यों में सम्मिलित होंगे। धर्म से जुड़े सभी पर्वों को हंसी खुशी मनाएंगे। 6 अप्रैल के बाद आप दान पुण्य अधिक करेंगे। अष्टमस्थ गुरु के प्रभाव से गुप्त विद्याओं या तान्त्रिक सिद्धियों के प्रति भी आपका आकर्षण बढ़ेगा।

- गुरुवार के दिन केला गरीबों में दान करें एवं केले के वृक्ष की पूजा करें।
- आठ मुखी रुद्राक्ष धारण करें। ऊँ नमः शिवाय मन्त्र का प्रत्येक दिन पाठ करें।
- सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें और सूर्य नमस्कार करें आपके स्वास्थ्य के लिए लाभदायक रहेगा।

वर्ष के पूर्वार्द्ध में शनि कर्क राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे और 27 अगस्त को सिंह राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। 13 अप्रैल तक राहु सिंह राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे और उसके बाद कर्क राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में मेषस्थ गुरु अष्टम भाव में रहेंगे और 15 अप्रैल को वृष राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे और अतिचारी होकर 9 सितम्बर को मिथुन राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे और पुनः वक्री होकर 17 नवम्बर को वृष राशि एवं नवम भाव में आ जाएंगे।

व्यवसाय

व्यावसायिक जीवन के लिए यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। वर्षारम्भ में एकादशस्थ शनि के प्रभाव से व्यापार में अच्छी सफलता मिलेगी, परन्तु गुरु एवं राहु ग्रह का गोचन प्रतिकूल होने के कारण कुछ विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं। जो कि आपके कार्य व्यवसाय में कुछ व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं। ऐसे में आपको बड़ी सावधानी से काम लेना चाहिए। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें, गलत-सही का चुनाव करने के बाद ही निर्णय लें।

गैरकानूनी तरीकों से धन कमाने की कोशिश न करें, वरना सकारात्मक परिणामों की जगह आपको नकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं और आप कानून की जद में आ सकते हैं। अर्जित की हुई संपत्ति को व्यर्थ में न गवाएँ। सभी प्रकार के वित्तीय मामलों में पारदर्शिता बरतें। अप्रैल के बाद समय अच्छा हो रहा है। फिर भी बिना किसी पर विश्वास किये आप अपनी बौद्धिक शक्ति के अनुसार कार्य करते रहें। अगस्त के बाद नौकरी वाले व्यक्तियों को अच्छी सफलता मिलेगी। कार्यस्थल पर मान-संमान व अधिकारियों का अच्छा सहयोग मिलेगा।

धन संपत्ति

वर्ष का प्रारम्भ जितना लाभकारी होगा उतना ही चुनौतीपूर्ण भी होगा। साल की शुरुआत में निवेश से सम्बंधित योजनाओं पर ध्यान न दें और अपने दस्तावेज भी संभाल कर रखें। हड़बड़ी में कोई भी कार्य न करे नहीं तो आर्थिक हानि हो सकती है। निवेश व आर्थिक निर्णय लेते समय सतर्क रहें व जल्दबाजी न करें। जितना ज्यादा हो सके धन की बचत करने की कोशिश करें और फिजूल के खर्चो पर नियंत्रण रखें।

चतुर्थ स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि के कारण कोई करीबी ही आपको दगा दे सकता है। ऐसे लोगों से बचने के लिए किसी भी प्रकार के वित्तीय लेनदेन में पूरी सावधानी बरतें। अप्रैल के बाद आपके बंद आय के आय के मार्ग खुलेंगे। बहुत दिनो से फंसे हुए व रुके हुए धन की प्राप्ति होगी। 9 सितम्बर के बाद द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से अचल संपत्ति के साथ साथ वाहन का भी सुख प्राप्त होगा। मांगलिक कार्य या सामाजिक कार्यो में आपका धन खर्च हो सकता है। आप अपने बच्चे की उच्च शिक्षा पर भी धन खर्च कर सकते हैं।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा और घरेलू वातावरण भी अच्छा रहेगा। माता का पूर्ण सहयोग मिलेगा। परन्तु आपके बच्चों के स्वास्थ्य के लिए यह समय अच्छा नहीं है।

15 अप्रैल के बाद तृतीय स्थान पर गुरु की दृष्टि के कारण सामाजिक प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़-चढ़ के भाग लेंगे, जिससे समाज में मान संमान के साथ साथ आपकी ख्याति भी बढ़ेगी। आपको भाई-बहनो का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ संतान के लिए अच्छा नहीं है। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेगे। वो अपने बौद्धिक बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। अष्टमस्थ गुरु आपको स्वास्थ्य संबंधित परेशानी दे सकते हैं। ऐसे में उनके स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

अप्रैल के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। नव विवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है। आपके बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उन्नति करेंगे। दूसरे बच्चे के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

स्वास्थ्य

इस वर्ष आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव कि स्थिति बनी रहेगी। अष्टमस्थ गुरु एवं द्वादशस्थ राहु के कारण मौसमजनित बीमारियों से परेशान हो सकते हैं। यदि पहले से कोई लम्बी बीमारी है तो परहेज की ज्यादा आवश्यकता है नहीं तो आप बहुत ज्यादा बीमार हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में खान-पान के साथ दिनचर्या को भी अनुशासित बनाएं और समय समय पर डॉक्टर की सलाह लेना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। किसी आर्थिक मुद्दे को लेकर या किसी विरोधी के कारण दिमागी तनाव न पालें। चिड़-चिड़े न बनें अन्यथा इस सबका आपकी सेहत पर विशेष प्रभाव पड़ेगा।

15 अप्रैल के बादे नैसर्गिक रूप से आपके स्वास्थ्य में सुधार होना शुरु हो जाएगा। लग्न स्थान पर शुभ ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके मन में अच्छे विचार आएंगे। आपके अंदर रोग प्रतिरोधक शक्ति का संचार होगा, जिससे आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। फिर भी सुबह-सुबह व्यायाम करना आपके लिए लाभदायक रहेगा। समय का सदुपयोग कर अपनी जीवनशैली बेहतर बनाने की कोशिश करें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष ठीक ठाक रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में द्वादश स्थान के राहु विदेश यात्रा के प्रबल योग बना रहे हैं। 15 अप्रैल के बाद आपकी छोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी। नवमस्थ गुरु के प्रभाव से आपकी लम्बी यात्राओं के साथ साथ धार्मिक यात्राएं भी हो

सकती हैं।

इन यात्रा के अंतराल में किसी के साथ आपकी मित्रता भी हो सकती है। यह मित्रता आपके लिए लाभप्रद रहेगी। अगस्त के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा। यह स्थानातरण आपके मनोनुकूल स्थान पर भी हो सकता है। अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की जन्मभूमि की यात्रा होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। अष्टम स्थान का गुरु धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं होता। अतः पूजा, पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान में आपकी रुचि नहीं रहेगी। लग्न स्थान पर शनि की दृष्टि के कारण मानसिक द्वन्दता बनी रहेगी, जिससे पूजा पाठ में आपका मन एकाग्र नहीं हो पाएगा। 15 अप्रैल के बाद गुरु ग्रह का गोचर धर्म स्थान में होगा। उस समय आपका मन धार्मिक कार्यों की ओर आकृष्ट होगा। आप अपने गुरुजनों का सम्मान करेंगे। उनके दिये गये उपदेशों का पालन करेंगे और गरीबों की सहायता करेंगे। विशेष रूप से आप भगवान शिव जी की उपासना करेंगे।

- द्विज, देव, ब्राह्मण, बुजुर्ग, गुरु व मंदिर के पूजारी की सेवा सुश्रूषा करें।
- केला या पीली वस्तु का दान करें। वीरवार का व्रत करें एवं बेसन की लड्डू दान करें।
- दुर्गा सप्तशति का नित्य पाठ करें या दुर्गा बीसा कवच गले में धारण करें।
- तुला दान करें व महामृत्युंजय मन्त्र का नित्य पाठ करें।

वार्षिक फलादेश - 2037

इस वर्ष शनि सिंह राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे। 19 अक्टूबर तक राहु कर्क राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे और उसके बाद मिथुन राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु वृष राशि एवं नवम भाव में रहेंगे। 26 अप्रैल को मिथुन एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे और अतिचारी होकर 16 सितम्बर को कर्क राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे। 29 अगस्त से 28 नवम्बर तक वक्री मंगल वृष राशि एवं नवम भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्षारम्भ में सफलता मिलेगी। गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण वरिष्ठ व अनुभवी लोगों का सहयोग मिलेगा। एकादश स्थान का राहु अचानक सफलता का मार्ग खोल सकता है, जिससे व्यापार में उन्नति मिल सकती है। अप्रैल के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का पदोन्नति के साथ स्थानान्तरण होगा, जो आपके लिए अनुकूल रहेगा।

सितम्बर के बाद आपका समय ज्यादा प्रभावित हो रहा है। क्योंकि राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण कुछ प्रतिद्वंदी आपके कार्यों में रुकावटें डाल सकते हैं, जिससे आप परेशान हो सकते हैं। अतः इस समय के अंतराल में आप बड़े विवेक से काम लें। व्यापार में किसी पर आंख बन्द कर विश्वास न करें नहीं तो हानि हो सकती है और कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से यह साल सामान्यतः अच्छा रहेगा। एकादशस्थ राहु के प्रभाव से अचानक धनागम के स्रोत बढ़ेंगे। 26 अप्रैल के बाद द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से भूमि, भवन, वाहन के साथ रत्न आभूषण इत्यादि की प्राप्ति होगी। अपने परिवार के सदस्यों तथा रिश्तेदारों के मांगलिक कार्यों में धन का व्यय करेंगे। यदि कोई बड़ा निवेश करना पड़े तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी व्यक्तियों कीा सलाह अवश्य लें।

शनि ग्रह का गोचर शुभ नहीं होने के कारण बीमारी इत्यादि में भी धन व्यय हो सकता है। सितम्बर के बाद अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है। अतः उस समय लेन देन के मामले में सावधान रहें। यदि पैतृक संपत्ति पर कोई वाद-विवाद चल रहा हो तो फैसला आपके हक में नहीं होगा।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। व्यावसायिक व्यस्तताओं के चलते घर में अधिक समय दे पाना मुश्किल हो सकता है। द्वितीय स्थान पर शनि की दृष्टि घर में कुछ विषम स्थितियां भी उत्पन्न कर सकती है। अतः अच्छा यही होगा कि विपरीत परिस्थितियों को झेलते समय आप अपने अंदर प्रतिरोधात्मक शक्ति विकसित करें। परन्तु 26

अप्रैल के बाद से गुरु ग्रह का गोचर पारिवारिक शुभता के लिए बहुत ही बढ़िया है।

आपको परिवार में बुजुर्ग सदस्यों का सहयोग मिलेगा। परिवार के प्रति आपका भी आकर्षण बढ़ेगा। माता-पिता जी के लिए यह समय काफी अच्छा रहेगा। आपके भाईयों की उन्नति होगी। सितम्बर के बाद सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यह सब आपके अच्छे व्यक्तित्व के कारण होगा।

संतान

संतान के दृष्टि कोण से वर्ष का प्रारम्भ सामान्यतः अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि आपके बच्चों के लिए शुभ है। उन्नति के सारे मार्ग खुलेंगे और आपके बच्चों का चौमुखी विकास होगा। प्रथम संतान के बारे में शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

अप्रैल के बाद समय अच्छा नहीं रहेगा। अतः आपके बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है, जिससे उनकी शिक्षा-दीक्षा व उन्नति में व्यवधान आ सकता है। परन्तु 16 सितम्बर के बाद समय फिर से अनुकूल हो रहा है। यह समय गर्भाधान व संतानोत्पति के लिए श्रेष्ठ रहेगा।

स्वास्थ्य

वर्षारम्भ स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहेगा। नवमस्थ गुरु की पंचम दृष्टि लग्न पर होगी उसके प्रभाव से शारीरिक आरोग्यता की प्राप्ति व कार्य क्षमताओं में वृद्धि के प्रबल संकेत हैं। लग्न स्थान में शुभ प्रभाव के कारण सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी। परन्तु अप्रैल के बाद संक्रामक बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं।

शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण रक्तचाप, वायु विकार व पित्त विकार आदि रोगों की संभावना हो सकती है। अत्यधिक आलस्यता के कारण आप स्वस्थ्य रहते हुए भी बीमार जैसा अनुभव करेंगे। यदि आपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया तो किसी बड़ी बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे स्थिति में आपको दवा से ज्यादा दुआ की आवश्यकता होगी।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि विद्यार्थियों के लिए अच्छी रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति करेंगे। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए अच्छे शैक्षणिक संस्थान में आपको प्रवेश मिल सकता है।

अप्रैल के बाद अत्यधिक भोजन एवं आलस्यता से बचें। विद्याध्ययन में एकाग्रता बढ़ाने के लिए गुरुवार के दिन उपवास करें। यदि आप व्यापारी हैं तो 19 अक्टूबर के बाद आपके व्यापार में व्यवधान आ सकता है। नौकरी वालों के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

यात्रा-तबादला

द्वादशस्थ शनि के प्रभाव से आपकी विदेश यात्राएं होंगी। छोटी-मोटी यात्राओं के

साथ साथ लम्बी यात्राएं भी होंगी। इन यात्राओं से आपको अत्यधिक लाभ मिलेगा। अप्रैल के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का पदोन्नति के साथ स्थानान्तरण भी हो सकता है।

यात्रा करते समय या वाहन चलाते समय सावधानी अत्यधिक जरूरी है। क्योंकि द्वादश स्थान का शनि यात्रा के अंतराल में दुघर्टना का भी योग बना रहा है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्षारम्भ श्रेष्ठ है। पूजा पाठ के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगा। दान पुण्य अधिक करेंगे। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से ध्यान व योग अधिक करेंगे। सितम्बर के बाद आपका आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ेगा। आध्यात्मिक ज्ञान के कारण आपको अलौकिक आनन्द की अनुभूति होगी। सत्संग व सत्कर्म अधिक करेंगे। भागवत कथा सुनना व सत्संग में जाना आपका नैसर्गिक गुण होगा।

- शनिवार के दिन काली वस्तु दान करें एवं शनि मन्त्र का जाप करें।
- तुला दान करें। (अपने बजन के बराबर अन्न दान करें।)
- अपने घर में पारद शिवलिंग की स्थापना कर नित्य उसका दर्शन करें।

इस वर्ष राहु मिथुन राशि एवं दशम भाव में रहेंगे। 22 अक्टूबर तक शनि सिंह राशि एवं द्वादश भाव मे रहेंगे और उसके बाद कन्या राशि एवं लग्न स्थान में गोचर करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कर्क राशि एवं एकादश में रहेंगे और वक्री होकर 17 जनवरी को मिथुन राशि एवं दशम भाव में गोचर करेंगे और पुनः मार्गी होकर 11 मई को कर्क राशि एवं एकादश भाव में आ जाएंगे और अतिचारी होकर 7 अक्टूबर को सिंह राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से साल का प्रारम्भ अनुकूल नहीं रहेगा। नौकरी में परिवर्तन व व्यवसाय में व्यवधान आने की संभावना बन रही है। शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण प्रत्यक्ष व गुप्त शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में रुकावटें डाली जा सकती हैं। हार्डवेयर, ईधन व कानून से जुड़े लोगों के लिए यह समय अच्छा नहीं है। 11 मई के बाद समय किंचित अच्छा हो रहा है। यदि उस समय किसी के साथ मिलकर व्यापार करें तो कुछ सफलता मिल सकती है। फिर भी व्यवसाय/नौकरी व निवेश संबंधी मामलों में जल्दबाजी में जोखिम भरा निर्णय लेना घातक होगा।

अक्टूबर के बाद क्रय-विक्रय व खाद्य पदार्थ का व्यवसाय करने वाले व्यक्तियों को सावधान रहना चाहिए नहीं तो हानि हो सकती है। नौकरी करने वाले व्यक्तियां का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा।

धन संपत्ति

द्वादशस्थ शनि के प्रभाव से आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। धनागम तो होगा परन्तु व्यय अधिक होने के कारण बचत नहीं कर पाएंगे। आप अपने भौतिक सुख सुविधाओं पर अधिक खर्च करेंगे। द्वितीय स्थान पर शनि एवं गुरु ग्रह की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आपको अचल धन व रत्नादि वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है। 11 मई के बाद आय के स्रोत बढ़ेंगे। रुके हुए व फंसे हुए पैसे वापस मिलेंगे।

अक्टूबर के बाद गुरु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आर्थिक हानि का योग बना रहा है। इस समय आपको खर्चों पर नियंत्रण और भावनाओं पर काबू रखने की जरूरत है। अचानक परिवार में कुछ ऐसे खर्चे आ सकते हैं जिससे आपको आर्थिक कमी का एहसास हो सकता है। अतः इस समय के अंतराल में आपको सावधान रहना चाहिए।

घर-परिवार, समाज

द्वादश स्थान का शनि पारिवारिक वातावरण के लिए अच्छा नहीं है। घरेलू माहौल को अनुकूल बनाए रखने के लिए आप छोटी छोटी बातों पर ध्यान दें। दशम स्थान में राहु एवं गुरु की युति आपके माता-पिता जी के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। परन्तु 11 मई से

समय शुभ हो रहा है। उस समय आपके व्यक्तित्व में निखार व चमक पैदा होगी। धर्मपत्नी के साथ संबंध मधुर होंगे। आपके भाईयों की उन्नति होगी।

एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से मान संमान तथा पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, जिससे समाज में आपका यश सर्वत्र व्याप्त होगा। साथ ही किसी सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था से भी जुडेंगे। आपका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा। फलतः सभी लोग आपसे प्रभावित होंगे तथा आपको उचित सम्मान प्रदान करेंगे। अक्टूबर के बाद समय किंचित प्रभावित हो रहा है।

संतान

राहु एवं गुरु का चण्डाल योग संतान के लिए बहुत अच्छा नही रहेंगे। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ने का प्रयास करेंगे। उनको स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। अतः उनके स्वास्थ्य पर ध्यान देना लाभप्रद रहेगा। 11 मई के बाद यह योग समाप्त हो रहा है। गुरु ग्रह के शुभ होने के कारण आपके बच्चों की उन्नति होगी।

नव विवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति होगी। प्रथम संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छी प्रगति करेंगे। परन्तु अक्टूबर के बाद समय फिर से प्रभावित हो रहा है। अतः इस समय के अंतराल में उन पर ज्यादा ध्यान देना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

स्वास्थ्य

इस वर्ष आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव काफी देखने को मिलेंगे। खासकर जोड़ों में दर्द, सिर में दर्द, मानसिक चिंता एवं वायु संबंधी समस्या हो सकती है। अतः स्वास्थ्य को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही न करें अन्यथा स्वास्थ्य ज्यादा प्रतिकूल हो सकता है। व्यापारिक कारणों या अपने निजी कारणों की वजह से मानसिक तनाव बढ़ सकता है। मौसमजनित बीमारियों से आप प्रभावित रह सकते हैं। आप को ऐसा लगेगा कि धीरे धीरे कमजोर होते जा रहे हैं।

11 मई के बाद आपके स्वास्थ्य में कुछ सुधार होगा। आप अपने को पूर्ण रूप से स्वस्थ समझेंगे। खान पान पर ज्यादा ध्यान दें नहीं तो आपका मोटापा बढ़ सकता है। मसालेदार और तेल वाले आहार के प्रति आपकी रुची बढ़ेगी। इसे नियंत्रित करने की कोशिश करें। आलस्य का त्याग कर स्फूर्तिवान बनें। आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

द्वादश स्थान में शनि का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आलस्यता व दीर्घसूत्रता आपके उन्नति में बाधक बन सकती है। अतः समय का सदुपयोग के साथ मन को एकाग्र कर अपने लक्ष्य के प्रति केन्द्रित करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

11 मई के बाद विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। जो विद्यार्थी किसी नये कॉलेज में प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे हों उन्हें मनोनुकूल कॉलेज में दाखिला मिल

जाएगा। यदि गूढ़ विज्ञान और मनोविज्ञान में आपकी रुचि है तो उनके लिए समय अनुकूल है। अक्टूबर के बाद यदि शिक्षा के संदर्भ में कोई लुभावना प्रस्ताव मिल रहा है तो सावधान रहिए क्योंकि शनि एवं गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल नहीं होने कारण आपको धोखा मिल सकता है।

यात्रा-तबादला

द्वादश स्थान के शनि विदेश यात्रा के प्रबल योग बना रहे हैं। अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की जन्मभूमि की यात्रा होगी।

मई के बाद छोटी-मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी होंगी। व्यवसाय संबंधित यात्राएं भी होंगी। इन यात्राओं से आपको अच्छा लाभ होगा। पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आपकी किसी के साथ मित्रता भी हो सकती है। अक्टूबर के बाद समय प्रभावित हो रहा है। अतः यात्रा करते समय व वाहन चलाते समय सावधान रहें।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। कर्म को ही अपना धर्म मानेंगे और कर्म पर ज्यादा विश्वास करेंगे। गरीबों की सहायता करेंगे और उसके दुखों को दूर करने का पूर्ण प्रयास करेंगे। मई के बाद आपके अंदर ईश्वर के प्रति विश्वास बढ़ेगा, जिससे आप निःस्वार्थ भाव से भगवान की पूजा करेंगे। सुबह शाम मन्दिर जाना व पूजा पाठ करना आपका नैसर्गिक गुण होगा।

- अमावस्या तिथि को विद्वान ब्राह्मण को भोजन कराएं।
- प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें व मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- अपने घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करें और सुबह सुबह उसका दर्शन करें।
- वीरवार के दिन पीली वस्तु का दान करें।

वर्षारम्भ में शनि कन्या राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे तथा वक्री होकर 5 अप्रैल को सिंह राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे और पुनः मार्गी होकर 13 जुलाई को कन्या राशि एवं लग्न स्थान में आ जाएंगे। 7 अप्रैल को राहु वृष राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु सिंह राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे तथा 3 मार्च को वक्री होकर कर्क राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे और मार्गी होकर 2 जून को सिंह राशि एवं द्वादश भाव में आ जाएंगे और अतिचारी होकर 4 नवम्बर को कन्या राशि एवं लग्न स्थान में गोचर करेंगे।

व्यवसाय

वर्षारम्भ व्यावसायिक उन्नति के लिए अच्छा नहीं है। गुरु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आपके प्रतिद्वंदी बढ़ेंगे तथा आपको किसी षड्यन्त्र में भी फंसा सकते हैं। परन्तु 2 मार्च के बाद गुरु ग्रह का गोचर शुभ होने के कारण आप सभी शत्रुओं को पीछे छोड़ कर सफलता के मार्ग पर अग्रसर होंगे। यदि आप साझेदारी में व्यापार कर रहे हैं तो अपने साझेदार से संतुष्ट रहेंगे। अनुभवी व वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। जिसके प्रभाव से कार्यक्षेत्र में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

यदि आप नौकरी कर रहे हैं तो 13 जुलाई के बाद समय प्रभावित हो रहा है। आपके बड़े अधिकारियों से वैचारिक मतभेद होने के कारण उन्नति रुक सकती है अथवा प्रतिकूल स्थान पर परिवर्तन भी हो सकता है। ऐसे प्रतिकूल समय में आपको बड़े ही विवेक से काम लेना चाहिए। 4 नवम्बर के बाद लोहा, तेल, कच्चे माल के कारखानों आदि से जुड़े लोगों के लिए समय विशेष लाभकरी रहेगा। व्यापार में उन्नति व आशा से अधिक लाभ की संभावना बढ़ेगी। आर्थिक लाभ होगा एवं कार्यों में वृद्धि होगी।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम नहीं रहेगा। गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण अनावश्यक खर्चे बढ़ेंगे, जिससे संचित धन में कमी आ सकती है। जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें। शीघ्र पैसा कमाने वाले तरीकों पर अंकुश लगाएं। धन के मामले में किसी पर बहुत जल्दी विश्वास न करें। घर में रोग की अधिकता होगी जिसके निवारण में धन का व्यय होगा। रिश्तेदार व मित्रों के साथ पैसे का लेन देन न करें नहीं तो उनके साथ आपके संबंध खराब हो सकते हैं। 3 मार्च से 2 जून तक समय कुछ अच्छा हो रहा है। फिर निवेश के मामले में सावधान रहें क्योंकि द्वितीय स्थान में शनि ग्रह का गोचर शुभ नहीं है।

परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे उसमें भी आपका पैसा खर्च हो सकता है। आप व्यापारिक उन्नति के लिए बैंक से लोन भी ले सकते हैं । नई संपत्ति क्रय करने के लिए यह समय शुभ नहीं है। धन संपत्ति से जुड़े मामलों को कोर्ट कचहरी में ले जाने से बचें। नहीं तो आपका ज्यादा नुकसान होगा। 4 नवम्बर से समय आपके पक्ष में आ रहा है। उस समय आपके धनागम के स्रोत खुलेंगे और शेयर बाजार लॉटरी इत्यादि क्षेत्रों से धन लाभ हो

सकता है।

घर-परिवार, समाज

दाम्पत्य जीवन के लिए वर्ष का प्रारम्भ उत्तम नहीं है। जीवानसाथी के रूखे व्यवहार का सामना करना पड़ सकता है। अपने दाम्पत्य जीवन को सुखमय बनाये रखने के लिए अपने जीवनसाथी के साथ विशेष स्नेह व सहनशीलता से काम लेना होगा। 5 अप्रैल के बाद समय और ज्यादा प्रभावित हो रहा है। द्वितीय स्थान का शनि पारिवारिक वातावरण के लिए अच्छा नहीं होता। अतः परिवार के लोगों के सुझावों पर अमल करना आपके लिए फायदे का सौदा हो सकता है और उनके विरुद्ध जाना घातक भी हो सकता है। माँ के साथ कुछ नाराजगी हो सकती है तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी भी कुछ परेशानियाँ हो सकती हैं।

समाजिक पद प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष समान्य रहेगा। 13 जुलाई के बाद भाईयों के लिए समय अच्छा नहीं रहेगा। परन्तु आपके मातुल पक्ष के लोगों की उन्नति होगी। सप्तम स्थान पर शनि की दृष्टि आपकी धर्म पत्नी के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। 4 नवम्बर से समय बहुत ही शुभ हो रहा है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा पारिवारिक अनुकूलता प्राप्त होगा।

संतान

गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण बच्चों के लिए समय शुभ नहीं है। आपके बच्चे कुसंगति का शिकार हो सकते हैं। उनका रहन सहन व दिनचर्या भी खराब हो सकती है, जिससे उन्नति में व्यवधान आ सकती है। 3 मार्च को गुरु ग्रह का गोचर संतान के लिए अच्छा योग बना रहा है।

पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि संतान के लिए शुभ है। आपके बच्चे अपने योग्यता के बल पर उन्नति करेंगे तथा उनके बारे में शुभ सामाचार प्राप्त होंगे। नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति होगी। 2 जून से समय प्रभावित हो रहा है। परन्तु चिंता न करें क्योंकि 4 नवम्बर के बाद समय फिर से अनुकूल हो जाएगा। उसके बाद आपके बच्चे निर्विघ्नता पूर्वक उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी बनी रहेगी। चोट चपेट व वाहनादि से दुर्घटना इत्यादि का योग बन रहा है। स्वास्थ्य संबंधी कोई बड़ी समस्या भी हो सकती है। पेट संबंधी समस्या जैसे अचानक पेट दर्द, गैस, अपच या बदहजमी आदि हो सकती है। सर्जरी आदि होने की भी संभावनाएं बनी हुई हैं। 3 मार्च से 2 जून तक का समय अच्छा रहेगा। आपके स्वास्थ्य में कुछ सुधार होगा। परन्तु उसके बाद समय फिर से प्रभावित हो रहा है।

अतः आपको समय-समय पर डॉक्टर की सलाह लेते रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त आपको अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अपने खान पान का

विशेष ध्यान रखना होगा। जहां तक हो सके शुद्ध शाकाहारी भोजन ही करें। दाल, सब्जी, फल आदि का ही अधिक सेवन करें। 4 नवम्बर के बाद आपका स्वास्थ्य बिल्कुल अच्छा हो जाएगा तथा आप निरोगी काया के स्वामी होंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। 3 मार्च से पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि विद्यार्थियों के लिए अच्छी है। यदि आप उच्च शिक्षा हेतु अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो 3 मार्च से 2 जून तक का समय बहुत ही शुभ है क्योंकि सफलता के सारे मार्ग आपके पक्ष में है। उसके बाद समय प्रभावित हो रहा है।

साल के उत्तरार्द्ध में उन्नति के मार्ग प्रभावित हो रहे हैं। आप अपने करियर में सफलता पाना चाहते हैं तो अथक परिश्रम करना पड़ेगा। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं। उनको कुछ दिन और इंतजार करना पड़ सकता है। जो लोग विदेश में अपना करियर बनाना चाह रहे हैं। उनके लिए यह समय शुभ है।

यात्रा-तबादला

द्वादश स्थान के गुरु वर्षारम्भ में ही विदेश यात्रा के प्रबल योग बना रहे हैं। 3 मार्च के बाद आपकी छोटी-मोटी यात्राएं होंगी। इन यात्राओं से आपको अच्छा लाभ भी मिलेगा।

5 अप्रैल के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। जिससे आप मानसिक अशान्त रहेंगे। नवमस्थ राहु के कारण ज्यादातर यात्राएं आपकी अचानक ही होंगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए यह वर्ष मिला जुला रहेगा। लग्न स्थान का शनि आपके सारे धार्मिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न कर सकता है। आलस्यता के कारण आपका दैनिक पूजा पाठ भी प्रभावित होगा। परन्तु आप दान पुण्य अधिक करेंगे। गरीबों की सहायता करना, भूखे को खाना खिलाना इत्यादि कर्मों को ही आप अपना धर्म समझेंगे। 4 नवम्बर के बाद आपका मन पूजा-पाठ के प्रति आकर्षित होगा। दैनिक पूजा-पाठ में सुधार होगा। परमात्मा की भक्ति व मन्त्र पाठ में ज्यादा रुचि लेंगे।

- वीरवार के दिन पीली वस्तु, केला या बेसन के लड्डू दान करें।
- महामृत्युंजय यन्त्र अपने घर में स्थापित करें और नित्य उसका पूजन करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें।
- प्रत्येक दिन सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें।

वार्षिक फलादेश - 2040

इस वर्ष शनि कन्या राशि एवं प्रथम भाव में रहेंगे। पूरे वर्ष राहु वृष राशि एवं नवम भाव में रहेंगे तथा 11 दिसम्बर को मेष राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कन्या राशि एवं प्रथम भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 6 अप्रैल को सिंह राशि एवं द्वादश भाव में गोचर करेंगे तथा मार्गी होकर पुनः 28 जून को कन्या राशि एवं प्रथम भाव में आ जाएंगे तथा अतिचारी होकर 3 दिसम्बर को तुला राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

वर्ष के प्रारम्भ में व्यापार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। आप अपने कार्यों को अंजाम तक पहुंचाने में कठिनाई का अनुभव करेंगे। आपके प्रतिद्वंदी व्यवसाय में बाधा डालने की काशिश करेंगे, जिससे आपको मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। 6 अप्रैल से समय और ज्यादा प्रभावित हो रहा है। आपकी सृजनात्मक क्षमता छुपी रहेगी और बुद्धि विवेक का भी ह्रास होगा। फलस्वरूप आप अपने कार्यों को अंजाम तक पहुंचाने में कठिनाई का अनुभव करेंगे। आपको दूसरों के लिये भी काम करना पड़ सकता है। किसी भी व्यासायिक यात्रा को करने से पहले भली भांति जांच लें कि वह यात्रा आपके लिए लाभकारी है या नहीं।

वर्ष का उत्तरार्द्ध खनिज, खाद्य विभाग व रासायनिक विभागों में कार्य करने वाले व्यक्तियों के लिए शुभ है। नौकरी या व्यवसाय में अच्छा सुधार होगा। प्रभावशाली व्यक्तियों से आपके सम्पर्क बढेंगे। लेकिन कुछ कामों में आप अनुभवी लोगों की सलाह को भी नजरअंदाज कर सकते हैं और गलत निर्णय लेकर चिंताग्रस्त हो सकते हैं। सरकारी व्यक्ति की सहायता से भी आपके काम बनेंगे।

धन संपत्ति

आर्थिक स्थिति के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं है। आपके अनावश्यक खर्चे बढें गे, जिससे संचित धन में कमी आ सकती है। 6 अप्रैल के बाद घर परिवार में रोग व्याधियों की अधिकता होने से धन का अपव्यय अधिक होगा। पैसे का लेन देन करते समय कागजी कार्यवाही अवश्य करें। इस समय के अंतराल में अपने अनावश्यक खर्चों पर अंकुश लगाएं तथा जोखिम भरे कार्यो में निवेश न करें।

किसी नए काम को शुरु करने के लिए बडा निवेश करने से बचें अन्यथा धन हानि हो सकती है। लेकिन उत्तरार्द्ध में अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। इस अवधि में वसीयत प्राप्त होने की सम्भावना बन रही है। यदि आप जुआ, लॉटरी आदि के माध्यम से कमाई करते हैं तो इनमें बडा निवेश करने से बचें। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे उसमें भी आपके पैसे खर्च होंगे। वर्षान्त आपके लिए काफी श्रेष्ठ है। द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से चल एवं अचल संपत्ति की प्राप्ति होगी।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों में यह वर्ष मिले जुले परिणाम देने वाला रहेगा। वर्ष के प्रथम पक्ष में परिवार का वातावरण भी उत्तम व मेल-जोल वाला रहेगा। परिवार के लोगों की इच्छाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति होगी। परिवार के सभी लोग आपका सम्मान और आदर करेंगे। 6 अप्रैल से समय किंचित प्रभावित होगा। नवम स्थान का राहु अचानक आपके पिताजी का स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है, जिसकी वजह से आप चिंतित रह सकते हैं। परिवार के कुछ सदस्यों का वर्ताव आपके प्रति रूखा या असहयोगात्मक रह सकता है।

वर्ष का उत्तरार्द्ध परिवारिक वातावरण के लिए अनुकूल रहेगा। परिवार में सुख और शान्ति का माहौल बनेगा। आप पारिवारिक सुख प्राप्त करेंगे। आपके अन्दर अहंकार युक्त भावनाएं पनप सकती हैं जिससे घर-परिवार में आपकी जनप्रियता घट सकती है। बेहतर होगा आप अपनी अन्तर्दृष्टि से स्वयं को परखें। जरूरत से ज्यादा तर्क-वितर्क करने से बचें अन्यथा परिवारीजनों को आपकी निष्ठा और आपके पारिवारिक स्नेह पर संदेह होने लगेगा।

संतान

नव विवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति होने के प्रबल योग बन रहे है। पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि बच्चों की उन्नति के सारे मार्ग खोल रही है। आपके बच्चों का चौमुखी विकास होगा। संतान की उन्नति के सारे मार्ग प्रशस्त होंगे।

6 अप्रैल से 28 जून तक समय किंचित प्रभावित रहेगा, परन्तु उसके बाद समय फिर से उत्तम हो जाएगा तथा पूरा वर्ष अनुकूल रहेगा। वर्षान्त में आपके बच्चों के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे तथा वे आपकी उम्मीदों से बढ़-चढ़ कर कार्य करेंगे, जिससे आपको उन पर गर्व होगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा, परन्तु 6 अप्रैल के बाद द्वादश स्थान का गुरु छोटी-मोटी बीमारियों से स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है। मौसमजनित बीमारियों से परेशान हो सकते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य का ख्याल रखना जरूरी होगा। यदि पहले से कोई लम्बी बीमारी से गुजर रहे हैं तो परहेज की ज्यादा आवश्यकता है नहीं तो आपका स्वास्थ्य ज्यादा प्रभावित हो सकता है। हांलाकि 28 जून के बाद स्वास्थ्य में कुछ सुधार होना शुरु हो जाएगा।

लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक सन्तुष्टि बनी रहेगी। सभी महत्वपूर्ण कार्यों को आप सकारात्मक रूप से करेंगे। अपने स्वास्थ्य को अनुकूल बनाए रखने के लिए शुद्ध साकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर में सफलता प्राप्ति के लिए आप को अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता

है। जो विद्यार्थी विदेश या घर से दूर जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं उनके लिए समय शुभ है। आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को सफलता मिलेगी।

अप्रैल से जून तक का समय नौकरी करने वालों के लिए अच्छा नहीं है। जून के बाद आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। इजीनियरिंग व हार्डवेयर की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को अधिक सफलता नहीं मिलेगी।

यात्रा-तबादला

6 अप्रैल के बाद द्वादशस्थ गुरु के कारण आपकी विदेश यात्रा होगी। सामुद्रिक यात्रा का भी प्रबल योग बन रहा है। सपरिवार किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा कर आनन्द प्राप्त करेंगे।

28 जून के बाद आपकी लम्बी यात्रा होगी। यह यात्रा आपके लिए बहुत ही सुखद व मनोरंजात्मक होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से पूजा पाठ के प्रति आपकी विशेष रुचि बढ़ेगी। ईश्वर के प्रति आप का अटुट विश्वास होगा। 6 अप्रैल के बाद दान पुण्य करने में आप सबसे आगे रहेंगे। मन्दिर निमार्ण, गोशाला, अनाथाश्रम, वृद्धाश्रम इत्यादि स्थानों पर खुले हाथों से दान देंगे। वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप अपनी पत्नी के साथ पारिवारिक कल्याण के लिए कोई विशेष पूजा संपन्न करेंगे, जिससे परिवार की सुख, शान्ति, समृद्धि इत्यादि में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्य कर आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे। तीर्थ यात्रा व धार्मिक यात्रा भी अधिक होंगी।

- प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें तथा मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- प्रत्येक दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य दें।
- अपने घर में पारद शिवलिंग स्थापित करें एवं नित्य उसका दर्शन करें।
- अपने बजन के बराबर अन्न दान करें।

इस वर्ष राहु मेष राशि एवं अष्टम भाव में रहेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में गुरु तुला राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 6 मई से 30 जुलाई तक कन्या राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे तथा उसके बाद पुनः मार्गी होकर तुला राशि एवं द्वितीय भाव में आ जाएंगे। 25 सितम्बर तक शनि कन्या राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे तथा उसके बाद तुला राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

इस वर्ष राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से व्यावसायिक जीवन में थोड़े बहुत झटके लगेंगे। आपके कार्यों में गुप्त शत्रुओं या विरोधियों द्वारा रूकावटें डाली जा सकती हैं जिससे आप मानसिक रूप से परेशान रहेंगे तथा चाह कर भी अपने शत्रुओं का मुकाबला नहीं कर पाएंगे। व्यापार में कोई बड़ा निर्णय लेने के लिए यह आवश्यक है कि आप पूरी जांच परख करके ही ऐसा करें, क्योंकि यह साल आपके के लिए अच्छा नहीं है। झूठी आशाओं पर निर्भर न रहें अधिक आत्मविश्वास आपको आपदग्रस्त कर सकता है।

6 मई से समय कुछ अच्छा हो रहा है। आपकी मान-मर्यादा में बढ़ोत्तरी होगी तथा सभी सहकर्मियों का अच्छा सहयोग भी मिलेगा। साझेदारी में कार्य करने वाले लोगों को इच्छित लाभ होगा। नौकरी करने वालों के लिए समय ज्यादा प्रभावित रहने वाला है। वर्षान्त अधिक प्रतिकूल रहने वाला है, अतः कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें तथा किसी पर भी आंख बन्द कर विश्वास न करें।

धन संपत्ति

द्वितीयस्थ गुरु के कारण धनागम के स्रोत बढ़ेंगे, परन्तु राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने कारण कुछ ऐसे खर्च आ जाएंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। अष्टमस्थ राहु एवं लग्नस्थ शनि के कारण धोखा या धन हानि के योग बन रहे हैं। आपको शीघ्र पैसा कमाने वाले तरीकों पर अंकुश लगाना होगा। जोखिम भरे कार्य में निवेश करने से बचें अन्यथा हानि हो सकती है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में वसीयत प्राप्ति से आपको धन लाभ हो सकता है अथवा किसी अप्रत्याशित जगह से अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है। आप किसी धार्मिक कार्य में धन खर्च कर सकते हैं। परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों के हित में भी आप खर्च करेंगे। 26 सितम्बर के बाद किसी प्रकार का निवेश न करें।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ श्रेष्ठ रहने वाला है। परिवार के सभी सदस्य आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। आप अपने परिवार पर पूर्ण नियंत्रण रखेंगे तथा सभी परिवारीजनों का विशेष ख्याल भी रखेंगे। तृतीय स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि आपके छोटे भाई

बहनों के लिए अच्छी नहीं है। 6 मई के बाद ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपसी मतभेद व तनाव हो सकता है।

26 सितम्बर के बाद पारिवारिक क्लेश होने की संभावना बन रही है। द्वितीय स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि परिवार में वैचारिक मतभेद उत्पन्न कर सकती है। इस समय के अंतराल में आपको बड़े विवेक से काम लेना होगा तथा अपनी धैर्यशक्ति बनाए रखनी होगी। समाजिक स्तर में कुछ कमी आ सकती है। अतः सामाजिक गतिविधियों में कम ही भाग लेंगे।

संतान

संतान के लिए यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहेगा। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर वांछित उन्नति एवं सफलता अर्जित करेंगे। माता पिता के प्रति उनके मन में पूर्ण आदर एवं सम्मान का भाव होगा। संतान आज्ञापालक भी होगी।

आप अपनी ओर से उनकी उन्नति हेतु यथोचित प्रबन्ध करेंगे और वे आपकी महत्वकांक्षाओं की पूर्ति करेंगे। यदि आपकी संतान विवाह के योग्य है तो विवाह के प्रबल योग बन रहे हैं।

स्वास्थ्य

लग्नस्थ शनि के कारण स्वास्थ्य में उतार चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। यदि पहले से किसी बीमारी से पीड़ित हैं तो अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। चिकित्सकीय परामर्श लेते रहें एवं अपने खान-पान पर भी विशेष ध्यान दें। नहीं तो स्वास्थ्य ज्यादा प्रतिकूल हो सकता है।

6 मई के बाद आपके स्वास्थ्य में सुधार होगा क्योंकि लग्न स्थान में गुरु ग्रह का गोचर सकारात्मक ऊर्जाओं की वृद्धि कर रहा है। जो आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत ही शुभ है। वर्षान्त में आपका स्वास्थ्य फिर से खराब सकता है। अतः खान-पान पर संयम रखना बहुत जरूरी होगा क्योंकि आपके स्वास्थ्य को सबसे ज्यादा खतरा फूड पॉइजनिंग के कारण होगा। घुटनों में दर्द व पैर में चोट लगने की पूर्ण संभावना बन रही है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। यदि उच्च शिक्षा हेतु उच्च शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो 6 मई के बाद समय अनुकूल हो रहा है।

इंजीनीयर, वकील, व कानून से जुड़े लोगों के लिए यह वर्ष मिला जुला रहेगा। वर्ष के उत्तरार्द्ध में नौकरी में अचानक पदोन्नति हो सकती है।

यात्रा-तबादला

वर्ष में छोटी-मोटी यात्राएं होंगी परन्तु 6 मई के बाद आप बड़ी यात्राओं का आनन्द

लेंगे, जिसमें व्यवसाय से संबंधित अधिक यात्राएं होंगी। धार्मिक यात्राओं का भी योग बन रहा है।

नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा। यह स्थानान्तरण आपके घर से दूर भी हो सकता है। विदेश यात्रा के लिए यह वर्ष अनुकूल नहीं है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

लग्न स्थान के शनि धार्मिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न करेंगे जिससे आप चाह कर भी कोई शुभ कार्य नहीं कर पायेंगे। आलस्य के कारण दैनिक पूजा पाठ भी प्रभावित होगा। 6 मई के बाद लग्न स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से समय अनुकूल हो रहा है। उस समय ईश्वर के प्रति आपकी निष्ठा एवं विश्वास बढ़ेगा। दैनिक पूजा-पाठ में भी सुधार होगा। वर्षान्त में आप दान पुण्य अधिक करेंगे। तन्त्र, मन्त्र व यन्त्र के प्रति भी आपकी रुचि बढ़ेगी। साधना व योग के लिए आप अधिक से अधिक समय निकालेंगे। सत्संग में जाना व गुरु वाणी सुनना आपका नैसर्गिक गुण होगा।

- शनिवार के दिन काले कुत्ते को रोटी खिलाएं एवं काली वस्तु का दान करें।
- प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें तथा मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- श्रावण मास में शिवजी का रुद्राभिषेक व पूजन करें।

इस वर्ष शनि तुला राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे। 22 जून तक राहु मेष राशि एवं अष्टम भाव में रहेंगे तथा उसके बाद मीन राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में गुरु वृश्चिक राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 10 जून से 27 अगस्त तक तुला राशि एवं द्वितीय भाव में गोचर करेंगे और पुनः मर्गी होकर फिर से वृश्चिक राशि एवं तृतीय भाव में आ जाएंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय के लिए यह वर्ष अच्छा नहीं है। शनि एवं राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण व्यापार में कुछ न कुछ परेशानियां आती रहेंगी। विरोधी तथा शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में रुकावटें डाली जा सकती हैं। ऐसे में आपको बड़ी सावधानी से काम लेना होगा। गलत-सही का चुनाव करने के बाद ही निर्णय लें। हालांकि गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आपको कुछ सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। अनुभवी और वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा। फिर भी व्यावसायिक मामलों में आपको बहुत सावधान रहना होगा।

यदि आप साझेदारी में कार्य कर रहे हैं तो वर्ष का उत्तरार्द्ध ज्यादा प्रभावित रहने वाला है। आपका साझेदार धोखा दे सकता है। अतः उसके साथ सभी कार्यों में पारदर्शिता रखने की कोशिश करें। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह समय ज्यादा प्रतिकूल है। वर्षान्त में कोई नया कार्य व्यवसाय प्रारम्भ न करें। पहले से चले आ रहे कार्यों को ही सुचारु रूप से चलाते रहें।

धन संपत्ति

शनि एवं राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आर्थिक मामलों में अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है। जितना ज्यादा हो सके धन की बचत करने की कोशिश करें और फिजूल के खर्चों पर नियंत्रण रखें। आपका कोई करीबी ही आपको दगा दे सकता है। ऐसे लोगों से बचने से के लिए वित्तीय लेनदेन में पूरी सावधानी बरतें। जोखिम भरा निवेश करने से बचें।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में राजनीति एवं भूमि से संबंधित काम करने वालों को वांछित लाभ मिल सकता है। अकस्मात् व गुप्त धन मिलने की संभावना बन रही है। बैंकिंग संस्थानों से कर्ज लेना चाहते हैं तो शीघ्र ही आपको लोन मिल जाएगा। सप्तमस्थ राहु के कारण पत्नी के स्वास्थ्य पर आपका अधिक व्यय होगा।

घर-परिवार, समाज

द्वितीय स्थान में शनि ग्रह का गोचर पारिवारिक मामलों के लिए अनुकूल नहीं है। परिवार से जुड़े हर मामलों में बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ कुछ तर्क-वितर्क होने की संभावना नजर आ रही है। हालांकि समझदारी से इसे टाला जा सकता है। ससुराल पक्ष के लोगों के लिए यह समय अच्छा नहीं है। तृतीयस्थ गुरु के प्रभाव से

आपके छोटे भाई-बहनो के साथ संबंध अच्छा रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य होंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में पारिवारिक समस्याएं कुछ कम होंगी। फिर आप पारिवारिक स्थिति को लेकर चिंचित रहेंगे। सप्तमस्थ राहु के कारण पत्नी के साथ वैचारिक मतभेद होने की प्रबल संभावना है। तृतीयस्थ गुरु के प्रभाव से सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आप सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़ के भाग लेंगे।

संतान

संतान के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। पंचम स्थान पर शनि की दृष्टि आपके बच्चे को आलसी व बीमार बना सकती है, जिसके चलते उनको वांछित सफलता नहीं मिलेगी। परन्तु आपकी दूसरी संतान के लिए यह समय बहुत ही शुभ है। उनके विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे तथा उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में संतान के लिए उच्च शिक्षा प्राप्ति के योग बने हुए हैं। उनका भाग्योदय होगा तथा व्यावसायिक उन्नति भी होगी तथा वे अपने प्रतिद्वंदियों से बेहतर कर सकने में सफल होंगे।

स्वास्थ्य

द्वितीयस्थ शनि के कारण आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव काफी देखने को मिलेगा। खासकर जोड़ों में दर्द, सिर में दर्द, मानसिक चिंता एवं वायु संबंधी समस्या हो सकती है। कमर के निचले हिस्से में कोई रोग बढ़ सकती है अतः किसी भी छोटी समस्या को छोटी ना समझते हुए और तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें। ऋतुजनित बीमारियों के कारण स्वास्थ्य प्रतिकूल हो सकता है विशेष कर सर्दी-जुकाम इत्यादि का प्रकोप झेलना पड़ सकता है। अतः स्वास्थ्य को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही न करें अन्यथा स्वास्थ्य ज्यादा प्रतिकूल हो सकता है।

यदि कोई बीमारी पहले से चली आ रही है तो वह इस समय बढ़ सकती है, अतः पहले से ही सावधानी बरतें। वर्ष के उत्तरार्द्ध में राहु ग्रह के गोचर के बाद समय ज्यादा प्रभावित हो रहा है। उस समय कोई लम्बी बीमारी हो सकती है। व्यापारिक कारणों या अपने निजी कारणों की वजह से मानसिक तनाव बढ़ सकता है। अतः स्वयं को संतुलित एवं नियमित रखें। तुला दान व महामृत्यंजय जाप आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परिक्षार्थियों के लिए यह वर्ष सामान्य रहने वाला है। आप कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगे तो उसमें सफलता मिल सकती है। मैकेनिकल इंजीनियर व हार्डवेयर से संबंधित कार्य करने वाले जातकों के लिए यह समय अच्छा रहेगा।

वर्ष का उत्तरार्द्ध व्यावसायिक व्यक्तियों के लिए अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी करने वालों के लिए यह वर्ष सामान्य रहने वाला है। मैनेजमेंट, प्रशासनिक शिक्षण से जुड़े लोगों को रिसर्च व ट्रेनिंग के सिलसिले में विदेश जाने का मौका मिल सकता है।

यात्रा-तबादला

वर्षारम्भ में छोटी-मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी अधिक होंगी। सप्तम स्थान पर गुरु की दृष्टि व्यावसायिक यात्राएं भी कराती रहेगी। इन यात्राओं से आपको अच्छा लाभ मिलेगा। धार्मिक यात्रा का सुन्दर योग बन रहा है।

चतुर्थ स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण हो सकता है। विदेश यात्रा होने के प्रबल योग बन रहे हैं। यात्रा करते समय व वाहन चलाते समय सावधान रहें क्योंकि राहु एवं शनि दोनो ग्रहों का गोचर प्रतिकूल है। चोरी व दुर्घटना का योग बन रहा है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

इस वर्ष आपका मन धार्मिक कार्यों के प्रति विशेष आकर्षित रहेगा। घर में कोई मांगलिक या धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। किसी तीर्थस्थान की यात्रा होगी। गुरु का आशीर्वाद व गुरु दीक्षा प्राप्त होगी।

शिवजी की उपासना करें एवं मृत्युंजय मंत्र का पाठ करें। मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं। आपके लिए अपने बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त करना एवं माता-पिता की सेवा करना लाभदायक रहेगा।

- मंगलवार का व्रत करें या हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- प्रत्येक शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें।
- दुर्गा सप्तशति का पाठ करें।
- आठ मुखी रुद्राक्ष सोमवार के दिन गले में धारण करें।

वार्षिक फलादेश - 2043

वर्षारम्भ में गुरु वृश्चिक राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे तथा 27 जनवरी को धनु राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे और पुनः वक्री होकर 30 जुलाई को वृश्चिक राशि एवं तृतीय भाव में गोचर करेंगे तथा अतिचारी होकर फिर से 11 सितम्बर को धनु राशि एवं चतुर्थ भाव में आ जाएंगे। पूरे साल शनि तुला राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे तथा 12 दिसम्बर को वृश्चिक राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। 19 सितम्बर तक राहु मीन राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे तथा उसके बाद कुम्भ राशि एवं छठे भाव में गोचर करेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। सभी व्यावसायिक मामलों में निर्णय सोच विचार ही लें। हालांकि आप कारोबार के मामले में काफी होशियार हैं फिर भी अपने स्तर पर पूरी एहतियात बरतें। किसी गैरकानूनी क्रिया-कलापो में शामिल न हों तथा कोई ऐसा कार्य न करें जिससे आपकी मानहानि हो। साझेदारी में कार्य करने वाले लोगों के लिए यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। यदि आप अपनी पत्नी के साथ कार्य कर रहे हैं तो वांछित उन्नति नहीं मिलेगी।

नौकरीपेशा लोगों के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा। आपको खास मुनाफा होगा। यह मुनाफा आपको सैलरी में वृद्धि तथा नई नौकरी के मौके के रूप में मिल सकता है। आपके बड़े अधिकारी आपकी काफी मदद करेंगे। आपके काम की सराहना होगी। अनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण भी हो सकता है। अगस्त से सितम्बर तक का समय किंचित प्रभावित रहेगा। अतः उस समय सावधान रहने की आवश्यकता है। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे आपकी छवि खराब हो जाए तथा वरिष्ठजनों और सहकर्मियो के साथ आपके संबंध खराब हो जाएं।

धन संपत्ति

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर रह सकती है। इसके लिए आपको थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। आपकी जमापूंजी में कमी आ सकती है। इसलिए समझदारी के साथ पैसे खर्च करें तथा वित्तीय जोखिम उठाने से बचें। बिना लिखित प्रक्रिया पूरी किए बिना किसी को पैसे न दें और किसी पर भी आंख बन्द करके विश्वास न करें, अन्यथा बहुत सारी दिक्कतें हो सकती हैं।

सितम्बर के बाद समय कुछ अनुकूल हो रहा है। चतुर्थस्थ गुरु के कारण अचल संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। अष्टम स्थान पर गुरु की दृष्टि पैतृक संपत्ति प्राप्त करा सकती है। यदि कोर्ट कचहरी में कोई मुकद्दमा चल रहा है तो उसमें भी अनुकूलता प्राप्त होगी। मांगलिक कार्यों में तथा धार्मिक कार्यों में आपके पैसे अधिक खर्च होंगे।

घर-परिवार, समाज

चतुर्थस्थ गुरु पर शनि की दृष्टि प्रभाव से आपका घरेलू वातावरण अनुकूल रहेगा।

माता के साथ आपके संबंध बेहतर रहेंगे तथा वे हर मोड़ पर आपकी मदद करेंगी। भाई-बहनों सहित पूरे परिवार का सहयोग मिलेगा। आपके परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे, जिससे में आपकी अहम भुमिका होगी। सप्तम स्थान का राहु आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है। अतः उनके स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में तृतीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके पराक्रम तथा कार्य क्षमताओं का विकास होगा, जिससे समाज में आपका मान सम्मान बढ़ेगा। सामाजिक उन्नति या समाज कल्याण के लिए आप कोई संस्था बना सकते हैं, जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा और बढ़ेगी।

संतान

संतान के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। अपने जीवन में उन्नति के लिए अथक मेहनत करेंगे। देर से ही सही लेकिन उनको परिश्रम का फल अवश्य मिलेगा। आपकी दूसरी संतान के लिए समय अच्छा नहीं है। अचानक उनको स्वास्थ्य संबंधित परेशानी आ सकती है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में स्वास्थ्य में सुधार व कार्यक्षमताओं की वृद्धि होगी। आपकी सन्तान इस वर्ष कोई नई सम्पत्ति या वाहन के क्रय में धन का निवेश कर सकती है। आपका दूसरी सन्तान से टकराव या वैचारिक मतभेद भी हो सकता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की बात करें तो यह वर्ष सामान्य रहेगा। द्वितीय स्थान का शनि आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। आर्थिक स्थिति को लेकर आवश्कता से ज्यादा चिंता न करें नहीं तो इसका नकारात्मक प्रभाव आपके शरीर पर पड़ेगा। मौसमजनित बीमारियों से आप ज्यादा परेशान हो सकते हैं। लग्न स्थान पर राहु की दृष्टि सरदर्द, मांसपेशियों, रक्त और लीवर से संबंधित दिक्कतें दे सकती है। आंखों का विशेष ध्यान रखें। समय समय पर शिकायत होने पर जांच कराते रहें। आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है।

19 सितम्बर के बाद आपके स्वास्थ्य में कुछ सुधार होगा। फिर भी अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखें। अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए शुद्ध शाकाहारी भोजन ग्रहण करें तथा योगासन के साथ-साथ व्यायाम भी करते रहें। सुबह सुबह टहलना आपके लिए ज्यादा लाभप्रद रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षार्थियों के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। यदि आप किसी प्रतियोगिता परीक्षा में बैठने जा रहे हैं तो सफलता प्राप्ति के लिए आपको अधिक परिश्रम की आवश्यकता होगी। अंततः आपको संघर्षात्मक परिस्थितियों में सफलता मिलेगी अध्ययन के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी परन्तु आलस्य की भावना सफलता में बाधक साबित हो सकती है।

वष के उत्तरार्द्ध में छात्रों को सफलता मिलने के पूर्ण आसार है। इसलिए दी गई

परीक्षाओं का परिणाम हितकारी होगा। दोस्तों का सहयोग मिलेगा। कला और सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों को अवश्य लाभ मिलेगा। यदि आप नौकरी की तलाश में हैं तो 19 सितम्बर के बाद आपको इच्छित नौकरी मिल जाएगी।

यात्रा-तबादला

द्वादश पर गुरु की दृष्टि आपको विदेश यात्रा करा सकती है। जलीय मार्ग से दर्शनीय स्थल की यात्रा अधिक करेंगे। यदि आप अपनी जन्मभूमि से दूर रहते हैं तो परिवार सहित अपनी जन्मभूमि की यात्रा भी कर सकते हैं।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में उच्चपद प्राप्ति व स्थानांतरण के योग बन रहे हैं। नौकरी व व्यापार के मामलों को लेकर अधिक यात्राएं होंगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्षारम्भ में पारिवारिक सुख शान्ति एवं समृद्धि प्राप्ति के लिए अपने घर में हवन, पूजा इत्यादि शुभ कर्म करेंगे, जिसमें परिवार के सभी सदस्य शामिल होंगे।

वर्ष का उत्तरार्द्ध आपके धर्म कार्यों तथा आध्यात्मिक उन्नति व योग साधना के लिए उत्तम रहेगा। आपकी ईश्वर के प्रति श्रद्धा, आस्था व भक्ति बढ़ती जाएगी। द्विज, देव, ब्राह्मण व ईष्ट देव की कृपा प्राप्त होगी। इस समय के अंतराल में आप कोई विशेष पूजा, अनुष्ठान, यज्ञ, हवन आदि संपन्न कराने में सफल होंगे।

- मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं तथा प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- शनिवार के दिन पीपल के वृक्ष के नीचे चौमुखी दीपक जलाएं।
- प्रतिदिन चिड़ियों तथा चींटियों को दाना डालें।
- आठ मुखी रुद्राक्ष अभिमन्त्रित कर सोमवार के दिन गले में धारण करें।

वार्षिक फलादेश - 2044

इस वर्ष शनि वृश्चिक राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे तथा राहु कुम्भ राशि एवं छठे भाव में रहेंगे। 16 फरवरी तक गुरु धनु राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे तथा उसके बाद मकर राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल वक्री होकर 4 मार्च से 13 जून तक सिंह राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

व्यावसायिक दृष्टिकोण से यह वर्ष उत्तम रहने वाला है। व्यापारिक व्यक्तियों को इस वर्ष अच्छा लाभ मिलने वाला है। कुछ नए व्यापारिक भागीदार मिलेंगे, कारोबार का विस्तार होगा। व्यापार में पूंजी लगाने वाले कुछ नए लोग मिलेंगे। आमदनी के नये स्रोत मिलने की उम्मीद है। इस अवधी मे कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगे, तो उसमें सफलता मिलने की उमीद ज्यादा है। आपको अनुभवी और वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा।

यदि आप नौकरी में हैं तो अच्छे परिणाम मिलेंगे तथा कार्यस्थल पर आपकी तारीफ होगी और मान सम्मान भी बढ़ेगा। नई और बेहतर नौकरी मिलने की प्रबल संभावना है। पदोन्नति के साथ-साथ अनुकूल स्थान पर परिवर्तन भी हो सकता है। षष्ठस्थ राहु के कारण नौकरी से संबंधित इच्छाएं पूर्ण होंगी।

धन संपत्ति

आर्थिक उन्नति के लिए यह वर्ष अनुकूल रहने वाला है। वर्ष के प्रारम्भ में ही आपको भूमि, भवन व वाहन सुख की प्राप्ति हो सकती है। 16 फरवरी के बाद एकादश स्थान पर गुरु की दृष्टि आपकी आर्थिक स्थिति में मददगार साबित होगी। आय के मार्ग प्रशस्त होंगे। आप अपने कार्यों के प्रति सजग रहेंगे। पैसे का आगमन निर्विवाद रूप से होता रहेगा। जमापूंजी में तेजी मे वृद्धि होगी।

छोटे भाई या मातुल पक्ष के लोगों से आपको ज्यादा लाभ होगा। संतान की शिक्षा पर व मांगलिक कार्यों में आप ज्याद खर्च करेंगे। पंचमस्थ गुरु के कारण शेयर बाजार से जुड़े लोगों को अच्छा मुनाफा होगा।

घर-परिवार, समाज

इस वर्ष आपका पारिवारिक जीवन उत्तम रहने वाला है। मित्रों के साथ किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। आपके भाईयों के लिए यह वर्ष बहुत ही श्रेष्ठ है। तृतीयस्थ शनि के प्रभाव से आपके पराक्रम तथा कार्य क्षमताओं का विकास होगा। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़-चढ़ के भाग लेंगे। सामाजिक कल्याण के लिए आप कोई विशेष कार्य संपन्न करेंगे।

माता-पिता सहित पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। ससुराल तथा मातुल पक्ष के लोगों के लिए यह समय बहुत ही शुभ है।

संतान

16 फरवरी के बाद समय आपके बच्चों के लिए अनुकूल हो रहा है। यदि वे उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश हो जाएगा। यदि वे विवाह के योग्य हैं तो विवाह होने के प्रबल योग बन रहे हैं। नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती है।

पंचमस्थ गुरु पर शनि ग्रह की दृष्टि के कारण आपके बच्चों का चौमुखी विकास होगा। सफलता के मार्ग पर आगे बढेंगे। आपके बच्चे आपकी उम्मीदों से बढ़ कर उन्नति करेंगे और आप गर्व का अनुभव करेंगे। आपके प्रति उनके दिल में सम्मान का भाव बढ़ेगा तथा वे आपकी सभी आज्ञाओं का पालन करेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। 16 फरवरी के बाद लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके मन में अच्छे विचार आएंगे जिसके फलस्वरूप प्रत्येक कार्य को सकारात्मक रूप से करेंगे। अच्छे स्वास्थ्य के लिए आप का खान-पान एवं दिनचर्या भी सुधरेगी। लग्न स्थान पर शुभ ग्रह का प्रभाव होने से आप शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगे जिससे आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। यदि मौसमजनित कोई बीमारी होती भी है तो आप शीघ्र ही अच्छे हो जाएंगे। यदि पहले से कोई लम्बी बीमारी से ग्रस्त हैं तो इस वर्ष उससे भी छुटकारा मिल सकता है।

यदि आपने खाने पीने पर ध्यान नहीं दिया तो आपका मोटापा बढ़ सकता है। क्योंकि वर्ष के उत्तरार्द्ध में मसालेदार और तेल वाले आहार के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी, इसे नियंत्रित करने की कोशिश करें। आलस्य का त्याग करें और स्फूर्ति के लिए व्यायाम करें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

16 फरवरी के बाद छात्र वर्ग के लिए समय अनुकूल रहेगा। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को मनचाहे परिणाम मिलने की संभावना है। आपकी एकाग्रता में बढ़ोत्तरी होगी। आप विषयों को ज्यादा से ज्यादा पढ़ेंगे। इससे आपका अभ्यास पहले से बहुत अच्छा होगा एवं नतीजों में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। जो छात्र विदेश में जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, उनको नए अवसर मिलने की उम्मीद है। प्रतियोगिता परीक्षा में भाग लेने वालों के लिए समय अनुकूल है।

षष्ठस्थ राहु के कारण अचानक प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेंगे। जो व्यक्ति इलेक्ट्रॉनिक या हार्डवेयर से संबंधित कार्य कर रहे हैं। उनको करियर में सफलता मिलेगी। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उनको वांछित नौकरी की प्राप्ति होगी।

यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारम्भ में विदेश यात्राओं का प्रबल योग बन रहा है। नौकरी करने वाले

व्यक्तियों का पदोन्नति के साथ स्थानान्तरण भी होगा। तृतीयस्थ शनि के कारण आप छोटी -मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी करेंगे।

व्यावसायिक यात्राओं के साथ आपकी मनोरंजनात्मक यात्राएं अधिक होंगी। इन यात्राओं से आपको लाभ भी मिलेगा। इस वर्ष आप धार्मिक यात्रा कर अत्यधिक पुण्यार्जन करेंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए यह वर्ष अनुकूल है। घरेलू सुख, शान्ति एवं समृद्धि प्राप्ति के लिए हवन, ग्रह शान्ति या अन्य कोई पूजा संपन्न करेंगे, जिसमें आपको धर्मपत्नी का पूर्ण सहयोग मिलेगा। 16 फरवरी के बाद आप पूजा पाठ में विशेष रूचि लेंगे। नियमित रूप से आप अपना दैनिक पूजा करते रहेंगे। आप दान पुण्य भण्डारा इत्यादि अच्छे कर्मों पर अधिक पैसा खर्च करेंगे, जिससे आपको आत्मिक सुख का अनुभव होगा। अनाथालय अथवा गरीब बच्चे की पढ़ाई लिखाई पर भी आपका पैसा खर्च हो सकता है।

- साधू, संन्यासी एवं गरीबों को भोजन कराएं।
- श्वेतार्क गणपति अपने पूजा घर में स्थापित करें।
- प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- नौ मुखी रुद्राक्ष सोमवार के दिन गले में धारण करें।

वार्षिक फलादेश - 2045

इस वर्ष शनि वृश्चिक राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे। 15 जून तक राहु कुम्भ राशि एवं छठे भाव में रहेंगे तथा उसके बाद मकर राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे। 2 मार्च को गुरू कुम्भ राशि एंव छठे भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध बहुत ही उत्तम रहने वाला है। कारोबारियों को इस समय अप्रत्याशित मुनाफा प्राप्त हो सकता है। आपके प्रतिद्वंदी आपकी नकल करने की कोशिश करेंगे, लेकिन वे पूरी तरह से विफल रहेंगे। छठे स्थान का राहु आपको शत्रुओं से भी लाभ प्राप्त करा सकता है। आपका मन उत्साह से पूर्ण रहेगा और कठिन से कठिन समस्या का सामना करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। किसी भी काम को आप मन लगाकर करेंगे जिससे आपके बड़े अधिकारी आपसे प्रसन्न करेंगे।

वर्ष का उत्तरार्द्ध किंचित प्रभावित रहने वाला है। आप अपने परिश्रम के बल पर कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। षष्ठस्थ गुरु के प्रभाव से आप अपने कार्यों को अंजाम तक पहुंचाने में कठिनाईओं का अनुभव करेंगे। कुछ कारणों को लेकर आपसे बड़े अधिकारी आपके लिए समस्या पैदा कर सकते हैं। लापरवाह और अति आत्मविश्वासी बिल्कुल न बनें। कार्य की अधिकता के कारण आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपने कार्यों को तेजी से करें।

धन संपत्ति

वर्ष के पूर्वार्द्ध में आपकी आर्थिक स्थिति उत्तम रहने वाली है। आमदनी के कई नये स्रोत मिलेंगे जिससे आपके संचित धन में तेजी से वृद्धि होगी। वर्षारम्भ में छठे स्थान का राहु अचानक कोई बड़ा लाभ करा सकता है। पिता एवं आपके बड़े भाईयों से भी धन लाभ होगा। शेयर बाजार, सट्टा व लॉटरी इत्यादि के माध्यम से आपको अच्छा लाभ मिलेगा, जिसके फलस्वरूप आप वांछित बचत करने में सफल रहेंगे।

वर्ष का उत्तरार्द्ध किंचित प्रभावित रहने वाला है। उस समय आपकी आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर रह सकती है। अतः वित्तीय जोखिम उठाने से बचें। बिना लिखित प्रक्रिया के किसी को पैसे न दें और किसी पर भी आंख बन्दकर विश्वास न करें। जोखिम भरे कार्यों मे धन निवेश करने से बचें अन्यथा आपको हानि हो सकती है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से यह वर्ष सामान्यतः अनुकूल रहने वाला है। परिवार के सभी सदस्यों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे तथा वे लोग हर मोड़ पर आपकी मदद करेंगे। आपके परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे, जिसमें आपकी अहम भूमिका होगी। यह समय आपके जीवनसाथी के लिए उत्तम रहेगा तथा भावनात्मक लगाव में वृद्धि होगी। वर्ष के उत्तरार्द्ध में पंचम स्थान का राहु आपकी संतान के लिए अच्छा नहीं है।

सामाजिक रूप से यह वर्ष उत्तम रहने वाला है। आपके पराक्रम तथा कार्य क्षमताओं का विकास होगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। सामाजिक उन्नति या समाज कल्याण के लिए आप कोई संस्था बना सकते हैं। इस संस्था से बहुत सारे लोगों का कल्याण होगा, जिसका पूरा श्रेय आपको मिलेगा।

संतान

वर्ष का पूर्वार्द्ध संतान के लिए बहुत ही शुभ है। नव विवाहित व्यक्तियों को संतान की प्राप्ति होगी। बच्चों के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में वे अच्छी प्रगति करेंगे तथा पराक्रम में वृद्धि होगी।

15 जून के बाद आप संतान को लेकर चिंतित रहेंगे आपकी प्रथम संतान को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। गर्भवती स्त्रियां सावधान रहें, गर्भपात की सम्भावना है।

स्वास्थ्य

वर्ष का प्रारम्भ स्वास्थ्य के लिए उत्तम रहने वाला है। आपका मन प्रसन्नचित्त बना रहेगा। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। प्रत्येक कार्य को आप सकारात्मक रूप से करेंगे। मानसिक प्रसन्नता के साथ आपका समय व्यतित होगा तथा आप शारीरिक रूप से पूर्ण आरोग्य रहेंगे। 2 मार्च को गुरु ग्रह के गोचर के साथ आपका समय किंचित प्रभावित होगा।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में कुछ न कुछ शारीरिक कष्ट होता रहेगा। लग्न स्थान पर राहु की दृष्टि अचानक छोटी-मोटी बीमारियों से आपको परेशान कर सकती है। आंख, पेट, पाचन और नसों में परेशानी हो सकती है। इलाज के लिए आयुर्वेदिक दवा का सेवन करना फायदेमन्द हो सकता है। उचित आहार और नियमित व्यायाम करने से इन बीमरियों से बचा जा सकता है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षार्थियों के लिए यह वर्ष बहुत ही श्रेष्ठ रहने वाला है। प्रतियोगिता परीक्षा में आपको वांछित सफलता मिलेगी। वर्ष के प्रारम्भ में विद्यार्थियों की अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी तथा शिक्षा के क्षेत्र में कुछ विशेष उपलब्धी प्राप्त करेंगे। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उनको इच्छित नौकरी की प्राप्ति होगी।

वर्ष का उत्तरार्द्ध विद्यार्थियों के लिए अच्छा नहीं रहेगा। पंचम स्थान का राहु आपकी शिक्षा-दीक्षा में रुकावट उत्पन्न कर सकता है तथा गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से आपके करियर में एकाग्रता नहीं रहेगी और आपका मन भी अशान्त रहा सकता है।

यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारम्भ में आप छोटी-मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राओं का भी आनन्द लेंगे। धार्मिक यात्रा होने के प्रबल योग बन रहे हैं।

2 मार्च के बाद आपकी विदेश यात्रा होगी। वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपकी व्यावसायिक यात्राएं अधिक होंगी। इन यात्राओं के दौरान आपके छोटी मोटी परेशानियां भी हो सकती हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष का पूर्वार्द्ध आपके धर्म कार्यों तथा आध्यात्मिक उन्नति व योग साधना के लिए उत्तम रहेगा। आपकी ईश्वर के प्रति श्रद्धा, आस्था व भक्ति बढ़ती जाएगी। द्विज, देव, ब्राह्मण व ईष्ट देव की कृपा प्राप्त होगी। आप कोई विशेष पूजा, अनुष्ठान, यज्ञ, हवन आदि संपन्न कराने में सफल होंगे। 15 जून के बाद समय कुछ प्रभावित हो रहा है। पंचम स्थान में राहु ग्रह का गोचर धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं है। इस समय आप मानसिक द्वंदता के कारण पूजा-पाठ, यज्ञ, अनुष्ठान नहीं कर पाएंगे। आपके दैनिक पूजा पाठ में भी कमी आएगी तथा आपके श्रद्धा व विश्वास में कमी आएंगी।

- प्रतिदिन दुर्गा चालीसा का पाठ करें।
- अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- अपने पूजा घर में लड्डू गोपाल की स्थापना कर उनका पूजन करें।
- पांचमुखी रुद्राक्ष सोमवार के दिन गले में धारण करें।

दशा विश्लेषण

महादशा :- राहु
(08/03/2017 - 08/03/2035)

राहु की महादशा 08/03/2017 को आरम्भ और 08/03/2035 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 18 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में राहु द्वितीय भाव में बुध की राशि में स्थित है। इस स्थान से राहु की दृष्टि अष्टम भाव पर है। इसके पूर्व आपकी 7 वर्ष की मंगल दशा चल रही थी। आपकी यात्रा तथा व्यय और साझेदारों से लाभ होगा। राहु की इस दशा के दौरान आपको सम्पत्ति का लाभ, उत्तम शिक्षा और सरकार से संभावित आर्थिक लाभ मिलेगा।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप शक्तिशाली और ऊर्जावान् होंगे। किन्तु मौसम में परिवर्तन के कारण गले का रोग, वाइरल बुखार, स्नायविक-दुर्बलता, चर्मरोग आदि मामूली रोग हो सकते हैं। कुछ सतर्कता बरत कर इनमें से कुछ से बचाव किया जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

आपकी आर्थिक स्थिति अत्यन्त मजबूत होगी। आपको पैतृक सम्पत्ति और उपहार में धन की प्राप्ति होगी। सट्टे तथा निवेश में लाभ हो सकता है। जीविका तथा व्यवसाय के लिए वायुयान-संचालन, अन्तरिक्ष अनुसन्धान, शिक्षण, ट्रैवेल एजेण्ट, वायुसैनिक, लेखा-कार्य, कम्प्यूटर- विज्ञान, प्रकाशन आदि के क्षेत्र का चयन कर सकते हैं। कपड़ा, रत्न, चमड़ा, आयात-निर्यात, कागज, टेलीफोन, इलेक्ट्रॉनिक सामान आदि का व्यापार लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को सफलता, पदोन्नति, उच्च सम्मान और आय में वृद्धि होगी। आपको सहकर्मियों का सहयोग और उच्चाधिकारियों की शुभकामना प्राप्त होगी। व्यापार व्यवसाय से जुड़े लोगों को उपार्जन तथा लाभ में वृद्धि, व्यापार में विस्तार और सम्पत्ति की अचानक बाढ़ आएगी। आर्थिक खुशहाली के लिए यह दशा अत्यन्त उत्तम है और अप्रत्याशित प्रगति की सम्भावना है।

वाहन, यात्रा जायदाद :

इस दशा के दौरान आपका जीवन सुखमय रहेगा। आपको वाहन की प्राप्ति होगी। जायदाद के लिये भी यह दशा उत्तम है। जमीन-जायदाद में वृद्धि की संभावना है। आपका एक आरामदायक मकान होगा। चन्द्र की महादशा में आपकी छोटी यात्रा और मंगल की महादशा में लम्बी यात्रा होगी। मामूली नुकसान से बचाव के लिये सावधानी बरतें।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी उत्तम तकनीकी शिक्षा होगी। आप परीक्षा तथा प्रतियोगिता में श्रेष्ठता प्राप्त करेंगे। विज्ञान, इन्जीनियरिंग, लेखा-कार्य, वाणिज्य, लेखन, समाचार माध्यम आदि में आपकी रुचि होगी। आप तेज हैं तथा बौद्धिक गतिविधि से सम्बन्धित सभी विषयों में अच्छा करेंगे।

परिवार :

परिवार के साथ आपका संबंध मधुर रहेगा। आप यदा-कदा परिवार से दूर रहेंगे। आपके बच्चे अच्छा करेंगे और आपको उनसे सुख मिलेगा। आपके जीवनसाथी को अचानक धन मिलेगा, हालाँकि कुछ स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या और परिवर्तन हो सकता है। आपकी माता को समृद्धि और सम्पत्ति मिलेगी तथा उनके मित्र प्रभावशाली होंगे जबकि आपके पिता को आदर, सम्पत्ति तथा विरोधियों पर विजय मिलेगी। आपके छोटे भाई-बहनों को कुछ स्वास्थ्य समस्या होगी, व्यय होगा और विरोधियों तथा प्रतिद्वन्द्वियों के कारण निराशा मिलेगी। आपके बड़े भाई-बहनों को अचल सम्पत्ति, आवास में परिवर्तन तथा जीवन का सुख मिलेगा। इस दशा के दौरान आपको विभिन्न स्रोतों से धन की प्राप्ति तथा जीवन का सुख मिलेगा।

अन्तर्दशा :

राहु की महादशा में राहु की अन्तर्दशा में आपको सम्पत्ति और सुख की प्राप्ति होगी। गुरु की अंतरदशा में लाभ होगा और मामूली स्वास्थ्य समस्या होगी। शनि की अन्तर्दशा के दौरान यश, ख्याति, सफलता, सम्पत्ति आदि की प्राप्ति और यात्रा होगी। बुध की अन्तर्दशा में शिक्षा, परिवार में सुख और लाभ मिलेगा। शुक्र की अन्तर्दशा में यश, ख्याति, सम्पत्ति और सौभाग्य की प्राप्ति होगी जबकि उसके बाद शुरू होने वाली सूर्य की अन्तर्दशा के दौरान जमीन जायदाद में वृद्धि और माता से सुख मिलेगा। चन्द्र की अन्तर्दशा में आपकी छोटी यात्रा होगी और भाई-बहनों से सुख मिलेगा जबकि मंगल की अन्तर्दशा के दौरान व्यय, कुछ स्वास्थ्य समस्या और यात्रा होगी।

अंर्तदशा :- राहु - बुध
(17/02/2025 - 07/09/2027)

राहु महादशा की अवधि 18 वर्ष होती है। आपके लिए यह 08/03/2017 को प्रारंभ होकर 08/03/2035 को समाप्त होगी। इस महादशा में बुध अंतर्दशा की अवधि 2 वर्ष 6 मास 18 दिन रहेगी जो आपके लिए 17/02/2025 को प्रारंभ होकर 07/09/2027 को समाप्त होगी।

बुध आपकी जन्मपत्री में पंचम भाव में स्थित है। पंचम भाव संतान, मनोरंजन, सैर-सपाटे, प्रेम संबंध, स्पर्धा, अच्छे-बुरे चरित्र, धार्मिकता, विवेक, धनाढ्यता और आत्मिक उत्थान का परिचायक है। पंचम भाव में स्थित होकर बुध कुंडली के एकादश भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसे अपने कारकत्व से प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप विद्वान होंगे, ज्ञानार्जन के लिए किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं। बुद्धिमान होंगे; किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सलाहकार बन सकते हैं। विषय-वासनाओं में रुचि हो सकती है जिससे शक्ति का ह्रास संभव है।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए बुध के वैदिक मंत्र के 9000 जाप करें।

अंर्तदशा :- राहु - केतु
(07/09/2027 - 24/09/2028)

राहु महादशा की अवधि 18 वर्ष होती है। आपके लिए यह 08/03/2017 को प्रारंभ होकर 08/03/2035 को समाप्त होगी। इस महादशा में केतु अंतर्दशा की अवधि 1 वर्ष 18 दिन होगी जो आपके लिए 07/09/2027 को प्रारंभ होकर 24/09/2028 को समाप्त होगी।

केतु आपकी जन्मपत्रिका में अष्टम भाव में स्थित है। अष्टम भाव आयु, विरासत, दुर्घटना, दुर्भाग्य, दुख, चिंता, निराशा, हानि, बाधा, चोरी और डकैती का प्रतिनिधि है। अष्टम भाव में स्थित होकर केतु आपकी कुंडली के द्वितीय भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

राहु और केतु छाया ग्रह हैं। इनकी स्वयं की कोई राशि नहीं होती। सामान्यतः इन्हें अशुभ समझा जाता है परंतु वास्तव में ये शुभ या अशुभ, कुंडली में अपनी स्थिति के अनुसार होते हैं।

इस अवधि में आपको अपनी गलतियों के कारण कोई व्याधि हो सकती है। आपकी जर, जोरु, जमीन में रुचि अधिक रहेगी। आप इनके पीछे भागेंगे, जिस कारण उत्सर्जन तंत्र का कोई रोग हो सकता है। प्रत्येक कदम उठाने से पहले सावधान रहना आवश्यक है ताकि किसी बात की अति न हो।

अरिष्ट से बचाव के लिए केतु के तांत्रिक मंत्र के 72,000 जाप करें।

अंर्तदशा :- राहु - शुक्र
(24/09/2028 - 25/09/2031)

राहु महादशा की अवधि 18 वर्ष होती है। आपके लिए यह 08/03/2017 को प्रारंभ होकर 08/03/2035 को समाप्त होगी। इस महादशा में शुक्र अंतर्दशा की अवधि 3 वर्ष होगी जो आपके लिए 24/09/2028 को प्रारंभ होकर 25/09/2031 को समाप्त होगी।

शुक्र आपकी जन्मपत्री में तृतीय भाव में स्थित है। तृतीय भाव मष्तिष्क का रुझान, बुद्धि, साहस, छोटे भाई-बहन, लघु यात्राएं, विचार संचार, हाथ, कंधे आदि का परिचायक है। शुक्र शुभ ग्रह है। तृतीय भाव में स्थित होकर शुक्र आपकी कुंडली के नवम भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपकी शारीरिक ऊर्जा कुछ कम हो सकती है, मगर मष्तिष्क तीक्ष्ण रहेगा। कला और संगीत में रुचि होगी। इन सबके बावजूद लोकनिंदा या सामाजिक कांडों में रुचि हो सकती है। इस प्रवृत्ति से सावधान रहना आवश्यक है।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए शुक्र वैदिक मंत्र के 16000 जाप करें।

अंर्तदशा :- राहु - सूर्य
(25/09/2031 - 19/08/2032)

राहु महादशा की अवधि 18 वर्ष होती है। आपके लिए यह 08/03/2017 को प्रारंभ होकर 08/03/2035 को समाप्त होगी। इस महादशा में सूर्य की अंतर्दशा 10 मास 24 दिन की होगी जो आपके लिए 25/09/2031 को प्रारंभ होकर 19/08/2032 को समाप्त होगी।

सूर्य आपकी जन्मपत्री में पंचम भाव में स्थित है। पंचम भाव संतान, मनोरंजन, सैर-सपाटे, प्रेम संबंध, स्पर्धा, अच्छे-बुरे चरित्र, धार्मिकता, विवेक, धनाढ्यता और आत्मिक उत्थान का परिचायक है। सूर्य आत्मा और पिता का कारक है। सूर्य शक्तिशाली ग्रह है। पंचम भाव में स्थित होकर सूर्य आपकी कुंडली के एकादश भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आप घर से दूर जाकर रह सकते हैं। जंगल आदि में निवास हो सकता है। अप्रसन्न हो सकते हैं। हृदय रोग हो सकता है। सावधान रहना श्रेयस्कर रहेगा।

अरिष्ट से बचाव और शुभत्व में वृद्धि के लिए :

- दूध और शहद का सेवन करें; अग्नि को दूध अर्पित करें।
- आटा, गुड़ और तांबे के सिक्के दान करें।
- बहते पानी (नदी आदि) में तांबे के सिक्के डालें।

महादशा :- गुरु
(08/03/2035 - 08/03/2051)

आपकी जन्मकुण्डली में गुरु की महादशा 08/03/2035 को आरम्भ और 08/03/2051 को समाप्त होगी। इसकी अवधि सोलह वर्ष है।

आपकी जन्मकुण्डली में गुरु तृतीय भाव में स्थित है। तृतीय भाव मानसिक अभिरुचि, बुद्धि, साहस, दृढ़ता, छोटे भाई-बहन, छोटी यात्रा, वाहन, बॉण्ड, गले, कन्धे, हँसली तथा स्नायु-तंत्र का द्योतक है। गुरु स्वभाव से एक शुभग्रह है। आपकी जन्मकुण्डली में तृतीय भाव में स्थित इस ग्रह की दृष्टि सातवें, नवें और ग्यारहवें भाव पर है और यह उक्त भावों के कार्यों को प्रभावित कर रहा है। अतः सोलह वर्षों की यह दशा आपके लिए शान्तिपूर्ण, समृद्धि दायक तथा स्वास्थ्यप्रद होगी।

स्वास्थ्य :

साहस, पराक्रम तथा शक्ति के तृतीय भाव में स्थित महादशा स्वामी गुरु के कारण आपको शक्ति मिलेगी और आप हर तरह की कठिन परीक्षा का सामना साहसपूर्वक करेंगे। आपको कोई गम्भीर बीमारी नहीं होगी और स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

धन-सम्पत्ति :

तृतीय भाव में स्थित गुरु की दृष्टि ग्यारहवें भाव (नवें और सातवें भाव के अतिरिक्त) पर है। ग्यारहवाँ भाव लाभ का भाव है इसलिए आपको धन-सम्पत्ति में वृद्धि के अवसर मिलेंगे। इस दशा के दौरान आप अपनी आय के स्रोतों और चल-अचल सम्पत्ति में वृद्धि करने में सक्षम होंगे।

व्यवसाय :

तृतीय भाव में स्थित ज्ञान और शिक्षा के कारक गुरु की (सातवें भाव के अतिरिक्त) ग्यारहवें तथा नवें भावों पर दृष्टि है। फलतः आपकी प्रवृत्ति साहित्यिक क्षेत्र की ओर होगी। आप लेखक या उपन्यासकार और एक साहित्यिक व्यक्ति हो सकते हैं। आप हर क्षेत्र में प्रगति करेंगे और भाई-बहनों तथा अन्य सहयोगियों, संबंधियों के सहयोग के फलस्वरूप आपको पर्याप्त लाभ मिलेगा।

पारिवारिक जीवन :

तृतीय भाव में स्थित गुरु की (नवें तथा ग्यारहवें भावों के अतिरिक्त) सातवें भाव पर दृष्टि है। सातवां भाव जीवनसाथी का भाव है। इसलिए आपके जीवनसाथी बहुत सहयोगी होंगे। इस दशा के दौरान आपका पारिवारिक जीवन सद्भावपूर्ण तथा अनुकूल होगा। आपके बच्चे तथा छोटे भाई-बहन आपके आज्ञाकारी होंगे।

अंर्तदशा :- गुरु - गुरु
(08/03/2035 - 25/04/2037)

आपके लिए बृहस्पति की महादशा 08/03/2035 को प्रारंभ हो रही है। इस महादशा में पहली अंतर्दशा बृहस्पति की होगी जिसकी अवधि 2 वर्ष 1 मास 18 दिन रहेगी। आपके लिए यह 08/03/2035 को प्रारंभ होकर 25/04/2037 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी बृहस्पति बुद्धि, उच्चज्ञान, जीवन और धन का कारक है।

इस अवधि में आपकी इच्छाएं पूर्ण होंगी। आप बुद्धिमान हैं। कला और साहित्य में रुचि ले सकते हैं। शिक्षा पूर्ण हो सकती है। घरेलू सुख मिलेगा। अगर अविवाहित हैं तो विवाह हो सकता है। व्यापार में साझेदारी और जनसंपर्क से लाभ होगा। नेता सफल होंगे। आकांक्षाएं पूर्ण होंगी; धनार्जन उत्तम होगा। बहुत से प्रभावशाली मित्र होंगे। तरक्की के बहुत अवसर मिलेंगे।

आपके जीवनसाथी धनी बनेंगे। आपके पिता को साझेदारों से लाभ होगा, यात्राएं होंगी, जीवनस्तर ऊंचा होगा। माता की यात्राएं हो सकती हैं; शुभ कार्यों पर खर्चे बढ़ेंगे। आपके भाई-बहनों के लिए सौभाग्य, घरेलू सुख, निवेश से लाभ, घर पर शुभ समारोह, शिशु के जन्म का संकेत है।

आपकी संतान की शिक्षा उत्तम होगी। अगर वे कार्यरत हैं तो सफल रहेंगे, धनी बनेंगे, प्रभावशाली मित्र होंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो प्रशंसित होंगे; कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी। परामर्शदाताओं को स्पर्धियों पर विजय मिलेगी। व्यापारी भाग्यशाली रहेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पाचनतंत्र का ध्यान रखें। शुभत्व में वृद्धि के लिए ब्रह्माजी की उपासना करें।

अंर्तदशा :- गुरु - शनि
(25/04/2037 - 07/11/2039)

आपकी बृहस्पति की महादशा 08/03/2035 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में दूसरी अंतर्दशा शनि की होगी जिसकी अवधि 2 वर्ष 6 मास 12 दिन रहेगी। आपके लिए यह 25/04/2037 को प्रारंभ होकर 07/11/2039 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी शनि आयु, संन्यास और दार्शनिक स्वभाव का कारक है।

इस अवधि में आप शत्रुओं पर विजयी रहेंगे। मातहत सहयोग करेंगे। स्पर्धियों और विरोधियों पर विजय होगी। प्रोन्नति और प्रगति होगी मगर उच्चाधिकारियों से कुछ संघर्ष करना पड़ेगा। खर्चे बढ़ेंगे, मगर आय में भी वृद्धि होगी। अध्यात्म, तंत्र-मंत्र और धर्म में रुचि रहेगी। बाधाओं को पार करने के लिए उत्साह बना रहेगा। भाई और मित्र मदद करेंगे।

आपके जीवनसाथी की यात्राएं होंगी; पराविद्या में रुचि होगी। आपके पिता की

प्रोन्नति हो सकती है। माता को अचल संपत्ति प्राप्त हो सकती है। आपके भाई-बहनों के लिए परीक्षा में सफलता, अप्रत्याशित परिवर्तन का संकेत है।

आपकी संतान का धनार्जन उत्तम होगा। अगर वे कार्यरत हैं तो आय में वृद्धि होगी ; प्रोन्नति होगी।

अगर आप सेवारत हैं तो प्रोन्नति हो सकती है; सफलता मिलेगी। परामर्शदाता भाग्यशाली रहेंगे। व्यापारियों की यात्रा हो सकती है; खर्चे बढ़ेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए मछली को भोजन खिलाएं।

अंर्तदशा :- गुरु - बुध
(07/11/2039 - 12/02/2042)

आपके लिए बृहस्पति की महादशा 08/03/2035 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में तृतीय अंतर्दशा बुध की होगी, जिसकी अवधि 2 वर्ष 3 मास 6 दिन होगी। आपके लिए यह 07/11/2039 को प्रारंभ होकर 12/02/2042 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी बुध बुद्धि, स्मृति और हाज़िरजवाबी का कारक है।

इस अवधि में आपको शेयरों से लाभ हो सकता है। संतान से खुशियां मिलेंगी। प्रसन्न और आशावान रहेंगे। लेखन कार्य के लिए उपयुक्त समय है। नाटकों में रुचि हो सकती है। वेद दर्शन में दिलचस्पी ले सकते हैं। सलाहकार पद पर कार्य कर सकते हैं। धनागम, सम्मान, विवाहित सुख और शिशु के जन्म का संकेत है। मौलिक उपलब्धि का समय है। आपके जीवनसाथी का धनार्जन उत्तम होगा। आपके पिता की यात्रा हो सकती है; दर्शनशास्त्र में रुचि ले सकते हैं। माता का घरेलू जीवन सुखी रहेगा। आपके भाई-बहनों के लिए धनागम, विवाह, साझेदारों के साथ अधिक विचार-विनिमय का संकेत है।

आपकी संतान की शिक्षा उत्तम होगी। अगर वे कार्यरत हैं तो सब सुख-सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी, धनलाभ होगा और ज्ञान-विज्ञान में रुचि होगी।

अगर आप सेवारत हैं तो कुछ परिवर्तन हो सकता है; उच्चाधिकारी अप्रसन्न हो सकते हैं। परामर्शदाताओं को अप्रत्याशित लाभ हो सकता है, परिवर्तन संभव है, साझेदारों से लाभ होगा। व्यापारियों का लाभ उत्तम होगा।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पाचनतंत्र का ध्यान रखें। शुभत्व में वृद्धि के लिए हरे वस्त्र, कपूर और मूंग की दाल का दान करें।

अंर्तदशा :- गुरु - केतु
(12/02/2042 - 18/01/2043)

आपके लिए बृहस्पति की महादशा 08/03/2035 प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में चौथी अंतर्दशा केतु की होगी जिसकी अवधि 11 मास 6 दिन होगी। आपके लिए यह 12/02/2042 को प्रारंभ होकर 18/01/2043 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी केतु मोक्ष और

शल्य चिकित्सा का कारक है।

इस अवधि में आप धन संचित करेंगे। जीवनसाथी या साझेदार के माध्यम से धनागम होगा। तंत्र-मंत्र में रुचि हो सकती है। घरेलू सुख रहेगा। भौतिक सुख उपलब्ध रहेंगे। प्रभावशाली व्यक्तियों से मित्रता हो सकती है। रिश्तेदारों से संबंध उत्तम रहेंगे।

आपके जीवनसाथी को सब सुख नसीब होंगे। आपके पिता की यात्रा हो सकती है, खर्चे बढ़ेंगे, अचानक लाभ हो सकता है। माता को निवेश से लाभ होगा। आपके भाई-बहनों के लिए नौकरी से लाभ, सफलता और व्यापार में लाभ का संकेत है।

आपकी संतान को परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए परिश्रम करना होगा। अगर वे कार्यरत हैं तो अचल संपत्ति क्रय कर सकते हैं।

अगर आप सेवारत हैं तो तबादला हो सकता है, वांछित कार्य पूरे होंगे। परामर्शदाताओं को सबसे सहायता मिलेगी, अप्रत्याशित लाभ होगा, कार्य का विस्तार होगा। व्यापारियों को साझेदारी से लाभ होगा।

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। साधारण बीमारियों को अनदेखा न करें। अरिष्ट से बचाव के लिए भूरा कुत्ता पालें।

अंर्तदशा :- गुरु - शुक्र
(18/01/2043 - 18/09/2045)

आपके लिए बृहस्पति महादशा 08/03/2035 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में पांचवी अंतर्दशा शुक्र की होगी, जिसकी अवधि 2 वर्ष 8 मास रहेगी। आपके लिए यह 18/01/2043 को प्रारंभ होकर 18/09/2045 के समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी शुक्र सौंदर्य, सुख और कला का कारक है।

इस अवधि में आप धनी बनेंगे; सब इच्छाएं आसानी से पूर्ण होंगी। किस्मत साथ देगी। उत्साह से पूर्ण रहेंगे; लोकप्रिय बनेंगे। कला में रुचि लेंगे। सुखकारी लघुयात्राएं हो सकती हैं। उत्तम मित्रों की संगति होगी। सब सुख-साधन उपलब्ध रहेंगे। दान-धर्म में रुचि होगी। लेखन, प्रकाशन और साहित्य से लाभ हो सकता है। जीवन में सुख-शांति रहेगी।

आपके जीवनसाथी की यात्राएं हो सकती हैं। आपके पिता को साझेदारी से लाभ होगा। माता के खर्चे बढ़ सकते हैं। आपके भाई-बहनों के लिए आमोद-प्रमोद, निवेश से लाभ, पारिवारिक सुख, उत्तम शिक्षा का संकेत है।

आपकी संतान की शिक्षा उत्तम होगी। अगर वे कार्यरत हैं तो धनी बनेंगे ; सुख-सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

अगर आप सेवारत हैं तो लोकप्रिय, सफल, प्रसिद्ध बनेंगे, सम्मान होगा। परामर्शदाताओं को स्पर्धियों पर विजय मिलेगी। व्यापारी धनी बनेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कान और नेत्र की मामूली व्याधि हो सकती है। शुभत्व में वृद्धि के लिए शुक्र मंत्र का जाप करें।

ॐ शुं शुक्राय नमः

अंर्तदशा :- गुरु - सूर्य
(18/09/2045 - 08/07/2046)

आपके लिए बृहस्पति की महादशा 08/03/2035 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में छठी अंतर्दशा सूर्य की होगी जिसकी अवधि 9 मास 18 दिन रहेगी। आपके लिए यह 18/09/2045 को प्रारंभ होकर 08/07/2046 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी सूर्य आत्मा, पिता, कार्यक्षमता और स्वास्थ्य का कारक है।

इस अवधि में आप धनी बनेंगे और सुख-सुविधाओं से संपन्न होंगे। सट्टेबाजी में धनार्जन हो सकता है। हाथ में लिये सब काम पूर्ण होंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर में शिशु का जन्म हो सकता है। उच्चपद मिल सकता है; सरकार से लाभ होगा। विशिष्ट व्यक्तियों से मित्रता हो सकती है। कार्यों में सफलता मिलेगी, धनागम होगा।

आपके जीवनसाथी की इच्छाएं पूर्ण होंगी, धनार्जन होगा। आपके पिता भाग्यशाली रहेंगे। माता को धन का लाभ होगा; घरेलू जीवन सुखी रहेगा। आपके भाई-बहनों के लिए इच्छाओं की पूर्ति, साहित्य या संचार माध्यम से लाभ, प्रोन्नति, वांछित स्थान पर तबादला, व्यापार में लाभ और उच्चाधिकारियों की कृपा का संकेत है।

आपकी संतान में आत्म-विश्वास उत्तम होगा। अगर वे कार्यरत हैं तो तरक्की करेंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो कुछ परिवर्तन हो सकता है। परामर्शदाताओं के कार्य में भी कुछ परिवर्तन होगा।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। मामूली उदर रोग हो सकता है। शुभत्व में वृद्धि के लिए लाल गाय, वस्त्र, लाल चंदन और गुड़ का दान दें।

एस्ट्रोग्राफ

एस्ट्रोग्राफ, जीवन के किसी भी पहलू की ग्राफ द्वारा प्रस्तुति है। इससे स्वास्थ्य, आर्थिक, बुद्धि, प्रेम या अन्य किसी भी क्षेत्र में, एक समय के दौरान, होने वाली घटनाओं में रूचि रखने वालों को जानकारी मिलती है। एस्ट्रोग्राफ हमें सही रूप जानने और उन्हें आसानी से समझने में सहायक होते है।

अगले पृष्ठों में आपके जीवन के तीन महत्वपूर्ण पहलू - स्वास्थ्य, धन तथा मानसिक स्तर एस्ट्रोग्राफ द्वारा दिखाये गये हैं। ये एस्ट्रोग्राफ 100 मापक्रम के अनुसार हैं।। यदि आपका एस्ट्रोग्राफ 50 से अधिक अंक दिखाता है तो वह शुभ है। 65 से ऊपर बहुत अच्छा होता है और 80 से ऊपर अति उत्तम होता है। 50 से नीचे सामान्य होता है, 35 से नीचे बुरा तथा 20 से नीचे बहुत बुरा माना जाना चाहिए।

0-20	निकृष्ट	50-65	श्रेष्ठ
20-35	नेष्ट	65-80	उत्तम
35-50	सामान्य	80-100	अत्युत्तम

एस्ट्रोग्राफ - 2026

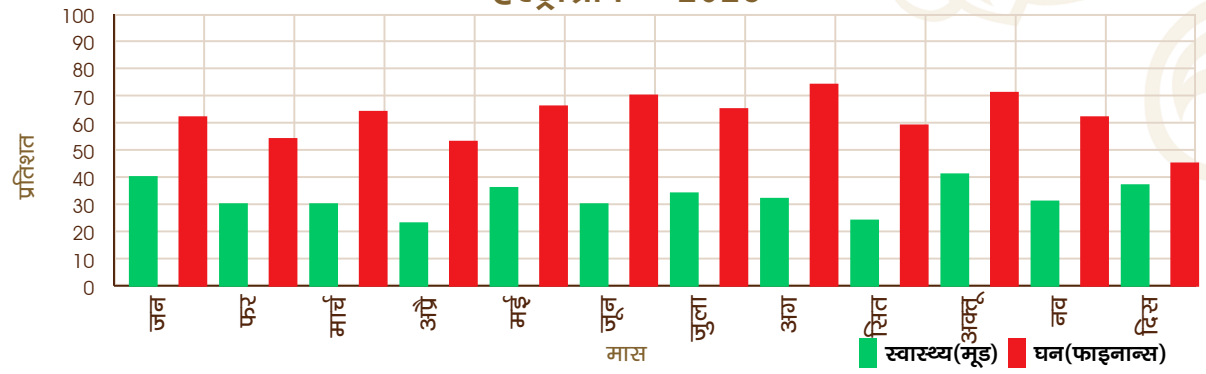

एस्ट्रोग्राफ - 2027

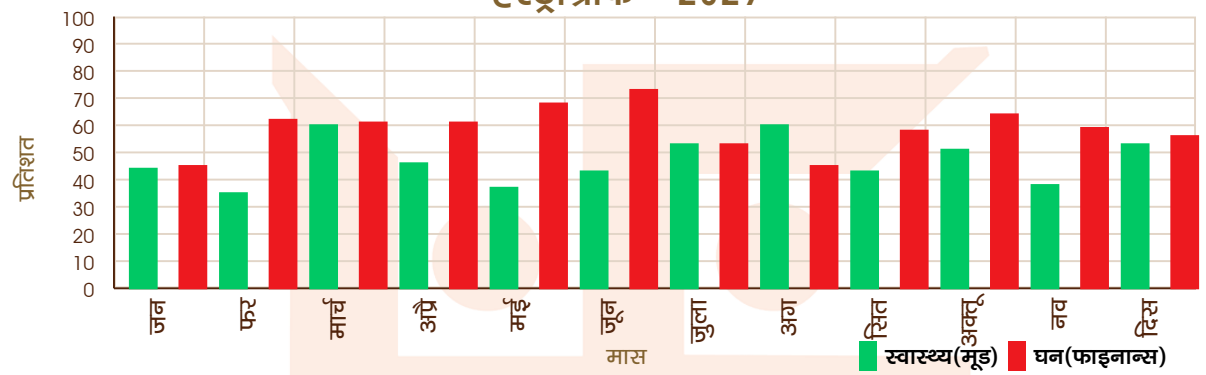

एस्ट्रोग्राफ - 2028

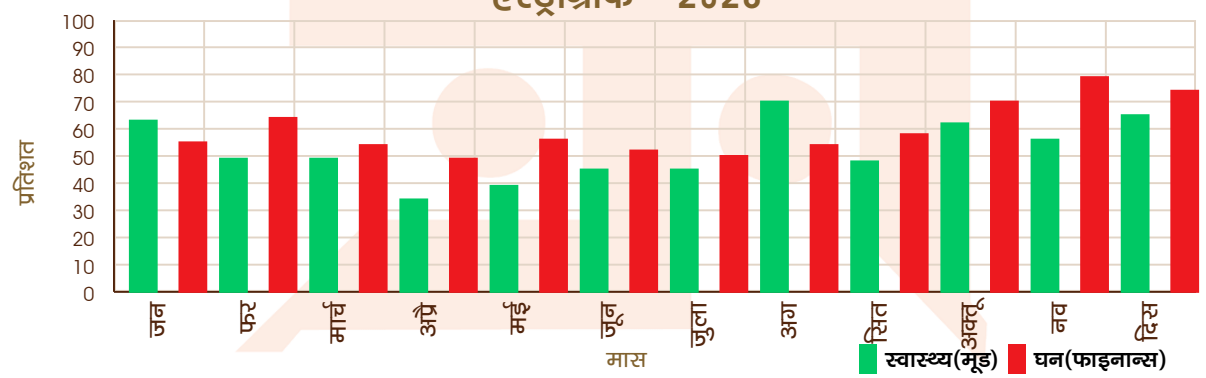

एस्ट्रोग्राफ - 2029

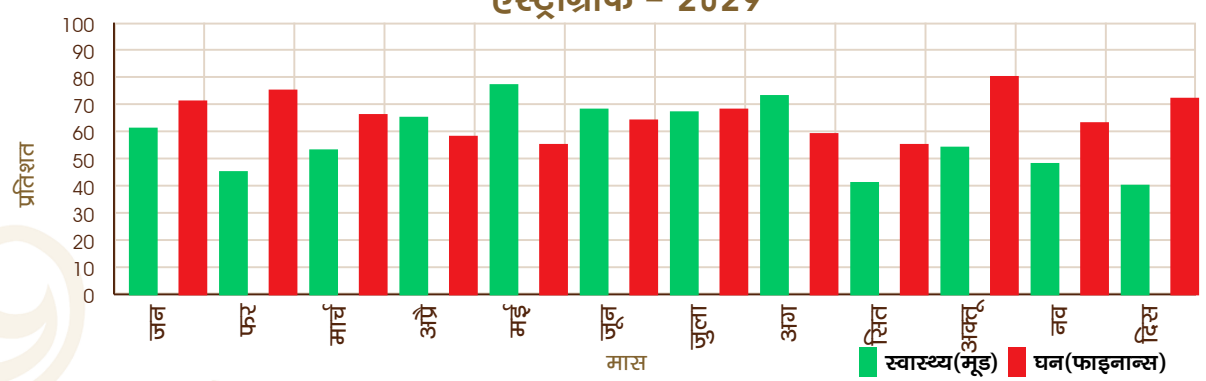

एस्ट्रोग्राफ - 2030

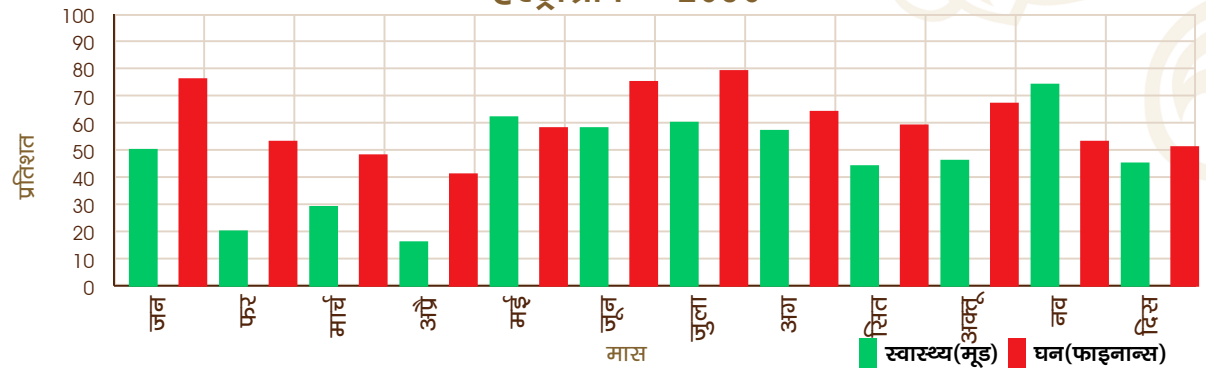

एस्ट्रोग्राफ - 2031

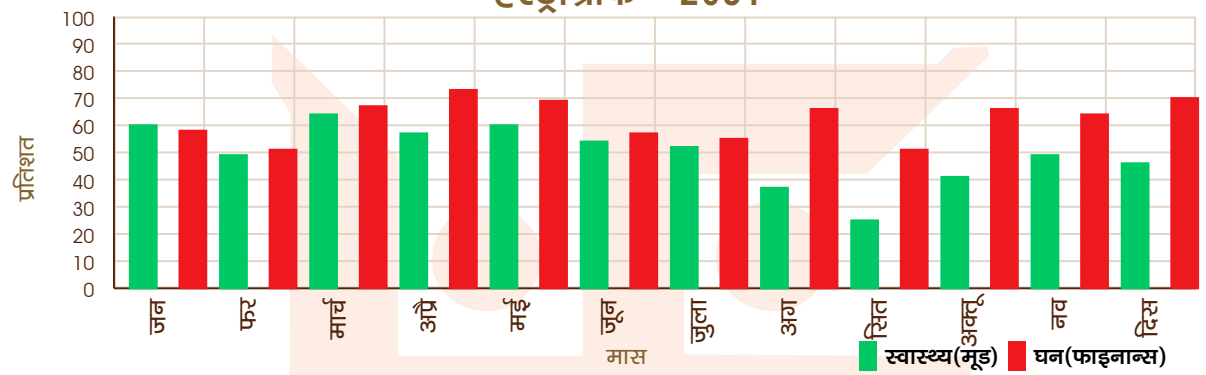

एस्ट्रोग्राफ - 2032

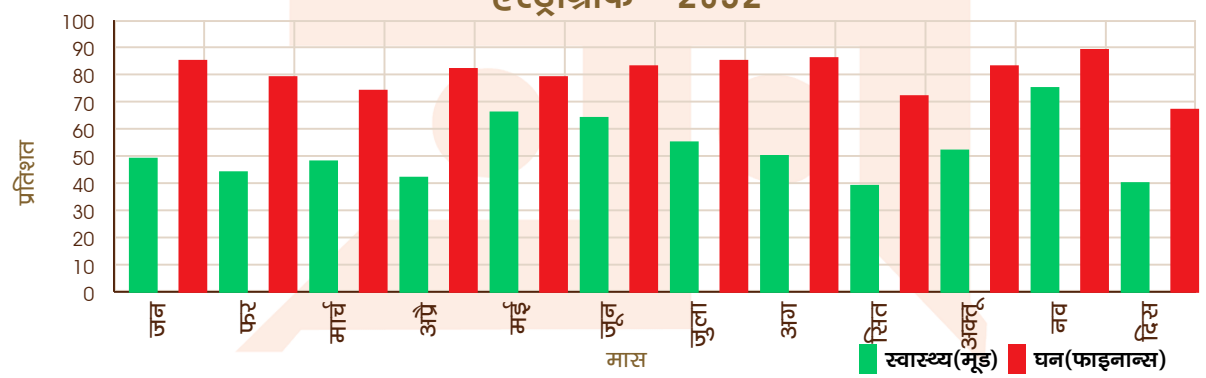

एस्ट्रोग्राफ - 2033

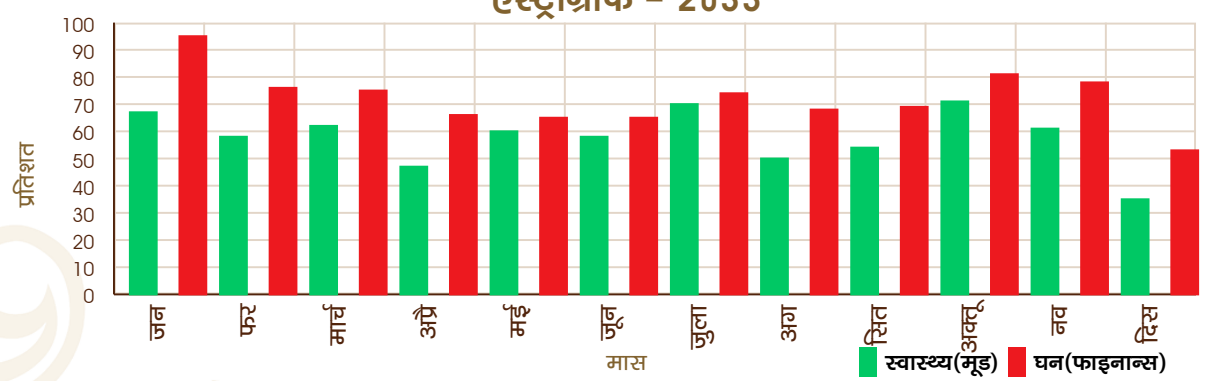

एस्ट्रोग्राफ - 2034

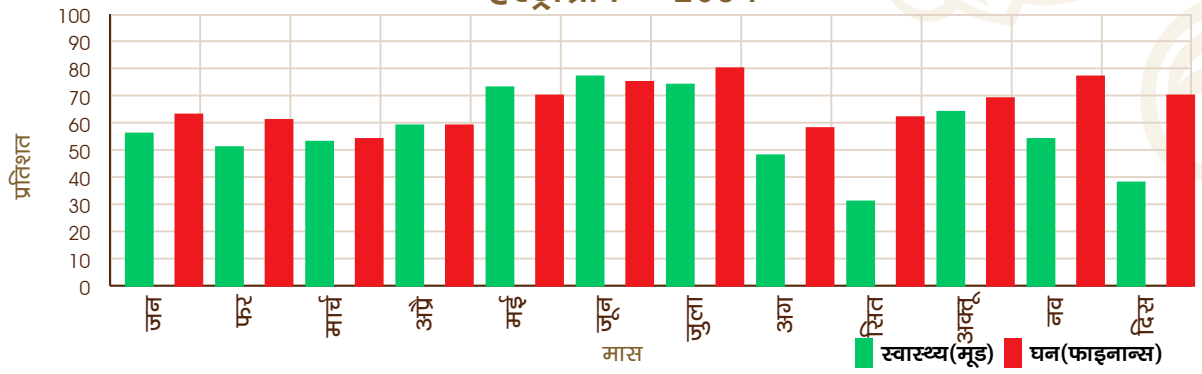

एस्ट्रोग्राफ - 2035

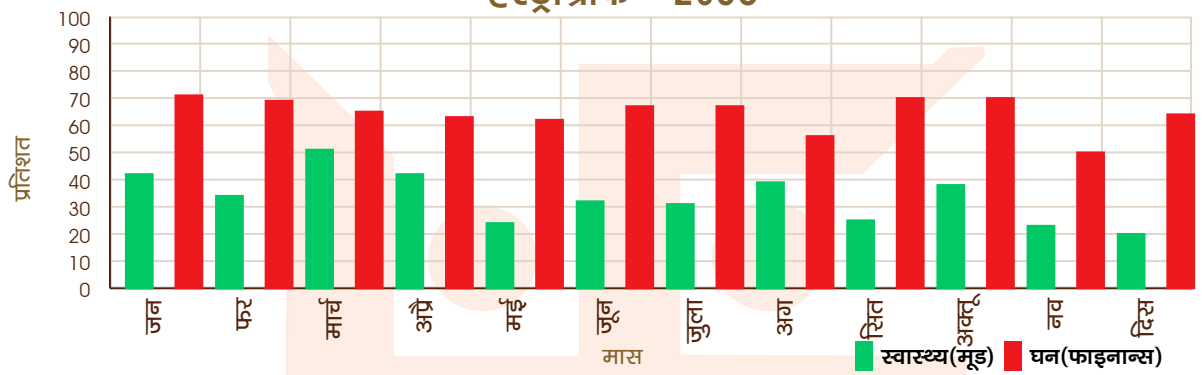

एस्ट्रोग्राफ - 2036

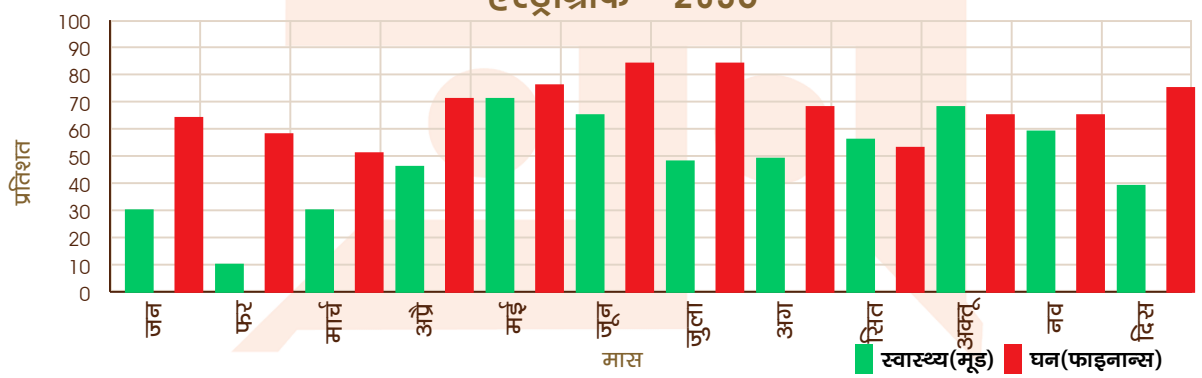

एस्ट्रोग्राफ - 2037

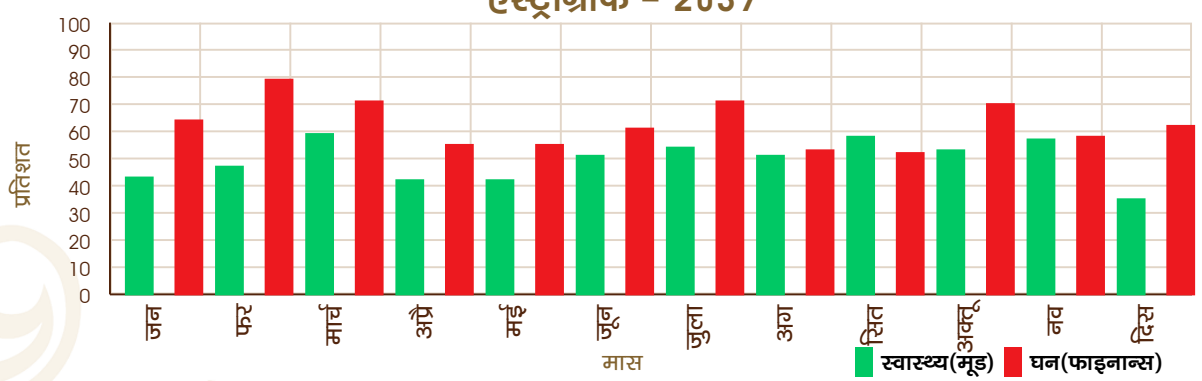

एस्ट्रोग्राफ - 2038

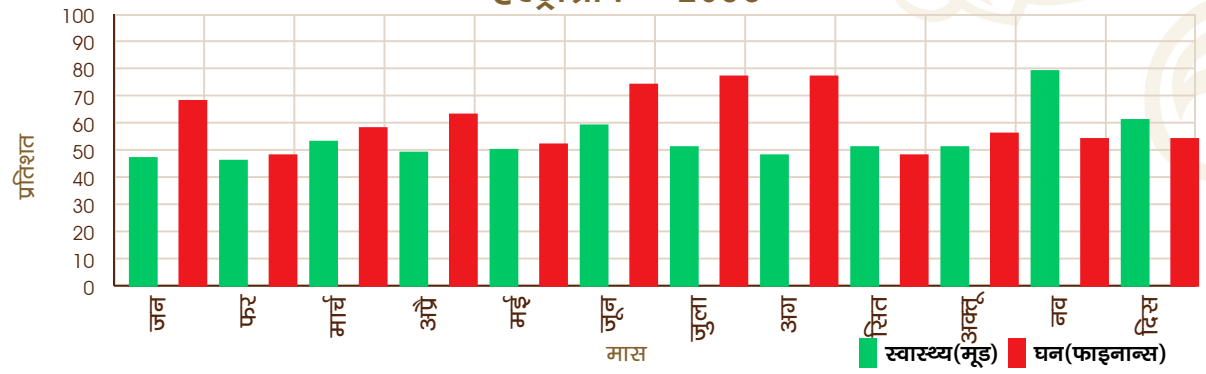

एस्ट्रोग्राफ - 2039

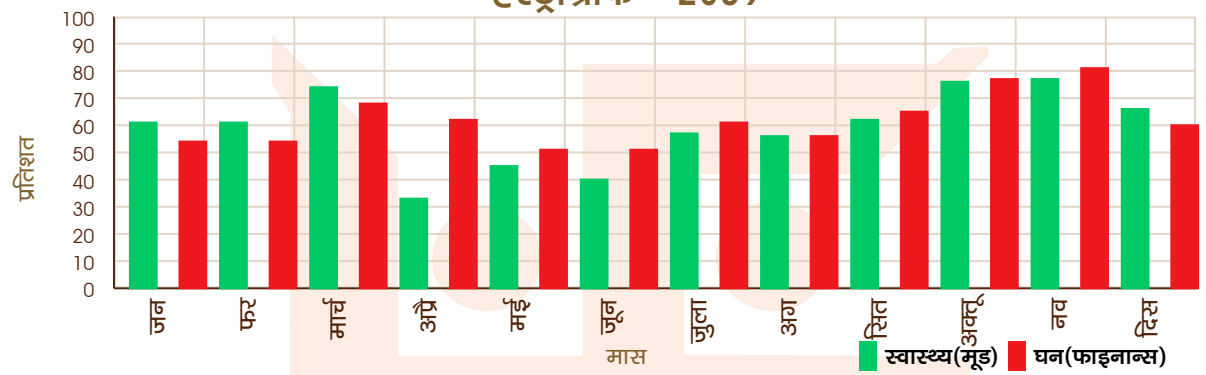

एस्ट्रोग्राफ - 2040

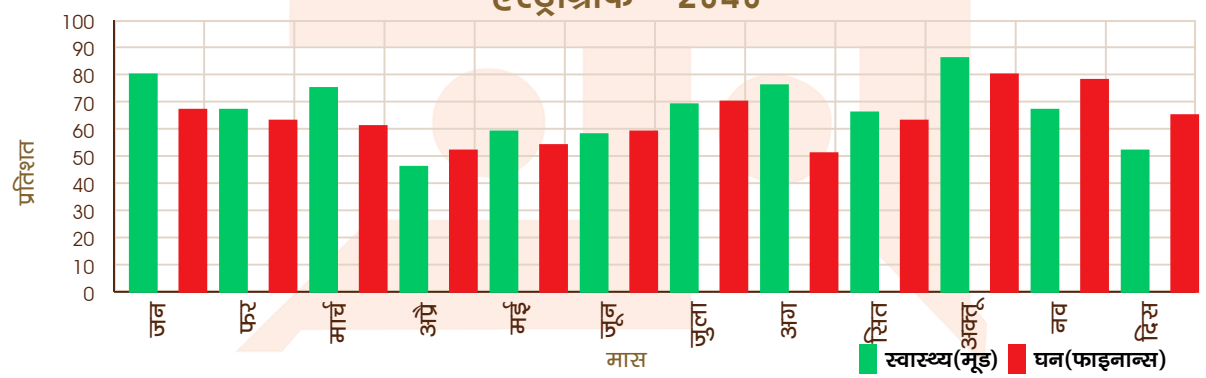

एस्ट्रोग्राफ - 2041

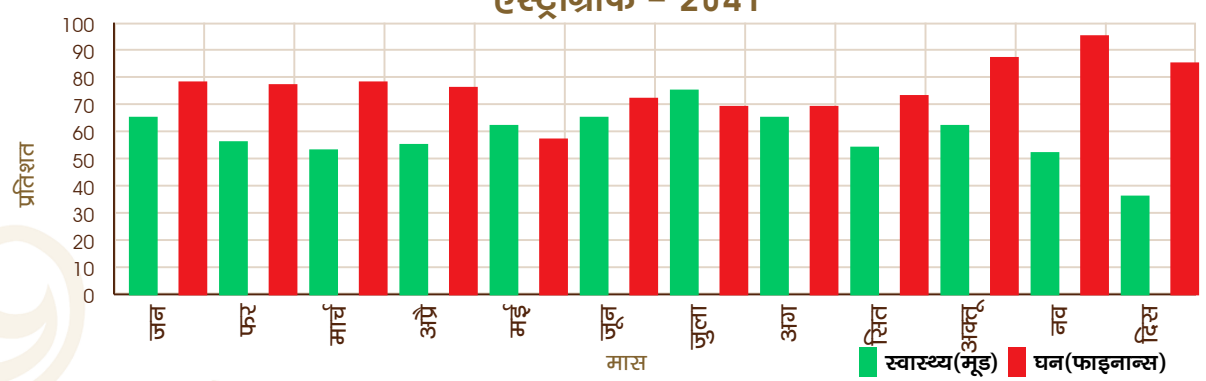

एस्ट्रोग्राफ - 2042

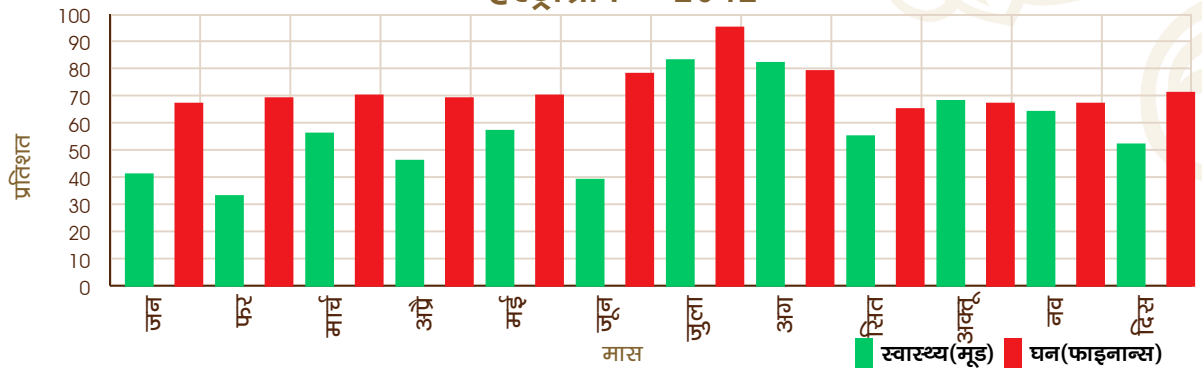

एस्ट्रोग्राफ - 2043

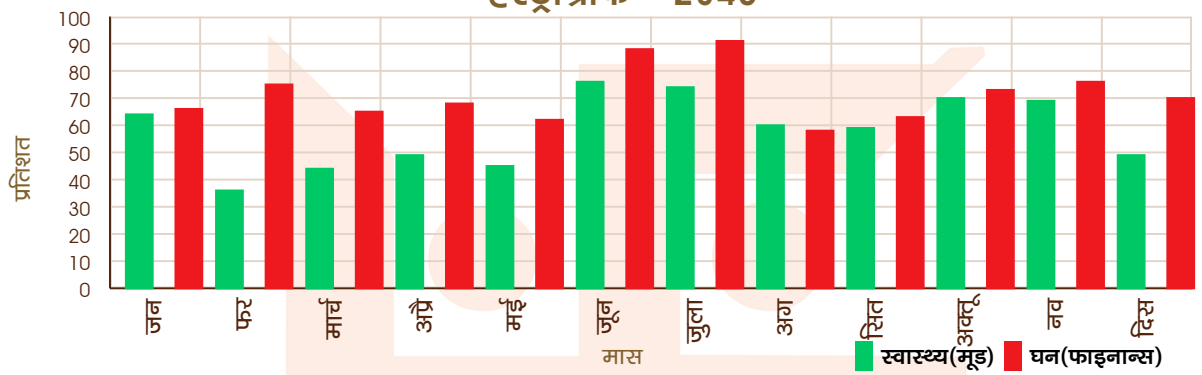

एस्ट्रोग्राफ - 2044

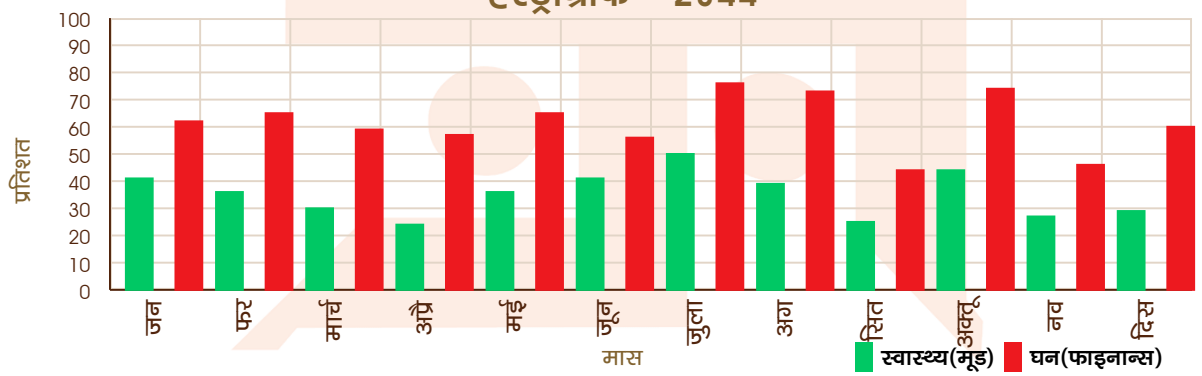

एस्ट्रोग्राफ - 2045

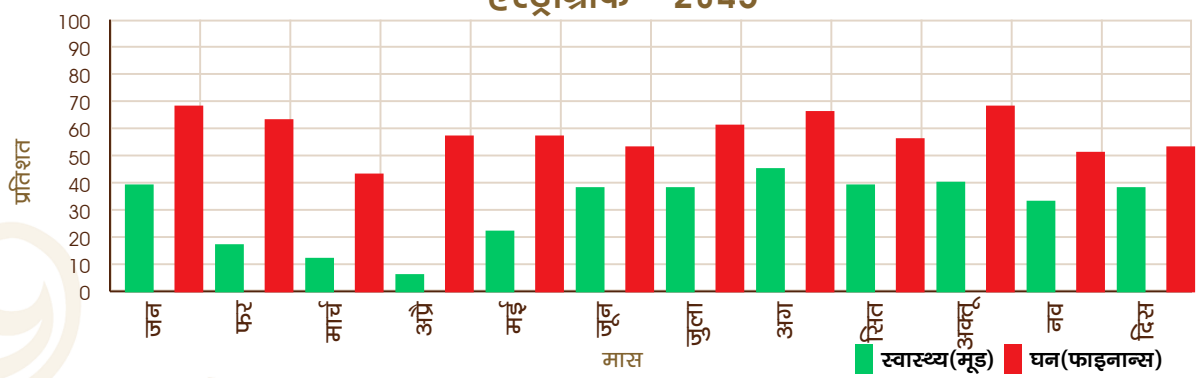

योग

शकट योग

जीवान्त्याष्टारिसंस्थे शशिनि तु शकटः।।
क्वचित्क्वचिद्भाग्यपरिच्युतः सन् पुनः पुनः सर्वमुपैति भाग्यम्।
लोकेऽप्रसिद्धोऽपरिहार्यमन्तः शल्यं प्रपन्नः शकटेऽतिःदुखी।।
।। फलदीपिका ।। अ. 6/श्लोक 14, 17 ।।

यदि पत्रिका में चंद्रमा से 6, 8 या 12 वें स्थान में बृहस्पति हो तो शकट योग बनता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,गुरु योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण स्थापित हो रहा है। फलस्वरूप जन्मभर दुःखी रहना, जीवन व्यथित रहना, प्रसिद्धि प्राप्त करना, सामान्य जीवन व्यतीत करना, भाग्यहीनता तथा पुनः भाग्य प्राप्ति के योग बनेंगे।

हर्ष योग

दुःस्थैर्भावगृहेश्वरैरशुभसंयुक्तेक्षितैर्वाक्रमाद्भावैः हर्षयोगः।
सुखभोगभाग्यदृढगात्रसंयुतो
निहताहितो भवति पापभीरुकः ।
प्रथितप्रधानजनवल्लभो धन-
द्युतिमित्रकीर्तिसुतवांश्च हर्षजः।।
।। फलदीपिका ।। अ. 6/ श्लोक 57, 63 ।।

यदि जन्मपत्रिका में छठा भाव या षष्ठेश अशुभ ग्रहों से युत या निरीक्षित हो तथा षष्ठेश दुःस्थान में निवास करता हो तो हर्षयोग होता है।

योग कारक ग्रह : सूर्य,मंगल,राहु,शनि योग की संभावना : 6 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण स्थापित हो रहा है। फलस्वरूप आप भाग्यवान्, दृढ़ शरीर वाले व सुखी, भोगी, शत्रुजीत, पापकर्म में लिप्त एवं भयातुर होंगे परंतु आप प्रसिद्ध, प्रधानप्रिय, धन, पुत्र, मित्र से सुखी एवं यशस्वी होंगे।

सरल योग

दुःस्थैर्भावगृहेश्वरैरशुभसंयुक्तेक्षितैर्वा क्रमाद्भावैः सरलयोगः।
दीर्घायुष्मान् दृढमतिरभयः श्रीमान्विद्यासुतधनसहितः।
सिद्धारम्भो जितरिपुरमलो विख्याताख्यः प्रभवति सरले।।

।। फलदीपिका ।। अ. 6/श्लोक 57, 65।।

यदि जन्मपत्रिका में अष्टमेश या अष्टम भाव अशुभ ग्रहों से युत या निरीक्षित हो और अष्टम भाव का स्वामी 6ठे, 8वें, 12वें भाव में स्थित हों तो सरलयोग बनता है। अष्टमस्थ पाप ग्रह (शनि के अतिरिक्त) अच्छा फल नहीं देगा।

योग कारक ग्रह : सूर्य योग की संभावना : 4 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप दीर्घायु, दृढ़ निश्चयी, निडर, धनवान, विद्या, पुत्र से युत अपने उद्योग में सफलता प्राप्त करने वाला, शत्रुजीत एवं प्रसिद्ध व्यक्ति होंगे।

सुनफा योग

सुनफा रविरहितैः वित्तसंस्थैः कैरववनबान्धवाद्विहगैः।
श्रीमान् स्वबाहुविभवो बहुधर्मशीलः
शास्त्रार्थविद्बहुयशाः सुगुणाभिरामः।
शान्तः सुखी क्षितिपतिः सचिवोऽथ वा स्यात्।
सुतः पुमान् विपुलधीः सुनफाभिधाने।।
।। सारावली ।। अ. 13/श्लोक 1, 4।।

यदि जन्मकुंडली में सूर्य को छोड़कर चंद्रमा से धनभाव में कोई ग्रह हो तो सुनफा योग बनता है।

योग कारक ग्रह : बुध,चंद्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप लक्ष्मीवान्, अपने परिश्रम से धनार्जन करने वाले, धार्मिक, यशस्वी, गुणी, शान्तप्रिय, सुखी, राजा या मंत्री होंगे।

अनफा योग

अनफा रविरहितैः।
अन्त्ये कैरववनबान्धवाद्विहगैः।।
वाग्मीप्रभुर्द्रविणवानगदः सुशीलो
भोक्तान्नपानकुसुमाम्बरकामिनीनाम्।
ख्यातः समाहितगुणः सुखशस्तचित्तो
योगे निशाकरकृते त्वनफे सुवेषः।।
।। सारावली ।। अ. 13/श्लोक 1, 5।।

यदि जन्मकुंडली में चंद्रमा से द्वादश भाव में सूर्य रहित कोई ग्रह हो तो अनफा योग बनता है।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र,चंद्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप कुशलवक्ता, सामर्थ्यवान्, धनवान्, नीरोग, सुन्दर शीलवान् अन्नपानपुष्पवस्त्र व स्त्री का सुख भोगने वाले, गुणी, सुखी तथा सुन्दर वेशभूषा वाले होंगे।

कर्णरोग योग

तृतीयनाथे पापान्विते पापनिरीक्षिते वा वदन्ति कर्णोद्भवरोगमत्र ।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.4/श्लो.-49 ।।

यदि जन्मपत्रिका में तृतीयेश पाप युक्त या दृष्ट हो तो कर्णरोग होता है।

योग कारक ग्रह : शनि,केतु,मंगल योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है फलस्वरूप आपको कर्णरोग होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

दीर्घायु भ्रातृ योग

।। भारतीय ज्योतिष ।। पृ.-285।।

यदि जन्मपत्रिका में तृतीय भाव में शुभग्रह हो तो दीर्घायु भाई होते हैं।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र योग की संभावना : 3 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके भाई दीर्घायु होंगी, ऐसा प्रतीत होता है।

भवन नाश योग

गेहेशसंयुक्तनवांशनाथे नाशस्थिते स्यादपि गेहनाशः ।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.4/श्लो.-63 ।।

यदि जन्मपत्रिका में चतुर्थ भाव का स्वामी जिस ग्रह के नवांश में हो और वह ग्रह द्वादश भावस्थ हो तो भवन नष्ट हो जाता है।

योग कारक ग्रह : मंगल योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके भवन का नाश हो ऐसा प्रतीत होता है।

अनेक वाहन प्राप्ति योग

सौख्याधिपे शोभनखेचरेण भाग्येश्वरेणापि युतेथ वा स्यात् ।
सेनाबहुत्वं समुपैति जातो बहुत्वदेशाभरणानि यानम् ।।

।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.4/श्लो.-161 ।।

यदि जन्मपत्रिका में चतुर्थेश शुभ ग्रह हो तथा भाग्येश से भी युक्त हो तो जातक बहुत सेना तथा देश-विदेश के वस्त्राभरणभूषणवाहनादि से युक्त होता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,बुध,गुरु,शुक्र योग की संभावना : 36 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप सभी सुखों से युक्त होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

तीव्रबुद्धि योग

बुद्धिस्थानाधिपस्यांशराशीशे शुभवीक्षिते ।
वैशेषिकांशके वापि तीव्रबुद्धिं समादिशेत् ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ. 5/श्लो.-35 ।।

यदि जन्मपत्रिका में पंचमेश जिसके नवांशक में हो वह शुभ ग्रह से दृष्ट अथवा वैशेषिकांश में हो तो तीव्र बुद्धि योग बनता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र,गुरु योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप तीव्र बुद्धि के होंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

बहुपुत्र योग

पुत्रस्थानपतौ तु वा नवमपे पुंवर्गे पुरुषग्रहेक्षितयुते जातस्तु पुत्राधिकः।
।। जातकपारिजात ।। अ. 13/श्लो.-9 ।।

यदि जन्मपत्रिका में पंचमेश अथवा नवमेश पुरुष ग्रह के वर्ग में हो तथा पुरुष ग्रह से दृष्टिगत या युत हो तो बहुपुत्र योग बनता है।

योग कारक ग्रह : मंगल,शनि योग की संभावना : 4 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको अनेक पुत्रों का सुख प्राप्त हागा। ऐसा प्रतीत होता है।

गुल्म रोग योग

तथाभूते शनौ गुल्मरोगो वात्र विशेषतः।
।। सर्वार्थचिन्तामणि अ.-5/श्लो.-35 ।।

यदि जन्मपत्रिका में षष्ठस्थान में शनि षष्ठेश पाप युक्त या पाप दृष्ट हो तो जातक को विशेषकर गुल्म रोग होता है।

योग कारक ग्रह : शनि,मंगल,राहु योग की संभावना : 24 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको गुल्मरोग (त्वचा रोग) होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

वात (वायु) रोग योग

षष्ठाष्टमे मन्दे वातामयम्।
।। फलदीपिका-अ.14/श्लो.-11।।

यदि जन्मपत्रिका में षष्ठ या अष्टम भाव में शनि स्थित हो तो वात रोग होता है।

योग कारक ग्रह : शनि योग की संभावना : 6 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप वात रोग से पीड़ित होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

शास्त्राग्निव्याघ्रसर्पादि पीड़ा योग

पापर्क्षयुक्ते निधने सपापे
शस्त्रानलव्याघ्रभुजङ्गपीडा।
।। फलदीपिका-अ.14/श्लो.-20।।

यदि जन्मकुंडली में अष्टमेश पाप ग्रह हो और आठवें भाव में पापग्रह भी हों तो शस्त्र, अस्त्र, अग्नि, व्याघ्र, सर्पादि की पीड़ा होती है।

योग कारक ग्रह : केतु,मंगल योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको शस्त्र/ अस्त्र/अग्नि/व्याघ्र या सर्पादि से पीड़ा होगी। ऐसा प्रतीत होता है।

विना पीड़ा मृत्यु योग

सौम्यांशके सौम्यगृहेऽथ सौम्य सम्बन्धगे वा क्षयेशे।
अक्लेशजातं मरणं नराणाम्।।
।। फलदीपिका-अ.14/श्लो.-21।।

यदि जन्मकुंडली में द्वादशेश सौम्यग्रह की राशि या सौम्य ग्रह के नवांश या सौम्य ग्रह के साथ स्थित हो तो विना पीड़ा की मृत्यु होती है।

योग कारक ग्रह : सूर्य योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका मरण बिना क्लेश का होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

पुनर्जन्म योग

महीजोमहीं सम्प्रापयेत्प्राणिनः
सम्बन्धाद्व्ययनायकस्य कथयेत्तत्रान्त्यराश्यंशतः।
।। फलदीपिका-अ.14/श्लो.-23।।

यदि जन्मपत्रिका में द्वादश भाव में मंगल हो या द्वादश भाव जिस ग्रह की नवांश में हो यदि उस नवांश में मंगल स्थित हो अथवा द्वादशेश मंगल से संबंध स्थापित करता हो तो जातक मरणोपरांत शीघ्र जन्म लेकर पृथ्वी पर आता है।

योग कारक ग्रह : मंगल योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप मरणोपरांत पुनर्जन्म लेकर पृथ्वी पर आएँगे। ऐसा प्रतीत होता है।

वैकुण्ठवास योग

वैकुण्ठं शशिजो सम्प्रापयेत्प्राणिनः
सम्बन्धाद्व्ययनाकस्य कथयेत्तत्रान्त्यराश्यंशतः।
।। फलदीपिका-अ.14/श्लो.-23।।

यदि जन्मपत्रिका के द्वादश भाव में बुध स्थित हो या द्वादश भाव जिस ग्रह की नवांश में हो यदि उस नवांश में बुध हो अथवा द्वादश भाव के स्वामी बुध से कोई संबंध स्थापित करता हो तो मरणोपरांत वैकुंठवासी होता है।

योग कारक ग्रह : बुध,सूर्य योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप मरणोपरांत वैकुंठवासी होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुभार्या योग

कुटुम्बकलत्रनाथाभ्यां समेतैर्ग्रहनायकैर्वा कलत्रसंख्यां प्रवदन्ति सन्तः ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.-6/श्लो.-14।।

यदि जन्मकुण्डली में द्वितीयेश या सप्तमेश के साथ जितने ग्रह हों उतनी पत्नी होती हैं।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके दो या दो से अधिक जीवनसाथी हो सकते हैं। ऐसा प्रतीत होता है।

सुलक्षणी स्त्री योग

दारेशे शुभसंयुक्ते शुभखेचरवीक्षिते ।
शुभग्रहाणां मध्यस्थे सत्कलत्रादिभाग्भवेत् ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.-6/श्लो.-40 ।।

यदि जन्मपत्रिका में सप्तमेश शुभ ग्रह से युक्त, शुभ ग्रह से दृष्ट तथा शुभ ग्रहों के मध्य में हो तो जातक को सुलक्षणी स्त्री प्राप्त होती है।

योग कारक ग्रह : गुरु,शुक्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका जीवनसाथी सुलक्षणी होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

विवाहोपरान्त भाग्योदय योग

भाग्यं विवाहत्परतो वदन्ति शुक्रेस्तगे चोपचयान्विते वा ।
कुटुम्बमेतादृशभावयुक्ते लग्नेश्वरे वा शुभदृष्टियोगे ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.-6/श्लो.-62 ।।

जन्मपत्रिका में यदि शुक्र सप्तम में हो अथवा उपचय 3/6/11/10 स्थानों में हो अथवा द्वितीयस्थ हो अथवा लग्नेश इन भावों में से किसी भी स्थान में हो एवं शुभ ग्रह द्वारा निरीक्षित हो तो विवाहोपरांत भाग्योदय होता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र,गुरु योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका भाग्योदय विवाहोपरांत होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

धर्म के कारण धन व्यय योग

शुभेन कर्मनाथेन दृष्टे युक्ते व्ययेश्वरे ।
स्वोच्चामित्रस्ववर्गस्थ धर्ममूलाद्धनव्ययः ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.8/व्ययभाव-8 ।।

यदि जन्मपत्रिकामें दशमेश शुभ ग्रह से व्ययेश दृष्ट युक्त हो तथा अपने उच्च, मित्र स्वराशिगतनवांशक में हो तो धर्म कार्य में धन का व्यय होता है।

योग कारक ग्रह : बुध,सूर्य योग की संभावना : 18 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप धार्मिक कार्य में धन व्यय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

पारिजात योग

''सपारिजातद्युचरः सुखानि ।''

।। बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 34 ।।

जिसकी पत्रिका के "पारिजात" भाग में ग्रह हों तो उसे सभी प्रकार के उत्तम सुख की प्राप्ति होती है।

योग कारक ग्रह : सूर्य,मंगल,शुक्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह "पारिजात" वर्ग में स्थित है। फलस्वरूप आपको सभी प्रकार का उत्तम सुख प्राप्त होगा।

गोपुरांश योग

''सगोपुरांशो यदि गोधनानि ''

।। बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 34 ।।

जिस जातक की पत्रिका में "गोपुरांश" भाग में ग्रह स्थित हो, वह मनुष्य गौ और धन दोनों से युक्त होता है।

योग कारक ग्रह : गुरु योग की संभावना : 4 में 1

आपकी पत्रिका में "गोपुरांश" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप गो धन अर्थात् पशुओं और धन से पूर्ण रहेंगे।

वासि योग

''व्ययखेटैर्वाशि दिनेशात् ।''

।। बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 51 ।।

यदि जन्मपत्रिका में सूर्य से बारहवें भाव में कोई ग्रह हो तो "वासि" योग का निरूपण होता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,सूर्य योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण "वासि" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आपकी दृष्टि मन्द अर्थात् आपमें दृष्टिदोष रहेगा। आप परिश्रमी, नीचेदेखनेवाला एवं असत्यवादी होंगे।

वेशि योग

''धनखेटैर्वेशी दिनेशात्''

।। बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 51 ।।

यदि जातक के जन्मकाल पत्रिका में सूर्य से द्वितीय भाव में कोई ग्रह स्थित हो, तो जातक पर वेशि योग का सृजन होगा।

योग कारक ग्रह : शनि,सूर्य

योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण "वेशि" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप दयावान, स्थूल शरीर वाले, चतुरवक्ता, आलस्य से युक्त एवं वक्र दृष्टि वाले प्राणी होंगे।